

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० ३३] नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त १८, १९८४ (श्रावण २७, १९८६)
No. 33] NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 18, 1984 (SRAVANA 27, 1906)

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1 [PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं
[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली, दिनांक १७ जुलाई १९८४

सं० ए० ३२०१३/४/८२-प्रशा० II—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक २-३-१९८३ के अनुक्रम में अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग एतद्वारा सर्वश्री एस० पी० बंसल, बी० आर० गुप्ता, और एस० सी० मस्ताना (अ० जा०), अधीक्षक (त० सं०) को आयोग के कार्यालय में २२-२-१९८३ से आगामी आवेशों तक सहायक नियंत्रक (त० सं०) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियमित आधार पर नियुक्त करते हैं।

यह गृह मंत्रालय, कानून एवं प्रशासनिक सुधार विभाग के पत्र सं० ३९०१७/१/८४-स्था०-(बी) दिनांक अप्रैल, १९८४ और सं० लो० से० आ० के पत्र सं० एफ० १/२८(१)/८४-नि० ए० IV दिनांक २७-६-१९८४ के अनुसरण में जारी हुआ है।

एम० पी० जैन,
अवर सचिव (प्रशा०),
संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय

का० एवं प्र० सु० विभाग

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक २४ जुलाई १९८४

सं० ए० १९०२३/६/८४-प्रशासन-५—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना एतद्वारा श्री एस० एम० कुमार रेड्डी को दिनांक १६-७-८४ पूर्वाह्न से अस्थाई रूप से, लोक अभियोजक/केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के रूप में नियुक्त करते हैं।

उन्हें विशाखापटनम् में पदस्थापित किया जाता है।

केन्द्रीय न्याय वैद्यक विज्ञान प्रयोगशाला

नई दिल्ली, दिनांक २५ जुलाई १९८४

सं० १-२०/८२ सी० एफ० एस० एस० (ए० डी०-५)/५५८१—राष्ट्रपति, केन्द्रीय न्याय-वैद्यक विज्ञान प्रयोगशाला के वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक, श्री एन० के० प्रसाद (रसायन शास्त्र) को १९ जुलाई १९८४ (पूर्वाह्न) से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, नई दिल्ली की केन्द्रीय न्याय-वैद्यक विज्ञान प्रयोगशाला में वरिष्ठ वैज्ञानिक

अधिकारी (रसायन शास्त्र) के पद पर तदर्थ आधार पर छः (6) माह या पद के स्थाई रूप से भरने तक, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

दिनांक 27 जुलाई 1984

सं० ए०-19014/7/84-प्रशासन-5—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से, श्री ए० डब्ल्यू० डैगवेकर, पुलिस उपाधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना को, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन, महाराष्ट्र एवं गोवा, बम्बई से उनके प्रत्यावर्तन हो जाने पर, दिनांक 17 जुलाई, 1984 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में, अस्थायी रूप से, स्थानापन्न पुलिस अधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

राम स्वरूप नागपाल,
प्रशासनिक अधिकारी (स्था०),
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो

नई दिल्ली-110001, दिनांक 17 जुलाई 1984

सं० 3/30/84 प्रशासन-1—राष्ट्रपति, श्री ए० सुदरसन आई० पी० एस० (ए० पी०-एस० पी० एस०) को 27 जून, 1984 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक केन्द्रीय गुप्तचर प्रशिक्षण स्कूल, हैदराबाद में प्रिंसिपल के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 18 जुलाई 1984

सं० 3/23/84-प्रशा०—राष्ट्रपति महोदय श्री वीरेन्द्र सिन्हा, भारतीय पुलिस सेवा (राजस्थान-1970) को 25 मई 1984 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो में सहायक निदेशक के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

दिनांक 26 जुलाई 1984

सं० 3/1/81-प्रशा०-1—श्री पी० वैकट रेड्डी आई० पी० एस० (आंध्र प्रदेश एस० पी०) को आंध्र प्रदेश सरकार में प्रत्यावर्तित होने के परिणामस्वरूप 27-6-1984 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय गुप्तचर प्रशिक्षण स्कूल, हैदराबाद के प्रिंसिपल के पद के कार्यभार से मुक्त किया जाता है।

दिनांक 30 जुलाई 1984

सं० 3/32/84-प्रशासन-1—राष्ट्रपति महोदय, श्री बी० जे० के० तम्पी, आई० पी० एस० (एम० टी०-62) को पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो में, 200/- रुपए विशेष वेतन के साथ 2000-125/2-2250 के वेतनमान में 23 जुलाई 1984 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक उप-निदेशक के पद पर नियुक्त करते हैं।

एस० के० मलिक,
महानिदेशक

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 25 जुलाई 1984

सं० ओ० दो० 1972/84-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर रविन्द्र नाथ कामन को 16 जून, 1984 (पूर्वाह्न) से केवल तीन माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल से कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप से सहर्ष नियुक्त किया है।

दिनांक 26 जुलाई 1984

सं० पी० सात-5/83-स्था०-1—राष्ट्रपति, के० रि० पु० बल के श्री एन० के० तिवारी, कमांडेंट (सलेक्शन ग्रेड) को अतिरिक्त उपमहानिरीक्षक के पद पर अस्थायी रूप में अगले आदेश होने तक सहर्ष पदोन्नति करते हैं।

2. श्री तिवारी ने दिनांक 27-4-84 (पूर्वाह्न) से इस पद का कार्यभार सम्भाल लिया है।

सी०पी० सात-5/83 स्था०-1—राष्ट्रपति के० रि० पु० बल के श्री एस० एम० शर्मा, कमांडेंट को प्रवरण कोर्टि (सलेक्शन ग्रेड) कमांडेंट के पद पर अस्थायी रूप में अगले आदेश होने तक सहर्ष पदोन्नति करते हैं।

2. श्री शर्मा ने दिनांक 4-6-84 (पूर्वाह्न) से इस पद का कार्यभार संभाल लिया है।

सं० डी० एक-30/83 स्था०-1—श्री जे० बासनेट, कमांडेंट 54 बटा० के० रि० पु० बल की सेवाएं दिनांक 9-7-84 (पूर्वाह्न) से आसाम सरकार को डेपुटेशन आधार पर सौंपी जाती हैं।

सं० ओ० दो० 1941/84-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर लक्ष्मण राव को 2 जुलाई, 1984 पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप से सहर्ष नियुक्त किया है।

सं० पी० सात-3/84-स्था०-1—राष्ट्रपति के० रि० पु० बल के निम्नलिखित सहायक कमांडेंटों को कमांडेंट के पद पर अस्थायी रूप में अगले आदेश होने तक सहर्ष पदोन्नति करते हैं।

2. इन्होंने उनके नाम के आगे दर्शाई गई तारीख से अपना कार्यभार संभाल लिया है।

क्रम सं०	अधिकारी का नाम	कार्यभार संभालने की तारीख
1.	श्री बच्चन सिंह	22-6-1984
2.	श्री एम० एस० तूर	11-7-1984
3.	श्री एस० सी० राउ	9-7-1984

एम० पी० जखमोला,
सहायक निदेशक (स्थापना)

कार्यालय महालेखाकार (लेखा परीक्षा) राजस्थान

जयपुर, दिनांक 7 जुलाई 1984

संख्या प्रशासन-I (ले० प०)/18-10/320—
संख्या प्रशासन-I (ले० प०) दिनांक 7-7-84 महालेखाकार
(लेखा परीक्षा) राजस्थान जयपुर निम्नलिखित अनुभाग अधि-
कारियों को स्थानापन्न सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी (ग्रुप बी
राजपत्रित) के पद पर वेतनमान 650-30-740-35-880-
ई० बी०-40-1040 में प्रत्येक के सम्मुख निर्दिष्ट तिथि
से आगामी आदेशों तक के लिए नियुक्ति करते हैं।

क्रमांक	अधिकारी का नाम	दिनांक
1	2	3
सर्वश्री		
1.	कृष्ण व्यास	1-3-1984
2.	जीवन रूप माथुर	1-3-1984
3.	अमृत राज आचार्य	12-3-1984
4.	सोहन लाल बूचरा	1-3-1984
5.	ज्ञान चन्द्र पाटनी	1-3-1984
6.	मोती सिंह बोरडिया	1-3-1984
7.	प्रकाश नारायण माथुर	1-3-1984
8.	भगवती लाल अग्रवाल	1-3-1984
9.	प्रेम राज लारोईया	1-3-1984
10.	राज नारायण शर्मा	1-3-1984
11.	राम सरन शर्मा	1-3-1984
12.	सत्य पाल मेहता	1-3-1984
13.	प्रकाश चन्द्र माथुर	9-3-1984
14.	बाबू लाल शर्मा	2-3-1984
15.	राजेश्वर सिंह वर्मा	1-3-1984
16.	कृष्ण लाल बाघवा	1-3-1984
17.	गंगाधर एन० बोधा	1-3-1984
18.	जे० बी० भागचन्दानी	1-3-1984
19.	दूली चन्द विनायक	1-3-1984
20.	जोगिन्द्र सिंह जब्बल	1-3-1984
21.	बाबू लाल बाकीवाल	1-3-1984
22.	नाथू लाल पापड़ीवाल	1-3-1984
23.	शंभू शरन दलेला	1-3-1984
24.	कस्तूर चन्द जैन	1-3-1984
25.	राम दास गोयल	1-3-1984
26.	गुलाब चन्द वर्मा	1-3-1984
27.	शशी सुन्दर द्विवेदी	1-3-1984
28.	नसीरुद्दीन	1-3-1984
29.	भगवान स्वरूप सिन्हा	1-3-1984
30.	पद्मा लाल मलेटी	1-3-1984
31.	ओमेश्वर प्रसाद सक्सेना	1-3-1984
32.	मोहन लाल खण्डेलवाल	1-3-1984
33.	राम दास मंत्री	1-3-1984
34.	सुरेश चन्द्र मिश्रा	1-3-1984
35.	यशवन्त राम सक्सेना	1-3-1984
36.	विजय सिंह	1-3-1984

1	2	3
सर्वश्री		
37.	राजेश्वर प्रसाद भार्गव	1-3-1984
38.	रूप नारायण खण्डेलवाल	1-3-1984
39.	दुर्गा सहाय यादव	1-3-1984
40.	नरेन्द्र कुमार कपूर	1-3-1984
41.	जनक राज गुप्ता	1-3-1984
42.	फतेह चन्द अग्रवाल	1-3-1984
43.	रंजीत कुमार बनर्जी	1-3-1984
44.	अरुण घोष	1-3-1984
45.	जोगिन्द्र सिंह अक्कल	1-3-1984
46.	जगदीश चन्द बार्शनेय	1-3-1984
47.	ललित प्रसाद भार्गव	1-3-1984
48.	बिन्देश्वर प्रसाद साराभाई	1-3-1984
49.	पारस मल मुराना	1-3-1984
50.	सत्य नारायण अरोरा	1-3-1984
51.	रतन लाल कोठारी	1-3-1984
52.	गोविन्द प्रसाद सिन्हा	1-3-1984
53.	मनमोहन लाल दाधीच	"
54.	भगवान सहाय सक्सेना	"
55.	राधेश्याम गुप्ता	"
56.	प्रेम चन्द शर्मा	"
57.	बसन्ती लाल जैन	"
58.	भगवती लाल व्यास	"
59.	मनोहर लाल गुप्ता	"
60.	नन्द लाल लावटी	"
61.	शांती लाल महनोत	"
62.	अनवर सिंह यादव	"
63.	महेश चन्द्र जैसवाल	"
64.	बहोरन सिंह	"
65.	गुरमीत सिंह	"
66.	प्रेम नारायण माथुर	"
67.	प्रेम शंकर भार्गव	"
68.	नाथू राम सेठ	"
69.	अटल बिहारी पारीख	"
70.	जगदीश चन्द नन्दवानी	"
71.	जसवन्त राय	"
72.	हरी चरण शुक्ला	"
73.	राज कुमार गोधा	"
74.	जगदीश प्रसाद सेदावत	"
75.	नन्द किशोर व्यास	"
76.	राधेश्याम शर्मा III	"
77.	गुलसी दास भाटिया	"
78.	श्याम सुन्दर अग्रवाल	"
79.	नरेश चन्द्र जैन	19-3-1984
80.	करनेल सिंह सिद्धू	1-3-1984
81.	ज्ञान प्रकाश माथुर	"

1	2	3	1	2	3
सर्वश्री			सर्वश्री		
82. रंग राज शाह		1-3-1984	128. मोहन लाल भाटिया		5-3-1984
83. पूरन चन्द्र शर्मा		"	129. दौलत राम चांदना		1-3-1984
84. बाल कृष्ण बसु		"	130. सत्येन्द्र नाथ बंसल		"
85. राम चन्द्र बार्शणेय		"	131. शिव राम उपाध्याय		26-3-1984
86. रामेश्वर लाल विजय		"	132. गोपाल दास		1-3-1984
87. श्री कृष्ण चैतन्य गोस्वामी		"	133. श्रीकार नाथ मेहता		"
88. वेद प्रकाश भरवाह		"	134. सुरेश चन्द्र गुप्ता		"
89. दीप सिंह		"	135. पवन कुमार जैन		"
90. रेशम सिंह वर्मा		"	136. अशोक कुमार जैन		"
91. सुन्दर लाल कोठारी		"	137. मन्द किशोर शर्मा		"
92. महबुल्लाह सिद्दीकी		"	138. इन्द्र जीत		"
93. खेम राज खत्री		2-3-1984	139. चिरंजी लाल जैन II		"
94. राम शरण वर्मा		1-3-1984	140. विशम्भर दयाल गुप्ता		"
95. प्रकाश मोहन माथुर		"	141. चम्पेश्वर प्रसाद शर्मा		"
96. राम कुमार यादव		"	142. गोपी चन्द जैन		"
97. उमा कान्त सक्सेना		"	143. वैकुण्ठ नाथ भार्गव		"
98. विष्णु दत्त पुरोहित		"	144. मदन मोहन माथुर		"
99. मोहिन्दर तलवार		"	145. रमेश चन्द्र भार्गव		"
100. बसन्ती लाल शर्मा		"	146. कमल चन्द जैन		"
101. देवी प्रसाद नौटियाल		"	147. भारत भूषण शर्मा		"
102. विकास चन्द्र कासलीवाल		"	148. मधुकर पुन्डरीक		"
103. मदन लाल सहिजपाल		"	149. वेद वीर सिंह		"
104. मोहन लाल हल्दिया		"	150. मोती लाल मेंघानी		"
105. बृज बिहारी नाग		"	151. बाबू लाल गुप्ता-I		"
106. आनन्द लाल नेपालिया		12-3-1984	152. श्री कृष्ण सारस्वत		"
107. बांके बिहारी लाल सक्सेना		1-3-1984	153. राम शंकर श्रीवास्तव		"
108. दामोदर लाल माथुर		"	154. रामेश्वर दयाल शर्मा-I		7-3-1984
109. महेंद्र नाथ भार्गव		"	155. गया लाल गुप्ता		1-3-1984
110. अमर नाथ शर्मा		"	156. सुन्दर एच० ठाकुर		"
111. भगवती प्रसाद माथुर		"	157. सीमा राम कटियार		"
112. हुसम चन्द जैन		"	158. बोटल दास माहेश्वरी		"
113. ईश्वरी प्रसाद शर्मा		"	159. राज दान दीक्षित		"
114. सोभाग्य चन्द्र बाफना		"	160. गोविन्द नारायण पारोिक		"
115. कान सिंह महतो		"	161. राम भरोसे शर्मा		"
116. गणपत नारायण माथुर		"	162. अवधेश प्रसाद श्रीवास्तव		"
117. प्रेम प्रकाश पंजाबी		"	163. भूरा राम		"
118. ओम प्रकाश सक्सेना		"	164. बद्री प्रसाद मूंदरा		"
119. परमेश्वर नारायण माथुर		"	165. आर० के० सिंह		"
120. ओम प्रकाश साहू		"	166. राजेन्द्र कुमार गुप्ता		"
121. सैयद शौकत अली		"	167. हरबंस लाल गुप्ता		"
122. बी० पी० एम० प्रसादसागर		"	168. मदन गोपाल बजाण		"
123. भाव सिंह		"	169. सतेन्द्र मोहन सेठी		"
124. ओम प्रकाश जावों		"	170. रमेश चन्द शर्मा-II		"
125. दीप चन्द्र जैन		"	171. सतीश चन्द्र शर्मा		"
126. कन्हैयालाल आर० मोटवानी		"	172. कैलाश चन्द्र शर्मा		"
127. यशपाल शर्मा		"	173. गोपाल लाल बोलतानी		"

1	2	3
सर्वश्री		
174. अमर चन्द जैन		1-3-1984
175. लक्ष्मण दास गिदरा		"
176. रामा नन्द श्रीवास्तव		"
177. महेन्द्र कुमार रांका		"
178. राम स्वल्प		"
179. जगदीश नारायण वर्मा		"
180. राजेन्द्र नारायण अस्थाना		"
181. सत्य प्रकाश सक्सेना		"
182. अब्दुल हकीम		"
183. मधन गोपाल शर्मा		"
184. धर्मपाल शर्मा		"
185. श्याम लाल गुप्ता		"
186. भोम प्रकाश बेही		"
187. हरी हर पत्नी		"
188. राज पाल सिंह सोलंकी		"
189. राज सिंह		"
190. नारायण राम पटेल		"
191. अमर चन्द गहलोत		"
192. कन्हैया लाल नीमडिया		"
193. रामेश्वर दयाल शर्मा-II		"
194. भेष सिंह		"
195. शम्भो-पमनदास आसुदानी		"
196. कल्याण सिंह		"
197. राम कृष्ण सचदेवा		"
198. हरी नारायण माथुर		"
199. श्यामा चरन अग्रवाल		"
200. विष्णु भगवान अग्रवाल		"
201. सुरेन्द्र सिंह निगम		"
202. सुरेन्द्र मोहन माथुर		"
203. भंवर लाल मेहता-II		"
204. हरी शंकर गौतम		"
205. कैलाश प्रसाद मामोडिया		"
206. सदा शिव पंडित		"
207. दिनेश चन्द्र शर्मा-II		"
208. ब्रिज किशोर शर्मा		"
209. भोम प्रकाश नाटानी		"
210. कृष्ण मुरारी लाल शर्मा		"
211. रेख राज मेहता		"
212. भोम प्रकाश शर्मा-III		8-3-1984
213. नाथू राम सोलंकी		1-3-1984
214. रमेश चन्द्र पाराशर		"
215. भू दयाल सिंह निर्मल		"
216. उमेश प्रसाद माथुर		"
217. दिलीप चन्द भंडारी		"
218. राम पाल कटारिया		4-5-1984

1	2	3
सर्वश्री		
219. रमेश चन्द्र सक्सेना		16-7-1984
220. सुरेश चन्द्र मित्तल		2-7-1984
221. राम चरन सिंह		27-6-1984
222. राजेश्वर शर्मा		2-7-1984
223. केशव सिंह गवत		27-6-1984

सं० प्रशासन-I/लि० प०/18-10/355—महालेखाकार (लेखा परीक्षा) राजस्थान जयपुर निम्न सहायक लेखा परीक्षा अधिकारियों को स्थानापन्न लेखा परीक्षा अधिकारियों (ग्रुप "बी" राजपत्रित) के पद पर, जिसका वेतनमान 840-40-1000-द० अ०-40-1200 है, प्रत्येक के सम्मुख निर्दिष्ट तिथियों से आगामी आवेशों तक के लिए सहष पदोन्नत करते हैं :-

1. श्री श्रीकृष्ण व्यास	22-6-84
2. श्री भूदयाल सिंह निर्मल	11-6-84
3. श्री अमृत राज आचार्य	11-6-84
4. श्री राम पाल कटारिया	11-6-84

अभिताभ मुखोपाध्याय
उप महालेखाकार/प्रशासन

कार्यालय, महालेखाकार (लेखा), कर्नाटक
बंगलूर, दिनांक 4 जुलाई 1984

सं० स्थापना I/ए०-4/84-85/205—निम्नलिखित लेखा अधिकारी, लेखा अधिकारी के ग्रेड में उनके नाम के सामने बताये गए दिनांक से मौलिक क्षमता में नियुक्त किए गए हैं।

क्र० अधिकारी का नाम मौलिक क्षमता में नियुक्त की गई तारीख

1. श्री ए० सी० राममूर्ति	01-04-83
2. श्रीमती जी० मीमाक्षी	10-07-83
3. श्री ए. एन० मूर्ति	01-08-83

के० जे० कुरियन
महालेखाकार (लेखा)

कार्यालय, निदेशक लेखा परीक्षा रक्षा सेवान

नई दिल्ली-110001, दिनांक 31 जुलाई 1984

सं० 2131/ए-प्रशासन/130/84—शांताकृज इलेक्ट्रॉनिक नियति संसाधन क्षेत्र बम्बई में, स्थानान्तरण के आधार पर, उप विकास आयुक्त (विकास) के पद पर नियुक्ति के परिणामस्वरूप, श्री ए० जी० कृष्णन, स्थायी लेखा परीक्षा अधिकारी, का इस विभाग

में ग्रहणाधिकार, मूल नियम 14-ए-(डी) के अधीन दिनांक 1-5-1984 (पूर्वाह्न) से समाप्त किया जाता है।

भगवान शरण सायल
संयुक्त निदेशक सेवा परीक्षा,
रक्षा सेवाएं,
नई दिल्ली-110001

वाणिज्य मंत्रालय

विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) का कार्यालय

नई दिल्ली-110066, दिनांक 24 जुलाई 1984

सं० 34/18/84-प्रशासन-I—अधिवर्षिता की आयु प्राप्त होने पर श्री एम० दयाल, प्रदर्शनी अधिकारी, विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय, नई दिल्ली, 30 जून, 1984 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हुए।

शिरोमणि शर्मा
विकास आयुक्त (हस्तशिल्प)

उद्योग मंत्रालय

औद्योगिक विकास विभाग

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 26 जुलाई 1984

सं० 12(688)/71-प्रशा० (राज०) खण्ड-II—राष्ट्रपति, औद्योगिक प्रबन्ध प्रशिक्षण के उपनिदेशक श्री के० के० कपूर के दिनांक 4-6-84 से 19-7-84 तक अर्जित अवकाश पर चले जाने पर, उनके स्थान पर, विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय, नई दिल्ली के सहायक निदेशक, ग्रेड-I (औद्योगिक प्रबन्ध प्रशिक्षण)—श्री बी० सरदाना को दिनांक 4-6-84 (पूर्वाह्न) से उसी कार्यालय में, उपनिदेशक (औद्योगिक प्रबन्ध प्रशिक्षण) के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19018(673)/83-प्रशा० (राज०)—राष्ट्रपति, विकास आयुक्त (हस्तशिल्प), हस्तशिल्प विपणन एवं विस्तार केन्द्र, जगदलपुर (बस्तर), मध्य प्रदेश के सहायक निदेशक, श्री पी० आर० गजबेइए को, दिनांक 2-7-84 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक, विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय, नई दिल्ली, में उपनिदेशक (निर्यात संवर्धन) के पद पर नियुक्त करते हैं।

एस० के० पुरकार्यस्थ
उपनिदेशक (प्रशासन)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली-110001, दिनांक 24 जुलाई 1984

सं० ए०-17011/266/84/ए-6—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान ने उत्तरी निरीक्षण मण्डल, नई दिल्ली में भंडार परीक्षक (इंजीनियरी) श्री आर० सी० पंजनानी को दिनांक 30-4-1984 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक इस महानिदेशालय के अधीन उसी निरीक्षण मण्डल में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजीनियरी) नियुक्त किया है।

सं० ए०-17011/282/84 ए०-6—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान ने उत्तरी निरीक्षण मण्डल, नई दिल्ली में भंडार परीक्षक (इंजीनियरी) श्री एस० सी० कपूर को दिनांक 16-6-84 के पूर्वाह्न से, आगामी आदेशों तक इस महानिदेशालय के अधीन बम्बई निरीक्षण मण्डल में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न निरीक्षण अधिकारी (इंजीनियरी) नियुक्त किया है।

दिनांक 25 जुलाई 1984

सं० ए०-6/247(606) खण्ड-3—निदेशक निरीक्षण, कलकत्ता के कार्यालय में स्थायी सहायक निरीक्षण अधिकारी (काष्ठ) श्री ए० बी० राम केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम 1972 के नियम 48-क की शर्तों के अनुसार दिनांक 8 जुलाई, 1984 के अपराह्न से स्वेच्छा से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

सोहनलाल कपूर
उप निदेशक (प्रशासन)
कूले, महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

नई दिल्ली-110001, दिनांक 26 जुलाई 1984

शुद्धि-पत्र

सं० ए०-17011/286/84/ए-6—दिनांक 28-6-84 की अधिसूचना सं० 17011/286/84/ए-6 में निम्नलिखित संशोधन किए जायें :—

के लिए	पद
1. अधिसूचना की तीसरी पंक्ति में श्री एस० हमसा भंडार परीक्षक (इंजी०)	श्री एस० हमसा भंडार परीक्षक (वस्त्र)
2. अधिसूचना की चौथी पंक्ति में "सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजीनियरी)"	सहायक निरीक्षण अधिकारी (वस्त्र)

सोहन लाल कपूर
उप निदेशक (प्रशासन)

(प्रशासन अनुभाग-1)

दिनांक 26 जुलाई 1984

नई दिल्ली, दिनांक 24 जुलाई 1984

सं० ए०-1/1(1031)—राष्ट्रपति ने पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक पूर्ति (ग्रेड-I) (भारतीय पूर्ति सेवा का ग्रेड-III, ग्रुप ए) श्री एस० सी० गुप्त को दिनांक 6 जुलाई, 1984 के अपराह्न से सरकारी सेवा से अनिवार्य रूप से निवृत्त कर दिया।

दिनांक 27 जुलाई 1984

सं० प्र०-1/1(829)—पूर्ति तथा निपटान निदेशक, कानपुर के कार्यालय में स्थानापन्न सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड-I) श्री प्राण नाथ बाबू के वय प्राप्त होने पर दिनांक 30-6-1984 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

राजवीर सिंह
उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 17 जुलाई 1984

सं० 4963बी/ए-19012(1-सी० बी० के०)/81-19ए—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूविज्ञान) श्री सी० बी० काशीविश्वनाथन को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में उसी विभाग में नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 द० के वेतनमान के वेतन पर, स्थानपन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 9-11-83 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

अमित कुशरो
निदेशक (कार्मिक)

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 24 जुलाई 1984

सं० ए०-19012(84)/77-स्था० ए०—श्री पी० एम० केसवानी की भारतीय सांख्यिकी सेवा ग्रेड 4 में पदोन्नति किए जाने और क्षेत्रीय कार्यालय, क्षेत्र मशीनी प्रभाग, राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण संस्थान, योजना मंत्रालय, नागपुर में सहायक निदेशक के पद पर नियुक्त होने के परिणामस्वरूप, उन्होंने भारतीय खान ब्यूरो में खनिज अधिकारी (सांख्यिकी) का पदभार दिनांक 30 जून 1984 के अपराह्न से छोड़ दिया है।

सं० ए०-19012(65)/78-स्था० ए०—श्री पी० एन० राव ने परियोजना मूल्यांकन अधिकारी, (भारतीय सांख्यिकी सेवा को भा० प्र० सेवा के ग्रेड 4 के) पद पर मूल्यांकन कार्यक्रम संगठन, योजना आयोग, नागपुर में नियुक्त होने के परिणामस्वरूप भारतीय खान ब्यूरो में खनिज अधिकारी (सांख्यिकी) का पदभार दिनांक 30 जून 1984 के अपराह्न से छोड़ दिया है।

पी० पी० वादी
प्रशासन अधिकारी
कृते महानियंत्रक

भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण

भारतीय संग्रहालय

कलकत्ता-16, दिनांक 25 जून 1984

सं० 4-200/84/स्थापना—भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण के श्री असीम मैत्र, अनुसंधान सहायक (सांस्कृतिक) 13 जून 1984 पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक इस सर्वेक्षण के उत्तर पूर्वी क्षेत्र, शिलांग में अस्थायी रूप से सह मानव विज्ञानी (सांस्कृतिक) ग्रुप-बी (राजपत्रित) के पद पर पदोन्नति हुई है।

दिनांक 25 जून 1984

सं० 4-202/84/स्थापना—भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण के श्री बी० सी० भौमिक अनुसंधान सहायक (शारीरिक) 29 जून, 1984 से अगला आदेश होने तक इस सर्वेक्षण के अण्डमान एवं निकोबार क्षेत्र, पोर्ट ब्लेयर में सह मानव विज्ञानी (शारीरिक) ग्रुप-बी (राजपत्रित) के पद पर पदोन्नति हुई है।

ए० के० वास गुप्ता
प्रशासन अधिकारी

राष्ट्रीय अभिलेखागार

नई दिल्ली-1, दिनांक 31 जुलाई 1984

सं० नं० फा० 20(सी०-14)-89/79-स्थापना—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर, अभिलेखा निदेशक, भारत सरकार, श्रीमती सुनीता कासरा को, 18 जुलाई 1984 (पूर्वाह्न) से, अगले आदेश होने तक, नियमित अस्थायी आधार पर, अभिलेखाधिकारी (सामान्य) (ग्रुप "बी" राजपत्रित) के पद पर एतद्वारा नियुक्त करते हैं।

राजेश परती
अभिलेख निदेशक

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 25 जुलाई 1984

सं० 5(54)/68-एस-1—श्रीमती इंदिरा जोसफ, कार्यक्रम निष्पादक, आकाशवाणी, त्रिवेन्द्रम, सेवानिवृत्ति की आयु प्राप्त

करने पर 30 जून, 1984 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से सेवा-निवृत्त हो गई हैं।

हरीश चन्द्र जयाल
प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 26 जुलाई 1984

फा० सं० 7/11/84-एस० दो—महानिदेशक आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री विजय पाल सिंह, हिन्दी अनुवाक, आकाशवाणी, शिमला को 9-7-84 से रेडियो कश्मीर, जम्मू में हिन्दी अधिकारी के पद पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपए के वेतनमान में, अगले आदेशों तक, तदर्थ आधार पर प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त करते हैं।

2. श्री सिंह ने, इसी तारीख से रेडियो कश्मीर, जम्मू में अपने पद के कार्यभार सम्भाल लिया है।

मोहन प्रसिद
प्रशासन उप निदेशक
कृते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 23 जुलाई 1984

सं० ए० 12025/23/82-प्रशासन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० (श्रीमती) जोगिन्दर कौर को 1 मार्च, 1984 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक डा० राम मनोहर लोहिया अस्पताल, नई दिल्ली में दन्त-शल्य-चिकित्सक (डेंटल सर्जन) के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

पी० एन० ठाकुर
उप निदेशक प्रशासन (सी० एण्ड बी०)

नई दिल्ली, दिनांक 28 जुलाई 1984

सं० ए० 19019/326/79-प्रशासन-I/पी० एच० (सी० डी० एण्ड एल०) (भाग)—सेवा-निवृत्ति की आयु के हो जाने के फलस्वरूप, इस निदेशालय के अधीन राष्ट्रीय संधारी रोग संस्थान के स्टोर अधिकारी श्री के०एल०विंग 30 जून, 1984 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से रिटायर हो गए हैं।

नारायण सिंह
उप निदेशक प्रशासन (एन)

ग्रामीण विकास मंत्रालय

विपणन एवं निरीक्षण निवेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 24 जुलाई 1984

सं० ए०-19027/1/80-प्र०-III—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार फरीदाबाद में श्री जे० एम० आगले

फोटो अधिकारी (तदर्थ) को उसी पद पर तथा उसी स्टेशन पर 20-1-1983 से नियमित आधार पर नियुक्त किया गया है।

दिनांक 25 जुलाई 1984

सं० ए०-19025/16/84-प्र०-III—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री जेम्स एंटीनी को इस निदेशालय के अधीन फरीदाबाद में 11-7-84 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग-I) के रूप में नियुक्त किया गया है।

अतुल सिन्हा
कृषि विपणन सलाहकार

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

कामिक प्रभाग

बम्बई-400 085, दिनांक 27 जुलाई 1984

सं० के०/545/स्था० II/3704—श्री शतवत केन्द्रतो-डियल राऊ कुट्टि ने सुरक्षा अधिकारी पद का पद भार 30-6-1984 अपराह्न को अधिवर्षिता पर छोड़ दिया।

आर० जी० कोटियकर
उपस्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा निवामक बोर्ड

बम्बई-400039, दिनांक 21 जुलाई 1984

सं० ए० ई० आर० बी०/02/12/104—परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड के सदस्य-सचिव, स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा स्थानापन्न सहायक श्री इवाथिल रामनुन्नी किदवे को, जो भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से सहायक कामिक अधिकारी के पद पर नियुक्त हैं, 22 फरवरी, 1984 से अगला आदेश जारी होने तक के लिए परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड में रुपए 650-960 के वेतनमान में स्थानापन्न रूप से सहायक कामिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

के० मुत्तुस्वामी
प्रशासन अधिकारी

मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना

कलपाक्कम-603102, दिनांक 20 जुलाई 1984

सं० एम०ए०पी०पी०/3 (1488)/84, अर्ती—सामान्य सेवाएं संगठन से स्थानान्तरित श्री आर० राजामणी, एक स्थायी सहायक, लेखा अधिकारी परमाणु ऊर्जा विभाग, एवम् स्थानापन्न लेखा अधिकारी-II सामान्य सेवाएं संगठन को स्थानापन्न रूप में मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना में लेखा अधिकारी-II के पद पर दिनांक 1 जून 1984 पूर्वाह्न से आगे के आदेशों तक नियुक्त किया जाता है।

बी० के० सन्तानम्
प्रशासनिक अधिकारी

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 12 जुलाई 1984

सं० ए० 32014/1/84-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित सहायक संचार अधिकारियों की तदर्थ नियुक्ति प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख तक की और अवधि के लिए अथवा पदों के नियमित आधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, सामान्य शर्तों पर जारी रखने की स्वीकृति दी है :—

क्र० सं०	नाम	दिनांक
सर्वश्री		
1.	एस० के० राय	30-6-1984
2.	डी० एन० कुण्डू	31-1-1984
3.	पी० के० एच० शर्मा	30-6-1984
4.	बी० सी० विश्वास	30-6-1984
5.	नामदी एच० औचरमल	30-6-1984
6.	सी० आर० कुट्टी	30-6-1984
7.	पी० आर० चौधरी	30-6-1984
8.	चमन सिंह	30-6-1984
9.	डी० एल० हेटे	30-6-1984
10.	आर० पी० जोशी	30-6-1984
11.	वलवीर सिंह	30-6-1984
12.	जी० एल० चावला	30-6-1984
13.	एस० डी० भल्ला	30-6-1984
14.	ए० कुमार	30-6-1984
15.	डी० एस० करमलकर	30-6-1984
16.	के० एस० एन० अय्यर	30-6-1984
17.	डी० एन० हलदर	30-6-1984
18.	आर० अरुल प्रगाशम	30-6-1984
19.	एस० के० नन्दी	31-1-1984
20.	ए० एस० शिवरामाकृष्णन्	30-6-1984
21.	एम० एस० सिधल	30-6-1984
22.	पी० बोम	30-6-1984
23.	एस० एस० सन्धु	30-6-1984
24.	टी० जी० नायर	1-2-1984
(पूर्वाह्न)		
25.	पी० के० दास	30-6-1984
26.	एस० के० विश्वास	30-6-1984
27.	सी० एच० सेन चौधरी	30-6-1984
28.	ए० के० विश्वास	30-6-1984
29.	एम० बी० मुलमुले	30-6-1984
30.	आर० डी० राम	30-6-1984
31.	पी० एम० बागडे	30-6-1984
32.	बी० एम० गुलाटी	30-6-1984
33.	जे० एच० नायर	30-6-1984
34.	श्रीमती प्रीति कुण्डू	30-6-1984
35.	श्री एस० पी० बसावड़ा	30-6-1984

क्र० नाम दिनांक
सं०

सर्वश्री—

36.	जी० एरन्ना	30-6-1984
37.	जे० बी० कृष्णा	30-6-1984
38.	जे० एस० बेदी	30-6-1984
39.	जे० घोष	30-6-1984
40.	आर० के० नाज़	30-6-1984
41.	एन० मीता रामन	30-6-1984
42.	ए० एन० मित्रा	30-6-1984
43.	जी० टाइटस	30-6-1984
44.	ए० जे० मथुरानायागम	31-5-1984

दिनांक 26 जुलाई 1984

सं० ए० 38013/1/84-ई० सी०—नागरविमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन के वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई के श्री टी० एस० कृष्णामूर्ति, सहायक संचार अधिकारी निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने पर दिनांक 30-6-1984 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

ओ० पी० अन्नवाल
सहायक निदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली, दिनांक 23 जुलाई 1984

सं० 32013/1/83-ई० एस०—राष्ट्रपति ने, श्री कनु गोहेन का दिनांक 14 जून, 1984 (अपराह्न) से और अन्य आदेश होने तक रु० 1500-60-1800 के वेतनमान में क्षेत्रीय निदेशक, दिल्ली क्षेत्र, सफ़दरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली के कार्यालय में उपनिदेशक विमान सुरक्षा (इंजी)/क्षेत्रीय नियंत्रक विमान सुरक्षा (इंजी) के पद पर नियमित आधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया है।

बी० भौमिक
सहायक निदेशक (प्रशासन)

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमा शुल्क समाहर्तलिय

बड़ौदा, दिनांक 1 जनवरी 1984

सं० 1/1984—श्री एम० एस० जोशी, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन और सीमा शुल्क (वर्ग "ख") मण्डल-II, बड़ौदा वृद्धावस्था में पेंशन की आयु प्राप्त होने पर दिनांक 31-1-1984 के अपराह्न से निवृत्त हो गए हैं।

दिनांक मई 1984

सं० 2/1984—श्री पी० आर० सहानी, सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पादन और सीमा शुल्क (वर्ग "क") मण्डल-I, बड़ौदा वृद्धावस्था में पेंशन की आयु प्राप्त होने पर दिनांक 31-3-1984 के अपराह्न से निवृत्त हो गए हैं।

सं० 3/1984—श्री के० जे० पटेल, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन और सीमा शुल्क (वर्ग "ख") मण्डल-5, बड़ौदा वृद्धावस्था में पेंशन की आयु प्राप्त होने पर दिनांक 31-3-1984 के अपराह्न से निवृत्त हो गए हैं।

सं० 4/1984—श्री डा० पी० नायक, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन और सीमा शुल्क (वर्ग "ख") मण्डल-5, बड़ौदा वृद्धावस्था में पेंशन की आयु प्राप्त होने पर दिनांक 31-3-1984 के अपराह्न से निवृत्त हो गए हैं।

सं० 5/1984—श्री ए० आई० सैयद, सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पादन और सीमा शुल्क (वर्ग "क") मण्डल-5, बड़ौदा, वृद्धावस्था में पेंशन की आयु प्राप्त होने पर दिनांक 30-4-1984 के अपराह्न से निवृत्त हो गए हैं।

सं० 6/1984—श्री जी० जे० वोरा, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन और सीमा शुल्क (वर्ग "ख") मण्डल-1, सूरत वृद्धावस्था में पेंशन की आयु प्राप्त होने पर दिनांक 30-4-1984 के अपराह्न से निवृत्त हो गए हैं।

दिनांक 31 मई 1984

सं० 7/1984—श्री एन० सी० त्रिवेदी, सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पादन और सीमा शुल्क (वर्ग "क") मण्डल-II, बड़ौदा वृद्धावस्था में पेंशन की आयु प्राप्त होने पर दिनांक 31-5-1984 के अपराह्न से निवृत्त हो गए हैं।

दिनांक 4 जुलाई 1984

सं० 8/1984—श्री जी० एन० पंड्या, सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पादन और सीमा शुल्क (वर्ग "क") लेखा-परीक्षा शाखा, बड़ौदा वृद्धावस्था में पेंशन की आयु प्राप्त होने पर दिनांक 30-6-1984 के अपराह्न से निवृत्त हो गए हैं।

सं० 9/1984—श्री पी० पी० परमार, सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पादन और सीमा शुल्क (वर्ग "क") बलसाड (जो दिनांक 29-5-84 से सस्पेंशन है) वृद्धावस्था में पेंशन की आयु प्राप्त होने पर दिनांक 30-6-1984 से निवृत्त हो गए हैं।

सं० 10/1984—श्री पी० एम० कंसारा, मुख्य लेखा अधिकारी, केन्द्रीय उत्पादन और सीमा शुल्क (वर्ग "क") बड़ौदा वृद्धावस्था में पेंशन की आयु प्राप्त होने पर दिनांक 30-6-1984 के अपराह्न से निवृत्त हो गए हैं।

सं० 11/1984—श्री सी० ओ० व्यास, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन और सीमा शुल्क (वर्ग "ख") बलसाड मण्डल, वृद्धावस्था में पेंशन की आयु प्राप्त होने पर दिनांक 30-6-1984 के अपराह्न से निवृत्त हो गए हैं।

पी० के० अग्रवाल
समाहर्ता
केन्द्रीय उत्पादन सीमा शुल्क

विधि, म्याग एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय

कम्पनी कार्य विभाग

कार्यालय, कम्पनियों का रजिस्ट्रार,

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स नव जीव वनस्पति
उद्योग प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

जयपुर, दिनांक 9 जुलाई 1984

सं० सांख्यिकी/1302/4668/4832—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन महीने के अवसान पर मेसर्स नव जीव वनस्पति उद्योग प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित नहीं किये गये तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स माहबान फाइनंस
एण्ड इन्वेस्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

जयपुर, दिनांक 9 जुलाई 1984

सं० सांख्यिकी/1269/4672—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि मेसर्स माहबान फाइनंस एण्ड इन्वेस्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स लक्ष्मी पेतलडोर
इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

जयपुर, दिनांक 9 जुलाई 1984

सं० 1722/4664—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि मेसर्स लक्ष्मी पेतलडोर इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

एस० पी० दीक्षित
कम्पनियों का रजिस्ट्रार
राजस्थान, जयपुर

कार्यालय, आयकर आयुक्त

हैदराबाद, दिनांक 16 जुलाई 1984

आदेश

सं० 370--अंशिक अधिकारी का पूर्ण आयकर अधिकारी, वर्ग-II के रूप में उनके नाम के सामने स्तम्भ संख्या 3 में अंकित तिथि से हुई है:--

क्रम संख्या	आयकर अधिकारी का नाम, पूर्ण पदनाम और कार्यरत स्थान	पुष्प की तिथि	रिक्त कैसे हुई ?
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	श्री वं० वं० रमणा राव, आयकर अधिकारी, बी-वार्ड, विजयनगरम	1-7-84	श्री सुखदेव नारायण, आयकर अधिकारी के सेवा-निवृत्त होने से ।
2.	श्री एन० जयकर, आयकर अधिकारी, डी-वार्ड, सक्ति-1, हैदराबाद ।	1-7-84	श्री के० कृष्णा राव, आयकर अधिकारी के सेवा-निवृत्त होने से ।

2. पुष्प की तिथि पार्श्व तिथि में आशोधन योग्य है, यदि ऐसा करना आवश्यक समझा जाए ।

(सी० आर० सं० 12/स्थापना/84)

वं० वं० एम० शास्त्री

आयकर आयुक्त : आन्ध्र प्रदेश-I
हैदराबाद ।

आयकर अपीलीय अधिकरण

बम्बई-400 020, दिनांक 27 जुलाई 1984

सं० एफ० 48-ए० डी० (ए० टी०)/84--श्री एन० सी० चतुर्वेदी, स्थायी हिन्दी अनुवादक आयकर अपीलीय अधिकरण, इलाहाबाद न्यायपीठ जिन्हें तदर्थ आधार पर, अस्थायी क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर आयकर अपीलीय अधिकरण में दिनांक 16-2-1984 से तीन माह के अवधि के लिए कार्य करने

की अनुमति दी गयी थी, देखिये इस कार्यालय की अधिसूचना सं० 48-ए० डी० (ए० टी०)/1984 दिनांक 22 मई, 1984 को अब आयकर अपीलीय अधिकरण, दिल्ली पीठ, दिल्ली के पद पर दिनांक 16 मई, 1984 से और तीन माह के अवधि के लिए, या जब तक उक्त पद हेतु नियमित भर्ती नहीं की जाती, जो भी पहले हो, कार्य करते रहने की अनुमति प्रदान की जाती है ।

उपर्युक्त नियुक्ति तदर्थ आधार पर है, और यह श्री एन० सी० चतुर्वेदी को उसी श्रेणी में नियमित नियुक्ति के लिए कोई दावा नहीं प्रदान करेगी और उनके द्वारा तदर्थ आधार पर प्रदत्त सेवाएं न तो बरीयता के अभिप्राय से उस श्रेणी में गिनी जावेगी और न दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोन्नत किए जाने की पात्रता ही प्रदान करेगी ।

सं० एफ० 48-ए० डी० (ए० टी०)/1984--श्री एस० व्ही० नारायण, वरिष्ठ आधुनिक, आयकर अपीलीय अधिकरण, हैदराबाद पीठ, हैदराबाद जिन्हें तदर्थ आधार पर अस्थायी क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर आयकर अपीलीय अधिकरण, बम्बई न्यायपीठ, बम्बई में दिनांक 1-3-1984 से तीन माह के अवधि के लिए स्थानापन्न रूप से कार्य करते रहने की अनुमति प्रदान की गयी थी, देखिये इस कार्यालय की अधिसूचना दिनांक 22 मई, 1984 क्रमांक एफ-48-ए० डी० (ए० टी०)/1984 को अब उसी क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर आयकर अपीलीय अधिकरण, बम्बई न्यायपीठ, बम्बई में दिनांक 4 जून, 1984 से और तीन माह के अवधि के लिए या जब तक उक्त पद हेतु नियमित भर्ती नहीं की जाती, जो भी पहले हो, कार्य करते रहने की अनुमति प्रदान की जाती है ।

उपर्युक्त नियुक्ति तदर्थ आधार पर है, और यह श्री एस० व्ही० नारायण को उस श्रेणी में नियमित नियुक्ति के लिए कोई दावा नहीं प्रदान करेगी और उनके द्वारा तदर्थ आधार पर प्रदत्त सेवाएं न तो बरीयता के अभिप्राय से उस श्रेणी में गिनी जावेगी और न दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोन्नत किये जाने की पात्रता ही प्रदान करेगी ।

टी० डी० सुगला
अध्यक्ष

प्रकृष माह. टी. एन. एस. -----

(1) श्री सरदार सन्तोष सिंह चौपड़ा

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) कुमारी अन्नपूर्णा टोडि

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 जुलाई 1984

निर्देश सं० ए०सी०/रेंज-IV/कल/1984-85—अतः मुझे,
शंकर के० व्यानाजी,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० है तथा जो आसानसोल,
वर्धमान में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और,
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 15-11-1983 कोको पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिद्ध
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन-2 बिघा 8 काठा 4 छटाक जमीन का साथ
मकान का 1/4 भाग पता-मोजा-सान्ता, थाना-आसानसोल,
जिला-वर्धमान दलिल से-1983 का 11958।शंकर के० व्यानाजी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कलकत्ता

तारीख : 12-7-1984

मोहर :

प्रकाश मोहं, टी. एन. एस. -----

(1) श्री सरदार सन्तोष सिंह चौपड़ा

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री मदन लाल टोकानिया

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के मर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

उक्त संपत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

कलकत्ता, दिनांक 12 जुलाई 1984

निर्देश सं० ए०सी० 12/रेंज-IV/कल/1984-85--अतः

मुझे, शंकर के० व्यानाजी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० है तथा जो आसानसोल, वर्धमान में स्थित है
(और इससे उपावृद्ध अनुमूची में और, पूर्णरूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्री
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
-तारीख 15-जुलाई 1983को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
हायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम,
1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

जम्हूरी

जमीन-2 विधा 8 काठा 4 छटाक जमीन का साथ
मकान का 1/4 भाग पता-मौजा-सान्ता, थाना-आसानसोल,
जिला-वर्धमान दलिल सं०-1983 का 11959।

शंकर के० व्यानाजी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता-16

तारीख: 12-7-1984

मोहर :

अध्यक्ष बाई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री सरदार सन्तीक सिंह चौपड़ा

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री सुभाष कुमार दोकानिया

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० ए०सी०1310-रेंज- /कलकत्ता/1984-

85—अतः मुझे, शंकर के० व्यानाजी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो आसानसोल,
 वर्धमान में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रृंग,
 पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
 कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
 16) के अधीन, तारीख 15 जुलाई 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
 अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
 पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
 लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
 कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
 प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
 था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
 के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण
 में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

जमीन-2 बिघा 8 काठा 4 छटाक जमीन का साथ
 मकान का 1/4 भाग पता-माया-सान्ता, थाना-आसानसोल,
 जिला-वर्धमान दलिल सं०-1983 का 11960।

शंकर के० व्यानाजी
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, कलकत्ता-16

तारीख : 12-7-1983

मोहर :

प्रमुख बाह्य टी एन एस.-----

(1) सरकार सतन सिंह चौपड़ा

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री दिनेश प्रसाद टोडि

(अन्तरिणी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० ए०सी०/रेंज-IV/कल/1984-85---अन: मुझे,

शंकर के० ब्यानाजी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो आमानसोल, वर्धमान में
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और, पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, दिनांक 15 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिणी
(अंतरिणियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में मूविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
छनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

नतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश्व
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अमीत-2 बिघा 8 काठा 4 छटाक जमीन का साथ
सकान का 1/4 भाग पता-मीजा-साल्ता, खाना-आसानसोल,
जिला-वर्धमान वलिल सं०-1983 का 11961।

शंकर के० ब्यानाजी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

तारीख: 12-7-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - -

(1) श्रीमती सफी बाई एन्ड आदर्स

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 ब(1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

(2) श्री नुसरेत सेरिफ

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 जुलाई 1984

निदेश सं० TR-3/84-85/SL.

I. A C. Acq. R-1/Cal.—

अतः मुझे, एस० के० व्यानाजी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन तक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 11 है तथा जो डेकास लेन, कलकत्ता
में स्थित है। (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और, पूर्णरूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस०आर०ए०
कल० में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 9 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एम० दृश्यमान प्रतिफल का
परिह्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

11 डीकास लेन कल० में अवस्थित सम्पत्ति, जो 9-11-
1983 तारीख में डीड नं० I-11266 अनुसार सब रजिस्ट्रार
आफ एगमुरेन्स के दफ्तर में रजिस्ट्री हुआ।

एस० के० व्यानाजी
तक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

तारीख : 17-7-1984
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 2 जुलाई 1984

निदेश सं० एसआर84-85/43—अतः मुझे, बी० एस०
डिस्त्रिक्ट, आई०आर०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमी है जो कुनतारपुर पठानकोट में स्थित
है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पठानकोट में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथामुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य जास्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1977 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिति :—

3—196GI/84

(1) श्री करण सिंह पुत्र
सुन्दर सिंह,
वासी कुनतारपुर,
पठानकोट।

(अन्तरक)

(3) श्री जयदेव सिंह पुत्र
केहर सिंह पुत्र
धन्ना सिंह,
वासी मसीत पालकोट,
तहसील दसुहा,
होगियारपुर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर संख्या 2 में कोई किराये दार है और
कोई (यह व्यक्ति, जिसके अधांशोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाकोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक भूमी 11 कनाल 19 सरला कुनतारपुर नं० 2328
दिनांक 17-11-83 अधिकारी रजिस्ट्रीकर्ता पठानकोट।

बी० एस० डिस्त्रिक्ट
आई०आर०एस०
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 2-7-1984
मोहर

प्रैरूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० अमृतसर 84-85/44—अतः मुझे, बी०एस०
डिल्लों, आई०आर०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० एक भूमी का प्लॉट है जो डालू रोड़, पठानकोट
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस०आर०
पठानकोट में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) पठानकोट क्लीनिक द्वारा
डा० हेमराज खेड़ा
डा० अरुणखेड़ा पुत्र
डा० हेमराज
डा० अमीर चन्द
डा० अनिल सुनेजा
डा० मोनिका पत्नी
डा० अनिल सोनिज,
पठानकोट।

(अन्तरक)

(3) श्रीमती रजिन्द्र कौर पुत्री
इन्द्र सिंह,
वासो बुधावार,
डाकखाना बुधावार,
तहसील दासुहा,
जिला होशियारपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किन्हीं जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अमृतसर

एक भूमी का प्लॉट डालू रोड़ पठानकोट नं० 2442,
तिथि 29-11-83 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पठानकोट।

बी० एस० डिल्लों आई० आर० एस०
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, अमृतसर

तारीख : 12-7-1984
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 जुलाई 1984

निदेश सं० ए०एस०आर०/84-85/45—अतः मुझे, बी०
एस० दिल्ली आई.आर०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो टैगोर कलोनी
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रणयजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथाः—

(1) श्रीमती सोमा देवी,
रेनु बाला
और दूसरे

(अन्तरक)

(2) श्री कमल कुमार मेहरा पुत्र
शिव नाथ मेहरा,
18-ए,
टैगोर कलोनी,
अमृतसर ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो (वह
व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में
हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

बनसूची

एक जायदाद नम्बर 18 ए जो टैगोर कलोनी अमृतसर में
है जैसा सेल डीड नं०-9686/16-11-83 रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी अमृतसर में दर्ज है ।

बी०एस० दिल्ली, आई०आर०एस०
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 9-7-1984
मोहर :

प्रथम प्राधिका-री एव-पुत्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-न (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जुन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9-जुलाई 1984

निदेश सं० ए०एस०आर०/84-85/46—अतः मुझे,
बी०एस० डिस्ट्रिक्ट आई०आर०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-न के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि आपका व्यवसाय, जिसका नाम बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो बटाला रोड
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भी आय की वसूल, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में करी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भी आय या किसी भी अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के नामों :—

(1) श्री इन्द्रजीत कोर पत्नी
प्रशोत्तम सिंह,
पवन नगर,
बटाला रोड,
अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री नरिन्द्र सिंह पुत्र
चतर सिंह,
91 कृष्णा स्केयर-II,
बटाला रोड,
अमृतसर।

(अन्तरित)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त संपत्ति के वर्णन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक जायदाद नं० 91 कृष्णा स्केयर बटाला रोड अमृतसर
में है जैसा सेल डीज नं० 9948/23-11-83 रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

बी०एस० डिस्ट्रिक्ट आई० आर० एस०
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त निरिक्षण
अर्जुन रंज, अमृतसर

तारीख : 9-7-1984
मोहर :

अक्षय भार्गव, बी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 जुलाई 1984

निदेश सं० ए० एस० आर०/84-85/47—यतः मुझे
बी० एस० डिल्लो, आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एक जायदाद है, तथा जो मकबूल रोड,
अमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपायुक्त अनुसूची में श्रीर जो
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बचति :-

1. मास्टर सुबल खन्ना, पुत्र हृदयन कुमार, खन्ना,
लेखा पार्क, मकबूल रोड, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री नीलम नागपाल, पत्नी श्री विजय कुमार नागपाल
19, बसंत एवेन्यू, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो।

मैसर्स राम सन्ज कारपोरेशन, 225/- महीना

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. श्रीर कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/4, भाग जायदाद जो मकबूल रोड, निकट रत्न सिंह चौक
अमृतसर में है, जैसा सेल डीड नं० 11865/11-1-84 को
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

बी० एस० डिल्लो, आई० आर० एस०

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 9-7-84

मोहर :

प्रकृष बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सड़क

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 जुलाई 1984

निर्देश सं० ए० एस० आर०/84-85/48 यतः मुझे,
बी० एस० डिल्लों, आई० आर० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं एक आयदाद है तथा जो मकबूल रोड,
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपायध अनुसूची में और जो
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरिस्थियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सुदेवी खन्ना पुत्री श्री कृष्ण कुमार खन्ना
सेवा पार्क, मकबूल रोड, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. नीलम नागपाल, पत्नी विजय कुमार नागपाल
19, बसन्त एवेन्यू, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो।

मै० राय० खन्ना, कारपोरेशन, 225/- महीना

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/4 भाग आयदाद जो मकबूल रोड, निकट रत्न सिंह चौक
अमृतसर में है जैसा सैल डीड, नं० 9771/18-11-83 रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

बी० एस० डिल्लों, आई० आर० एस०

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अमृतसर

दिनांक : 9-7-1984

मोहर :

प्रश्न आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 जुलाई 1984

निवेश सं० ए०एस०आर०/84-85/49—अतः मुझे,
बी० एस० डिल्लों, आई० आर० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो मकबूल रोड,
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ह्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके ह्यमान प्रतिफल से ऐसे ह्यमान प्रतिफल का पन्नाह
प्रतिशत से अधिक है और यह कि अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
रिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप में कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्ययत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तिायों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अम्बरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती इन्दु लेखा खन्ना, पत्नी कृष्ण कुमार खन्ना,
लेखा पार्क, मकबूल रोड, अमृतसर।
(अन्तरक)
2. श्रीमती नीलम नागपाल, पत्नी विजय कुमार खन्ना
नागपाल, अमृतसर।
(अन्तरिती)
3. जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. और कोई
(अव्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/4 भाग जायदाद जो मकबूल रोड, निकट रत्नसिंह चौक,
अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 10190/28-11-83 रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

बी० एस० डिल्लों, आई० आर० एस०
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 9-7-1984
मोहर :

प्रकृत आइ. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 जुलाई 1984

निदेश सं० ए० एस० आर०/84-85/50---यतः मुझे,
बी० एस० दिल्ली, आई० आर० एस०,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक आयदाद है तथा जो मकबूल रोड,
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में और जो
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए लय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिद्धित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अंतरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भूतकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रकोषमार्ग अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, स्थान में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्रीमती विशाखा खन्ना, पुत्री कृष्ण कुमार खन्ना,
लेखा पार्क, मकबूल रोड, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती नीलम नागपाल पत्नी विजय कुमार नागपाल
19, बसन्त एवन्यू, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. मै० राय सन्ज कारपोरेशन, 225/- महीना।

और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधकः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
सिद्धित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/4 भाग, आयदाद जो मकबूल रोड, निकट करन सिंह चौक,
अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 9773/18-11-83 को
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

बी० एस० दिल्ली, आई० आर० एस०

सक्षम प्राधिकारी

सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक : 9-7-1984

मोहर :

प्रकृष बाई. टी. एन. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 5 जुलाई 1984

निवेश सं० ए०एस०आर०/84-85/57--अतः मुझे, बी० एस०
दिल्लों, आई०आर०एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक भूमि का प्लॉट है तथा जो न्यू गार्डन
कलोनी अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
वाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या विर्या जाना चाहिए था, छिपाने में मृत्तिधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रजिन्द्र सिंह पुत्र
डा० गुरजीत सिंह,
107 लारेंस रोड,
अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) डा० परमिन्दर सिंह घोषर पुत्र
संत सिंह,
155 आनंद एवन्यू,
स्कीम नं० 61,
अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लॉट 251.25 वर्ग० जो न्यू गार्डन
कलोनी, सरकुलर रोड अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं०
9673/16-11-83 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में
दर्ज है।

बी० एस० दिल्लों, आई० आर०एस०
सूक्ष्म प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 5-7-1984

मोहर :

प्रथम भाग: टी. एन. एल. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 5 जुलाई 1984

निदेश सं० ए०एस०आर०/84-85/52—अतः मुझे,
बी०एस० दिल्ली, आई०आर०एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक भूमि का प्लॉट जो न्यू गार्डन कलोनी
अमृतसर में स्थित है और इससे उपायुक्त अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम का दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप में कीमत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री रजिन्द्र सिंह पुत्र
डा० गुरजीत सिंह,
107-लारैस रोड,
अमृतसर।

(.अन्तरक)

(2) श्री बलविन्द्र प्रोवर पत्नी
डा० परमिन्दर सिंह प्रोवर,
155 आनंद एवन्स,
स्कीम नं० 61,
अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लॉट 250 वर्ग० जो न्यू गार्डन कलोनी
सरकुलर रोड अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 9758/
18-11-83 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

बी०एस० दिल्ली, आई०आर०एस०

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 5-7-1984

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर,

अमृतसर, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० ए०एस०आर०/84-85/53—अतः मुझे, बी० एस० डिल्लों, आई०आर०एस०,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो अन्दरून बाजार पठानकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पठानकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि अपापूर्विका सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तबिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री गोपाल दास पुत्र
ज्ञान चन्द अन्दरून बाजार,
पठान कोट ।

(अन्तरक)

(2) श्री विनोद कुमार पुत्र
शुर राम,
सुजानपुर,
पठानकोट तहसील ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा अपर सं० 2 में कोई किराएदार हो
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक जायदाद जो अन्दरून बाजार पठानकोट में है जैसा सेल डीड नं० 2253/14-11-83 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पठानकोट में दर्ज है ।

बी० एस० डिल्लों, आई०आर०एस०
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 12-7-1984
मोहर

प्रकृष बाई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० ए०एस०आर०/84-85/54—अतः मुझे,
बी०एस० किल्लों, आई०आर०एस०,
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है
और जिसकी सं० एक जायदाद है जो बाहर घीमंडी गेट अमृतसर
में स्थित है (और इससे उपाध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कार्यत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री कान्ता आहुजा पत्नी
मनोहर लाल अहुजा,
बल नगर,
अमृतसर। (अन्तरक)

(2) श्री कंवरजीत बजाज पत्नी
गुरुमुख सिंह,
जेल रोड अमृतसर,
नीलू अरोड़ा पत्नी
बलीप कुमार अरोड़ा,
दी माल अमृतसर और
मीनू बघवा पत्नी
अनिल बघवा वारनी,
लॉरेस रोड,
अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होंगे जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक जायदाद जो बाहर की मंडी गेट अमृतसर में है
जैसा सेल डीड नं० 9585/14-11-83 रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी में दर्ज है।

बी०एस० किल्लों, आई०आर०एस०
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, अमृतसर

तारीख : 12-7-1984

मोहर

प्रथम भाग टी. एन. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 2 जुलाई 1984

निदेश सं० ए०एस०आर०/84-85/55-अतः मुझे,
बी०एस० जिल्लों, आई०आर०एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गांव गोरसिया जिला
गुरदासपुर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय गुरदासपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्राप्तफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

(1) श्री फकीर सिंह,
अजीत सिंह और
जसविन्द्र सिंह पुत्र
अमर सिंह
गांव गोरसियां
तहसील व जिला अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री अरजुन सिंह और
सतविन्द्र सिंह पुत्र
बचन सिंह,
वासी गांव गोरसियां,
जिला गुरदासपुर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशंका :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

नमूना

एक कृषि भूमि का टुकड़ा 21 कनाल जो गांव गोरसियां
जिला पठानकोट में है जैसा सेल डीडन०-4672/22-11-83
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गुरदासपुर में दर्ज है।

बी०एस० जिल्लों, आई०आर०एस०

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अमृतसर

तारीख : 2-7-1984

मोहर :

नोट : जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 2 जुलाई 1984

निर्देश सं० ए०एस०आर०/84-85/56—अतः मुझे,
बी०एस० दिल्ली, आई०आर०एस०,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है:

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गांव गोरसियां जिला
गुरदासपुर में स्थित है (और इससे उपाग्रह अनुसूची में
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
गुरदासपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
बन्ध प्रतियोगिता से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कीर्तित से नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बायत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाबित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को बिना भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जसवंत सिंह पुत्र
कपूर सिंह,
गांव गोरसियां,
जिला गुरदासपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री फकीर सिंह,
अजीत सिंह और
जसविन्द सिंह पुत्र
अमर सिंह,
गांव गोरसियां,
जिला गुरदासपुर।

(अन्तरित)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

एक भूमि का टुकड़ा 14 कनाल जो गांव गोरसियां
जिला गुरदासपुर में है जैसा सेल डीड नं०-4676/23-11-
83 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गुरदासपुर में दर्ज है।

बी०एस० दिल्ली, आई०आर०एस०

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 2-7-1984

मोहर

प्रकृष-शाई टी. एन. एस. :-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

सारस सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 5 जुलाई 1984

निवेश सं० ए०एस०आर०/84-85/57—अतः मुझे,

बी० एस० डिल्लों, आई०आर०एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक भूमि का प्लॉट है तथा जो जी० टी० रोड
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाध की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा पकड़ नहीं किया गया
था या किया जाना वांछित था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरक
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मीसर्स बूल फिनीशर अमृतसर द्वारा
प्रवीनकुमार पुत्र
अलैकुमार
श्रीमती कुसम कुमारी पत्नी,
जय कुमार,
27-लोरेंस रोड,
अमृतसर।

(अन्तरिती)

(2) मीसर्स बूलने परोशगर,
(प) लिमिटेड,
नजदीक के खेत,
जी० टी० रोड,
अमृतसर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करवा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाध :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अनाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लॉट 1 कनाल 15 मरला सुलतानबिन जी०
टी० रोड नं० 9967 तिथि 24-11-83 रजिस्ट्रीकर्ता अमृतसर।

बी०एस० डिल्लों, आई०आर०एस०
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 5-7-1984
मोहर :

प्रश्न नम्बर टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 जुलाई 1984

निदेश सं० ए०एस०आर०/84-85/58—प्रतः मुझे,
बी०एस० दिल्ली, आई०आर०एस०

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक भूमि का प्लॉट है तथा जो सुल्तानपुर
जी० टी० रोड अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर, 1983
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरितियों) की बीजे ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
शास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
वायवरण में कमी करने या उससे बचने में सीधे
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सीधे के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स बूल फिनोशर अमृतसर द्वारा
प्रवीन कुमार पुत्र
अश्व कुमार
श्रीमती कुशम कुमारी पत्नी
श्री जे० कुमार,
27 लारेंस रोड,
अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) बूलन परोशेशर,
(प०) लिमि० 23
नजदीक 4 कीलडे,
जी०टी० रोड,
अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसे ऊपर नं० 2 में
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
(4) और कोई
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक प्लॉट 1 कनाल 15 मरला सुल्तानपुर जी०टी०
रोड अमृतसर नं० 9523 तिथि 14-11-83 रजिस्ट्रीकर्ता
अमृतसर।

बी०एस० दिल्ली, आई०आर०एस०

सक्षम प्राधिकारी

सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अमृतसर

तारीख : 9-7-1984

मोहर :

प्रमाण आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना.

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 जुलाई 1984

निदेश सं० ए० एस० आर०/84-85/59—यतः : मुझे,
बी० एस० दिल्ली, आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है, तथा जो जी० टी० रोड
बटाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बटाला
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीयत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

5-196 GI/84

1. श्री वैष्णो दास पुत्र देसराज, और
रणधीर गोयल पुत्र सुरिन्द्र नाथ बटाला, अब
6 मकबला रोड, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री राजकुमार पुत्र सेवा राम
मोती बाजार, बटाला।

(अन्तरिती)

3. जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई
वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितग्रह है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
ग्रह किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/9, भाग जायदाद जो जी० टी० रोड, बटाला में है,
जैसा सेल डीड न० 4241/25-11-83 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
बटाला में दर्ज है।

बी० एस० दिल्ली, आई० आर० एस०
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक 9-7-1984

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 जुलाई 1984

निर्देश सं० ए०एम०आर०/84-85/60—यतः सुझे, बी०
एम० दिल्ली, आई०आर०एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एका आयदाद है तथा जो जी० टी० रोड,
बटाला में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से दर्जित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
बटाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अन्तर्गत दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिसकी धारणा आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री वैश्वनाथ पुत्र देसराज और
रणधीर गोयल पत्नी सुरिन्द्र नाथ बटाला अब
6 मकबूल रोड, अमृतसर।
(अन्तरक)

2. श्री सुरिन्द्र कुमार पुत्र सेवा राम
मोती बाजार, बटाला।
(अन्तरिती)

3. जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
चाहता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किन्हीं आ सक्ते।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 भाग, जायदाद जो जी० टी० रोड, बटाला में है
जैसा सेल डीज नं० 4267/28-11-83 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
बटाला में दर्ज है।

बी० एम० दिल्ली, आई०आर०एस०
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख 9-7-1984
मोहर :

प्ररूप आह. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 जुलाई 1984

निदेश सं० ए०एस०आर०/84-85/61—अतः मुझे,
बी० एस० डिल्लो, आई० आर० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है, की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो जी० टी० रोड,
बटाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
बटाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री वैष्णोदास पुत्र देवराज और रणधीर गोयल पुत्र
सुरिन्द्र नाथ बटाला अब 6 मकबूल रोड,
अमृतसर ।

(अन्तरक)

2. श्री प्रमोद कुमार पुत्र सेवा राम
भोती बाजार, बटाला ।

(अन्तरिती)

3. जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

व्याख्याकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है ।

अनुसूची

1/9 भाग, जायदाद जो जी० टी० रोड, बटाला में है जैसा
सेल डीड नं० 4297/28-11-83 को रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी बटाला में दर्ज है ।

बी० एस० डिल्लो, आई० आर० एस०
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 9-7-84
मोहर []

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/11-83/105

अतः मुझे जी० एस० गोपाला,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 317 है, तथा जो 9-भीकाजी कामा, रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के व्ययत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्त्या आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती सुनिता देवी गुप्ता, पत्नी श्रीआर० के० गुप्ता, निवासी 58, माडल बस्ती, नई दिल्ली-5
(अन्तरक)

2. श्रीमती कान्ता जे ठी, श्री अनिल जेठी, और श्री अजयजेठी, निवासी बी-5, एम० आई० जी० फ्लैट, ब्लाक-II, पाकेट-बी, भाग-III, अशोक मिहार, दिल्ली-32
(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 317, बिल्डिंग, नं० 9-भीकाजी कामा, प्लेस, नई दिल्ली, तादादी 460 वर्ग फीट।

जी० एस० गोपाला

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-112000

दिनांक : 16-7-1984

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की;

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3,

नई दिल्ली, दिनांक 16 जुलाई 1984

निदेश सं० आई ए० सी०/एक्यू० 3/37ईई/11-83/

/106 अतः मुझे, जी० एस० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 11/5 है, तथा जो भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961, के अधीन दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी जान की बात, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की वायस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

6. श्रीमती शान्ता अर्या श्रीमती प्रेमिला श्रोवर, और श्रीमती उमिला श्रोवर,
श्रोवर, भवन, नियर दयाल सिंह कालेज करानल ।

(अन्तरक)

7. श्रीमती केवल मागो और श्रीमती उपा मागो,
निवासी 65/62, रोहतक रोड, नई दिल्ली-5

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधों :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

बेसमेंट नं० 11, बिल्डिंग नं० 5, भीकाजी कामा, प्लेस,
नई दिल्ली, तादावी 380 वर्ग फीट ।

जी० एस० गोपाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक : 16-7-84

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एन्यू०/3/37ईई/11-83/

107—अतः मुझे, जी० एस० गोपाला,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 234 है, तथा जो भीकाजी कामा, प्लेस नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सुरेन्द्र कुमार सरिन, श्री विरेन्द्र सैन,
निवासी एफ-10, एन० डी० एस० ई०-1,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. तुलसी राम फेमिली ट्रस्ट,
शालीमार, 216, मारीन ड्राइव, नीयर नरीमन
प्वाइंट, बम्बई ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 234, बिल्डिंग, नं० 9 भीकाजी कामा, प्लेस,
नई दिल्ली-सादादी 340 वर्ग गज ।

जी० एस० गोपाला
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 16-7-1984
मोहर :

प्रश्न आई. टी. एन. एच.-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 जुलाई, 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० 3/377ईई/11-83/

108—अतः मुझे, जी० एम० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यू जी०-17 है, तथा जो प्लॉट नं० 38, जनकपुरी, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपापद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स जैना प्रोपर्टीज प्रा० लि०

आदिनाथ श्री हाउस, अपोजिट सुपर बाजार, कनाट सर्कस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती मूर्ती और श्रीमती विजय,

पत्नी श्री एस० एन० यादव और

श्री ए० एस० यादव,

निवासी यू-456, ओफिसर्स क्वाटर्स, एरिया,

एयर फोर्स, स्टेशन, पालम,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम की अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० यू-जी-17, प्लॉट नं० 3, डिस्ट्रिक्ट, सेन्टर, जनकपुरी, नई दिल्ली, तादादी, 155 वर्ग फीट।

जी० एम० गोपाला,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक : 16-7-1984

मोहर :

प्रकरण नम्बर टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/11-83/110--

अतः मुझे, जी० एम० गोपाला,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
₹5,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 303, एन-10 है, तथा जो पार्क, एकस, नई दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसंरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. डा० एम० बी० अत्रेया, श्रीमती गीता अत्रेया,
निवासी ए-28 चित्तरंजन पार्क, नई दिल्ली-19
(अन्तरक)

2. श्री एम० एल० कुजारी, श्रीमती सोभा कुजारी,
निवासी ई-41, एन० डी० एस० ई० भाग-1,
नई दिल्ली ।
(अन्तरिती)

यदि यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दृष्टबन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 303, एन-19, ग्रीन पार्क, एकस्टेंशन, नई दिल्ली, तादादी 925 वर्ग फीट।

जी० एम० गोपाला
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक : 16-7-1984
मोहर :

प्रकृष आर्इ. टी. एन. एस.-----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) से अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

4/14ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 जुलाई 1984

निवेश सं० आर्इ० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/11-88/111--

अतः मुझे, जी० एस० गोपाला,

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 76, ब्लाक 7 है, तथा जो सुभाष नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली भारतिय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्रम भिन्नाभिन्नित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तव उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भाषकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहेगा था, विधान में परिवर्तित के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

6—196GI/84

1. श्रीमती बूधवान्ती पत्नी श्री हरनाम सिंह,
निवासी 1495, रणजीत स्ट्रीट, पहाड़गंज,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती हरनाम कौर पत्नी श्री नारायण सिंह,
निवासी 17/103, सुभाष नगर, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपे —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में देखा जा सकेगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संज्ञान सं० 76, ब्लाक नं० 7, सुभाष नगर, नई दिल्ली
तादादा 100 वर्ग गज, ।

जी० एस० गोपाला

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3,

4/14ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

दिनांक : 16 जुलाई 1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज 3, नई दिल्ली

4/14ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/11-83/113-

अतः मुझे, जी० एस० गोपाला,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ए 320 है, तथा जो '5-भीकाजी कामा, प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जेन रेंज 3, नई दिल्ली, में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, विफलता से सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसारण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० अटलांटिक प्रा० लि०

806, रोहित हाउस, 3- टालस्टाय मार्ग,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. मै० भानोट प्रोक्टीज, एण्ड इन्डस्ट्रीज, लि०

102-103, राजा हाउस, 30-31 नेहरू प्लेस,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसूची

प्लेट नं० ए-320, तीसरी मंजिल, 5-भीकाजी कामा प्लेस,
नई दिल्ली, ताबादी 295 वर्ग फीट।

जी० एस० गोपाला,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज 3,

4/14ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

तारीख : 16-7-1984

माहूर :

प्रकरण जारी टी. एन. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

4/14ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/11-83/

114—अतः मुझे, जी० एस० गोपाला,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 111-ए है, तथा जो 5-भीकाजी कामा प्लेस,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961
के अधीन दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री निर्मल कुमार गुप्ता,
4401, गली लाटन जाट, पहारी धीरज,
दिल्ली-6

(अन्तरक)

2. श्री पुनीत अग्रवाल,
मार्फत मै० पवनसुत इन्टरप्राइजेज,
506/1-ई, ब्रह्मपू० के० रोड, छीपी टैंक, मेरठ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभावेस्ताधारी के बाब
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सोप नं० 111-ए, पहली मंजिल, तादावी 110 वर्ग फीट,
5 भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली।

जी० एस० गोपाला;

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली नई दिल्ली

दिनांक : 16-7-1984

माहूर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

4/14ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/11-83/273-

अतः मुझे, जी० एस० गोपाला,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जी-14 है, तथा जो जैना टावर, जनकपुरी, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव को बाध, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती उषा सिंगल पत्नी श्री आर० के० सिंगल, मार्फत : श्री एम० एल० गर्ग, अजन्ता एक्सप्रेस, बार, 8-यू०बी०, जवाहर नगर, दिल्ली-7

(अन्तरक)

2. जैना प्रोपर्टीज, प्रा० लि० आदि नाम श्री हाउस, अपोजिट सुपर बाजार, कनाट सर्कस, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० जी-14, जैना टावर डिस्ट्रिक्ट सेन्टर, जनकपुरी, नई दिल्ली, तादादी 840 वर्ग गज।

जी० एस० गोपाला

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक : 16-7-1984

मोहर

प्रमुख बाइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3,

4/14ए, असफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/11-83/270-

अतः मुझे, जी० एस० गोपाला

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वान करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

जिसकी सं० एफ-14 है, तथा जो जनकपुरी, जैना टावर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. जैना प्रोपर्टीज, प्रा० लि०

आदिनाथ श्री हाउस, अपो० सुपर बाजार,
फनाट सर्कस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री धरम बीर सीमार,

ग्राम धरमपुरा, भाया, अबोहर, जिला-फरीदपुर,
पंजाब।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० एफ-14, तीसरी मंजिल, जैना टावर, जनकपुरी,
नई दिल्ली सादादी 355 वर्ग फीट।

जी० एस० गोपाला

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक : 16-7-1984

मोहर :

इसका नाम 'जी.एस.एच.' होगा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3,
4/14ए आसफ खली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एनयू०/3/37ईई/11-83/

271--अतः मुझे, जी० एस० गोपाला

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 324 है, तथा जो जैना टावर, जनकपुरी,
नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अर्जन रेंज, 3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961
के अधीन दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी नाम की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वापिस से कमी करने या उद्धृत वर्णन में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी नाम या किसी भू या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भूकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा शकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या डिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. मै० जैना प्रोपर्टीज, प्रा० लि०

आविनाथ श्री हाउस, अपो० सुपर बाजार,
कनाट सर्कस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सतीन्दर कौर पत्नी श्री जी० एस० जवन्दा,
निवासी-215, सैक्टर 11 ए, कण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताधारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 324, तीसरी मंजिल जैना टावर, जनकपुरी,
नई दिल्ली-तावादी-480 वर्गफीट।

जी०एस० गोपाला

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली नई दिल्ली

तारीख : 16-7-1984

मोहर :

प्रत्यक्ष बार्ड, टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 जुलाई 1984

निर्देश सं०आई०ए०सी०/एक्यू०/3/37ईई/11-83/103---

अतः मुझे, जी० एस० गोपाला,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसका पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या 328, है तथा जो 9-भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जुन रेंज-3, नई दिल्ली, में भारतीय आयकर अधिनियम 1961, के अधीन तारीख नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चदश प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बात, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या लगभग बचने में व्यक्ति को लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या पत्र कर अधिनियम, 1937 (1937 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में व्यक्ति के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्णित हूँ—

(1) श्री कमान्डर अशोक कुमार भट्टाचार्या
श्रीमती जयश्री भट्टाचार्या,
निवासी-एफ०/10,
होज खास इनकलेव,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) कमान्डर अशोक कुमार भट्टाचार्या श्रीमती
जयश्री भट्टाचार्या
डा० शोमा भट्टाचार्या,
कुमारी मनोशी भट्टाचार्या,
निवासी-एफ०/10,
होज खास इनकलेव,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 328 बिल्डिंग नं० 9-भीकाजी कामा प्लेस,
नई दिल्ली, ताबादी-433 वर्गफीट।

जी०एस० गोपाला
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 16-7-1984

मोहर :

इसमें बाई-डी.एन.एच.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 जुलाई 1984

निर्देश सं०आई०ए०सी०/एचयू०/3/37-ईई/11-83/109--

अतः मुझे, जी०एस० गोपाला,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या बी-413414/415 है तथा जो 5-
भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे
उपावृद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली, में भारतीय
आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक नवम्बर, 1983
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की भावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
साथित्व में कमी करने या उससे बचने से सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्रीमती भारती एन० वधवाना,
निवासी-233,
लोवर सर्कुलर रोड,
कलकता।

(अन्तरक)

(2) श्री इन्द्रावदन मोहन लाल पारीख (एच-यू-
एफ) श्रीमती
मनोरमा आइ० पारीख,
निवासी-8/ए-बी,
मोना अपार्टमेंट 46-एफ,
भुलाभाई देसाई रोड,
बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जांच :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

प्रो० नं०बी-413, बी-414, बी-415, चौथी मंजिल,
तादावी 810 वर्गफीट, 5-भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली।

जी० एस० गोपाला

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 16-7-1984

मोहर :

प्रकाश आई.टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 जुलाई 1984

निर्देश सं०आई०ए०सी०/एक्यू०/3/37 ईई/11-83/281--

अतः मुझे जी०एस० गोपाला,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 43/5, है तथ्य जो भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली, में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन तारीख नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिफल अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधाग (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

7-195 GI/81

(1) श्रीमती कलाकुरी उपीन्दर राय और

श्रीमती शील मलहोत्रा,

मार्फत प्राण नाथ कपूर एण्ड सन्स

(प्रा०) लि० 157,

ओबला इन्डस्ट्रियल इस्टेट नई दिल्ली-20।

(अन्तरक)

(2) श्री सी०डी० गुप्ता,

निवासी-एच-5,

मस्जिद मठ,

नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेसमेंट नं० 43, बिल्डिंग नं०-5, भीकाजी कामा प्लेस नई दिल्ली, तादादी 320 वर्गफीट।

जी०एम० गोपाला

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 16-7-1984

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/11-83/
282--अतः मुझे जी० एम० गोपाला

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० बी-ई-125 है, तथा जो हरी नगर, नई दिल्ली में
स्थित है (और इससे उपायधन सूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-3,
नई दिल्ली, में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन
दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उसमें घटने में मविधा के निम्न
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती दबाया गया है किन्तु किन्तु
या किया जाता आदि। अतः निम्नलिखित उद्देश्य
के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती भगवन्त कौर,
हाउस नं० 67, बाजार नं० 6,
कैट, फीरोजपुर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती निर्मल कौर सीधी,
निवासी बीई-125, हरी नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० बी-ई-125, खसरा नं० 1918, हरीनगर,
नई दिल्ली, तादादी 200 वर्ग गज।

जी० एम० गोपाला
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक : 16-7-1984

माहिर

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०आर०-1/11-83/
678--अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

श्रीरजिसकी सं० 8402-03 है, तथा जो माडल बस्ती, दिल्ली में
स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए दथ पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री हंस राज धवन, सुपुत्र श्री चरनदास,
निवासी ए-26, अगोक विहार-3, दिल्ली-52
(अन्तरक)

2. श्री मोहम्मद सुहालिन सुपुत्र श्री अब्दुल सतार,
श्रीमती अजबरी बेगम, पत्नी मोहम्मद सुहालिन,
मोहम्मद तहिर, मोहम्मद जावेद सुपुत्र मोहम्मद
सुहालिन, सभी निवासी 7553, निम्बरबारी मस्जिद,
कुरेश नगर, सदर बाजार, दिल्ली-6
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० 8402-03, प्लॉट नं० 92, ग़ौर 93, बार्ड
नं० 4, तावावी, 88.8/9 वर्ग गज, माडल बस्ती, दिल्ली-6।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 13 जुलाई, 1984
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू-2/एस०आर०-1/11-83/

703—अतः मुझे आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 24/24 है, तथा जो अंसारी रोड, दरिया गंज, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैसर्स इमका कन्स्ट्रक्शन कं० राहुल अपार्टमेंट्स,
24/24, अंसारी रोड, दरिया गंज,
नई दिल्ली-2

(अन्तरक)

2. डा० कृष्ण चन्द महाजन सुपुत्र श्री आर० सी० महाजन,
निवासी सी/6/1, सफदरजंग, डेवलपमेंट एरिया,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० 3, अपर ग्राउन्ड सोर, 24/24, अंसारी रोड,
दरिया गंज, नई दिल्ली ताबादी 877.04 वर्ग फीट ।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक 13-7-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०आर०-1/11-83

704—अतः मुझे, आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० 24/24 है, तथा जो अंसारी रोड, दरिया गंज, दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपबाद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के बायत्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मैसर्स इमका कन्स्ट्रक्शन, कं०, राहुल अयारमेंट्स, 24/24, अंसारी रोड, दरिया गंज, नई दिल्ली-2

(अंतरक)

2. श्रीमती अकल कुमारी पत्नी श्री एम० एस० जैन; निवासी 3/18, रूपनगर, दिल्ली-7

(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-रहित किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्तर्षी

फ्लैट नं० 24/24, पहली मंजिल, अंसारी रोड, दरिया गंज, नई दिल्ली, तावादी 953.32 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश,

सूक्ष्म प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 13-7-1984

मोहर :

प्रमुख भाषा. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ
(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्स०/2/एस०आर०-1/11-83/

727—अतः मुझे, आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

श्रीरजिस्की सं० जी-3/51ए है, तथा जो माडल टाउन, दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुचची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या किसी आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती विद्यादेवी, पत्नी श्री राम अवतार गुप्ता,
निवासी रेलवे रोड, रेवाड़ी, (हरियाणा) ।

(अन्तरक)

2. श्री रतन कुमार गुप्ता, सुपुत्र श्री मखान लाल,
निवासी जी-3/51ए, माडल टाउन, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० जी-3/51ए है माडल टाउन, दिल्ली ।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 13 जुलाई, 1984

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एम्.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एम्.एस०/2/एस.आर.-1/11-83/

783 अतः मुझे आर० पी० राजेश

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अन्तर्गत मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ई-10 है, तथा जो किर्ती नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से यह किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायद्व में कमी करने या उसमें बचत में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों से, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 43) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 17) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा पकड़ नहीं किया गया था या किया जाया चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री आजा राम सुपुत्र श्रीनाथ सिंह,
निवासी ई-10, कीर्ती, नगर, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री रोशन लाल सुपुत्र श्री निहाल चन्द,
ई-10, कीर्ती नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

2-1/2, मंजिल, मकान प्लॉट नं० 10, ब्लाक ई, तादादी 300 वर्ग गज, किर्ती नगर, एरिया ग्राम बसईवारापुर, दिल्ली।

आर० पी० राजेश

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 13-7-1984

मोहर :

प्रमुख आर्. टी. एम्. एस्. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०आर०-1/11-

83/744—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डी-1/26 है, तथा जो राजोरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरीती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित संवदेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हरबंस सिंह बेदी, सुपुत्र श्री होशियार सिंह, निवासी पंजाबी बाग, एक्सटेंशन, नई दिल्ली और एस० सरदार सिंह सुपुत्र श्री गुलाब सिंह, निवासी ए-ई-4, टैगोर गार्डन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री रमेश चन्द गोयल श्री हरीश चन्द गोयल, और श्री महेश चन्द गोयल, सुपुत्र श्री श्याम लाल गोयल, सभी निवासी-ई-292, नारायण बिहार, नई दिल्ली-28

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सिगल स्टोरी, सकान प्लॉट नं० 26, ब्लॉक डी-1, तादावी 355 वर्ग गज, राजोरी गार्डन, ग्राम बसईदारापुर, दिल्ली राज्य दिल्ली।

आर० पी० राजेश
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 13-7-1984

मोहर :

प्रस्प. भाष. टी. एन. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०आर०-1/11-
83/755—अतः मुझे आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी-244 है, तथा जो मजलीस पार्क, दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया तथा
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

8—196 GI/84

1. श्रीमती राम पियारी, पत्नी स्व० श्री गिरधारी लाल,
निवासी पी-16, जंगपुरा, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सोभा रानी पत्नी श्री मोती राम,
निवासी सी-218, मजलिस पार्क, दिल्ली-33

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
वर्ण होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० सी-244, एरिया 111 वर्ग गज, मजलिस पार्क,
कालोनी, दिल्ली, ग्राम बरोला खसरा नं० 262/258/217/4।

आर० पी० राजेश

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 13 जुलाई, 1984

मोहर

प्रकल्प आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०आर०-1/11-
83/756—अतः मुझे आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 845 ए है, तथा जो काशमीरी गेट, दिल्ली में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
सिद्धित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वाचित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आम्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्त-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाता चाहिए था रिपॉर्त में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में से, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अनिल मेहरा सुपुत्र श्री राधा किशन मेहरा,
निवासी 152, गली बताशान, चाँदनी बाजार,
दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री अतर सिंह जैन, सुपुत्र श्री चन्दन लाल जैन,
बिनोद कुमार जैन, सुपुत्र श्री अतर सिंह जैन,
2235 बहादुरगढ़ रोड, तेलिवारा, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अविभाजित 1/2, भाग प्रो० 845-ए, (न्यू) और
498 ओल्ड, तावाची 160 वर्ग गज, काशमीरी गेट, दिल्ली

आर० पी० राजेश

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 13 जुलाई, 1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री रमेश चन्द्र जैन।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-111-83/

772-अतः मुझे, आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० शाप नं० 3 है तथा जो भागीरथ पैलेस,
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में
कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, अर्., उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) 1. श्री राजिन्द्र कुमार,
2. श्री हरपाल सिंह चौपड़ा
निवासी 27,
गुजरनवाला टाऊन-2,
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में धृत-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

शाप नं० 3, एम० पी० एल० नं० 1853 भागीरथ
पैलेस, दिल्ली।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 13-7-1984

मोहर :

प्रकृष बाई.टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एचयू०/2/एस० आर० I/11-
83/775—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 13/7027 है तथा जो बेरीवाला बाग,
आजाद मार्केट, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और और रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाबत में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अमृतलाल सुपुल
पं० खुशी राम,
निवासी ई-196,
शास्त्री नगर,
दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती नरामणी देवी सुपुत्री
श्री पंछी पत्नी
श्री मुजफर ग्रहमद,
निवासी 7027,
बेरी वाला बाग,
आजाद मार्केट,
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्समक्षी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

एक मकान* 111/7027 और कमन पैसेज एण्ड कमन
स्टेयरीज नं० 7028 बेरी वाला बाग, आजाद मार्केट,
दिल्ली।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख : 13-7-1984
मोहर :

प्रकृष्य बाई. टी. एन. एल. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/
11-83/776--असः मुझे, आर० पी० राजेश,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 5891-92 नया (6007), है तथा जो
सदर बाजार, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख नवम्बर, 1983

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिज में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; बाँट/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जानन शाह सुपुत्र

श्री राम शाह,
निवासी 523-ए,
आर० पी० मसानी रोड,
ग्राउण्ड फ्लोर,
बम्बई-19

(अन्तरक)

(2) श्री बुधराम सुपुत्र

श्री हीरा लाल और
श्रीमती सुभद्रा देवी पत्नी
श्री बुधराम,
निवासी 4440, गली बाहुजी,
फटरा नाहर सिंह,
पहाड़ी धीरज,
दिल्ली।

(अन्तरिती)

और यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

प्रापटी नं० 5891-92 एण्ड न्यू 6007, तादादी 112
वर्ग गज, वाई नं० 14, बस्ती हरफून सिंह, सदर बाजार,
दिल्ली।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख : 13-7-1984

मोहर

प्रकृष बाई, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37 ईई०/11-83/

178—अतः मुझे, आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जी-6 है तथा जो दरिया गंज, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख नवम्बर, 1983

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का ब्रह्म प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जित :—

(1) मे० जैन प्रापटीज प्रा० लि०,
आदिनाथ श्री हाऊस,
अपोजिट सुपर बाजार,
कनाट सर्कस,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मे० अंजु इलेक्ट्रीक,
शाप नं० 5,
पौरदा बाग,
दरिया गंज,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त सभी शब्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शाप नं० जी-6, जैना इलेक्ट्रिक मार्केट, 2 मेन नेता जी सुभाष मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली, तादादी 36 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख : 13-7-1984

मोहर :

प्ररूप. आर्ष. टी. एन. एस्. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37 ईई०/11-83

181—अतः मुझे, आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 106 (एफ० एफ०) है तथा जो दरिया गंज, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन तारीख नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० जैना प्रोपर्टीज प्रा० लि०,
आविनाथ श्री हाऊस,
अपोजिट सुपर बाजार,
कनाट सर्कस,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री विनोद कुमार,
निवासी जी-2,
नारैस रोड,
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शोप नं० एफ०-एफ-106, जैना इलेक्ट्रिक मार्केट, 2
मेन नेता जी सुभाष मार्ग, दरिया गंज, नई दिल्ली-तादादी-72
वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110092

तारीख : 13-7-1984

मोहर :

राजपत्र आर्क. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

राजपत्र सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश नं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई०/11-83/
182—अतः मुझे, आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य,
25,000/-रु. से अधिक है

संख्या बी-1 है तथा रूप नगर, दिल्ली में स्थित है (और
इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली
भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन तारीख
नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिय तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
कारण से कमी करने या उक्त करने से स्विभा
से किए; बीए/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रवर्धनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने से
स्विभा से लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्वय
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) टी० एम० अर्वाटमेंट्स प्रा० लि०,
आदिनाथ श्री हाऊस,
अपोजिट सुपर बाजार,
गंगाट सर्कस,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री आई० आर० लम्बा,
निवासी 157-डी,
कमला नगर,
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास
निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रापटी नं० बी-1, बेसमेंट, जैना कलाथ मार्केट, (ए०
सी०) रूप नगर, दिल्ली तादादी 65 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख : 13-7-1984
माहुर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/37ईई०/
11-83/183-अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बी-25, है तथा जो रूप नगर, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अर्धान, तारीख नवम्बर 1983

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

9-196 /8

(1) टा० एम० अपार्टमेंट प्रा० लि०,
आदिनाथ श्री हाऊस,
अपोजिट सुपर बाजार,
कनौट सर्कस,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुदर्शन लम्बा,
निवासी-157 डी,
कमला नगर,
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पाठ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही बर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसंधी

बी-25, बेसमेंट, जैना क्लोथ मार्केट, (ए० सी०) रूप
नगर, दिल्ली, तादादी-65 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002.

तारीख : 13-7-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37 ईई०/11-83/

184--अतः मुझे, आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिनकी सं० बी-31 ए० है तथा जो रूप नगर, दिल्ली में
स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिपति के कार्यालय, अर्जन रेंज-2,
नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन
नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि उक्त अधिनियम के अधीन उक्त सम्पत्ति पर
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) टी० एम० अपार्टमेंट प्रा० लि०,
आदिनाथ श्री हाऊस,
अपोजिट सुपर बाजार,
कनाट सर्कस,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री एन० आर० जिन्दर,
निवासी 11-ई,
कमला नगर,
दिल्ली-7।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रापटी नं० बी-21-ए, बेसमेंट; जैना क्लब हाउस, सार्केंट,
(ए० सी०) रूप नगर, दिल्ली, जादादी 35 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110 002.

तारीख : 13-7-1984

मोहर

प्रारूप आई.टी.एच.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अर्जन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई०/11-83/

185—अतः मुझे, आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

औरजिपकीसं० यूजी०-25, है तथा जो दरियागंज, नई दिल्ली
में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध आसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के अधिनियम, अर्जन रेंज-2,
नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन
तारीख नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है;—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कटू देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० जैना प्रोपर्टीज प्रा० लि०,
आदिनाथ श्री हाऊस,
अपोजिट सुपर बाजार,
कनाट सर्कस,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री नरेश चन्द शर्मा,
निवासी-265,
कुंवा घासी राम,
बांदनी चौक,
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

यू०-जी०-25, (अपर माउण्ड फ्लोर) जैना इलेक्ट्रिक
मार्केट, (ए० यो०) दरियागंज, नई दिल्ली ताबादी 21 5
वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002.

तारीख : 13-7-1984
माहूट :

प्रकृत जाई... टी. एन. ए.-----

भाषक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आयुक्त सुरक्षा

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37 ईई०/11-83/
191—अतः मुझे, आर० पी० राजेश

भाषक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं०-118 है तथा जो शक्ति नगर, दिल्ली में स्थित
है (और इसमें उपाय अतुल्य में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में
आयुक्त अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख नवम्बर, 1983
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कोषित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी भाव की वास्तविक उक्त अधि-
विषय के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के नियम;
कोई/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तिवां
को, जिन्हें भारतीय आयुक्त अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रवचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० टी० एम० अपार्टमेंट प्रा० लि०,
आदिनाथ श्री हाऊस,
अपोजिट सुपर बाजार,
कनाट सर्कस,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री चुष्ठी लाल,
निवासी 8683,
शादी पुरा,
निकट फिल्मिस्तान,
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

पहली मंजिल 118, जैना क्लाय मार्केट, शक्ति नगर,
रूप नगर, दिल्ली. तादावी 65 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002.

तारीख : 13-7-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई०/11-83/
192--अन: मुझे, आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० बी-29 है तथा जो शक्ति नगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में आयकर अधिनियम, 1961 की के अधीन, तारीख नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मै० टी० एम० अपार्टमेंट प्रा० लि०,
आदिनाथ श्री हाऊस,
अपोजिट सुपर बाजार,
कनाट सर्कस,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री सुनिल कुमार,
मार्फत : दिल्ली प्रोड्रेक्ट्स,
25/152, शक्ति नगर,
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रापटी नं० बी-29, जैना क्लाय मार्केट, शक्ति नगर चौक, रूप नगर, दिल्ली, तादादी 35 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002.

तारीख : 13-7-1984

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37 ईई०/11-83/
193—अतः मुझे, आ० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जी-1 है तथा जो रूप नगर, दिल्ली में
स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रार-अधीनकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2,
नई दिल्ली में आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन तारीख
नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी लाभ की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कार्यक्रम में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० टी० एम० अपार्टमेंट्स प्रा० लि०,
आदिनाथ श्री हाऊस,
अपोजिट सुपर बाजार,
कनाट सर्कस,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सावित्री देवी परनी
श्री बट्टी प्रसाद गुप्ता,
निवासी बी-44,
सो० सी० कालोनी,
अपोजिट राणा प्रताप बाग,
दिल्ली-7।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुप्राणी

प्रा० नं० जी-1, ग्राउन्ड फ्लोर, जैना क्लाय मार्केट,
मेन जी० टी० रोड, रूप नगर, शक्ति नगर चौक, दिल्ली
तादादी 65 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख : 13-7-1984

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2,

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई०-ए०सी/एक्यू/2/37ईई/11-83/194--

अतः मुझे, आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बी-29ए है तथा जो शक्ति नगर, दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2,
नई दिल्ली में आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख
नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित लक्ष्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम से अधीन कर देने के अन्तर्गत के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने के सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
का प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने के
सुविधा के लिए;

नोट: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मै० टी० एम० अपार्टमेंट प्रा० लि०,
आदिनाथ श्रीहाऊस,
अपोजिट सुपर बाजार,
कनाट मार्केट,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री के० एल० सुद एण्ड सन्स,
64, यू० बी०, जवाहर नगर,
दिल्ली-7।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशंका :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्यमान
है।

अनुसूची

आ.प. नं० बी-29-ए, बेसमेंट, जैता क्वाथ मार्केट (ए०
सी०), शक्ति नगर, दिनांक आवादी 35 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख : 13-7-1984

मोहर ■

इच्छा आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37 ईई०/11-83/
195--अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० बी-3 है तथा जो शक्ति नगर, दिल्ली में
स्थित है (और हमसे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रार कार्यालय अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2,
नई दिल्ली में आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन तारीख
नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाबत में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० टी० एम० अपार्टमेंट्स प्रा० लि०,
अदिनाथ श्री हाऊस,
अपोजिट सुपर बाजार,
कनाट सर्कस,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री अमोलक राम अग्रवाल एण्ड सन्स,
4091, नया बाजार,
दिल्ली-110006।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपाहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० बी-3 (बेसमेंट) जैना क्लाय मार्केट शक्तिनगर,
दिल्ली, तादादी 65 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख : 13-7-1984

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/11-83/196—अतः
मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवरण करने
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिनकी सं० बी-18 है तथा जो अविन नगर, चौक
रूप नगर, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता/अधिकारी के कार्यालय,
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961
के अधीन, तम्रमुख नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूत यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

10-196GI/84

(1) मै० टी० एम० अर्वाटमेंट प्रा० लि०,
आदिनीथ श्री हाऊस,
अपोजिट मुंबई बाजार,
कनाट सर्कस,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कुमुद खन्ना,
निवासी सी०-62,
गुजरनवाला टाऊन,
भाग-1, दिल्ली -9।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि प्राद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति के हित-
बंध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्तक्षरणी के
प्राप्त लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

नम्रपत्र

प्रो० नं० बी-18 (बेसमेंट) जैना क्लाय मार्केट (ए०
सी०) अविन नगर चौक, रूप नगर, दिल्ली, ता० दादी 65 वर्ग
फीट।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख : 13-7-1984

मोहर

प्रकृष बाइ.टी.एन.एस.-----

भाजकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई०/11-83/
197--अनः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बी-21/बी है तथा जो शक्ति नगर, दिल्ली
में स्थित है (और इसमें उपाय अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है); राजस्वीकर्ता अधिधर्म के कार्यालय, अर्जन रेंज-2,
नई दिल्ली में आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख
नवम्बर, 1983

की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के सम्मान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि ववापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके सम्मान प्रतिफल के ऐसे सम्मान प्रतिफल के
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती
(अंतरिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल; निम्नलिखित अर्थ से उक्त अंतरण अधिकृत में वास्तविक
रूप से कोषित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण ई हुई किसी बाय की सम्पत्ति, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के वास्तविक के
साबित्व से कमी करने या उससे बचने में इच्छा के
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रभावार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाँहिए या, छिपाने में
मृदिधा के लिए;

नोट: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत
या उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बचत :—

(1) मै०टी० एम० अपार्टमेंट प्रा० लि०,
अदिनाथ श्री हाऊस,
अवोचिड सुपर बाजार,
कनाट मार्केट,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री आनन्द मोहन जिन्दर सुपुत
श्री एन० आर० जिन्दर,
निवासी 6943/1,
जयपुरिया मन्दिर कोसहापुर रोड,
कमला नगर,
दिल्ली।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संकीर्णकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के बन्धन 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त बन्धन में दिया
गया है।

अनुसूची

बी-21-प्री, जैन कनाथ मार्केट, (ए० सी०) शक्ति नगर,
चीक रूप नगर, दिल्ली—तोवारी 350 वर्ग गज।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख : 13-7-1984
मोहर:

प्रकृष बाई. टी. एम. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/11-83/

202—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बी-17 है, तथा जो शक्तिनगर, दिल्ली में स्थित
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित
है) सम्पत्ति की अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई
दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन
दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ह्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके ह्यमान प्रतिफल से, ऐसे ह्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निहित में वार्षिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरक है कि किसी भाव की वास्तविक उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के सावित्य के
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तविकी
को, बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या
या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री टी० एम० अपार्टमेंट्स प्रा० लि०
आदिनाथ श्री हाउस, अपोजिट सुपर बाजार
कनाट सर्कस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती नीलम खन्ना, ए-62, गुजरनवाला,
टाउन भाग-1, दिल्ली-9

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० बी-17, बंसमेट जैन कलाथ मार्केट, शक्ति नगर,
बोक, रूप नगर, दिल्ली तावादी, 65 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

दिनांक 13 जुलाई, 1984

मोहर:

प्रकाश बाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/11-83/
199--अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूजी-23, है, तथा जो शक्तिनगर-दिल्ली में स्थित
है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-2, नई
दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अन्तर्गत दिनांक
नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
नाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
क्षितिज में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तविक में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रवृत्तिार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. टी० एम० अपार्टमेंट्स प्रा० लि०,
आदिनाथ श्री हाउस, ओपोजिट सुपर
बाजार, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

1. मिनती गोपी श्रीमती गोपी पत्नी
श्री विश्वनाथ गोपी निवासी-691
न्यू राजिन्दर नगर, डबल स्टोरी, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

यू-जी-24 (अपर ग्राउंड फ्लोर) जैन क्लाय मार्केट,
(ए० सी०) शक्ति नगर चौक, ग्पनगर, दिल्ली, तादावी
6.5 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक: 13 जुलाई 1984

मोहर :

प्रकृष आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/11-83/
200-अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
296-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० जी-14 है, तथा जो शक्ति नगर चौक रूप नगर,
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण
रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रार अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-2,
नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधिन
दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिनी
(अन्तरिनीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :-

1. मै० टी० एम० अवाटमेंट्स प्रा० लि०,
आदिनाथ श्री हाउस, ओपोजिट सुपर बाजार,
कनाट सर्कस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री विजय साहनी सुपुत्र श्री श्रीमान साहनी,
निवासी पाकेट-बी, फ्लैट नं० 30-बी, अशोक बिहार-2,
दिल्ली-52

(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में दिये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
प्रदिया गया है।

जनसूची

प्रो नं० जी-14, (जी-एफ) जना क्लाय मार्केट, (ए०सी०)
रूप नगर, शक्ति नगर चौक, दिल्ली, तादादी 28 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली-110002

दिनांक 13 जुलाई 1984

माहूर :-

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/11-83/
201--अतः मुझे आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सूचना प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में स्थित है (और इनमें उदाहरण अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) सम्पत्तिकर्ता अधिभाग के कार्यालय अर्जन रेंज-2,
नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन
दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और इसे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
अनुसूची अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० टी० एम० अवाटमेंट्स प्रा० लि०
आदिनाथ श्री हाउस, अपो० सुपर बाजार
कनाट मार्केट, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीएस० एल० अशोक कुमार गिरिश कुमार,
निवासी सी०डी 47,
हकीकत राय रोड,
आदर्श नगर,
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि; जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरों के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० बी-17-ए ग्राउन्ड फ्लोर, जैना क्लबाथ मार्केट,
शक्ति नगर, दिल्ली तावादी 37 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक 13 जुलाई 1984
माहुर :-

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-2/37 ईई/11-83/
202--अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बी-5 है तथा जो शक्ति नगर, दिल्ली में
स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रार अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली
भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख नवम्बर,
1983

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
बन्धु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैं डा० एम० अपार्टमेंट प्रा० लि०,
आदिनाथ श्रीहाऊस,
अपॉजिट मुधर बाजार,
कनाट मार्केट,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री सुनील खन्ना (सुपुत्र श्री डब्ल्यू० एन० खन्ना,
निवासी ए-सी-4-74-बी,
गालीमाग बाग, दिल्ली-33।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० बी-5, बेसमेंट, जैना क्लाय मार्केट, शक्ति नगर,
दिल्ली, तादात्री 65 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 13-7-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

* निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-2/37 ईई/11-83/
293--अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 106 है तथा जो रूप नगर, दिल्ली में स्थित है (और हमने उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैं टी० एम० अपार्टमेंट प्रा० लि०,
आदिनाथ श्री हाऊस,
कनाट मार्केट,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री रमेश कुमार अरोड़ा, सुपुत्र श्री राज कुमार अरोड़ा
निवासी ए-9, गणना प्रताप बाग, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पहली संजिल नं० 106, जैन कलाथ मार्केट, शक्ती नगर चौक, रूप नगर, दिल्ली, नादादी 65 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 13-7-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक: 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-2/37 ईई/11-83/
204--अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सूचना प्रधिकारियों का, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यू० जी 9 है तथा जो रूप नगर दिल्ली में
स्थित है (और इसे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिपतरी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2,
नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन,
तारीख नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय राया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक में
प्राप्ति में कमी करने या उससे बचने में सूचना
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूचना
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिओं, अर्थात् 4

11-196GI/84

(1) सै० टी० एम० अपार्टमेंट प्रा० लि०,
आदिनाथ श्रीहाऊस,
आवाट सर्कस,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री करन सिंह मार्वत कंवेन एंड कम्पनी
अपो० गुरुद्वारा नानक पिंजाऊ,
नियर आर० पी० बाग, दिल्ली-2

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

यू-जी-9, जैन ब्वाथ मार्केट, रूप नगर, दिल्ली, तादादी
65 वर्गफीट।

आर० पी० राजेश

सहायक आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 13-7-1984

सोहर :

प्रकृष बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-2/37 ईई/11-83/
205--अतः मुझे, आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें हममें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसे सं० जी-29 है तथा जो शक्ति नगर, दिल्ली में
स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जुन रेंज-2
नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन
तारीख नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
गाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
के जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० टी० एम० अपार्टमेंट प्रा० लि०,
आदिनाथ श्री हाऊस,
कनाट सर्कस,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री पी० एन० अरोड़ा, निवासी 11-ई,
कमला नगर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

या यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जी-29, जेना बलाय मार्केट (ए० सी०), शक्ति नगर चौक,
रूप नगर, दिल्ली, तादादी 65 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-2, नई दिल्ली।

तारीख : 13-7-1984

मोहर :

प्रत्यक्ष आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई, 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/11-83/

206—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकी पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जी-19 है, तथा जो शक्ति नगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-2 नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निम्नलिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(1) अन्तरण से हुआ किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(2) ऐसी किसी आय या किसी अनु या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सी० टी० एम० अपार्टमेंट, प्रा० लि०
आदिनाथ श्री हाउस, अपोजिट सुपर बाजार,
कनॉट सर्कस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री मतीश कुमार ठुकराल, और
श्री वीरेन्द्र कुमार ठुकराल,
सुपुत्र श्री बंसीलाल,
निवासी ए-26, गुजरतवाला टाउन, भाग-1,
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हुए बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवांछितक्षरों के पाग लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० जी-19, जैन कलाप मार्केट, शक्ति नगर, (ए० सी०), रूप नगर, दिल्ली तादादी 65 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक 13 जुलाई, 1984

मोहर :

प्रमुख आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/11-83/

210—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यू०जी०-5 है तथा जो शक्ति नगर, दिल्ली में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-2,
नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन
दिनांक नवम्बर, 1983

का पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ए०से दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निर्मालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के पर्याजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
मविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निर्मालिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० टी० एम० अपार्टमेंट्स, प्रा० लि०
आदिनाथ श्री हाउस, अपोजिट सुपर बाजार,
कनाट सर्कस, नई दिल्ली
(अन्तरक)

2. श्री सुकेश कुमार अग्रवाल
निवासी-ए-ई-53, शालीमार बाग, दिल्ली।
(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है,

अनुसूची

प्रो० न० यू०जी०-5, जैना कलाथ मार्केट, शक्ति नगर
चौक, रूप नगर, दिल्ली तादादी-65 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 13-7-1984

मोहर :

प्रकृष आर्. टी. ए. ए. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्बासम, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई, 1984

निर्देश सं० आर्. टी. ए. ए. सी०/एक्यू०/2/37ईई/11-83/
211—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 118 है, तथा जो शक्ति नगर,
रूप नगर, दिल्ली, में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज, नई दिल्ली,
भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन
दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित को प्राप्त है और भूमे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री चुनी लाल,
निवासी—8693, शीदीपुरा, नियर फिल्मिस्तान,
दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. मै० टी० एम० अपार्टमेंट, प्रा० लि०
आदिनाथ श्री हाउस, अपो० सुपर बाजार
कनाट सर्कस, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के
पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

ध्यानीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

पहली मंजिल, 118, जैना क्लाय मार्केट, शक्ति नगर,
(चोक), ए० सी०, रूप नगर, दिल्ली तादादी 65 वर्ग फीट ।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी;

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 13 जुलाई 1984

मोहर

प्रत्येक आई. टी. एम्. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आई ए० सी० /एक्यू०/2/37ईई/11-83/
214—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जी-17ए है, तथा जो दरिया गंज, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2,
नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन
दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बाधत, उक्त
अधिनियम के अधीन कठु बनें के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; अर्ज/भा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, बिना भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भुनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने में
सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. जैना, प्रो० प्रा० लि०
आदिनाथ श्री हाउस, अर्पो० सुपर बाजार,
कनाट सर्कस, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. केवल कृष्ण एण्ड श्री देवकी नन्दन,
एशियन ट्रेडिंग कम्पनी,
6-सोनी मोटर मार्केट, छोटा बाजार, कश्मीरी गेट,
दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन संबंध में कोई भी आशंका :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

सोप नं० जी-17ए, जैना इलेक्ट्रिक, मार्केट, 2 मैन,
नेलाजी सुभाष मार्ग, दरिया गंज, नई दिल्ली, तादावी 15
वर्ग फीट ।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक 13 जुलाई 1984

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई, 1984

निदेश सं० आई० ए० सी० /एक्यू०/2/37ईई/11-83/
215—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
259-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० 303 है तथा जो महावीर श्री हाउस,
दरिया गंज, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
के कार्यालय अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधि-
नियम 1961 के अधीन दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरण को गृहीत है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के लिये ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण के द्वारा किसी बाव को बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
भावित्व में कमी करने या उसमें बचने में सहायता
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाता चाहिए था छिपाव में सहायता
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० राकेश खेसला एण्ड सन्स, (एच० यू० एफ०),
आदिनाथ श्री हाउस, अपो० सुपर बाजार,
कनाट सर्कस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती किरन गुप्ता, पत्नी डा० विनेश गुप्ता, और
श्रीमती मनभावती जैन,
निवासी सी-7/11, माडल टाउन, दिल्ली-9

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० 303, महावीर श्री हाउस, 4771/23, भारत
राम रोड, दरिया गंज, नई दिल्ली-नादादी 381.66 वर्ग
फीट।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

दिनांक : 13 जुलाई, कु1984

मोहर :

प्रमुख बाह्य टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/11-83
222--अनः मुझे, आर० पी० राजेश,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जी-19 है, तथा जो दरिया गंज, नई दिल्ली
में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रार अफिफारी के कार्यालय अर्जन रेंज-2,
नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन
नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय किया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. जैता, प्रोपर्टीज, प्रा० लि०
आदिनाथ ओ हाउस, कनाट सर्कस, नई दिल्ली
(अन्तरक)
2. श्री गणेश प्रसाद गुप्ता,
1582, दूसरा मंजिल, कुचा दखानी राह,
दरिया गंज, दिल्ली-2।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करवा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के
नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सी० नं० जी-19, जैन इलेक्ट० मार्केट, 2-मैन, नेताजी
सुभाष मार्ग, दरिया गंज, नई दिल्ली ताबाड़ी 36 वर्ग
फीट।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 13 जुलाई 1984
मोहर :-

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एफ्यू०/2/37ईई/11-83

226--अतः मुझे आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इन्होंने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जी-71 है, तथा जो दरिया गंज, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बम्बूह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा यथा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाध की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्नाडू 5—

12-196 GI/84

1. जैना प्रोपर्टीज, प्रा० लि०

आदिनाथ श्री हाउस, अपो० सुपर बाजार
कनाट मार्केट, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती समता सेठी,

निवासी जी-130, बैंग काखोनी, पश्चिम बिहार,
नई दिल्ली-63।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नमूना

जैना, डलैक्ट० मार्केट, सींग नं० जी-71/2
मैन नेसार्जा सुभाष मार्ग, दरिया गंज, नई दिल्ली, सावार्दी
72 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक: 13-7-84

मोहुर ३

प्रमुख आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एम्पू०/2/37ईई/11-83/
227--अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सूचना प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बी-7 है, तथा जो शक्ति नगर, दिल्ली में स्थित है (और इसके उपाय अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हदयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके हदयमान प्रतिफल से, ऐसे हदयमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वय में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० टी० एम० अपार्टमेंट्स, प्रा० लि०
आदिनाथ श्री हाउस, अपी० सुपर बाजार,
कुनाट, सकैस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री के० आर० गुप्ता, सुपुत्र श्री एम० एल० गुप्ता,
निवासी-14 अशोक पार्क, एक्स० नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अपेक्षा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्री० नं० बी-7, जैना क्लाय मार्केट, शक्ती नगर
रूपनगर, दिल्ली तादादी, 65 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्रा० सचिव

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक: 13 जुलाई, 1984

हस्ताक्षर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, -2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निवेदन सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/11-83/
228--अतः मुझे, आर० पी० राजेश,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० जी-12 बी है, तथा जो शक्ति नगर, रूप नगर
दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाध्व अनुसूची में और जो
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961
के अधीन दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
कष, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्त-
विक रूप से कीमत नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को किन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रचोदनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था किमान में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. मै० टी० एम० अपार्टमेंट्स प्रा० लि०
आदिनाथ श्री हाउस, अपी० सुपर बाजार,
कनाट सर्कस, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्रीमती वीपता अरोड़ा, पत्नी श्री यशपाल,
निवासी 24/2, शक्ति नगर, नियर देना बैंक,
दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के वाक्य
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

प्रो० नं० जी-12-बी, जैना क्लाय मार्केट, शक्ति नगर,
रूप नगर, दिल्ली, तादादी, 28 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 13 जुलाई, 1984

मोहर

प्रकृष माह. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/11-83/

229--अतः मुझे आर० पी० राजेश.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० 114 है, तथा जो शक्ति नगर दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार की अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-2 नई दिल्ली में भारत का आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कीमत नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्वय में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. मै० टी० एम० अपार्टमेंट्स, प्रा० लि०
आविनाथ श्री हाउस, अपो० सुपर बाजार,
कनाट सर्कस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती नूतन गांधी,
निवासी ए-77, गुजरन वाला टाउन, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई बाधक :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रा० नं० 114, पहली मंजिल, जैना क्लब मार्केट,
शक्ति नगर, रूप नगर, दिल्ली, तादादी, 65 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

दिनांक : 13 जुलाई, 1984

मोहर ३

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/11-83/
230--अतः मुझे, आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यू०-जी०-4 है, तथा जो शक्ति नगर, दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-2,
नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अर्जन
दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० टी० एम० अपार्टमेंट प्रा० लि०
आदिनाथ श्री हाउस, अपो० सुपर बाजार,
कनाट सर्कस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती आशा राव,
हाउस नं० 5619 न्यू चन्द्रावल गली नं० 1,
सब्जी मन्डी, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

यू०-जी० 4 अपर ग्राउन्ड, फ्लोर, शक्ति नगर, नई दिल्ली,
तादावी 65 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक: 13 जुलाई, 1984

मोहर ■

प्ररूप आई.टी.एस.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सो०/एक्यू०/2/37ईई/11-83/

231--अतः मुझे, आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 108 है, तथा जो रूप नगर, दिल्ली में स्थित
है (और इससे उपायधन अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में
भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक नवम्बर,
1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पूरा प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिनमें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० टी० एम० अपाटमेंट प्रा० लि०

आदिनाथ श्री हाउस, अपी० सुपर बाजार,
कनाट सर्कस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री राजिन्दर सिंह शर्मा

निवासी 5-जे/102, एन० आई० टी० फरीदाबाद
(हरियाणा)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० 108 पहली मंजिल, जैना कलाथ मार्केट, शक्ति
नगर, रूप नगर, दिल्ली, तादादी 65 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 13 जुलाई, 1984

मोहर :

प्रकृप आर.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/11-83/232--अतः मुझे, आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु. से अधिक है

ओरिजिनल सं० यू-जी-13 है, तथा जो रूप नगर, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार-अधीनस्थ के कार्यालय अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी भू या अन्य वास्तव्य को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भू-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार, मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० टी० एम० अपार्टमेंट प्रा० लि०
आदिनाथ श्री हाउस, अप० सुपर बाजार
कनाट सर्कस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती रिभा नारंग, पत्नी श्री डी० पी० नारंग,
निवासी सी-41, शक्ति नगर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृतसूची

प्रो० नं० यू० जी-13, जैन कलाथ मार्केट, शक्ति नगर चौक, रूप नगर दिल्ली, तादादी 65 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 13 जुलाई, 1984

मोहर:

प्रकृप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई, 1984

निवेदन सं० अ.ई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/11-83/
233;—प्रति: मुझे, आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जी-16 है, तथा जो शक्ति नगर, दिल्ली में
स्थित है और इसमें उपबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रार अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज 2,
नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन
दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चद्व प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीवों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, विम्बलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से उचित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाष की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
हाथिल में कमी करने या उससे बचने में सहायता
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के
लिए; और/या

नतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति में, वर्णित :—

1. टी० एम० अपार्टमेंट्स प्रा० लि०
आदिनाथ श्री हाउस, अपा० सुपर बाजार,
कनाट सर्कस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री बी० एन० कौशिक, सुपुत्र श्री इन्दर दत्त,
निवासी-जी 32, सत्यवती कालोनी, अणोक बिहार-2,
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० जी-16, जैना क्लाय मार्केट, शक्ति नगर,
रूप नगर, दिल्ली दास्ताबाद: 65 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 13 जुलाई, 1984

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/11-83/

236--अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बी-6-ए, है तथा जो शक्ति नगर, रूप नगर दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी लाभ की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक में घायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

13-196 GI/84

1. मै० टी० एम० अपार्टमेंट प्रा० लि०
आदिनाथ श्री हाउस, अपोजिट सुपर बाजार,
कनाट सर्कस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री राकेश कुमार,
निवासी 172, भरन नगर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है,

अनुसूची

प्रो० नं० बी-6-ए, जना क्लाय मार्केट, शक्ति नगर, रूप नगर, दिल्ली-तावादी 35 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक: 13 जुलाई 1984

सोहर

प्रक्स आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269(घ) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/11-83/

237--अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० बी-9 है, तथा जो शक्ति नगर चौक, रूप नगर,
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में जो पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय अर्जन
रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय अधिनियम 1961 के अधीन
दिनांक नवम्बर, 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि वधापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी जाब की जाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी जाब या किसी धन या अन्य जास्तियों
को चिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ।

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिनि :—

1. मै० टी० एम० अपार्टमेंट, प्रा० लि०
आदिनाथ श्री हाउस, अपो० सुपरबाजार,
कनाट सर्कस, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

2. श्री नारायण दाम,
निवासी सी-1/66, अशोक विहार-2,
दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

प्रो० नं० बी-9, बेसमेंट, शक्ति नगर, चौक, रूप नगर,
दिल्ली, सादादी-65 वर्ग फीट ।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 13 जुलाई 1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई, 1984

निदेश सं० आई० ए० सो०/एक्यू०/2/37ईई/11-83/238
अतः मुझे आर० पी० राजेश,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० यू-जी-12 है, तथा जो रूप नगर दिल्ली में
स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में अर जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय अर्जन रेंज 2,
नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन
दिनांक नवम्बर, 1983
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वजह, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्यय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. मै० टी० एम० अपार्टमेंट प्रा० लि०
आदिनाथ श्री हाउस, अपो० सुपर बाजार,
कनाट सर्कस, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्रीमती बीना गोयल,
निवासी ई-8, राजन बाबू रोड, आदर्श नगर,
दिल्ली-33।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० यू०जी०-12, जैना कलाथ मार्केट, शक्ति नगर
चौक, रूपनगर, दिल्ली तावादी 65 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक 13 जुलाई, 1984
मोहर :

प्रमुख आई. टी. एन. एस. - - - - -

भाषक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/11-83/
239--अतः मुझे आर० पी० राजेश,

भाषक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जो-12 बी है, तथा जो शक्ति नगर, रूप नगर,
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और जो
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961
के अधीन दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तविक, उक्त
अधिनियम के अधीन कट होने के अन्तरक के
बादिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी भाव या किसी भू या अन्य भास्तिवों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भू-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथा—

1. मै० टी० एम० अपार्टमेंट प्रा० लि०
आदिनाथ श्री हाउस, अपो० सुपर बाजार,
कनाट सर्कस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री शिवशंकर,
मकान न० 1283, लम्बी गली, एस० पी० मुर्जी
नगर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

जनसूची

पो० न० जो-12-बी, जैना क्लाय मार्केट, ग्राउन्ड फ्लोर,
शक्ति नगर, चौक, रूप नगर, दिल्ली, तादादी, 28
वर्गफीट।

आर० पी० राजेश
सहम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

दिनांक: 13 जुलाई, 1984

मोहर &

प्रकाश आई.टी.एन.एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/11-83/

240—अतः सुभे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यू-जी-10 है, तथा जो रूप नगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० टी० एम० अपार्टमेंट प्रा० लि०
आदिनाथ श्री हाउस, अपोजिट सुपर बाजार,
कनाट सर्कस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री हरीश चन्द और जगवीश चन्द सुपुत्र श्री पूरन चन्द
निवासी-315, भरत नगर, उम्ल स्टोरी,
दिल्ली-52

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० यू-जी-10, जैना कलाथ मार्केट, शक्ति नगर,
रूप नगर, दिल्ली-तावादी, 65 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक 13 जुलाई, 1984

मोहर

प्रकृष माह' टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई, 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/11-83/

241—अतः मुझे आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 113 (एफ-एक) है, तथा जो शक्ति नगर,
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961
के अधीन दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दृष्टिकोण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी भन या अन्य वास्तव्य
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सै० टी० एम० अपार्टमेंट प्रा० लि०
आदिनाथ श्री हाउस, अपोजिट सुपर बाजार,
कनाट सर्कस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मास्टर संदीप अभिभावक श्री विनोदर गोयल,
निवासी डी-74, म्युनिसिपल फ्लेड्स, आजाद पुर,
दिल्ली।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जांच:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की मामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

113, पहली मंजिल, जैना क्लोथ मार्केट, शक्ति नगर,
चौक, रूप नगर, दिल्ली तादादी 65 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

दिनांक 13 जुलाई, 1984
मोहरः

प्ररूप आई. टी. एम. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/11-83—

242—अतः मुझे आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 115 है, तथा जो रूप दगर, दिल्ली में स्थित
है (और इससे उपायद्वय अनुमूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली
में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन तारीख
नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सै० टी० एम० अपार्टमेंट प्रा० लि०
आदिनाथ श्री हाउस, अपोजिट सुपर बाजार,
कनाट सर्कस, नई दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री आर० सी० कोहली, सुपुत्र श्री सरदारी लाल,
निवासी बी-12, मुभद्रा कालोनी,
मराय रोहिल्ला, दिल्ली-7

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० 115, पहली मंजिल, जैना क्लाइ मार्केट, शक्ति
नगर, चौक, रूप नगर, दिल्ली तादादी, 65 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक 13
मोहर :

प्रकट जाई. टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-2/37ईई/11-83/

243—अतः, मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की भारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बी-23-बी है, तथा जो शक्ति नगर, दिल्ली में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-2,
नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन
दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की व्यवमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ब की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० टी० एम० अपार्टमेंट प्रा० लि०
आदिनाथ श्री हाउस, अपोजिट
कनाट सर्कस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती भगवन्ती तनेजा और श्री जी० के० तनेजा
निवासी 3/35, रूप नगर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० बी-23-बी, जैना कलाथ मार्केट, शक्ति नगर
चौक, (ए० सी०), रूप नगर, दिल्ली, तादावी—35 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 13 जुलाई, 1984

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-2/37ईई/11-83/

244—अतः, मुझे, आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एफ-120 है, तथा जो शक्ति नगर, दिल्ली में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-2,
नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन
दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से है कि किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
राशियत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
14—196 GI/84

1. मै० टी० एम० अपार्टमेंट प्रा० लि०,
आदिनाथ श्री हाउस, अपोजिट सुपर बाजार,
कानट सर्कस, नई दिल्ली।
(अन्तरक)
2. श्री सुरिन्दर कुमार जैन मार्फत श्री देवेन्द्र कुमार गोयल,
निवासी—डी-14, म्युनिसिपल फ्लेट्स,
आजादपुर, दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० एफ-120, पहली मंजिल, जैना क्लबाथ मार्केट,
शक्ति नगर: चौक, रूप नगर, दिल्ली, तादादी—65 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 13 जुलाई, 1984
मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/11-83/

245--अतः, मुझे आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यू-जी-18 है, तथा जो रूप नगर, दिल्ली में स्थित है (और इसमें गणवद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का गन्नाह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० टी० एम० अर्नाटेमेंट प्रा० लि०

आदिनाथ श्री हाउस, प्रमोविट सुपर बाजार,
फनाट सर्विस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री शाम सुन्दर खन्ना,

निवासी ए-62, गुजरनवाला टाउन-1,
दिल्ली-9

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कादंबाह्या करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में लिया गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० यू-जी-18, आर० ग्राउन्ड फ्लोर, जैना कलाथ
मार्केट, शक्ति नगर, रूप नगर, दिल्ली तादादी 65 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

दिनांक : 13 जुलाई, 1984

माहूर :

प्रकृष बाई. टी. एन. एस.-----

1. मै० टी० एम० अपार्टमेंट प्रा० लि०

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

आदिनाथश्री हाउस, अपोजिट सुपर बाजार,
कनाट सर्कस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

भारत सरकार

2. श्री डब्ल्यू० एन० खन्ना,
निवासी-74-बी, शालीमारग बाग, दिल्ली।

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जें रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आर० ए० सी०/एफ्यू०/2/3/ईई/11-83/

246—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सधम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति निम्नका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० 124, तथा जो जैना क्लाय मार्केट, शक्ति
नगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अर्जें रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961
के अधीन दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित करी गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
बन्धु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप में कीमत नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या नत्सगवन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या तससे अर्जन में सुविधा के लिए,
और/या

कानूनबी

प्रो० नं० 124, पहली मंजिल, जैना क्लाय मार्केट,
शक्ति नगर, दिल्ली, तादावी, 65 वर्ग फीट।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

आर० पी० राजेश

सधम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जें रेंज-2, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित :—

दिनांक : 13 जुलाई 1984

मोहर :

प्रमुख आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-2/37ईई/11-83/

247—अतः, मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें हमारे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जी-2-ए है, तथा जो जैना क्लाय मार्केट,
शक्ति नगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961
के अधीन दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 म० एम० अपार्टमेंट प्रा० लि०

आदिनाथ श्रीहाउस, अपोजिट सुपर बाजार,
कनाट सर्कस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2 श्रीमती किरन सेठी पत्नी श्री अशोक सेठी,
निवासी 3/49 रूप नगर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रो० सं० जी-21-ए, जैना क्लाय मार्केट, शक्ति नगर चौक,
रूप नगर, दिल्ली, तादादी-37 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक: 13 जुलाई 1984

साहू :

प्ररूप आर्ह. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

निदेश सं० आर्ह० ए० सा०/एक्यू०-2/37-ईई/11-83/
248-अतः सू०, जार० पी० राजेश

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जी०-23 है तथा जो जैना क्लाय मार्केट,
शक्ति नगर, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिपति के
कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय आयकर
अधिनियम, 1961 के तहत, तारीख नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में स्थित नहीं किया गया है :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) मै० टी० एम० अपार्टमेंट प्रा० लि०,
आदिनाथ श्री हाऊस,
अपोजिट सुपर बाजार,
कनाट सर्कस,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पुष्पावन्ता पत्नी
श्री बी० के० सलूजा,
निवासी-1-147,
कीर्ति नगर,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी माफेप :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० जी०-23, जैना क्लाय मार्केट, शक्ति नगर,
दिल्ली, तादादी-65 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 13-7-1984

मोहर :-

प्रश्न बाई. टी. एन. एच.-----
 धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37 ईई०/11-83/
 249—अतः मुझे आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यु०जी-8, है तथा जो रूप नगर, दिल्ली
 में स्थित है (और इसमें उपायध्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से
 वर्णित है, रजिस्ट्रार की अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2,
 नई दिल्ली में आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन तारीख
 नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
 अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
 पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
 सिद्धित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्त, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 साक्षित्व में कमी करने या सबसे बड़े के सूचिका
 क लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
 सूचिका के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) ठी० एम० म्पाईमेंट प्रा० लि०
 प्राविनाथ श्रीहाउस,
 अपोजिट सुपर बाजार,
 कनाट सर्कस,
 नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री गुलशन कालरा,
 निवासी डी/1-4,
 आर० पी. बाग,
 दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियां करवा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जासोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिगतों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर द्रष्टव्य स्थावर संपत्ति में हितवद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

सूचीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० यू० जी०-8, जना क्लब मार्केट, शक्ति नगर,
 रूपनगर, दिल्ली, तलाशी 65 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 13-7-1984

मोहर :

इसमें आई.टी.एम्.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एम्पू०/2/37 ईई०/11-83/
250—अतः मुझे, आर० पं० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 119 है तथा जो रूपनगर, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपायय अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रार अथवा अधिकारी के कार्यालय, अर्जुन रेंज-2, नई दिल्ली में आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन तारीख नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए दण्ड प्राया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किमी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्वय में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) टी० एम्० प्रपार्टमेंट प्रा० लि०

आविनाय आं हाऊस,

अपोजिट सुपर बाजार

बनारस रोड,

नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री राम किशन,

निवासी बी-38,

सी० सी० बालोनी,

दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुत किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, बाधककारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो० सं० 119 पहली मंजिल, जैना कलाय मार्केट, शक्ति नगर वीथी, रूपनगर, दिल्ली तादादी 65 वर्ग फीट।

आर० पं० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 13-7-1984

सहचर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37 ईई०/11-83/
251--अतः मुझे आर० पी० राजेश,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है
और जिसको सं० यू० जी० 30 है तथा जो शक्ति नगर,
रूप नगर, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उभावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार-वर्ती अधिकारों के
कार्यालय अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में आयकर अधिनियम, 1961
के अधीन, तारीख नवम्बर, 1983
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्मितियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
अनुसूची अन्तर्गत द्वारा पकड़ नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री० टी० एम० अणार्दसेट प्रा० लि०,
आदिनाथ श्री हाऊस,
अपोजिट सुपर बाजार,
तावादी मार्केट,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती उत्तम पत्नीदेवी
श्री शानू राम,
निवासी 5685
कोल्हापुर रोड,
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वित्तबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रो० सं० यू० जी०-30, जैना क्लब मार्केट, (ए० सी०).
शक्ति नगर, चौ० 5, रूप नगर, दिल्ली, तावादी 65 वर्ग
फीट।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख 13-7-1984
मोहर :

इसमें आई.टी.एन.ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37 ईई०/11-83/
252—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

प्रो० जिराफो नं० यू०-जी०-24-ए है तथा जो दरियागंज,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
का में वर्णित है), रजि० प्रो० अधिकारी के कार्यालय, अर्जन
रेंज-2, नई दिल्ली में आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन,
तारीख पन्चम्वर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविल
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

15—196 GI/84

(1) मै० जैना प्रापर्टीज प्रा० लि०,
आदिनाथ श्री हाऊस,
अपोजिट मुपर बाजार,
कनाट सर्कस,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री अजय कुमार वर्मा सुपुत्र
श्री ए० डी० वर्मा,
3318, कुंभा जलाल दुखारी,
दरियागंज,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 29-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० यू०-जी०-24-ए, नेताजी सुभाष मार्ग, दरिया
गंज, नई दिल्ली तादादी-21.5 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख : 13-7-1984

मोहर :

प्ररूप जारी. टी. एन. एस. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना-

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/ 37, ईई०/11-83/

253--अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) कि धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 54 है तथा जो 2-नेता जी सुभाष मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पर्यवेक्षणार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) मै० जैना प्रापर्टीज प्रा० लि०,
आदिनाथ श्री हाऊस,
अपोजिट सुपर बाजार,
कनाट सर्कस,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) डा० (श्रीमती) सुमन मेहरोत्रा,
निवासी-37 नार्थ वेस्ट एवेन्यू,
पंजाबी बाग,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सन्तुष्टिपूर्ण व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाह्नाक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रत्युक्ति

प्रो० नं० 54, पहली मंजिल, 2-नेता जी सुभाष मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली, एरिया-108 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख : 13-7-1984

मोहर :

प्रकाश भाई. टी. एन. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37 ईई०/11-83/
265—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर०-ए-एन० 105 है, तथा जो बजिरपुर,
कम्युनिटी सेक्टर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली आयकर अधिनियम,
1961 के अधीन, तारीख नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि सहायक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण
लेखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० राज सुधा टावर प्रा० लि०,
एन०-52-ए,
कनॉट सर्कस,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री रावत सिंह और
श्री विलीप सिंह,
मार्फत मै० बाबुल-1900,
चांदनी चौक,
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

आर०-ए०-एन०-105, ग्राउन्ड फ्लोर, 29 वजीर पुर
कम्युनिटी सेक्टर, दिल्ली, तादायी-69.5 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख : 13-7-1984
मोहर

प्रकट आई. टी. एन. एन. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई. ए० सी०/एनयू०/2/37 ईई०/11-83---

268—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 41-ए है तथा जो वजीरपुर, कम्युनिटी
सेन्टर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में आयकर अधिनियम, 1961 के
अधीन, तारीख नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्तों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैं राज सुधा टावर प्रा० लि०,
एन०-52-ए,
कनॉट प्लेस,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कान्ता रानी नारंग,
निवासी-107,
हकीकत नगर,
माल रोड,
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

आर०-ए०-एन०-41-ए, (बेसमेंट) 29 वजीरपुर,
कम्युनिटी सेन्टर, दिल्ली तादादी-25 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख : 13-7-1984

मोहुर

प्रमुख आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37 ईई०/11-83/
275-अतः मुझे, आर० पी० राजेश.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 4 है तथा जो रूप नगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख नवम्बर, 1983 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

नतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० राजेश्वा प्रापटीज दिल्ली प्रा० लि०,
एन०-52-ए,
कनॉट प्लेस,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री विजय कुमार शर्मा,
निवासी एन-1/11,
कुष्णा नगर,
दिल्ली-51।

(अन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बनसूची

प्रा० नं० आर०-जे०-बी०-217, अपर ग्राउण्ड फ्लोर,
पी-4, रूप नगर, दिल्ली, 36 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख : 13-7-1984

मोहर :

प्रकृत बाई. टी. एम. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई०ए० सी० एन्यू०/2/37ईई/11-83 276

यतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 11-ए०, है, तथा जो रूप नगर, दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपामुद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता, अधिकारी के
कार्यालय अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम
के अधीन दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
बाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों
के जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

(1) मै० रजिन्दरा प्रोपटीज (दिल्ली) प्रा० लि०
ए-52ए, कनाट प्लेस, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मोहिनी बाला,
निवासी 562,
कटरा असफ़ी
चांदनी चौक,
दिल्ली-6,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जहाँ उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

आर० जे० बी-11-ए, बेसमेंट-4, रूप नगर, शक्ति
नगर, चौक, दिल्ली, तादादी-31.5 वर्ग फीट ।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख : 13-7-1984

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एन. एन.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 84

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/11-83/
277-अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 104 है तथा जो रूप नगर, दिल्ली में
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
अग्नि है), रजिस्ट्रार की अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2
नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन
नारीश्वर नवम्बर 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) सं० राजेन्द्रा प्रोपर्टीज (दिल्ली) प्रा० लि०,
एन०-52-ए०,
कनाट प्लेस, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री सुभाष चन्द्र गुप्ता और श्री सुरेन्द्र साहनी,
निवासी ए०-1/4, आर० पी० बाग
दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

आर० पी० बी०-104 ग्राउन्ड फ्लोर, राजेन्द्रा वर्धमन,
4 रूप नगर, दिल्ली तादादी 55 वर्गफुट ।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 13/7/84

मोहर :

प्रकट नार्ड.टी.एन.एव.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 84

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/11-83/
278--अतः मुझे, आर० पी० राजेश
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० 125 है तथा जो रूप नगर, दिल्ली में
स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन
रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961
के अधीन तारीख नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में सम्पत्ति
रूप में वर्णित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की राशि, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
हासिल में कमी करने या उचित करने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी भग या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

(1) मै० राजेन्द्रा प्रोपर्टी (दिल्ली) प्रा० लि०,
एन०-52-ए०, कंठाट प्लस,
नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) तुश्लीम अहमद,
निवासी-1002 गली नं० वाला,
हवेली हिसामुद्दीन हैवर, बालीमरान,
सादनी चौक, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शर्त :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के बध्दाय 20-ब में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

आर० जे० बी० 125, ग्राउन्ड फ्लोर, राजेन्द्रा वर्धमन,
4-रूप नगर, शक्ति नगर चौक, दिल्ली, तादादी 36 वर्गफीट।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली/नई दिल्ली

तारीख : 13/7/84
मोहर :

प्रकृष आर्द्र. पी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रैंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/11-83/
279--अतः मुझे, आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 124 है तथा जो रूप नगर, दिल्ली में
स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रार अतिरिक्त के कार्यालय अर्जुन रैंज-2
नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन,
तारीख नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निर्धारित उद्देश्य के उक्त अन्तरण निर्धारण से सम्बन्धित
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्ययत्व में कमी करने या उसमें कटौती में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाता चाहिए था, निर्धारण में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निर्धारित व्यक्तियों, अर्थात्:—

16-196GI/84

(1) राजेन्द्रा प्रोपर्टीज (पब्लिक) प्रा० लि०,
एन०-52-ए०, अनाद पोल,
नई दिल्ली,

(अन्तरक)

(2) श्री अब्दुल अहमद, ग़याब अहमद,
शजद अहमद, अपतान अहमद,
निवासा-1002 हवेली हिमामुद्दीन हैदर,
बाबाय रत, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निर्धारण में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

आर० जे० बी० (जी०एफ०) 4-रूप नगर, शक्ति नगर
चीन, दिल्ली तादादी 36 रफाफाट।

आर० पी० राजेश

सूक्ष्म प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रैंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 13-7-84

माहूर :

प्रकृष बाह्य, टी. एन. एच. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 84

निर्देश सं० आई० ए० सं०/एक्यू०/2/37ईई/11-83/
280--अन: मुमं, आर० पी० राजेश
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन गद्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
तर्जन है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसका सं० 225 है तथा जो रूप नगर, दिल्ली में
स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से
परिणत है), रजिस्ट्रार अथवा के कार्यालय, अर्जन रेंज-2
नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन,
ताराख मध्यम 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/वा

(ख) किसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्तित :-

(1) मैं राजेश प्रभादी (दिल्ली) प्रा० लि०,
एन०-52 ए०, आनंद पुरा,
नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री राजेश कुमार अग्रवाल,
श्रीमती विरेण कुमारी, श्री एन० अग्रवाल
और श्री नृणा कुमारी अग्रवाल,
निवासी-1758 कृष्ण लट्टू शाह दरोबाकली
चांदनी चौक, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाह्नाधारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

आर० जे० बा०-225 अपर प्राउन्ड फ्लोर, 4-रूप
नगर, दिल्ली, तादाद: 36 वर्गफीट।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली/नई दिल्ली

तारीख: 13/7/84

मोहर:

प्रत्यक्ष भाग' टी एम.एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश नं० आई० ए० सं०/एक्यू०/2/37ईई/11-83/
281—अतः सूत्रे, आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसका सं० 203, है तथा ज 4-रूप नगर, दिल्ली में स्थित
है (और इसमें उपाखण्ड अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्र-
वर्ती अधिपति के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली भारत के
आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक तदम्बर 1983
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मंत्र यह विश्वास
करने का कारण है कि दृष्टापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एम्मे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निहित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कार्यत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्य
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्णित :—

(1) मै० राजेश प्रापटीन (दिल्ली) प्रा० लि०,
एन०-52-ए, कनाट प्लेज, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रकाश चन्द जैन,
निवासी—90 बिर नगर, जैन कालोनी
दिल्ली-7 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) यह सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिपति के
पाम निषिद्ध है किन्तु इस संकेतों ।

स्पष्टीकरण:—इसमें पूर्वोक्त संकेतों और पदां का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

आर० जे श्री०-203, अपर माउण्ड फ्लोर, 4-रूप नगर,
दिल्ली तादादी-55 वर्गफीट ।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002.

दिनांक 13-7-84

मोहर :

प्रमाण पत्र, एन. एम. एन. एन. एन.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/11-83/
282—अनः मुझे, आर० पी० राजेश,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
अंश है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 41 है तथा जो जी० टी० करनाल रोड, दिल्ली,
में स्थित है (और इसमें उदाहरण अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित
है), राजस्ट्रीट की अधिारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2 नई दिल्ली
में भारतीय आयकर अधिनियम-1961 के अधीन दिनांक
नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
हाथिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या अन्य अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाता चाहिए था, रिपार्त में सूचना
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री० नन्द लाल दर्शन लाल एण्ड को०
5385 न्यू मार्केट, मदन बाजार
दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री० पंखर मल एण्ड सन्स,
बो-5/राणा प्रताप बाग, दिल्ली।

अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन से निष्-
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के आस-पास पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, या उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० 41—जी० टी० करनाल रोड, राजधानी को-
ऑपरेटिव इण्डस्ट्रीयल इस्टेट लि०, दिल्ली, तादादी-125 वर्ग
गज।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002.

दिनांक 13-7-84
मोहर

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/11-83/

289--अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 201-202, है तथा जो 4 रूप नगर दिल्ली
में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रार अधिकारी कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली,
भारतीय आयकर अधिनियम-1961 के अधीन दिनांक दिसम्बर,
1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बहु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
रास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वय
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० राजेन्द्रा प्रोपर्टीज (दिल्ली) प्रा० लि०
एन-52 ए. प्लॉट प्लस-नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मै० प्लास्टिक इम्पोर्टियर्स,
286, पोस्ट ऑफिस : बाजार,
दिल्ली।

(अन्तरिती)

(3) (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

(4) (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

आर० जे०-बी०-201 और 202, राजेन्द्रा वर्धमेन, प्लॉट
नं० 4, रूप नगर, दिल्ली, तादादी-66 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 नई दिल्ली-110002

दिनांक 13-7-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एन०/2/37ईई/11-83/
290--अतः मुझे, आर० पी० राजेश.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 206, है तथा जो रूप नगर, दिल्ली में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय
आयकर अधिनियम-1961, के अधिन. दिनांक नवम्बर,
1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः शब्द, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) राजेश्वा प्रोपर्टी (दिल्ली) प्रा० लि०

एन-52-ए, प्लॉट नं०

नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री ए० सी० उपाध्याय,

5/11, सर्वप्रिया विहार, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

(3) (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

(4) (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में अन्य किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

बनसारी

आर० जे० बी०-206, प्लॉट नं० 4-रूप नगर, दिल्ली,
तादावी-36 वर्गफुट।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 13-7-84

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एन.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/11-83/

292—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 218 है तथा जो रूप नगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूचा में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम-1961 के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल, से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण में हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन बार देने के अंतर्गत के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आम या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) राजेन्द्रा प्रोपर्टीज (दिल्ली) प्रा० लि०
एन-52-ए, कनाट प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मास्टर अंशुमन गुप्ता,
टैरेस-7, श्रीवराय अपार्टमेंट,
2-शाम नाथ मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आर० जे० बी०-218, राजेन्द्र वर्धमेन प्लॉट नं० 4, रूप-नगर, दिल्ली, तादादी 36 वर्गफीट।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 13-7-1984

मोहर :

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/11-83/
294—अनत: मुझे, आर० पी० राजेश,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० 205 है तथा जो रूप नगर, दिल्ली में स्थित
है (और इससे उपायद्व अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय
आयकर अधिनियम, 1961, के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और ऐसे बड़े विचलन
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तन पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे घटने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनधन
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
विख्यात जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) राजेन्द्रा प्रोपर्टी (प्रा० लि०
एन-52-ए, कनाट प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री चन्दर किरन जैन,
निवासी—सी०-1379, जहांगीरपुरी,
दिल्ली-33।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसंधा

आर० जे० बी०-205, राजेन्द्रा जैन वर्धमेन प्लॉट नं० 4-
रूप नगर, दिल्ली, तादादी 31-वर्गफुट।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 13-7-1984

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/11-83/
298—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 212-213, है तथा जो प्लॉट नं० 4, रूप नगर,
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2,
नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक
नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक
वास्तविक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—
17-196 GI/84

(1) राजेन्द्रा प्रोपर्टीज (दिल्ली) प्रा० लि०
एन०-52-ए, कनाट प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रेनु सूद और श्री अनिल कुमार सूद,
पोस्ट बॉक्स नं० 923, डोहा कटर,
डब्ल्यू-56, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जानकारी:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आर० जे० वी०-212 और 213, प्लॉट नं० 4-रूप नगर,
दिल्ली, तादादी 72 वर्गफीट।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 13-7-1984

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/11-83/
299—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन गद्यम प्राधिकारी को यह निश्चय करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 215 है तथा जो 4 रूप नगर, दिल्ली
में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकारी के कार्यालय, ग्रजन
रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय अधिनियम-1961 के अधीन
दिनांक 24 नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंशित की गई है और ऐसे यह निश्चय करने
का कारण है कि संपत्तिपूर्वक गणित का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का जिनके भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) राजेन्द्रा प्रोपर्टीज (दिल्ली) प्रा० लि०
एन-52-ए, कनाट प्लेस, नई दिल्ली ।
(अन्तरक)
(2) डा० इन्दर जीत सिंह मेहता,
निवासी—23-स्टेट बैंक कालोनी,
जी० टी० रोड, दिल्ली-9 ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

आर० जे० बी०-215, प्लॉट नं० 4-रूप नगर, दिल्ली,
तादासी 36 वर्गफीट ।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रजन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 13-7-1984
मोहर :

प्रकृष आइ. टी. एन्. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/11-83/

300—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- से अधिक है

और जिसकी सं० 208 है तथा जो रूप नगर, दिल्ली में स्थित है
(और इससे उपाय अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय
आयकर अधिनियम-1961 के अधीन, दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी
(अन्तरिनीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निर्धारित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप में व्यक्त नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायत्व
में कमी करने या उसमें घटने में सविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तिमों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत
उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) राजेन्द्रा प्रोपर्टीज (दिल्ली) प्रा० लि०
एन-52-ए, कर्नाट प्लेस, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती आरती कपूर,
निवासी-मकान नं० 3612 गली कोनवाला,
सर्जी मण्डो, दिल्ली-1 ।

(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होगी होगी, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए गए उक्त

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और गहरों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

आर० जे० बी०-208, अपर ग्राउण्ड फ्लोर, प्लॉट नं० 4-
रूप नगर, दिल्ली, ताशदी 36 वर्गफीट ।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 13-7-1984

मोहर :

प्रारूप आर्.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/11-83/

301—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 220-ए है तथा जो रूप नगर, दिल्ली में स्थित
है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय
आयकर अधिनियम-1961 के अधीन, दिनांक नवम्बर, 1983
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से ऐसे व्यवमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक
रूप से क्षीय नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का नाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कार्यालय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) राजेन्द्रा प्रोपर्टीज (दिल्ली) प्रा० लि०
एन०-52ए, कनाट प्लेस, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) श्री एम० के० अग्रवाल एण्ड अदर्स,
2/3-ए, अंसारी रोड, दरियागंज,
नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

आर० जे० वो०-220-ए, अपर ग्राउण्ड फ्लोर, ए-4-रूप
नगर, दिल्ली, तादादी 36 वर्गफुट।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 13-7-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

1. मै० स्कोपर सेल्स प्रा० लि० 22-बाराखम्बा रोड,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. मै० ओरियल एक्सपोर्ट्स प्रा० लि०

श्री मनोज कुमार मेहतानी और कुमारी हेमा मेहतानी,
निवासी-75-ई०, हिमालया हाउस, के० जी० मार्ग,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 10 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू००/1/37ईई/11-83/

458--अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक हैऔर जिसका मै० 103-ग है तथा जो 89 नेहरू प्लेस, नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचा में औःपूर्ण
रूप से वर्णित है), निम्नलिखित अधिपत्र के कार्यालय में
अर्जन रेंज I, नई दिल्ली में मान्यता प्राप्त आय पर अधिनियम 1961
के अन्तर्गत तारीख नवम्बर 1983को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अतिरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से की गई नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास
लिखित में दिए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 103-ग, तादादी 352 वर्गफीट-89 नेहरू
प्लेस, नई दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 10-7-84

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ईई/11-83/

459—अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकी पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० 104-ए है तथा जो 89-नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाध्वज अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), एजिस्ट्रार की अधिभार के कार्यालय अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम-1961 के अधीन तारीख नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाधत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तव्यता को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० स्कोपर सत्या/प्रा० लि०, स्कोपर भवन, 22-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मै० ओरियल एक्सपोर्ट्स प्रा० लि०
श्री मनोजमुक्षर मेहताना और कुमारी हेमा मेहतानी,
सी-4/52 सफदरजंग डेवलपमेंट एरीया, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त सम्पत्ति के अर्जन से संबंध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाप लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 104-ए, नादार्द 548 बर्गफीट, 89 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 10-7-84

मोहर

सूचना नं० १००/१९८४

1. श्री० संसल प्रोपर्टीज एण्ड इन्डस्ट्रिय प्रा० लि० 115

अंसल भवन, 16-कै० जॉ० मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

सहायक आयकर अधिकारी

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 10 जुलाई 1984

निर्देशन सं० आई० ए० सी०/एम्पू०/1/37 ईई/11-83/

460—अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० में अधिक है

और जिसकी सं० 208 है तथा जो 58-नेहरू प्लेस, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), राजस्वविभागीय अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-I,
नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम-1961 के अधीन
नारायण तदम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंचद्व प्रतिसात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी राशि की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के
आधिकार में कमी करने या इससे कम में सीमा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी राशि या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के अधिनियम अन्तरिती द्वारा गणित नहीं किया गया
या या किसी अन्य आस्तियों, अंतरणों में अंतरण
के लिए।

अनुसूची

फ्लैट नं० 208, तादादी 600 वर्गफीट, 38-नेहरू प्लेस,
नई दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिनियम:—

नारायण: 10-7-84

मोहर

प्ररूप आक्ष. टी. एम. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 10 जुलाई 1984

निर्देश सं० आर्.ए. सं० सी०/एक्यू०/1/37 ईई/11-83/

461-अनः सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसका सं० 304 है तथा जो प्लॉट प्लेन, नई दिल्ली में
स्थित है (और इसमें कागज बचतपत्रों में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली
माताजी अधिनियम अधिनियम-1961 के अधिनियम तबम्बर,
1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
राशियत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
अनुसूचित अधिनियम द्वारा उक्त नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० यश राज फाउण्ड, राज एमल सोला मंदिर, डा०
एच० बी० राज रोड, पारेवा, बम्बे।
(अन्तरण)

2. मै० के० के० ए० कृष्ण और श्रीमती रक्षापुरी, विवासी-
ए-1, आनन्द निकेतन, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 304, तलमने 655.2 वर्गफुट, 14-एफ०,
प्लॉट प्लेन, नई दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 10-7-1984

मोहर :

प्रकरण आई. टी. एन. एस. -----

आदकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

अध्यक्ष, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 जुलाई, 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ईई/11-83/

462--अन: मुझे, मुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1303-ए है तथा जो 89, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज I, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961, के अधीन तारीख नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित से वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावजूद उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वस्तुओं को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, संबंध :-

18-196GI/84

1. मै० स्कोपर सेक्टर प्रा० लि०, 22-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सत्या वर्मा, मार्फत श्री एस० पी० वर्मा, निवासी-डी-11/20, अन्कूजगंज, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यानिर्वाह करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अनधिकृततापूर्वक के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

सम्झौताकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और वशों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होना जो उक्त अध्याय में किया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 1303-ए: तादासी-352 वर्गफीट, 89-नेहरू प्लेस नई दिल्ली।

मुधीर चन्द्रा

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 10-7-1984

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज -1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ईई/11-83/

463—अतः मुझे सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके बख्शात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 701, है तथा जो 13-टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित) है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज -1, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम-1961 के अधीन, तारीख नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्षात :—

1. मै० ब्रह्मी विक्रम विकास कंस्ट्रक्शन कं० प्रा० लि० 13-टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री अरण जे० सिंह, कुमारी गायत्री, जे० सिंह, और श्री जे० एस० लुथरा, निवासी-जी०-3, निजामुद्दीन वेस्ट, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 701, तावादी 696 वर्गफीट, 13-टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 10-7-1984

मोहर

प्रकरण आई.टी.एन्.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एन्पू०/1/37 ईई/11-83/
464—प्रतः मुझे, सुधीर चन्दा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० ए-285 है तथा डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली,
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली,
भारतीय आयकर अधिनियम-1961 के अधीन तारीख नवम्बर,
1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी आय का बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
हाविले में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या भू-कर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्वय
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. बाबा जसवन्त सिंह सुपुत्र बाबा मेहर सिंह, निवासी-
35-हेमकुन्ठ कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मै० उर्मिल प्रोपर्टीज एण्ड इनवेस्टमेंट प्रा० लि० ए-
285, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी जांच :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० ए-285 डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली, ताबादी-
217 बर्गगज,।

सुधीर चन्दा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 10-7-1984

मेहर

प्रकाश जाई. टी. एम. एम. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ईई/11-83/
465—प्रतः सुधेर चन्द्रा,
भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1011-बी है तथा जो 21-बाराखम्बा रोड,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन
रेंज-I नई दिल्ली, भारतीय भायकर अधिनियम, 1961 के अधीन
तारीख नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से क्रेयित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बी० एन० छात्रा और श्रीमती रामी छात्रा, निवासी-
बी०-5/19, सफदरजंग इनक्लेव, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती पूनम सभी की और कपटे० बी० के० सभीकी
(एच० यू० एफ०), निवासी-ई-99, साकेत, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या उत्तमम्भी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

सत्यापनः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 1011-बी०, ताबादी 300 वर्गफीट, 21 बारा-
खम्बा रोड, नई दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 10-7-1984

मोहर :

प्रकट बाई. टी. एच. द्वारा

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना.

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ईई/11-83/
466—प्रतः सुझे, सुधीर चन्द्रा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी से यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 81 है तथा जो बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली
में स्थित है (और उसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज I,
नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम-1961 के अधीन तारीख
नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीमें) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तिगों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भायकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० आनन्द मेलोडी हाउस, 6/44, अजमल खान
रोड़, करोल बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती कैलाश रानी, निवासी- एस०-21, ग्रीन पार्क
एक्सटेंशन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्ज के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्ज के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्भोहस्ताक्षरी के पास
निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 811, 21-बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली, तादादी
500 वर्गफीट।

सुधीर चन्द्रा

सूक्ष्म प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 10-7-1984

मोहर :

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भाइर चन्द्रा

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ईई/11-83/
467—अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 28, है तथा जो बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1,
नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम-1961 के अधीन
तारीख नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ता)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :---

(क) अन्तरण से हुई किसी बाव की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाबिल में कमी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. मै० गोपाल दास इस्टेट्स एण्ड हाउसिंग प्रा० लि०
28 बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती उषा कुमारी पत्नी श्री सुरेन्द्र पाल, निवासी-
165 तुरब नगर, गाजियाबाद, और श्री कृष्ण
चन्द सपुत्र स्व० श्री जगन नाथ निवासी-2929,
बहादुरगढ़ रोड़, सदर बाजार, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

स्पेस नं० 10, एल०जी०एफ० डा० गोपाल दास भवन,
28-बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली—तादादी 109 वर्गफीट।

सुधीर चन्द्रा

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 10-7-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

1 श्री जवाहर लाल रकयन, अनिल कुमार रकयन और
अरुणकुमार रकयन, निवासी-145, सुन्दर नगर,
नई दिल्ली।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजंन रेंज, 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/ए. यू०/1/37 ईई/11-83/

468—वतः मुझे, सुधीर चन्दा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का
धारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 145, है तथा जो सुन्दर नगर, नई दिल्ली में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अजंन रेंज 1,
नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम-1961, के अधीन,
तारी नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बन्धु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्घोष से उक्त अन्तरण निश्चित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
राशिय में कमी करने या सतसे बढ़ने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
से, बिना भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या हा किया जाना चाहिए था, छिपाने में मन्विधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(अन्तरक)

2. म० माबल ट्रेडिंग क० लि०, 19-आर० एन० मुखर्जी
रोड, कलकता-1।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जांच :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

145 सुन्दर नगर, नई दिल्ली, (डबल स्टोरी बंगला)।

सुधीर चन्दा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजंन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 10-7-1984

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ईई/11-83/

469—अंतः, मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवेकमान करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 9, है तथा जो जैन मंदिर रोड, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1,
नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम-1961 के अधीन, तारीख
नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तर्क के बाधित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
अं, यै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री ब्रज नाथ मल्हन, निवासी-9-जैन मंदिर रोड,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मै० लीना प्रोपर्टीज प्रा० लि०, 30-हनुमान रोड,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित
वर्धक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/2 भाग डबल स्टोरी बंगला नं० 9, जैन मंदिर रोड;
नई दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 10-7-1984

मोहर :

प्रत्यक्ष कार्य. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजंठ रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 जुलाई, 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ईई/11-83/
470---अतः, मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), जो कि धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 9, है तथा जो जैन मंदिर रोड़, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपवृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अजंठ रेंज-1,
नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम-1961, के अधीन,
तारीख नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
एक प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वारा में करी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तिवों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

19-196GI/84

1. श्रीमती स्वर्ण लता कपीला, निवासी-9, जैन मंदिर
रोड़, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. म० नीना प्रोपर्टीज प्रा०, लि० 30-हनुमान रोड़,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा सहायताधारी के पास
निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/2 भाग अविभाजित डबल स्टोरी बंगला नं० 9, जैन
मंदिर रोड़, नई दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजंठ रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 10-7-1984

मोहूर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

1 श्रीमती साभा सीपी परती श्री सुरेश सीपी, निवासी-
एम-104, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना2. मास्टर राजेश हरजानी (माइनर) सपुत्र श्री श्रीचन्द्र
हरजानी, निवासी-सी-13, न्यूसबजी मंडी, आजाद-
पुर, दिल्ली-33।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 जुलाई, 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/ए. यू०/1/37 ईई/11-83/

471—अतः, मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० 1209 है तथा जो 98 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1,
नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम-1961 के अधीन,
तारीख नवम्बर 1983को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययपान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है कि मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शामिलत्व में कमी करने या उससे बचने का उद्देश्य
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना था, छिपाने में गुविधा
के लिए;अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कार्यालय फ्लैट नं० 1209-तादादी 511 वर्ग फीट, 12वीं
मंजिल, 98 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 10-7-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 जुलाई 1984

निर्देश सं० अहे० ए०/सी०/ए, यू०/1,1/137 ईई/11-83/
472—अतः, मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 301, है तथा जो 19-बाराखम्बा रोड, नई
दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपायव्य अनुसूची में पूर्ण रूप में
वर्णित है), राजस्वीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1,
नई दिल्ली, में भारतीय आयकर अधिनियम-1961, के अधीन
तारीख नवम्बर 1983

को पृथक् सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दसमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दसमान प्रतिफल से ऐसे दसमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
है वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में
लगे करने या उससे बचने में मजिदगी के लिए
सौद/गा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या न किया जाना चाहिए था, छिपाने में
मजिदगी के लिए,

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री आर० टी० अरोड़ा, 26-मार्च डाइब गालीमार
नरीमन प्वाइन्ट, बम्बे।

(अन्तरिक)

2. श्रीमती कमला अग्रवाल और कुमार अतूराधा अग्रवाल,
निवासी-61/34-रोहतक रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन का अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 301, तावादी 845 वर्गफीट, 19-बाराखम्बा रोड
नई दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 10-7-84

माहुर :

प्रथम भाग टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

राजपत्र पर प्रकाशित

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 7 जून 1984

निदेश सं० सी० ए० 5/37ईई/646/84-85—यतः मुझे,
शशिकांत कुलकर्णी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 46 है तथा जो राजौरी, पूना में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की
व्यक्ति में कमी करने या उससे बचने में इच्छा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
नव-कड अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
इच्छा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) के० सी० पी० कन्स्ट्रक्शन्स प्राइवेट लिमिटेड,
321/3, न्यू टिम्बर मार्केट रोड,
शांती नगर सोसायटी, पूना—2

(अन्तरक)

(2) श्री सिरिल अन्थनी सिकवेरा
828/25, वस्नुर मेहेर रोड, निर्मल निवास,
पूना—1

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभ्युपेक्षाधारी के
पक्ष निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

प्रमाण

फ्लैट नं० 46, चौथी मंजिल, के० पी० टी० 6, फ्लैट नं०
39, सं० नं० 17-ए, मौजे वानोरी, पूना, -13/क्षेत्र-705 वर्ग
फीट।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नम्बर 37-ईई/2686/83-84/
पूना/जनवरी 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

शशिकांत कुलकर्णी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 7-6-1984

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 7 जून 1984

निदेश सं० सी० ए० 5/37ईई/649/84-85—यतः मुझे,

शशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 7 हिस्सा नं० 128 सर्वे नं० 271/
184-2/180-5 विलेज चिचवड जिला पुणे है तथा जो चिचवड
में स्थित (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(1) श्री ए० एच० निरवान
40, मेरवडा पूना—6

(अन्तरक)

(2) श्री एम० वाय० कादर खान
गुली स्थान मंजिल पी० नं० 18
निगडी पूना—35 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

नमूने

(क) अन्तरण स है कि किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम में अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव्य में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

प्लेट नं० 7 हिस्सा नं० 128 सर्वे नं० 271-184/2/180-5
विलेज चिचवड पूना ।

[जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37ईई/2664 जो तारीख जनवरी
1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना
के कार्यालय में लिखा है ।]

शशिकांत कुलकर्णी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 7-6-84

मोहर ।

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 2 जून 1984

निदेश सं० सी० ए० 5/37ईई/648/84-85—यतः मुझे,
शशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 1 पहिला माला प्लॉट नं० 36 सर्वे नं०
26 कोमरुड पूना-29 है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) मेसर्स अतुल इण्टरप्राइजेस
31 शिला बिहार कालोनी, "भटु राज"
पोंड फाटा पूना-38 ।

(अन्तरक)

(2) श्री बा० विजय कुमार
फ्लैट नं० 9, छोडा फ्लैटम
31, औध रोड, पूना-3

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 1 पहिला माला प्लैट प्लॉट नं० 36 सर्वे नं० 26,
कोमरुड पूना-29 ।

[जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37ईई/2251/पूणे/83-84
जो तारीख नवम्बर 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा है।]

शशिकांत कुलकर्णी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना ।

दिनांक : 2-6-1984.

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 7 जून 1984

निदेश सं० सी० ए० 5/37ईई/647/84-85—यतः भुजे,
शशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सहायक आयुक्तारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बंगला सं० 814/126, सिद को० आप० हाउसिंग
सोसायटी है तथा जो औध, पूना में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के
कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16), के अधीन,
दिनांक दिसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और भुजे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरको) और अंतरिती
(अन्तरिती) के बीच होने के कारण, के लिए तब प्रायः प्राप्त
कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
संग्रह में कमी करने या उससे उचित में सविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
उन अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा पकड़ नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती समयन्ता मूलचन्द शिडवानी,
फ्लैट नं० 4, कुंद मेन्शन, दरबशाह रोड,
बम्बई—36 ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती निर्मल चन्दुर वासवानी,
कमल मणन, 23 कफे परेड,
बम्बई—5

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षेपकारी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होते जो उन अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

बंगला नं० 814/126, सिद को० आप० हाउसिंग सोसायटी,
गणेशसिंह रोड, औध पूना-7/क्षेत्र-1170 वर्ग फीट ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नम्बर 37-ईई/2794/पूना/83-84
को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के
दफ्तर में लिखा है ।)

शशिकांत कुलकर्णी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 7-6-1984

मोहर :

सहायक आयुक्त (निरीक्षण)

आयुक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 28 अप्रैल 1984

निर्देश सं० आई-3/37 ईई/654/84-85—अतः

मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

आयुक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० सी-10, तीसरा माला, हरमीरु पार्क को० हाउसिंग सोसायटी 30 बंड गार्डन रोड पूना में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज पूना में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का वृद्ध प्रनिष्ठा से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निमित्त में आस्तित्व रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाजार की भावना, उक्त अधिनियम के अधीन धर देने के अन्तरक की वांछित से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी भूय या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री वसंत कुमार माधवजी कारीया
हरमीरु पार्क को० आ० हाउसिंग सोसायटी
30 बंड गार्डन रोड पूना ।

(अन्तरक)

(2) श्री महेन्द्र के० ठक्कर और
श्रीमती शारदा के० ठक्कर
28-माहेस्वरी मेनशन नेपायका सी रोड,
बम्बई-36 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के दखल के लिए कार्यवाही करना है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अवसर्ग

फ्लैट नं० सी-10 तीसरा माला तरमीरु पार्क को० ओ० हाउसिंग सोसायटी 30 बंड गार्डन रोड, पूना ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37 ईई/-1941/83-84/ पूना जो तारीख सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा है ।)

शशिकांत कुलकर्णी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, पूना

दिनांक : 28-4-1984
मोह० ३

प्रकृष माई. टी. एन्. एन्. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 22 मई 1984

निदेश सं० सी० ए० 51/37ईई/653/84-85—यतः

मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 72य(पाटे) गट नं० 59/28 (पाटे) सं० नं० 12(पाटे) गट नं० 59/9 है तथा जो चितलसर मानपाड़ा-थाना में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायद्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्थात् :—
20—196 GI/84

(1) श्री पी० एन्० कोठारी और अन्य
इंडस्ट्रीज-कोठारी फैमिली ट्रस्ट,
5, लक्ष्मीनारायण शापिंग सेंटर माल्ड (ईस्ट)
बम्बई—64 ।

(अन्तरक)

(2) श्री बद्रीप्रसाद चौधरी
102, सत्यम, कंगठा नेन,
पोदार रोड, माल्ड (ईस्ट),
बम्बई—6 ।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निम्न कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान सं० नं० 72(पाटे), गट सं० 59/28 (पाटे), सं० नं० 12(पाटे), गट नं० 59/9, चितलसर, मानपाड़ा, जि० थाना/क्षेत्र--835-05 वर्ग मीटर्स ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकल नम्बर 37 ईई/3297/थाना/83-84 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है ।)

शशिकांत कुलकर्णी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, पूना

दिनांक : 22-5-84
मोहर

प्रकाशक: टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 28 अप्रैल, 1984

निदेश सं० सी० ए० 5/37ईई/84-85/661--यतः मुझे,
अशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन गन्धम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

श्री० जिनकी सं० फ्लैट नं० 12 के० पी० टी० 1 सर्वे नं० 17ए,
हे तथा जो बानोरी, पूना में स्थित है (श्री० इससे उपाबद्ध अनुसूची
में श्री० पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज, पूना में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
फरवरी, 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि प्रथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) मेसर्स पटेल कन्स्ट्रक्शन्स,
321/3, न्यू टिम्बर मार्केट रोड,
पूना--2

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कुमारी बेगम अब्दुलहीम अहमदो
15, एम० जी० रोड, पूना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां कर रहा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 12, दूसरी मंजिल, के० पी० टी०, 17-ए, प्लाट
नं० 2, हिस्सा नं० 8 बानोरी, पूना-13/क्षेत्र-720 वर्ग फीट।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नम्बर 37ईई/3233/पूना/84-85/
फरवरी 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन
रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

अशिकांत कुलकर्णी

अधिन प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

दिनांक : 28-4-1984

मोहर :

प्रकट आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 2 जून 1984

निवेश सं० सी० ए० 5/37ईई/650-/84-85—यतः

मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

सहायक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसका उल्लेख 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सहायक प्राधिकारी को, यह विचार करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 28,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मकान प्लॉट नं० 40, सर्वे नं० 44 हिंगणे बुद्रुक पुणे है तथा जो पूना में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पद्धत प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरित (अन्तरितियों) के बोध ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तित्व के रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दृष्टि, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाधी प्रन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में प्रवृत्ति के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती शकुंतला श्री० जंगम
1651/52 देहली दरवाजा नाशिक ।

(अन्तरक)

से (2) श्री अरविंद वासुदेव इनामदार
1049/50 सदाशिव पेठ,
पूना—30 ।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अनुच्छेद 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान, प्लॉट नं० 40 सर्वे नं० 44, हिंगणे बुद्रुक पूना ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37ईई/2260/पुणे/83-84 जो तारीख नवम्बर 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

शशिकांत कुलकर्णी
मुख्य प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 2-6-1984

माहूड

प्रकाश. भाग. डी. एन. एन. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 28 अप्रैल 1984

निदेश सं० सी० ए० 5/37ईई/660/84-85—यतः

मुझे, शाशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० प्लेट नं० 520 के० पी० टी०-2 सं० नं०
17ए, है तथा जो वानोरी जिला पूना में स्थित है (और इसमें
उपाबद्ध अनुसूचा में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार
अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना में, रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वापिस में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की अमूर्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स परमार वस्तुवृत्त,
321/3, न्यू टिम्बर मार्केट रोड,
पूना-2

(अन्तरक)

(2) श्री इम्तीयाजअली कुर्ेशी
932/1, सिनेगाग स्ट्रीट, पूना-1

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अपोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 520, के० पी० टी०-2, प्लॉट नं० 4, हिस्सा
नं० 6, सं० नं० 17-ए, मौजे वानोरी, पूना-13।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नम्बर 37-ईई/2343/पूना/83-84
दिसम्बर 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन
रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

शाशिकांत कुलकर्णी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 28-4-84

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 28 अप्रैल 1984

निदेश सं० सी० ए० 5/37ईई/84-85/659--अतः

मुझे, शाशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और निचली सं० प्लेट नं० 22 तीसरी मंजिल, के० पी० टो०
टावरम है, तथा जो रानोरा, जिला पूना में स्थित है (और इसमें
उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रार अधि-
कारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन
रेंज, पूना में, रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक फरवरी 1984.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
नोट/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स परमार कन्स्ट्रक्शन्स,
321/3, न्यू टिम्बर मार्केट रोड,
शांता नगर, सोसायटी, पूना-2।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री भारत शंकरराव शिंगटे
2. श्रीमती मंदाकिनी भारत शिंगटे,
810, गंज पेठ, कस्तुरे चौक,
पूना-2।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संशोधन :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रमाण 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, या उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 22, तीसरी मंजिल, के० पी० टो०-2, प्लॉट
नं० 4, हिस्सा नं० 6, सं० नं०, 17ए, मौज बानोरी, पूना-13
क्षेत्रफल 530 वर्ग फीट।

(जैसे कि रजिस्ट्रार नम्बर 37-ईई/2945/83-84/
फरवरी, 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन
रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है)।

शाशिकांत कुलकर्णी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, पूना

दिनांक : 28-4-1984

मोहर :

प्रकृत आर्.टी.एन.ए.ए.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 7 जून 1984

निवेदन सं० सी० ए० 5/37ईई/656/84-85-यतः मुझे,
अशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25 000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० बी०-16 'बी' बिल्डिंग है तथा जो
संगमवाडी, पूना में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और
पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक
आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर,
1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स हरमस एंजेलोज,
793, कैमिलो हाउस, जमशेद रोड,
बम्बई-14 ।

(अन्तरक)

(2) श्री फिरोज मोताभाई, वकील और अन्य
श्याम त्रिवेदी, फ्लैट नं० 601, पेडर रोड,
बम्बई-26 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० बी०-16 'बी' बिल्डिंग प्रपोज्ड हरमस काम्प्लेक्स
को० आप० हाउसिंग सोसायटी लि० नं० नं० 349, प्लॉट
नं० 203, संगमवाडी, पूना/क्षेत्र-1380 वर्ग फीट ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नम्बर 37ईई/2099/83-84/
पूना/नवम्बर 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

अशिकांत कुलकर्णी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना-3

दिनांक : 7-6-1984
मोहर :

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. -----

(1) मेसर्स हर्मीस एजेंसीज
618, साचापोर स्ट्रीट, पूना—1।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 7 जुन 1984

निर्देश सं० सी० ए०/5/37/ईई/657/84-85--यतः
मुझे, शाशिकांत कुलकर्णी,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
भारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० फ्लैट नं० ए०-13 है तथा जो संगमवाडी, पूना
में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च 1984,को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और वर्ये यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ए०में दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और
अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच ए०से अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
नेतिहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में लक्ष्य
के लिए; और/या(ख) ए०से किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के उद्देश्य
के लिए।फ्लैट नं० ए-13, बिल्डिंग 'ए' हर्मीस काम्प्लेक्स को० आ०
हाउसिंग सोसायटी लि० का फ्लैट नं० 203, सं० नं० 203,
संगमवाडी, पूना/क्षेत्र-1580 वर्ग फीट।(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नम्बर 37ईई/3633/पूना/83-84/
मार्च 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन
रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)शाशिकांत कुलकर्णी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूनाअतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 7-6-1984

मोहर :

प्रत्यक्ष आई. टी. एन. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 4 जून 1984

निर्देश सं० सी. ए० 5/37ईई/656/84-85—यतः

मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
₹25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 12, तीसरा माला सर्वे नं० 118ए/1
(भाग) सी टी सर्वे नं० 217 मीजे चेंदनी ठाणा है तथा जो
ठाणा में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर
आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज, पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी,
1984,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत के अधिक है और अन्तरक (अंतरकाँ) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी जाय की वास्तविक
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक
में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य वास्तवों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रवचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स संतोष बिल्डर्स
13/336 चरई ठाणा
जिला—ठाणा ।

(अन्तरक)

(2) श्री पी० जी० देवराखकर
14-बी, भाववा बाड़ी रुम नं० 20
महिला माला : जे० एस० रोड,
बम्बई—2 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 12 तीसरा माला सर्वे नं० 118ए (भाग) सिटी
सर्वे नं० 217 मीजे चेंदनी ठाणा ।

(जैसे रजिस्ट्रीकृत नम्बर 37ईई/3139/83-84/ठाणा
जो तारीख जनवरी 1984 को सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण) अर्जुन रेंज, पूना के कार्यालय में लिखा है।)

शशिकांत कुलकर्णी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, पूना

दिनांक : 4-6-1984

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 7 जून 1984

निदेश सं० सी० ए० 5/37ईई/655/84-85—यतः मुझे,
अधिकृत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 39, जय साईबाबा को० ग्राप० हाउसिंग
सोसायटी है तथा जो उल्हासनगर जि० थाना में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध प्रतिसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
एक प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरनितियों) के बीच एक अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में दर्शाया नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबन, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
अनुसूचित अधिनियमों द्वारा प्रत्यक्ष नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

21—196 GI/84

(1) श्री एन० जी० मंगवानी
24 बाघवानी बिल्डिंग, प्लॉट नं० 85ए,
नेताजी रोड, उल्हासनगर—2।

(अन्तरक)

(2) श्री अशोकलाल हिराचन्द रजवानी,
फ्लैट नं० सी०—39, जय साईबाबा
को० ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, उल्हासनगर,
थाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि राई में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 39, जय साईबाबा को० ग्राप० हाउसिंग सोसायटी,
उल्हासनगर—3, जि० थाना। क्षेत्र—70 वर्ग मीटर।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नम्बर 37ईई/2603/थाना/83-84
दिसम्बर 83 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन
रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

अधिकृत कुलकर्णी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना।

दिनांक : 7-6-1984

मोहर :

प्रकाशक: टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 7 जून 1984

निदेश सं० सी० ए०/5/37ईई/666/84-85—यतः मुझे,
शणिकांत कुलकर्णी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 7 ए विंलिंग चितामण नगर सर्वे
नं० 128/1 अधीन पूना—7 है तथा जो पूना में स्थित है (और
इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक मई 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि तथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बहुत प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित सूचकेय से उक्त अंतरण लिखित में भास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तविक उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक की दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
की/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी भव या अन्य जास्तिवों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भव-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
से लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मेसर्स निखील एण्टरप्राइजेस

14-बाम्बे, पूना रोड, नीअर बजाज आटो शो रूम
वाकडे वाडी गिवाजी नगर
पूना ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुधा वरदान

ई-25, नूतन नगर, बांद्रा (वेस्ट)
बम्बई—50 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 7 ए—विंलिंग चितामण नगर सर्वे नं० 128/1,
अधीन पूना—7 ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37ईई/4718 जो तारीख मई-
1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज
पूना के दफ्तर में लिखा है ।)

शणिकांत कुलकर्णी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, पूना

दिनांक : 7-6-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 7 जून 1984

निर्देश सं० सी० ए० 5 / 37ईई/665/84-85—यसः
मुखे, शशिकांत कुलकर्णी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 9 ए० विंग बी० विल्डिंग चिंतामणि
नगर सर्वे नं० 128/1 औध पूना-7 है तथा जो पूना में स्थित
है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई, 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि उपापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
पायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
अं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स निखिल एण्टरप्राइजिस,
14-बाम्बे पूना-रोड, निम्नर बजाज आटो शो रूम
वाकडें वाडी-3 शिवाजी नगर पूना ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सविता एन० मिडे
डी०-19/1 रेंज हिल्स क्वाटर्स फिरकी
पूना-20 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० 9 ए विंग-बी० विल्डिंग चिंतामणि नगर सर्वे नं०
128/1 औध पूना-7 ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37ईई/4710/83-84/पुने जो
तारीख मई 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा है)।

शशिकांत कुलकर्णी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 7-6-1984

मोहर

प्ररूप आई. टी. एम. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 4 जून 1984

निर्देश सं० सी० ए० 5/37 ईई/669/84-85—यतः मुझे,
शशिकांत कुलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 5, ए० विंग बिल्डिंग नं० 3
प्लॉट नं० 2 डोम्बीवली (इस्ट) जिला ठाणा है तथा जो
डोम्बीवली में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन दिनांक जनवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिकी
(अन्तरिकी) के बीच ए० से अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर बनें के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सविधा के लिए;

नतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिति :—

(1) मैसर्स जे० नारायण पटेल और कं०
4 उमीया निवास नानेकला इस्टेट
आगरा रोड, घाडकोपर,
बंबई-86

(अन्तरक)

(2) श्री आर० आर० पटवर्धन
प्रोगराज अपार्टमेंट बिल्डिंग नं० 1,
ब्लॉक नं० 2 चितरंजन दास रोड
डोम्बीवली (इस्ट) जिला
ठाणा।

(अन्तरिकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कायवाहियां करती हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 5 ए० विंग बिल्डिंग नं० 3 प्लॉट नं०
डोम्बीवली (इस्ट) जिला ठाणा।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत नं० 37 ईई/3258/जो तारीख
जनवरी 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना के कार्यालय में लिखा है।)

शशिकांत कुलकर्णी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 4-6-84

मोहर :

प्रथम भाग. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

प्राप्त सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पू. नि.अ.क्र.सं. दिनांक 4 जून 1984

निर्देश सं० सी० ए० 5/37 ईई/668/84-85—यतः मुझे,
त कुलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 19, प्लॉट नं० 35, सर्वे नं०
17 ए है तथा जो वामोरी पूना में स्थित है (और इससे
उपान्वृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ए०से दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कउ करने के अन्तरक के
द्वारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स वैभव विल्डर्स
101/102 कमल चेंबर्स,
687 बुधवार पेठ,
पूना ।

(अन्तरक)

(2) 1. ठाकुरदाम कर्सनदास खत्री
2. श्रीमती ऊमीयाहून ठाकुरदास खत्री
1599, भिमपुरा लेन नं० 18,
पूना कैप पूना-1 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

कानूनी

फ्लैट नं० 19, प्लॉट नं० 35, सं० नं० 17-ए वामोरी
पूना -1/क्षेत्र 455 स्क्वैर फीट ।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत नंबर 37 ईई/1947/पूना /83
84/नवम्बर 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण,
अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

शशिकांत कुलकर्णी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 4-6-84

मोहूर ३

प्रश्न नं० टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 10 जुलाई 84

निदेश सं० III-952/अर्जन/84-85—अतः मुझे,

प्रबोध कुमार दुबे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मौजा-धैया सं० 6 खाता सं० 130, प्लॉट नं० 1397 है, तथा जो मौजा धैया, पो०/जिला धनबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय धनबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)

के अधीन दिनांक 21-11-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एक दृश्यमान प्रतिफल का पक्ष प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण के द्वारा किसी भाग की वास्तविक आयकर अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक में कमी करने या सस्ते बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स जितेन्द्र इन्वेस्टमेंट कम्पनी लि० द्वारा आयकर श्री देवेन्द्र कुमार अग्रवाला, वल्द श्री बनवारी लाल अग्रवाला रजिस्टर्ड ऑफिस लाल बाजार, पो० सरिया जि० धनबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री मास्टर अभिषेक अग्रवाला वल्द जितेन्द्र कुमार अग्रवाला निवासी लाल बाजार, पो० सरिया, जि० धनबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

5.30 डिसमिल जमीन तथा आधा कॉटेज बिल्डिंग के साथ जो मौजा धैया, पो० जिला धनबाद में स्थित है रूप से वसिकासंख्या-12986 दिनांक 21-11-83 में वर्णित है तथा जिला अवर निबंधक पदाधिकारी, धनबाद के द्वारा पंजीकृत है ।

प्रबोध कुमार दुबे
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पटना

दिनांक : 10-7-84
मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री मी० आनंदम विश्वनाथन ।

(अन्तरक)

(2) श्री पी० के० गोपीनाथ ।

(अन्तरिकी)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 84

निर्देश सं० आई-3/37 ईई/4155/84-85—अतः

मुझे ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें हममें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 51, 1ली, मझिल, वाकोला
स्फूर्ती को अपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड दत्त मंदिर
रोड, वाकोला बम्बई-55 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है 1) और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है
दिनांक 1-11-83

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसकी दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिकी (अन्तरिकियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
हाथत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना को सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 5, पहली मझिल, वाकोला स्फूर्ती को अपरेटिव
हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, दत्त मंदिर रोड, वाकोला,
बम्बई 55 में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० आई-3/37 ईई/1588/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
1-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 13-7-84
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

(1) श्री राजलक्ष्मी कन्स्ट्रक्शन कंपनी ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री विनोदराय रणछोडजी देमाई,
श्रीमती आर. विम देमाई ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

क्यों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है ।

अर्जन रेंज-3, बम्बई

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

बम्बई, दिनांक 5 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई-3,4/37 ईई/2598/84-85—अन:

मुझे, ए० प्रसाद;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० ब्लाक, नं० 6 निलकंठ, ग्राउंड फ्लोर,
फतेह बाग, एस व्ही. रोड, कादिवाली (पश्चिम), बम्बई-67
में स्थित है (श्रीर इससे उपावह अनुसूची में श्रीर पूर्ण
रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269, क.ख के अधीन प्राधिकारी, बम्बई
के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 28-11-83

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तयपाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

ब्लाक नं० 6, ग्राउंड फ्लोर निलकंठ, फतेह बाग,
एस व्ही. रोड, कादिवाली (पश्चिम), बम्बई-67 में स्थित
है ।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० आई-3,4/37 ईई/2598
/84-85—श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
28-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 5-7-84

मोहर

पक्ष बाई. टी. एन. एस.-----

(1) श्रीमती कुसुम जे० शहा ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती चंद्रप्रभा कांतिलाल पंचमिया ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० अई3,4/37 ईई/2666/84-85—प्रतः

मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 001, बिल्डिंग नं० डी/15, ग्राउंड फ्लोर, योगी नगर, एक्सार रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 22-11-83 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अधिनियम में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों :—

22—196 GI/84

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 01, बिल्डिंग नं० डी-15, ग्राउंड फ्लोर, योगी नगर, एक्सार रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० अई-3,4/37 ईई/2666 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 13-7-84

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 84

निर्देश सं० आई3, 4/37 ईई/2665/84-85—अतः

मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 001, ग्राउंड फ्लोर, बिल्डिंग
नं० डी-15 योगी नगर, एक्सार रोड, बोरोवली (पश्चिम),
बम्बई -92 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन
सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है
दिनांक 11-11-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसकी दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कार्यत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री विजय रामचंद्र श्रीखंड ।

(अन्तरक)

(2) श्री सुंदर महाबला शेटी

(अन्तरिती)

(3) श्री एस. एम. शेटी

और परीवार

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० 001, ग्राउंड फ्लोर, बिल्डिंग नं० डी-15,
योगी नगर एक्सार रोड, बोरोवली (पश्चिम), बम्बई-92
में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० आई-3/4,37 ईई/2665/
83-84—और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
11-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

एस प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 13-7-84

माहुर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 84

निर्देश सं० आई-2/37 ईई/8716/83-84—अतः

मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 13, पहली मंजिल, रोकडीया
निकेतन, पारसी पंचायत रोड, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-
400069 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक
25-11-83

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 260-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) श्री रोकडीया एन्टरप्रायसेस ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मंजुलावेन बी० शाह ।

और श्रीभगवान नास शाह ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभावेस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 13, जो पहली मंजिल, रोकडीया निकेतन,
सी० टी० एस० नं० 141 बी, एस नं० 50, हिस्सा नं०
3 एफ मोजे मोगां, पारसी पंचायत रोड, अंधेरी (पूर्व)
बम्बई -400069 में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० आई-87 16/2/37 ईई/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25/11/83
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 13-7-84

गोहर

प्रश्न आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिन रेंज-9 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई-2/37 ईई/2875/83-84—अतः

मुझे; लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आफिस नं० 301, तीसरी मंजिल, "माधवा" प्लॉट नं० सी-4 आफ ब्लॉक, नं० ई० आफ ब्रांन्ना कुर्ला कॉम्प्लेक्स, बम्बई, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्टर्ड है, तारीख 7-11-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि मभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) माधव युनायटेड होटल (इण्डरनेशनल) लिमिटेड

(अन्तरक)

(2) मैसर्स युनिवर्सल इण्टरप्रायजेस।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्थात् स्थावर के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सूचनाकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आफिस नं० 301 तीसरी मंजिल, "माधवा" प्लॉट नं० सी-4. आफ ब्लॉक, नं० ई० आफ कुर्ला कॉम्प्लेक्स, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क्र० सं० आई-2/37 ईई/2875 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 9-7-84

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन, रेंज-2, बम्बई

बम्बई दिनांक 11 जुलाई, 1984

निर्देश सं० आई-37 ईई/8485/83-84—अत गुड्डे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसे सं० प्लेट नं० 701, सातवीं मंजिल, जो प्लॉट नं० सी० टी० एन० 1 और 7 पर निर्माणधीन इमारत में होगा और जो बांदीवाली, जोमेश्वरी, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका आधारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 4-11-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तु, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाया चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स नोबल कन्स्ट्रक्शन कंपनी।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती आयेशा उस्मान ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० 701 और, जोर प्लॉट नं० सी० टी० एन० 1 और 7, बांदीवाली जोमेश्वरी (पश्चिम) बम्बई में निर्माणधीन इमारत में स्थित है ।

अनुसूची जैसा की सं० सं० आ-2/37 ईई/8485 83/84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4/11/84 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 11-7-84

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री एस० एस० निरमन बिल्डर्स

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) आमतो फरसाना गुस्ताद साहाबादो

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जुलाई 84

निर्देश सं० आई-1/2/37 ईई/8704/83-84--अतः

मुझे, लक्ष्मण दान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 603, छठी मंजिल, निरमन काट्टेज, थारा रोड़, बेरसोवा, अंधेरी (पश्चिम), बम्बई-61 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रार अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 25-11-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाप्त चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 603, छठी मंजिल, निरमन काट्टेज, थारा रोड़, बेरसोवा, अंधेरी (पश्चिम), बम्बई-400061

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-12/37 ईई/8704 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-11-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त अयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 10-7-84

मोहर :

प्रकरण बाई.टी.एच.एच. :-----

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई-2/37 ईई/8715/84-84-अतः

मुझे, लक्ष्मण दास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिम्मेदार सं० फ्लैट नं० 33, तीसरी मंजिल रोकाडीया
निकेतन, पारसी पंचायत रोड़, अंधेरी (पश्चिम), बम्बई
69 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) और जिसका करारनामा रायकर अधिनियम
1961 की धारा 269-घ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 25-11-83

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बम्बई प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(1) मैसर्स रोकाडीया एन्टरप्राइजेज

(अन्तरक)

(2) कलाबेन कान्नीलाल देसाई
और श्री पारेश के० देसाई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वादों :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरक में कुछ किसी बात का वाद, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे अवधे में सीधे
की जाए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या विधान के
अनुविधा के लिए;

फ्लैट नं० 33 जो, तीसरी मंजिल, "रोकाडीया निकेतन"
सी टी एस नं० 141 को, प्लॉट नं० 50 हिस्सा नं० 3 एफ
मोजे मोजा, पारसी पंचायत रोड़ (अंधेरी (पूर्व) बम्बई-
400069 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की सं० सं० आई-2/37 ईई/8715
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
25-11-82 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

अतः उक्त सक्षम अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसूच
में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

दिनांक : 12-7-84

माहुर :-

प्रत्यक्ष जाई. टी. एन. एड.-----

(1) मैसर्स गुंडेचा बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री हेमनन्दा मधाराम बलनदानो

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 जुलाई 1984

निदेश सं० आई-2/37ईई/3796/83-84--अतः

मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 22, दूसरी मंजिल सोनल अपार्टमेंट, गुभदाज प्राईवेट स्कीम, सांताक्रुस, बम्बई 54 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 का धारा 269 ब, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 22-11-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार जो, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० 22 दूसरी मंजिल सोनल अपार्टमेंट गुभदाज प्राईवेट स्कीम शान्ताक्रुस बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-2/37ईई/3796 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई,

दिनांक 9-7-84

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री निमोन जैन ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री इमेल अब्दुल हुसैन कानाबाला
श्री अदवास एच० पटेल
श्री अन्टोनी एम्स पी० ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 जुलाई 84

निर्देश सं० आई-2/37ईई/8713/83-84—अनः

मुसे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 611 छठी माला "एवरेस्ट
बिल्डिंग" जयप्रकाश एन० रोड, बेरसोवा अंधेरी, (पश्चिम)
बम्बई-400061 अंधेरी में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 21-11-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित
में आम्नात रूप से वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

23—196 GT/84

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 611, छठी मंजिल "एवरेस्ट बिल्डिंग"
जयप्रकाश एन रोड, बेरसोवा अंधेरी (पश्चिम) बम्बई-400061
अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37ईई/8713
83-84—और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
21-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 9-7-84

मोहर :

प्रश्न बाई. टी. एन. एस.-----

(1) श्रीमती नयना वर्मा।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई/-237ईई/3724/83-84—अतः मुझे,
लक्ष्मण दास;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 14 तीसरी मंजिल, शिश महल
5-ए, पाली हिल बान्द्रा बम्बई 50 में स्थित है और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269
क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है दिनांक 14-11-83

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एनें किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (2) 1. हिरानंद बी आसराणी
2. सुरेखा एच० आसराणी
3. राजेश बी० आसराणी और
3. सुनिता आर० आसराणी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवश
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाठ
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 15 तीसरी मंजिल शिश महल 5-ए
पाली हिल बान्द्रा बम्बई 400050 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2 /37ईई/3724
/83-84—और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
14-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेंट रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 13-7-84

मोहर :—

प्रकट आई. टी. एन. एस्.-----

(1) श्री महेश एम० ग्रहजा ।

(अन्तरक)

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री गिरधारी एम० ग्रहजा
और श्रीमती हिना जी ग्रहजा

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई-2/37 ईई/3728/83-84—अतः

मुझे, लक्ष्मण दास,

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब में अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 01 तल माला, बाम्बू हाऊस
प्रीमासेसज को-ऑपरेटिव हाऊसिंग सोसायटी लिमिटेड
सान्ताक्रूज (प०) बम्बई 54 में स्थित है और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है
दिनांक 14-11-83

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित
के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा-269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 1 जो तलमाला, बाम्बू हाऊस प्रीमासेस
को-ऑपरेटिव हाऊसिंग सोसायटी लिमिटेड सरस्वती कालोनी
सान्ताक्रूज (पश्चिम) बम्बई 400054 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० आई-2/37ईई/3728
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
14-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 13-7-84

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई-2/37 ईई/3772/83-84—अतः

मुझे, लक्ष्मण दास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके प्रस्ताव 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० शाप नं० 2, मरिया अपार्टमेंट्स को-
ऑपरेटिव हाऊसिंग सोसायटी लिमिटेड, 78 पाली हिल,
बान्द्रा बम्बई 400052 बान्द्रा में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण दिनांक 25-11-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और ऐसे अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(1) गोरधन दास अयिलदास गाना ।

(अन्तरक)

(2) श्री महेशचन्द्र हरीषचन्द्र मुल्लिक
उरेशचन्द्र हरिषचन्द्र मुल्लिक ।

(अन्तरिती)

यदि यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

शाप नं० 2 मरिया अपार्टमेंट्स को-ऑपरेटिव हाऊसिंग
सोसायटी लिमिटेड, 78 पाली हिल, बान्द्रा बम्बई-400052 ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37 ईई/3772/
83-84 और जो सूक्ष्म प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
25-11-84 को रजिस्टर्ड किया गया ।

लक्ष्मण दास

सूक्ष्म प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 2, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 9-7-84

मोहर :

प्ररूप आई., टी., एन., एच.-----

(1) श्री राजन कन्हैयालाल माकानी ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(2) श्रीमती शांति प्रेम फटनानी ।

(अन्तरिती)

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० आई०-2/37 ईई०/3742/83-84, -अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 3, तल माला, भावेश्वर सदन को० अपार्टेड हाउसिंग सोसाइटी, मोगल लेन, माहिम बम्बई-16 में स्थित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 14 नवम्बर, 1983

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के हानित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

फ्लैट नं० 3, तल माला, भावेश्वर सदन को० अपार्टेड हाउसिंग सोसाइटी मोगल लेन, माहिम, बम्बई-16 में स्थित है ।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-2/37ईई०/3742/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14 नवम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मणदास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 12-7-1984

मोहर :

बम्बई, टी. एन. ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० आई०-2/37ईई०/3737/83-84--अतः

मुखे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961, (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है

और जिसकी सं० शाप नं० 6, प्लॉट नं० एन०/ए०-89,
पाली रोड जीग जैंग रोड जंक्शन, बान्द्रा में स्थित है और
जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269
क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय
में रजिस्ट्री है तारीख 14 नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुखे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के अर्जों पर :—

(1) श्री किसान लाल कनोडिया।

(अन्तरक)

(2) श्री बाबू इफतेखार कुरेशी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

शाप नं० 6, प्लॉट नं० एन०/ए० 89, पाली रोड
जीग जैंग रोड, जंक्शन, बान्द्रा, बम्बई-400 050 में स्थित
है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-2/37 ईई०/3737/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14
नवम्बर, 1983 को रजिस्ट्री किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 12-7-1984

मोहर :

प्ररूप बाह्य.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आई०-2/37ईई०/8609/83-84—अतः

मुझे, लक्ष्मणदास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 4, दूसरी मंजिल, हर्ष महल, श्री भगवती को० प्रापरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड, तुलसी पाइप रोड, माहिम बम्बई-400016 में स्थित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 3 नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती नीलम नरेन्द्र कुमार मल्लिक।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती दौलती देवी

हीरा नन्द मल्लिक।

मंसिज झोवियर डिसोजा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा असोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 4, दूसरी मंजिल, हर्ष महल, श्री भगवती को० प्रापरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड, तुलसी पाइप रोड, माहिम, बम्बई-400016 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-2/37 ईई०/8609/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3 नवम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 13-7-1984

मोहर :

प्ररूप बाई-टी. एन. एन. —

(1) श्रीमती ऊषा सुरेन्द्र महापात्रकर ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती मेरी मन्ववीटा ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई-3/37ईई/4358/84-85 अतः मुझे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार

मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० फ्लैट नं० 10, चौथी मंजिल, सीप को०
आपरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड, 27 राजन, बान्द्रा,
बम्बई-400016 में स्थित है और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख
24 नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में बाधना
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय
में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० 10, चौथी मंजिल, सीप को० आपरेटिव
हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड, 27 राजन, बान्द्रा, बम्बई-
400050 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-2/37 ईई०/3778/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24
नवम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 12-7-1984

मोहर :

प्रत्यक्ष आई. टी. एन. एस. -----

(1) मैसर्स रोकड़िया इन्टरप्राइसेज।

(अन्तरक)

(2) डा० अशोक कुमार ठाकरशी शाह।

(अन्तरिती)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिता करता हूँ।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

बम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० आई०-2/37 ईई०/8617/83-84—अतः

मुझे, लक्ष्मण दास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 42, चौथी मंजिल, रोकड़िया
निकेतन, पारसी पंचायत रोड, अन्धेरी (पूर्व), बम्बई-69
में स्थित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961
की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 25 नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि अभावपूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कीमत नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में वसी करने या उगम वचन में सविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

24-196GI/84

फ्लैट नं० 42, चौथी मंजिल, रोकड़िया निकेतन
सी० टी० एस० नं० 141 बी, एस० नं० 50, हिस्सा नं० 3,
एफ मोजे मोघ्रा, पारसी पंचायत रोड, अन्धेरी (पूर्व),
बम्बई-400 069 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-2/37 ईई०/8617/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25
नवम्बर, 1983 को रजिस्ट्री किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 12-7-1984

मोहर :

प्रकृप. आई. टी. एन. एस. -----

(1) श्री सद शिव रामचन्द्र खेर।

(अन्तरक)

(2) श्री मनवरहीन हसन।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई०-2/37 ईई०/8575/83-84—अतः

मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० बी-46, गुल मोहर अपार्टमेंट पांचवां माला, जुहू लेन, अंधेरी (पश्चिम), बम्बई-400058 अंधेरी में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं तारीख 10 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जिसका फ्लैट नं० बी-46, गुल मोहर अपार्टमेंट, पांचवां माला, जुहू लेन, अंधेरी (पश्चिम), बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-2/37ईई०/8575/83-84 आर० जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10 नवम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 12-7-1984
मोहर:

प्रकृष बाई.टी.एन.एस.-----

(1) सी० एस० राज एण्ड कम्पनी ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जुलाई 1984

निदेश सं० 'अई० -2/37 ईई०/2901/83-84—अतः

मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 14, सोमपुरी मार्केट, सांताक्रुज,
बम्बई-400 054 में स्थित है और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कू ख के अधीन
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख
7 नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मे, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (2) 1. श्री बंसी लाल बी० कुकरेजा,
2. श्री टी० बी० कुकरेजा,
3. श्री एम० बी० कुकरेजा,
4. श्री आर० बी० कुकरेजा,
5. श्री सी० एन० कुकरेजा,
6. श्री पी० बी० कुकरेजा,
7. श्री एन० एम० कुकरेजा और
8. श्री डी० एन० कुकरेजा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

दुकान नं० 14, जो 'सोमपुरी' मार्केट, स्टेशन रोड,
सांताक्रुज, बम्बई-400 054 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई०-2/37 ईई०/2901/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 7 नवम्बर
1983 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 11-7-1984

मोहर

प्रारूप आई.टी.एन.एस., -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 जुलाई 1984

निदेश सं० आई०-2/37 ईई०/2887/83-84—अतः

मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 704-ए, सातवीं मंजिल, 'कल्पना अपार्टमेंट ए' गैला राजन रोड, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति से उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स नवभारत डेवलपमेंट कारपोरेशन।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद अली अलीची।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है। *

अनुसूची

फ्लैट नं० 704-ए, सातवीं मंजिल 'कल्पना अपार्टमेंट-ए' गैला राजन रोड, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्रम सं० आई०-2/37 ईई०/2887/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 नवम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 9-7-1984

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

बम्बई, दिनांक 11 जुलाई 1984

निदेश सं० आई०-2/37 ईई०/8801/83-84—अतः

शुभे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 1, ई विंग, आदित्य अपार्टमेंट, ओल्ड नगर दास रोड, बम्बई-400069 में स्थित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 28 नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंचह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(1) मै० गोयल बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड ।

(अन्तरक)

(2) श्री यशपाल मलहोत्रा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण त है कि किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वगैरह में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अन्तर/बा

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

फ्लैट नं० 1, पहली मंजिल, ई विंग, आदित्य अपार्टमेंट, जुना नगर दास रोड, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-400069 में स्थित है

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-2/37 ईई०/8801/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28 नवम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 11-7-1984

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आई०-2/37 ईई०/3791/83-84—अतः

मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 403, कमल कुंज बी विंग, चौथी मंजिल, प्लॉट नं० 179, वीर सावरकर मार्ग, टी० पी० एस०-2, माहिम, बम्बई-16 में स्थित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 26 नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिजी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिजी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1) श्री अशिल कुमार
देवेन्द्र नाथ मोडल ।

(अन्तरक)

(2) श्री मोती लाल जीवराज जैन और
श्री निर्मला मोतीलाल जैन ।

(अन्तरिजी)

(3) अन्तरिजी
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन से सम्बन्ध में कोई भी बाकी है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

संक्षेपः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 403, जो कमल कुंज बी-विंग, चौथी मंजिल, फ्लैट नं० 179, टी० पी० एस०-2, लक्ष्मण दास वीर सावरकर मार्ग, माहिम, बम्बई-400 016 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई-2/37 ईई०/3791/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26 नवम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 13-7-1984

सोहर :

प्रकृष आर्. टी. एन. एस. - - - - -

(1) श्रीमती वसुन्धरा माधव प्रभु देसाई।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एम० एच० जोशी और
श्रीमती एम० एच० जोशी।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निवेदन सं० आई०-2/37 ईई०/3713/83-84—अतः

मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट ए-3, रत्न को० आपरेटिव हाऊसिंग
सोसाइटी लिमिटेड, माहिम, बम्बई-400 016 में स्थित है
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961
की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 14 नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव
में कमी करने या उसके बढ़ने में सुविधा के लिए;
और/या

(ग) एंगो किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 3-ए, तलमाला, रत्न को० आपरेटिव हाऊसिंग
सोसाइटी लिमिटेड, 186, कंडवे रोड, माहिम, बम्बई-400 016
में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्रम सं० आई०-2/37 ईई०/3713/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14
नवम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 13-7-1984

माह 7

प्रकृष बाई.टी.एन.एस.-----

(1) मै० इम्प्रेसन्स ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री शबीर एस० एफ० आरसी वाला और अन्य, अन्य
ट्रस्टीज ई० वाई० एच० आरसी वाला ट्रस्ट ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आई०-2/37 ईई०/3754/83-84—अतः
मुझे, लक्ष्मण दाम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 4, बामरी अपार्टमेंट, 30 वा
रास्ता, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है और जिसका करारनाम
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख
22 नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य गतिवस्तु
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्त-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 4, जो लक्ष्मण बासरी अपार्टमेंट, तीसवां
रास्ता, प्लॉट नं० 28, टी० पी० ए० 3, बान्द्रा, बम्बई-
400050 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-2/37 ईई०/3754/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22
नवम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 13-7-1984

मोहर :

परूप आर्क. टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1984

3/4 निदेश सं० अई०-2/37 ईई०/2724/83-84—अतः
मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 102, बी, पहली मंजिल, नलिम-
भुज कमल अपार्टमेंट, शंकर लेन, कांदिवली (पश्चिम),
बम्बई-67 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधि-
नियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम
प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-
25—196GJ/84

(1) श्री किशोर किशीन दास असारपोटा और
श्री किशीनदास बल्लभदास असारपोटा ।

(अन्तरक)

(2) श्री मिलन कुमार प्राण लाल सकापारा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाही करा रहा हूँ।

उक्त संपत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जांचपत्र---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिव-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 102, बी, पहली मंजिल, नीलम भुज कमल
अपार्टमेंट, शंकर लेन, कांदिवली (पश्चिम), बम्बई-67 में
स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई०-2/37 ईई०/2724/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा को
रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 12-7-1984

मोहर :

प्रकृष आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 जुलाई 1984

निदेश सं० आई०-3, 4/37 ईई०/2723/84-85—अतः

मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 101-बी, पहली मंजिल, नीलम-
भुज कमल अपार्टमेंट्स, शंकर लेन, कांदिवली (पश्चिम),
बम्बई-67, में स्थित है) और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम
प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 5 नवम्बर,
1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अद्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अद्यमान प्रतिफल से, ऐसे अद्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निर्दिष्ट में वास्तविक रूप से कायम नहीं किया गया है :—

(ब) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिस्त :—

(1) मास्टर सुशील किशीन दास असरपोटा (माइसर)
थू हिज गार्डियन : श्रीमती लक्ष्मणी किशीन दास
असरपोटा ।

(अन्तरक)

(2) श्री हरेण कुमार
प्राण लाल सहापरा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० 101-बी, पहली मंजिल, नीलम भुज कमल
अपार्टमेंट्स, शंकर लेन, कांदिवली (पश्चिम), बम्बई-67 में
स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-3, 4/37 ईई०/2723/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5
नवम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 9-7-1984

मोहुर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई०-4/37 ईई०/2795/84-85--घतः

मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 307, 3री मंजिल, 'ए' विंग,
'आदित्य पार्क', छत्रपति शिवाजी रोड, दहिसर (पूर्व), बम्बई-68
में स्थित है (और इसे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है)
जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269
क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री
है तारीख 26 नवम्बर, 1983]

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० गोयल बिज्डेस प्रा० लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ज्योति हरेन्द्र शुक्ला और
श्री हरेन्द्र कांतिलाल शुक्ला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्ति तयों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के
पास लिखित में अन्य किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 307, तीसरी मंजिल, 'ए' विंग, 'आदित्य
पार्क', छत्रपति शिवाजी रोड, दहिसर (पूर्व), बम्बई-68
में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-3-4/37 ईई०/2795/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26
नवम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 11-7-1984

मोहर :

प्रकृष्ट भाई-टी. एन. एस.-----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० आई०-4/37 जी०/38/83-84--अतः मुझे,

ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्रापटी सिचुएटड एट एक्सार् सिटी नं० 5
है तथा जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, प्रापटी सिचुएटड एट एक्सार् सर्वे नं० 5
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख 29 नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

- (1) 1. श्री प्रेमराज हजारी मल,
2. श्री हस्ती मल लछीराम और
मिथुन लाल लछीराम,
3. श्री वस्ती मल सिवाराम और सोराज जीवराज
4. श्री छात्रा लाल सुमेर मल

(अन्तरक)

- (2) मै० मोसाडटी आफ दि डिविन वर्ल्ड ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० बम्बई/475/72 और जो
उप रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 29 नवम्बर, 1983 को
रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 12-7-1984

मोहर :

प्रकृष आइ.टी.एन एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई दिनांक 12 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई०-4/37 जो०/39/83-84-अत, मुझे.

ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 1125, सिटी सर्वे नं० 1 से 5, आर० वार्ड नं० 7395 (1) और 7395 (-1ए), स्ट्रीट नं० 433-ए, मराठा कॉलोनी, वामनराव सावठन रोड, दहिसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है (और इसमें उगावड़ अनुसूची में और पूर्ण रजिस्ट्रेशन है), रजिस्ट्रीद्वारा अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन, तारीख 25 नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री सुधाकर विठ्ठल दाबोलकर और अन्य।

(अन्तरक)

(2) श्री ठाकोर भाई देसाई और संस्त।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है। वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जिसका विवेक सं० बम्बई/S3122/82 और जो उप-रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 25 नवम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख 12-7-1984

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - -

(1) मजोर स्थान ० रावर्ट डेलीस।

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) मै० बी० आर० इन्टरप्राइसेस।

(अन्तरिती)

भाउत सरकाउ

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, 4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० अई० 2, 4/37/ईई०/2676/84-85--अत

मुझे, ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 14, सर्वे नं० 14, आफ सर्वे
नं० 110 (पार्ट) और सर्वे नं० 107, एच० नं० 4 (पार्ट),
प्लॉट नं० 1 सी० टी० एम० नं० 1128 और 1129,
विलेज एकसार, तालुका बोरीवली में स्थित है और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 ब, ख के अधीन
सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 26
सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
रखने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 14, सर्वे नं० 14 आफ सर्वे नं० 110
(पार्ट) और सर्वे नं० 107, एच० नं० 4 (पार्ट), प्लॉट
नं० 1, सी० टी० एम० नं० 1128 और 1129, विलेज
एकसार, तालुका बोरीवली में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई०-3, 4/37 अई०/2676
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वार, दिनांक 26
सितम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, 4, बम्बई

तारीख 12-7-1984

मोहुर

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. - - - -

(1) श्री वसन्तीमल के० जैना

('अन्तरक')

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(2) श्री उमिकांत डी० देवलिया
और अन्य ।

(अन्तरिती)

धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, 4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1984

नदेश सं० आई० 3, 4/37 ईई०/2743/84-85--अत

मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० शाप नं० 1, बिल्डिंग डी-14, योगी नगर, कसार रोड, बोरोवली, (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका काररनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए वन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का गन्तव्य प्रतिफल से अधिक है और वन्तरक (वन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे वन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त वन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) वन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के वन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के वन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के बन्धन में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभ्युत्पादक के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

शापनं० 1, बिल्डिंग नं० डी-14, योगी नगर, कसार रोड, बोरोवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-3, 4/37 ईई०/2743/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 नवम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, 4, बम्बई

तारीख 12-7-1984
मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(1) श्री रामचन्द्र नेताराम आहूजा ।

(अन्तरगत)

(2) श्री वर्धमान राज ढाढोया ।

(अन्तरगत)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्ज रेंज-3, 4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० अई०-3, 4/37 ईई०/2765/84-85--अनः

मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 608, छठवीं मंजिल, विंग 1,
'मुमेर नगर', विल्डिंग एम० ड० विह, बोरीवली (पश्चिम),
बम्बई में स्थित है और हममें उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम,
1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी,
बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 16 नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरणों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निहित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वारिष में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्नाति :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 608, छठवीं मंजिल, विंग 1, 'मुमेर नगर',
विल्डिंग एम० ड० रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई में स्थित
है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई०-3, 4/37/ईई०/
84-85/ और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
16 नवम्बर, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, 4, बम्बई

तारीख : 12-7-1984

माहूर :

प्रश्न आई. टी. एन. एस. - - - - -

(1) श्रीमती लाला लोबो।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मंजूला जमना दास पबारी।

(अन्तरितः)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3-4, बम्बई

बम्बई दिनांक 12 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई०-3-4/37 ईई०/2764/84-85—अतः

मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिन्होंने सं० शाप नं० 4, ग्राउण्ड फ्लोर, 'रामेश्वर दर्शन' कस्तूर पार्क, निम्पोली रोड, बोरोवली, बम्बई-92 में स्थित है (और इसमें उपाधुक्त अनुसूचा में और पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिसका कार्यालय आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 16 नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किमां धन या अन्य वास्तविकता को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
26—196GI/84

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शा.प नं० 4, ग्राउण्ड फ्लोर, 'रामेश्वर दर्शन', कस्तूर पार्क, निम्पोली रोड, बोरोवली बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूचा जैसाकि क्रम सं० आई०-3-4/37 ईई०/2764/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16 नवम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3-4, बम्बई

तारीख 12-7-1984

माहुर

रूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री हुकम राज छत्रभानजी परमार।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री जयन्ती लाल मणि लाल पटेल।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करुण हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० आई०-3-4/37 ईई०/2767/84-85—अतः

मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० बी-6, दूसरी मंजिल, लक्ष्मी
अपार्टमेंट, लक्ष्मी नगर प्रोजेक्ट, तीसरी कस्तूरबा रोड, बोरीवली
(पूर्व), बम्बई में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम
प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख
14 नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
वाचित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० बी-6, दूसरी मंजिल, लक्ष्मी अपार्टमेंट, लक्ष्मी
नगर प्रोजेक्ट, तीसरी मंजिल, कस्तूरबा रोड, बोरीवली (पूर्व),
में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्रम सं० आई०-3-4/37 ईई०/
2767/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा
दिनांक 14 नवम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3-4, बम्बई

तारीख : 12-7-1984

मोहरः

प्रमुख बाब : टी. एन. एच. -----

- (1) श्रीमती नर्बदा बेन
कांति लाल घाट ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

- (2) श्री सुख देव मित्तल ।

(अन्तरिती)

भाउय प्रकाश

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

उक्त सम्पत्ति के बर्चन की सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

अर्जन रेंज-3-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० अई०-3-4/37 ईई०/2689/84-85--अत

मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 56, 'डी' विंग, प्लॉट नं० 5,
सुरजी नगर, एस० वी० रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-
92 में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है); और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम,
1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी,
बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 11 नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूके यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिख में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी में पात्र
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० 56, 'डी' विंग, प्लॉट नं० 5, सुरजी नगर,
एस० वी० रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित
है ।

अनुसूची जैसाकि क्रम सं० अई०-3-4/37 ईई०/
2689/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा
दिनांक 11 नवम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3-4, बम्बई

तारीख : 12-7-1984

मोहर :

प्रकृ. आर्.टी.एन.एस.-----

(1) मै० स्पेस बिल्डर्स प्रा० लि०।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जी रेंज-3-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जुलाई 1984

निदेश सं० अई०-4/37 ईई०/2750/83-84-अतः

मुसे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० आप नं० ए-3-ए-4/3 छत्रपति शिवाजी मार्ग, दहिसर (पूर्व), बम्बई में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिसका उपायुक्त आयात अधिनियम, 1961 की धारा 269-ग के अन्तर्गत सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के आयकर में रजिस्टर्ड है तारीख 16 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-गकी उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(2) श्री प्रदीप बालकृष्ण मेहता और
श्रीमती वक्ता अजित कुमार मेहता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अन्तिम बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वस्तु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आप नं० ए-3-ए-4/3, छत्रपति शिवाजी मार्ग, दहिसर (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई०-4/37 ईई०/2760/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16 नवम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3/4, बम्बई

तारीख 11-7-1984

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जुलाई 1984

निदेश सं० आई-3, 4/37/ईई/2683/84-85-- अतः

मुझे, ए० एताद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० शाप नं० 7, ग्राउंड फ्लोर, "बी" बिल्डिंग,
मिस्कुट्टा नगर, छत्रपती शिवाजी रोड, दहिसर (पूर्व), बम्बई-
68 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप
से वर्णित है) और जिसका कगारामा आयकर अधिनियम 1961
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय
में रजिस्ट्री है दिनांक 21-11-1983,

को प्रत्येक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कस के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि बंधनपूर्ण सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतर्क (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरिती) के लिए ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, जिसका बाजार मूल्य के दृश्यमान प्रतिफल में वास्तविक
रूप में प्रतिफल के अन्तरक का अन्तरक है।

(1) मैसर्स एस० विरवी बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड ।

(अन्तरक)

(2) श्री भंवरलाल छागमलजी सोनी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

सकल सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वृद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पाम लिखित में किया जा सकेगा।

सापेक्षिकता.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) प्रस्ताव से नुं 3611-1984 की जायस उक्त अधि-
नियम के अधीन करने के अन्तरक के अन्तरक के अन्तरक के अन्तरक
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के अन्तर्गत अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाया चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरक
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित :—

शाप नं० 7, ग्राउंड फ्लोर, बी बिल्डिंग, मिस्कुट्टा नगर,
छत्रपती शिवाजी रोड, दहिसर (पूर्व), बम्बई-88 में स्थित
है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3, 4/37/ईई/2683/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21-11-83
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई ।

दिनांक : 11-7-1984

माहुर :

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(1) गोयल बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री सतीश रमणलाल शहा ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जुलाई 1984

निदेश सं० अई-4/37-ईई/2825-84-85-अतः मुझे,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 13, तीसरी मंजिल, "बी" विंग, "आदित्य पार्क" छत्रपती शिवाजी रोड, दहिसर (पूर्व), बम्बई-68, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कगारनाम आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 3-11-1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित सूचकेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 13, तीसरी मंजिल, "बी" विंग "आदित्य पार्क" छत्रपती शिवाजी रोड, दहिसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-3, 4/37ईई/2825/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई ।

दिनांक : 11-7-1984

मोहर :

प्रूप. अर्द्ध. टी. एन. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० अर्द्ध-2/37ईई/3725/83-84—अतः मुझे,

लक्ष्मणदास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 12, होम लेण्ड्स 55ए, हिल रोड,
बाम्ब्रा, बम्बई-50 में स्थित है और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 14-11-
1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को चिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री लिआसा की हिंग
2. श्री लिआक बिहाव
3. मिस लिआओ वि० फंक
4. मिस सिआओ वि० स्यू ।

(अन्तरक)

- (2) श्रीमती इंदिरा डी मेलो
- श्री एरसन सीडी मेलो ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

दुकान नं० 12, होम लेण्ड्स, 55-ए, हिल रोड,
बाम्ब्रा, बम्बई-400 050 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अर्द्ध-2/37ईई/3725/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-11-83
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मणदास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);
अर्जन इलाका-2, बम्बई

दिनांक : 12-7-1984
मोहर ।

प्रकृ. आई. टी. एन. एस. -----

(1) श्रीमती देवीबाई आर० भगतानी ।

(अन्तरक)

से (2) श्रीमती रानी ए० छात्रिया ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आई-3/37ईई/4069/84-85-अतः मुझे,
ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि उक्त सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 38, दूसरी मंजिल, बिल्डिंग इन प्लॉट नं० 5, 6 और 7, प्रेम प्रकाश को० आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, लक्ष्मी कालोनी, आर० सी० मार्ग, चेंबूर, बम्बई-71 में स्थित है। और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-1-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 38, दूसरी मंजिल, बिल्डिंग इन प्लॉट नं० 5, 6 और 7 प्रेम प्रकाश को० आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, लक्ष्मी कालोनी, चेंबूर, बम्बई-74 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37ईई/1633/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई।

दिनांक : 13-7-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

(1) श्री के. दीनकर कुडवा

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री भूपेन्द्र लक्ष्मीदास ठक्कर ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

(3) अन्तरिती ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 जुलाई 1984

निदेश सं० अई-3/37ईई/3926--84-85—यतः मुझे
ए० लहरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन मक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 6, प्लॉट नं० 95, शिव सागर बिल्डिंग,
गारोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) और जिसका
बतारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख
के अधीन मक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है
दिनांक 1-11-83,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के तहत निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

17-1984/84

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० 6, प्लॉट नं० 95, शिव सागर बिल्डिंग, गारोडिया
नगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-3/37ईई/1528/84-85
और जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83 को
रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहरी

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 6-7-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) असित बिल्डर्स

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री आर० एन० स्वादी ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश नं० आई-3/37ईई/4129/84-85—प्रतः सुझे,
ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लैट नं० 9, बिल्डिंग 8, गौतम काटेज, मिठागर रोड, मुलूंड (पूर्व), बम्बई-81 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-11-83,

को पृथक् सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशंका:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 9, बिल्डिंग 8, गौतम काटेज, मिठागर, रोड, मुलूंड (पूर्व), बम्बई-81 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37ईई/1562/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 13-7-1984

मोहर

प्रमुख आर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० अई-3/37ईई/3971-84-85—यतः मुझे,
ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 7, बिल्डिंग नं० 15-बी, नवजीवन
सोसायटी, चेंबूर कालोनी, बम्बई-74 में स्थित है (और इससे
उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) और जिसका करार-
नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन
सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक
1-11-83,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती इंद्र सी० तलरेजा और
श्रीमती चंपा जी० तलरेजा ।

(अन्तरक)

(2) श्री किशीनचन्द गुलाबराय भाणिक और
श्री राम गुलाबराय भाणिक ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 7, बिल्डिंग नं० 15-बी, नवजीवन सोसायटी,
चेंबूर कालोनी, बम्बई-74 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-3/37ईई/1536/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83 को
रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 13-7-1984

मोहर :

प्रकृष्य भारी, टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, 4 बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० अई-3/37ईई/42249/84-85—यतः मुझे,
ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० बी०/8, दूसरी मंजिल, गीतम को०
आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, प्लॉट नं० 39/40, हाजी
बापू रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-64 में स्थित है (और इसमें
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है) और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है
दिनांक 1-11-83,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(*) अन्तरण सं हुई किसी भाय की नाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कारित्व में कमी करने या उसमें बचने में सविधा
के लिए; और/वा

(ब) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए या छिपाने में सविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बम्बई—

(1) श्री हगिरसिंग तयातसिंग पुरोहित ।

(अन्तरक)

(2) श्री दिपक केशवलाल कुदिया ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० बी०/8, दूसरी मंजिल, गीतम को० आप० हाउसिंग
सोसायटी लिमिटेड, प्लॉट नं० 39/40, हाजी बापू रोड, मालाड
(पूर्व), बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-3/37ईई/1577/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83 को
रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक 13-7-1984

मोहुर

प्रकाशक का नाम टी. एच. एच.

(1) मेसर्स गणेश बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती कुजुम्मा जेकब और श्री जेकब वर्गिस ।
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजंन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 जुलाई 1984

निवेदन सं० अई-3/37ईई/3942/84-85-अतः मुझे,
ए० लाहरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है:

और जिसको सं० फ्लैट नं० 32 "ए" बिंग तीसरी मंजिल "निलिमा अपार्टमेंट" जंगल मंगल रोड भांडूप बम्बई-78 में
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित
है) और जिसका कारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा
269 अ ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में
रजिस्ट्री है दिनांक 1-11-83

के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरिधियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से क्रोधित नहीं किया गया है ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधोप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी बाध की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बाध या किसी धन या अन्य बाधियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:

फ्लैट नं० 32, "ए" बिंग, तीसरी मंजिल, "निलिमा अपार्टमेंट",
जंगल मंगल रोड भांडूप बम्बई-78 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-3/37ईई/1532/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83 को
रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लाहरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अजंन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 6-7-1984
मोहर :

प्रकृष भाई. टी. एन. एड.

(1) मेसर्स गणेश बिल्डर्स

(अन्तरक)

(2) श्री पी० के० राजू ।

(अन्तरिती)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई-3/37ईई/4481/83-84—अतः सुने,
ए० लहिरी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25 000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० बी-44, "बी" विंग, चौथी मंजिल,
"निलिमा अपार्टमेंट", जंगल-मंगल रोड, भाडूप, बम्बई-78 में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित
है), और जिसका करारनामा भायकर अधिनियम 1961 की धारा
269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में
रजिस्ट्री है, दिनांक 1-11-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वाचित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य भास्तिथों
की, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या वा किया जाना चाहिए या, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

को यह सूचना पारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोपद्रवः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, बाधोपद्रवकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० बी०-44, चौथी मंजिल, "निलिमा अपार्टमेंट"
जंगल-मंगल रोड, भाडूप, बम्बई-78 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं०आई/ईई-3/37ईई/1612/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, बम्बई

दिनांक : 13-7-1984
मोहर :

प्रश्न आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निवेश सं० आई-3/37ईई/3922/84-85—अतः मुझे
ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विचार करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 302, तीसरी मंजिल, स्नेह अपार्टमेंट्स,
सरोजिनी नायडू रोड, मुलूंड (पश्चिम), बम्बई-80 में स्थित
है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) और
जिसका श्राररनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269
क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री
है, दिनांक 1-11-83

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण है कि किसी भाव की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री धिरजलाल पी० शहा।

(अन्तरक)

(2) श्री रमेशलाल गोविंद राम भातिजा।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 302, तीसरी मंजिल, स्नेह अपार्टमेंट्स, सरोजिनी
नायडू रोड, मुलूंड (पश्चिम), बम्बई-80 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37ईई/1565/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 13-7-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आई-3/37ईई/4240/83-84--अतः मुझे,
ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 302, तीसरी मंजिल, अजित पार्क,
सोमवार बाजार रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है),
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 के धारा
269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में
रजिस्ट्री है, दिनांक 1-11-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और
अन्तरिती (अन्तरितीयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है ---

(क) अन्तरण से हुई किसी नाम की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) देशमुख बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड ।

(अन्तरक)

(2) श्री माधव गणेश भाने ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानना
है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक ---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 302, तीसरी मंजिल, अजित पार्क, सोमवार
बाजार रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० 33-2/37ईई/1580/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83 को
रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, बम्बई

दिनांक : 13-7-1984

मोहर :

ब्रह्म बाहु टी. एन. एस. - - -

(1) रोकाडीया एण्टरप्राइजेस ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री चिमनलाल सु० शाह और श्रीमती इन्दुमती सु० शाह ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन इलाका-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० अई-2/37ईई/8714/83-84—अतः सुष्टे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 23, "रोकाडीया निकेतन", पारसी पंचायत रोड, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-69 में स्थित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 25-11-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-
28-196GI/84

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्चन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के वर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 23, जो, दूसरी मंजिल, "रोकाडीया निकेतन", सी० टी० एस० नं० 141 बी, एस० नं० 50 हिस्सा नं० 3 एफ-मौजे मोघ्रा पारसी पंचायत रोड, अंधेरी (पूर्व), बम्बई 400 069 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-2/37ईई/8714/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन इलाका-2, बम्बई

दिनांक : 12-7-1984

मोहर।

अरूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) मेसर्स जयवानी आसोसिएट्स ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) मेसर्स रॉयल अपरेट्स ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आई-1/37ईई/1408/83-84—अतः मुझे,
ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 211, दूसरी मंजिल, नारायण
उद्योग भवन, प्लॉट नं० 7 (पार्ट), इण्डस्ट्रियल इस्टेट, 25/50,
परेल सिवरी डिवीजन, डा० बी० अम्बेडकर रोड, लालबाग,
बम्बई-12 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्णरूप से वर्णित है), और जो आयकर अधिनियम, 1961 की
धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 28-11-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 211, दूसरी मंजिल, नारायण उद्योग भवन;
प्लॉट नं० 7 (पार्ट), इण्डस्ट्रियल इस्टेट, 25/50, परेल सिवरी
डिवीजन, डा० बी० अम्बेडकर रोड, लालबाग, बम्बई-12 में
स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-1/37ईई/1317/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-11-83
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई ।

दिनांक : 13-7-1984

मोहर :

प्रकृष्ट आई. टी. एन. एम. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निवेश सं० आई-1/37ईई/1150/83-84—अतः मुझे,
ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 205 दूसरी मंजिल,
"सिबिल्ली" बिल्डिंग, 65, वरली हिल इस्टेट, बम्बई-18 में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) और जो आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के
अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है,
दिनांक 15-11-83

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से सबत अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण के द्वारा किसी बात की वजह, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

(1) श्रीमती इंद्र पी० मंधानी ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती स्टेल्ला सुधिर डदोशी ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० 205, दूसरी मंजिल, "सिबिल्ली" बिल्डिंग, 65,
वरली हिल इस्टेट, बम्बई-18 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37ईई/1018/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-11-83
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 13-7-1984

मोह०

प्रथम भाग टी. एन. ए. ए.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० अई-1/37ईई/1263/83-84—अतः सुझे,
ए० लहिरी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० यूनिट सं० 6 और 6-ए, वेस्ट "व्यू" बिल्डिंग,
विर सावरकर मार्ग, प्रभादेवी, बम्बई-25 में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), और जो
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक
1-11-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाता जा रहा था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स प्रगति इन्वेस्टमेंट्स ।
(अन्तरक)

(2) श्री किशोरकुमार भिमजी शिवेरी,
एच० यू० एफ० ।
(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती ।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

और यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

यूनिट सं० 6 और 6-ए, "वेस्ट व्यू" बिल्डिंग, विर सावरकर
मार्ग, प्रभादेवी, बम्बई-25 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37ईई/1175/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83 को
रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 12-7-1984
मोहर २

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

(1) श्री आर० टी० मेहता कन्स्ट्रक्शन कम्पनी ।
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना(2) श्रीमती तारुलता रसिकलाल शहा, और
श्री पियूष रसिकलाल शहा ।
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आई-1/37ईई/1258/83-84—अतः मुझे,
ए० लहिरी,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० फ्लैट नं० 104, विशाल बिल्डिंग, जंक्शन आफ
अनन्त गणपत पवार लेन और चिचपोकली क्रास रोड, बम्बई-
27 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), और जो आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269
क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में
रजिस्ट्री है, दिनांक 1-11-83को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूर्त यह विश्वास करने
का कारण है कि वधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 104, विशाल बिल्डिंग, जंक्शन आफ अनन्त
गणपत पवार लेन और चिचपोकली क्रास रोड, बम्बई-27 में
स्थित है।अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई/3-1/37ईई/1180/83-
84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83
को रजिस्टर्ड किया गया है।ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1, बम्बई

तारीख : 13-7-84

मोहर :]

प्रारूप आई. टी. एन. एन. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

प्राप्त सड़काउ

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० अई-1/37 ईई/1033/83-84—अतः मुझे,
ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'सक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० शाप नं० 13, ग्राउंड फ्लोअर, और गोडाउन
नं० 13 इन दि बेसमेंट, भांगवाडी शापिंग आर्कड, कालबादेवी
रोड, बम्बई-2 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्णरूप से वर्णित है), और जो आयकर अधिनियम, 1961 की
धारा 269-क के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 15-11-83,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वारदात, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रसंगानुसार अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मेसर्स लूना ट्रेडर्स (पार्टनरशिप फर्म)
(अन्तरक)
- (2) मेसर्स बिजूसारीया एण्ड कम्पनी प्राइवेट लि० ।
(अन्तरिती)
- (3) अन्तरिती ।
(वह व्यक्ति जिसके अतिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् की व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

शाप नं० 13, ग्राउंड फ्लोअर, और गोडाउन नं० 13 इन दि
बेसमेंट, भांगवाडी शापिंग आर्कड, कालबादेवी रोड, बम्बई-2
में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37 ईई/956/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई दिनांक 15-11-83 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 13-7-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - - -

(1) मेसर्स अरुण इण्टरनेशनल ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री लक्ष्मण सुरेश ।

(अन्तरिनी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, 4 बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० आई-3, 4/37-ईई/2599/84-85—

अतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० एफ०/16, तीसरी मंजिल, साइबाबा
धाम, आफ एस० ह्वी० रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92,
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित
है (और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की
धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय
में रजिस्ट्री है : तारीख 25-11-83,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिनी
(अन्तरिनीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० एफ०/16, तीसरी मंजिल, साइबाबा धाम, आफ
एस० ह्वी० रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3-4/37ईई/2599/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
25-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3-4, बम्बई

दिनांक : 12-7-1984

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन,एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, 4 बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1984

निर्देश सं० अई 3,4/37ईई/2688/84-85;—अतः

मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० शाप नं० 2, राज भवन, महाराष्ट्र नगर रोड
के सामने, एल० टी० रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई
के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 22-11-83,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सम्पत राज टिकमचन्द जी जैन (एच० यू०
एफ०)

(अन्तरक)

(2) प्रेम जी खोराज गाला ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

शाप नं० 2, राज भवन, महाराष्ट्र नगर रोड के सामने, एल०
टी० रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-3, 4/37ईई/2688/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22-11-
83 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3,4, बम्बई

दिनांक : 12-7-1984

मोहर ।

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

(1) श्रीमती पी० पिटी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

(1) श्री केली ग्राम कारवेलो ।

(अन्तरिती)

कौ यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 84

निर्देश सं० आई-3-37 ईई/3986/84-85—अतः

मुझे ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 3, "रोस मोनिका", ग्राऊंड
फ्लोर विल्हेज चर्च रोड कालीना, बम्बई 29 में स्थित है (और
इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की
धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के
कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-11-83 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रवट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
29—196GI/84

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

लैपट नं. 3, "रोस मोनिका", ग्राऊंड फ्लोर, विल्हेज चर्च
कालीना बम्बई-29 में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० आई-3, 1/37 ईई/1539
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 13-7-84

मोहर ।

प्रकृष आई. टी. एन्. एस्. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 84

निर्देश सं० आई-3/37 ईई/4123/84-85—अतः

मुझे ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 2, गणेश स्मृति को० आपरेटिव
हाऊसिंग सोसायटी, सातवां रस्ता प्लाट नं० 388 चेंबूर,
बम्बई 71 में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-क के अधीन
प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-11-
83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण सिद्धित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी क्षय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिसके अन्तर्गत आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती स्वाती रमेश संधू।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० एस० शंकरन,
और श्रीमती जमूना शंकरन।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरितीयों

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 2 गणेश स्मृति को० आपरेटिव हाऊसिंग
सोसायटी, सातवां रस्ता प्लाट नं० 388, चेंबूर बम्बई
में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० आई-3/37 ईई/1559/84-95
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3 बम्बई

दिनांक : 13-7-84

मोहूर

प्रकाशक: टी. एन. एच. ए. - 1984

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

प्राप्त संख्या

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 84

निर्देश सं० 3/37-ईई/4114/84-85-अतः मुझे, सुधीर
चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 15, हेम छाया अपार्टमेंट प्लॉट
नं० 197 बी, कस्तूरबा रोड, मुलुंड (पश्चिम), बम्बई-80
में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-11-83

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित
के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के आयकर
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के
लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) डा० जयेश लखमणी लालन ।

(अन्तरक)

(2) श्री जितेन्द्र केशवलालभवानी ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 15 हेम छाया अपार्टमेंट, प्लॉट नं०
197 बी, कस्तूरबा रोड, मुलुंड (पश्चिम); बम्बई-80
में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० 3/37 ईई/1557/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, 3 बम्बई

दिनांक : 13-7-83

मोहर

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) मैसर्स करमाली इन्टरप्राइज

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रजिदा अहमद पटेल, और
श्री फयाज अहमद पटेल ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 84

निर्देश सं० आई-3-ईई/4275/83-84—अतः मुझे,
ए० लहिरी,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० प्लेट नं० 101, ए-1 सबाह, सोमवार, बक्षार
बाम्बे सिनेमा कपाउंड के पीछे, एस० नं० 388/2, मालाड
(पश्चिम), बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन
सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख
1-11-83को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वजह, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य आस्तियां
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या वनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, व्यक्ति :—

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

प्लेट नं० 101, ए-1, सबाह, सोमवार बक्षार बाम्बे
सिनेमा कपाउंड के पीछे एस० नं० 388/2, मालाड (पश्चिम)
बम्बई में स्थित है ।अनुसूची जैसा की सं० आई-3/37 ईई/1581/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83
को रजिस्टर्ड किया गया है ।ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3 बम्बई

दिनांक : 13-8-84

मोहर :

प्रकरण आई.टी.एन.एस.-----

(1) मैसर्स ग्रेट इण्डिया प्रायोजर्स।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री पाल गोर्धा और श्रीमती कारमिन गोर्धा

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 84

निर्देश सं० आई-3/37 ईई/3983—अतः मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सूचना प्रकाशित की गई है जिसका कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 39, तीसरी मंजिल, भागिरथी विला, अमृत नगर, एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर (पश्चिम) बम्बई-86 में स्थित है (और इसमें उपाचष्ट अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच एतरे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योग से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुए किसी बाव की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वापिस में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) एसी किसी अंग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किमा जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सके।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 39, तीसरी मंजिल, भागिरथी विला, अमृत नगर, एल० बी० एस मार्ग, घाटकोपर (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० आई-3/37 ईई/1537/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 13-7-84

माहुर :

प्रकृत भाई. टी. एन. एन. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/4086/84-85—प्रतः,

मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 303 तीसरी मंजिल, "पूजा"
बिल्डिंग, आर सी० मार्ग, चेंबूर कालोनी बम्बई-74 में स्थित
में (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961
की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के
कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-11-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग का उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती ए० उषा पै और
श्री चंद्रकांता पै

(अन्तरक)

(2) श्रीमती संध्यारानी डी० वेंलेल और
श्री डी० पी० वेंलेल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 303 तीसरी मंजिल, "पूजा" बिल्डिंग, आर०
सी० मार्ग, चेंबूर कालोनी, बम्बई-74 में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० अई-3/37-ईई/1555/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
1-11-84 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 13-7-84
मोहर :

प्रकरण आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 84

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/3993/84-85—अतः

मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 1, ग्राउंड फ्लोर, उशाभा दाय्या एस० नं० 74, सी० टी० एस० नं० 564, मुलूंड (पूर्व) बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-11-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स अजय बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्री रघुनाथ मंगल कोली ।

(अन्तरिती)

(3) मैसर्स अजय बिल्डर्स।

(वह व्यक्ति जिसके अभिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 1, ग्राउंड फ्लोर, उशाभा दाय्या एस० नं० 74 सी० टी० एस० नं० 564 मुलूंड (पूर्व), बम्बई में स्थित है अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37-ईई/1545/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 13-7-84

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमती गुप्ता जैन ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) कपूर फैमिली ट्रस्ट ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13-7-84

निर्देश सं० आई-3/37 ईई/4229/84-85—अन:

मुझे ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० सी०/1201, दूसरी मंजिल, "सी" विंग, "विना नगर" बिल्डिंग, मालाड (पश्चिम), बम्बई, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-11-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० सी०/201 दूसरी मंजिल, "सी" विंग, "विना नगर" बिल्डिंग, मालाड (पश्चिम), बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० आई-3/37 ईई/1537/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3 बम्बई

दिनांक : 13-7-84

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री नरेंद्र शांताराम सावंत ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती अंबिका उन्नीकुण्णन ।

(अन्तरिती)

(3) श्री गौरीशंकर देवनारायण सिंह ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आई-3/37-ईई/3988/84-85—अतः

मुझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 53, 5वीं मंजिल, देव अपार्टमेंट, कोले कल्याण व्हिलेज, बाकोला पाइप लाइन, सांताक्रूज (पूर्व), बम्बई-55 में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय रजिस्ट्री है तारीख 1 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

30-196GJ/84

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 53, 5वीं मंजिल, देव अपार्टमेंट, कोले कल्याण व्हिलेज, बाकोला पाइप लाइन, सांताक्रूज (पूर्व), बम्बई-55 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र०सं० आई-3/37ईई/1547/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 नवम्बर 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 13-7-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निवेश सं० आई-3-ए/37-ईई/4209/83-84—अतः

मुझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ओगेश्वर, बिचोली बंदर रोड, मालाड
(पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-क के
अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय रजिस्ट्री है
दिनांक 21 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
अन्तर्गत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री यूनिक कन्स्ट्रक्शन कंपनी।

(अन्तरक)

(2) श्री शंत नरसिंग भोसले।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

योगेश्वर, बिचोली बंदर रोड, मालाड (पश्चिम),
बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र०सं०आई-3/37ईई/1579/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 13-7-1984

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) मेसर्स गणेश बिल्डर्स।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री वि०एस० सुकुंदन्।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० अई-3/37-ईई/3992/—

अतः मुझे ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 1, "ए" विंग, ग्राउंड फ्लोर, "निलिमा अपार्टमेंट", जंगल मंगल रोड, भाडूप, बम्बई-78 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ए० से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वन-जंगल अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 1, "ए" विंग, ग्राउंड, फ्लोर, "निलिमा अपार्टमेंट", जंगल मंगल रोड, भाडूप, बम्बई-78 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र०सं० अई-3/37ईई/1544/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 13-7-1984

मोहर :

प्रकरण आई. टी. एन्. एल.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं०आई-3/37-ईई/4353/84-85—अतः मुझे,
ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० आर-5/4, श्री सप्तरत्न को-
ऑप, हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, सुदेर नगर, एस० व्ही,
रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की
धारा 269 क,ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के
कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती परमजीत कीर भाराज ।

(अन्तरक)

(2) श्री कुलदीप सिंह भाराज ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० आर-5/4, श्री सप्तरत्न को-ऑप० हाउसिंग
सोसायटी लिमिटेड, सुदेर नगर, एस० व्ही० रोड, मालाड
(पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र०सं० 'आई-3/37ईई/1630/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-11-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 13-7-1984

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

(1) श्री महेंद्र रमणिकलाल खोरा ।

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) (1) नागिन प्रभूदास भाविशी और
(2) यू.एन. भाविशी ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० अई-3/37/ईई/4242/83-84—अतः

मुझे, ए० लहिरी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके नक्शात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं०बी-32, शितल नगर, 1ली मंजिल, रेवा स्मृति हास्पिटल के पीछे, एस०व्ही० रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार मं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं०बी/32, शितल नगर, 1 ली मंजिल, रेवा स्मृति हास्पिटल के पीछे, एस०व्ही० रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क्र०सं०अई-3/37ईई/1575/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 13-7-1984

मोहर :

प्रत्येक भाग में टी. एन. एच.-----

(1) मेसर्स काइन विल्डर्स ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री प्रलबन ए० पिटो ग्राट
श्रीमती इवेलिन एम० पिटो ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3,4 बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० अई-3/37-ईई/4060/83-84—अत

मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० ए-5, सी०टी०एस० नं० 694
से 698 और 699 (पी), कोले कल्याण, वाकोला, सांताक्रूस,
बम्बई में स्थित है (और उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधि-
नियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधि-
कारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1 नवम्बर
1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ते सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित है—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्यष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० ए-5, सी०टी०एस० नं० 694 से 698,
और 699 (पी), कोले कल्याण, वाकोला, सांताक्रूस, (पूर्व),
बम्बई-55 में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकी क्र०सं०अई-3/37ईई/1559/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० सहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 13-7-1984

मोहर :

प्रकृष बाई. टी. एन. एच. = -- =

(1) श्री यामिनी मुकुंश राहा।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती संपतदेवी संपतलाल दास्सानी।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० अई-3, 4/37-ईई/4213/84-85—अतः, मुझे,
ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 5-ए, लक्ष्मीनारायण शापिंग सेंटर, पोददार
रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-64 में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और
जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा
269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय
में रजिस्ट्री है तारीख 1 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वजह से उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए
बाउ/वा

5-ए, लक्ष्मीनारायण शापिंग सेंटर, पोददार रोड,
मालाड (पूर्व), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जिसका क्र० सं० अई-3 1/37ईई/1578/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-
83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरितीय होने पर सही किया गया
है या किण्व तथा अज्ञान, या छिपाने में सविधा
के लिए;

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख : 13-7-1984
मोहर :

सक्षम बार्ड, डी. एन. एड.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० अई-3/37-ईई/4269/84-85—अतः, मुझे,
ए० लहिरी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० गाला नं० 119, 1ली मंजिल, इंडफ
स्ट्रियल इस्टेट बिल्डिंग, प्लॉट नं० 7, उद्योग नगर, ऑफ
एस० व्हि० रोड, गोरेगांव (पश्चिम), बम्बई-62 में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की
धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के
कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्त-
विक रूप से कायम नहीं किया गया है--

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाय उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कही करने या उक्त बचने में सुविधा के नियमों
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ का उपधारा (1)
के अन्तर्गत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) फासलाह डेव्हलापर्स।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरेश विमलचंद जैन और
श्रीमती उषा भिकुभाई शहा।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरितीयों

(वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में
संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

गाला नं० 119 1ली मंजिल, इण्डस्ट्रियल इस्टेट
बिल्डिंग, प्लॉट नं० 7, उद्योग नगर, ऑफ एस० व्हि० रोड,
गोरेगांव (पश्चिम), बम्बई-62 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० अई-3/37ईई/1569/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 13-7-1984
संहर :

प्रकृप आई. टी. एन. एस. - - - - -

(1) श्री गोकुल एन. गांधी।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती सुमित्रादेवी रत्नलाल सभरवाल।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आई-3, 1/37-ईई/4355/84-85—अतः मुझे,

ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० शांप नं० 1, ग्राउंड फ्लोर, मानन सरोवर विदोली फाटक के बाजू में, मालाड (पश्चिम),

बम्बई-64 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा

आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय रजिस्ट्री है दिनांक 1 नवम्बर 1983

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहे था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिस्तः—

31—196(11)84

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनसूची

शांप नं० 1, ग्राउंड फ्लोर, मान सरोवर बिल्डिंग, विदोली फाटक के बाजू में, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क्र०सं०आई-3 1/37ईई/1631/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख 13-7-1984

मोहर :

प्रत्यक्ष आर्द्ध.टी.एन्.एम्.-----

(1) श्री विजय आरौरा ।

(अन्तरक)

(2) श्री नितिन गान्धीनाल शहा ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 जुलाई 1984

निदेश सं० अई० 3/1/37ईई/4074/84-85—अतः,

मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 11, 3री मंजिल, 90 रोड,
प्लॉट नं० 178, श्री सती निवास बिल्डिंग, गारोडिया नगर,
बम्बई-77 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आय-
कर अधिनियम 1961 की धारा 269-घ, ख के अधीन
सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक
1 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बहु प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुए किसी बाय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कभी करने या इससे अन्तरण में सूचित्रा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, स्थान में
होना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसार
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तरण के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अन्तरण के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और वाक्यों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 11, 3 री मंजिल, 90 रोड, प्लॉट नं०
178, श्री सती निवास बिल्डिंग, गारोडिया नगर, बम्बई-77
में स्थित है ।

अनुसूची जिसकी सं० अई० 3/37ईई 1553/84-85
जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83 को
रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 13-7-1984

मोहर :

प्रश्न नम्बर, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० अई-3, 4/37-ईई/4202/84-85—अत, मुझे,
ए० लहिरो,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
से अधिक है

और जिसकी सं० 11, मटरकरुपा अपार्टमेंट "सी", पंडित
सोलीसिटर मार्ग, कांस क्वारी रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-
64 में स्थित है (और उपाय उपाय अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम 1961 की धारा 269 ब, ख के अधीन सक्षम
प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्टर्ड है तारीख
दिनांक 1 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
प्रतिफल के लिए बन्तारित की गई है, और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके वर्तमान प्रतिफल से ऐसे वर्तमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरक) और बन्तारिती
(अन्तारिती) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योग से उक्त बन्तरण मिला
ने वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) बन्तरण से हुए किसी लाभ को वास्तव उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के बन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
बन्तारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्णित :—

(1) श्री गजरं लाल गोहराम वर्मा।

(अन्तरक)

(क) मेसर्स सुरजराज बिल्डर्स।

(अन्तारिती)

(3) अन्तारिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन को अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन को अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवांछिताधारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

14, मटरकरुपा अपार्टमेंट "बी", पंडित सोलीसिटर मार्ग,
कांस क्वारी रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-64 में स्थित है।

'अनुसूची' जैसा की अ०सं०अई-3, 4/37ईई/1582/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 नवम्बर
1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरो

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 13-7-1984

मोहर :

प्रस्प आई.टी.एन.एस. -----

(1) श्री नरेश द्वि० केवलानी ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री पूतन खान बुद्धा खान और
श्रीमती ग्रहनशाह पूतन खान ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आई-3/37-ईई/3995/84-85—अतः मुझे,
ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 1, 5वीं मंजिल, बिल्डिंग नं० 3/बी,
"दामोदर पार्क" लाल बहादुर शास्त्री मार्ग, घाटकोपर (पश्चिम),
बम्बई-86 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में अर पूर्ण
रूप से वर्णित है), और जिसका कारारनामा आयकर अधिनियम,
1961 की धारा 269 क. ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई
के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-11-83

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
सावित्व में कभी करने या उसमें बचत में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाधकः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबबूब
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० 1, 5वीं मंजिल, बिल्डिंग नं० 3/बी, "दामोदर
पार्क", लाल बहादुर शास्त्री मार्ग, घाटकोपर (पश्चिम), बम्बई-
86 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० 3/37ईई/1546/84-85 और
जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83 को रजिस्टर्ड
किया गया है ।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 13-7-84

मोहर

प्रमुख भाग टी. एन. एस. - 5 1984

(1) मेसर्स माडर्न विल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मायाम्मा अब्राहम ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-न (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० अई-3/37ईई/4484/83-84—अतः मुझे,

ए० लहिरो,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-न के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 7 प्लॉट नं० 81, कांजूर को-ऑप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, भांडूप (पूर्व) बम्बई-78 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

बंगलूरु

प्लेट नं० 7, प्लॉट नं० 81, कांजूर को-ऑप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, भांडूप (पूर्व), बम्बई-78 में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकि क्र०सं०अई-3/37ईई/1615/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 नवम्बर 1983 को रजिस्टर्ड किया गया ।

ए० लहिरो

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 13-7-1984

मोहर

प्रूप. आई. टी. एन. एस. - - - -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, 4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं०आई-3,4/37-ईई/4360/84-85--अतः मुझे,
ए० लहिरी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट सं० 3, 2री मंजिल, बिल्डिंग कोले
कल्याण, कालीबा, बम्बई-29 में स्थित है (और इससे
उपरोक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और
जिसका कारारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा
269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय
में रजिस्ट्री है दिनांक 1 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे, यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
हायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य वस्तुओं
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिगणों, यथातः :-

(1) मेसर्स ब्लू डायमंड कन्स्ट्रक्शन कंपनी।

(अन्तरक)

(2) श्री ननशी साजपाल शाह।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 3, 2री मंजिल, सी० टी० एस० नं० 6379
और 6380, बिल्डिंग कोले कल्याण, कालीबा, बम्बई-29 में
स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र०सं०आई-3,4/37-ईई/1591/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 नवम्बर
1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, 4, बम्बई

तारीख : 13-7-1984
मोहर

प्रकृष जाद' टी. एन. एच.-----

(1) मेजर्स बी० जयमलसिंग एण्ड सन्स ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

(2) श्री गोप होतचंद वेरवाली ।

(अन्तर्निर्ग)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० अई-3 1/37-ईई/4067/84-85—अन:मुझे.
ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 2, ग्राउंड फ्लोअर, मुरली मनोहर को-ऑप० हाउसिंग सोसायटी, (कपलेश्वर), एल० बी०एस० मार्ग, कुर्ली, बम्बई-70 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय रजिस्ट्री है दिनांक 1 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्तित :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लेट नं० 2, ग्राउंड फ्लोअर, मुरली मनोहर को-ऑप० हाउसिंग सोसायटी (कपलेश्वर), एल०बी०एस० मार्ग, कुर्ली बम्बई-70 में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकि क्र०सं०अई-3/37-ईई/1645/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 नवम्बर 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर अधिकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख 13-7-1984

मोहुर

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं०आई-3/37-ईई/4173/83-84-अतः, मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० बी-2, बिल्डिंग नं० 7, नित्यानंद बाग को-ऑप० हाउसिंग सोसायटी, चेंबूर, बम्बई-74 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1 नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए ता, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती कमला मनोहर खालसा।

(अन्तरक)

(2) श्री रमेश हिरानंद हिंदूजा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्रुतबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० बी-2, बिल्डिंग नं० 7, नित्यानंद बाग को-ऑप० हाउसिंग सोसायटी, चेंबूर, बम्बई-74 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि सं०आई-3/37-ईई/1620/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 नवम्बर 1983 को रजिस्टर्ड किया गया।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 13-7-1984

मोहर :

प्रयुक्त शब्द: टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आई-3/37-ईई/4118/84-85--अतः मुने, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट सं० 9, 1वीं मंजिल, जय अंबे ज्योत को-ऑप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, प्लॉट सं० 154, गरोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक आयकर अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के मापदण्ड में कमी करने या उससे घटाने में मविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

32—196GI/84

(1) श्रीमती निधा

भानजी पटेल।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती किनिदा भारत पंडया,
और श्री भारत भूपतराय पंडया।

(अन्तरिती)

(3) श्री सिद्धार्थ भारत पंडया।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सन्ध अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 9, 1वीं मंजिल, जय अंबे ज्योत को-ऑप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, प्लॉट नं० 154, गरोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है।

● अनुसूची जिसकी सं० आई-3/37-ईई/1558/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 13-7-1984

मोहर :

प्रारूप जाई.टी.एन.एस.-----

(1) महेंद्र एल० कोअरी ।

(अन्तरक)

(2) श्री उषेंद्र कुमार एस० मेहता श्रीर अन्य ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, 4 बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं०आई-3,4/37-ईई/2861/84-85—अतः, मुले,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवेचित करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 302, ए-विंग, 3री मंजिल, सिता पार्क, एस०विह० रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-103 में स्थित है। (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 23 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवेचित करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 302, ए-विंग, 3री मंजिल, सिता पार्क, एस०विह० रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-103 में स्थित है।

अनुसूची जमाकी क्र०स०आई-3,4/37-ईई/2861/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 23-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, 4, बम्बई

तारीख : 13-7-1984

मोहुर :

प्रकाश बाई, टी. एच. एच. -----

(1) मेसर्स मंकू बिल्डर्स एण्ड
कॉन्ट्रैक्टर्स।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री बाबूभाई एल० सेंजालया, और
श्रीमती मंजुला बी० सेंजालया।

(अन्तरिती)

नारायण सुखकर

(2) अन्तरक

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

(वह व्यक्ति, जिसके
अधिभाग में
सम्पत्ति है)

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निवेदन सं० अई-4/37-ईई/2917/84-85—अतः, मुझे,
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 201, 2री मंजिल, ज्ञान असुर
बिल्डिंग, सी०टी०एस० नं० 328, व्हिजेज मालाड, एस०
व्हि० पी० रोड, कांदिवली, (प), बम्बई-67 में स्थित है।
(और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961
की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई में
कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 8 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय
प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का
बम्बई प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब प्राया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित
से वास्तविक रूप से कटित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करवाए।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी जाब की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कारित्व में कमी करने या उधारे बचने में सुविधा
के लिए; कोई/या

(ख) ऐसी किसी जाब या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
वनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रवचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था जिनमें से सुविधा
के लिए;

फ्लेट नं० 201, 2री मंजिल, ज्ञान दर्शन, सी० टी०
एस० नं० 328, व्हिजेज मालाड, एस० व्हि० पी० रोड,
कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० अई-3, 4/37-ईई/2917/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-11-
83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4 बम्बई

वृत्त: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 13-7-1984
मोहर :

प्रूप. आई. टी. एन. एस. - - - -

(1) मै० दातानी डेव्हलपमेंट्स।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री हरेन जी० आशर और
अन्य।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं०आई-4/37-ईई/2673/84-85—अतः मुझे,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 22, 2री मंजिल, श्री जी प्लेस,
एस० व्हि० रोड, कांदिवली, बम्बई-67 में स्थित है। और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है। और
जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा
269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय
में रजिस्ट्री है दिनांक 21 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
ग्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों से में दिमी व्यक्ता द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मे, मै., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्लेट नं० 22, 2री मंजिल, श्री जी प्लेस, व्हि० रोड,
कांदिवली, एस० व्हि० रोड, कांदिवली (पश्चिम), बम्बई-67
में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि सं०आई-4/37-ईई/2673/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-
83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 13-7-1984

मोहर :

प्रकट भाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 जुलाई 84

निर्देश सं० अई०—4/37/ईई/2919/84-85-अतः, मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 202, 2री मंजिल, ज्ञान दर्शन, सी०टी०एस० नं० 328, विल्हेज मालाड, एस०विल्हे०पी० रोड, कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है। और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है। और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 8 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित लक्ष्य से उक्त अन्तरण सिद्धि में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, डिबाने में सम्पत्ति के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मेसर्स मंनू बिल्डर्स एण्ड कान्ट्रैक्टर्स।

(अन्तरक)

(2) श्री अन्ततराय एच० नागरेचा, और श्रीमती हसूजती ए० नागरेचा।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

अ यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 202, 2री मंजिल, ज्ञान दर्शन, सी०टी० एस० नं० 328, विल्हेज मालाड, एस०विल्हे०पी० रोड, कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र०सं०अई-4/37-ईई/2919/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 13-7-1984

माहुर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आई/37-ईई/2667/84-85--अतः मुझे,
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि रथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० गाँव नं० 2, बाँबी शॉपिंग सेंटर, प्रिमायसेस
को-ऑप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, एम०जी० रोड,
डहाणूकर वाडी, कांदिवली (पश्चिम), बम्बई-67 में स्थित
है। और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है। और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी,
बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 14 नवम्बर 1983
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिर्षों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री डी०पी० राजपूत ।

(अन्तरक)

(2) श्री गिरिजाशंकर एल० पंड्या, और
श्री हिम्मतलाल के० कांधालिया ।

(अन्तरिती)

(3) मैसर्स अशोक इलेक्ट्रिक एण्ड
हार्डवेयर स्टोअर्स ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सर्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिनी शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

गाँव नं० 2, बाँबी शॉपिंग सेंटर प्रिमायसेस को-ऑप०
हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, एम०जी० रोड, डहाणूकर वाडी,
कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० आई-4/37-ईई/2667/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-11-83
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 13-7-1984

मोहर :-

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

(1) श्री हिरालाल धानूमल लालवानी ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री गणेश सूर्यप्रसाद पंडित,
श्री जी० एम० प्रसाद पंडित, और
एच० सूर्य प्रसाद पंडित ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं०आई-3, 4/37-ईई/2671/84-85—अतः मुझे,
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 601, 6 वीं मंजिल, विनाल,
आय० एम० वि० रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में
स्थित है, और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है। और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी,
बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 25 नवम्बर 1983
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 601, 6 वीं मंजिल, विनाल बिल्डिंग, आय०
एम० वि० रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित
है।

अनुसूची जैसाकी क्र० सं०आई-4/37-ईई/2671/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-11-83
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 13-7-1984

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

- (1) श्री राकेश रतीलाल सोनी, श्री
श्रीमती बी० आर० परेरा ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

- (2) श्री मणी परेरा ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4 बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं०आई-3,4/37-ईई/2696/84-85—अतः मुझे,
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 203, हरी ग्रोम अपार्टमेंट्स,
सी-2 बिल्डिंग, 3 री मंजिल, एस०व्ही० रोड, बोरीवली
(पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है। और इससे उपावृत्त
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है। और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क,
ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री
है तारीख 18 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरका के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 19
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 303, हरी ग्रोम अपार्टमेंट्स, सी-2 बिल्डिंग,
3 री मंजिल, एस०व्ही० रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-
92 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क्र०सं०आई-3,4/37-ईई/2696/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-11-83
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4 बम्बई

तारीख : 13-7-1984

संहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आई-3,4/37ईई/2738/84-85—अतः

मुझे, ए० प्रसाद,

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ब्लाक नं० 10, 2री मंजिल, बिल्डिंग नं० 1, "ए" विंग, प्लाट नं० 1 और 2, साईबाबा नगर, विहलेज कांदीवली, बोरीवली (पश्चिम) बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा भाषाकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 7-11-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्षात :—

(1) श्रीमती भारती अनंत मेहता ।

(अन्तरक)

(2) श्री दीपक उदयसिंह वर्मा, और श्रीमती प्रतिभा दीपक वर्मा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ब्लाक नं० 10, 2री मंजिल, बिल्डिंग नं० 1, विंग "ए" गिबी अपार्टमेंट्स, प्लाट नं० 1 और 2, साईबाबा नगर, आफ एस० वि० रोड, विहलेज कांदीवली, बोरीवली (पश्चिम) बम्बई-92 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3,4/37ईई/2738/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- 4, बम्बई

दिनांक : 13-7-1984

मोहर :

प्रकृष्ट भाग टी.एम्.एस.

(1) मैसर्स दातानी & डैवलपमेंट्स।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती योगिनी जे० भाटिया और जे० डी० भाटिया।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आई-4/37ईई 2674/84-85—अतः मुझे ए०

प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इससे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 42, 2री मंजिल, श्री जी पैलेस एस्० वी० रोड, कांदिवली (पश्चिम) बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 21-11-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-धन निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जा या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए कार्याहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के इस लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में तथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 42, 2री मंजिल, श्रीजी पैलेस, विलेज कांदिवली, एस्० वी० रोड, कांदिवली (पश्चिम), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3,4/37ईई/2674/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई।

दिनांक : 13-7-1984

माहूर :

प्रश्न : आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आई-3-4/37-ईई/2918/84-85—अतः मुझे,
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 201, ज्ञान कुटीर, सी० टी०
एस० नं० 328, विलेज मालाड, एस० व्ही० पी रोड,
कांदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है (और इससे उपा-
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क,
अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री
है तारीख

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स मंकू बिल्डर्स एण्ड कान्स्ट्रक्टर्स।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मीनाक्षीबेन आर० शेठ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीकर्ता करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 201, 2री मंजिल, ज्ञान कुटीर, सी० टी०
एस० नं० 328, विलेज मालाड, एस० व्ही० पी रोड, कांदिवली,
(प०), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3-4/37-ईई/2918/
84-85 और जो सक्षम-प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
8-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 13-7-1984
मोहर :

प्रमुख भाई: टी. एन. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

ग्राउण्ड फ्लोर

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4 बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० अई-3, 4/37-ईई/2920/84-85—अतः मुझे
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 6-बी०, ग्राउण्ड फ्लोर, जनसुख
अपार्टमेंट, कस्तूरबा रोड, कांदिवली (पश्चिम), बम्बई-67
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधि-
नियम, 1961 की धारा 269-क, ख के अधीन सक्षम प्राधि-
कारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 3-11-83

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मीसर्स क्वालिटी कंस्ट्रक्शंस ।

(अन्तरक)

(2) डा० पंकज नाराम, और श्रीमती, स्मिता पी०
नाराम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
निहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रकरण 20-क में परिभाषित है
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 6-बी० ग्राउण्ड फ्लोर, जनसुख अपार्ट-
मेंट, कस्तूरबा रोड, कांदिवली (पश्चिम), बम्बई-67 में
स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-3, 4/37-ईई/2920/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
3-1-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 13-7-1984

मोहर:

प्रकृष आइ. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आई-1/37-ईई/2749/84-85--अतः मुझे,
ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० ई-1, ग्राउण्ड फ्लोर, गायत्री अपार्टमेंट्स, लक्ष्मी नगर प्रोजेक्ट, थर्ड कार्टर रोड, बोरीवली (पूर्व), बम्बई-66, में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 16-11-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ह्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ह्यमान प्रतिफल से, ऐसे ह्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री केसरी नाथ डी० म्हात्रे।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती केसरबेन नानजी बिवा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० ई-1, गायत्री अपार्टमेंट्स, लक्ष्मी नगर प्रोजेक्ट, थर्ड कार्टर रोड, बोरीवली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3,4/3-ईई/2749/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 13-7-1984

मोहर :

प्रमाण जारी: टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० अई-3, 4/37-ईई/2681/84-85—अतः मुझे,
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 205, विल्डिंग 5-ए, एस्टी अपार्ट-
मेंट्स, साईबाबा नगर, बोरीवली, बम्बई-92 में स्थित है
(और इससे उपाधुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा
269क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय
में रजिस्ट्री है तारीख 29-11-83

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वारत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
प्राधिकार में कमी करने या तससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एम० एन० थिम्मारीह ।

(अन्तरक)

(2) श्री क हणाकरा शेट्टी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जांचोप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 205, विल्डिंग, 5-ए, एस्टी अपार्टमेंट्स, साई
बाबा नगर, बोरीवली, बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-3, 4/37-ईई/2681/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 29-
11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4 बम्बई

दिनांक: 13-7-1984

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) मैसर्स रजनीकान्त कन्स्ट्रक्शन्स।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री सुनील प्राणलाल खारा।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० आई-3,4/37-ईई/2757/84-85—अतः

मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० सी-1, ग्राउण्ड फ्लोर, "सरस्वती"
अपार्टमेंट्स, "लक्ष्मी नगर प्रोजेक्ट", थर्ड कार्टर रोड, बोरी-
वली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करार-
नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन
सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख
14-11-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पंक्ति प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कोषित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्यापक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बहि में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० सी-1, ग्राउण्ड फ्लोर, "सरस्वती" अपार्टमेंट,
"लक्ष्मी नगर प्रोजेक्ट", थर्ड कार्टर रोड, बोरीवली (पूर्व),
बम्बई-66 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3,4/37-ईई/2757/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
14-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज- 4, बम्बई।

दिनांक: 12-7-1984

मोहर :

प्रकृष माह' टी. एन. एल. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० अई-1/37ईई/1329/83-84—अतः मुझे, ए०
लहिरी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 4, और 4-ए, "वेस्ट व्यू"
बिल्डिंग, विर सावरकर मार्ग, प्रभादेवी, बम्बई-25
में स्थित है (और इससे उपाय अतिसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), और जो भायकर अधिनियम, 1961 की धारा
269-क के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्या-
लय में रजिस्ट्री है, तारीख 14-11-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके खयमान प्रतिफल से ऐसे खयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी भन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रावधानों अन्तर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया
जवा या वा किया जाया जाहिए या डिपॉजिट में
सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
न, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स प्रगति इन्वेस्टमेंट्स।

(अन्तरक)

(2) भरत किणोर कुमार फेमिली ट्रस्ट।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति
है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 4 और 4-ए०, "वेस्ट व्यू" बिल्डिंग विर सावरकर
मार्ग, प्रभादेवी, बम्बई-25 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37ईई/1329/83-
84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-
11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, बम्बई।

दिनांक: 12-7-1984

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जुलाई 1984

निदेश सं० आई०-1/37-ईई०/1137/83-84—अन.

मुझे, ए० लहिरी,

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 507, पांचवीं मंजिल, मानसरोवर माउण्ट प्लेसेंट रोड, बम्बई-7 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जो आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 15 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिसमें वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिमानों को जिनमें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रीमती निर्मला एल० वासुवानी
और
श्री चन्द्रन टी० ।

(अन्तरक)

(2) श्री माम्मेन मैथ्यू ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरकों

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पांचवीं मंजिल, मानसरोवर माउण्ट प्लेसेंट रोड, प्लेट नं० 507, बम्बई-7 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-1/37-ईई०/954/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15 नवम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 11-7-1984

मोहर :

प्रारूप आदेश. टी. एन. एस. -----

(1) श्री युसूफ ए० शुमा।

(अन्तरक)

(2) मै० शाह ट्रेडिंग कारपोरेशन।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जुलाई 1984

निदेश सं० अई०-1/37ईई०/1259/83-84—अतः

मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० शाप नं० 16, 'मजेस्टिक शापिंग सेंटर' बिल्डिंग 144, गिरगांव रोड, बम्बई-4 में स्थित है (और इससे उपाध्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जो आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसकी दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहुँ था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शाप नं० 16, 'मजेस्टिक शापिंग सेंटर' बिल्डिंग 144, गिरगांव रोड, बम्बई-4 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई०-1/37ईई०/1179/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 नवम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 11-7-1984

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जुलाई 1984

निदेश सं० आई०-1/37 ईई०/326/83-84—अतः मुझे,
ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० ऑफिस प्रिमिसेस नं० 41, 42 और 42-ए,
चौथी मंजिल, 'मेकर चेंबर्स' III बिल्डिंग, प्लॉट नं० 223,
बकबे रेक्लेमेशन ब्लॉक III, नरीमन पॉइंट, बम्बई-21 में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) और जो आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269
क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में
रजिस्ट्री है तारीख 9 नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
अधिनियम के अर्थों के अन्तरक के दागित्व
और/या

(ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य अस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० प्रेरणा प्रिमायसेस प्रा० लिमिटेड ।

(अन्तरक)

(2) मै० माया इन्टरप्राइजेस ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग से संपत्ति है)

(4) बिलडर्स

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

ऑफिस प्रिमिसेस नं० 41, 42 और 42-ए, चौथी मंजिल,
'मेकर चेंबर्स III' बिल्डिंग, नं० 223, बकबे रेक्लेमेशन
ब्लॉक III, नरीमन पॉइंट, बम्बई-21 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-1/37 ईई०/937/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
9 नवम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 10-7-1984

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जुलाई 1984

निदेश सं० आई०-1/37 ईई०/1404/83-84--अतः

मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 34, तीसरी मंजिल, टोपी वाला टेनेट को० आपरेटिव प्रिमिसेस सोसाइटी लिमिटेड, 93/87, मोहम्मद अली रोड, बम्बई-3 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जो आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 28 नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तो पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण को उचित रूप से वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स हाजी खुदावाज शाह मोहम्मद ।

(अन्तरक)

(2) मै० अमिन इन्टरनेशनल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बोध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 34, तीसरी मंजिल, टोपीवाला टेनेट को०—
आपरेटिव प्रिमिसेस सोसाइटी लिमिटेड, 93/97 मोहम्मद अली रोड, बम्बई-3 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-1/37 ईई०/1313/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28 नवम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया है ।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

तारीख : 11-7-1984

मोहर :

प्रकृष. बाई. टी. एन्. एस. ----

(1) मै० राजगीर बिल्डर्स।

(अन्तरक)

(2) श्री गिरीश एम० दवे।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जुलाई 1984

निदेश सं० अई०I/37 ईई०/877/83-84—अतः सुधे,
ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आफिस प्रिमायसेस नं० 41, चौथी मंजिल,
राजगीर चेंबर्स, 12/14, शहीद भगत सिंह रोड, ओल्ड
कस्टम हाऊस के सामने, बम्बई में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जो आयकर
अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 15 नवम्बर
1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

आफिस प्रिमायसेस नं० 41, चौथी मंजिल, राजगीर
चेंबर्स 12/14 शहीद भगत सिंह रोड, ओल्ड कस्टम हाऊस के
सामने बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई०-1/37 ईई०/959/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15
नवम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, बम्बई

तारीख : 11-7-1984

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जुलाई 1984

निदेश सं० आई०-1/37 ईई०/1289/83-84—अतः

मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लैट नं० 22, तीसरी मंजिल, सुख शांति को० अपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड, पेडर रोड, बम्बई-26 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से, वर्णित है और जो आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 25 नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती शशिकांता बी० अग्रवाल।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती लता एम० गांधीया।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 22, तीसरी मंजिल, सुख शांति को० अपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड, पेडर रोड, बम्बई-26 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-1/37 ईई०/976/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25 नवम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

तारीख : 11-7-1984

मोहर :

प्रकरण बाई. टी. एन. एस. ----

(1) श्री तेजमल आर० पमनानी ।

(अन्तरक)

(2) श्री रमण लाल रविशंकर शुक्ला ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जुलाई 1984

निदेश सं० अई०-1/37 ईई०/1413/83-84—अतः

मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- से अधिक है

और जिसकी सं० क्रम नं० 5, साई चेंबर्स को० अपरेटिव
प्रिमायसेस सोसाइटी, 365/67, नरसी नाथा स्ट्रीट, बम्बई-9
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), और जो आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269
क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में
रजिस्ट्री है तारीख 26 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाता कोष्ठित था, निषेध में आदिपत्र
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाई में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

क्रम नं० 5, साई चेंबर्स को० अपरेटिव प्रिमायसेस सोसायटी
365/67, नरसी नाथा स्ट्रीट, बम्बई-9 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई०-1/37 ईई०/1354/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
26 नवम्बर 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

तारीख : 11-7-1984

मोहर :

प्रकृत आर्.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जुलाई 1984

निदेश सं० अई०-1/37 ईई०/992/83-84—अतः मुझे,
ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्रमिसेस नं० 5, पहली मंजिल, रेक्स चेंबर्स,
वालचन्द हीराचन्द मार्ग, बेलाई इस्टेट, बम्बई-38 में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
और जो आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के
अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय में रजिस्ट्री है,
तारीख 25 नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उसमें बचने में सूचना के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपावे में सूचना
के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधि-
कृत :-

(1) श्रीमती पामी मोहनलाल वजीरानी।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० आर० देशपांडे।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्णन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोक्ष्यताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रमिसेस नं० 5, पहली मंजिल, रेक्स चेंबर्स, वालचन्द
हीराचन्द मार्ग, बेलाई इस्टेट, बम्बई-38 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई०-1/37 ईई०/975/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
25 नवम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 10-7-1984

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जुलाई 1984

निदेश सं० आई०-1/37 ईई०/1420/83-84—अतः मुझे,
ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 437, चौथी मंजिल, केवल
इण्डस्ट्रियल इस्टेट, 'बी' बिल्डिंग, सेनापति बापट मार्ग,
बम्बई-13 में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), और जो आयकर अधिनियम, 1961
की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 26 नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिनमें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहेगा था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

35—196GI/84

(1) श्रीमती लक्ष्मी देवी जानचन्द जैन
और

श्री अरपित कुमार प्रेमचन्द बोत्रा ।

(अन्तरक)

(2) श्री नटवरलाल काकूभाई शाह ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है ।

अनुसूची

यूनिट नं० 437, चौथी मंजिल, केवल इण्डस्ट्रियल
इस्टेट, 'बी' बिल्डिंग, सेनापति बापट मार्ग, बम्बई-13 में
स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-1/37 ईई०/1319/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
26 नवम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, बम्बई

तारीख : 10-7-1984

महंश्वर :

प्रकृष काइ. टी. एम. एम.-----

(1) में एम० राज एण्ट कम्पनी ।

(प्रत्येक)।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जुलाई 1984

निदेश सं० अई०-2/37 ईई०/3790/83-84--अतः

मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 13, सोमपुरी मार्केट, स्टेशन रोड,
सांताक्रूस, बम्बई-400054 में स्थित है और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख
25 नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिभू (अन्तरिभूतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में धारणक रूप में कायम नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में इच्छा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में
सहिष्णुता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

- (2) 1. श्री बी० बी० कुकरेजा
2. श्री टी० बी० कुकरेजा,
3. श्री एम० बी० कुकरेजा,
4. श्री आर० टी० कुकरेजा,
5. श्री सी० एन० कुकरेजा,
6. श्री पी० बी० कुकरेजा,
7. श्री एन० एम० कुकरेजा,
- और
8. श्री डी० एन० कुकरेजा ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिकभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में संपात होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर पूर्वोक्त उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 13, जो 'सोमपुरी मार्केट', स्टेशन रोड,
सांताक्रूस, बम्बई-400054 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई०-2/37 ईई०/3790/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25
नवम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 11-7-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन्. एस्.-----

(1) श्री एम० जे० राव ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती एस० विजय लक्ष्मी ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधे :—

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जुलाई 1984

निदेश सं० अई०-2/37 ईई०/8780/83-84--अतः

मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 104, कुणा अपार्टमेंट्स, चार
बंगला अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-400 058 में स्थित है (और
जिसका करागनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा
269-क के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है तारीख 27 नवम्बर, 1983

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए;
और/या

फ्लैट नं० 104, जो कुणा अपार्टमेंट्स, प्लॉट नं० 15;
चारबंगला ऑफ जय प्रकाश रोड, अंधेरी (पश्चिम), बम्बई-
400 058 में स्थित है ।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनाभे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जा
या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई०-2/37 ईई०/8780/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27
नवम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 11-7-1984

सोहर :

प्रमुख आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 जुलाई 1984

निदेश सं० आई०-2-37 ईई०-8598/83-84--प्रतः

सुश्री, लक्ष्मण दास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 406, 'उमिला बिल्डिंग, बाहार
रोड, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-400069 में स्थित है (और
इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका
कारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 ग, ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख
17 नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथोपरोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के आयिष्ठ
में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाव में सुविधा
के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० कमला कन्स्ट्रक्शन्स ।

(अन्तरक)

(2) श्री परशुराम हरी अभ्यंकर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 406, उमिला संहार रोड, अंधेरी (पूर्व)
बम्बई-400 069 ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-2/37 ईई०/8598
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
17 नवम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 7-7-1984

मोहर :

प्रकृष नाई.टी.एन.एस. -----

(1) मै० निरमत बिलडर्स ।

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती रेहाना इकबाल तिरमिसी

डा० मोहम्मद इकबाल जी० ए० तिरमिसी ।

(अन्तरिती)

भाउय सरकाउ

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जुलाई 1984

निदेश सं० अई०-2/37 ईई०/8511/83-84-अतः

मुझे, लक्ष्मण दास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 507, पांचवीं माला, निरमन
काटेज यारी, रोड, रसावा अंधेरी (पश्चिम), बम्बई-400 061 में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
गणिता है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम,
1961 की धारा 269 क, के अधीन सक्षम प्राधिकारी,
बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 3 नवम्बर, 1983
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वाचित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को, बिना भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, भा
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 507, पांचवीं माला, निरमन काटेज, यारी
रोड, बरसोवा, अंधेरी (पश्चिम) बम्बई-4000 61 ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई० 2/37 ईई०/8511/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
3 नवम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 10-7-1984
मोहर :

प्रत्यक्ष भाई.टी.एच.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 जुलाई 1984

निदेश सं० अई०-2/37 ईई०/3763/83-84—अतः

मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० रिजवी हाऊस, हिल रोड,

बान्द्रा, बम्बई-400 050 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन
सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक
22 नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए लय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कार्यक्रम में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को चिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री लक्ष्मण दास अवेरी लाल जीवा भाई पटेल ।
(अन्तरक)
- (2) श्री अब्राहिम गुलामाली अब्दुल रेसूल ।
श्री नाऊणदाली इब्राहिम अब्दुल रेसूल ।
श्री इम्रान इब्राहिम अब्दुल रेसूल ।
श्री हैदराली जीवान ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याप्तीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

जाप नं० 1, ग्राउण्ड फ्लोर, 'बी' विंग, रिजवी हाऊस
सं० रिजवी बिल्डिंग, हिल रोड, बान्द्रा, बम्बई-400 050 ।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई०-2/37 ईई०/3763/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
22 नवम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 9-7-1984

मोहर :

प्ररूप आह. टी. एन. एस. -----

(1) मी० सिप्पी व सन्स।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती ज्योति पुरुषोत्तम दास धन निधानी।

(अन्तरिली)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 जुलाई 1984

निदेश सं० आई०-2/37 ईई०/3784/83-84—अतः

मुझ, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 51, पांचवीं माला, नर्मदा अपार्टमेंट्स, प्लॉट नं० 470, सोलहवीं रोड, खार, बम्बई-400052, खार में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण तारीख 25 नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिली (अन्तरिलियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें वचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिली द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, निष्पाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करवाए हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और बंदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ हांवा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 51, पांचवीं माला, नर्मदा अपार्टमेंट्स, प्लॉट नं० 470, सोलहवीं रोड, खार, बम्बई-400052।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-2/37ईई०/3784/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25 नवम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 7-7-1984

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, 4 बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई०-3-4/37 ईई०/2670/84-85--अतः

मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 402, चौथी मंजिल, चिन्कल
अपार्टमेंट्स, 'ए', 99, एल० टी० रोड, बोरीवली, (पश्चिम),
बम्बई-92 में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधि-
नियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन
सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 7
नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्ययित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री हृषीकेश हरणी छेडा ।

(अन्तरक)

(2) श्री द्वारका दास नरोत्तम चिवकल ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक ।

(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश्व
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० 402, चौथी मंजिल, चिन्कल अपार्टमेंट्स
'ए', 99, एल० टी० रोड, बोरीवली, (पश्चिम), बम्बई-
92 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-3-4/37 ईई०/
2670/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
7 नवम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3-4, बम्बई

तारीख : 13-7-1984

मोहर :

प्रकरण बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, 4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जुलाई 1984

निदेश सं० अई०-3-4/37ईई०/2758/83-84—अतः

मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 401, चौथी मंजिल, जान अमरीत,
एस० एम० रोड, कांदिवली (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित
है (और इसमें उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा
269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में
रजिस्ट्री है तारीख 8 नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
क्षयित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
36—196GI/84

(1) मै० एस० एन० कन्स्ट्रक्शन्स कं०।

(अन्तरक)

(2) श्री अनिल कुमार एस० मोलंकी।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिभोगी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 401, चौथी मंजिल, जान अमरीत बिल्डिंग,
एस० एम० रोड, कांदिवली (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित
है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई०-3-4/37 ईई०/2758/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8
नवम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 11-7-1984

मोहर :

प्रकरण आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई०-3/4/37 ईई०/2679/84-85--अतः

मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लैट नं० बी-33, प्लॉट नं० ए/72, राजेश
मन्दिर को० अपार्टेड हाऊसिंग सोसाइटी, गंकर लेन, कां-
दिवली (पश्चिम) बम्बई-67 में स्थित है (और इससे उपाय
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख
के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय बम्बई
में रजिस्ट्री है तारीख 11 नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अंतरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
हाथिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) श्रीमती शोभा प्रेमचन्द कोकल।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रागजी कुरजी ठाकर

और

श्रीमती विजयालक्ष्मी प्रागजी ठाकर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० बी-33, प्लॉट नं० ए/72, राजेश मंदिर को०
अपार्टेड हाऊसिंग सोसाइटी गंकर लेन, कांदिवली (पश्चिम),
बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-3-4/37 ईई०/
2679/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
11 नवम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3-4, बम्बई

तारीख : 5-7-1984

मोहर :

प्रश्न भाई. टी. एन. एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जुलाई 1984

निदेश सं० आई०-3-4/37 ईई०/2726/84-85--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० गाँव नं० 7, गुरु नानक अपार्टमेंट्स को० अपार्टमेंट हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड, 51, गंकर लेन, कांदिवली (पश्चिम), बम्बई-67 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसकी दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उनसे अपने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधागा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अशोक सी० चाहान।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती विजयादेन अमृतलाल सिंगला और श्री अमृत लाल करसनजी सिंगला।

(अन्तरित)

(3) अन्तरीतियों

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गाँव नं० 7, गुरु नानक अपार्टमेंट्स को० अपार्टमेंट हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड, 51, गंकर लेन, कांदिवली (पश्चिम), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-3-4/37 ईई०/2726/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 नवम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 11-7-1984

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई-3,4/37-ईई/2716/84-85—अतः

मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 15, ए० विंग, चौथी मंजिल, गुलिस्थान अपार्टमेंट, एम० विह, रोड़, दहिमर, (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 3-11-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वसूल. उक्त अधिनियम के अधीन कर इन के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें रचने में सूत्रिभा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अयाचनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता है कि या. विधान में सूत्रिभा के लिए;

अतः धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित आस्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती मेहेरबाबू शरीफ भाई दोंदिया ।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुलताना अमिर मुरानी ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 15 ए० विंग, चौथी मंजिल, गुलिस्थान अपार्टमेंट, एम० विह रोड़, दहिमर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० आई-3,4/37 ईई/2716 जैसा 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक-3 नवम्बर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

हां/

(ए० प्रसाद),

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक :— 12-7-84

मोहर :—

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जुलाई 1984

निदेश सं० आई०-3,4/37 ईई०/2796/84-85--अतः

मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 503, पांचवीं मंजिल, 'ए' विंग, 'आदित्य पार्क' छत्रपति शिवाजी रोड, दहिसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 26 नवम्बर, 1983

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि अधोपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तर्निमितियों) के नीचे ऐसे अन्तरण के लिए लय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मूर्खता के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूर्खता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मै० गोप्रल ब्रिड्जर्ग प्रा० लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) श्री बी० पी० जोसेफ बेबी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 503, पांचवीं मंजिल, 'ए' विंग, 'आदित्य पार्क', छत्रपति शिवाजी रोड, दहिसर (पूर्व) बम्बई-68 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-3,4/37 ईई०/2796/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26 नवम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 11-7-1984

मोहर :

प्रकृष्य नमः, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4 बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई-3,4/37-ईई/2822/84-85--अतः

मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 7, पहली मंजिल, "बी"
विंग, "आदित्य पार्क," छत्रपती शिवाजी रोड़, दहिसर (पूर्व)
बम्बई-68, में स्थित है (और इसमें उपबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन सक्षम
प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 26-11
1983 को

तो पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
गन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) मैसर्स गोयल ब्रिडजर्स प्रायवेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) श्री० साकरनाल हार्किशनदारा चालीशाजरी
वाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिव-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 7, पहली मंजिल, "बी" विंग, "आदित्य पार्क"
छत्रपती शिवाजी रोड़, दहिसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित
है।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० आई-3,4/37 ईई/2822/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
26-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

हो/-

(ए० प्रसाद),

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक :- 11-7-84

मोहर :-

प्रमुख बाह्य टी.एच.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

आवक्य सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जुलाई 1984

निदेश सं० आई०-4/37 ईई०/2824/84-85—अन:

मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसमें इससे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 7, पहली मंजिला, 'बी' विंग, 'आदित्य पार्क' छत्रपति शिवाजी रोड, दहिंसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कारगनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 3 नवम्बर, 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से पहले किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० गोयल विल्डर्स प्रा० लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) श्री रमेश चन्द्र के० आचार्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रत्येककरण :—दो-दो प्रकृत प्रकृत और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 7, पहली मंजिला, 'बी' विंग, 'आदित्य पार्क', छत्रपति शिवाजी रोड, दहिंसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-4/37 ईई०/2834/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3 नवम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 11-7-1984

माहुर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस. -----

(1) श्रीमती प्रेमिला चुनीलाल माला ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पुष्पा देवी हपलाल जैन ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1984

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/2763/84-85—अतः

मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विन्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० शॉप नं० 8, प्रज्ञांत, एकसार रोड, बम्बई, में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 23 नवम्बर 83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का उन्मूल प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्धित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और या/

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्व को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शॉप नं० 8, प्रज्ञांत, एकसार रोड, बोरीवली, बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० अई-4/37-ईई/2763/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 23 नवम्बर 84 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-4 बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 12-7-84

मोहर ३

प्रारूप आई.टी.एन.एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जुलाई 84

निर्देश सं० आई-4/37-ईई/2761/84-85--अतः
मुझे, ए० प्रसाद०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 301, तीसरी मंजिल, ज्ञान
अमरीत, शांतीलाल मोदी रोड, काविवनी (पश्चिम), बम्बई
67 में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई
के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 5-11-83

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की अवधि, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्ययित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती प्रदान नहीं किया गया
था या किया जाता था, छपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--
37-196 GA/84

- (1) मैयर्स एण्ड एन० कार्स्टेडसन कंपनी ।
(अन्तरक)
- (2) निर्मलादेन बी० शहा ।
(अन्तरिती)
- (3) अन्तरक
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है),

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निर्णयित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 301, तीसरी मंजिल, "ज्ञान अमरीत", शांती-
लाल मोदी रोड, काविवनी (पश्चिम), बम्बई 67 में स्थित
है ।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० आई-4/37-ईई/2761/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-
नवम्बर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4 बम्बई

दिनांक: 11-7-84
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) एम० एन० कन्स्ट्रक्शन कंपनी ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन भूचना

(2) श्रीमती सरोजबेन प्रणान वाइद ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई दिनांक 11 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/2759/84-85—अतः

मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 402, चौथी मंजिल, ज्ञान अमरीत बिल्डिंग, एम एम० रोड, कांदिवली (पश्चिम), बम्बई-68 में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 8 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का वास्तव, उक्त नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 402, चौथी मंजिल, ज्ञान अमरीत बिल्डिंग, एम० एम० रोड, कांदिवली (पश्चिम), बम्बई-68 में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० आई-3/37 ईई/2759/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8 नवम्बर 83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक 11-7-84

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) मैसर्स शे. इण्टरप्रायसेस

(अन्तरक)

(2) श्री० ठाकुर प्रवाह तिवारी ।

(प्रतिरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 84

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/4324/84-85-अतः

मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 5, भागिरथी विला, ग्राउंड फ्लोर अमृत नगर, एल० बी० एस मार्ग, घाटकोपर (पश्चिम) बम्बई-86, में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-11-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधिन के लिए कार्यवाहियां शरु करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधिन के सम्बन्ध में कोई भी बाकोप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 5, 3, भागिरथी विला, ग्राउंड फ्लोर, अमृत एयर, एस० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर (प०), बम्बई-85 में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० आई-3-37 ईई/1605/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक:- 13-7-84

मोहर

प्ररूप भाई, टी. एन. एस.-----

(1) श्री पी० एन० कोठारी ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) मैसर्स पटेल अब्बालाल धाजीभाई एण्ड ब्रॉस ।
(अन्तरिकी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० अई-3/37ईई/4180/84-85—अतः

मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 200 (पार्ट), कोठारी इस्टेट सी० टी० एस० नं० 288, आग्रा रोड, भांडूप, बम्बई-78 में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-11-83

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिकी (अन्तरिकियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बांँधत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों के, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और उद्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सर्वे नं० 200 (पार्ट), पी० एन० कोठारी इस्टेट, सी० टी० एस० नं० 288, आग्रा रोड, भांडूप, बम्बई-78 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० अई-3/37 ईई/1589/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-नवम्बर 83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक :— 13-7-84
मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

(1) मैमर्स अलित बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एल० सुकुमार ।

(अन्तरिनी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 84

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/4140/84-85—अतः

मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 3, बिल्डिंग बी, गौतम काटेज,
मिठागर रोड, मुलूंड (पूर्व), बम्बई-81 में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269
क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में
रजिस्ट्री है दिनांक 1 नवम्बर 83

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूले यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी
(अन्तरिनीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी बाप की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी काम या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 4 बिल्डिंग बी, गौतम काटेज, मिठागर,
रोड मुलूंड (पूर्व) बम्बई-81 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि सं० सं०-द्वारा 37/1561/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई । दिनांक 1 नवम्बर
1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक :- 13-7-84

मोहर :-

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

(1) श्रीमती आशा राजाराम सितकर ।

(अन्तरक)

(2) सुधाकर सर्वोत्तम किणी ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 84

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/4300/84-85—अतः

मुझे ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 2, ग्राउंड फ्लोर, दामोदर स्मृती प्लॉट नं० 24-एफ०, टी० पी० एस० शिवाजी नगर, मालाड (पूर्व) बम्बई-84 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 में की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 नवम्बर 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 19(7) (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यावाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 2 ग्राउंड फ्लोर दामोदर स्मृती, प्लॉट नं० 24-एफ, शिवाजी नगर, मालाड, (पूर्व), बम्बई-64 में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० अई-3/37 ईई/1606/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक :- 13-7-84

मोहर :

प्रकाश जाई. टी. एन. एम्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/4271/84-85- अतः

मुझे ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 118, पहली मंजिल न्यू सतगुरु
नानक इण्डस्ट्रियल इस्टेट, वेस्टर्न एक्सप्रेस हायवे, गोरगांव
(पूर्व), बम्बई-63 में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम
प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक
1-11-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन धार 269 के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) कुमारी निता वमंललाल झवेरी ।

(अन्तरक)

(2) ममर्स कांपवृद्ध आर्टस ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताधारी के पाठ
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगे, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

यूनिट नं० 118, पहली मंजिल, न्यू सतगुरु नानक
इण्डस्ट्रियल इस्टेट, वेस्टर्न एक्सप्रेस हायवे गोरगांव (पूर्व),
बम्बई-63 में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० आई-3/37 ईई/1567/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
1 नवम्बर 83 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 बम्बई

दिनांक :- 13-7-1984

साहूर ।

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्रीमती बसुनिरा उस्मान खान

[(अन्तरक)]

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/4250/83-84—अतः

मुझे ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० शाप नं० 1, मालाड निशित को-ऑपरेटिव
हाउसिंग सोसायटी, उष्मा नगर, आफ मार्बे रोड, मित चौकी
मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसकी करारनामा
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन
सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक
1 नवम्बर 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

(2) श्री० धू विठ्ठलदाम चातपुर, और
श्रीमती काशी विठ्ठलदाम चातपुर ।

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधाएं:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

शाप नं० 1 मालाड निशित को-ऑपरेटिव हाउसिंग
सोसायटी लिमिटेड उष्मा नगर ऑफ मार्बे रोड, मित चौकी
मालाड (पश्चिम) बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० आई-3/37 ईई/1574/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
1 नवम्बर 83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक :- 13-7-1984

मोहर :-

प्रमुख आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/3999/84-85-अनः

मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 2, प्लॉट नं० 4, सी० टी० एम०, नं० 278, काना अपार्टमेंटम, वाधवती, गांव चैम्बर, बम्बई-74, में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 नवम्बर 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि उक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक और (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावना, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

38 -I96G1/84

(1) मैगर्स सुप्रिम बिजनेस ।

(अन्तरिक)

(2) रामचन्द्र परमानंद कावत ।

(अन्तरिणी)

(3) अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० 2, प्लॉट नं० 4, सी० टी० एम० नं० 278, काना अपार्टमेंटम वाधवती, गांव चैम्बर, बम्बई-74 में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकी क्र० सं० आई-3/37 ईई/1549/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई दिनांक 1 नवम्बर 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-3, बम्बई

दिनांक :- 13-8-1984

मोहर :

प्रूप. नाई. टी. एन्. एस. -----

(1) श्री मृगरी प्रसाद शर्मा

(अन्तरक)

(2) श्री वी० के० खंडवाल ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महासह आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13-जुलाई 1984

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/4212/84-85---अतः

मुझे ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 3, ग्राउंड फ्लोर, बिल्डिंग नं० ए-4 मानव कल्याण को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड बांगूर नगर, गोरगांव (पश्चिम), बम्बई-90 में स्थित है। (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1 नवम्बर 83

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसीके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में भविष्य के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहरताधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 2(क) में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 3, ग्राउंड फ्लोर, बिल्डिंग नं० ए-4, मानव कल्याण को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, बांगूर नगर, गोरगांव (पश्चिम), बम्बई-90 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क्र० सं० आई-3/37 ईई/1570/84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 नवम्बर 83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी,

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 13-7-1984

मोहर

प्रमुख आई.टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/4227/84-85-अनः

मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 606, छठी मंजिल, "ए" विंग
विना नगर, चिंचोली, मालाड़ (पश्चिम), बम्बई, में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा
1961 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में
रजिस्ट्री है दिनांक 1 नवम्बर 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
साबित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भू-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तर्गत द्वागण पत्र नष्ट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती कविता रामचंद्र जवाहरानी ।
(अन्तरक)
- (2) कपूर फेमली ट्रस्ट ।
(अन्तरिती)
- (3) विल्डसं
(वह व्यक्ति, जिससे अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन में सम्बन्ध में कोई भी बाधोप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वीकृतिः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 606, छठी मंजिल, "ए" विंग, "विना नगर"
विल्डिंग, चिंचोली, मालाड़ (पश्चिम), बम्बई में स्थित है ।
अनुसूची जैसा की क्र० सं० आई-3/37ईई/1572/84-85
जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83 को
रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई,

दिनांक : 13-7-84
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

(1) मैगर्स पासन इण्टरप्राइज।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) मैगर्स मेट लेब ससिस प्राईवेट लिमिटेड।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-3 बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई-3/37 ईई/4087/84-85—अतः

मुझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह दिखाते करने का
कारण है कि श्रावण सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी न० फ्लैट नं० 4, 12 बी मजिल, ई-विंग,
बिल्डिंग नं० 3, "दामोदर पार्क" एल० बी० एस० मार्ग,
घाटकोपर (पश्चिम), बम्बई-86 में स्थित है (और इससे
उपरोक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और
जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय
में रजिस्ट्री है दिनांक 1 नवम्बर 84

का पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य तत्काल के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निर्मालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
भूतकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगकर्ता के द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या जिसका प्रकट बाह्य भा, छिपाने में
सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निर्मालिखित व्यक्तियाँ, यथावत् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त श्रावण सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 4, बारवी मजिल, ई-विंग, बिल्डिंग नं० 3,
दामोदर पार्क, एल० बी० एस० मार्ग घाटकोपर (पश्चिम),
बम्बई-86 में स्थित है।

अनुसूची जिसकी न० सं० आई-3 / 37ईई/1550
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
1 नवम्बर को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-3, बम्बई

दिनांक : 13-7-1984

माहुर :

प्रारूप आई.टी.एल.एस.-----

(1) श्री एम० बी० वेकटाकुण्णन।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री नरेंद्र गोविन्द लाल शाह।

(अन्तर्गती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य संचालित करता है।

राष्ट्रीय प्रशासनिक आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-3 बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/3996/84-85--अतः

मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 4, 2 बी.सि.जिल, "ई" विंग विलिडिंग-नं० 2, दामोदर पार्क, एम० बी० एम० मार्ग, घाटकोपर, (पश्चिम) बम्बई, 86 में स्थित है (और इसमें उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करगणनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-घ के अधिनियम सक्षम प्राधिकारी बम्बई, के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर्गती (अन्तर्गतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) किसी किसी आय या किसी धन अथवा सम्पत्ति को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितप्रद्वितीय अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 4, दूसरी मंजिल "ई" विंग, विलिडिंग नं० 2 दामोदर पार्क एम० बी० एम० मार्ग, घाटकोपर पश्चिम बम्बई-86 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि सं० आई-3/37 ईई/1547/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 नवम्बर 83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी,

राष्ट्रीय प्रशासनिक

राष्ट्रीय आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-3, बम्बई

दिनांक : 13-7-1984

साहू :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/3989/83-84-- अतः
सूत्रे ग० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 33, तीसरी मंजिल, देव अपार्टमेंट
में, सी० टी० एम० नं० 3957 कोल कल्याण गांव, बाकोला
पाइप लाइन, सांताक्रुज (पूर्व) बम्बई में स्थित है (और इससे
उपरोक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और
जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के
कार्यालय से रजिस्ट्री है दिनांक 1 नवम्बर 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

आ. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री नारेश गांधाराम भावे ।

(अन्तरक)

(2) श्री जिजी पी० ए।

(अन्तरिती)

(3) श्री गौरीनाथ देवनागरण सिंह ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 33 तीसरी मंजिल, देव अपार्टमेंट "डी"
प्लॉट, सी० टी० एम० नं० 3957 कोल कल्याण गांव, बाकोला
पाइप लाइन, सांताक्रुज (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैमाकी क्र० सं० आई-3,4/37 ईई/1542
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1 नवम्बर 83 को रजिस्ट्री किया गया है ।

ग० लहिरी,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3,4 बम्बई

दिनांक : 13-7-84

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई-3/37 ईई/1199/84-85—अतः

मुझे ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० शाप नं० 21, ग्राउंड फ्लोर, ब्रिड्जिंग नं० एम० 5/6, भानुमति प्रिमासेम कोआपरेटिव सोसायटी लिमिटेड बनुगूर नगर, गोरगांव (पश्चिम) बम्बई 90 में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका धारकनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्टर्ड है दिनांक 1 नवम्बर 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री चन्द्राश्ली एन० मिश्रा ।

(अन्तरक)

(2) पी० टी० एन० हरीहरण ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई वाक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शाप नं० 21, ग्राउंड फ्लोर, ब्रिड्जिंग नं० एम० 5/6, भानुमती प्रिमासेम कोआपरेटिव सोसायटी लिमिटेड, बनुगूर, नगर, गोरगांव (पश्चिम), बम्बई-80 में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० आई-3/37-ईई/1626 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 नवम्बर 83 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 13-7-84

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एम.-----

(1) आमत. सै. पत्नीडित ऑ।
हजारो नि. पत्नीडित। (अन्तरगत)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना(2) श्री एन० सी० परसेवररा। (अन्तरिती)
(3) (अन्तरगत)
(क) व्यक्ति जिसके अधिनियम में सम्पत्ति है)**भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/3983/84-85-अनः

मुझे ए० सहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सूचना प्राधिकारी को, यह दिखाने करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और निम्न सं० पत्नी सं० 6 पहली मंजिल बोरला की आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी, चेंबूर, बसंत सिनेमा के सामने बम्बई 74 में स्थित है (और इस उदाहरण अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसे राजस्थान आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-घ के अधीन सूचना प्राधिकारी, को सूचित बम्बई में रजिस्टर्ड है दिनांक 1 नवम्बर 83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक में दक्षिण में कमी करने या लगने बचने में सुविधा के लिए प्रोत्साहित।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार्श्व लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 6, पहली मंजिल बोरला की-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी, बसंत सिनेमा के सामने, चेंबूर, बम्बई-74 में स्थित है।

अनुसूची औपकि सं० नं० आई-3/37 ईई/1610 84-85 और जो सूचना प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1 नवम्बर 83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० सहिरी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 13-7-84

माहुर :

प्रथम भाई, टी. एम. एस. - - - - -

(1) प्रथम भाई का सम्बन्धन नवनी । (अन्तरिक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री मोहम्मद हिदा एच० एम०
रमाय और अन्य । (अन्तरिक)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई/3/37 ईई/4288/84-85—अनः
मुझे ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० शाप नं० 5 ग्राउंड फ्लोर, बिल्डिंग नं०
ए०-3 (हायवे ब्यू) स्कम, मालाड (पूर्व); बम्बई-64
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1 नवम्बर 83

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

39-196GI/84

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

शाप नं० 55 ग्राउंड फ्लोर बिल्डिंग नं० ए-3,
"हायवे ब्यू" स्कम, मालाड (पूर्व) बम्बई-64 में स्थित
है ।

अनुसूची जैसाकि सं० आई-3/37 ईई/1566/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83
को रजिस्ट्री किया गया है ।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 13-7-84

एडिटर

प्रकृप आई.टी.एच.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- 3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आई०-3/37-ईई०/4072/84-85-अतः

मुझे: ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 11, सी० टी० एस० नं० 734 से 737, विलेज कोले कल्याण वाकोला सांताक्रुज बम्बई-55 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-क, ख के अधीन सक्षम अधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मंजूर कर दिया

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बांझ था, छिपाने में प्रविष्टा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) मै० गोल्ड काइन विल्डर्स।

(अन्तरक)

(2) श्री सामे मोहम्मद एम० कुरेशी,
और
श्री जाफर हुसैन एम० कुरेशी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 11 सी० टी० एस० नं० 734 से 737 विलेज कोले कल्याण, वाकोला सांताक्रुज बम्बई-55 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-3/37 ईई०/1552/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1 नवम्बर 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 13-7-1984

मोहर :

प्रकृप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(1) मै० गोल्डेन कन्स्ट्रक्शन कम्पनी ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मेरी ग्रंथोनी ।

(अन्तरित)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० अई०-3/37 ईई०/4061/83-84—अतः

मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसका पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है, की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 5, सी० टी० एस० नं० 3653, (पी), विलेज कोले कल्याण कालीना, बम्बई-98 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, जैसा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० 5, सी० टी० एस० नं० 3653 (पी)
विलेज कोले कल्याण, कालीन, बम्बई-98 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई०-3/37 ईई०/1560/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1 नवम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 13-7-1984
मोहर :

प्रमुख आई.टी. एन. एस. : १-२-२०२०

(1) श्री केशवजी लक्ष्मणी मालडे ।

(अन्तरक)

भायकट अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री रमणीकलाल रायचंद शाह ।

(अन्तरिणी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पंचायत सम्पत्ति को अर्जन को बिना कार्यवाहियों करता हूँ।

अर्जन रेंज-3, बम्बई

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० अई०-३/३७ ईई०/४१५२/८३-८४-अतः

मुझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसकी सं० गा प नं० 5, ग्राउण्ड फ्लोर, विश्व श्रेष्ठ प्रमिसेस को०-आपरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड, 60, नेहरू रोड, बी० कालोनी, वाकोला सांताक्रूज (पूर्व), बम्बई में स्थित है (और इसमें उदाहरण अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है)। और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 नवम्बर, 1983

(ब) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनश्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोद्विस्तारकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूँके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कम, निम्नलिखित उद्देश्यों में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :-

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/वा

महाराष्ट्र

शाप नं० 5; ग्राउण्ड फ्लोर, क्रिस् एडेल प्रिमिसेस को-
आपरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड, 60, नेहरू रोड, बी०
कालोनी, वाकोला सांताक्रुज (पूर्व), बम्बई-में स्थित है।

(ब) ऐसी किसी माय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय माय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में रुचिका के लिए;

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई०-३/३७ ईई०//१६१८/८३-८४ और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा रजिस्टर्ड किया गया है ।

जल: जय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 13-7-1984

मोहर :

प्रकृष्ट आई. टी. एन. एच. -3-3-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना -

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० अई०-3/37 ईई०/4479/83-84-अ०:

मुझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 6, पहली मंजिल, 'एयर निकेतन', विद्यानगरी (सी० एम० टी० रोड), बम्बई-98 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उक्त करने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिष्ट-

(1) श्री मेनम राधा कृष्णन सी० उर्फ
श्री सी० आर० मेनम।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मंजिरी मदन भाराडे।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्धुत्व

फ्लैट नं० 6, पहली मंजिल, 'एयर निकेतन', विद्या नगरी (सी० एस० टी० रोड), सर्वे नं० 313, कोले कल्याण, बम्बई-98 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई०-3/37 ईई०/1618/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 नवम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 13-7-1984

मोहर :

प्रकृष आर्.टी.एन.एस.

(1) श्री धनजी कानजी शाह।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री० मन्दन होनवर।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई०-3/37-ईई०/4092/84-85-अतः

मुझे, ए० लहिरि,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 24, 'ए' विंग पांचवीं मंजिल, नव स्वधरकुल सहकारी घरबांधनी संस्था (मर्यादित), सिद्धार्थ नगर, वाकोला चर्च के पीछे, बम्बई-55 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्धु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अग्न्या जास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपे 3—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 24, 'ए' विंग, पांचवीं मंजिल, नव स्वधर कुल सहकारी घरबांधनी संस्था (मर्यादित), सिद्धार्थ नगर, वाकोला चर्च के पीछे, बम्बई-55 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-3/37 ईई०/1556/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा तारीख 1 नवम्बर, 1983 को रजिस्ट्रि किया गया है।

ए० लहिरि

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 13-7-1984

मोहर :

प्रकृष आइ.टी.एन.एस.-----

(1) मै० गोल्ड काँइन विल्डमै।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की)

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० अई०-3/37-ईई०/4071/84-85-अतः

मुम्बै, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 12, सी० टी० एस० नं० 734 से 737, विलेज कोले कल्याण, वाकोला, सांताक्रूज, बम्बई-55 में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपहेस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अंतरण से हुई किसी बात की वास्तविकता, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

फ्लैट नं० 12, सी० टी० एस० नं० 734 से 737, विलेज कोले कल्याण, वाकोला सांताक्रूज (पूर्व), बम्बई-55 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि श्रम सं० अई०-3/37 ईई०/1551/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 नवम्बर 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 13-7-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एन.-----

(1) मै० जेठ इन्टरप्राइज।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री विक्टर मथियम और श्रीमती आई० पी० मथियम।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० अई०-3/37 ईई०/3984/84-85—अतः

मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 40, तीसरी मंजिल 'भागोरथी विल' बिल्डिंग अमृत नगर एल० बी० एस० मार्ग घाटकोपर (पश्चिम) बम्बई-86 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किसे जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट सं० 40, तीसरी मंजिल, "भागोरथी विला" बिल्डिंग अमृत नगर, एल० बी० एस० मार्ग घाटकोपर (पश्चिम) बम्बई-86 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई०-3/37 ईई०/1538/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1 नवम्बर 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 13-7-1984

मोहर :

प्रत्यक्ष आई. टी. एन. एन.

(1) श्री विनोद एन० केडिया।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री प्रताप आर० दागा।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आई०-3/37-ईई०/3927/84-85-अतः मुझे
ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 19 चौथी मंजिल मुलुंड कोकुल
श्याम को० आपरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड नं०
प्लॉट नं० 1103 देवीदयाल रोड मुलुंड बम्बई-80 में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा
269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में
रजिस्ट्री है तारीख 1 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि गथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय का बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कार्यत्व में कमी करने या उसमें बचने में सविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा
के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

40--196GI/84

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 19 चौथी मंजिल मुलुंड कोकुल श्याम को०
आपरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड प्लॉट नं० 1103
देवी दयाल रोड मुलुंड बम्बई-80 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-3/37-ईई०/1529/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1
नवम्बर 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 बम्बई

तारीख : 13-7-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - -

(1) श्री रविन्द्रन पं० ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 ब(1) के अधीन सूचना

(2) श्री देवेन्द्र कुमार गुप्ता ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई०-3/37 ईई०/4282/84-85--अतः

मुझे ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25 100/- रु. से अधिक है

श्री० जिसकी लं० प्लॉट नं० 14-ए सर्वे नं० 161 (पार्ट)
आर० 4/9 गोवर्धन गिरि को० आपरेटिव हाऊसिंग
सोसाइटी लिमिटेड बांगूर नगर गोरेगांव (पश्चिम) बम्बई-
90 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई
के कार्यालय में रजिस्ट्रार है तारीख 1 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पक्ष प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकीयों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगवाचक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहा था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 14-ए सर्वे नं० 161 (पार्ट), आर०-4/
9, गोवर्धन गिरि को० आपरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड,
बांगूर नगर, गोरेगांव (पश्चिम), बम्बई-90 में स्थित
स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-3/37 ईई०/16402/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1
नवम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 13-7-1984

मोहर

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमती वन.ताबेन एम० गणात्रा ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्री हरीलाल जी० शहा ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आई०-3/37 ईई०/4233/84-85—अतः

मुझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसको पदनास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० शाप नं० 1, ग्राउण्ड फ्लोर, मालाड चन्द्र किरण को० आपरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड, एम० वी० रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री तारीख 1 नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शाप नं० 1, ग्राउण्ड फ्लोर, मालाड चन्द्र किरण को० को० आपरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड, एम० वी० रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-3/37ईई०/1651/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 नवम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 13-7-1984

मोहर

प्रमुख आई. टी. एन. एस. -----

(1) अजय बिल्डर्स।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री महावीर पी० भंवर और अन्य।

(अन्तरिती)

(3) अन्य बिल्डर्स

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आई०-3/37 ईई०/4342/84-85-अतः मुझे
ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 6 लक्ष्मी निवास झवेरी रोड,
मुलुंड (पश्चिम) बम्बई-80 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध,
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करार-
नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है
तारीख 1 नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निम्नलिखित में दायित्व
रूप से कीमत नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आर्वापुः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 5, लक्ष्मी निवास, झवेरी रोड, मुलुंड (पश्चिम)
बम्बई-40008 में स्थित है।

अनुसूची में जैसा कि क्रम सं० आई०-3/37 ईई०/1654/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1
नवम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 13-7-1984

मोहर:

नकल जारी दी एम. एम. एम.

(उ) मै० मोती राम तोता राम।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

आरक्षक सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० अई० 3/37 ईई०/3950/84-85—अतः

मुझे, ए० लहरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० गाला नं० 15, ग्राउण्ड फ्लोर, गीतम
उद्योग भवन, भांडूप, बम्बई-78 में स्थित है (और इससे
उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 268 क ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री
है तारीख 1 नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का
परन्तु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वयित्व
में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए या छिपावे में बुद्धिमान के लिए;

नतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (2) 1. श्री बी० एम० देडिया .
2. श्रीमती शबेर बाई० जे० देडिया,
और
3. श्रीमती दमयन्ती बाई० एल० नागडा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाकीप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

गाला नं० 15, ग्राउण्ड फ्लोर, गीतम नगर, उद्योग भवन,
भांडूप बम्बई-78 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई०-3/37 ईई०/1653/
84-85 और जी सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 नवम्बर
1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 13-7-1984
मोहर :

प्रारूप. आई. टी. एन. एस. -----

(1) मै० करमाली इन्टरप्राइजेस।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री दत्तात्रय शिवराम बालम।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आई०-3/37 ईई०/4277/83-84--अतः

मुम्बै, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लैट नं० 102, ए-1 सबाह सोमवार
बाजार बाम्बे टाकज कम्पाउण्ड के पीछे एस० नं० 388/2,
मालाड (पश्चिम) बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम
प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 नवम्बर,
1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
जो, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 102, ए-1 सबाह सोमवार बाजार, बाम्बे
टाकज कम्पाउण्ड के पीछे, एस० नं० 388/2, मालाड
(पश्चिम), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्रम सं० आई० 3/37 ईई०/1652/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 नवम्बर
1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 13-7-1984

मोहरः

प्रकल्प आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई, 1984

निर्देश सं० आई०-3/37-ई० ई०/4148/84-85—अतः

मुझे ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 35, भागीरथी विला, 3री मंजिल
अमृत नगर, घाटकोपर, बम्बई-86 में स्थित है (और इससे
उपानुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क;
ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री
है, तारीख 1-11-83 को

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बन्धु प्रतिपाद से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उपबन्ध से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स ग्रेट इण्टरप्राइजेज,

(अन्तरक)

(2) श्री एम० के० भास्करन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ:

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 35, भागीरथी विला, 3री मंजिल, अमृत
नगर, घाटकोपर, बम्बई-86 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० अ० ई०-3, 37-ई० ई०/
1586/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा
दिनांक 1-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 13-7-1984

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई, 1984

निर्देश सं० अ० ई०-3/37-ई० ई०/4297/84-85—

अतः मुझे ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० आन 2री मंजिल, गोविन्द सदन, गोरस वाडी, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-11-83

और पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दृश्यत्व में कमी करने या उससे बचने में सूचना के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचना के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री दयाराम जी० देवल

(अन्तरक)

(2) श्री तारलोकसिंग एम० शेरा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० आन 2री मंजिल, गोविन्द सदन, गोरस वाडी, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अ० ई०-3/37-ई० ई०/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 13-7-1984

मोहर :

प्रकरण बारह टी. एन. एस.-----

(1) मेमर्स मजिथीया इण्टरप्राइज

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती निता मोहनलाल भाटिया।

(अन्तर्गति)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई, 1984

निर्देश सं० अ० ई०-3/37-ई० ई०/4292/84-85—

अतः मुझे ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आफिस नं० 43-ए, 1ली मंजिल, लक्ष्मी-नारायण आर्पिंग सेंटर, पोदार रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-64 में स्थित है (और हमसे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-11-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में अधिन नहीं किया गया है :—

(अ) अन्तरण में हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता कांहे था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्वय में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

41-196 GI/84

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के भास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—हममें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आफिस नं० 43-ए, 1ली मंजिल, लक्ष्मीनारायण आर्पिंग सेंटर, पोदार रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अ० ई०-3/37 ई० ई०/1639/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए०.लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 13-7-1984

मोहर :

राज्य बाई.टी.एन.एस.-----

1. श्री पी० के० गोपीनाथ ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती जया के० नायर ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई, 1984

निर्देश सं० अ० ई०-3/37 ई० ई०/4156/83-84--

ए० लहिरी
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० प्लेट नं० 6, 1ली मंजिल, बाकोला स्फूर्ती
को-आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, दत्त मंदिर रोड, बाकोला,
सांताक्रूस (पूर्व) में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर
प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-11-83
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूके यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
थाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

यदि यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन से सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन आय के अन्तरक के
अन्तरण से होने वाली आय के अन्तरण से होने वाली
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या बिना ज्ञान अधिष्ठा या विज्ञान में सविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसूचन
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

प्लेट नं० 6, 1ली मंजिल, बाकोला स्फूर्ती को-आप०
हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, दत्त मंदिर रोड, बाकोला, सांताक्रूस
(पूर्व), बम्बई-55 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० अ० ई०-3/37 ई० ई०/1617/83-84
और जो साम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज III, बम्बई

दिनांक : 13-7-1984

मोहर :

प्रकरण आई. टी. एन. एस. -----

(1) श्री रजि० वि० जोस

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 (घ) (1) के अधीन सूचना

(2) श्री पि० वि० मोहनराव

(अन्तरिकी)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

अर्जन रेंज, एरणाकुलम कोच्चिन-16

एरणाकुलम, दिनांक 16 जुलाई 1984

निर्देश सं० एन० सी० 695/84-85—अन० मुझे,

बि० रविबालन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो आलुवाई में
स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आलुवाई में
'रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
22-नवम्बर 1983को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अंतरण या हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
वापिस में कमी करने या उक्त कमी से मुक्ति
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्धु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

धनसूची

उप-रजिस्ट्रि कार्यालय, आलुवाई, तारीख 22-11-1983
के दस्तावेज सं० 5029/83 में सलगन अनुसूची के अनुसार
आलुवाई बिलेज में सर्वे सं० 295/7 में 9.25 सेन्ट भूमी।

बि० रविबालन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख 16-7-1984

मोहर :

संघ लोक सेवा आयोग

नोटिस

आशुलिपिक परीक्षा, 1985

नई दिल्ली, दिनांक 18 अगस्त 1984

सं० एक० 11/3/84—प० I (ख)—भारत के राजपत्र दिनांक 18 अगस्त, 1984 में गृह मंत्रालय (कामिक और प्रशासनिक सुधार विभाग) द्वारा प्रकाशित नियमों के अनुसार नीचे दिये गये पैरा 2 में उल्लिखित सेवाओं और पदों की अस्थायी रिक्तियों में भर्ती के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा अकरतला, अहमदाबाद, ऐजल, इलाहाबाद, बंगलौर, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, चण्डीगढ़, कोचीन, कटप, दिल्ली, वियापुर (गोहाटी), हैदराबाद, इम्फाल, ईटानगर, जयपुर, जम्मू, जोरहाट, कोहिमा, लखनऊ, मद्रास, नागपुर, पणजी (गोवा), पटना, पोर्ट ब्लेयर, रायपुर, शिलांग, श्रीनगर, तिरुपति, त्रिवेन्द्रम, उदयपुर, विशाखा-पत्तनम तथा विदेश स्थित कुछ चुने हुए भारतीय मिशनों में 3 फरवरी 1985 से एक प्रतियोगिता परीक्षा ली जाएगी :—

आयोग यदि चाहे तो उक्त परीक्षा के उपर्युक्त केंद्रों तथा मारगों में परिवर्तन कर सकता है। यद्यपि उम्मीदवारों को उक्त परीक्षा के लिए उनकी पसन्द के केंद्र देने के तथा प्रयास किए जाएंगे तो भी आयोग परिस्थितिवश किसी उम्मीदवार को अपना विवेक पर अलग केंद्र दे सकता है। जिन उम्मीदवारों को उक्त परीक्षा में प्रवेश दे दिया जाता है उन्हें समय मारणी तथा परीक्षा स्थल (स्थलों) की जानकारी दे दी जाएगी। (अनुबन्ध I, पैरा 11 देखिए।)

2. इन परीक्षा के परिणाम के आधार पर जिन सेवाओं और पदों पर भर्ती की जानी है, उनके नाम और विभिन्न सेवाओं और पदों से संबंधित रिक्तियों की अनुमानित संख्या निम्नलिखित है :—

- (i) भारतीय विदेश सेवा (ख) :—
(आशुलिपिक उप-संवर्ग का ग्रेड-II)
- (ii) रेलवे बोर्ड सचिवालय सहो-ब्राकर सेवा—ग्रेड ग (उपत ग्रेड की चयन-सूची में सम्मिलित करने हेतु)
- (iii) केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा—ग्रेड ग (उपत ग्रेड का चयन सूची में सम्मिलित करने के लिए)
- (iv) मणस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा—ग्रेड-ग।
- (v) भारत सरकार के कुछ अन्य विभागों/संगठनों तथा संबद्ध कार्यालयों में आशुलिपिकों के पद जो भारतीय विदेश सेवा (ख) रेल बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा/केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक/मणस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा में सम्मिलित नहीं हैं।

*रिक्तियों सरकार द्वारा सूचित नहीं की गई हैं।

**अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या, यदि कोई है, तो सरकार द्वारा निर्धारित की जाएगी।

उपर्युक्त रिक्तियों की संख्या में परिवर्तन किया जा सकता है।

3. उम्मीदवार उपर्युक्त पैरा 2 में उल्लिखित सेवाओं/पदों में से एक या इनसे अधिक के बारे में परीक्षा में प्रवेश हेतु आवेदन भेज सकता है।

यदि कोई उम्मीदवार एक से अधिक सेवाओं/पदों के लिए परीक्षा में प्रवेश पाना चाहता हो तो भी उसे एक ही आवेदन-पत्र भेजने की आवश्यकता है। नीचे पैरा 2 में उल्लिखित शुरुआत भी उसे केवल एक ही बार देना होगा, उस प्रत्येक सेवा/पद के लिए अलग-अलग नहीं, जिसके लिए वह आवेदन कर रहा है।

टिप्पणी :— इस परीक्षा के माध्यम से भर्ती करने वाले भारत सरकार के कुछ विभागों/कार्यालयों को केवल अग्रेजी आशुलिपिक की ही आवश्यकता होगी; और इस परीक्षा के परिणामों के आधार पर इन विभागों/कार्यालयों में आशुलिपिक के पदों पर नियुक्ति केवल उन्हीं उम्मीदवारों में से की जाएगी जिन्हें लिखित परीक्षा तथा अग्रेजी के आशुलिपिक परीक्षण के आधार पर आयोग द्वारा अनुमति दी जाएगी (द्रष्टव्य : नियमावली के परिशिष्ट I का पैरा 4)।

4. उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्र में यह स्पष्ट रूप से बतलाना होगा कि वह कितने सेवाओं/पदों के लिए विचार किए जाने का इच्छुक है। उसे सलाह दी जाती है कि वह अपनी इच्छानुसार एक से अधिक बरीयताओं का उल्लेख करे ताकि योग्यता कम में उनके स्थान का ह्यान में रखते हुए नियुक्ति करते समय उनकी बरीयताओं पर सही भाँति विचार किया जा सके।

उम्मीदवारों द्वारा निदिष्ट उन सेवाओं/पदों के बरीयता क्रम में परिवर्तन से सम्बद्ध किसी अनुरोध पर तब तक विचार नहीं किया जाएगा जब तक ऐसा अनुरोध "रोजगार समाचार" में लिखित परीक्षा के परिणामों के प्रकाशन की तारीख से 30 दिन के अन्दर संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में प्राप्त नहीं हो जाय।

5. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार को निर्धारित आवेदन-प्रपत्र पर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 का आवेदन करना चाहिए। निर्धारित आवेदन-प्रपत्र तथा परीक्षा से संबंधित पूर्ण विवरण दो रूप में भेजकर आयोग से डाक द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं। यह राशि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को मनी-ऑर्डर या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली जनरल डाक घर पर देव भारतीय पोस्टल ऑर्डर द्वारा भेजी जानी चाहिए। मनी-ऑर्डर/पोस्टल ऑर्डर के स्थान पर चेक या क्रेडिट नोट स्वीकार नहीं किए जाएंगे। वे आवेदन-प्रपत्र आयोग के काउंटर पर नकद भुगतान द्वारा भी प्राप्त किए जा सकते हैं। दो रुपये की यह राशि किसी भी हालत में वापस नहीं की जाएगी।

टिप्पणी :— उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्र आशुलिपिक परीक्षा 1985 के लिए निर्धारित मुद्रित प्रपत्र में ही प्रस्तुत करें। आशुलिपिक परीक्षा 1985 के लिए निर्धारित प्रपत्रों से इतर प्रपत्रों पर भरे हुए आवेदन-पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

6. भरा हुआ आवेदन-पत्र आवश्यक प्रलेखों के साथ सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को 15 अक्टूबर, 1984 (15 अक्टूबर, 1984 से पहले की किसी तारीख से अमम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिज़ोरम, मणिपुर, नागालैंड, त्रिपुरा, निम्बिकम, जम्मू और काश्मीर राज्य के महानगर प्रभाग, डिमाचल प्रदेश के माहीन स्पीति जिले, तथा चम्पा जिले के पांगी उपमंडल,

अख्तियार और निकोबार द्वीपसमूह या लक्षद्वीप और विदेशों में रहने वाले उम्मीदवारों के और जिन उम्मीदवारों के आवेदन उपर्युक्त में से किसी एक इलाके में डाक द्वारा प्राप्त होते हैं उनके मामले में 29 अक्टूबर, 1984 तक या उससे पहले डाक द्वारा अवश्य भिजवा दिया जाए या स्वयं आयोग के काउन्टर पर आकर जमा कर दिया जाए। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू और काश्मीर राज्य के लक्षाक्ष प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले तथा चम्पा जिले के पांगी उपमण्डल, अख्तियार और निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप और विदेशों में रहने वाले उम्मीदवारों से आयोग यहि चाहे तो इन बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 15 अक्टूबर, 1984 से पहले की किसी तारीख से असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू और काश्मीर राज्य के लक्षाक्ष प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले चम्पा जिले के पांगी उपमण्डल अख्तियार और निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप या विदेशों में रह रहा था।

टिप्पणी (i) — जो उम्मीदवार ऐसे क्षेत्रों के हैं जहाँ के रहने वाले आवेदन की प्रस्तुति हेतु अतिरिक्त समय के हकदार हैं उन्हें आवेदन-पत्र के संगत कालम में अपने पत्तों में अतिरिक्त समय के हकदार इलाके या क्षेत्र का नाम बर्तित बताने, मेघालय, जम्मू तथा काश्मीर राज्य का लक्षाक्ष प्रभाग आदि स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट करना चाहिए अथवा इस बात है कि उन्हें अतिरिक्त समय का लाभ न मिले।

टिप्पणी (ii) — उम्मीदवारों को भलाह दी जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्र को स्वयं १०० ली० से० आ० के काउन्टर पर जमा करके अथवा रजिस्टर्ड डाक द्वारा भेजें। आयोग के किसी अन्य कर्मचारी को दिए गए आवेदन-पत्रों के लिए आयोग उत्तरदायी नहीं होगा।

7. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को भरे हुए आवेदन-पत्र के साथ आयोग को रु० 12.00 (बारह रुपये) [अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के मामले में रु० 3.00 (तीन रुपये)] का शुल्क भेजना होगा जो कि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के प्रधान डाक घर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल ऑर्डर या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के स्टेट बैंक आफ इण्डिया की मुख्य शाखा पर देय स्टेट बैंक आफ इण्डिया की किसी भी शाखा से जारी किए गए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट के रूप में हो।

विदेश से रहने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित शुल्क भारत के उच्च आयुक्त, राजदूत या विदेश स्थित प्रतिनिधि के कार्यालय में इस अनुरोध के जमा करना होगा ताकि वह "051 लोक सेवा आयोग-परीक्षा शुल्क" के लेखा शीर्ष में जमा हो जाए, और आवेदन पत्र के साथ उसी सीब लगाकर भेजनी चाहिए।

जिन आवेदन-पत्रों में यह अपेक्षा पूरी नहीं होगी उन्हें आयोग अस्वीकार कर दिया जाएगा। यह उन उम्मीदवारों पर लागू नहीं होता जो लोक सेवा 8 के अन्तर्गत निर्धारित शुल्क से छूट चाहते हैं।

8. आयोग यह चाहे तो उन स्थितियों में निर्धारित शुल्क से छूट दे सकता है जब वह इस बात से सन्तुष्ट हो कि आवेदक या तो 1 जनवरी, 1964 से और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्ला देश) से भारत आया हुआ वास्तविक निवासी है या वर्मा से वास्तविक रूप में प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है या वह श्रीलंका से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है, जो अक्टूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के अन्तर्गत 1 नवम्बर, 1964 को या

उसके बाद भारत आया है या आने वाला है या नत्कालीन पश्चिमी पाकिस्तान से वास्तविक निवासी व्यक्ति है, जो 1 जनवरी, 1971 और 31 मार्च, 1973 के बीच की अवधि के दौरान भारत प्रवासन कर आया था और निर्धारित शुल्क देने की स्थिति में नहीं है या निम्न परिभाषा के अनुसार भूतपूर्व सैनिक है :—

"भूतपूर्व सैनिक" का अभिप्राय उस व्यक्ति से है जिसने संघ की सशस्त्र सेनाओं (संघ की नौसेना, बल सेना या वायु सेना) में जिसमें भारत का भूतपूर्व रियासतों की सशस्त्र सेना सम्मिलित है, तथा असम राक्षस गैंग रक्षा कोर, जनरल रिजर्व इंडीनियर फोर्स, जम्मू और काश्मीर मिनीशिया लोक सहायक सेना, प्रादेशिक सेना सम्मिलित नहीं है, किसी भी रैंक (सङ्गातू या गैर-सङ्गातू) में शपथ ग्रहण के बाद 15 अक्टूबर 1984 को कम से कम छह माह की अवधि तक लगातार सेवा कर ली है, और

(1) जो कदाचार या अधमता के कारण बर्खास्त या सेवा मुक्त होने या इस कारण निर्मुक्त होने तक रिजर्व में स्थानान्तरित न होकर अव्यथा निर्मुक्त हुआ है, अथवा

(2) जिसे निर्मुक्त होने तक या रिजर्व में स्थानान्तरित होने का हकदार बनने के लिए आवश्यक सेवावधि पूरी करने हेतु 15 अक्टूबर, 1984 को 6 मास या इससे कम सेवा करनी है।

(3) जो संघ की सशस्त्र सेनाओं में पांच वर्ष की सेवा पूरी करने के बाद अपनी प्रार्थना पर निर्मुक्त हुआ है।

9. जिन उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क का भुगतान कर दिया हो किन्तु उसे आयोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया तो उसे रु० 3.00 (तीन रुपये) [अनुसूचित जातियों और जन जातियों के मामले में 1.00 रु० (एक रुपया)] की राशि वापस कर दी जाएगी।

उपर्युक्त या नीचे पैरा 10 में उपबोधित व्यवस्था का ठोड़कर अन्य किसी दावे की स्थिति में आयोग को भुगतान किए गए शुल्क की वापसी के किसी भी दावे पर न तो विचार किया जाएगा और न ही शुल्क को किसी अन्य परीक्षा या अर्थ के लिए आरक्षित रखा जा सकेगा।

10. यदि कोई उम्मीदवार 1984 में लो गरी आधुनिक परीक्षा में बैठे हो और अब इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन करना चाहता हो तो उसे परीक्षा फल या नियुक्ति प्रस्ताव की प्रतीक्षा किए बिना ही अपना आवेदन-पत्र आयोग के पास देना चाहिए ताकि वह निर्धारित तारीख तक आयोग के कार्यालय में पहुँच जाए। यदि वह 1984 के परीक्षा फल के आधार पर नियुक्ति हेतु अनुसूचित कर दिया जाता है तो उसके अनुरोध पर 1985 की परीक्षा के लिए उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और उसको उम्मी प्रकार शुल्क लौटा दिया जाएगा जिस प्रकार उन उम्मीदवार को लौटा दिया जाता है जिसे परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाता बगैर कि उम्मीदवारी रद्द करने और शुल्क वापस करने का अनुसूचित आयोग के कार्यालय में 1984 की परीक्षा के अंतिम परिणाम के "रोजगार समाचार" में प्रकाशन की तारीख से 30 दिन के अन्दर या इससे पूर्व प्राप्त हो जाए।

11. आवेदन-पत्र प्रस्तुत करने के बाद उम्मीदवारी की बागमी के लिए उम्मीदवार के किसी प्रकार के अनुरोध पर किसी भी परिस्थिति में विचार नहीं किया जाएगा।

• 12. जैसा कि परीक्षा नियमावली के परिशिष्ट में उल्लिखित परीक्षा योजना में निर्दिष्ट किया गया था सामान्य श्रेणी और सामान्य ज्ञान के प्रश्न-पत्रों में वस्तुपरक प्रश्न पूछे जाएंगे। तमूने के प्रश्न सहित वस्तुपरक परीक्षण सम्बन्धी व्योरे के लिए कृपया "उम्मीदवार सूचना-विवरणिका" के अनुबन्ध II का अवलोकन करें।

एस० बाबूकुण्डन
उप सचिव
संघ लोक सेवा आयोग

अनुबन्ध-1

उम्मीदवारों की अनुबन्ध

1. उम्मीदवारों का चाहिए कि आवेदन-पत्र भरने से पहले नोटिस और नियमावली का ध्यान से पढ़ कर यह देखें कि वे परीक्षा में बैठने के पात्र हैं या नहीं। निर्धारित शर्तों में छूट नहीं दी जा सकती।

आवेदन-पत्र भेजने से पहले उम्मीदवार को नोटिस के पैरा 1 में दिए गए केंद्रों में से किसी एक को जहाँ वह परीक्षा देने का इच्छुक है अंतिम रूप से चुन लेना चाहिए।

जो उम्मीदवार किसी विदेश स्थित भारतीय मिशन में परीक्षा देना चाहता हो उसमें आधुनिक परीक्षण के लिए अपने ही खर्च पर विशेष स्थित किसी भी ऐसे भारतीय मिशन में बैठने के लिए कहा जा सकता है जहाँ इस प्रकार का परीक्षण आयोजित करने के लिए आवश्यक प्रबन्ध उपलब्ध हों।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि केंद्र में परिवर्तन से सम्बन्ध अनुरोध को नामावधिक स्वीकार नहीं किया जाएगा। किन्तु जब कोई उम्मीदवार अपने उस केंद्र में परिवर्तन चाहता है जो उसने उक्त परीक्षा हेतु अपने आवेदन में निविष्ट किया था तो उसे सचिव, सघ लोक सेवा आयोग को इस बात का पूरा औचित्य बताते हुए एक पत्र रजिस्टर्ड डाक से अवश्य भेजना चाहिए कि वह केंद्र में परिवर्तन क्यों चाहता है। ऐसे अनुरोधों पर गुणवत्ता के आधार पर विचार किया जाएगा किन्तु 3 जनवरी, 1985 के बाद प्राप्त अनुरोधों को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

2. उम्मीदवार को आवेदन-पत्र तथा पावती काष्ठ अपने हाथ से ही स्वाही से या बाल फ्लाईट पेन से भरने चाहिए। अधूरा या गलत भरा हुआ आवेदन-पत्र अस्वीकार कर दिया जाएगा।

टिप्पणी :- उम्मीदवारों को उक्त परीक्षा की नियमावली के परिभाषा 1 के पैरा 4 के अनुसार अपने आवेदन-पत्र के कालम 8 में स्पष्ट रूप से उस भाषा का उल्लेख कर देना चाहिए जिसमें वे निबन्ध के प्रश्न-पत्रों का उत्तर देने के इच्छुक हैं तथा आधुनिक परीक्षण देना चाहते हैं। एक बार दिया गया विकल्प अंतिम माना जाएगा और उक्त कालम में परिवर्तन करने से सम्बन्ध किसी भी अनुरोध को स्वीकार नहीं किया जाएगा। यदि उक्त कालम में कोई भी प्रविष्टि नहीं की गई होगी तो यह मान लिया जाएगा कि उक्त प्रश्न-पत्र का उत्तर तथा आधुनिक का परीक्षण संश्लेषी में दिया जाएगा।

उम्मीदवार यह ध्यान रखें कि आवेदन-पत्रों को भरते समय भारतीय अंकों के अन्तर्राष्ट्रीय रूप का प्रयोग किया जाना है। चाहे माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्र या इसके समकक्ष प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीख हिन्दी अंकों में दर्ज हो तो उम्मीदवार को सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि जो आवेदन-पत्र वह प्रयोग में लाता है उसमें उसकी प्रविष्टि करने समय भारतीय अंकों के अन्तर्राष्ट्रीय रूप ही प्रयोग में लाए जाएं। वे इस बात का विशेष ध्यान रखें कि आवेदन-पत्र में की गई प्रविष्टियाँ स्पष्ट और सुपाठ्य हों। यदि प्रविष्टियाँ अपाठ्य या भ्रमक होंगी तो उनके निबन्धन में होने वाले भ्रम तथा संदिग्धता के लिए उम्मीदवार उत्तरदायी होंगे।

उम्मीदवारों का ध्यान रखना चाहिए कि आयोग द्वारा आवेदन-पत्र में उनके द्वारा की गई प्रविष्टियों को बदलने के लिए कोई पत्र आदि स्वीकार नहीं किया जाएगा। इसलिए उन्हें आवेदन-पत्र सही रूप में भरने के लिए विशेष सावधानी बरतनी चाहिए।

सभी उम्मीदवारों को चाहे वे पहले से सरकारी नौकरी में हों या सरकारी औद्योगिक उद्योगों में या इसी प्रकार के अन्य संगठनों में हों या गैर-सरकारी संस्थाओं में नियुक्त हों अपने आवेदन-पत्र आयोग को संधि भेजने चाहिए। अगर किसी उम्मीदवार ने अपना आवेदन-पत्र

नियोजता के द्वारा भेजा हो और वह सघ लोक सेवा आयोग में देर से पहुँचा हो तो उस आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जायेगा। भले ही वह नियोजता को आखिरी तारीख के पहले प्रस्तुत किया गया हो।

जो व्यक्ति पहले से सरकारी नौकरी में आकस्मिक या दैनिक दर कर्मचारी से हतर स्थायी या अस्थायी हैसियत से या कार्य प्रभारित कर्मचारियों की हैसियत से काम कर रहे हों या वे लोक उद्यमों में सेवास्त हों उन्हें यह परिचयन (अड्जस्टिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने विभिन्न रूप से अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए आवेदन किया है।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि यदि आयोग का उनका नियोजता से उनके उक्त परीक्षा के लिए आवेदन करने/परीक्षा में बैठने से सम्बन्ध अनुमति प्राप्त हो गई हो तो कोई पत्र भिजना है तो उनका आवेदन-पत्र अस्वीकृत कर दिया जाएगा/उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी।

3. उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के साथ निम्नलिखित प्रलेख अवश्य भेजने चाहिए :-

- (i) निर्धारित शुल्क के लिए ग्राहकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर या बैंक ड्राफ्ट अथवा शुल्क में छूट का दावा करने के लिये प्राप्त प्रमाण-पत्र की प्रमाणित/अनुप्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नोटिस के पैरा 7 और 8 और नीचे पैरा 6)।
- (ii) अनु के प्रमाण-पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।
- (iii) औषध याग्यना के प्रमाण-पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।
- (iv) उम्मीदवार का हस्तक्षेप के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें० सें० x 7 सें० सें०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियाँ जिनमें से एक प्रति आवेदन-पत्र पर चिपकी हो और दूसरी प्रति उपस्थित पत्रक पर निर्धारित स्थान पर चिपकी हो।
- (v) जहाँ लागू हो वहाँ अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति का होने के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 4)।
- (vi) जहाँ लागू हो वहाँ आय में छूट के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि [देखिए नीचे पैरा 5 (घ)]।
- (vii) उपस्थित पत्रक (आवेदन-पत्र के साथ अधिवक्ता परकर संलग्न)।
- (viii) बिना टिकट लगे हुए दो तिकाफे (लगभग 11.5 सें० सें० x 21.5 सें० सें०) जिन पर अपना पता लिखा हो।

टिप्पणी (1) :- उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्रों के साथ उपर्युक्त सब (ii), (iii), (v) तथा (vi) पर उल्लिखित प्रमाण-पत्रों की केवल प्रतिलिपियाँ ही प्रस्तुत करनी हैं जो सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी द्वारा अनुप्रमाणित हो अथवा स्वयं उम्मीदवारों द्वारा सही प्रमाणित हों। जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा के परिणाम के आधार पर आधुनिक परीक्षण के लिए अर्हता प्राप्त कर लेते हैं उन्हें लिखित परीक्षा के परिणाम घोषित किए जाने के तुरन्त बाद उपर्युक्त प्रमाण-पत्रों की मूल प्रतियाँ प्रस्तुत करनी होंगी। परिणामों के 1985 के मई भाग में घोषित किए जाने का भावना है। उम्मीदवारों को इन प्रमाण-पत्रों की उस समय तैयार रखना चाहिए तथा लिखित परीक्षा के परिणाम की घोषणा के तुरन्त

वाद उन्हें आयोग को प्रस्तुत कर देना चाहिए। जो उम्मीदवार उस समय अपेक्षित प्रमाण-पत्रों को मूल रूप में प्रस्तुत नहीं करते हैं उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और वे उम्मीदवार पुनः विचार किए जाने का दावा नहीं कर सकेंगे।

टिप्पणी (ii):— उम्मीदवारों से यह अपेक्षा की जाती है कि आवेदन-पत्र के साथ भेजे जाने वाले प्रमाण-पत्रों की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतियों पर अपने हस्ताक्षर करके भेजें तथा उस पर तारीख भी लिखें।

सब (i) से (iv) में उल्लिखित प्रलेखों के विवरण नीचे दिए गए हैं और सब (v) और (vi) में उल्लिखित प्रलेखों के विवरण पैरा 4, 5 और 6 में दिए गए हैं।—

(1) (क) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए गए भारतीय पोस्टल आर्डर :—

प्रत्येक पोस्टल आर्डर अनिवार्य रूप से रेखांकित किया जाए तथा उस पर :—“मन्त्रि, संघ लोक सेवा आयोग को दिल्ली के प्रधान हाकधर पर देय” लिखा जाना चाहिए।

किसी अन्य ठाक पर पर देय पोस्टल आर्डर किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरूपित या कटे-फटे पोस्टल आर्डर भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

सभी पोस्टल आर्डरों पर जारी करने वाले पोस्ट मास्टर के हस्ताक्षर और जारी करने वाले हाकधर की स्पष्ट मुहर होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को अवश्य ध्यान रखना चाहिए कि जो पोस्टल आर्डर न तो रेखांकित किए गए हों और न मन्त्रि, संघ लोक सेवा आयोग को नहीं दिल्ली जनरल डाक घर पर देय किए गए हों उन्हें भेजना सुगम नहीं है।

(ख) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट :—

बैंक ड्राफ्ट स्टेट बैंक आफ इंडिया की किसी शाखा से लिया जाना चाहिए और मन्त्रि, संघ लोक सेवा आयोग को स्टेट बैंक आफ इंडिया की मुख्य शाखा नहीं दिल्ली से देय होना चाहिए तथा विहित रेखांकित होना चाहिए।

किसी अन्य बैंक के नाम देय किए गए बैंक ड्राफ्ट किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरूपित या कटे-फटे बैंक ड्राफ्ट भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

टिप्पणी :— उम्मीदवारों को अपने आवेदन पत्र प्रस्तुत करते समय बैंक ड्राफ्ट की पिरछी और तिर्रे पर अपना नाम तथा पता लिखना चाहिए। पोस्टल आर्डरों के मामले में उम्मीदवार पोस्टल आर्डर के पिरछी और इस प्रयोजन के लिए निर्धारित स्थान पर अपना नाम तथा पता लिखें।

(ii) आयु का प्रमाण पत्र :—आयोग जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मेट्रिकुलेशन या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण पत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मेट्रिकुलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण-पत्र या किसी विश्वविद्यालय द्वारा अनुरक्षित मेट्रिकुलेटों के रजिस्टर में दर्ज की गई हो और वह उद्धरण विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित हों। जो उम्मीदवार उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उसकी समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुका है वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण-पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत कर सकता है।

आयु के संबंध में कोई अन्य दस्तावेज जैसे जन्म डूबली, गणपपत्र, नगरनिगम, सेवा अभिलेख में प्राप्त जन्म संबंधी उद्धरण तथा अन्य ऐसे ही प्रमाण स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

अनुदेशों के इस भाग में आये हुए मेट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र वाक्यांश के अन्तर्गत उपर्युक्त नैतिक प्रमाण-पत्र सम्मिलित है।

कभी-कभी मेट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीख नहीं होती या आयु के केवल पूरे वर्ष या वर्ष और महीने ही दिए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवारों को मेट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के अनुरिक्त उप-स्थान के हेडमास्टर/प्रिंसिपल से लिए गए प्रमाण-पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहाँ से उसने मेट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण की हो। इस प्रमाण-पत्र में उस संस्था के दालिवा रजिस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या वास्तविक आयु लिखी होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन पत्र के साथ इन अनुदेशों में यथा निर्धारित आयु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

टिप्पणी (1)— जिस उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करने के बाद प्राप्त माध्यमिक विद्यालय प्रमाण-पत्र हो उसे केवल आयु से सम्बद्ध प्रविष्टि वाले पृष्ठ की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए।

टिप्पणी (2)— उम्मीदवार यह ध्यान दें कि आयोग उम्मीदवार की जन्म की उसी तारीख को स्वीकार करेगा जो कि आवेदन पत्र प्रस्तुत करने की तारीख को मेट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण पत्र या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण पत्र में दर्ज है और इसके बाद उसमें परिवर्तन के किसी अनुरोध पर न तो विचार किया जाएगा और न उसे स्वीकार किया जाएगा।

टिप्पणी (3)— उम्मीदवार यह भी नोट कर लें कि उनके द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की तारीख एक बार घोषित कर देने और आयोग द्वारा उसे अपने अभिलेख में दर्ज कर लेने के बाद में या किसी परीक्षा में परिवर्तन करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

टिप्पणी (4)— जो उम्मीदवार (i) किसी मान्यताप्राप्त उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, (ii) इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन के लिए विद्यार्थियों को तैयार करते वाले किसी मान्यता प्राप्त स्कूल, (iii) श्री अरविंद अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा केन्द्र पांडिचेरी का द्वार सैक्रेटरी बोर्ड या (iv) दिल्ली पाण्टिकनिक के तकनीकी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की दसवीं कक्षा में उत्तीर्ण हो, उसे सम्बद्ध स्कूल के प्रिंसिपल से पैरा 3(iii) के नीचे नोट 3 के बाद निर्धारित प्रपत्र पर लिया गया आयु का प्रमाण-पत्र अवश्य भेजना चाहिए और उसके अतिरिक्त आयु के प्रमाण के रूप में कोई अन्य प्रमाण-पत्र अपेक्षित नहीं होगा।

टिप्पणी (5)— जो उम्मीदवार पहले से ही स्थायी सरकारी सेवा में हों, उनकी सेवा पुस्तिका की प्रविष्टियों को जन्म की तारीख और वैधिक योग्यताओं के प्रमाण के रूप में स्वीकार किया जा सकता है।

(iii) वैधिक योग्यता का प्रमाण पत्र :— उम्मीदवार को एक ऐसे प्रमाण-पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि अवश्य भेजनी चाहिए जिससे इस बात का प्रमाण मिल सके कि नियम 7 में निर्धारित योग्यताओं में से कोई एक योग्यता उसके पास है। भेजा गया प्रमाण पत्र उस प्राधिकारी (अर्थात् विश्वविद्यालय या किसी अन्य परीक्षा निकाय) का होना चाहिए जिससे उसे योग्यता विशेष प्रदान

की हो। यदि ऐसे प्रमाण-पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि न भेजी जाए तो उम्मीदवार को उरी न भेजने का कारण अवश्य बताना चाहिए और अपेक्षित योग्यता से सम्बद्ध अपने दावे के समर्थन में किसी अन्य प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि भेजनी चाहिए। आयोग इस साक्ष्य पर उगकी गुणवत्ता के आधार पर विचार करेगा किन्तु यह उसे पर्याप्त मानने के लिए बाध्य नहीं होगा।

टिप्पणी 1 :—जो उम्मीदवार किसी ऐसी परीक्षा में बैठ चुका हो जिसमें उत्तीर्ण होने पर वह आयोग का इस परीक्षा में बैठने के लिए शैक्षिक रूप से योग्य हो जाती है किन्तु उन्हें परिणाम की सूचना नहीं मिली हो और वह ऐसी अर्हक परीक्षा में बैठने का इरादा रखता है तो वह आयोग की इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए पात्र नहीं होगा।

टिप्पणी 2 :—जिस उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करके माध्यमिक विद्यालय छोड़ने का प्रमाण-पत्र हो उसे उस प्रमाण-पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के साथ केवल एस० एस० एल० सी० परीक्षा परिणाम की प्रविष्टि वाले पृष्ठ की प्रतिलिपि भेजनी चाहिए।

टिप्पणी 3 :—जो उम्मीदवार (i) किसी मान्यताप्राप्त उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (ii) इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन विद्यार्थियों को तैयार करने वाले किसी मान्यताप्राप्त स्कूल (iii) श्री अरविन्द अन्तर्राष्ट्रीय शिक्षा केन्द्र पांडिचेरी का हायर सेकेंडरी कोर्स या (vi) दिल्ली पोलीटेक्नीक के तकनीकी माध्यमिक विद्यालय की दसवीं कक्षा में उत्तीर्ण हो उसे सम्बद्ध स्कूल के प्रिंसिपल/हेडमास्टर से नीचे नोट में निर्धारित फार्म पर लिया गया शैक्षिक योग्यता प्रमाण-पत्र अवश्य भेजना चाहिए।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म दृष्टव्य पैग 3 (ii) या नोट 4 और उपर्युक्त नोट (3) प्रमाणित किया जाता है।

(1) श्री/श्रीमती/कुमारी*

सुपुत्र/सुपुत्री* श्री

इस विद्यालय की _____ कक्षा में जो कि हायर सेकेंडरी इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन/श्री अरविन्द अन्तर्राष्ट्रीय शिक्षा केन्द्र, पांडिचेरी के हायर सेकेंडरी पाठ्यक्रम* दिल्ली पोलीटेक्नीक तकनीकी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के पाठ्यक्रम की उपांतिम कक्षा है उत्तीर्ण है।

(2) इस विद्यालय के वाकिना रजिस्टर में दर्ज की गई उनकी जन्म की तारीख _____ है इस तारीख की स्थानांतरण प्रमाण-पत्र/विद्यालय में विद्यार्थी के दाखिले के समय उगकी और से प्रस्तुत किए गए विवरण* से पुष्टि कर ली गई है।

तारीख _____

हेडमास्टर/प्रिंसिपल* हस्ताक्षर

स्थान _____

(विद्यालय का नाम)

*जो शब्द लागू न हों उन्हें काट दें।

(iv) फोटो की दो प्रतियाँ:—उम्मीदवार को अपने हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें० मी० x 7 सें० मी०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियाँ अवश्य भेजनी चाहिए। इनमें से एक प्रति आवेदन-पत्र के पहले पृष्ठ पर और (अन्य प्रति उपस्थिति पत्रक में निर्धारित स्थान पर चिपका देनी चाहिए) फोटो की प्रत्येक प्रति के ऊपर उम्मीदवार को स्पष्टी से हस्ताक्षर करने चाहिए।

ध्यान दें:—उम्मीदवार को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ ऊपर पैग 3 (ii), 3 (iii) और 3 (iv) में उल्लिखित प्रमाण-पत्र आदि में से कोई एक संलग्न न होगा और उसे भेजने का उचित स्पष्टीकरण भी न दिया गया होगा तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है और इस अस्वीकृति के विरुद्ध कोई अपील नहीं सुनी जाएगी।

4. यदि कोई उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का होने का दावा करे तो उसे अपने दावे के समर्थन में उस जिले

के जिनके माता-पिता (या जीवन माता या पिता) आमतौर से रहते हों जिनका अधिकांश या उस मंडल अधिकारी या नीचे उल्लिखित किसी अन्य अधिकारी के जिले सम्बद्ध राज्य सरकार ने यह प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम प्राधिकारों के रूप में पर नामित किया हो नीचे दिए गए फार्म में प्रमाण-पत्र लेकर उसका एक अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि उम्मीदवार के माता-पिता दोनों की मृत्यु हो गई हो तो यह प्रमाण-पत्र उस जिले के अधिकारी से लिया जाना चाहिए जहाँ उम्मीदवार छात्री शिक्षा से भिन्न किसी अन्य प्रयोजन से कामगार पर रखा है।

भारत सरकार के अधीन पदों पर नियुक्ति के लिए आवेदन करने वाले अनुसूचित जाति और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म:—

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी*

सुपुत्र/सुपुत्री* श्री

जो गांव/कस्बा*

जिला/

मंडल*

राज्य/

संघ राज्य क्षेत्र

के/

की* निवासी है

है

जानि/जन जाति/के/की है जिसे निम्नलिखित के अधीन अनुसूचित जन* जाति के रूप में मान्यता दी गई है:—

संविधान (अनुसूचित जातियाँ) आदेश 1950*

संविधान (अनुसूचित जन जातियाँ) आदेश 1950*

संविधान (अनुसूचित जातियाँ) (संघ राज्य क्षेत्र)

आदेश 1951*

संविधान (अनुसूचित जन जातियाँ) (संघ राज्य क्षेत्र)

आदेश 1951*

[य सूचित जातियाँ और अनुसूचित जन जातियाँ सूची (संशोधन) आदेश, 1956, बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, त्रिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970 उत्तर पूर्व क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम, 1971 द्वारा यथा संशोधित।]

और अनुसूचित जातियाँ तथा अनुसूचित जन जातियाँ आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1976*।

संविधान (जम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जातियाँ आदेश 1956*

*संविधान (संशोधन और निर्वाचन द्वितीय) अनुसूचित जन जातियाँ

आदेश 1959 *अनुसूचित जातियाँ तथा अनुसूचित जन जातियाँ आदेश

(संशोधन) अधिनियम 1976 द्वारा यथा संशोधित*

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जाति आदेश 1962*

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जन जातियाँ आदेश 1962*

संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियाँ आदेश 1964*

संविधान (अनुसूचित जन जातियाँ) (उत्तर प्रदेश) आदेश 1967*

संविधान (गोवा, दमन और दियू) अनुसूचित जातियाँ आदेश, 1968*

संविधान (गोवा, दमन और दियू) अनुसूचित जन जातियाँ आदेश 1968*

संविधान (नागालैंड) अनुसूचित जन जातियाँ आदेश 1970*

संविधान (मिज़ोरम)* अनुसूचित जाति आदेश 1978* संविधान (सिक्किम)

अनुसूचित जन जाति आदेश 1978*

2. श्री/श्रीमती/कुमारी*

और/या उसका परिवार आमतौर से गांव/बस्ती*

जिला/मंडल*

राज्य/

संघ राज्य क्षेत्र*

में रहते/रहती* हैं ।

हस्ताक्षर

*पदनाम

कार्यालय की मोहर सहित

स्थान

तारीख

राज्य/संघ* राज्य क्षेत्र

*जो शब्द लागू न हो, उन्हें कृपया काट दें ।

टिप्पणी:—“आमतौर पर रहता/रहती हैं” शब्दों का अर्थ वहीं होगा जो रिप्रेजेंटेशन आफ वि पीपुल ऐक्ट, 1950 की धारा में है ।

*अनुसूचित जाति/जनजाति प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए मक्षम अधिकारी ।

(i) जिला मैजिस्ट्रेट/अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट/कलेक्टर/डिप्टी कमिशनर/एडिशनल डिप्टी कमिशनर/डिप्टी कलेक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टार्चपेडरो मैजिस्ट्रेट/डिप्टी मैजिस्ट्रेट/सब डिवीजनल मैजिस्ट्रेट/ताल्लुक मैजिस्ट्रेट/एक्जीक्यूटिव मैजिस्ट्रेट/एक्सट्रा कमिस्टेंट कमिशनर ।

†(प्रथम श्रेणी के स्टार्चपेडरो मैजिस्ट्रेट के मोहरे से कम नहीं)।

(ii) चीफ प्रेसीडेंसी मैजिस्ट्रेट/एडिशनल चीफ प्रेसीडेंसी मैजिस्ट्रेट/प्रेसिडेंसी मैजिस्ट्रेट ।

(iii) रेबन्स ऑफसर जिसका ओहदा तहसीलदार से कम न हो ।

(iv) उस इलाके का मुख डिविजनल ऑफसर जहाँ उम्मीदवार और/या उसका परिवार आमतौर से रहता हो ।

(v) ऐडमिनिस्ट्रेट/ऐडमिनिस्ट्रेटर का सनिव/डेवनागोट ऑफसर लक्ष्मीप ।

5. (क) नियम 6 (ख) के अन्तर्गत धातु में छूट का दावा करने वाले आशुलिपिकों (जिसमें भाषा आशुलिपिक भी शामिल है) (कलकौ/स्टेनोटाइपिस्टों) को अपने विभाग/कार्यालय के प्रधान से निम्नलिखित प्रपत्र पर एक प्रमाण-पत्र मूल रूप में प्रस्तुत करना चाहिए ।

* (i) प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी के कार्यालय, जो भारत सरकार/संघ राज्य क्षेत्र* का विभाग कार्यालय है, में निमित्त रूप से नियुक्त आशुलिपिक के पद पर कार्य कर रहे हैं और पहली जनवरी, 1985 को आशुलिपिक/क्लर्क/स्टेनो टाइपिस्ट/प्रार० एम० एम० म.ट.र की हैमियत से उनकी लगातार सेवा 3 वर्ष की हो गई है/से कम नहीं होगी और वे इस पद पर कार्य कर रहे हैं/करते रहेंगे ।

यह भी प्रमाणित किया जाता है कि वे पहले संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित परीक्षा के परिणामों के आधार पर के० म० आ० से०/रे० बा० म० आ० से०/आई० एफ० एन० रो० जगुनिवि० उ० म० म०/मणम० गे० गृहमन्त्र आशुलिपिक सेवा* में नियुक्त नहीं हुए हैं ।

* (ii) प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी* के कार्यालय जा भारत सरकार*/संघ का विभाग/कार्यालय है, में नियमित रूप से क्लर्क/स्टेनोटाइपिस्ट/रेल-डाक सेवा के क्लर्क/आशुलिपिक के पद पर लगातार कार्य कर रहे हैं और

पहली जनवरी, 1985 को क्लर्क/स्टेनोटाइपिस्ट/रेल डाक सेवा के सार्टर/आशुलिपिक की हैमियत से उहाँ लगातार सेवा 3 वर्ष की हो गई है/से कम नहीं होगी और वे इस पद पर कार्य कर रहे हैं/करते रहेंगे ।

दिनांक

हस्ताक्षर

महत्वा

पदनाम

स्थान

महत्वा/कार्यालय

कार्यालय की मोहर

*जो लागू न हो उसे काट दें ।

ख (i) नियम 6 (ग) (ii) या 6 (ग) (iii) के अन्तर्गत निर्धारित आयु सीमा में छूट का और/या उक्त नोटिस के पैराग्राफ 3 के अधीन शुल्क में छूट का दावा करने वाले मूलपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से विस्थापित व्यक्ति को निम्नलिखित प्राप्तिस्थानों में से किसी एक से लिए गए प्रमाण-पत्र को प्रतिनिधि यह दिखाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह मूलपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगलादेश) में वापस हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि के दौरान प्रजनन कर भारत आया है —

- (1) वृद्धावस्था परियोजना के ट्रान्जिट केस्टों अथवा विभिन्न राज्यों में स्थित राज्य गिरियों के कैम्प कमांडेंट ।
- (2) उन श्रेष्ठ का बिना रीजिस्ट्रेशन जहाँ वह इस समय निवास कर रहा है ।
- (3) अपने अपने जिलों में शरणार्थी पुनर्वास के प्रभारी अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट ।
- (4) स्वयं प्रमाणित वृद्ध डिवाइजन का मुख डिवीजनल ऑफसर ।
- (5) उन शरणार्थी पुनर्वास आयुक्त, पश्चिम बंगाल/निदेशक (पुनर्वास), कलकत्ता ।

(ii) नियम 6 (ग) (iv) अथवा 6 (ग) (v) के अन्तर्गत निर्धारित आयु में छूट का और/या उक्त नोटिस के पैराग्राफ 8 के अधीन शुल्क में छूट का दावा करने वाले श्रीलंका में प्रस्थापित या प्रत्यापित होने वाले मूलतः भारतीय व्यक्ति श्रीलंका में भारत के उक्त आयुक्त के कार्यालय से लिए गए इस आशय के प्रमाण पत्र की एक प्रतिनिधि प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत आया है या भारत आने वाला है ।

(iii) नियम 6 (ग) (vi) अथवा नियम 6 (ग) (vii) के अन्तर्गत आयु सीमा में छूट चाहने वाले कोनिया, उगांडा तथा मयुक्त गणराज्य, रूआंडिया, (मूलपूर्व टंगानिया और बर्जीवार) से आए हुए उम्मीदवार को या ताम्बिया, मलावी, जरे और इथियोपिया से प्रत्यापित भारत युक्त उम्मीदवार को उस क्षेत्र के जिला मैजिस्ट्रेट से जहाँ वह इस समय निवास कर रहा है लिए गए प्रमाण पत्र को एक अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वास्तव में उद्भूत दलों से आया है ।

(iv) नियम 6 (ग) (viii) अथवा 6 (ग) (ix) के अन्तर्गत निर्धारित आयु सीमा में और/या उक्त नोटिस के पैराग्राफ 8 के अधीन शुल्क में छूट चाहने वाले वर्मा में प्रस्थापित मूलतः भारतीय व्यक्ति को भारतीय राजदूतावास, रंगून तथा दिए गए पहिचान प्रमाणपत्र को एक अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 जन, 1963 को या उसके बाद भारत आया है अथवा उसे जिन क्षेत्र का वह निवासी है उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाण पत्र को अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वर्मा से आया हुआ वास्तविक प्रस्थापित व्यक्ति है और 1 जन, 1963 को या उसके बाद भारत आया है ।

(v) नियम 6(ग)(x) अथवा 6(ग)(xi) के अन्तर्गत आयु सीमा में छूट चाहने वाले ऐसे उम्मीदवार को, जो रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, महानिदेशक, पुनःस्थापन, रक्षा मंत्रालय, से निम्नलिखित निर्धारित फार्म पर इस आशय का एक प्रमाणपत्र लेकर उसकी एक अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि यह रक्षा सेवा में कार्य करने हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में अथवा अशांतिप्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले

प्रमाणपत्र का फार्म

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट-----

के रैंक नं०-----
श्री-----

रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में/अशांतिप्रस्त* क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए और उस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर-----

पदनाम-----

दिनांक-----

*जो शब्द लागू न हो उसे कृपया काट दें।

(vi) नियम 6(ग)(xii) अथवा नियम 6(ग)(xiii) के अन्तर्गत आयु में छूट का दावा करने वाले वियतनाम से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को किलहाल त्रिम क्षेत्र का वह निवासी है उनके जिला मैजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाणपत्र या अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वियतनाम से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और वियतनाम से जुलाई 1975 से पहले भारत नहीं आया है।

(vii) जो मृतपूरे सैनिक तथा कमीशन प्राप्त अधिकारी (आपातकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) नियम 6(ग)(xiv) या 6(ग)(xv) की शर्तों के अधीन आयु सीमाओं में छूट का दावा करते हैं उन्हें संबंधित अधिकारियों से निम्नलिखित निर्धारित प्रपत्र में उन पर लागू होने वाले प्रमाणपत्र को, एक प्रमाणित/अनुप्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए।

(क) कार्यमुक्त/सेवा निवृत्त कामियों पर लागू

प्रमाणित किया जाता है कि सं०-----

रैंक-----

नाम-----

मे, जिसकी जन्म की तारीख----- है,

से----- तक

सेना/नौसेना/वायु सेना में सेवा की है और ये निम्नलिखित में से एक शर्त पूरी करते हैं:--

(क) उन्होंने पांच या पांच से अधिक वर्षों तक सैनिक सेवा की है और कार्यकाल के समाप्त पर कदाचार या अक्षमता के कारण बर्खास्त या कार्यमुक्त होने के अलावा अन्य आधार पर कार्य मुक्त हुए हैं।

(ख) वे सैनिक सेवा के कारण हुई शारीरिक अपंगता या अक्षमता के कारण-----को कार्यमुक्त हुए हैं।

सक्षम प्राधिकारी का नाम तथा पदनाम सहित

स्थान-----

तारीख-----

(ख) सेवारत कामियों पर लागू

प्रमाणित किया जाता है कि सं०-----

रैंक-----नाम-----

जिसकी जन्म तिथि-----

सेना/नौ सेना/वायु सेना

में सेवा कर रहे हैं।

2. उन्हें-----से कार्यमुक्त/

सेवा निवृत्त होता है। उनका पांच वर्ष का कार्यकाल-----

तक समाप्त होने की

संभावना है।

सक्षम प्राधिकारी का नाम

तथा पदनाम सहित

स्थान-----

तारीख-----

प्रमाण पत्र जारी करने वाले सक्षम प्राधिकारी निम्नलिखित है:--

(क) कमीशन प्राप्त अधिकारियों (आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) के मामले में:--

सेना--मिलिटरी सेक्रेटरी की शाखा सेना मुख्यालय, नई दिल्ली।

नौसेना--कामिक निदेशालय, नौसेना मुख्यालय, नई दिल्ली।

वायु सेना--कामिक निदेशालय (अधिकारी) वायु सेना मुख्यालय, नई दिल्ली।

(ख) नौ सेना तथा वायु सेना के अनियत कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्प रैंकों तथा समकक्ष अधिकारियों के मामले में:--

सेना--विभिन्न रेजिमेंटल रिक्त कार्यालयों द्वारा

नौ सेना--बी० ए० बी० एस०, बम्बई।

वायु सेना--वायु सेना रिक्त (एन० ई० आर० इन्स्यू०), नई दिल्ली।

(viii) नियम 6(ग)(xvi) या 6(ग)(xvii) के अन्तर्गत आयु में रियायत का और/या नोटिस के पैरा 8 के अन्तर्गत शुल्क में छूट का दावा करने वाले तत्कालीन पश्चिमी पाकिस्तान से विस्थापित व्यक्ति को निम्न प्राधिकारियों से इस आशय के प्रमाण पत्र को अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति प्रस्तुत करनी चाहिये कि वह पश्चिमी पाकिस्तान से वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1971 तथा 31 मार्च, 1973 के बीच की अवधि में भारत प्रवेश कर आया था:--

(1) विभिन्न राज्यों में स्थित ट्रांजिट केंद्रों या राहत शिविरों के कैम्प कमांडेंट।

(2) जहाँ वह किलहाल रहता है उस इलाके का जिला मैजिस्ट्रेट।

(3) अपने-अपने जिलों के शरणार्थी पुनर्वास के प्रभारी अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट।

(4) अपने प्रभार के अन्तर्गत सब डिवीजन के अन्दर सब डिवीजनल अफसर।

(5) उप शरणार्थी पुनर्वास आयुक्त।

6. जो उम्मीदवार उपर पैरा 5(ख), (i), (iii), (iv) और (viii) में से किसी भी वर्ग के अन्तर्गत नोटिस के पैरा 8 के अनुसार शुल्क में छूट का दावा करता है, उसका किसी जिला अधिकारी या सरकार के राजपत्रित अधिकारी या संसद सदस्य या राज्य विधायक मण्डल के सदस्य से, यह दिखलाने के लिये कि वह निर्धारित शुल्क देने की स्थिति में नहीं है, इस आशय का एक प्रमाण पत्र लेकर उसकी अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी होगी।

उन नोटिस के पैरा 8 के अन्तर्गत शुरू के छूट का दावा करने वाले भूतपूर्व सैनिक को स्थल सेना/वायु सेना/नौ सेना प्राधिकारियों द्वारा उसके भूतपूर्व सैनिक होने के प्रमाणस्वरूप दिये गये सेवा मुक्ति प्रमाण पत्र की एक अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति प्रस्तुत करनी चाहिये। इस प्रमाण पत्र में उसकी सशस्त्र सेना में सम्मिलित होने वाला वास्तविक तारीख, तथा सेना से निर्मुक्त या सशस्त्र सेना के रिजर्व में स्थानान्तरण की तारीख या निर्मुक्त या सशस्त्र सेना के रिजर्व में स्थानान्तरण की सम्भावित तारीख अवश्य लिखी हो।

7. जिस उम्मीदवार के मामले में पात्रता प्रमाण पत्र आवश्यक हो उसे परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है किन्तु उसे निम्नलिखित प्रस्ताव केवल सही दिया जा सकता है जब भारत सरकार द्वारा उसे आवश्यक पात्रता प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया हो।

8. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन पत्र भरते समय कोई झूठा ब्योरा न दें अथवा किसी महत्वपूर्ण सूचना को न छिपायें।

उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि वे अपने द्वारा प्रस्तुत किये गये किसी प्रलेख अथवा उसकी प्रति की किसी प्रविष्टि को किसी भी स्थिति में न तो ठीक करें, न उसमें परिवर्तन करें और न कोई फेरबदल करें, और न ही फेरबदल किये गये झूठे प्रमाण पत्र प्रस्तुत करें यदि ऐसे दो या अधिक प्रलेखों या उनकी प्रतियों में कोई अशुद्धि अथवा विमर्शति हो तो विमर्शति के सम्बन्ध में स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया जाये।

9. आवेदन पत्र भर से प्रस्तुत किये जाने पर वेरी के कारण के रूप में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जायेगा कि आवेदन प्रपत्र ही अमुक तारीख को भेजा गया था। आवेदन प्रपत्र का भेजा जाना ही स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि प्रपत्र पाने वाला परीक्षा में बैठने का पात्र हो गया है।

10. आयोग के कार्यालय में प्राप्त प्रत्येक आवेदन-पत्र (विलम्ब से प्राप्त आवेदन पत्र सहित) की पावती दी जाती है तथा आवेदन पत्र को प्राप्ति के प्रतीक के रूप में उम्मीदवार को आवेदन पंजीकरण संख्या जारी कर दी जाती है। यदि किसी उम्मीदवार को उक्त परीक्षा के आवेदन पत्र प्राप्त करने के लिये निर्धारित अन्तिम तारीख से एक मास के अन्दर पावती नहीं मिलती है तो उसे तत्काल आयोग से पावती हेतु सम्पर्क करना चाहिये।

इस तथ्य का कि उम्मीदवार को आवेदन पंजीकरण संख्या जारी कर दी गई है अपने आप यह अर्थ नहीं है कि आवेदन पत्र सभी प्रकार पूर्ण है तथा आयोग द्वारा स्वीकार कर लिया गया है।

11. इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदन पत्र के परिणाम की सूचना यथाशीघ्र दे दी जायेगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता है कि परिणाम कब सूचित किया जायेगा। यदि परीक्षा के शुरू होने की तारीख से एक महीना पहले तक उम्मीदवार को अपने आवेदन पत्र के परिणाम के बारे में संघ लोक सेवा आयोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिये उसे आयोग से तत्काल सम्पर्क स्थापित करना चाहिये। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने मामले में विचार किये जाने के दावे से वंचित हो जायेगा।

12. संघ लोक सेवा आयोग ने 'संघ लोक सेवा आयोग की वस्तु-परक परीक्षाओं हेतु उम्मीदवार विवरणिका' शीर्षक से एक समुच्च पुस्तिका छापी है। इस प्रकाशन का उद्देश्य यह है जिससे सं० लो० से० आयोग की परीक्षाओं या चयनों के माधी उम्मीदवारों की सहायता मिल सके।

यह पुस्तिका और पिछली पांच परीक्षाओं की नियमावली तथा परम्परागत प्रश्न-पत्रों का उल्लेख करने वाले वैम्पलेटों की प्रतियां प्रकाशननियंत्रक, मिनिस्टर ऑफ़, वेल्थी-110054 के पास बिभी के लिये मुलभ हैं और इन्हें उनसे सीधे भेंट आर्डर द्वारा या तत्काल भुगतान पर प्राप्त किया जा सकता है। इन्हें केवल तब तक भुगतान पर (i) किताब महल, रिजर्वली सिनेमा के सामने, एम्पोरिया डिपॉजिट, "सी" ब्लॉक, बाबा जगन्नाथसिंह मार्ग, नई दिल्ली-110011 और (ii) उद्योग भवन, नई दिल्ली-110011 स्थित प्रकाशनशाखा का बिभी काउन्टर और (iii) गवर्नमेंट ऑफ़ इण्डिया बुक बिपी, 3-के० एस० राय रोड, कलकत्ता-700001 से भी लिया जा

सकता है। मनुअल/वैम्पलेट भारत सरकार के प्रकाशनों के विभिन्न मुफ्तसल शहरों में स्थित एजेंटों से भी उपलब्ध है।

13. परीक्षा में सम्मिलित होने के लिये संघ लोक सेवा आयोग द्वारा कोई यात्रा भत्ता नहीं दिया जायेगा।

14. आवेदन-पत्र से सम्बन्धित पत्र-व्यवहार :—आवेदन पत्र से सम्बन्धित सभी पत्र-व्यवहार मन्त्रि, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 से किया जाये तथा उसमें नीचे लिखा ब्योरा अनिवार्य रूप से दिया जाए।

(1) परीक्षा का नाम

(2) परीक्षा का महीना और वर्ष

(3) उम्मीदवार की आवेदन पंजीकरण संख्या/अनुक्रमांक अथवा जन्म की तारीख यदि आवेदन पंजीकरण संख्या/अनुक्रमांक सूचित नहीं किया गया है।

(4) उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा बड़े अक्षरों में)

(5) आवेदन पत्र में दिया गया डाक का पता।

विशेष ध्यान (i) जिन पत्रों में यह ब्योरा नहीं होगा, संभव है कि उन पर ध्यान नहीं दिया जायेगा।

विशेष ध्यान (ii) यदि किसी उम्मीदवार से कोई पत्र/प्रश्न परीक्षा हो चुकने के बाद प्राप्त होता है तथा उसमें उसका पूरा नाम व अनुक्रमांक नहीं है इस पर ध्यान न देते हुए कोई कार्यवाही नहीं की जायेगी।

15. पत्रों में परिवर्तन :—उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिये कि उसके आवेदन पत्र में उल्लिखित पत्र पर भेजे गये पत्र आदि, आवश्यक होने पर, उसकी बदले हुए पत्रों पर मिल जायें। पत्रों में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उनकी मूचना उपयुक्त पैरा 14 में उल्लिखित ब्योरे के साथ यथाशीघ्र की जानी चाहिये। आयोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा-पूरा प्रयत्न करता है। किन्तु इस विषय में यह कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं कर सकता।

अनुबन्ध-II

उम्मीदवारों की सूचनाय विवरणिका

(क) वस्तुपरक परीक्षण :

आप मामान्य अंग्रेजी और मामान्य ज्ञान में जिस परीक्षा में बैठने वाले हैं वह "वस्तुपरक परीक्षण" होगा। इस प्रकार की परीक्षा (परीक्षण) में आपको उत्तर लिखने नहीं होंगे। प्रत्येक प्रश्न (जिसकी आगे प्रश्नांश कहा जाएगा) के लिये कई सुझाए गए उत्तर (जिसको जाने प्रत्युत्तर कहा जाएगा) दिए जाते हैं। उनमें से प्रत्येक प्रश्नांक के लिये आपको एक उत्तर चुन लेना है।

इस विवरणिका का उद्देश्य आपके इस परीक्षा के बारे में कुछ जानकारी देना है जिससे कि परीक्षा के स्वरूप से परिचित न होने के कारण आपको कोई हानि न हो।

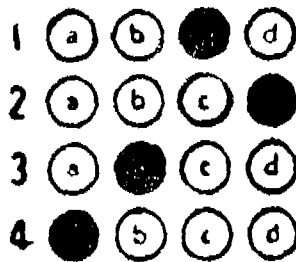
(ख) परीक्षण का स्वरूप

प्रश्न पत्र "परीक्षण पुस्तिका" के रूप में होंगे। इस पुस्तिका में क्रम संख्या 1, 2, 3 आदि के क्रम में प्रश्नांश होंगे। प्रश्नांश के नीचे ए, बी, सी, डी चिह्नों के साथ सुझाए गए प्रत्युत्तर लिखे होंगे। आपका काम एक सही या यदि आपको एक से अधिक प्रत्युत्तर सही लगें तो उनमें से सर्वोत्तम उत्तर का चुनाव करना होगा। (अंत में दिए गए नमूने के प्रश्नांश देख लें)। किसी भी स्थिति में, प्रत्येक प्रश्नांश के लिये आपको एक सही प्रत्युत्तर का चुनाव करना होगा। यदि आप एक से अधिक चुन लेते हैं तो आपका प्रत्युत्तर गलत माना जायेगा।

(ग) उत्तर देने की विधि

परीक्षा भवन में आपको अलग एक उत्तर पत्रक (जिमकी एक नमूना प्रति आपको प्रवेश प्रमाण-पत्र के साथ भेजी जाएगी) दिया जाएगा। आपको अपने प्रत्युत्तर इस उत्तर पत्रक में लिखने होंगे। परीक्षण पुस्तिका में या उत्तर पत्रक को छोड़कर अन्य किसी कागज पर लिखे गए उत्तर नहीं जंचे जाएंगे।

उत्तर पत्रक में प्रश्नों की संख्याएं 1 से 160 तक बार खंडों में छापी गई हैं। प्रत्येक प्रश्नांश के सामने ए, बी, सी, डी चिह्न वाले बूलाकार स्थान छपे होते हैं। परीक्षण पुस्तिका के प्रत्येक प्रश्नांश को पढ़ लेने और यह निर्णय करने के बाद कि कौन सा प्रत्युत्तर सही या सर्वोत्तम है आपको उस प्रत्युत्तर के अक्षर वाले वृत्त को पेंसिल से पूरी तरह काला बना कर उसे अंकित कर देना है, जैसा कि (आपका उत्तर वृत्तों के लिये) नीचे दिखाया गया है। उत्तर पत्रक के वृत्त को काला बनाने के लिये स्पष्टी का प्रयोग नहीं करना चाहिए।



यह जरूरी है कि :—

1. प्रश्नांशों के उत्तरों के लिए केवल अच्छी किस्म की एम्बो बी० पेंसिल (पेंसिले) ही लाएं और उन्हीं का प्रयोग करें।

2. गलत निशान को बदलने के लिये उसे पूरा मिटाकर फिर से सही उत्तर पर निशान लगा दें। इसके लिए आप अपने साथ एक रबर भी लाएं।

3. उत्तर पत्रक का उपयोग करते समय कोई ऐसी असावधानी न हो जिससे वह फट जाये या उसमें मोड़ व निलयट आदि पड़ जाए या वह खराब हो जाए।

(घ) कुछ महत्वपूर्ण विनियम

1. आपको परीक्षा आरम्भ करने के लिये निर्धारित समय से बीस मिनट पहले परीक्षा भवन में पहुंचना होगा और पहुंचते ही अपना स्थान ग्रहण करना होगा।

2. परीक्षण शुरू होने के 30 मिनट बाद किसी को परीक्षण में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

3. परीक्षा शुरू होने के बाद 45 मिनट तक किसी को परीक्षा भवन छोड़ने की अनुमति नहीं मिलेगी।

4. परीक्षा समाप्त होने के बाद, परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पत्रक निरीक्षक/पर्यवेक्षक को सौंप दें। आपको परीक्षण पुस्तिका परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं है। इस नियम का उल्लंघन करने पर कड़ा दण्ड दिया जाएगा।

5. आपको परीक्षा भवन में उत्तर पत्रक पर कुछ विवरण भरना होगा। आपको उत्तर पत्रक पर कुछ विवरण कूटमूढ़ भी करना होगा। इसके बारे में अनुदेश आपके प्रवेश प्रमाण पत्र के साथ भेज दिए जाएंगे।

6. परीक्षण पुस्तिका में दिए गए सभी अनुदेश आपको सावधानी से पढ़ने हैं। इन अनुदेशों का सावधानी से पालन न करने से आपके नम्बर कम हो सकते हैं। अगर उत्तर पत्रक पर कोई प्रविष्टि संश्लेष है, तो उस प्रश्नांश के प्रत्युत्तर के लिए आपको कोई नम्बर न मिलेगा। पर्यवेक्षक के अनुदेशों का पालन करें। जब पर्यवेक्षक किसी परीक्षण या उसके किसी भाग को आरम्भ या समाप्त करने को कहें तो उनके अनुदेशों का तत्काल पालन करें।

7. आप अपना प्रवेश प्रमाण-पत्र साथ लाएं, आपको अपने साथ एक एम्बो बी० पेंसिल, एक रबर, एक पेंसिल शार्पेनर और नीली या

काली स्पाही यात्री कलम भी लानी होगी। आपको मलाह भी जाननी है कि आप अपने साथ एक-एक क्लिप बोर्ड या टाई बोर्ड या कार्ड बोर्ड भी लाएं जिस पर कुछ लिखा हो। आपको परीक्षा भवन में कोई खाली कागज या कागज का टुकड़ा या पैमाना या आरेखण उपकरण नहीं लाने हैं उनको जबरन नहीं होगी। मांगने पर कक्ष के लिये आपको एक अलग कागज दिया जायेगा। आप कक्षा काम शुरू करने से पहले उस पर परीक्षा का नाम, अपना रोल नम्बर और परीक्षा की तारीख लिखें और परीक्षण समाप्त होने के बाद उसे अपने उत्तर पत्रक के साथ पर्यवेक्षक को वापसी कर दें।

(ङ) विशेष अनुदेश

परीक्षा भवन में अपने स्थान पर बैठ जाने के बाद निरीक्षक आपको उत्तर-पत्रक देंगे। उत्तर-पत्रक पर अपेक्षित सूचना भर दें। यह काम पूरा होने के बाद निरीक्षक आपको परीक्षण पुस्तिका देंगे। परीक्षण पुस्तिका मिलने पर आप यह अवश्य देख लें कि उस पर पुस्तिका की संख्या लिखी हुई है अन्यथा, उसे बदलवा लें। प्रश्न पुस्तिका को खोलते से पहले उसके प्रथम पृष्ठ पर अपना अनुक्रमांक लिखिये। आपको परीक्षण पुस्तिका तब तक खोलने की अनुमति नहीं है जब तक पर्यवेक्षक ऐसा करने के लिये न कहें।

(च) कुछ उपयोगी सुझाव

यद्यपि इस परीक्षण का उद्देश्य आपकी गति की अपेक्षा श्रद्धा को जांचना है, फिर भी यह जरूरी है कि आप अपने समय का यथासंभव दक्षता से उपयोग करें। मन्तुन के साथ आप जितनी जल्दी काम कर सकते हैं करें, पर लापरवाही न हो। आप सभी प्रश्नों का उत्तर नहीं दे पाते हों तो चिन्ता न करें। आपको जो प्रश्न अत्यन्त कठिन मान लें उन्हें उस पर समय व्यर्थ न करें। दूरे प्रश्नों की ओर बढ़ें और उन कठिन प्रश्नों पर बाद में विचार करें।

सभी प्रश्नों के अंक सामान होंगे। उन सभी के उत्तर दें। आपको द्वारा अंकित सही प्रत्युत्तरों की संख्या के आधार पर ही आपको अंक दिये जायेंगे। गलत उत्तरों के लिये अंक नहीं काटे जायेंगे।

(छ) परीक्षण का समाप्त

जैसे ही पर्यवेक्षक आपको लिखना बन्द करने को कहें, आप लिखना बन्द कर दें। आप अपने स्थान पर तब तक बैठें रहें जब तक निरीक्षक आपके पास आकर आपसे सभी आवश्यक वस्तुयें ले जायें और आपको हटाने की अनुमति दें। आपको परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पत्रक तथा कक्ष कार्य का कागज परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं है।

नमूने के प्रश्नांश (प्रश्न)

(टिप्पणी—*सही/सर्वोत्तम उत्तर विकल्प को निर्दिष्ट करता है)।

1. सामान्य अध्ययन

बहुत ऊंचाई पर पर्यतारोहियों के नाक तथा कान से निम्नलिखित में से किस कारण से रक्त स्वाव होता है :—

(a) रक्त का दाब वायु मण्डल के दाब से कम होता है।

* (b) रक्त का दाब वायु मण्डल के दाब से अधिक होता है।

(c) रक्त वाहिकाओं की अन्दरूनी तथा बाहरी शिराओं पर दाब समान होता है।

(d) रक्त का दाब वायुमण्डल के दाब के अनुरूप घटता बढ़ता है।

2. (English)

(Vocabulary—Synonyms).

There was a *record* turnout of voters at the municipal elections

(a) exactly known.

(b) only those registered.

(c) very large.

* (d) largest so far.

3. (कृषि)

घरघर में फलों का बढ़ना निम्नलिखित में से किसी एक उपाय से कम किया जा सकता है।

- बुझि नियंत्रक द्वारा छिड़काव।
- दूर-दूर पीछे लगाना।
- सही ऋतु में पीछे लगाना।
- थोड़े-थोड़े फागले पर पीछे लगाना।

4. (रसायन विज्ञान)

H_3VO_4 का एनहाईड्राइड निम्नलिखित में से क्या होता है :—

- VO_3
- VO_4
- V_2O_3
- V_2O_5

5. अर्थशास्त्र

श्रम का एकाधिकारी शोषण निम्नलिखित में से किस स्थिति में होता है ?

- सीमान्त राजस्व उत्पाद से मजदूरी कम हो।
- मजदूरी तथा सीमान्त राजस्व उत्पादन दोनों बराबर हों।
- मजदूरी सीमान्त राजस्व उत्पाद से अधिक हो।
- मजदूरी सीमान्त मूल्य उत्पाद के बराबर हो।

6. (वैद्युत इंजीनियरी)

एक समझ रेखा अपेक्षित पैराबैलुतांक 9 के पैराबैलुत से सम्पूरित किया गया है। यदि भी मुक्त अंतराल में संचरण वेग दर्शाता है तो लाइन में संचरण का वेग क्या होगा ?

- 3C
- C
- C/3
- C/9

7. (भू-विज्ञान)

बेसाल्ट में प्लेजियोक्लेस क्या होता है ?

- आसिगोक्लेज
- सैक्रोबोराइट
- एल्बाइट
- एनाथीट

8. (गणित)

मूल बिन्दु से गुजरने वाला और $\frac{d^2y}{dx^2} = \frac{dy}{dz}$ समीकरण को

संगत रखने वाला वक्र-परिवार निम्नलिखित में से किस से निर्दिष्ट है ?

- $y=ax+b$
- $y=ax$
- $y=ae^x+be$
- $y+ae^x=a$

9. (भौतिकी)

एक आदर्श ऊष्मा इंजन 400° के 300° के तापक्रम के मध्य कार्य करता है। इसकी क्षमता निम्नलिखित में से क्या होगी ?

- 3/4
- $(4-3)/4$
- $4/(3+4)$
- $3/(3+4)$

10. (सांख्यिकी)

यदि द्विपद विचार का माध्यम 5 है तो इसका प्रसरण निम्नलिखित में से क्या होगा ?

- 42
- 3
- ∞
- 5

11. (भूगोल)

बर्मा के दक्षिणी भाग की अत्यधिक समृद्धि का कारण निम्नलिखित में से क्या है ?

- यहां पर खनिज साधनों का विपुल भंडार है।
- बर्मा की अधिकांश नदियों का डेल्टाई भाग है।
- यहां श्रेष्ठ वन सम्पदा है।
- देश के अधिकांश तेल क्षेत्र इसी भाग में हैं।

12. भारतीय इतिहास

ब्राह्मणवाद के संबंध में निम्नलिखित में से क्या सत्य नहीं है ?

- बौद्धधर्म के उत्कर्ष काल में भी ब्राह्मणवाद के अनुयायियों की संख्या बहुत अधिक थी।
- ब्राह्मणवाद बहुत अधिक कर्मकांड और आडम्बर से पूर्ण धर्म था।
- ब्राह्मणवाद के अभ्युदय के साथ बलि संबंधी यज्ञ कर्म का महत्व कम हो गया।
- व्यक्ति के जीवन विकास की विभिन्न दशाओं को प्रकट करने के लिए धार्मिक संस्कार निर्धारित थे।

13. (दर्शन)

निम्नलिखित में से निरीश्वरवादी दर्शन समूह कौन सा है ?

- बौद्ध, श्याय, चार्वाक, मीमांसा
- श्याय, जैन, जैन और बौद्ध, चार्वाक
- अद्वैत, वेदान्त, सांख्य, चार्वाक, योग
- बौद्ध, सांख्य, मीमांसा, चार्वाक

14. (राजनीति विज्ञान)

वृत्तिगत प्रतिनिधान का अर्थ निम्नलिखित में से क्या है ?

- व्यवसाय के आधार पर विधानमंडल में प्रतिनिधियों का निर्वाचन।
- किसी समूह या किसी व्यावसायिक समुदाय के पक्ष का समर्थन।
- किसी रोजगार संबंधी संगठन में प्रतिनिधियों का चुनाव।
- अधिक संख्ये द्वारा अप्रत्यक्ष प्रतिनिधित्व।

15. (मनोविज्ञान)

लक्ष्य की प्राप्ति निम्नलिखित में से किस को निर्देशित करती है ?

- लक्ष्य संबंधी आवश्यकता में वृद्धि
- सावात्मक अवस्था में न्यूनता
- व्यावहारिक अधिगम
- पक्षपात पूर्ण अधिगम

16. (समाजशास्त्र)

भारत में पंचायती राज संस्थाओं की निम्न में से कौन सी है ?

- ग्राम सरकार में महिलाओं तथा कमजोर वर्गों को औपचारिक प्रतिनिधित्व प्राप्त हुआ है।
- छुआछूत कम हुई है।
- बंजित वर्गों के लोगों को मूखामिख का लाभ मिला है।
- जन साधारण में शिक्षा का प्रसार हुआ है।

टिप्पणी — उम्मीदवारों को यह ध्यान रखना चाहिए कि उपर्युक्त तमूने के प्रश्नों (प्रश्न) केवल उत्तराहरण के लिए दिए गए हैं और यह जरूरी नहीं कि वे हम परीक्षा की वांछनीयता के अनुसार हों।

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, the 17th July 1984

No. A.32013/4/82-Admn.II.—In continuation of this office Notification of even number dated 2-3-1983, the Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints S/Shri S. P. Bansal, B. R. Gupta and S. C. Mastana (SC), Superintendents (DP) to officiate as Assistant Controllers (DP) on a regular basis in the Commission's office w.e.f. 22-2-1983 until further orders.

This issues in pursuance of Ministry of Home Affairs, Department of Personnel & A.R. letter No. 39017/1/84-Estt. (B), dated April, 1984 and U.P.S.C. letter No. F.1/28(1)/84-AU.IV, dated 27-6-1984.

M. P. JAIN
Under Secy, (Admn.)
Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R.
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 24th July 1984

No. A-19023/6/84-AD.V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police Special Police Establishment hereby appoints Shri S. M. Kumar Reddy as Public Prosecutor[C.B.I. with effect from the forenoon of 16-7-1984 in a temporary capacity.

He is posted in Visakhapatnam.

CENTRAL FORENSIC SCIENCE LABORATORY

New Delhi-110 003, the 25th July 1984

No. 1-20/82-CFSL/5581.—The President is pleased to appoint Shri N. K. Prasad, Sr. Scientific Assistant, Central Forensic Science Laboratory, C.B.I., New Delhi as Senior Scientific Officer (Gr. II), Chemistry Division, Central Forensic Science Laboratory, Central Bureau of Investigation, New Delhi with effect from 19 July, 1984 (Forenoon) on ad-hoc basis for a period of six months or till the post is filled on regular basis whichever is earlier.

The 27th July 1984

No. A-19014/7/84-AD.V.—On his repatriation from Employees Provident Fund Organisation, Maharashtra & Goa, Bombay, the President is pleased to appoint Shri A. W. Degwekar, Deputy Superintendent of Police[Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment to officiate as Superintendent of Police in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment in temporary capacity with effect from the Forenoon of 17th July, 1984, until further orders.

R. S. NAGPAL
Administrative Officer (E)
Central Bureau of Investigation

BUREAU OF POLICE RESEARCH & DEVELOPMENT

New Delhi-110001, the 17th July 1984

No. 3/30/84-Adm.I.—The President is pleased to appoint Shri A. Sudersan IPS (AP-SIS) as Principal Central Detective Training School, Hyderabad with effect from the forenoon of 27th June 1984, until further orders.

The 18th July 1984

No. 3/23/84-Adm.I.—The President is pleased to appoint Shri Virendra Sinha IPS (Raj-1970) as Assistant Director in the Bureau of Police Research & Development with effect from the forenoon of 25th May 1984 until further orders.

The 26th July 1984

No. 3/1/81-Adm.I.—Consequent upon his repatriation to the government of Andhra Pradesh, Shri P.Venkataramana Reddy IPS (AP-SPS) has relinquished the charge of the post of Principal Central Detective Training School, Hyderabad on the forenoon of 27-6-1984.

The 30th July 1984

No. 3/32/84-Adm.I.—The President is pleased to appoint Shri B. J. K. Tampi IPS (MT-62) as Deputy Director in the Bureau of Police Research & Development with effect from the forenoon of 23rd July 1984 in the pay scale of Rs. 2000-125/2-2250 plus special pay of Rs. 200/- p.m., until further orders.

S. K. MALLIK
Director General

DIRECTORATE GENERAL, C.R.P. FORCE

New Delhi-110003, the 25th July 1984

No. O.II-1972/84-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. Rabindra Nath Kaman as Junior Medical Officer in CRPF on ad-hoc basis with effect from the forenoon of the 16th June 1984 for a period of three months or till regular incumbent joins whichever is earlier.

The 26th July 1984

No. O.II-280/69-Estt.—The President is pleased to appoint on promotion Shri N. K. Tewari, Commandant (SG) to the rank of Additional DIGP in a temporary capacity till further orders.

2. Shri Tewari took over charge of the post in the forenoon of 27th April, 1984.

No. P.VII-5/83-Estt-I.—The President is pleased to appoint on promotion Shri S. M. Sharma, Commandant to the rank of Commandant Selection Grade in a temporary capacity till further orders.

2. Shri Sharma took over charge of the post in the forenoon of 4-6-1984.

No. D.I-30/83-Estt-1.—The services of Shri J. Basnet, Commandant of 34 Bn. CRPF, are pleased at the disposal of Government of Assam, on deputation basis wef 9-7-84 (FN).

No. O.II-1941/84-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. Laxman Rao as Junior Medical Officer in CRPF on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 2nd July, 1984 for a period of three months or till regular incumbent joins whichever is earlier.

No. P. VII-3/84/Estt.-1.—The President is pleased to appoint on promotion the following Assistant Commandants of CRPF to the rank of Commandant in an officiating capacity till further orders.

2. They took over charge of the post on the dates indicated against their names :—

S. No.	Name of the officer	Date of taking over
	S/Shri	
1.	Bachan Singh	22-6-84
2.	M. S. Toor	11-7-84
3.	S. C. Rath	9-7-84

M. P. JAKHMOLA
Asstt. Director (Estt.)

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS
DEPARTMENTOFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL
(AUDIT) RAJASTHAN

Jaipur, the 7th July, 1984

No. Admn. I (Audit)/18-X/3264.—The Accountant General (Audit) Rajasthan, Jaipur is pleased to appoint in the officiating capacity the under mentioned Section Officers (Audit) as Assistant Audit Officer (Group—'B' Gazetted) in the Scale of Rs.

650-740-35-880-EB-40-1040 from the date noted against each, till further orders.

S. No.	Name of the Officers	Date
1	2	3
	S/Shri	
1.	Shree Krishna Vyas	1-3-84
2.	Jeewan Roop Mathur	1-3-84
3.	Amrit Raj Acharya	12-3-84
4.	Sohan Lal Buchra	1-3-84
5.	Gyan Chandra Patni	1-3-84
6.	Moti Singh Bordia	1-3-84
7.	Prakash Narain Mathur	1-3-84
8.	Bhagwati Lal Agarwal	1-3-84
9.	Prem Raj Laroia	1-3-84
10.	Raj Narain Sharma	1-3-84
11.	Ram Saran Sharma	1-3-84
12.	Satya Pal Mehna	1-3-84
13.	Prakash Chandra Mathur	9-3-84
14.	Babu Lal Sharma	2-3-84
15.	Rajendra Singh Verma	1-3-84
16.	Krishan Lal Wadhwa	1-3-84
17.	Gangadhar N. Rodha	1-3-84
18.	J.D. Bhagchandani	1-3-84
19.	Duli Chand Vinayak	1-3-84
20.	Jogindra Singh Jabbal	1-3-84
21.	Babu Lal Bakiwala	1-3-84
22.	Nathu Lal Papriwal	"
23.	Shambhu Saran Dalela	"
24.	Kastoor Chand Jain	"
25.	Ram Das Goyal	"
26.	Gulab Chand Verma	"
27.	Shashi Sunder Dwivedi	"
28.	Nassiruddin	"
29.	Bhagwan Swarup Sinha	"
30.	Panna Lal Maloti	"
31.	Omeshwar Prasad Saxena	"
32.	Mohan Lal Khandelwal	"
33.	Ram Dass Mantri	"
34.	Suresh Chandra Mishra	"
35.	Yashwant Ram Saxena	"
36.	Vijai Singh	"
37.	Rajeshwar Prasad Bhargava	"
38.	Roop Narain Khandelwal	"
39.	Durga Sahai Yadav	"
40.	Narendra Kumar Kapoor	"
41.	Janak Raj Gupta	"
42.	Fateh Chand Agarwal	"
43.	Ranjit Kumar Bancrjee	"
44.	Arpan Gosh	"
45.	Joginder Sihgh Akkal	"
46.	Jagdish Chandra Varshney	"
47.	Lalit Prasad Bhargava	"
48.	Bindeshwari Prasad Sarabhai	"
49.	Paras Mal Surana	"
50.	Satya Narain Arora	"
51.	Ratan Lal Kothari	"
52.	Govind Prasad Sinha	"
53.	Man Mohan Lal Dadhich	"
54.	Bhagwan Sahai Saxena	"
55.	Radhey Shyam Gupta	"
56.	Prem Chand Sharma	"
57.	Basanti Lal Jain	"
58.	Bhagwati Lal Vyas	"
59.	Manohar Lal Gupta	"
60.	Nand Lal Lavti	"
61.	Shanti Lal Mohnot	"
62.	Anwar Singh Yadav	"
63.	Mahesh Chandra Jeswal	"

1	2	3
	S/Shri	
64.	Bahoran Singh	"
65.	Gurmit Singh	"
66.	Prem Narain Mathur	"
67.	Prem Shankar Bhargava	"
68.	Nathu Ram Seth	"
69.	Atal Behari Pareek	"
70.	Jagdish Chander Nandwani	"
71.	Jaswant Rai	"
72.	Hari Charan Shukla	"
73.	Raj Kumar Godha	"
74.	Jagdish Prasad Sedawat	"
75.	Nand Kishore Vyas	"
76.	Radhey Shyam Sharma-III	"
77.	Tulsi Das Bhatia	"
78.	Shyam Sunder Agarwal	"
79.	Nareesh Chandra Jain	19-3-84
80.	Karnail Singh Sidhu	1-3-84
81.	Gyan Prakash Mathur	"
82.	Rang Raj Shah	"
83.	Pooran Chandra Sharma	"
84.	Bal Krishna Acharya	"
85.	Ram Chandra Varshnoy	"
86.	Rameshwar Lal Vijai	"
87.	Shri Krishan Chitanya Gowsami	"
88.	Ved Prakash Marwaha	"
89.	Deep Singh	"
90.	Roshan Singh Verma	"
91.	Sunder Lal Kothari	"
92.	Mahab Ullah Siddiqui	"
93.	Khem Raj Khatri	2-3-84
94.	Ram Sharan Verma	1-3-84
95.	Prakash Mohan Mathur	"
96.	Ram Kumar Yadav	"
97.	Uma Kant Saxena	"
98.	Vishnu Dutta Purohit	"
99.	Mohinder Talwar	"
100.	Basanti Lal Sharma	"
101.	Devi Prasad Nautiyal	"
102.	Vikash Chandra Kasliwal	"
103.	Madan Lal Sahijpal	"
104.	Mohan Lal Haldia	"
105.	Vrij Bihari Nag	"
106.	Anand Lal Nepalia	12-3-84
107.	Bankey Behari Lal Saxena	1-3-84
108.	Damodar Lal Mathur	"
109.	Mahendra Nath Bhargava	"
110.	Amar Nath Sharma	"
111.	Bhagwati Prasad Mathur	"
112.	Hukam Chand Jain	"
113.	Ishwari Prasad Sharma	"
114.	Sobhagya Chandra Bafna	"
115.	Kan Singh Mahnot	"
116.	Ganpath Narain Mathur	"
117.	Prem Prakash Punjabi	"
118.	Om Prakash Saxena	5-3-84
119.	Parmeshwar Narain Mathur	"
120.	Om Prakash Sanduja	"
121.	Syed Shauket Ali	"
122.	BPM Prasadsagare	"
123.	Bhav Singh	"
124.	Om Prakash Jadon	"
125.	Deep Chand Jain	"
126.	Kanaylal R. Motwani	"
127.	Yashpal Sharma	"
128.	Mohan Lal Bhatia	5-3-84

1	2	3
<i>S/Shri</i>		
129.	Daulat Ram Chandna	1-3-84
130.	Satinder Nath Bansal	"
131.	Shiv Ram Upadhyay	26-3-84
132.	Gopal Dass	1-3-84
133.	Onkar Nath Mehta	"
134.	Suresh Chandra Gupta	"
135.	Pawan Kumar Jain	"
136.	Ashok Kumar Jain	"
137.	Nand Kishore Sharma-I	"
138.	Indra Jeet	"
139.	Chiranjil Lal Jain-II	"
140.	Vishwambhar Dayal Gupta	"
141.	Champeshwar Prasad Sharma	"
142.	Gopi Chand Jain	"
143.	Baikunth Nath Bhargava	"
144.	Madan Mohan Mathur	"
145.	Ramesh Chandra Bhargava	"
146.	Kamal Chand Jain	"
147.	Bharat Bhushan Sharma	"
148.	Madhukar Poundrik	"
149.	Ved Veer Singh	"
150.	Moti Lal Menghani	"
151.	Baboo Lal Gupta-I	"
152.	Krishna Saraswat	"
153.	Ram Shankar Srivastava	"
154.	Rameshwar Dayal Sharma-I	7-3-84
155.	Gaya Lal Gupta	1-3-84
156.	Sunder H. Thakur	"
157.	Siya Ram Katiyar	"
158.	Bithal Das Maheshwari	"
159.	Raj Dhan Dixit	"
160.	Govind Narain Pareek	"
161.	Ram Bharose Sharma	"
162.	Awadhesh Prasad Srivastava	"
163.	Bhura Ram	"
164.	Badri Prasad Mundra	"
165.	R.K. Singh	"
166.	Rajendra Kumar Gupta	"
167.	Harbans Lal Gupta	"
168.	Madan Gopal Bajaj	"
169.	Satindra Mohan Seth	"
170.	Ramesh Chand Sharma-II	"
171.	Satish Chandra Sharma	"
172.	Kailash Chandra Sharma	"
173.	Gopal Lal Daulatani	"
174.	Amar Chand Jain	"
175.	Lachhman Das Gidra	"
176.	Rama Nan Srivastava	"
177.	Mahendra Kumar Ranwka	"
178.	Ram Swaroop	"
179.	Jagdish Narain Verma	"
180.	Rajendra Narain Asthana	"
181.	Satya Prakash Saxena	"
182.	Abdul Hakim	"
183.	Madan Gopal Sharma	"
184.	Dharam Pal Sharma	"
185.	Shyam Lal Gupta	"
186.	Om Prakash Behi	"
187.	Hari Lal Parti	"
188.	Raj Pal Singh Solank	"
189.	Raj Singh	"
190.	Narayan Ram Patel	"
191.	Ama Chand Gahlot	"
192.	Kanhaiya Lal Nimadia	"

1	2	3
<i>S/Shri</i>		
193.	Rameshwar Dayal Sharma-II	1-3-84
194.	Megh Singh	"
195.	Sheo Pamandas Assudani	"
196.	Kalyan Singh	"
197.	Ram Krishan Sachdeva	"
198.	Hari Narain Mathur	"
199.	Shyama Charan Agarwal	"
200.	Vishnu Bhagwan Agarwal	"
201.	Surendra Singh Nigam	"
202.	Surendra Mohan Mathur	"
203.	Bhanwar Lal Mehta-II	"
204.	Hari Shankar Gautam	"
205.	Kailash Prasad Mamodia	"
206.	Sada Shiv Pandit	"
207.	Dinesh Chandra Sharma-II	"
208.	Brij Kishore Sharma	"
209.	Om Prakash Natani	"
210.	Krishna Murari Lal Sharma	"
211.	Rekh Raj Mehta	"
212.	Om Prakash Sharma-III	8-3-84
213.	Nathu Ram Solanki	1-3-84
214.	Ramesh Chandra Parashar	"
215.	Bhu Dayal Singh Nirmal	"
216.	Umesh Prasad Mathur	"
217.	Dalip Chand Bhandari	"
218.	Ram Pal Kataria	4-3-84
219.	Ramesh Chandra Sexena	16-7-84
220.	Suresh Chandra Mittal	2-7-84
221.	Ram Charan Singh	27-6-84
222.	Rajeshwar Sharma	2-7-84
223.	Keshav Singh Rawat	27-6-84

The 26th July, 1984

No. Admn. I (Audit)/18-10/355—The Accountant General (Audit) Rajasthan Jaipur has been pleased to promote in the officiating capacity the under mentioned Assistant Audit Officers as Audit Officer (Group 'B' gazetted) in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 from the dates noted against each, till further orders :—

1	2	3
<i>S/Shri</i>		
1.	Krishna Vyas	22-6-84
2.	Bhudayal Singh Nirmal	11-6-84
3.	Amrit Raj Acharya	11-6-84
4.	Ram Pal Kataria	11-6-84

A. MUKHOPADHYAY,
Dy. Accountant General/Admn.

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL ACCOUNTS
KARNATAKA

Bangalore, the 4th July, 1984

No. ES. I/A4/34-85/205—The following Accounts Officers have been appointed in a substantive capacity in the grade of

Accounts Officers with effect from dates noted against their names.

Sl. No.	Name of the Officer	Date from which appointed in substantive capacity
1	2	3
<i>S/Shri</i>		
1.	A./C. Rama Murthy	01-04-83
2.	G. Meenakshi	10-07-83
3.	A.N. Murthy	01-08-83

K. J. KURJAN,
Accountant General (Accounts)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT
DEFENCE SERVICES

New Delhi, the 31st July 1984

No. 2131/A.Admn.130/82-84.—Consequent on his permanent appointment, on transfer basis, as Deputy Development Commissioner in the Santacruz Electronics Export Processing Zone, Bombay, with effect from 1st May, 1984 (FN), the lien of Shri A. G. Krishnan, Substantive Audit Officer, in the Audit Department, Defence Services, has been terminated in term of FR-14-A(d) from the same date.

B. S. TYLE
Joint Director of Audit
Defence Services

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
(HANDICRAFTS)

New Delhi, the 24th July 1984

No. 34/18/84-Admn.I.—On attaining the age of superannuation, Shri M. Dayal, Exhibition Officer, in the Office of the Development Commissioner (Handicrafts), New Delhi, retired from Government service with effect from the afternoon of 30th June, 1984.

SHIROMANI SHARMA
Development Commissioner for (Handicrafts)

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
(SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 26th July 1984

No. 12(688)/71-Admn.(G) Vol.II.—The President is pleased to appoint Shri V. Sardana, Assistant Director (G.I) (IMT) in the Office of the DC(SS) as Deputy Director (IMT) at the same office w.e.f. the forenoon of 4-6-84, vice Shri K. K. Kapoor, Deputy Director (IMT) proceeded on E.L. w.e.f. 4-6-84 to 19-7-84.

No. A-19018(673)/83-Admn (G).—The President is pleased to appoint Shri P. R. Gajbhiye, Assistant Director, Development Commissioner, (Handicrafts), Handicrafts Marketing and Extension Centre, Jagdalpur (Bastar), M.P. as Deputy Director (Export Promotion) in the office of the DC(SS), New Delhi w.e.f. the forenoon of 2-7-84 until further orders.

S. K. PURKAYASTHA
Dy. Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS
(ADMN. SECTION-6)

New Delhi-110001, the 24th July 1984

No. A-17011/266/84-A6.—The Director General of Supplies and Disposals is pleased to appoint Shri R. C. Panjanani, Examiner of Stores (Engg.) in the N.I. Circle, New Delhi to officiate as Assistant Inspecting Officer (Engineering) on ad-hoc basis in the same Inspection Circle under this Directorate General with effect from the forenoon of 30-4-1984 until further orders.

No. A.17011/282/84.—As the Director General of Supplies and Disposals is pleased to appoint Shri S. C. Kapoor, Examiner of Stores (Engineering) in the N.I. Circle, New Delhi to officiate as Assistant Inspecting Officer (Engineering) on ad-hoc basis in the Bombay Inspection Circle under this Directorate General with effect from the forenoon of 16-6-84 until further orders.

The 25th July 1984

No. A-6/247(606) Vol.III.—Shri A. B. Roy, permanent Assistant Inspecting Officer (Timber) in the office of Director of Inspection, Calcutta retired voluntarily from Government Service on the afternoon of 8th July, 1984 in terms of Rule 48A of C.C.S. (Pension) Rules, 1972.

S. L. KAPOOR
Deputy Director (Administration)
for Director General, Supplies and Disposals
New Delhi-110001, the 26th July 1984

CORRIGENDUM

No. A-17011/286/84-A6.—The following amendment may be made in the Notification No. A-17011/286/84-A6 dated 28-6-1984.

For

1. Shri S. Hamsa,
Examiner of Stores (Engg.)
in the third line of the Notification.

Read

Shri S. Hamsa,
Examiner of Stores (Tex).

2. Assistant Inspecting
Officer (Engineering)
in the 4th line of the Notification.

Read

Assistant Inspecting
Officer (Textiles).

S. L. KAPOOR,
Dy. Dir. (Admn.).

(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 24th July 1984

No. A-1/1(1051).—The President is pleased to compulsorily retire from Government service S. C. Gupta, Assistant Director of Supplies (Grade I) (Grade III of Indian Supply Service, Group 'A') in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi, with effect from the afternoon of 6th July, 1984.

No. A-1/1(829).—Shri Pran Nath, officiating Asstt. Director (Admn.) (Grade I) in the office of Director of Supplies and Disposals, Kanpur, retired from Government Service with effect from the afternoon of 30th June, 1984, on attaining the age of superannuation

RAJBIR SINGH,
Dy. Dir. (Admn.).

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA
(KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-16, the 17th July 1984

No. 4963B/A-19012(1-CVK)/81-19A.—Shri C. V. Kashivishwanathan, Senior Technical Assistant (Geology), Geological Survey of India has been appointed by the Director General, Geological Survey of India on promotion as Assistant Geologist in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from forenoon of 9-11-83, until further orders.

A. KHUSHARI,
Dir. (Personnel).

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 24th July 1984

No. A-19012(84)/77-Estt.A.—Shri P. M. Keswani has relinquished the charge of the post of Mineral Officer (Statistics) in the Indian Bureau of Mines on the afternoon of 30-6-84, sequel to his promotion to Grade IV of the Indian Statistical Service and appointment as Assistant Director in the Regional Office (Field Operations Division), National Sample Survey Organisation, Ministry of Planning, Nagpur.

The 26th July 1984

No. A-19012(65)/78-Estt.A.—Shri P. N. Rao has relinquished the charge of the post of Mineral Officer (Statistics) in the Indian Bureau of Mines on the afternoon of 30-6-84 sequel to his appointment as Project Evaluation Officer (a Grade IV I.E.S. post of the Indian Statistical Service) in Planning Commission's Programme Evaluation Organisation, Nagpur.

P. P. WADHI,
Admn. Officer
for Controller General

ANTHROPOLOGICAL SURVEY OF INDIA,
INDIAN MUSEUM

Calcutta-700 016, the June 1984

No. 4-200/84/Estt.—Shri Asim Moitra, Research Associate (Cultural) in the Anthropological Survey of India is promoted to the post of Assistant Anthropologist (Cultural), Group-B (Gazetted) at the North East Regional Office, Shillong, on a temporary basis with effect from the forenoon of 13th June, 1984, until further orders.

The 29th June 1984

No. 4-202/84/Estt.—Dr. D.C. Bhowmik, Research Associate in the Anthropological Survey of India, is promoted to the post of Assistant Anthropologist (Physical), Group-B (Gazetted) at the A & N Regional Office, Port Blair in an officiating capacity with effect from the forenoon of 29th June, 1984, until further orders.

A. K. DAS GUPTA,
Admn. Officer.

NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi-1, the 31st July 1984

No. F.20(C-14)-89/76-Estt.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the Director of Archives, Government of India, hereby appoints Smt. Sunita Kalra as Archivist (General) (Group 'B' Gazetted) on regular temporary basis w.e.f. 18th July 1984 (FN), until further orders.

(Sd.) ILLEGIBLE
Dir. of Archives, Govt. of India.

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi-1, the 25th July 1984

No. 5(54)/68-SI.—On attaining the age of superannuation Smt. Indira Joseph, Programme Executive, All India Radio, Trivandrum retired from Government service with effect from the afternoon of 30th June, 1984.

H. C. JAYAL
Dy. Dir. (Admn).
for Director General

New Delhi, the 26th July 1984

No. F. No. 7/11/84-SII.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Vijay Pal Singh, Hindi Translator, All India Radio, Simla as Hindi Officer on deputation in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200, on ad-hoc basis, with effect from the 9th July, 1984 until further orders.

2. Shri Singh assumed charge of the post at Radio Kashmir Jammu on the same date.

MOHAN FRANCIS,
Dy. Dir. Admn.
for Dir. General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 23rd July 1984

No. A.12025/23/82-Admn-I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. (Smt.) Joginder Kaur to the post of Dental Surgeon at Dr. Ram Manohar Lohia Hospital, New Delhi with effect from the forenoon of 1st March, 1984, in a temporary capacity and until further orders.

P. N. THAKUR,
Dy. Dir. Admn. (C&B)

PH (CDL) SECTION

New Delhi-110011, the 28th July 1984

No. A-19019/26/79-Admn-I/PH(CDL) (Pt.).—On attaining the age of superannuation Shri K. L. Vig, Stores Officer in the National Institute of Communicable Diseases under this Directorate retired from Government Service on the afternoon of 30th June, 1984.

NARAIN SINGH,
Dy. Dir. Admn. (N)

MINISTRY OF RURAL DEVELOPMENT

DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 24th July 1984

No. A-19027/1/81-A.III.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, Shri J. M. Bagley, Photo-Officer, (ad-hoc) at Faridabad has been appointed to the same post on regular basis with effect from 20-1-1983 at the same station.

The 25th July 1984

No. A-19025/16/84-A.III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri James Antony has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Faridabad w.e.f. 11-7-84 (FN) until further orders.

ATUL SINHA,
Agrl. Marketing Adviser
to the Govt. of India.

**BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE
PERSONNEL DIVISION**

Bombay-400 085, the 27th July 1984

No. K/545(Estt.II)3704.—Shri Thachath Chendratodiyl Raru Kutty relinquished charge of the post of Security Officer on 30-6-1984 (AN) consequent on Superannuation.

R. C. KOTIANKAR,
Dy. Establishment Officer

ATOMIC ENERGY REGULATORY BOARD

Bombay-400 039, the 21st July 1984

No. AERB/02/12/104.—Member-Secretary, Atomic Energy Regulatory Board, appoints Shri Edathil Ramanunni Kidave, a permanent UDC and officiating Assistant who was officiating as Assistant Personal Officer on an ad-hoc basis in Bhabha Atomic Research Centre, to officiate as Assistant Personal Officer in the scale of Rs. 650-960 in the Atomic Energy Regulatory Board with effect from Feb. 22, 1984 until further orders.

K. MUTHUSWAMY,
Admn. Officer

**DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
MADRAS ATOMIC POWER PROJECT**

Kalpakkam-603 102, the 20th July 1984

No. MAPP/3(1488)/84-Rectt.—Consequent on his transfer from the General Services Organisation (Kalpakkam) Shri R. Rajamani, a permanent Assistant Accounts Officer in the Department of Atomic Energy and officiating Accounts Officer-II in the General Services Organisation (Kalpakkam) is appointed as Accounts Officer-II in an officiating capacity in the Madras Atomic Power Project with effect from the forenoon of June 1, 1984 until further orders.

V. K. SANTHANAM,
Admn. Officer
for Project Director

**OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL
AVIATION**

New Delhi, the 12th July 1984

No. A. 32014/4/84-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to continue the *ad-hoc* appointments of the undermentioned Assistant Communication Officers for a further period upto the dates indicated against each or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier, under usual terms & conditions :—

Sl. No.	Name	Date
1	2	3
<i>S/Shri</i>		
1.	S.K. Roy	30-6-84
2.	D.N. Kundu	31-1-84
3.	V.K.H. Sharma	30-6-84
4.	B.C. Biswas	30-6-84
5.	Namdeo H. Aucharmal	30-6-84
6.	C.R. Kutty	30-6-84
7.	P.R. Chowdhury	30-6-84
8.	Chaman Singh	30-6-84
9.	D.L. Hete	30-6-84
10.	R.P. Joshi	30-6-84
11.	Balbir Singh	30-6-84
12.	G.L. Chawla	30-6-84
13.	S.D. Bhalla	30-6-84
14.	A. Kumar	30-6-84

1	2	3
<i>S/Shri</i>		
15.	D.S. Karmalkar	30-6-84
16.	K.S.N. Iyer	30-6-84
17.	D.N. Halder	30-6-84
18.	R. Arul Pragasam	30-6-84
19.	S.K. Nandi	31-1-84
20.	A.S. Sivaramakrishnan	30-6-84
21.	M.S. Singhal	30-6-84
22.	P. Bose	30-6-84
23.	S.S. Sandhu	30-6-84
24.	T.G. Nair	1-2-84 (F.N.)
25.	P.K. Das	30-6-84
26.	S.K. Biswas	30-6-84
27.	C.L. Sen Chowdhury	30-6-84
28.	A.K. Biswas	30-6-84
29.	M.V. Mulmulay	30-6-84
30.	R.D. Ram	30-6-84
31.	P.S. Bagde	30-6-84
32.	B.M. Gulati	30-6-84
33.	J.H. Nair	30-6-84
34.	Smt. Priti Kundu	30-6-84
35.	S.P. Vasawada	30-6-84
36.	G. Eranna	30-6-84
37.	J.B. Krishna	30-6-84
38.	J.S. Vedi	30-6-84
39.	J. Ghosh	30-6-84
40.	R.K. Naz	30-6-84
41.	N. Seetharaman	30-6-84
42.	A.N. Mitra	30-6-84
43.	G. Titus	30-6-84
44.	A.J. Mathuranayagam	31-5-84

The 26th July 1984

No. A.38013/1/84-EC(1).—Shri T. S. Krishnamoorthy, Assistant Communication Officer, Aero. Comm. Station, Bombay in the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department relinquished charge of his office w.e.f. 30-6-1984 (AN), on retirement on attaining the age of superannuation.

O. P. AGGARWAL
Assistant Director of (Admn.)

New Delhi, the 23rd July 1984

No. A.32013/1/83-ES.—The President is pleased to appoint Shri Kanu Gohain to officiate as Deputy Director of Air Safety (Engg.)/Regional Controller of Air Safety (Engg.) in the pay scale of Rs. 1500-60-1800 on regular basis and until further orders with effect from the 14th June, 1984 (AN), in the Office of the Regional Director, Delhi Region, Safdarjung Airport, New Delhi.

B. BHAUMIK
Asstt. Director of Admn.

**COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND
CUSTOMS**

Vadodara, the 1st January 1984

No. 1/1984.—Shri M. S. Joshi, Superintendent of Central Excise and Customs (Group-'B') Vadodara Din. II, has retired on attaining the age of Superannuation pension in the afternoon of 31-1-1984.

No. 2/1984.—Shri P. R. Shahani, Assistant Collector of Central Excise and Customs (Group-'A') Vadodara Din. I, has retired on attaining the age of Superannuation pension in the afternoon of 31-3-1984.

No. 3/1984.—Shri K. J. Patel, Superintendent of Central Excise and Customs (Group-'B') Vadodara Din. V, has retired on attaining the age of Superannuation pension in the afternoon of 31-3-1984.

No. 4/1984.—Shri D. P. Naik, Superintendent of Central Excise and Customs (Group-'B') Vadodara Din.V, has retired on attaining the age of Superannuation pension in the afternoon of 31-3-1984.

No. 5/1984.—Shri A. I. Saiyed, Assistant Collector of Central Excise and Customs (Group-'A') Vadodara Din.V, has retired on attaining the age of Superannuation pension in the afternoon of 30-4-1984.

No. 6/1984.—Shri G. J. Vohra, Superintendent of Central Excise and Customs (Group-'B') Surat Din.I, has retired on attaining the age of Superannuation pension in the afternoon of 30-4-1984.

No. 7/1984.—Shri N. C. Trivedi, Assistant Collector of Central Excise and Customs (Group-'A') Vadodara Din.II, has retired on attaining the age of Superannuation pension in the afternoon of 31-5-1984.

No. 8/1984.—Shri G. N. Pandya, Assistant Collector of Central Excise (Audit) Hdqrs (Group-'A') Vadodara, has retired on attaining the age of Superannuation pension in the afternoon of 30-6-1984.

No. 9/1984.—Shri P. P. Parmar, Assistant Collector of Customs (Group-'A') Bulsar (under suspension with effect from 29-5-84) has retired on attaining the age of Superannuation pension in the afternoon of 30-6-1984.

No. 10/1984.—Shri P. M. Kansara, Chief Accounts Officer of Central Excise (Group-'A') Vadodara, has retired on attaining the age of Superannuation pension in the afternoon of 30-6-1984.

No. 11/1984.—Shri C. O. Vyas, Superintendent of Central Excise and Customs (Group-'B') Bulsar Din, has retired on attaining the age of Superannuation pension in the afternoon of 30-6-1984.

(Sd.) ILLEGIBLE
Collector Central Excise and Customs.

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND
COMPANY AFFAIRS

DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS
COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Navjeevan Vanaspati Udyog Private Limited.

Jaipur-6, the 9th July 1984

No. STAT/1302/4668.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date here of the name of M/s. Navjeevan Vanaspati Udyog Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Mahabani Finance and Investment Private Limited.

Jaipur-6, the 9th July 1984

No. STAT/1269/4672.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Mahabani Finance and Investment Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and M/s. Laxmi Penal Doors Industries Private Limited

Jaipur-6, the 9th July 1984

No. STAT/1722/4664.—Notice is hereby given to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Laxmi Penal Doors Industries Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

S. P. DIXIT,
Registrar of Companies Rajasthan, Jaipur.

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOMETAX

Hyderabad, the 16 July 1984

ORDER

C.R. No. 12/Estt/84/No. 370—The undermentioned Income-tax Officers are confirmed as Income-tax Officers, Class-II with effect from the dated noted against them in Col. No. 3 :—

Sl. No.	Name of the I.T.O. & Designation & Place at which working	Date from which confirmed	How the vacancy has arisen
1	2	3	4
1.	Shri V.V. Ramana Rao Income-tax Officer B-Ward, Vizianagaram	1-7-84	Due to retirement of Shri Sukhdev Narayan, Income-tax Officer.
2.	Shri N. Jayakar Income-tax Officer D-Ward, Circle-I, Hyderabad.	1-7-84	Due to retirement of Shri K. Krishna Rao, Incometax Officer.

2. The date of confirmation is subject to modification at a later date, if necessary.

V.V.S. SASTRY
Commissioner of Income-tax,
Andhra Pradesh-1, Hyderabad.

INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-400 020, the 27th July 1984

No. F. 48-Ad(AT)/1984.—Shri N. C. Chaturvedi, substantive Hindi Translator, Income-tax Appellate Tribunal, Allahabad Benches, who was continued to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Delhi Benches, New Delhi on ad-hoc basis in a temporary capacity for a period of 3 months with effect from 16-2-1984 vide this office notification No. F. 48-Ad(AT)/1984, dated 22nd May, 1984 is now permitted to continue in the same capacity as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Delhi Benches, New Delhi for a further period of 3 months with effect from the 16th May, 1984 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

The above appointment is ad-hoc and will not bestow upon Shri N. C. Chaturvedi, a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on ad-hoc basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

No. F.48-Ad(AT)/1984.—Shri S. V. Narayanan, Sr. Stenographer, Income-tax Appellate Tribunal, Hyderabad Benches,

Hyderabad who was continued to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay for a period of three months from 1-3-1984 vide this office notification No. F. 48-Ad(AT)1984, dated 22nd May, 1984 is now permitted to continue to officiate in the same capacity as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay for a further period of three months with effect from the 1st June, 1984 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

The above appointment is ad-hoc and will not bestow upon Shri S. V. Narayanan, a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on ad-hoc basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

T. D. SUGLA,
President.

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
CALCUTTA

Calcutta, the 12th July 1984

Ref. No AC-11/Acq. R-IV/Cal/84-85.—Whereas I, SANKAR K. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Asansol, Burdwanm,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Calcutta on 15-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sardar Santok Singh Chopra,
Queen Mansion, 25-B, Park Street,
Calcutta-16,

(Transferor)

(2) Smt. Annapurna Todi,
P. N. Mallick Road,
P. S. Raniganj, Dist. Burdwan.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: $\frac{1}{2}$ share of 2 Bigha 8 Kottah 4 chattaks with building.

Address : Mouja Santa, P.S. Asansol, Dist. Burdwan.

Deed No. : 11958 of 1983.

SANKAR K. BANERJEE
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date : 12-7-1984
Seal :

FORM IINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
CALCUTTA

Calcutta, the 12th July 1984

Ref. No. AC-12/Acq. R-IV/Cal/84-85.—Whereas I, SANKAR K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing situated at Asansol, Burdwan.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Calcutta on 15-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sardar Santok Singh Chopra,
Queen Mansion, 25-B, Park Street,
Calcutta-16.

(Transferor)

(2) Sri Madan Lal Dokania,
P. N. Mallick Road,
P. O. Raniganj, Dist. Burdwan.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: ½ share of 2 Bigha 8 Kottah 4 chattaks with building.

Address : Mouja Santa, P.S. Asansol, Dist. Burdwan.
Deed No. 11959 of 1983.

SANKAR K. BANERJEE

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date : 12-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
CALCUTTA

Calcutta, the 12th July 1984

Ref. No. AC-13/Acq. R-IV/Cal/84-85.—Whereas I, SANKAR K. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing situated at Asansol, Burdwan, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Calcutta on 15-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sardar Santok Singh Chopra,
Queen Mansion, 25-B, Park Street,
Calcutta-16.

(Transferor)

(2) Sri Subhas Kumar Dokania,
P. N. Mallick Road,
P. S. Raniganj, Dist. Burdwan.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: 1 share of 2 Bigha 8 Kottah 4 chatraks with building.

Address: Mouja Santa, P.S. Asansol, Dist. Burdwan.
Deed No. 11960 of 1983.

SANKAR K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date: 12-7-1984
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CALCUTTA

Calcutta, the 12th July 1984

Ref. No. AC-14/Acq. R-IV/Cal/84-85.—Whereas I, SANKAR K. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing situated at Asansol, Burdwan, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Calcutta on 15-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Sardar Santok Singh Chopra,
Queen Mansion, 25-B, Park Street,
Calcutta-16.

(Transferor)

(2) Sri Dinesh Prasad Todi,
P.N. Mallick Road,
P. S. Raniganj, Dist. Burdwan.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: 1 share of 2 Bigha 8 Kottah 4 chattaks with building.

Address : Mouja Santa, P.S. Asansol, Dist. Burdwan.

SANKAR K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date : 12-7-1984

Seal :

FORM ITNS—

- (1) 1. Sofibai.
2. Nusrat Sharif.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 296D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Nusrat Sharif.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,
CALCUTTA.

Calcutta, the 17th July 1984

Ref. No. TR-5/84-85/SI. 902 I.A.C. Acq. R-1/Cal.—
Whereas I, S. K. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 11, situated at Decres Lane Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at S.R.A. Calcutta on 9-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building with land measuring 3 K. 11 ch. 40 sq. ft. situated at 11 decres lane, Calcutta registered with S.R.A. Calcutta vide Deed No. 11266 Dated 9-11-1984.

S. K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta

Date : 17-7-1984
Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 2nd July 1984

Ref. No. ASR/84-85/43.—Whereas I, B. S. DHILLON, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land, situated at Village Kauntarpur, Teh. Pathankot (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.D. Pathankot on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Anchal Singh s/o
Sh. Sunder Singh,
r/o Kauntarpur, Teh. Pathankot,
Distt. Gurdaspur. (Transferor)
- (2) Shri Jaidev Singh s/o
Shri Kehar Singh s/o Sh. Dhanna Singh,
r/o Masitpal Kot, Teh. Dasuya,
Distt. Hoshiarpur. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows
or be interested in the property)
- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A piece of land measuring 11 Kanals, 19 marlas, situated at Village Kauntarpur, Teh. Pathankot, as mentioned in sale deed No. 2318 dated 17-11-1983 of Registering Authority, Pathankot.

B. S. DHILLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 2-7-1984
Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 12th July 1984

Ref. No. ASR/84-85/44.—Whereas I, B. S. DHILLON, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One plot of land, situated at Dhangu Road, Pathankot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer S.R. Pathankot on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

- (1) Pathankot Clinic Nursing Home, through Dr. Hans Raj Khera, Dr. Arun Khera s/o Dr. Hans Raj, Dr. Amit Chand, Dr. Anil Soncja, Dr. Monika w/o Dr. Anil Soncja, Pathankot. (Transferor)
- (2) Kum. Rajinder Kaur d/o Sh. Inder Singh, r/o Village Budha Bar, P.O. Budhabar, Teh. Dasuya, Distt. Hoshiarpur. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land situated at Dhangu Road, Pathankot, as mentioned in sale deed No. 2442 dated 29-11-83 of Registering Authority, Pathankot.

B. S. DHILLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 12-7-1984
Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 9th July 1984

Ref. No. ASR/84-85/45.—Whereas I, B. S. DHILLON, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property, situated at Batala Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

S.R. Amritsar on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Sonia Devi, Renu Bala and others,

(Transferor)

(2) Sh. Kamal Kumar Mehra,
s/o Sh. Shiv Nath Mehra,
18-A, Tagore Colony,
Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows or to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property No. 18-A, situated at Tagore Colony, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 9686 dated 16-11-83 of Registering Authority, Amritsar.

B. S. DHILLON, IRS

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 9-7-1984
Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 9th July 1984

Ref. No. ASR/84-85/46.—Whereas I, B. S. DHILLON, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One property, situated at Tagore Colony, Amritsar

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on Nov. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Inderjit Kaur w/o Sh. Parshotam Singh, r/o Pawan Nagar, Batala Road, Amritsar. (Transferor)
- (2) Sh. Narinder Singh, s/o Chattar Singh, 91, Krishna Square II, Batala Road, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
- (4) Any other. (Person in occupation of the property)
(Person whom the undersigned knows or be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property No. 91, situated at Krishna Square II, Batala Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 9948 dated 23-11-83 of Registering Authority, Amritsar.

B. S. DHILLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 9-1-1984

Seal :

FORM ITNS-

(1) Master Subal Khanna s/o Shri Krishan Kumar Khanna, r/o Lekha Park, Maqbool Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Neelam Nagpal w/o Shri Vijay Kumar Nagpal, r/o 19, Basant Avenue, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant as under M/s Rai Sons Corporation. Rent Rs. 225/- p.m.
(Person in occupation of the property)(4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI
TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 9th July 1984

Ref. No. ASR/84-85/47.—Whereas I, B. S. DHILLON, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property situated at Maqbool Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Amritsar on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share of property situated at Maqbool Road, near Rattan Singh Chowk, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 11865 dated 11-1-1984 of registering authority, Amritsar.

B. S. DHILLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 9-7-1984.
Seal ;

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI
TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 9th July 1984

Ref. No. ASR/84-85/48.—Whereas, I, B. S. DHILLON, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property situated at Maqbool Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Miss Sudevi Khanna d/o Shri Krishan Kumar Khanna, Lekha Park, Maqbool Road, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Smt. Neelam Nagpal w/o Shri Vijay Kumar Nagpal, r/o 19, Basant Avenue, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above and tenant as under M/s Rai Sons Corporation. Rent Rs. 225/- p.m.
(Person in occupation of the property).
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4th share of property situated at Maqbool Road, near Rattan Singh Chowk, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 9771 dated 18-11-1983 of registering authority, Amritsar,

B. S. DHILLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 9-7-1984.
Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI
TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 9th July 1984

Ref. No. ASR/84-85/50.—Whereas, I, B. S. DHILLON, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property situated at Maqbool Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
45—196 GI.84

(1) Smt. Indu Lekha Khanna w/o Shri Krishan Kumar Khanna, r/o Lekha Park, Maqbool Road, Amritsar.
(Transferor)

(2) Smt. Neelam Nagpal w/o Shri Vijay Kumar Nagpal, r/o 19, Basant Avenue, Amritsar.
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant as under M/s Rai Sons Corporation. Rent Rs. 225/- p. .
(Person in occupation of the property).

(4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share of property situated at Maqbool Road, near Rattan Singh Chowk, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 10190 dated 28-11-1983 of registering authority, Amritsar.

B. S. DHILLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 9-7-1984.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI
TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 9th July 1984

Ref. No. ASR/84-85/50.—Whereas, I, B. S. DHILLON, IRS and the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One property situated at Maqbool Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Miss Vishakha Khanna d/o Shri Krishan Kumar Khanna, r/o Lekha Park, Maqbool Road, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Smt. Neelam Nagpal w/o Shri Vijay Kumar Nagpal, r/o 19, Basant Avenue, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above and tenant as under M/s Rai Sons Corporation. Rent 225/- p.m.
(Person in occupation of the property).
- (4) Any other,
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1th share of property situated at Maqbool Road, near Rattan Singh Chowk, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 9773 dated 18-11-1983 of registering authority, Amritsar.

B. S. DHILLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 9-7-1984.
Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI
TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 5th July 1984

Ref. No. ASR/84-85/51.—Whereas, ' B. S. DHILLON, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

A plot of land situated at New Garden Colony, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri S. Rajinder Singh s/o Dr. Gurjit Singh, 107, Lawrence Road, Amritsar.
(Transferor)

(2) Dr. Parminder Singh Grover s/o Shri Sant Singh, 155 Anand Avenue, Scheme No. 61, Amritsar.
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
(Person in occupation of the property).

(4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 251.25 sq. yds. situated at New Garden Colony, Circular Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 9673 dated 16-11-1983 of registering authority, Amritsar.

B. S. DHILLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 5-7-1984.
Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI
TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 5th July 1984

Ref. No. ASR/84-85/52.—Whereas, I, B. S. DHILLON, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing A plot of land situated at New Garden Colony, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri S. Rajinder Singh s/o Dr. Gurjit Singh, 107, Lawrence Road, Amritsar.
(Transferor)

(2) Smt. Balwinder Grover w/o Dr. Parminder Singh Grover, 155 Anand Avenue, Scheme No. 61, Amritsar.
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
(Person in occupation of the property).

(4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 250 sq. yds. situated at New Garden Colony, Circular Road, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 9758 dated 18-11-1983 of registering authority, Amritsar.

B. S. DHILLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 5-7-1984,
Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI
TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 9th July 1984

Ref. No. ASR/84-85/53.—Whereas, I, B. S. DHILLON, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One property situated at Inside Bazar Pathankot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Pathankot on November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Gopal Dass s/o Shri Gian Chand, r/o Inside Bazar, Pathankot. (Transferor)
- (2) Shri Vinod Kumar s/o Shri Thoor Ram, r/o Sujapur, Pathankot. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated at Inside Bazar Pathankot, as mentioned in sale deed No. 2253 dated 14-11-1983 of registering authority, Amritsar.

B. S. DHILLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 12-7-1984.
Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI
TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 12th July 1984

Ref. No. ASR/84-85/54.—Whereas, I, B. S. DHILLON, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- bearing One property situated at outside Ghee Mandi Gate, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent considerations and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Kanta Ahuja w/o Shri Manohar Lal Ahuja, r/o Braham Nagar, Amritsar.

(Transferor)

- (2) Shri Kanwarjeet Bajaj w/o Shri Gurmukh Singh, Jail Road, Amritsar, Smt. Neelu Arora w/o Shri Dalip Kumar Arora, The Mall, Amritsar and Smt. Meenu Wadhwa w/o Shri Anil Wadhwa, r/o Lawrence Road, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any.

(Person in occupation of the property).

- (4) Any other,

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated at Outside Ghee Mandi Gate Amritsar, as mentioned in sale deed No. 9585 dated 14-11-1983 of registering authority, Amritsar.

B. S. DHILLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 12-7-1984
Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD
AMRITSAR

Amritsar, the 2nd July 1984

Ref. No. ASR/94-85/55.—Whereas, I,
B. S. DHILLON, IRSbeing the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingAgricultural land situated at Vill. Gorsian, Distt. Gurdaspur.
Road, Chembur Bombay-74.(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908)
in the Office of the Registering Officer at
S.R. Gurdaspur on Nov. 1983for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

- (1) S/Sh. Faqir Singh,
Ajit Singh and
Jaswinder Singh ss/o
Sh. Amar Singh,
Vill. Gorsian,
Teh & Distt. Gurdaspur.

(Transferor)

- (2) S/Shri Arjan Singh and
Satwinder Singh ss/o
Sh. Bachan Singh,
r/o Vill. Gorsian,
Distt. Gurdaspur.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.
(Person in occupation of the property)

- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

A piece of agricultural land measuring 21 kanals, situated
at Vill. Gorsian, Distt. Pathankot, as mentioned in sale deed
No. 4672 dt. 22-11-83 of registering authority, Gurdaspur.

B. S. DHILLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Amritsar

Date : 2-7-84
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD
AMRITSAR

Amritsar, the 2nd July 1984

Ref. No. ASR/84-85/56.—Whereas, I,
B. S. DHILLON, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

Agricultural land situated at Vill. Gorsian, Distt. Gurdaspur.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at S. R. Gurdaspur on Nov., 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

(1) Sh. Jaswant Singh
s/o Shri Kapur Singh,
r/o Vill. Gorsian,
Distt. Gurdaspur.

(Transferor)

(2) S/Shri Faqir Singh,
Ajit Singh and
Jaswinder Singh
ss.o Shri Amar Singh,
Vill. Gorsian,
Distt. Gurdaspur.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

A piece of agricultural land measuring 14 kanals, situated
at Vill. Gorsian, Distt. Gurdaspur, as mentioned in sale deed
No. 4676 dt. 23-11-83 of registering authority, Gurdaspur.

B. S. DHILLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Amritsar

Date : 2-7-84
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD
AMRITSAR

Amritsar, the 5th July 1984

- (1) M/s. Wool Finishers,
Amritsar, through Sh. Parveen Kumar
s/o Sh. Abhey Kumar,
Smt. Kusum Kumari,
w/o Sh. Jai Kumar,
27 Lawrence Road, Amritsar.

(Transferor)

- (2) M/s Woollen Processors,
(P) Ltd., Near 4 Field,
G. T. Road, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

Ref. No. ASR/84-85/57.—Whereas, I,
B. S. DHILLON, IRS
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
Agricultural land
A plot of land situated at G. T. Road, Amritsar.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office
of Registering Officer
at S. R. Amritsar on Nov., 1983,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

46—196 GI/84

THE SCHEDULE

A plot of land measuring 1 Kanal, 15 marlas, situated at
Sultanwind, G. T. Road, Amritsar, as mentioned in sale deed
No. 9967 dt. 24-11-83 of registering authority, Amritsar.

B. S. DHILLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Amritsar

Date : 5-7-84
Seal :

FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD
AMRITSAR

Amritsar, the 9th July 1984

Ref. No. ASR/84-85/58.—Whereas, I,
B. S. DHILLON, IRS
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
A plot of land situated at Sultanwind, G. T. Road, Amritsar,
Mehrauli, New Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908,
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
S.R. Amritsar on Nov. 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) M/s Wool Finshers
Amritsar, through Sh. Parveen Kumar
s/o Sh. Abhey Kumar Smt. Kusum Kumari
w/o Sh. J. Kumar,
27 Lawrence Road, Amritsar. (Transferor)
- (2) M/s Woollen Processors (P) Ltd.,
Near 4 Field, G. T. Road,
Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette of a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter

THE SCHEDULE

A plot of land measuring 1 Kanal, 15 marlas, situated at
Sultanwind, G. T. Road, Amritsar, as mentioned in sale deed
No. 9523 dated 14-11-83 of registering authority, Amritsar.

B. S. DHILLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Amritsar

Date : 9-7-84
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD
AMRITSAR

Amritsar, the 9th July 1984

Ref. No. ASR/84-85/59.—Whereas, I,
B. S. DHILLON, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One property situated at G. T. Road, Batala.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority

at S. R. Batala on Nov., 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Vaishno Dass
s/o Sh. Des Raj and
Sh. Randhir Goel
s/o Sh. Surinder Nath,
Batala, Now 6,
Maqbool Road,
Amritsar.

(Transferor)

- (2) Shri Raj Kumar
s/o Shri Sewa Ram,
c/o Moti Bazar, Batala.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.
(Person in occupation of the property)

- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/9th share of property at G. T. Road, Batala, as mentioned in sale deed No. 4241 dated 25-11-83 of registering authority, Batala.

B. S. DHILLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Amritsar

Date : 9-7-84
Seal :

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD
AMRITSAR

Amritsar, the 9th July 1984

Ref. No. ASR/84-85/60.—Whereas, I,
B. S. DHILLON, IRS
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One property situated at G. T. Road, Batala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S. R. Batala on Nov., 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Vaishno Dass
s/o Sh. Des Raj and
Sh. Radhir Goel
w/o Sh. Surinder Nath,
Batala, Now 6,
Maqbool Road,
Amritsar.

(Transferor)

- (2) Sh. Surinder Kumar
s/o Shri Sewa Ram,
Moti Bazar,
Batala.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.

(Person in occupation of the property)

- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/9th share of property at G. T. Road, Batala, as mentioned in sale deed No. 4267 dated 28-11-83 of registered authority, Batala.

B. S. DHILLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Amritsar

Date : 9-7-84
Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD
AMRITSAR

Amritsar, the 9th July 1984

Ref. No. ASR/84-85/61.-Whereas, I,

B. S. DHILLON, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property situated at G. T. Road, Batala. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S. R. Batala on Nov., 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

- (1) Sh. Vaishno Dass
s/o Sh. Des Raj and
Sh. Randhir Goel
s/o Sh. Surinder Nath,
Batala, Now 6,
Maqbool Road.
Amritsar.

(Transferor)

- (2) Shri Parmod Kumar
s/o Shri Sewa Ram,
Moti Bazar,
Batala.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/9th share of property at G. T. Road, Batala, as mentioned in sale deed No. 4297 dated 28-11-83 of registering authority, Batala.

B. S. DHILLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of the Income-tax
Acquisition Range
Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-7-1984
Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL BHAWAN,
NEAR BROADWAY HOTEL,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 16th July 1984

Ref. No. IAC/Acq-III/37EE/11-83/105.—Whereas, I,
G. S. GOPALA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. 317 situated at 9-Bhikaji Cama Place, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the registering Officer at
IAC/Acq-III on Nov. 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

(1) Mrs. Sunita Devi Gupta
W/o Sh. R. K. Gupta,
r/o 58 Model Basti,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Kanta Jathi,
Mr. Anil Jethi and
Mr. Ajay Jethi,
r/o B-5, MIG Flats Block-11,
Pocket 'B' Phase-III, Ashok Vihar,
Delhi-32.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 317, Third Floor, in 9 Bhikaji Cama Place,
New Delhi mg. 460 sq. ft.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
New Delhi

Date : 16-7-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL BHAWAN,
NEAR BROADWAY HOTEL,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 16th July 1984

Ref. No. IAC[Acq.III]37EE[11-83]106.--Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. basement No. 11 situated at 5-Bhikaji Cama Place, New Delhi and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC[Acq.III, New Delhi on Nov. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties, has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mrs. Shanta Arya,
Mrs. Urmila Grover,
Grover Bhawan,
Near Dayal Singh College,
Karnal.

(Transferor)

- (2) Mr. Kewal Mago &
Mrs. Usha Mago,
65/62, Rohtak Road,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Basement No. 11, at 5-Bhikaji Cama Place, New Delhi
Area—380 sq. ft.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
New Delhi

Date : 16-7-1984
Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL BHAWAN,
NEAR BROADWAY HOTEL,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 16th July 1984

Ref. No. IAC/Acq-III/37EE/11-83/107.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 234 situated at 9-Bhikaji Cama Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (1606 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq-III New Delhi on Nov. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Surinder K. Sareen,
Sh. Virender Sain,
F-10, N.D.S.E.-I,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Tulsiram Family Trust
Shalimar, 216 Marine Drive,
Near Nariman Point,
Bombay-20.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 234, in 9-Bhikaji Cama Place, New Delhi mg.
340 sq. ft.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
New Delhi

Date : 16-7-1984
Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL BHAWAN,
NEAR BROADWAY HOTEL,
4114-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 16th July 1984

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/11-83/108.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. N.J. UG-17, Flat No. 3 situated at District Centre Janakpuri, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq.III New Delhi on Nov. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Jaina Properties (P) (L)
Addinath Shree House Opp. Super Bazar,
Connaught Circus,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Murty and
Mrs. Vijay
W/o Sh. S. N. Yadav and
A. S. Yadav,
r/o U-456, Officer Quarters Area,
Air Force Station Palam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. UG-17, Flat No. 3, District Centre, Janakpuri, New Delhi mg. 155 sq ft.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
New Delhi

Date : 16-7-1984
Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL BHAWAN,
NEAR BROADWAY HOTEL,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 16th July 1984

Ref. No. IAC[Acq.III]37EE[11-83]110.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 303, N-19 situated at Green Park Extn. New Delhi and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Nov. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Dr. M. B. Athreya,
Mrs. Geeta Athreya,
R/o of Both: A-28 Chittaranjan Park,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Mr. M. L. Dujari,
Mrs. Shobha Dujari,
r/o E-41, N.D.S.E-I,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 303, N-19, Green Park Extn. New Delhi Mg.
925, Sq. ft.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
New Delhi

Date : 16-7-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL BHAWAN,
NEAR BROADWAY HOTEL,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 16th July 1984

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/11-83/111.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 76, Block No. 7 situated at Subhash Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq-III New Delhi on Nov. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. Budhwanti
W/o Sh. Harnam Singh,
r/o 1495 Ranjit Street Pahar Ganj,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Mrs. Harnam Kaur
W/o Sh. Narain Singh,
r/o 17/103, Subhash Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

House No. 76, Block No. 7, Subhash Nagar, New Delhi
Area—100 sq. yds.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
New Delhi

Date : 16-7-1984
Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL BHAWAN,
NEAR BROADWAY HOTEL,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 16th July 1984

Ref. No. IAC/Acq-III/37EE/11-83/113.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. A-320 situated at 5-Bhikaji Cama Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq-III New Delhi on Nov. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) M/s Atlantic Private Limited,
806, Rohit House, 3 Tolstoy Marg,
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Bhanot Properties & Industries Ltd.
102-103 Raja House,
30-31, Nehru Place,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Flat No. A-320, 3rd floor, at 5-Bhikaji Cama Place, New Delhi Mg. 295 sq. ft.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
New Delhi

Date : 16-7-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL BHAWAN,
NEAR BROADWAY HOTEL,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 16th July 1984

Ref. No. IAC[Acq.III]37EE[11-83]114.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 111-A situated at 5-Bhikaji Cama Place, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred in the Office of the Registering Officer at IAC[Acq-III New Delhi on Nov. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mr. Nirmal Kumar Gupta,
4401 Gall Laton Jat,
Pahari Dhiraj,
Delhi-6.

(Transferor)

(2) Mr. Puneet Agrawal
C/o M/s Pavansut Enterprises,
586/1E, W. K. Road, Chhipi Tank,
Meerut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 111-A, on First floor measuring 110 sq. ft.² in No. 5-Bhikaji Cama Place, New Delhi.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
New Delhi

Date : 16-7-1984

Seal

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL BHAWAN,
NEAR BROADWAY HOTEL,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 16th July 1984

Ref. No. IAC/Acq-III/37EE/11-83/273.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. G-14 situated at District Centre Janakpuri, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq-III New Delhi on Nov. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Usha Singh
W/o Sh. R. K. Singh
c/o Sh. M. L. Garg, Ajanta Express Xar,
8-UB Jawahar Nagar, Delhi.
(Transferor)

(2) Jaina Properties (Pvt.) Ltd.
Addinath Shree House,
Opp. Super Bazar,
Connaught Circus,
New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Prop. No. G-14, Jaina Tower Distt. Centre, Janakpuri,
New Delhi Mg. 640 sq. ft.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
New Delhi

Date : 16-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL BHAWAN,
NEAR BROADWAY HOTEL,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 16th July 1984

Ref. No. IAC/Acq.III/37FE/11-83/270.—Whereas, I,
G. S. GOPALA,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believethat the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearingNo. F-14 situated at District Centre Janakpuri, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred

in the Office of the Registering Officer at

IAC/Acq-III New Delhi on Nov 1983

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

- (1) Jaina Properties (Pvt.) Ltd.
Addinath Shree House,
Opp. Super Bazar,
Cannaught Place,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Ft. Lt. Dhanum Vir Seemar,
Vill Dharampura, Via Abohar,
Dist. Ferozepur (PB).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

F-14, 3rd Floor, Jaina Tower, District Centre Janakpuri,
New Delhi Mg. 355 sq. ft.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
New Delhi

Date : 16-7-1984

Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-III,

AGGARWAL BHAWAN
NEAR BROADWAY HOTEL
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 16th July 1984

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/11-83/ 271.— Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 324, situated at District Centre, Janakpuri, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq-III New Delhi on Nov. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Jaina Properties Pvt. Ltd.
Addinath Shree House, Opp. Super Bazar,
Connought Circus, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Smt. Satinder Kaur
W/o Sh. G. S. Jawaandha,
r/o 215, Sector XI-A,
Chandigarh.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 324, 3rd floor, Jaina Tower Janakpuri, District Centre, New Delhi, Mg. 480 sq. ft.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal House,
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Date : 16-7-1984

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III.

AGGARWAL BHAWAN
NEAR BROADWAY HOTEL
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 16th July 1984

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/11-83/ 183.—Whereas, I,
G. S. GOPALA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. 328, at 9 Bhikaji Cama Place situated at New Delhi, mg.
433 sq. ft.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
in the Office of the Registering Officer
at IAC/Acq.III. on Nov. 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—
48—196 GI/84

- (1) Commdr. Ashok Kumar Bhattacharya,
Mrs. Jayashri Bhattacharya,
F-10, Hauz Khas enclave,
New Delhi (Transferor)
- (2) Comdr. Ashoke Kumar Bhattacharya
Mrs. Jayashri Bhattacharya,
Dr. Shoume Bhattacharya,
Miss Manoshi Bhattacharya,
r/o F-10, Hauz Khas Enclave,
New Delhi (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Office Flat No. 328, (Approx. Area 433 Sq. ft.) Under
Construction at No. 9-Bhikaji Cama Place, New Delhi.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal House,
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Date : 16-7-1984
Seal :

FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL BHAWAN
NEAR BROADWAY HOTEL
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 16th July 1984

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/11-83/ 189.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. B-413, B-414, B-415, situated at 5-Bhikaji Cama Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred in the Office of the registered officer at IAC/Acq. Range-III New Delhi on Nov. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Bhorati N. Wadhwa
233 Lower circular Road,
Calcutta.
(Transferor)
- (2) Shri Indravadan Mohan Lal Parikh (HUF)
Mrs. Manorama L. Parikh Jointly
8/AB Mona Apartments
46F Bhulabhai Desai Road,
Bombay.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat Nos. B-413, B-414, & B-415, 4th Floor at 5-Bhikaji Cama Place, New Delhi mg. 910 sq. ft.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal House,
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Date : 16-7-1984
Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL BHAWAN
NEAR BROADWAY HOTEL
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI
New Delhi, the 16th July 1984

Ref. No. IAC/Acq.III/37EF/11-83] 281.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Basement No. 43, at situated at 5-Bhikaji Cama Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq.III, on Nov. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. Kallakuri Upinder Rao & Mrs. Sheel Malhotra,
C/o Pran Nath Kapur & Sons (P) Ltd.
157 Okhla Industrial Estate, New Delhi-28.
(Transferor)
- (2) Mrs. C. D. Gupta,
c/o H-5, Masjid Moth, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Basement No. 43, at 5 Bhikaji Cama Place, New Delhi
Mg. 320 sq. ft.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal House,
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Date : 16-7-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL BHAWAN4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 16th July 1984

Ref. No. IAC[Acq.III]37EE[11-83] 282.—Whereas, I,
G. S. GOPALA,being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearingNo. BE125, situated at Hari Nagar, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
in the Office of the Registering Officer
at IAC[Acq.III], on Nov. 1983for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely:—

- (1) Smt. Bhagwant Kaur
r/o House No. 67, Bazar No. 6,
Canlt. Ferozpur (PB)

(Transferor)

- (2) Smt. Nirmal Kaur Sodhim
BE-251, Hari Nagar,
New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. BE-125, Kh. 1918, Hari Nagar, New Delhi Mg.
200 sq. ft.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
Aggarwal House,
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Date : 16-7-1984
Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE,
4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR.I|11.83|678.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000 and bearing Prop. No. 8402-03 Model Basti Delhi situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer on November 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Hans Raj Dhawan
S/o Shri Charan Dass
R/o A-26 Ashok Vihar Phase-III,
Delhi-52.

(Transferor)

(2) 1. Mohd. Suhain S/o Shri Abdul Sattar
2. Smt. Akbari Begum W/o Mohd. Suhain,
3. Mohd. Tahir S/o Mohd. Suhain &
4. Mohd. Javed S/o Mohd. Suhain,
all R/o 7553, Near Bari Masjid
Quresh Nagar, Sadar Bazar,
Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 8402-03 built on Plot No. 92 and 93 in Ward No. IV mg. 88.8/9 sq. yds. Model Basti Delhi-6.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi|New Delhi

Date : 13-7-1984

Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. AGGARWAL HOUSE,
4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/11.83/703.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 24/24 Ansari Road, Darya Ganj, situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Enca Construction Co.
Rahul Apartments,
24/24 Ansari Road,
Daryaganj, New Delhi-110002.

(Transferor)

(2) Dr. Krishan Chand Mahajan
S/o Shri R. C. Mahajan
C-6/1 Safdar Jung Development Area,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

i.e. Flat No. 3 on Upper Ground Floor out of property No. 24/24 Ansari Road, Daryaganj, New Delhi-110002. 877.04 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New DelhiDate: 13-7-1984
Seal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE,
4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/11.83/738.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000 and bearing No. Property No. 24/24, Ansari Road, Darya Ganj, situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer a/ on November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Emca Construction Co.
Ruhul Apartments,
24/24 Ansari Road,
Daryaganj, New Delhi-110002.

(Transferor)

(2) Smt. Akal Kumari
W/o Shri M. S. Jain
R/o 3/18 Roop Nagar,
Delhi-110087.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat on 1st Floor out of property No. 24/24 Ansari Road
Daryaganj, New Delhi. 953.32 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM No. IT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE,
4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC[Acq.II][SR-I][11.83/727.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961 (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs 25,000/- and bearing No.**G-3/51A Model Town situated at Delhi**
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
on November, 1983for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transferor,
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) **Smt. Vidya Devi**
W/o Shri Ram Avtar Gupta R/o
Railway Road, Rewari (Haryana). (Transferor)
- (2) **Shri Rattan Kumar Gupta**
S/o Shri Makhan Lal
R/o G-3/51A Model Town,
Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. G-3/51A Model Town, Delhi. 153 sq. yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE,
4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC/Acq-II/SR.1/11.83/738.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 2500/- and bearing Plot No. 18 B1, E Kirti Nagar, situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Agya Ram
S/o Shri Nathu Singh
R/o E-18, Kirti Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Roshan Lal
S/o Shri Nihal Chand
R/o F-18, Kirti Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2½ storeyed house built on free hold plot of land bearing Plot No. 18 in Block-E (E-18) mg/300 sq. yds. situated colony known as Kirti Nagar, area of village Bassai Darapur, Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. AGGARWAL HOUSE,
4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC[Acq.II]SR-J[11.83]744.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 26 Bl. D-1 Rajouri Garden situated at Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Harbans Singh Bedi
S/o Shri Hoshiyar Singh
R/o Punjabi Bagh Extn.,
New Delhi and
S. Sardar Singh
S/o Shri Gulab Singh
R/o AE-A, Tagore Garden,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ramesh Chand Goel
Shri Harish Chand Goel and
Shri Mahesh Chand Goel
Ss/o Shri Shyam Lal Goel,
all R/o E-292 Naraina Vihar,
New Delhi-28.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storeyed House, built on Plot No. 26 in Block D-1 mg. yds. situated at Rajouri Garden area of Village Bassai Darapur, Delhi State, Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Delhi/New Delhi

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS-

(1) Smt. Ram Piari
W/o Late Shri Girdhari Lal
R/o P-16 Jungpura,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sobha Rani
W/o Shri Moti Ram,
R/o C-218, Majlis Park,
Delhi-83.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE,
4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC[Acq-II]SR-I11-83/755.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
Plot No. C-244 Majlis Park situated at Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the Office of the registering Officer at
New Delhi in November, 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. C-244 area 111 sq. Yds., at Majlis Park Colony
Delhi-33 area of village Barola out of Khasra No. 262/258/
217/4.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE,
4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/SR.I/11.83/756.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Prop. No. 845-A Kashmere Gate situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Anil Mehra
S/o Shri Radha Kishan Mehra
R/o 152 Gali Batashan,
Chawri Bazar, Delhi.

(Transferor)

1. Shri Attar Singh Jain
S/o Shri Chandan Lal Jain
2. Shri Vinod Kumar Jain
S/o Shri Attar Singh Jain
both R/o 2235 Bahadur Garh Road,
Teliwara, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided Half Share of property No. 845A (New and 498 Old built on Land measuring 168 sq. yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS-

(1) Shri Ramesh Chander Jain.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri Rajinder Kumar
2. Shri Harpal Singh Chopra
R/o 27 Gujranwala Town-II
Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE,
4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC/Acq-II/SR.I/11.84/772.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 3 Bhagirath Palace situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 3 MPL No. 1853 Bhagirath Palace, Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA ,

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE,
4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC[Acq]II[SR.I]11.83/775.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. XIII/7827 Beri wala Bagh situated at Azad Market, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Amrit Lal
S/o Shri Pt. Khushi Ram
R/o E-196 Shastri Nagar,
Delhi.

(Transferor),

(2) Smt. Naraini Devi
D/o Shri Panchhi
W/o Shri Muzaffar Ahmed
R/o 7827 Beri Wala Bagh
near Azad Market
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice of the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house No. XIII/7827 & common passage & common static No. 7828 situated in Beri wala Bagh near Azad market, Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,
AGGARWAL HOUSE,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC[Acq.II]SR.I[11-83]776.—Whereas I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Prop. No. 5891-92 & 6007 (new) situated at Sadar Bazar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at IAC (Acq.) R-II on November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Chanan Shah son of
Shri Ram Shah, resident of
523-A, R. P. Masani Road, Ground Floor,
Bombay-400 019.

(Transferor)

(2) Shri Dudha Ram S/o
Shri Hira Lal and
Smt. Subhadra Devi w/o
Shri Budha Ram, R/o
4448, Gali Bahjui,
Ratra Nahar Singh, Pahari Dhiraj,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 5891-92 & 6007 (new) built on land measuring 112 sq. yds. Ward No. XIV at Basti Harphool Singh, Sadar Bazar, Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi|New Delhi

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,
AGGARWAL HOUSE,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC[Acq.-II]37EE[11-83]178.—Whereas I,
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269-B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000—
and bearing No.

G-6, Darya Ganj situated at Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at

IAC (Acq.) R-II on November, 1983
for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid
property, and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons namely :—

(1) Jaina Properties Pvt. Ltd.,
Addinath Shree House,
Opp. Super Bazar, Connaught Circus,
New Delhi

(Transferor)

(2) M/s. Anju Electronics,
Shop No. 5, Paudah Bgh,
Daryaganj, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. G-6, Ground Floor at Jai 's Electronics Market,
2, Main Netaji Subhash Marg, Darya Ganj, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
AGGARWAL HOUSE,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC/Acq.-III/37EE/11-83/18 —Whereas I,
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000 and bearing No.

FF-186, Daryaganj situated at Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of
IAC (Acq.) R-II on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reasons to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen percent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

50—196GI/84

- (1) Jaina Properties Pvt. Ltd.,
Addinath Shree House,
Opp. Super Bazar, Connaught Circus,
New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Vinod Kumar,
G-2, Lawrance Road, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. FF-186, Jainas' Electronics Market, 2 Main Netaji
Subhash Marg, Darya Ganj, N. Delhi. 72 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
AGGARWAL HOUSE,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC[Acq.II]37EE[11-83]182.—Whereas I,
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
B-1, Roop Nagar situated at Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred in the Office of the registering Officer at
IAC (Acq.) R-II on November, 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) T. M. Apartments Pvt. Ltd.,
Addinath Shree House,
Opp. Super Bazar, Con. Circus,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Sh. I. R. Lamba,
157D, K. K. Lamla Nagar,
Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

B-1 (Basmeent) Jaina's Cloth Market (A.C.), Roop
Nagar, Delhi. 65 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC/Acq-II/37EE/11-83/165.—Whereas I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing B-25, Jaina's Cloth Mkt. situated at Roop Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in October 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) T. M. Apartments Pvt. Ltd.,
Addinath Shree House,
Opp. Super Bazar, Con. Circus,
New Delhi. (Transferor)
- (2) Mrs. Sudershan Lamba,
157D, Kamla Nagar,
Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

B-25 (Basement) Jaina's Cloth Market (A.C.), Roop Nagar, Delhi. 65 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC/Acq.-II/37EE/11-83/184.—Whereas I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-21A, Roop Nagar situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R-II on November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) T. M. Appartments Pvt. Ltd.,
Addinath Shree House,
Opp. Super Bazar, Con. Place Circus,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri N. R. Jindal,
11-E, Kamla Nagar,
Delhi-110 007.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

B-21A (Basement), Jaina's Cloth Market (A.C.), Roop Nagar, Delhi. 35 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 13-7-1984

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
AGGARWAL HOUSE,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC/Acq.-II/37EE/11-83/185.—Whereas I,
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

UG-25, Darya Ganj situated at Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred in the office of the
Registering Officer at

IAC (Acq.) R-II in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Jaina Properties Pvt. Ltd.,
Addinath Shree House,
Opp. Super Bazar, Connaught Place,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Naresh Chand Sharma,
265, Kucha Ghasi Ram, Chandni Chowk,
Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein
as are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

UG-25 (Upper Ground), in Jaina's Electronics Market,
(A.C.), Darya Ganj, New Delhi. 21.5 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 13-7-1984

Sd/-

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC/Acq-II/37EE/11-83/191.—Whereas I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

FF-118 Shakti Nagar situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R-II on November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (37 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) T. M. Apartments Pvt. Ltd.,
Addinath Shree House,
Opp. Super Bazar, Con. Place,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Chundi Lal,
8693, Sheedipura Near Filmistan,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

FF-118 on First Floor in Jaina's Cloth Market, Shakti Nagar, Chowk Roop Nagar, Delhi. 65 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 13-7-1984

Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC/Acq.-II/37EE/11-83/192.—Whereas I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-29, Shakti Nagar situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R-II on November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) T. M. Apartments Pvt. Ltd.,
Addinath Shree House,
Opp. Super Bazar, Con. Circus,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sunil Kumar,
C/o Delhi Products,
25/152, Shakti Nagar,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

B-29B in Jaina's Cloth Market, Shakti Nagar, Chowk Roop Nagar, Delhi. 35 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 13-7-1984

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC/Acq-II/37EE/11-83/193.—Whereas I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

G-I, Roop Nagar situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R-II on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) T. M. Apartments Pvt. Ltd.,
Addinath Shree House,
Opp. Super Bazar, Con. Place,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Savitri Devi W/o
Shri Badri Parsad Gupta,
B-44, C. C. Colony,
Opp. Rana Partap Bagh,
Delhi-110 007.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

G-I, Ground Floor, Jaina Cloth Market, Main G. T. Road, Roop Nagar, Shakti Nagar, Delhi. 65 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS-

(1) T. M. Apartments Pvt. Ltd.,
Addinath Shree House,
Opp. Super Bazar, Con. Place,
New Delhi.

(Transferor)

(2) K. L. Sud & Sons,
84 UB, Jawahar Nagar,
Delhi-110 007.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC/Acq.-II/37EE/11-83/194.—Whereas I,
R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-29A, Shakti Nagar situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R-II on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. B-29A (Basement) Jaina's Cloth Market (A.C.),
Shakti Nagar, Delhi. 35 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC/Acq.-II/37EE/11-83/195.—Whereas I,
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
B-3, Shakti Nagar situated at Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred in the Office of the Registering Officer at
IAC (Acq.) R-II on November, 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

- (1) T. M. Apartments Pvt. Ltd.,
Addinath Shree House,
Opp. Super Bazar, Con. Circus,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Amolok Ram Aggarwal & Sons &
Shri B. K. Gupta,
4891, Naya Bazar,
Delhi-110 006.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned: —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPRESSIONS:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

B-3 (Basement), Jaina's Cloth Market, Shakti Nagar, Delhi.
65 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,
4/14A ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

(1) T. M. Apartments Pvt. Ltd.
Addinath Shree House Opp. Super Bazar,
Con. Circus,
New Delhi,

(Transferor)

(2) Mrs. Kumud Khanna
A-62, Gujranwala Town,
Part-I, Delhi-9.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

Ref. No. IAC/Acq.II/37EE/11.83/196.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. B-18 Shakti Nagar situated at Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred in the Office of the Registering Officer at
IAC (Acq.) Range II, on November, 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment or any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

B-18 (Basement) in Jaina's Cloth Market (A.C.) Shakti
Nagar, Chowk, Roop Nagar, Delhi 65 sq. ft.R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New DelhiNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—Date : 13-7-1984
Seal :

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
4/14A ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC[Acq.II]37EF/11.83/197.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, (43 of 1961) have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearingNo. B-2/B, Shakti Nagar situated at Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred in the Office of the Registering Officer at
IAC (Acq.) Range II on November, 1983for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

- (1) T. M. Apartments Pvt. Ltd.
Addinath Shree House, Opp. Super Bazar
Con. Circus,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Mr. Anand Mohan Jindal
S/o Sh. N. R. Jindal
6943II Jaipuria Mandir,
Kohlapur Road,
Kamla Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

B-21B in Jaina's Cloth Market in Shakti Nagar, Chowk,
Roop Nagar, New Delhi 35 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
4/14A ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/37Et/1183/198.—Whereas, 1,
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
No. Agricultural land situated at Village Jaitpur, Teh.
No. B-17, Shakti Nagar situated at Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred in the Office of the Registering Officer at
IAC (Acq.) Range II on November, 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
monies or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

- (1) T. M. Apartments Pvt. Ltd.,
Add'nath Shree House,
Opp. Super Bazar,
Con. Circus,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Mrs. Neelam Khanna
A-62, Gujranwala Town,
Part-I,
Delhi-9.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

B-17 (Basement) in Jaina's Cloth Market, Shakti Nagar,
Chowk, Roop Nagar, Delhi-7—65 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
4/14A ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/37LE/11.83/199.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. UG-24, Shakti Nagar situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) Range II on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) T. M. Apartments (P) Ltd.
Addinath Shree House,
Opp. Super Bazar,
Con. Circus,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Smt. Minati Gope
Mrs. Gope
W/o Shri Biswanath Gope
69J, New Rajinder Nagar,
(Double Storey Qts.),
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

UG-24 (Upper Ground Floor) Jaina's Cloth Market (A.C.)
Shakti Nagar, New Delhi 65 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
4/14A ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

(1) T. M. Apartments PPvt. Ltd.
Addinath Shree House,
Opp. Super Bazar,
Con. Circus,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri. Vijay Sawhney
S/o Shri Deena Nath
Sawhney Pocket, B,
Flat No 308,
Ashok Vihar, Phase-II,
Delhi-110 052.

(Transferee)

(3) M/s Amar Silk Mills
(Person in occupation of the property)(4) Mrs. Sushila T. Bansal.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. IAC/Acq.II/37EF/11.86/200.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. C-14, Roop Nagar situated at Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
in the office of the Competent Authority at
IAC (Acq.) Range II on November, 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
Market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of the
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

G-14 B on Ground Floor, Jaina's Cloth Market (A.C.),
Roop Nagar, Delhi 28 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 13-7-1984

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/37EE/11.83/201.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. G-17A, Shakti Nagar situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the Registering Officer at IAC (Acq.) Range-II in November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act; in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

(1) T. M. Apartments Pvt. Ltd.
Adinath Shree House,
Opp. Super Bazar,
Con. Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri S. L. Ashok Kumar
Gireesh Kumar
D-47, Hakikat Rai Road,
Adarsh Nagar,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

G-17A on Ground Floor in Jaina's Cloth Market, Shakti Nagar, New Delhi 37 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 13-7-1984

Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
4/14A ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC/Acq II/37EE/11.83/202.—Whereas, L. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-5, Shakti Nagar situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer IAC (Acq.) Range-II on November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

52—196 GI/84

(1) T. M. Apartments (P) Ltd.
Adinath Shree House, Opp. Super Bazar,
Con. Circus,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sunil Khanna
S/o Shri. W. N. Khanna
AC-IV, 74-B,
Shalimar Bagh,
Delhi-110 0033 .

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

B-5 on basement floor in Jaina's Cloth Market, Shakti Nagar, Delhi 65 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
4/14A ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/37EF/11.83/203.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. FF-106, Roop Nagar situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred in the office of the Registering Officer at IAC (Acq.) Range-II in November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. T. M. Apartments Pvt. Ltd.
Adinath Shree House,
Opp. Super Bazar,
Con. Circus,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ramesh Kumar Arora
S/o Sh. Raj Kumar Arora
A-9, Rana Partap Bagh,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;**

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within **45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.**

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

FF-106 in Jaina's Cloth Market in Shakti Nagar (Roop Nagar), New Delhi. 65 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 13-7-1984

Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
4/14A ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/37EE/11.83/204.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. UG-9, Jaina Cloth Market (A.C.) situated at Roop Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the Registering Officer at IAC (Acq.) Range-II in November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) T. M. Apartments Pvt. Ltd.
Adinath Shree House,
Opp. Super Bazar,
Con. Circus,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Karan Singh
C/o Kanwar & Co.
Opp. Gurdwara Nanak Piao,
Near R. P. Bagh,
Delhi-110 002.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

UG-9, Jaina's Cloth Market (A.C.) Roop Nagar, Delhi
65 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
4/14A ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/37EE/11-83/205.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. G-29, Shakti Nagar, situated at Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the Registering Officer at IAC (Acq.) Range-II in November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. T. M. Apartments (P) Ltd.,
Adinath Shree House Opp.,
Super Bazar, Con. Circus,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. P. N. Arora,
11-E, Kamla Nagar,
Delhi-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

G-29 in Jaina's Cloth Market (A.C.) in Shakti Nagar
Roop Nagar, New Delhi.
56 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 13-7-1984

Seal :

FORM ITNS-

(1) M/s. T. M. Apartments (P) Ltd.,
Addinath Shree House Opp.
Super Bazar, Con. Circus,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
4/14A ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

(2) Sh. Satish Kumar Thakral &
Sh. Virander Kumar Thakral,
Ss/o Sh. Bansil Lal,
A-26, Gujranwala Town Phase-I,
Delhi-9.

(Transferee)

New Delhi, the 13th July 1984

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. IAC[Acq.II]37EE/11-83/206.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding Rs.
25,000/- and bearing
No. G-19 Shakti Nagar situated at Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
in the office of the Registering Officer at
IAC (Acq.) Range-II in November, 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of the notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment or any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act
1957 (22 of 1957);

THE SCHEDULE

G-19 in Jaina's Cloth Market Shakti Nagar Chowk, Roop
Nagar, New Delhi.
60 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,
namely :—

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE
4/14A ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/37EE/11-83/210.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. UG-5 Shakti Nagar situated at Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R.II in November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. T. M. Apartments (P) Ltd.,
Addinath Shree House Opp.
Super Bazar, Con. Circus,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Suresh Kumar Agarwal,
AE-53, Shalimar Bagh,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

G-29 in Jaina's Cloth Market (A.C.) in Shakti Nagar
Roop Nagar, New Delhi.
56 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI
New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/37EE/11.83/211.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. FF-118 Shakti Nagar situated at Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
in the office of the Registering Officer at
IAC (Acq.) R.II in November, 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Sh. Chuni Lal
8693 Sheedipura Near Filmistan, Delhi.
(Transferor)
(2) M/s. T. M. Apartments P. Ltd.
Addinath Shree House Opp. Super Bazar Con.
Circus, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

FF-118 in first Floor in Jaina's Cloth Market, Shakti
Nagar Chowk, Roop Nagar, New Delhi. 65 sq ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi|New Delhi

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC[Acq.II]37FE[11.83]214.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

G-17A Daryaganj situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
in the office of the Registering Officer at
IAC (Acq.) R.II in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
Instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

- (1) Jaina Properties Pvt. Ltd.
Addinath Shree House Opp. Super Bazar,
Con. Circus, New Delhi.
(Transferor)

- (2) Sh. Kewal Krishan & Sh. Devki Nandan,
Asian Trading Company 6 Soni Motor Market
Chotta Bazar Kashmere Gate, Delhi-6.
(Transferee)

- (3) Shri Ashok G. Gandhi
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of the notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
which period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immo-
able property, within 45 days from the date of
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning is given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. G-17A at Jaina's Electronic Market, 2 Main
Netajee Subhash Marg, Darya Ganj, New Delhi. 15 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi|New Delhi

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/37EE/11.83/215.—Whereas I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 303 Mahavir Shree House situated at D. Ganj Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred in the office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R.II in November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

53—196 GI/84

- (1) M/s. Rakesh Khosla & Sons
(HUF) Adinath Shree House Opp. Super Bazar
Con. Circus, New Delhi. (Transferor)
- (2) Mrs. Kiran Gupta w/o Dr. Dinesh Gupta
& Mrs. Manubhwati Jain C-7/11 Model Town,
Delhi-110009. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

303 in Mahavir Shree House, 4771/23 Bharat Ram Road,
Darya Ganj, New Delhi. 381.66 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Jaina Properties Pvt. Ltd.
Addinath Shree House Opp. Super Bazar
Con. Circus, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Sh. Shiv Pershad Gupta
1582 2nd floor Kucha Dakhani Rai
Daryaganj Delhi-2.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE

4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/37EE/11.83/222.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. G-19 Daryaganj situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R.II in November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. G-19 at Jaina's Electronics Market 2 Main Netaji Subhash Marg, Daryaganj, New Delhi. 36 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref No. IAC/Acq.II/37EE/11.83/226.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. G-71 Daryaganj situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R.II in November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Jaina Properties Pvt. Ltd. Addinath Shree House, Opp. Super Bazar Con. Circus, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Smt. Mamta Sethi, G-130, Bank Colony, Paschim Vihar, New Delhi-63.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shope No G-71 Jaina's Electronics Market 2 Main Netajee Subhash Marg Daryaganj, New Delhi.
72 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of the Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi|New Delhi

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. T. M. Apartments Pvt. Ltd.
Adinath Shree House Con. Place
New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. K. R. Gupta S/o Sh. M. L. Gupta
14 Ashoka Park Ext. New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI
New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC/Acq./II/37EE/11.83/227.—Whereas I,
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. B-7 Shakti Ngr. situated at Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
in the office of the Registering Officer at
IAC (Acq.) R.II in November, 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

B-7 Jainu's Cloth Market, Shakti Nagar, Roop Nagar, Delhi
65 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 13-7-1984.
Seal :

FORM ITNS-

- (1) T. M. Apartments P. Ltd.
Adinath Shree House Opp. Super Bazar
Con. Circus, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Smt. Tripta Arora w/o Shri Yashpal,
24/2 Shakti Nagar, Behind Dena Bank, Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/37EE/11.83/228.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. G-128 Shakti Nagar situated at Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R.II in November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

G-128 at Jaina Cloth Market Shakti Nagar, Delhi.
28 Sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 13-7-1984
Scal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) M/s. T. M. Apartments P. Ltd.
Addinath Shree House Opp. Super Bazar
Con. Place, New Delhi. (Transferor)
- (2) Mrs. Nutan Gandhi A-77
Gujranwala Town, Delhi-37. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/37EE/11.83/229.—Whereas, J, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. FF-114 Shakti Nagar situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R-II in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

FF-114 on First Floor in Jaina's Cloth Market Shakti Nagar, Chowk Roop Nagar, Delhi. 65 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM 1TNS-

(1) M/s T. M. Apartments P. Ltd.
Adinath Shree House, Opp. Super Bazar,
Con. Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Asha Raw, House No. 5619,
New Chandrawal Gali No. 1 Subzi Mandi Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/37EE/11.83/238.—Whereas, I, R. P. RAJESH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. UG-4 Shakti Nagar situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R-II in November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
Date : 10-7-1984
persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

UG-4 on Upper Ground Floor Shakti Nagar, New Delhi.
(65 Sq. ft.)

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) T. M. Apartments Pvt. Ltd. Addinath Shree House
Opp. Super Bazar Con. Place, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Sh. Rajinder Singh Chadha
5J/182 N.I.T. Faridabad (Haryana).
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC[Acq.II]37EE/11.83/231.—Whereas, I,
R. P. RAJESH
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. FF 188 Roop Nagar situated at Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
in the office of the Registering Officer at
Registering Officer
IAC (Acq.) R-II in November, 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

FF 188 in Jaina's Cloth Market in Shakti Nagar Chowk
Roop Nagar, Delhi. 65 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE II,
4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/37EE/11.83/232.—Whereas I,
R. P. RAJESHbeing the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingNo. UG-13 Roop Nagar situated at Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred

in the Office of the Registering Officer

at IAC (Acq.) R.II on November, 83

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

54—196 GI/84

- (1) M/s T. M. Apartments P. Ltd.
Addinath Shree House Opp. Super Bazar
Con. Place New Delhi.

(Transferor)

- (2) Smt. Ribha Narang
W/o Sh. D. P. Narang C-41 Shakti Nagar,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

UG-13 in Jaina's Cloth Market in Shakti Nagar Chowk,
Roop Nagar, New Delhi. 65 Sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi|New Delhi

Date : 13-7-1984

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II,

4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/37EE/11.83/233.—Whereas I, R. P. RAJESH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. G-16, Shakti Nagar situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R.II on November, 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s T. M. Apartments P. Ltd.
Addinath Shree House Opp. Super Bazar
Con. Circus, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Sh. B. N. Kaushik S/o Sh. Inder Dutt
B-32 Satyawati Colony Ashok Vihar
Phase-II, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

G-16 at Jaina's Cloth Market, Shakti Nagar, Roop Nagar, Delhi. 65 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNB

(1) M/s T. M. Apartments Pvt. Ltd.
Adinath Shree House,
Opp. Super Bazar, Con. Circus,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Rakesh Kumar,
172 Bharat Nagar,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,

4/14A ASAF ALI ROAD,

NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/37EE/11-83/236.—Whereas, I,

R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe

exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. B-6A Shakti Nagar situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred

in the office of the Registering Officer at
IAC (Acq.) R.II on November, 83

for an apparent consideration and which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefore by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later ;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

B-6A in Jaina's Cloth Market at Shakti Nagar Roop Nagar
Delhi (35 sq. ft.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi-New Delhi

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
4/14A ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/37EE/11-83/237.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-9 Shakti Nagar situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred in the office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R.II on November, 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) M/s T. M. Apartments Pvt. Ltd.
Adinath Shree House,
Opp. Super Bazar, Con. Place,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Narain Dass,
C-1/66 Ashok Vihar, Phase-II,
Delhi-110052.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

B-9 on basement in Jaina's Cloth Market Shakti Nagar
Delhi (65 sq. ft.)

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
4/14A ASAF ALI ROAD,

NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/37EE/11-83/238.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. UG-12 Roop Ngr. situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R.II on November, 33 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s T. M. Apartments Pvt. Ltd.
Adinath Shree House.
Opp. Super Bazar, Con. Circus.
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Veena Goel,
E—8 Rajan Babu Road,
Adarash Nagar,
Delhi-33.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

UG-12 in Jaina's Cloth Market Shakti Nagar (Roop Nagar) New Delhi (65 sq. ft.)

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
4/14A ASAF ALI ROAD,

NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC[Acq.II]37EE/11-83/239.—Whereas, I,

R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. G-21B Shakti Ngr. situated at Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

in the office of the Registering Officer at

IAC (Acq.) R.II on November, 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

(1) M/s T. M. Apartments Pvt. Ltd.
Adinath Shree House,
Opp. Super Bazar, Con. Circus,
New Delhi.

(Transferor)

(1) Sh. Shiv Shankar
House No. 1283 Lambi Gali S. P. Mukherjee Marg,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

G-21B Ground Floor in Jaina's Cloth Market Shakti Nagar
Chowk Roop Nagar, Delhi (28 sq. ft.)

R. P. RAJESH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
4/14A ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/37EE/11-83/240.—Whereas, I. R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. UG-10 Roop Ngr. situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R.II on November, 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s T. M. Apartments Pvt. Ltd.
Adinath Shree House,
Opp. Super Bazar, Con. Circus,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Harish Chand &
Jagdish Chand
S/o Shri Puran Chand,
315 Bharat Nagar Double storey,
Delhi-52.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

UG-10 in Jaina's Cloth Market Shakti Nagar Roop Nagar,
Delhi (65 sq. ft.)

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM IINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

4/14A ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC(Acq.)/37EE/11-83/241. —Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 113 First Floor Shakti Ngr. situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R-II in November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) T. M. Apartments Pvt. Ltd.
Adinath Shree House,
Opp. Super Bazar Con. Circus,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Master Sandeep U/G
Sh. Davinder Goyal,
D-74 Municipal flats Azadpur Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person, interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

113 First Floor in Jaina's Cloth Market Shakti Nagar Chowk, Roop Nagar, New Delhi (65 sq. ft.)

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4/14A ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC[Acq.II]37EE[11-83]242.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. FF-115 Roop Ngr. situated at Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R-II in November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(1) M/s. T. M. Apartments Pvt. Ltd.,
Adinath Shree House,
Opp. Super Bazar Con. Circus,
New Delhi. (Transferor)

(2) Sh. R. C. Kohli
S/o Shri Sardari Lal,
B-12 Subhadra Colony, Sarai Rohilla,
Delhi-110007. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

FF-115 on First Floor in Jaina's Cloth Market Shakti Nagar Chowk, Roop Nagar Delhi 65 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4/14A ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/37EE/11-83/243.—Whereas, I,

R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. B-238 Shakti Nagar situated at Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R-II in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) M/s. T. M. Apartments Pvt. Ltd.,
Adinath Shree House,
Opp. Super Bazar Con. Circus,
New Delhi.

(Transferor,

- (2) Mrs. Bhagwanti Taneja &
Sh. G. K. Taneja,
3/35 Roop Nagar,
Delhi.

(Transferee)

Objection if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

B-238 in Jaina's Cloth Market (A.C.) Shakti Nagar Roop Nagar, Delhi 35 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
4/14A ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC[Acq.II]37EE[11-83]244.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. F-120 Shakti Ngr. situated at Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred in the office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R. II on November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) T. M. Apartments Pvt. Ltd.
Adinath Shree House.
Opp. Super Bazar, Con. Place,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Sh. Surinder Kr. Jain
C/o Shri Davender Kr. Goel,
D-74 Municipal Flats, Azadpur,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

F-120 First Floor in Jaina's Cloth Market Shakti Nagar Chowk Roop Nagar, New Delhi, 65 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 13-7-1984

Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,
4/14A ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/37EE/11-83/245.—Whereas, 1,

R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. UG-18 Roop Ngr. situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R-II in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) T. M. Apartments Pvt. Ltd.
Adinath Shree House,
Opp. Super Bazar, Con. Place,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Sham Sunder Khanna,
A-62 Gujranwala Town, Part-I,
Delhi-110009.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 40 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

UG-18 on Upper Ground Floor in Jaina's Cloth Market in Shakti Nagar Chowk Roop Nagar, Delhi, 65 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM IT.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4/14A ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/37EE/11-83/246.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. FF-124 Shakti Ngr. situated at Delhi has been transferred in the office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R-II in November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) T. M. Apartments Pvt. Ltd.
Adinath Shree House,
Opp. Super Bazar Con. Circus,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri W. N. Khanna,
74-B Shalimar Bagh,
Delhi-110033.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

FF-124 at Jaina Cloth Market Shakti Nagar, Delhi. 65 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 13-7-1984
Seal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
4/14A ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC/Acq-II/37EE/11-83/247.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. G-21A, Shakti Nagar situated at Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R. II in November, 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. T. M. Apartments (P) Ltd.,
Adinath Shree House Opp.,
Super Bazar Con. Circua,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Kiran Sethi
w/o Sh. Ashok Sethi,
3/49, Roop Nagar,
Delhi-110007.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

G-21A in Jaina's Cloth Market Shakti Nagar Chowk, Roop Nagar, Delhi, 37 Sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
4/14A ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC[Acq-II|37EE|11-83|248.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. G-23, Shakti Nagar, situated at Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R. II in November, 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. T. M. Apartments (P) Ltd.,
Adinath Shree House Opp.,
Super Bazar, Con. Circus,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Smt. Pushpa Wanti
w/o Shri B. K. Saluja,
I-147, Kirti Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

G-23 in Jaina's Cloth Market, Shakti Nagar Roop Nagar,
New Delhi, 65 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
4/14A ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC/Acq-II/37EF/11-83/249.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. UG-8 Room Nagar situated at Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R. II in November, 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. T. M. Apartments (P) Ltd.,
Adinath Shree House Opp.,
Super Bazar, Con. Circus,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Gulshan Kalra,
D/1-4, Rana Pratap Bagh,
Delhi-110007.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

UG 8 (in Upper Ground) Jaina's Cloth Market (A.C.)
Shakti Nagar, Roop Nagar, Delhi. 65 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
4/14A ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC/Acq-II/37EE/11-83/250.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. FF-119, Roop Nagar situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R. II in November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s. T. M. Apartments (P) Ltd.,
Adinath Shree House Opp.,
Super Bazar, Con. Circus,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Ram Kishan,
B-38, C C Colony,
Delhi-110007.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

FF-119 on First Floor in Jaina's Cloth Market Shakti Nagar, Chowk Roop Nagar, Delhi.
65 Sq. ft.

R. P. RAJESH

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range-II

Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

56—196GI/84

Date : 13-7-1984

Seal ;

FORM ITNS-

- (1) T. M. Apartments Pvt. Ltd.,
Adinath Shree House Opp. Super Bazar,
Con. Circus, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Smt. Uttam Devi w/o Shri Shanuram,
5685 Kohlapur Road,
Delhi-110007.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC[Acq.II]37EE[11.83]251.—Whereas, I,

R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. UG-30 Shakti Nagar, situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R.II on November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

UG-30 in Jaina's Cloth Market (A.C.) Shakti Nagar, Roop Nagar, New Delhi, 65 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-7-1984.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC/Acq/II/37EE/11.83/252.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. UG-24A Daryaganj situated at Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred in the Office of the Registering Officer
at IAC (Acq.) R. II on November, 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

- (1) Jaina Properties Pvt. Ltd.
Adinath Shree House Opp. Super Bazar,
Con. Circus, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Mr. Ajay Kumar Verma S/o Shri A. D. Verma,
R/o 3318 Kucha Jalal Bukhari, Daryaganj,
New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act.
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. UF-24A at Jaina's Electronics Market 2 Main
Netajee Subhash Marg, Daryaganj, New Delhi, 21.5 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 13-7-1984.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC[Acq.II/37EE/11.83/253.—Whereas, I.

R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. FF-54 Daryaganj situated at New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R.II on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Jaina Properties Pvt. Ltd.
Adinath Shree House Opp. Super Bazar,
Con. Circus, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Dr. (Mrs.) Suman Mehrotra,
North West Avenue Punjabi Bagh,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. FF-54 at Jaina's Electronics Market 2, Main Netajee Subhash Marg, Daryaganj, New Delhi, 108 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 13-7-1984.
Seal :

FORM ITNS-

- (1) Raj Sudha Towers (P) Ltd.,
N-52-A Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Shri Rawat Singh and Dalip Singh,
C/o M/s. Babul 1900 Chandni Chowk, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/37EE/11-83/265.--Whereas, I,
R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

RAN 105, Wazirpur Community Centre situated at Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred in the Office of the Registering Officer
at IAC (Acq.) R. II on November, 1983
for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid pro-
perty and I have reason to believe that the fair market value
of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent con-
sideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
monies or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the purposes
of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

RAN 105 Ground Floor 29 Wazir Pur Community Centre,
Delhi, 69.5 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

Date : 13-7-1984.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/37EE/11.83/268.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. RAN 41 A Wazirpur Com. Centre situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R.II on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s Raj Sudha Towers P. Ltd.
N-52-A Connaught Place, New Delhi. (Transferor)
- (2) Mrs. Kanta Rani Narang,
107 Haqiqat Nagar Mall Road,
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

RAN 41A Basement 29 Wazirpur Community Centre,
Delhi 25 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 13-7-1984.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) M/s. Rajindra Properties (Delhi) (P.) Ltd.,
N-52A Connaught Place, New Delhi. (Transferor)
- (2) Mr. Vijay Kumar Sharma,
H-1/11 Krishna Nagar, New Delhi. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/37EE/11-83/275.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 4 Roop Nagar situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R. II on November 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

RJV-217 Upper Ground Floor P-4 Roop Nagar, Delhi, 36 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 13-7-1984.
Seal :

FORM ITNS-

(1) M/s. Rajindra Properties (Delhi (P) Ltd.,
N-52A Connaught Place, New Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Mohini Bala 562, Katra Asharfi,
Chandni Chowk, Delhi-110 006.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/37EE/11-83/276.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
RJV-11A Roop Nagar, situated at Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred in the Office of the Registering Officer
at IAC (Acq.) R. II on November 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

RJV-11A Basement 4 at Roop Nagar, New Delhi 31.5 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 13-7-1984.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, 4/14A ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC[Acq.II]37EE 11.83/277.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
N.J. RJV-104 4 Roop Nagar, situated at Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred in the Office of the Registering Officer
at IAC (Acq.) R. II in November, 1983
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—
57—196GI/84

- (1) M/s. Rajindra Properties (Delhi (P) Ltd.,
N-52A Connaught Place, New Delhi. (Transferee)
(2) Shri Subhash Chander Gupta and Shri Surender
Sawhney A-1/4 R. P. Bagh, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

RPV-104 Ground Floor Rajendra Vardhman 4 Roop
Nagar, Delhi. 55 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 13-7-1984.
Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 4/14A ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC\Acq.II\37EE\11-83\273.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. RJV 125 Roop Nagar situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R.II on November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Rajindra Properties (Delhi) (P) Ltd.,
N-52A Connaught Place, New Delhi. (Transferor)
(2) Tasleem Ahmed 1002 Gali Neemwali Haveli Hissamuddin Hyder Ballimanan, Chandni Chowk, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

RJV-125 Ground Floor Rajendras' Vardhman, 4 Roop Nagar, Shakti Nagar Chowk, Delhi. 36 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi|New Delhi

Date : 13-7-1984.
Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, 4/14A ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC/Acq.II[37EE]11.83/279.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. RJV-124, Roop Nagar situated at Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred in the Office of the Registering Officer
at IAC (Acq.) R. II in November, 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration of such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

- (1) M/s Rajendra Properties (Delhi) (P) Ltd.,
N-52 A Connaught Place, New Delhi. (Transferor)
(2) Shri Afag Ahmed, Shabah Ahmed, Shezad Ahmed,
Aftab Ahmed, 1002 Haveli, Hissamuddin Haider,
Ballimaran, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

RJV 124 (G.F.) at 4 Roop Nagar, Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 13-7-1984.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, 4/14A ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC(Acq.II)37EE/11-83/280.—Whereas I,
R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. RJV-225 Roop Nagar, situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R. II on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s Raiendra Properties (Delhi) (P) Ltd.,
N-52 A Connaught Place, New Delhi, (Transferor)
- (2) Shri Rajender Kr. Aggarwal & Smt. Viresh Kumari & Shiv Aggarwal & Shri Sushilka Aggarwal, 1758
Kucha Lattoo Shah Dariokalan, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

RJV 225 Upper Ground Floor Roop Nagar, New Delhi,
36 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 13-7-1984.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 4/14A ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC[Acq.II]37EE/11.83/281.—Whereas, I.
R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. RJV 223 Roop Nagar situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R. II on November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) M/s. Rajendra Properties (Delhi) (P) Ltd.,
N-52 A Connaught Place, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Prakash Chand Jain,
92 Vir Nagar, Jain Colony,
Delhi-7. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

RJV 223 Upper Ground Floor, 4, Roop Nagar, Delhi.
55 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

Date : 13-7-1984.
Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, 4/14A ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC(Acq.)II/37EE/282/11.83/282.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 41, G. T. Karnal Road, Delhi situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R.II on November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Nand Lal Darshan Lal & Co.,
5385 New Market, Sadar Bazar, Delhi. (Transferor)
- (2) M/s. Pokhar Mal Sons,
B-5/8 Rana Pratap Bagh, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

41, G. T. Karnal Road, (Rajasthani Co-op. Indl. Estate Ltd., Delhi) measuring 1250 sq. yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 13-7-1984.
Seal : ::

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, 4/14A ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/37EE/11-83/289.—Whereas I,
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
Rajendra Vardhman Plot No. 4 situated at Roop Ngr., Delhi
and bearing
No. Rajendra Vardhman, Plot No. 4 situated at Roop Nagar,
Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred in the Office of the Registering Officer
IAC (Acq.) R-II on November, 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

- (1) M/s. Rajendra Properties (Delhi) (P) Ltd.,
N-52A Connaught Place,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) M/s. Phastic Emporium,
286, Post Office Street, Sadar Bazar,
Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

RJV-281 and 282 Rajendra Vardhman Plot No. 4, Roop
Nagar, Delhi. 66 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 13-7-1984.
Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 4/14A ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Re. No. IAC[Acq.II|37EE|11-83|290.—Whereas I,
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
RJV 226, Plot 4, Roop Nagar, situated at Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred in the Office of the Registering Officer
at IAC (Acq.) R. II on November, 1983
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely:—

- (1) M/s. Rajendra Properties (Delhi) (P) Ltd.,
N-52A Connaught Place,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri A. C. Upadhvaya,
5/11 Sarvopriya Vihar, New Delhi,

(Transferee)

Objections if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days, from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

RJV-226, Rajendra Vardhman, Plot No. 4, Roop Nagar,
Delhi. 36 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 13-7-1984.
Seal :

FORM ITNS -

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
4/14A ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC/Acq-II/37EE/11-83/292.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 4, Roop Nagar situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R. II in November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
58—196GI/84

(1) M/s. Rajendra Properties (Delhi) (P) Ltd
N-52A, Connaught Place,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Master Anshuman Gupta,
Terrace-7, Obearoi Apartments,
2 Sham Nath Marg,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

RJV 218 Rajendra Vaidhman Plot No. 4, Roop Nagar,
Delhi.
36 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC[Acq-II]37EE/11-83/294.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and No. RJV-205, Plot No. 4, Roop Nagar situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R. II in November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Rajendra Properties (Delhi) (P) Ltd.,
N-52A, Connaught Place,
New Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. Chander Kiran Jain,
C-1379, Jahangirpur,
Delhi-33. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

RJV 205 Rajendra Jaina Vardhman Plot No. 4, Roop Nagar, Delhi.
31 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
4/14A ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC(Acq-II)37EE/11-83/298.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. RJV 212 & 213 Roop Nagar situated at Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R. II on November, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Rajendra Properties (Delhi) (P) Ltd.,
N-52A, Connaught Place,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Renu Sood &
Shri Anil Sud,
Post Box No. 923,
Doha Qatar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

RJV-212 and 213 Upper ground Rajendra Jaina Vardhman
4 Roop Nagar, Delhi. 72 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 13-7-1984

Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
4/14A ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC/Acq-II/37EE/11-03/299.—Whereas, I,

R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. RJV-215 Roop Nagar situated at Delhi.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R. II on November, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Rajendra Properties (Delhi) (P) Ltd.,
N-52A, Connaught Place,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Dr. Inder Jeet Singh Mehta,
23 State Bank Colony,
G. T. Road,
Delhi-110009.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

RJV-215 Rajendra Vardhman No. Plot No. 4 Roop Nagar,
Delhi.
36 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
4/14A ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/37FE/11-83/300.—Whereas I,
R. P. RAJESH,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.No. RIV 208 Roop Nagar situated at Delhi.
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer
at IAC (Acq.) R. II on November, 1983.for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) M^{rs}. Rajendra Properties (Delhi) (P) Ltd.,
N-52A, Connaught Place,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Smt. Aarti Kapoor,
H. No. 3612, Gali Phonewali,
Subzi Mandi,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

RIV-208 Upper Ground Floor 4 Roop Nagar, Delhi.
36 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
4/14A ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC/Acq-II/37EE/11-83/301.—Whereas 1, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. RIV-220A Roop Nagar situated at Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R. II on November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Rajendra Properties (Delhi) (P) Ltd.,
N-52A, Connaught Place,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) M. K. Aggarwal & Others,
2/3A, Ansari Road,
Darya Ganj,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

RIV-220A Upper Ground Floor A-4 Roop Nagar, Delhi.
36 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS-

(1) M/s. Skipper Sales (P) Ltd.,
Skipper Bhawan,
22-Barakhamba Road,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE
NEW DELHI

(2) M/s. Oriole Exports (P) Ltd.,
Shri Manoj Muker Mehtani &
Miss Hema Mehtani,
75-E, Himalaya House,
Kasturba Gandhi Marg,
New Delhi.

(Transferee)

New Delhi, the 10th July 1984

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/11-83/458.—Whereas, 1.

SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 103-A, situated at 89-Nehru Place, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at IAC (Acq.) Range-I on November 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 103-A, at 89, Nehru Place, New Delhi mg. 352 sq. ft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 10th July 1984

Ref. No. IAC(Acq-I)37EE/11-83/459.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Re. 25,000/- and bearing No. Flat No. 104A situated at 89-Nehru Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R. II on November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) M/s. Skipper Sales (P) Ltd.,
Skipper Bhawan,
22-Barakhamba Road,
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Oriole Exports (P) Ltd.,
Sh. Manoj Mukar Mehtani &
Miss Hema Mehtani,
C-4/52, Safdarjung Dev. Area,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 104-A at 89, Nehru Place, New Delhi mg. 548 sq. ft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date : 10-7-1984

Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 10th July 1984

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/11-83/460.—Whereas, I,

SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 208 situated at 38 Nehru Place, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) Range-I, on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Ansal Properties & Industries (P) Ltd.,
115-Ansal Bhawan,
16-Kasturba Gandhi Marg,
New Delhi

(Transferor)

- (2) Mrs. Mohamadi Haider Rizm
w/o Sh. Syed Saghir Haider Rizm,
P.O. Box 42252, Shuwaikh,
Kuwait.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 208, 38 Nehru Place, New Delhi area 600 sq. ft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

59—196GI/84

Date : 10-7-1984

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 10th July 1984

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/11-83/461.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 304 situated at Connaught Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at IAC (Acq.) Range-I on November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) M/s. Yash Raj Films,
Rajkamal Kala Mandir,
Dr. S. S. Rao Road,
Parel,
Bombay.

(Transferor)

(2) M/s. KKA Trust &
Smt. Rekha Purie,
A-1, Anand Niketan,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 304, 14-F, Connaught Place, New Delhi mg.
655.2 sq. ft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Agarwal House
4/14A Asaf Ali Road
Delhi/New Delhi

Date : 10-7-1984
Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 10th July 1984

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/11-83/462.—Whereas, I, **SUDHIR CHANDRA**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 1303-A situated at 89 Nehru Place, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC (Acq.) Range-I on November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Skipper Sales (P) Ltd.,
22-Barakhamba Road,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Satya Varma
c/o Sh. S. P. Varma,
r/o O-II/20, Andrews Ganj,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1303A at 89, Nehru Place, New Delhi mg. 352 sq. ft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Agarwal House
4/14A Asaf Ali Road
Delhi/New Delhi

Date : 10-7-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
G-13 GROUND FLOOR CR. BUILDING, I. P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 10th July 1984.

Ref. No. IAC-I/37EE/11-83/463.—Whereas, I,
SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and, bearing

Flat No. 701 situated at 13 Tolstoy Marg, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office at IAC (Acq.) Range-I on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) M/s. Bakshi Vikram Vikas,
Construction Co. (P) Ltd.,
13-Tolstoy Marg,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sharen J. Singh,
Miss. Gayatri J. Singh and
Sh. J. S. Luthra,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 701 mk. 696 sq. ft. 13-Tolstoy Marg, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Agarwal House
4/14A Asaf Ali Road
Delhi/New Delhi

Date : 10-7-1984
Seal :

FORM No. I.T.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Bawa Jaswant Singh S/o Shri Bawa Mahar Singh,
35-Hemkunt Colony, New Delhi. (Transferee)
- (2) M/s. Urmil Properties & Investments (P) Ltd.,
A-285, Defence Colony, New Delhi. (Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 10th July 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/11-83/464.—Whereas, I,
SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. A-285, situated at Defence Colony, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the Registering Officer at IAC(Acq.) Range-I, on Nov., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A-285, Defence Colony, New Delhi mg. 217 sq. yds.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
DELHI/NEW DELHI

Date : 10-7-1984
Seal :

FORM No. I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 10th July 1984

Ref. No. IAC[Acq.I]37EE/11-83/465.—Whereas, I,
SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 1011-B, situated at 21-B.K. Road, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the Registering Officer at IAC(Acq.) Range-I, on Nov., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mr. V. N. Chhabra & Mrs. Rami Chhabra
R/o B-5/19, Safdarjung Enclave, New Delhi.
(Transferee)
- (2) Mrs. Poonam Sabhiki & Capt.
V. K. Sabhiki (HUF), E-99, Saket, New Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1011-B, Bldg. No. 21, Barakhamba Road, New Delhi. mg. 300 sq. ft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
DELHI/NEW DELHI

Date : 10-7-1984
Seal :

FORM ITNS-

(1) M/s. Anand Melody House,
6/44, Ajmal Khan Road, Karol Bagh, New Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Kailash Rani S-21,
Green Park Extn. New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 10th July 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/11-83/466.—Whereas, I,
SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 811, situated at B. K. Road, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer

at IAC (Acq.) Range-I on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefore by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 811, bldg. No. 21, Barakhamba Road, New Delhi.
mg. 500 sq. ft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
DELHI/NEW DELHI

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 10-7-1984
Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 10th July 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/11-83/467.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 28, situated at Barakhamba Road, New Delhi, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) Range-I on November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Gopal Das Estates and Housing Pvt. Ltd., 28-Barakhamba Road, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Mrs. Usha Kumari W/o Mr. Surinder Pal, 165-Turab Nagar, Ghaziabad and Mr. Krishan Chand S/o Late Mr. Jagan Nath, 2929, Bahadurgarh Road, Sadar Bazar, Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 10 on the lower ground floor in Dr. Gopal Das Bhawan, 28-Barakhamba Road, New Delhi mg. 109 sq. ft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
DELHI/NEW DELHI

Date : 10-7-1984
Seal :

FORM ITNS-

(1) Sh. Jawahar Lal Rakyan, Anil Kumar Rakyan & Shri Arun Kumar Rakyan,
145, Sunder Nagar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Marble Trading Co. Ltd.,
19-R.N. Hukherjee Road, Calcutta-1.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 10th July 1984

Ref. No. IAC[Acq.I]37EE[11-83]468.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 145, situated at Sunder Nagar, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC (Acq.) Range-I on November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

145-Sunder Nagar, New Delhi (double storeyed bungalow).

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
DELHI/NEW DELHI

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

60—196GI/84

Date : 10-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 10th July 1984

Ref. No. IAC[Acq.]37EE/11-83/469.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 9, situated at Jain Mandir Road, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of IAC(Acq.) Range-I, on Nov., 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Baij Nath Malhan,
9-Jain Mandir Road, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Leena Properties Private Ltd.,
30-Hanuman Road, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half undivided share of double storeyed bungalow No. 9, Jain Mandir Road, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
DELHI/NEW DELHI

Date : 10-7-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Swarn Lata Kapila,
9-Jain Mandir Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Leena Properties Private Ltd.,
30-Hanuman Road, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 10th July 1984

Ref. No. IAC(Acq.)/37EE/11-83/470.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 9, situated at Jain Mandir Road, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) Range-I on November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half undivided share of double storeyed bungalow No. 9, Jain Mandir Road, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
DELHI/NEW DELHI

Date : 10-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,* ACQUISITION RANGE-I
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 10th July 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/11-83/471.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. Flat No. 1209, situated at 98, Nehru Place, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC (Acq.) Range-I on November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. Shodha Sippy W/o Sh. Suresh Sippy,
M-104, Greater Kailash-II, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Master Rajesh Harjani (minor) S/o Sh. Sri Chand
Harjani,
C-13, New Subzimandi, Azadpur, Delhi-33.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office flat No. 1209, 12th floor, mg. sq. ft. 98, Nehru Place, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
DELHI/NEW DELHI

Date : 10-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING,

New Delhi, the 10th July 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/11-83/472.—Whereas, I,
SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 301, situated at 19-B.K. Road, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC(Acq.) Range-I, on Nov., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 259C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Mr. R. T. Arora,
216, Marine Drive, Shalimar, Nariman Point,
Bombay.
(Transferor)
- (2) Mrs. Kamla Agarwal & Miss Anuradha Aggarwal,
R/o 61/34, Rohtak Road, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301, mg. 845, sq. ft. 19-Barakhamba Road, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
DELHI/NEW DELHI

Date : 10-7-1984

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 7th June 1984

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/646/84-85.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 46, 4th floor, K. P. Tower-6, Plot No. 39 of S. No. 17A, Mouja Wanowarie situated at Pune. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at IAC Acqn. Range, Pune on January, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) K. C. P. Constructions Pvt. Ltd.,
3 21/3, New Timber Market Road,
Shantinagar Society, Pune-2.

(Transferor)

(2) Shri Cyril Anthony Sequeira,
82 8/25, Dastur Meher Road,
Nirmala Niwas, Pune-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 46, 4th floor, K. P. T. 6, Flat No. 39, of S. No. 17A, Mouja Wanowarie, Pune-13.
(Area 705 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under document No. 2686 in the month of January, 1984).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Poona.

Date: 7-6-1984.
Seal:

FORM ITNS

(1) Shri A. H. Nikhan,
40, Yerawada, Pune-6.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri M. Y. Kadarkhan,
Gulistan Manjil, P. No. 18,
Nigdi, Pune-35.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
PUNE

Pune. the 7th June 1984

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/649/84-85.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 7, Hissa No. 128, S. No. 271/184 2/180-5 situated at Village Chinchwad, D-Pune, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC Acqn. Range, Pune on January, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 7, Hissa No. 128, Survey No. 271-184-2/1 80-5, village Chinchwad, Pune

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under document No. 2664 in the month of January, 1984.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Pooona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date . 7-6-1984.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 2nd June 1984

Re. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/648/84-85.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 1, Dahanukar Colony, 1st floor, Plot No. 38, situated at Kothrud, Pune, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range, Pune in November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) M/s. Atul Enterprises,
31, Sheela Vihar colony,
Ruturaj, Paudphata, Pune-38. (Transferor)
- (2) Shri B. Vijay Kumar,
Flat No. 9, Chadda Flats.,
31, Aundh Road, Pune-3. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 1st floor, Plot No. 38, survey No. 26, Kothrud Pune-29 (Area—678 sq. ft. carpet) .

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under document No. 225 in the month of November, 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Poona.

Date : 2-6-1984.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 7th June 1984

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/64/84-85.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Bunglow No. 814/126, Sindh Co. op. Hsg. Society, Ganeshkhind Road, Aundh, Pune-7 situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acqn. Pune in Dec., 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

61—196GT/84

(1) Damayanti Mulchand Gidwani,
Flat No. 4, Mukund Mansion, Darbarshah Road,
Bombay-36.

(Transferor)

(2) Nirmala Chandur Waswani,
Kamal Mansion, 23, Cafe Pared,
Bombay-5.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bunglow No. 814/126, Sindh Co-operative Housing Society, Ganeshkhind Road, Aundh, Pune-7. (Area 1170 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under document No. 2794 in the month of December, 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Poona

Date : 7-6-1984.
Seal ;

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 28th April 1983

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5[37EE]654[84-85.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. C-10, 3rd floor, Hermes Park Co-op. Hsg. society Ltd., 30 Bund garden Road, situated at Pune 1. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune in November, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Prabhat alias Vasan Kumar Madhavji Kuria, Hermes Park Co-operative Housing Society Ltd., 30, Bund garden Road, Pune-411 001. (Transferor).
(2) Mr. Mahendra K. Thacker and Mrs. Sharda K. Thakkar, 28, Maheshwari Mansion, Nepean sea Road, Bombay-36. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C-10, 3rd floor, Hermes Park Co-operative Housing society Ltd., 30 Bund garden Road, Pune-411 001. (Area-975 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under document No. 1941 in the month of Nov. 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Poona.

Date : 28-4-1984.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 22nd May 1984

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/653/84-85.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Godown No. 8, S. No. 72 (Part) Gate No. 59/28 S. No. 2 (Part) Now Gat No. 59/9 situated at Manpada, Dist. Thane, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range, Pune in Jan., 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri P. N. Kothari and Smt. K. P. Kothari, Trustees of Kothari family Trust, 5, Laxminarayan Shopping Centre, Poddar Road, Malad (East) Bombay-64. (Transferor)
- (2) Shri Badri Prasad Chaudhari, 102, Satyam, Rungta Lane, Napean sea Road, Bombay-400 006. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Godown No. 8, S. No. 72 (Part) and now bearing Gat No. 59/28, Part-S. No. 12 (Part) Now bearing Gat No. 59/9, Chitalsar, Manpada, Dist. Thane. (Area—Land 835.03 sq. mts. Built-up area 835.03 sq. mt.) (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under document No. 3297 in the month of January, 1984.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Pooona.

Date : 22-5-1984.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 28th April 1983

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/661/84-85.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 12, 2nd floor, K. P. Tower No. 1, 17A Plot No. 2, Hissa No. 8, Wanowarie situated at Pune-13.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range, Pune in November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Parmar Constructions,
321/3, New Timber Market Road,
Pune-411 002.

(Transferor)

- (2) Mrs. Durdani Begum Abdulrahim Ahmadi,
15, M. G. Road, Pune-411 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12, 2nd floor, K. P. Tower, No. 1 17-A, Plot No. 2, Hissa No. 8, Wanowarie, Pune-13. (Area—720 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under document No. 3233 in the month of Feb. 1984).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Poona.

Date : 28-4-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
PUNE

Pune, the 2nd June 1984

Ref. No. JAC.ACQ/CA-5/37EE/84-85/650.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing S. No. 44, Hingne Bk, plot Bearing No. 40, Karve Nagar situated at Pune-29.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range, Pune on Nov. 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. S. B. Jangam,
1651/52, Delhi Darwaja,
Nasik.

(Transferor)

(2) Shri A. V. Inamdar,
1049/50, Sudashiv Peth, Pune-30.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 40, out of survey No. 44, Nav sahyadri Co-operative Housing Society Ltd., Hingne Budruk, (Karvenagar Pune-29).

(Area—3600 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under document No. 2260 in the month of November, 1983).

SHASHIKANT KULKARNI

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Poona.

Date : 2-6-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
PUNE

Pune, the 28th April 1984

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/84-85/660—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 520, K. P. Tower-2, Plot No. 4, Hissa No. 6, S. No. 17-A Mouje Wanowarie situated at Pune-13, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC.Acqn. Range, Pune on Dec. 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Parmar Constructions,
321/3, New Timber Market Rd.,
Pune-411 002.

(Transferor)

(2) Mr. Imtiazali Qureishi,
932/1, Synagogue Street,
Pune-411 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 520 in K. P. Tower-2, Plot No. 4, Hissa No. 6, S. No. 17A Mouje Wanowarie, Pune 411 013.
(Area—790 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the L.A.C., Acquisition Range, Pune under document No. 2343 in the month of December, 1983).

SHASHIKANT KULKARNI

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Poona.

Date : 28-4-1984.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
PUNE

Pune, the 28th April 1984

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/84-85/659.—Whereas I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 22, 3rd floor, KPT-2, Plot No. 4, Hissa No. 6, S. No. 17A, Mouje Wanowari situated at Pune, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range, Pune on Feb., 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Parmar Constructions,
321/3, New Timber Market Rd.,
Shantinagar, Society, Pune-2. (Transferor)
- (2) Mr. Bharat Shankarrao Shingte,
and Smt Mandakini Bharat Shingte,
810 Ganj Peth, Kasture Chowk,
Pune-411 002. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 22, 3rd floor, KPT-2, Plot No. 4 Hissa No. 6, S.No. 17A Mouje Wanowari, Pune-411 013.
(Area-530 sq. ft.)
(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under document No. 2945/83-84 in the month of Feb., 1984.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Poona.

Date : 28-4-1984,
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
PUNE

Pune, the 7th June 1984

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/84-85/658.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. B-16, B Bldg., Proposed Hermes Complex Co. op. Hsg. Socy. Ltd. S. No. 349, F. P. No. 203, Sir Bhandarkar Road situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC Acqn. Pune on November 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Hermes Agencies,
793, Family House, Jamsheth Road,
Bombay-14.

(Transferor)

(2) Firoj Motibhai Vakil & Yvette Feroz Vakil,
Sayam Triveni, Flat No. 691, 6th Floor,
Pedder road, Bombay-26.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-16, B- Bldg., Proposed Hermes Complex Co-operative Hsg. Society, S. No. 349, Plot No. 203, Sangam-wadi, Pune. (Area—1380 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under document No. 2099 in the month of November, 1983).

SHASHIKANT KULKARNI

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Poona.

Date : 7-6-1984,
Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
PUNE

Pune, the 7th June 1984

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5[37EE/84-85/657.—Whereas, I,
SHASHIKANT KULKARNI,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingFlat No. A-13, 4th floor, Bldg. A, Hermse Bldg., Co-op.,
Housing Society Ltd. Sangamwadi, T.P.S. Pune-6, situated
at Pune.(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer
at IAC. Acqn. Range, Pune on March, 1984for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

62—196GI/84

- (1) M/s. Harmis Agencies,
618, Sachapir Street. Pune-1.

(Transferor)

- (2) Narendas Gangaram Ghanumalai,
C/o Smt. Shashi, R. Chugani,
16-C, Welles Road, Pune 1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-13, Bldg. A, Harmis Complex Co-op., Hsg.
Society Ltd., Sangamwadi, T.P.S., Pune-6.

(Property as described in the agreement to sale registered
in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under
document No. 3633 in the month of March, 1984).

SHASHIKANT KULKARNI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range

Poona.

Date : 7-6-1984.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
PUNE

Pune, the 4th June 1984

Ref No. IAC ACQ/CA-5/37EE/84-85/656. Whereas, I,
SHASHIKANT KULKARNI,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearingBlock No. 12, 3rd floor, S. No. 118A/1 (Part) C. S. No.
217, Subplot No. 'F', Chandani, Koliwada, Thane (East)
situated at Thane(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering

Officer at IAC. Acqn. Range, Pune on January, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen percent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

- (1) M/s. Santosh Builders,
13/336, Charai,
Thane-400 601.

(Transferor)

- (2) Shri Prabhakar Gajanan Deorukhkar,
14-B, Zaoba Wadi,
Room No. 20, First floor,
J. S. Road, Bombay-400 002.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein
as are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 12 (third floor) Kaupeneshwar apartments,
situated at S. No. 118A/1, (Part) C. S. No. 217 (Part) Sub-
plot No. 'F', Chandani, Koliwada, Thane (East).

(Area 600 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered
in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under
document No. 3139/83-84 in the month of January, 1984).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 4-6-1984

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
PUNE

Pune, the 7th June 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/84-85/655.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 39, Jai Saibaba Co. op. Hsg. Socy. Ulhasnagar, situated at Thana. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC ACQN. Pune, on December, 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri N. G. Mangwani,
24, Wadhawani Bldg., Flat No. 85A,
Netaji Road, Ulhasnagar-2.

(Transferor)

(2) Shri Ashoklal
Hirachand Rajwani,
Flat No. 8-39, Jai Saibaba Co-op. Hsg. Socy.,
Ulhasnagar,
Thana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 39, Jai Saibaba Co. op. Hsg. Socy. Ulhasnagar,
D. Thana.

(Area-70 sq. mtrs.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2605 in the month of December, 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 7-6-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 7th June 1984

Ref. No. IAC ACQ/37E7/666/84-85.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 7, Bldg., at Chintaman Nagar, S. No. 128/1, Aundh, situated at Pune-7, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acqn. Range, Pune on May, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Nikhil Enterprises,
14, Bombay Pune Rd.,
Near Bajaj Auto Show-room,
Wakadewadi,
Shivajinagar, Pune.

(Transferor)

(2) Smt. Sudha Vardan,
S. 25, Nutan-nagar,
Bandra (West), Bombay-50.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein a. are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7, A-Bldg., Chintaman Nagar, S. No. 128/1, Aundh, Pune-7.
(Arca)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 4718 in the month of May, 84).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 7-6-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 7th June 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/665/84-85.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 9, A Wing B. Bldg. at Chintaman Nagar, S. N. 128/1, Aundh, Pune-7, situated at Pune. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range, Pune on May, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s Nikhil Enterprises,
14, Bombay Pune Road,
Near Bajaj Auto Showroom,
Wakadewadi, Shivajinagar,
Pune.

(Transferor)

(2) Savita N. Bhied,
D-19, Range Hills quarters,
Kirkce, Pune-20

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 1, A Wing, B. Bldg, Chintaman Nagar, S. No. 128/1, Aundh, Pune-7.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 4710 in the month of May, 1984).

SHASHIKANT KULKARNI

Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 7-6-1984.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 4th June 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/664/84-85.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 5, A-Wings, Bldg. No. 3, Plot No. 2, Dombivali, (E) situated at Thane, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune on January, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. J. Narain Patel and Co.,
4-Umiya Niwas,
Maneklal Estate, Agra Road,
Ghatkopar, Bombay-86.

(Transferor)

(1) Shri P. R. Patwardhan,
Pragraj Apartments,
Bldg. No. 1, Block No. 2, Chaitaranjan das Road,
Ramnagar,
Dombivali (E)
Thane.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, 'A' wing, Bldg. No. 3, Plot No. 2, Dombivali (E) Thane
(Area-52, 80 sq. meters).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 3258 in the month of January, 1984).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 4-6-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 4th June 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/668/84-85.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 19, Plot No. 35, S. No. 17-A, Wanori, Pune-1 situated at Pune, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn, Pune, on November, 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Vaibhav Builders,
101/102, Kamla Chambers,
687, Budhwar Peth,
Pune.

(Transferor)

(2) 1. Thakurdas Kurasandas Khatri,
2. Smt. Urmiyabahan Thakurdas Khatri,
1599, Bhimpura, Lane No. 18,
Pune Camp, Pune-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 19, Plot No. 35, S. No. 17-A, Wanori, Pune-1.
(Area-455 sq. ft.)

Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C.A. Acquisition Range, Pune under document No. 1947 in the month of November, 1983.

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 4-6-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
BIHAR
BORING CANAL ROAD,
PATNA-800 001

Patna-800 001 the 10th July 1984

Ref. No. III-952/Acp/84-85].—Whereas, I,
P. K. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Mouza Dhaiya No. 6, Khata No. 130, Plot No. 1397 situated at Mouza Dhaiya, P. O./Dist-Dhanbad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhanbad, on 21st November, 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Jitendra Investment Company Ltd,
Through its Director, Sri Debendra Kumar Agrawalla, S/o Sri Banwari Lal Agrawalla, Regd.
Office At-Lal Bazar,
P. O. Jharia, Dist-Dhanbad,
(Transferor)

(2) Sri Abhishek Agrawalla,
S/o Shri Jitendra Kumar Agarwalla,
At-Lal Bazar, P. O. Jharia,
District Dhanbad.
(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 5.30 decimals alongwith half of the pucca cottage building situated at Mouza Dhaiya, P. O./Dist. Dhanbad and more fully described in deed no. 12986 dt. 21-11-83 registered with D.S.R. Dhanbad.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bihar, Patna

Date : 10-7-1984.
Heal :

FORM ITNS—

- (1) Shri C. Anandam Vishwanathan, (Transferor)
 (2) Mr. P. K. Gopinath, (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III/37EE/4155/83-84.—Whereas, I,

A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 5, 1st fl. Vakola Sphoorti, Co-op. Hsg. Sct. Lt. Datta Mandir Road, Vakola, Bombay-55, situated at Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
 63—196 GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, 1st Fl. Vakola Sphoorti Co-op. Sct. Ltd. Datta Mandir Rd. Vakola, Bombay-55.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, Vide serial No. AR.III/37EE/1588/83-84, dated 1-11-1983.

A. LAHIRI
 Competent Authority
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-III,
 Bombay

Date : 13-7-1984
 Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 5th July 1984

Ref No ARIV/37EF/2598/84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs 25,000/- and bearing
Block No. 6 Nilkanth, Ground floor, Fateh Baug, S. V.
Rd., Kandivli (W) Bombay-67 situated at Kandivli (W).
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of
the Registering Officer at
Bombay on 28-11-1983.
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing person namely :—

- (1) Rajlaxmi Construction Co. (Transferor)
(2) Shri Vinodrai Ranchhodji Desai
& Smt. R. V. Desai. (Transferee)
(3) N. A. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No., 6 Ground floor, Nilkanth, Fateh baug, S. V.
Road, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered with the Competent
Authority Bombay vide serial No. ARIV/37EE/2598/83-84
dated 28-11-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Date : 5-7-1984.
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Kusum
J. Shah

(Transferor)

(2) Smt. Chandraprabha Kantilal Panchamia

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. ARIV/37EE/2666/84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000¹⁴ and bearing Flat No. 001, Bldg. No. D/15, Ground floor, Yogi Nagar, Eksar Road, Borivli (West), Bombay-02, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority Bombay on 22-11-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 001, Bldg. No. D/15, Ground floor, Yogi Nagar, Eksar Road, Borivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37EE/2666/83-84 Date 22-11-1983

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Date : 13-7-1984,
Seal :

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. ARIV/37EE/2665/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and Flat No. 001, Ground floor, in Bldg. D-15 at Yogi Nagar, Eksar Road, Borivli (West), Bombay-92, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 11-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mr. Vijay Ramchandra Shri khande (Transferor)
- (2) Mr. Sunder Mehabala Shetty (Transferee)
- (3) Mr. S. M. Shetty & Family (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 001, Ground floor, in Bldg. No. D-15 at Yogi Nagar, Eksar Road, Borivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37EE/2665/83-84. dt. 11-11-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Date : 13-7-1984.
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.-----

(1) Rokadia Enterprises

(Transferor)

(2) Smt. Manjulaben Bhagwandas Shah & Shri
Bhagwandas Shah

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. ARIV/37EE/8716/83-84.—Whereas, I,
LAXMANDAS,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- andFlat No. 13 1st floor, Kokadia Niketan, Parsi Panchayat
Rd. Andheri (W), Bombay-69, situated at Bombay,(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering
Officer at Bombay on 25th November, 1983.for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaidproperty and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent con-
sideration therefor by more than fifteen per cent of such
apparent consideration and that the consideration for such
transfer as agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 13, 1st floor, Kokadia Niketan, CTS No. 141B,
S. No. Hissa No. 3F, of Mogra, Parsi Panchayat, Road, And-
heri (East), Bombay-400 069.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/8716/83-24, dated
25.11-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Madhav United Hotels (International) Ltd.,
(Transferor)(2) M/s, Universal Enterprises.
(Transferee)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 9th July 1984

Ref. No. AR-II/37EE/2875/83-84.—Whereas, I,
LAXMANDAS,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingOffice No. 301, 3rd floor, Madhava Plot No. C-4 Block
No. 10, Bandra Kurla Complex, Bombaysituated at Bandra,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferredand the agreement is registered under section 269AB of the
Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority
at Bombay on 7-11-1983for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The term and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 301, on 3rd floor, 'Madhava' Plot No. C-4 of
Block No. E of Bandra Kurla Complex, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent
Authority Bombay, under serial No. AR-II/37EE/2875/83-84
dt. 7-11-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay.

Date : 9-7-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

BOMBAY

Bombay, the 11th July 1984

Ref. No. AR-II/37EE/8485/83-84.—Whereas, I, LAXMANDAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 701, C.T.S. No. 1 & 7 Bandivali, Jogeshwari (West) Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Novle Construction Co.

(Transferor)

(2) Mrs Aais ha Usman.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 701, C.T.S. No. 1 & 7 Bandivali, Jogeshwari (West) Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under No. AR-II/37EE/8485/83-84, dated 4-11-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay.

Date : 11-7-1984

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Nirman Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Farzana Gustad Shakabadi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

BOMBAY

Bombay, the 10th July 1984

Ref. No. AR-II/37EE/8704/83-84.—Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 603, 6th floor Nirman Cottage, Yari Road, Versova, Andheri (West) Bombay-61.

situated at Andheri (West)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 25-11-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 603, 6th floor, Nirman Cottage, Yari Road, Versova, Andheri (West), Bombay 400 061.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II/37EE/8704/83-84 dated, 25-11-1983

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Bombay.

Date : 10-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Rokadia Enterprizes

(Transferor)

(2) Smt. Kalaben Kantilal Desai &
Shri Paresh Kantilal Desai

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

BOMBAY

Bombay, the 12th July 1984

Ref. No. AR.II/37EE/8715/83-84.—Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority Under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 33 3rd floor Rokadia Niketan, Parsi Panchayat Rd., Andheri(E) Bombay-69

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 25-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

64—196 GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 33, 3rd floor of Bldg Rokadia Niketan CTS No. 141B, S. No. 3F of Mouja Mogra Parasi Panchayat Road, Andheri (East), Bombay 400 069.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/8715/8384, dated 25-11-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Bombay.

Date : 12-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s Gundecha Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Hemandas Mangharam Varamdani

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

BOMBAY

Bombay, the 9th July 1984

Ref. No. AR.II/37EE/3796/83-84.—Whereas, I, LAXMANDAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. Flat No. 22, 2nd floor, Sonal Apartment, Guzdar's Private Scheme, Santacruz (West) Bombay-54 situated at Bombay (and more fully described in schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Bombay on 22-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 22 on 2nd floor, Sonal Apartment, Guzdar's Private Scheme, Santacruz, Bombay-400 054.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR.II/37EE/3796/83-84 dated 22-11-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay.

Date : 9-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mr. Nirmal Jain

(Transferor)

(2) Mr. Esmail Abdulhussein Kathawala
Mr. Abbas H. Patel &
Mr. Anthony X. P.,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II

BOMBAY

Bombay, the 9th July 1984

Ref. No. AR-II/37EE/8713/83-84.—Whereas, I,
LAXMANDAS,being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.Flat No. 611 on 6th floor at Everest Bldg. Jayaprakash
N. Road, Versova, Andheri(W), Bombay-61,
situated at Andheri (West)(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferredunder the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the
Office of the Registering Officer at
Bombay on 21-11-1983for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45
days from the date of publication of this notice in the
Official Gazette or a period of 30 days from the
service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette,EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 611 on 6th floor, at 'Everest', Bldg. Jayaprakash
N. Road, Versova, Andheri (West), Bombay 400 061.The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under serial No. AR-II/37EE/8713/83-84
dated, 21-11-1983.LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay.Date : 9-7-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs. Naina Verma.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Mr. Hiranand B. Asrani
Mrs. Surekha H. Asrani
Mr. Rajesh B. Asrani
Mrs. Sunita R. Asrani

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION, RANGE-II

BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.II|37EE|3724|83-84.—Whereas, 1, LAXMANDAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 15, 3rd floor, Sheesh Mahal, L Dn. 5A Pali Hill, Bandra situated at Bombay 400 050 (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 14-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 15, 3rd floor, 'Sheesh Mahal' 5-A, Pali Hill, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR.II|37EE|3724|8384, dated 14-11-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay.

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Mahesh M Ahuja

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Girdhari M. Ahuja & Mrs. Heena G. Ahuja
(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II

BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-II/37EE/3728/83-84.—Whereas, I,

LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 1, Gr. floor, Bamboo House Primeses Co-op.

Housing Society Ltd., at 8/92 Laxmi Road, Saraswat Colony Santacruz (West) situated at Bombay-54

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 14-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. 1 Gr. floor Bamboo House Premises Co-op. Housing Society Ltd. at 8/92 Laxmi Road, Saraswat Colony Santacruz (West), Bombay-54.

The agreement has been registered by the the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/3728/83-84, dated 14-11-83.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Mr. Gordhandas Aildas Gaba

(Transferor)

(2) Shri Maheshandra H. Mullick
Umeshchandra Harishchandra Mullicks

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 9th July 1984

Ref. No. AR-II/37E/3772/83-84.--Whereas, I, LAXMANDAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 2, Maria Apartments Co-operative Housing Society Ltd., 78 Pali Hill, Bandra, Bombay 400 050 situated at Bandra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 25-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 2, Maria Apartments Co. operative Housing Society Ltd. 78 Pali Hill, Bandra 400 050.

The agreement has been registered by the the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II/37EE/3722/83-84 dated 25-11-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay.

Date: 9-7-1984
Seal:

FORM ITNS

- (1) Rajan Kanayalal Makani (Transferor)
 (2) Smt. Shanti Prem Fatnani (Transferee)
 (3) Transferee.
 (Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE
 INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
 OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
 BOMBAY

Bombay, the 12th July 1984

Ref. No. AR.II/37EE/3742/83-84.—Whereas, I,
 LAXMANDAS,
 being the Competent Authority under Section 269B of
 the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
 to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
 able property, having a fair market value exceeding
 Rs. 25,000/- and bearing
 No. Flat No. 3, Bhaveshwar Sadan Co-operative Housing
 Society, Mogul Lane, Mahim, Bombay 400 016
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred and the agreement is registered under
 section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of
 the Competent Authority
 Bombay on 14-11-1983
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property, and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as afore-
 said exceeds the apparent consideration therefor by more than
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the
 consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
 ing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days
 from the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
 able property within 45 days from the date of the
 publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said Act,
 shall have the same meaning as given in
 that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, Ground floor, Bhaveshwar Sadan Co-operative
 Housing Society, Mogal Lane, Mahim Bombay 400016.

The agreement has been registered by the the Competent
 Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/3742/83-84 dated
 14-11-1983.

LAXMANDAS
 Competent Authority
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-II,
 Bombay.

Date : 12-7-1984
 Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

BOMBAY

Bombay, the 12th July 1984

Ref. No. AR-II/37EE/3737/83-84.—Whereas, I, LAXMANDAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 6 Plot No. N/A 89, Junction of Pali Rd. & Zig Zag Rd. Bandra, Bombay-50

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 14-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Mr. Kishanlal Kanodia s/o Late
Madho Prasad Kanodia

(Transferor)

- (2) Mr. Babu Jitkhar gureshi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 6, Plot No. N/A-89 Junction of Pali Road and Zig Zag Road, Bandra, Bombay 400 050.

The agreement has been registered by the the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/3737/83-84 dated 14-11-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay.

Date : 12-7-1984

Seal :

FORM I.T.N.S.—

- (1) Smt. Neelam Narendrakumar Mullick
Smt. Daulatdevi Hiranand Mullick (Transferor)
- (2) Francis Xavier D'Zouza. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE II
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.II/37EE/8609/83-84.—Whereas, I, LAXMANDAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 4, 2nd floor, Harsh Mahal Shree Bhagwati Co-op. Hs. Soc. Ltd. Tulsi Pipe Rd Mahim Bombay 400 016, has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1922 (27 of 1957);

the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
65—196 GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, 2nd floor Harsh Mahal, Shree Bhagwati Co-operative Housing Soc. Ltd., Tulsi pipe Road, Mahim, Bombay-400 016.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR.II/37EE/8669/8384 dated 3-11-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date : 13-7-1984

Seal :

FORM ITNS—

(1) Mrs. Uma Mahagaonkar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Mary Misquita.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th July 1984

Ref. No. AR.II/37EE/3778/83-84.—Whereas, I, LAXMANDAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

Flat No. 10, 4th floor, Seep Co. Op. Hsg. Society Ltd., 27 Rajan Bandra, Bombay 400 050.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 24-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10, 4th floor, Seep Cooperative Housing Society Ltd. 27, Rajan, Bandra, Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/3778/83-84 dated 24-11-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 12-7-1984
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) M/s. Rokadia Enterprises

(Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar Thukeshi Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th July 1984

Ref. No. A.R.II/37EE/8617/83.84.—Whereas, I,
LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 42, 4th floor, Rokadia Niketan, Parsi Panchayat Rd. Andheri (East), Bombay, 69, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Bombay on 25-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 42, 4th floor of Bldg. known as Rokadia Niketan, CTS No. 141B, S. No. 50 No. 3F of Mouje Mogra Parsi Panchayat Road, Andheri (East), Bombay, 69.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. A.R.II/37EE/8617/83-84, dated 25-11-1983.

LAXMANDAS

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date : 12-7-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Mr. Sadashiv Ramchandra Kher
(Transferor)
- (2) Mr. Anwarudeen Hassan.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th July 1984

Ref. No. A.R.II/37EE/8575/83-84.—Whereas, I,
LAXMANDAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
Flat No. B-46, Gulmohur Apartment, 5th floor, Juhu Lane,
Andheri (West), Bombay-400 058,
situated at Andheri
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office
of the Competent Authority
at Bombay on 10-11-1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-46, Gulmohur Apartment, 5th floor, Juhu Lane,
Andheri (West), Bombay 400 058.

The agreement has been registered by the Competent
Authority Bombay under serial No. AR-II/37EE, 8575/83-84
dated 10-11-1983.

LAXMANDAS

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 6-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. S Raj & Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961).

(2) (1) Bansilal B. Kukreja, (2) Tikamdas B. Kukreja, (3) Manoharlal B. Kukreja, (4) Rahi T. Kukreja (5) Champa N. Kukreja (6) Poonam B. Kukreja (7) Neeta M. Kukreja (8) Dilip N. Kukreja.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th July 1984

Ref. No. A.R. II/37EE/290/83-84.—Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 14 in Sompuri Market, Station Road, Santacruz, Bombay-54.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 14 in Sompuri Market, Station Road, Santacruz, Bombay 400 054.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/290/83-84 dated 7-11-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Bombay.

Date : 11-7-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Navbharat Deve. Corporation

(Transferor)

(2) Mr. Mohammed Ali Alich

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th July 1984

Ref. No. AR.II/37EE/2887/83-84.—Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 704-A, 7th floor, 'Kalpana Apts. A' Sherly Rajan Road, Bandra, Bombay-50, situated at Bandra,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 704-A, 7th floor, 'Kalpana Apts-A', Sherly Rajan Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under serial No. AR-II/37EE.2887/83-84 dated 1-11-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Date : 9-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Goyal Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Yesh Pal Malhotra

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th July 1984

Ref. No. AR.II|37EE|8801|83-84.—Whereas, I, LAXMANDAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 1 Aditya Apartments, Old Nagardas Road, Andheri (East), Bombay-69. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 28-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 1st floor 'E' Wing of 'Aditya Apartments', Old Nagardas Road, Andheri (East), Bombay 400 069.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|8801|83-84, dated 28-11-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Date : 11-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.II/37EE/3791/83-84.—Whereas, I, LAXMANDAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 403, Kamal Kunj Building, 'B' Wing, 4th floor, Plot No. 179 Veer Savarkar Marg, TPS II, Mahim, Bombay 400 016, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 26-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Ashut Kumar Devendranath Mondal (Transferor)
(2) Motilal Jivraj Jain
Mrs. Nirmala Motilal Jain (Transferee)
(3) Transferees, (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 403, Kamal Kunj Building 'B' Wing, 4th floor, Plot No. 179 Veer Savarkar Marg, TPS II, Mahim, Bombay 400 016.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/3791/83-84, dated 26-11-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.II/37EE/3713/83-84.—Whereas, I,
LAXMANDAS,being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearingFlat No. A/3, Ground floor, Ratna Co-operative Housing
Society Ltd., 186-Cadell Road, Mahim, Bombay 400 016.(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-Tax Act, 1961, in the office
of the Competent Authority

at Bombay on 14-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

66—196G/84

(1) Smt. Vajundhara Madhav Parbhudesai
(Transferor)(2) Shri M. H. Joshi &
Smt. S. H. Joshi
(Transferee)(3) Transferor,
(Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A/3, Ground floor, Ratna Co-operative Housing
Society Ltd., 186 Cadell Road, Mahim Bombay 400016.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/3713/83-84, dated
14-11-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Date : 13-7-1984

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Impressions

(Transferor)

(2) Shabbir S. F. Arsiwalla & Ors.
Trustees of F.N.H. Arsiwalla Trust

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.II/37EE/3754/83-84.—Whereas, I,
LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 4 Basri Apartments, 30th Road, Plot No. 28 TPS III, Bandra (Bombay-50.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 4, Basri Apartments, 30th Road, Plot No. 28 T.P.S. III, Bandra, Bombay 400050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/3754/83-84 dated 22-11-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Kishore K. Asairpota

(Transferor)

(2) Shri Milan Kuma P. Sakhapora.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th July 1984

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.Ref. No. ARIV|37EE|2724|83-84.—Whereas, I,
A. PRASAD,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|—
and bearingFlat No. 102-B, 1st floor, Nilambur Kamal Apartments,
Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67.(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
of the Competent Authoritysection 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office
has been transferred and the agreement is registered under
at Bombay onfor an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of —EXPLANATION :—The terms and expressions used herein at
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or;(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 102. B-1st floor, Nilambur Kamal Apartments,
Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67.The agreement has been registered with the Competent
Authority, Bombay vide serial No. ARIV|37EE|2724|83-84

A. PRASAD

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-IV, BombayNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
foresaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 12-7-1984

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th July 1984

Ref. No. ARIV/37EE/2723/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 101-B, 1st floor, Kamal Apartments, Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67, situated at Kandivli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer and the agreement is registered under sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 5-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Master Sushil K. Asairpota (Minor)
Through his guardian Mrs. R. K. Asairpota
(Transferor)

(2) Shri Haresh P. Salkhapara
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101-B, 1st floor, Nilambar Kamal Apartments, Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67.
The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV/37EE/2723/83-84 dt. 5-11-83.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-IV, Bombay.

Date : 12-7-1984
Seal :

FORM I.T.N.S.-----

(1) Goyal Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri & Smt. H. K. Shukla

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 11th July 1984

Ref. No. AR-IV/37EE/2795/84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bombay,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immo-
vable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
Flat No. 307, 3rd floor, A-Wing Aditya Park, Chhatrapati
Shivaji Road, Dahisar (E), Bombay-68.
situated at Dahisar.
(and more fully described in the schedule
annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
and the agreement is registered under sec. 269AB of the
Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent
Authority,
at Bombay on 26-11-1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefore by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transferred with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income of
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 307, 3rd floor, A-Wing, Aditya Park, Chhatra-
pati Shivaji Rd, Dahisar (E), Bombay-68.

The agreement has been registered with the Competent
Authority, Bombay vide serial No. AR-IV/37EE/2795/83-84
dt. 26-11-83.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 11-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 12th July 1984

Ref. No. AR-IV/37G/38/83-84.—Whereas I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property, situated at Pksar City, Survey No. 5 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

Bombay on 29-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

- (1) 1. Premraj Hazarimal
2. Hasimal Lachhiram & Mital Lachhiram,
3. Vasimal Sivram, Sobbraj Jivraj &
Chhabalal Sumernmal, (Transferor)
(2) Society of the Divine Word. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The words and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mention in the Registered Deed No. 4754/72 and registered with the sub-registrar, Bombay on 29-11-83.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 12-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) 1. Shri Sudhakar Vishal Dabholkar & Ors.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Thakorbbhai Desai & Sons.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 12th July 1984

Ref. No. AR-IV/37-G/83-84.—Whereas I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Survey No. 1125 City Survey No. 1105, R Ward No. 739S (1) & 7395 (IA) St. No. 433-A, Maratha Colony, Wamanad Sawani Road, Dahisar (E)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay S 3122 dt. 15-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered deed No. S-3122/82 and registered with the sub-registrar, Bombay on 25-11-83.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 12-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Major Stana Robert Tellis.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. B. R. Enterprises.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 12th July 1984

Ref. No. AR-IV/37EE/2676/84-85.—Whereas I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 14, Survey No. 14 of Survey No. 110 (Pt) and Survey No. 107, Hissa No. 4 (part) Plot No. 1, C.T.S. No. 1128 and 1129, of village Eksar, Taluk Borivli, situated at Borivli (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 26-9-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 14, Survey No. 14 of Survey No. 110 (Part) and Survey No. 107 Hissa No. 4 (Part) Plot No. 1, C.T.S. No. 1128 and 1129, village Eksar, Taluka Borivli.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV/37EE/2676/83-84 dt. 26-9-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 12-7-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Bastimal K. Jain.

(Transferor)

(2) Shri Urmikant, D. Devalia & ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 12th July 1984

Ref. No. AR-IV/37EE/2743/84185.—Whereas I,
A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 1, Bldg. No. D-14, Yogi Nagar, Eksar Road, Borivli (W), Bombay-92 situated at Borivli (W), (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Bombay on 1-11-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

67—196GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 1, Bldg. No-D-14, Yogi Nagar, Eksar Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV/37EE/2743/83-84 dt. 1-11-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-7-1984
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 12th July 1984

Ref. No. AR-IV/37EE/2765/84-85.—Whereas I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 608, Wing One, 6th floor, 'Summer Nagar' Bldg., S.V. Road, Borivli (W), Bombay, situated at Borivli (W),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer at Bombay on 16-11-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair-market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ramchandra Chellaram Ahuja. (Transferor)

(2) Shri Vardhman Raj Tatla. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 608, 6th floor, Wing One, Summer Nagar Bldg. S. V. Road, Borivli (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV/37EE/2765/83-84 dt. 16-11-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 12-7-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs. Lany Lobo.

(Transferor)

(2) Mrs. Manjula Jamnadas Pabari.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 12th July 1984

Ref. No. AR-IV/37EE/2764/84-85.—Whereas I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 4, Ground floor, "Rameshwar Darshan", Kastur Park, Simpoli Road, Borivli, Bombay-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 16-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 4, Ground floor, "Rameshwar Kastur Park, Simpoli Road, Borivli, Bombay"

The agreement has been registered with Authority, Bombay vide serial No. AR-IV/ dt. 16-11-1983.

Inspecting Asst

Date : 12-7-'
Seal :

A. PRASAD
Competent Authority
Assistant Commissioner of Income-
Acquisition Range-IV, Bom

FORM ITNS—

(1) Shri Hukamraj C. Parmar,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jayantilal Manilal Patel.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 12th July 1984

Ref. No. AR-IV/37EE/2767/84-85.—Whereas I,

A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Flat No. B-6, 2nd floor, Laxmi Apartment, Laxmi Nagar Project, 3rd Kasturba Road, Borivli (E),
situated at Borivli (E),
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred in the Office of the registering Officer at Bombay on 14-11-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. B-6, Second floor, Laxmi Apartment, Laxmi Nagar Project, 3rd Kasturba Road, Borivli (E).

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV/37EE/2767/83-84 dt. 14-11-1983.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

in pursuance of Section 269C of the said Act, the proceedings for the acquisition of the said property by the issue of this notice under sub-section (1) of the said Act, to the following

Date : 12-7-1984
Seal :

therefore, in pursuance of the provisions of Section 269D of the said Act, the proceedings for the acquisition of the said property by the issue of this notice under sub-section (1) of the said Act, to the following

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 12th July 1984

Ref. No. AR-IV/37EE/2689/84-85.—Whereas I,
A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 56, D-Wing, Plot No. V, Moolji Nagar, S. V. Road, Borivli (W), Bombay-92 situated at Borivli (W),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the Registering Officer at Bombay on 11-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Narbadaben K. Ghael,

(Transferor)

(2) Shri Sukhdev Mittal & Ors.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 56, D-Wing Plot No. V, Moolji Nagar, S. V. Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV/37EE/2698/83-84 dt. 11-11-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 12-7-1984

Seal :

FORM IT.N.S.—

(1) Space Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Pradip Balkrishna Mehta &
Space Builders Pvt. Ltd.
Smt. D. A. Mehta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 11th July 1984

Ref. No. AR-IV/37EE/2750/83-84.—Whereas 1, A. PRASAD, Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. A-3-A/4/3 of Chhatrapati Shivaji Marg, Dahisar (E), Bombay situated at Dahisar, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 16-11-1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate Proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. A-3-A/4/3, at Chhatrapati Shivaji Marg, Dahisar (E), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV/37 EE/2750/83-84 dt. 16-11-83.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 11-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. S. Vindi Builders P. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Bhanmerlal C. Soni.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 11th July 1984

Ref. No. AR-IV/37EE/2683/83-84.—Whereas, I,

A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 7 Ground floor, B. Bldg., Misquitta Nagar, Chhatrapati Shivaji Road, Dahisar (East), Bombay-68 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 21-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 7, Ground floor, B. Bldg., Misquitta Nagar, Chhatrapati Shivaji Road, Dahisar (E), Bombay-68.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV/37EE/2683/83-84, dated 21-11-1983.

A. PRASAD

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Datme : 11-7-1984

Seal :

FORM ITNS—

(1) Goyal Builders P. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Satish Ramanlal Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 11th July 1984

Ref. No. AR-IV/37EE/2825/83-84.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 13, 3rd floor, B-Wing, Aditya Park, Chhatrapati Shivaji Road, Dahisar (E), Bombay-68 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 3-11-1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 13, 3rd floor, B-Wing, Aditya Park, Chhatrapati Shivaji Road, Dahisar (E), Bombay-68.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV/37EE/2825/83-84 dt. 3-11-83.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 11-7-1984.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Liao Wee Hing.
Shri Liao Wee How.
Miss Liao Wee Funk.
Miss Liao Wee Funk.
Miss Liao Wee Sew.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Indra D'Mello.
Shri Ersel C. D'Mellow.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 12th July 1984

Ref. No. AR. II/37EE/3725/83-84.—Whereas I, LAXMANDAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 12 Homelands, 55A Hill Road, Bandra, Bombay-400 050 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of Bombay on 14-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Shop No. 12, Homeland, 55A Hill Road, Bandra, Bombay-400 050.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/3725/83-84. dated 14-11-1983.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269F of the said Act, to the following persons, namely:—
68—196GJ/84

Date : 12-7-1984
Seal :

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

FORM ITNS—

(1) Smt. Devibai R. Bhagtani.

(Transferor)

(2) Smt. Bani A. Chhabria.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR/III/37EE/4069/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 38, 2nd floor, Bldg. in Plot No. 5, 6, & 7, Prem Prakash Coop. Hsg. Soc. Ltd., Laxmi Colony, R.C. Marg, Chembur, Bombay-71 situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 1-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 38, 2nd floor, Bldg. in Plot No. 5, 6, & 7, Prem Prakash Coop. Hsg. Soc. Ltd., Laxmi Colony Chembur, Bombay-74.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR/III/37EE/1633/83-84 dated 1-11-1983.

A. LAHIRI,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 13-7-84
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sh. K. Dinkar Kudva.

(Transferor)

(2) Sh. Bhupendra Laxmidas Thakar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 6th July 1984

Ref. No. ARIII/37EE/3926/84-85.—Whereas, I,
A. LAHIRI,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.bearing No. Flat in Shiv Sagar Bldg. Flat No. 6,
Flat No. 95, Garodia Nagar, Ghatkopar (E), Bombay
situated at(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under Registration Act
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Bombay on 1-11-1983for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
monies or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6, Shiv Sagar Bldg. Plot No. 95, Garodia Nagar,
Ghatkopar (East), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent
Authority Bombay vide serial No. ARIII/37EE/1528/83-84
dated 1-11-1983.

A. LAHIRI,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Date : 6-7-84

Seal :

FORM ITNS

(1) Ashit Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. R. N. Swadi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR-III/37EE/4129/84-85.—Whereas, I,

A. LAHIRI,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 9, Bldg. 8, Gautam Cottage, Mithagar Road, Mulund (E), Bombay-81, situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Office at Bombay on 1-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 9, Bldg. 8, Gautam Cottage, Mithagar Road, Mulund (E), Bombay-81.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIII/37EE/1562/83-84 dated 1-11-1983.

A. LAHIRI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of the Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 13-7-84

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. ARIII/37EE/3971/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Bldg. No. 15B, Flat No. 7, Navjivan Society, Chembur Colony, Bombay-74 situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 1-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Indra C. Tareja & Ors. (Transferor)
(2) Sh. Kishinchand Gulabrai Manik & Ors. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg. No. 15B Flat No. 7, Navjivan Society, Chembur, Colony, Bombay-74.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37EE/1536/83-84, dated 1-11-83.

A. LAHIRI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Date : 13-7-84

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Hamirsingh Tayatsingh Purohit.

(Transferor)

(2) Sh. Deepak Keshavlal Fudia.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY
Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III/37EE/4249/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. B/8, 2nd floor, Gautam Co-op, Hsg. Soc. Ltd. Plot No. 39/40, Haji Bapu Rd. Malad (E), Bombay-400 064

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B/8, 2nd fl. agreed to be transferred in the building on Gautam Co-operative Hsg. Soc. Ltd. Plot No. 39/40, Haji Bapu Road, Malad (E), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, vide serial No. AR.III/37EE/1577/83-84 dated 1-11-1983.

A. LAHIRI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Date : 13-7-84
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 6th July 1984

Ref. No. ARIV/37EE/942/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 32, Wing A, 3rd fl, Neelima Apartment, Jungal Manga Rd. Bhandup, Bombay-400 478 situated at has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay, on 1-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely :—

- | | |
|-------------------------------|--------------|
| (1) Ganesh Builders. | (Transferor) |
| (2) Mr. Kunjamma Jacob & Ors. | (Transferee) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 32, 'A' Wing, Neelima Apartment, Jungal Mangal Road, Bhandup, Bombay-400 078.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37EE/1532/83-84 dated 1-11-1983.

A. LAHIRI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Date : 6-7-84
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) M/s. Ganesh Builders.

(Transferor)

(2) Sh. P. K. Raju.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR-III/37EE/4481/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. B-44, 'B' Wing fourth floor "Neelima Apartment" Jungal Mangal Rd. Bhandup, Bombay-79, situated at (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Registering Officer Officer at Bombay, on 1-11-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namey:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-44, Wing 'B' fourth fl. "Neelima Apartment" Jungal Mangal Road, Bhandup, Bombay-400 078.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR/III/37EE/1612/83-84 dated 1-11-1983.

A. LAHIRI,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Dated : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Dhirajlal P. Shah.

(Transferor)

(2) Rameshlal Gobindaram Bathija,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. ARIII|37EE|3922|84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (3 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 302, 3rd floor Sneha Apartments, Sarojini Naidu Rd. Mulund (West), Bombay-400 80 situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay, on 1-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been duly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

69—196GI|84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 302, 3rd fl. Sneha Apartments, Sarojini Naidu Rd. Mulund (West), Bombay-400 080.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIII|37EE|1565|83-84 dated 1-11-1983.

A. LAHIRI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Dated : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sh. Deshmukh Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Madhav Ganesh Bhole.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III/37EE/4240/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 302, 3rd Floor, Ajit Park, Somwar Bazar Rd. Malad (W), Bombay-400 064 situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1983 Royapuram (Doc. No. 1904/83) in November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 302, 3rd Fl. Ajit Park, Somwar Bazar Rd. Malad (West), Bombay-400 064.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay, vide serial No. AR.III/37EE/1580/83-84 dated 1-11-1983.

A. LAHIRI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Dated: 13-7-1984
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 12th July 1984

Ref. No. AR.II/37EE/8714/83-84.—Whereas, I

A. LAHIRI,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 23 Rokadia Niketan,
Parsi Panchayat Rd. Andheri (E), Bombay-69
situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 25-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Rokadia Enterprises.

(Transferor)

(2) Sh. Chimanlal Surajmal Shah.
Smt. Indumati Surajmal Shah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 23, 2nd floor, Rokadia Niketan, CTS No. 141
B S. No. 50 Hissa No. 3F of Mouje Mogra, Parsi Panchayat
Road, Andheri (East), Bombay-400 069.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/8714/83-84, dt. 25-11-1983.

A. LAHIRI,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Dated : 12-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Jaswami Associates.

(Transferor)

(2) M/s. Royal Apparels.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.-I/37EE/1408/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Unit No. 211, 2nd floor, Narayan Udyog Bhavan, Plot No. 7 (pt.) Industrial Estate, 25/50 Parel Sewree Division, Dr. B. Ambedkar Rd. Lalbaug, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 28-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said act in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Unit No. 211 on 2nd floor, Narayan Udyog Bhavan, Plot No. 7 (pt.) Industrial Estate, 25/50 Parel Sewree Division, Dr. B. Ambedkar Road, Lalbaug, Bombay-12.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.-I/1317/83-84 dated 28-11-1983.

A. LAHIRI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR-I/37EE/1150/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 205 on the 2nd floor in the building known as 'SYBILLE' 65, Worli Hill Estate, Bombay-400 018 situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 15-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- | | |
|---|--------------|
| (1) Smt. Indra P. Manghani. | (Transferor) |
| (2) Sh. Sudhir Kantilal Doshi
Smt. Stella Sudhir Doshi. | (Transferee) |
| (3) Smt. Indra P. Manghani.
(Person in occupation of the property) | |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 205 on the 2nd floor in the building known as SYBILLE, 65, Worli Hill Estate, Bombay-400 018.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-I/1018/83-84 dated 15-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Dated : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Pragati Investments.

(Transferors)

(2) Shri Kishorekumar Bhimji Zaveri, HUF.

(Transferees)

(3) M/s. Pragati Investments.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th July 1984

Ref. No. AR-I/37FE/1263/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Unit No. 6 & 6A, West View Building, Veer Saverker Marg, Prabhadevi, Bombay-400 025 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Registering Officer at Bombay on 1-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 6 & 6A, (West View' Building, Veer Saverker Marg, Prabhadevi, Bombay-400 025.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-I/1175/83-84 dated 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 12-7-1984

Seal :

FORM ITNS-----

(1) M/s. R. T. Mehta Construction Co.

(Transferor)

(2) Smt. Tarulata Rasiklal Shah;
Shri Piyush Rasiklal Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR-I|37EE|1258|83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 104 in Vishal Bldg. at the junction of Anant Ganpat Pawar Lane & Chinchpokli X Road, Bombay-27 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Registering Officer at Bombay on 1-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 104 in Vishal Bldg. at the junction of Anant Ganpat Lawar Lane & Chinchpokli X Road, Bombay-27.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-I|1180|83-84 dated 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date : 13-7-1984

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR-I[37EE]1033[83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 13 on the ground floor and Godown No. 13 in the basement, Bhangwadi Shopping Arcade, Kalbadevi Road, Bombay-2

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Registering Officer at Bombay on 15-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to be the following person namely :—

- (1) M/s. Lupa Traders. (Transferor)
(2) M/s. Binjusaria & Co. Pvt. Ltd. (Transferee)
(3) Transferee. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 13 on the ground floor and Godown No. 13 in the basement, Bhangwadi Shopping Arcade, Kalbadevi Road, Bombay-2.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-J[956]83-84 dated 15-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM LT.N.S.

(1) M/s. Arun International.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Lakshman Suresh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th July 1984

Ref. No. AR-IV|37EE|2599|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. F-16, 3rd floor, Saibaba Dham, Off S. V. Road, Borivli (W), Bombay-92 situated at Borivli (W) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 25-11-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. F-16, 3rd floor, Saibaba Dham, Off S. V. Road, Borivli (W), Bombay-92.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37EE|2599|83-84 dated 25-11-83.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-7-1984

Seal :

FORM IINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th July 1984

Ref. No. AR-IV/37EE/2688/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 2, Raj Bhavan, Opp. Maharashtra Nagar Road, L. T. Road, Borivli (W), Bombay-92 situated at Borivli (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 22-11-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Shri Sampatraj T. Jain (HUF). (Transferor)
- (2) Shri Premji Kheraj Gala. (Transferee)
- (3) Transferee. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Shop No. 2, Raj Bhavan, Opp. Maharashtra Nagar Road, L. T. Road, Borivli (W), Bombay-92.

The Agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV/37EE/2688/83-84 dated 22-11-1983.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mrs. Perpetual Pinto.

(Transferor)

(2) Mr. Kelly Braz Carvalho.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR-IV/37EE/3986/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 3, 'Rose Monica', Ground floor, Village Church Rd., Kalina, Bombay-29 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 1-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires, later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Flat No. 3, 'Rose Monica', Ground floor, Village Church Road, Kalina, Bombay-29.

The Agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV/37EE/1539/83-84 dated 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III/37EE/4123/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 2, Ganesh Smruthi Co-op Hsg. Society, 7th Road, Plot No. 388, Chembur, Bombay-71 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1st November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mrs. Swati Ramesh Sandhu (Transferor)
(2) Mr. M. S. Sankaran/Mrs. Jamuna Sankaran. (Transferee)
(3) Mrs. Sankaran/Mrs. Jamuna Sankaran. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2 Ganesh Smruthi Co-op. Hsg. Society Ltd. Seventh Road, Plot No. 588, Chembur Bombay 400071.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/559/83-84 dated 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 13-7-1984
Seal:

FORM ITNS

(1) Dr. Jayesh Lahamshi Lalan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Jitendra Keshavlal Mavani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III|37EE|4114|84-85.—Whereas, I,

A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 14, Hem Chhaya Apartments,

Plot No. 197-B, Kasturba Rd., Mulund (W), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-11-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 15, Hem Chhaya Apartments, Plot No. 197-Bm Kasturba Road, Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay, vide serial No. AR.III|37EE|1557|83-84, dated 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Karmali Enterprise.

(Transferor)

(2) Mrs. Rashida Ahmad Patel & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 15th July 1984

Ref. No. AR.III/37EE/4275/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 101, Al Sabah, Somwar Bazar, Behind Bombay Talkies Compound, S. No. 388/2, Malad (W), Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or,

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101, Al Sabah, Somwar Bazar, Behind Bombay Talkies Compound, S. No. 388/2, Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay, vide serial No. AR.III/37EE/1581/83-84, dated 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 13-7-1984

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s Sheth Enterprises.

(Transferor)

(2) Mr. Paul Gordha & Others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III/37EE/3983/84-85.—Whereas, I,

A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Bhagirathi Villa, 3rd fl. flat No. 39, Amrut Nagar, L.B.S. Marg, Ghatkopar Bombay-86

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Bhagirathi Villa, 3rd fl. flat No. 39, Amrut Nagar, L.B.S. Marg, Ghatkopar (West), Bombay-86.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay, vide serial No. AR.III/37EE/1537/83-84, dated 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Smt. A. Usha Pai & Shri A. Chandrakant Pai.
(Transferor)
- (2) Smt. Sandhyarani Dhruvokumar Belel.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III/37EE/4086/84-85.—Whereas, I,
A. LAHIRI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
Flat No. 303, 3rd fl. Pooja Bulding R. C. Marg,
Chembur Colony, Bombay-74
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
section 269 AB of the the Income-tax Act, 1961, in the
Office of the Competent Authority at
Bombay on 1-11-1983,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the subject of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

Flat No. 303, 3rd fl. "Pooja" R. C. Marg, Chembur
Colony, Bombay.

The agreement has been registered with the Competent
Authority, Bombay, vide serial No. AR.III/37EE/1555/83-84,
dated 1-11-1983.

- (b) facilitating the concealment of any income or any
assets or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Ajay Builders.

(Transferor)

(2) Raghunath Mangal Koli.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III/37EE/3993/84-85.—Whereas, I,

A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 1 Ground fl. Ushabha Chhaya S. No. 74 CTS No. 564 Mulund (E), Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
71—196GI/84

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Ground fl. Ushabha Chhaya, S. No. 74, C.T.S. No. 564 Mulund East, Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay, vide serial No. AR.III/37EE/1545/83-84, dated 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 13-7-1984

Seal :

FORM 1.T.N.S. ———

(1) Smt. Sudha Jain.

(Transferor)

(2) Kapoor Family Trust.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III[37EE]4229/84-85.—Whereas I A. LAHIRI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. C/201, 2nd fl. "C" Wingham Veena Nagar Bldg., Malad (W), Bombay, situated at (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Bombay on 1-11-1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. C/201, 2nd fl. "C" Wingham Bldg. Veena Nagar, Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, vide serial No. AR.III[37EE]1573/83-84, dated 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said section (1) of Section 269D of the said Act, to the following Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub- persons namely :—

Date : 13-7-1984

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Narendra Shantanam Sawant.

(Transferor)

(2) Smt. Ambika Unnikrishnan.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III/37EE/3988/84-85.—Whereas I,

A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 53, 5th fl. Deo Apartments Kole Kalyan Village, Vakola, Santacruz (E), Bombay situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Bombay on 1-11-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 53, 5th fl. Deo Apartment, Kole Kalyan Village, Vakola Pipe Line, Santacruz (E), Bombay-55.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, vide serial No. AR.III/37EE/154783-84, dated 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Unique Construction Co.

(Transferor)

(2) Shri Shahikant Narsingh Bhosle.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III/37EE/4209/84-85.—Whereas, J. A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Yogeshwar, Chinoholi Bunder Rd., Malad (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-11-1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Yogeshwar Chincholi Bunder Rd. Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay, vide serial No. AR.III/37EE/1579/83-84, dated 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS

- (1) M/s Ganesh Builders. (Transferor)
 (2) Shri V. S. Mukundan, (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING
 ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
 ACQUISITION RANGE-III
 BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III/37EE/3993/84-85.—Whereas, I,
 A. LAHIRI,
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
 as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
 able property, having a fair market value exceeding
 Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 1, Wing A, Ground fl. Neelima Apartment,
 Jangal Mangal Rd., Bhandup, Bombay-78
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto)
 has been transferred and the agreement is registered under
 section 269 AB of the the Income-tax Act, 1961, in the
 Office of the Competent Authority at
 Bombay on 1-11-1983,
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more than
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the
 consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
 ing persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said
 immovable property within 45 days from the date
 of the publication of this notice in the Official
 Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said
 Act, shall have the same meaning as given
 in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Wing A Ground fl. Neelima Apartment, Jangal
 Mangal Rd., Bhandup, Bombay-78.

The agreement has been registered with the Competent
 Authority Bombay, vide serial No. AR.III/37EE/1544.83-84,
 dated 1-11-1983.

A. LAHIRI
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-III, Bombay

Date : 13-7-1984
 Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Parmjit Kaur Bharaj.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kuldeep Singh Bharaj.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III/37EE/4353/84-85.—Whereas, I,

A. LAHIRI,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. R-5/4, Sundernagar, Malad West, Bombay-64
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-11-1983,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. R-5/4, Shree Sapatratra Co-op. Housing Society Ltd: Sunder Nagar, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/1630/83-84, dated 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mahendra Ramniklal Vora,

(Transferor)

(2) Nagin Prabhudas Bavishi & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III/37EE/4242/84-85.--Whereas I,
A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. B/32, Shital Nagar, 1st fl. Behind Reba Smruti Hospital, S.V. Rd. Malad (W), Bombay, (and morefully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 1-11-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

B/32, Shital Nagar, 1st fl. Behind Reva Smruti Hospital S.V. Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, vide serial No. AR.III/37EE/1575/83-84, dated 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Gold Coin Builders,

(Transferor)

(2) Mr. Alban A. Pinto,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III[37EE]4060[84-85.—Whereas, I,
A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. A-5, CTS No. 694 to 698, and 699(P) Kole Kalyan Vaakola, Santacruz, Bombay, situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-5, CTS No. 694 to 698, and 699, Kole Kalyan, Vakola, Santacruz (E), Bombay-400 055.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, Vide serial No. AR.III[37EE]4559[83-84 dated 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date : 13-7-1984,
Seal :

FORM 11NG.

(1) Yashvi Mukesh Shah

(Transferor)

(2) Smt. Sampatdevi
W/o Sampatlal Dajjani

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III/37EE/4213/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-A, Laxmi Narayan Shopping Centre Podar Rd. Malad (E), Bombay-400 064, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

5-A, Laxmi Narayan Shopping Centre, Podar Rd. Malad (E), Bombay-400 064.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, Vide Serial No. AR.III/37EE/1578/83-84 dated 1-11-1983

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
72—196 GI/84

Date : 13-7-1984.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Faslsh Developers

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Suresh Vimalchand Jain & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III|37EE|4269|84-85.—Whereas, I,

A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Gala No. 119, first fl. Indl. Estate, Plot No. 7, Udaynagar, S. V. Rd. Goregaon (W), Bombay-62, situated at Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 119, first fl. Indl. Estate Bldg. Plot No. 7 Udaynagar, Off. S. V. Road, Goregaon (W), Bombay 400-062

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III|37EE|1569|83-84 dated 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property, by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-7-1984.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ramesh H. Gandhi

(Transferor)

(2) Smt. S. B. Agarwal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III/37EE/4355/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 1, Ground Fl. Manas Sarovar Bldg. Near Chincholi Phatak, Malad (W), Bombay-400 064. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Shop No. 1, Ground Fl. Manas Sarovar Bldg., Near Chincholi Phatak, Malad (W), Bombay-400 064.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay Vide Serial No. ARIV/37EE/1631/83-84. dated 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date : 13-7-1984.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Mr. Vijay Arom

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Nitin Kantilal Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III|37EE|4074|84-85.—Whereas, I,

A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 11, 3rd fl. 90, Rd. Plot No. 178 Shri Sati Nivas Bldg. Garodia Nagar, Bombay-77, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-sections, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 11, 3rd fl. 30, Rd. Plot No. 178, Shree Sati Nivas Bldg., Garodia Nagar, Bombay-77.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, Vide serial No. AR.III|37EE|1553|83-84 dated 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date : 13-7-1984.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Bajranglal Goduram Varma.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Surguraj Builders,
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR-III/37EE/4202/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 14, Matrukrupa Apartment 'B' Pandit Solicitor Marg, Cross Quarry Road, Malad (E), Bombay-64 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

14, Matrukrupa Apartment 'B' Pandit Solicitor Marg, Cross Quarry Road, Malad (E), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, Vide serial No. AR-III/37EE/1582/83-84 dated 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date : 13-7-1984.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mr. Naresh V. Kewlani.

(Transferor)

(2) Mr. Puttan Khan Budda Khan & Others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR-III|37EE|2995|84-85.—Whereas, I,

A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 1, 5th fl. Bldg. No. 3/B, Damodar Parl, L.B.S. Marg, Ghatkopar, Bombay, situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 5th fl. Bldg. No. 3/B, Damodar Park, L.B.S. Marg, Ghatkopar(W), Bombay-86.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay Vide serial No. AR-III|37EE|1546|83-84 dated 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Bombay

Date : 13-7-1984.

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Modern Builders.

(Transferor)

(2) Mrs. Mayamma Abraham.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions and herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AR.III/37EE/4484/84-85.—Whereas, I, **A. LAHIRI**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 7, Plot No. 81, Kanpur C.S.H. Ltd. Bhandup, (E), Bombay-400 078. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 7, Plot No. 81, Kanpur Co-op. Hsg. Sct. Ltd., Bhandup (East), Bombay-78.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/37EE/1615/83-84. dated 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-7-1984,
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Blue Diamond Const. Co.

(Transferor)

(2) Mr. Menshu Sajpal Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III/37FE/4360/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 3, 2nd floor CTS No. 6379 & 6380, Village, Kule Kalyan Kalina, Bombay-29, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 1-11-1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax (Act, 1957 (27 of 1957));

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
Seal :

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, 2nd floor, CTS No. 6379 & 6380, Villa Kule Kalvan, Kalina, Bombay-29.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, vide serial No. AR.III/37FE/15191/83-84 dated 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS.-----

(1) M/s. B. Jaimalsingh & Sons.

(Transferor)

(2) Shri Gop Hotchand Verjani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III/37EE/4067/84-84.—Whereas, I,
A. LAHIRI,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.Flat No. 2, Ground floor, Murli Manohar Coop. Hsg. Socy.
situated at LBS Marg, Kurla, Bombay-70.(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferredand the agreement is registered under section 269AB of the
Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Au-
thority at

Bombay on 1-11-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in re-
spect of any income arising from the transfer; and/
or

- (b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—
73—196 GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immova-
ble property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, Ground floor, Murli Manohar Coop. Hsg.
Society (Kapleshwar), LBS Marg, Kurla, Bombay-70.

The agreement has been registered with the Competent
Authority Bombay, vide serial No. AR.III/37EE/1645/83-84
dated 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs. Kamala Manohar Khalsa,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Ramesh Hiranand Hinduja,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III/37EE/4173/84-85.—Whereas, I,
A. LAHIRI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961(43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
Flat No. B-2, Bldg. No. 7, Nityanand Baugh Coop. Hsg.
Society situated at Chembur, Bombay-74,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office
of the Registering Officer
and the agreement is registered under section 269AB of the
Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent
Authority at
Bombay on 1-11-1983,
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publications of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. B-2, Bldg. No. 7 Nityanand Baugh Co-op. Hsg.
Society Chembur, Bombay-74.

The agreement has been registered with the Competent
Authority Bombay, vide serial No. AR.III/37EE/1620/83-84
dated 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Gecta Bhanji Patel,

(Transferor)

(2) Smt. Kirtida Bharat Pandya,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref No. AR.III/37EE/4118/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 8, 1st floor, Jay Ambe Jyot Co-op. Hsg. Society Ltd. Plot No. 154, Garodianagar, Ghatkopar (E), Bombay, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 9, 1st floor Jay Ambe Jyot Co-op. Hsg. Society Ltd., Plot No. 154, Garodianagar, Ghatkopar (E), Bombay-77.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, vide serial No. AR.III/37EE/1558/83-84 dated 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Mahendrak L. Kothari.

(Transferor)

(2) Upendrakumar S. Mehta & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.IV/37EE/2861/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 302, A-Wing, 3rd floor, Sita Park, S. V. Road, Borivli (W), Bombay-103, situated at Borivli(W), (and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 23-11-1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XRA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 302, A-Wing, 3rd floor, Sita Park, S. V. Patel Road, Borivli (W), Bombay-103.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, vide serial No. AR.IV/37EE/2861/83-84 dated 23-11-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Manoo Builders & Contractors.

(Transferor)

(2) Mr. Babubhai L. Senjalava & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.IV/37EE/2917/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 201, 2nd floor, Gyan Amrit Bldg., C.T.S. No. 328, village Malad, S.V.P. Road, Kandivli (W), Bombay-67, situated at Kandivli (W), and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 8-11-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd floor, Gyan Darshan, C.T.S. No. 328, Village Malad S.V.P. Road, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.IV/37EE/2917/83-84 dated 8-11-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.IV/37EE/2673/83-84.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 22, 2nd floor, Shreeji Palance, S.V. Road, Kandivli, Bombay-67, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 21-11-1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Dattani Developments.

(Transferor)

(2) Shri Haren G. Asar & Ors.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 22, 2nd floor, Shreeji Palance, Village, Kandivli, S.V. Road, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.IV/37EE/2673/83-84 dated 21-11-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Mankoo Builders & Contractors.
(Transferor)(2) Mr. Anantra H. Nagrecha & Mrs. H. A. Nagrecha.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.IV/37EE/2919/83-84.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Flat No. 202, 2nd floor, Gyan Darshan, C.T.S. No. 328, Village Malad, S.V.P. Road, Kandivli (W), Bombay-67. (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 8-11-1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 202, 2nd floor, Gyan Darshan, C.T.S. No. 328, Village Malad S.V.P. Road, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.IV/37EE/2919/83-84 dated 8-11-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri D. P. Rajput.

(Transferor)

(2) Shri Girijashankar L. Pandia & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR-IV/37EE/2667/84-85.—Whereas I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 2, Bobby Shopping Centre, Premised Co-op. Hsg. Society, M. G. Road, Danukarwadi, Kandivli (W), Bombay-67, situated at Kandivli, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-11-1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 2, Bobby Shopping Centre Co-op. Hsg. Society, Ltd., M.G. Road, Dhanukarwadi, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-IV/37EE/2667/83-84 dated 14-11-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mr. Hiralal Dhanoomal Lalwani.

(Transferor)

(2) Mr. Janesh Surya Prasad Pandit,

Mr. G. S. Prasad Pandit & H. Surya Prasad Pandit.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.IV/37EE/2671/84-85.—Whereas I,
A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 601, 6th floor, Vishal, I, S.V. Road Borivli (W), Bombay-92, situated at Borivli (W), (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 25-11-1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 601, 6th floor, Vishal Bldg., I, S. V. Road, Borivli (W) Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.IV/37EE/2671/83-84 dated 25-11-1983.

... PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Rakesh Ratilal Soni & Smt. B. R. Soni,
(Transferor)
(2) Mr. Mani Pereira.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.IV/37EE/2696/84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
Flat No. 203, Hari Om Apartments, C-2, Bldg., 3rd floor
S.V. Road, Borivli (W), Bombay-92, situated at Borivli
(W),
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred
and the agreement is registered under section 269AB of the
Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent
Authority at
Bombay on 18-11-1983,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to bet-
ween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition
of the aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the
following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 203, Hari Om Apartments, C-2 Bldg., 3rd floor
S. V. Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent
Authority Bombay vide serial No. AR.IV/37EE/2696/83-84
dated 18-11-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mrs. Bharati A. Mehta.

(Transferor)

(2) Mr. Dipak Udaysinh Varma & Mrs. P. D. Varma.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.IV|37EE|2738|84-85.—Whereas, I,

A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Geebee Apartment I/A, 10, 2nd floor, Saibaba Nagar; Off S.V. Road, Borivli (W), Bombay-2, situated at Borivli (W),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 7-11-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Geebee Apartments 1/A, 10, 2nd floor, Saibaba Nagar, Off S.V. Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.IV|37EE|2738|83-84 dated 7-11-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR-V/37EE/2674/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 42, 2nd floor, Shreeji Palace, S. V. Road Kandivli (W) situated at Kandivli (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer and the agreement if registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 21-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Dattani Developments. (Transferor)

(2) Yogini J. Bhatia & J. D. Bhatia. (Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 42, 2nd floor, Shreeji Palace, Village Kandivli, S. V. Road, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV/37EE/2674/83-84 dated 21-11-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Nanoo Builders & Contractors,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. ARIV/37EE/2918/84-85.—Whereas, I,

A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

201, Gyan Kutir C.T.S. No. 328 Village Malad S. V. P. Road, Kandivli (W), Bombay-67, situated at Kandivli (W) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

at Bombay on 8-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Mrs. Minaxiben R. Sheth.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd floor, Gyan Kutir C.T.S. No. 328, Village Malad S.V.P. Road, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37EE/2918/83-84 dated 8-11-83.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR-IV/37EE/2920/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 6-B, Ground floor, Jansukh Apartment, Kasturba Road, Kandivli (W), Bombay-67 situated at Kandivli (W) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 3-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Kalty Constructions. (Transferor)
 - (2) Dr. Pankaj Naram and (Transferee)
- Smt. Smita P. Naram

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6-B, ground floor, Jansukh Apartment, Kasturba Road, Kandivli (W), Bombay-67.
The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37EE 2920/83-84 dated 3-11-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Kesarinath D. Mhatre.

(Transferor)

(2) Smt. Kesarben Nanji Biva.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR-IV/37EE/2749/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. E-I, Ground floor, Gayatri Apartment, Laxmi Nagar Project 3rd Carter Road, Borivli (E), Bombay-66 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 16-11-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. E-I, Gayatri Apartment, Laxmi Nagar Project, 3rd Carter Road, Borivli (E), Bombay-66.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV/37EE/2749/83-84 dated 16-11-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) M. N. Thimmariam.

(Transferor)

(2) Karunakara Shitty.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. ARIV/37EE/2681/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 205, Building 5-A, Estee Apartments, Saibana Nagar, Borivli, Bombay-92 situated at Borivli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 29-11-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 205, Bldg. 5-A Estee Apartments, Saibana Nagar, Borivli, Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV/37EE/2681/83-84 dated 29-11-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
Bombay

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) M's. Rojnikant Constructions.

(Transferor)

(2) Shri Sunil Prantal Khara,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 12th July 1984

Ref. No. ARIV/37EE/2757/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. C-1, Ground floor, "Saraswati" Apartment, "Laxmi Nagar Project", 3rd Carter Road, Borivli (East), situated at Borivli (E) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 14-11-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

75—196 01.84

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C-1, Ground Floor, "Saraswati" Apartment, "Laxmi Nagar Project", 3rd Carter Road, Borivli (East), Bombay-66.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37EE/2757/83-84 dated 14-11-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 12-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV.
BOMBAY

Bombay, the 12th July 1984

Ref. No. AR-I/27EE/1329/83-84.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Unit No. 4 & 4A, West View Building Veer Saverker Marg, Prabhadevi, Bombay-400025 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 14-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- | | |
|---------------------------------------|--|
| (1) M/s. Pragati Investments. | (Transferor) |
| (2) Bharat Kishorekumar Family Trust. | (Transferee) |
| (3) M/s. Pragati Investments. | (Person in occupation of the property) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 4 & 4A, West View Building, Veer Saverker Marg, Prabhadevi, Bombay-400025.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-I/1329/83-84 dated 14-11-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 12-7-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th July 1984

Ref. No. AR-I[37EE]1137/83-84.—Whereas, I,
A. LAHIRI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
Flat No. 507, 5th floor, Mansarovar Co-op. Housing Socy.
Ltd., situated at Mount Pleasant Road, Bombay-400 006
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
in the Office of the Competent Authority at
Bombay on 15-11-1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

- (1) Smt. Nirmala C. Vasvani,
Shri Chandru T. Vasvani.
(Transferor)
(2) Shri Mammen Mathew.
(Transferee)
(3) Transferors.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days, from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 507, 5th floor, Mansarovar Co-op. Housing Socy.
Ltd., Mount Pleasant Road, Bombay-400 006.

The Agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under Serial No. AR-I[954]83-84 dated
15-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 11-7-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th July 1984

Ref. No. AR-I[37EE]1259/83-84.—Whereas I,
A. LAHIRIbeing the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingShop No. 16 in the building known as 'MAJESTIC SHOP-
PING CENTRE', 144, Girgaum Road situated at Bombay-
400 004(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
in the Office of the Competent Authority at
Bombay on 1-11-1983for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

(1) Shri Yousoof A. Shamma.

(Transferor)

(2) M/s. Shah Trade Corporation.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of the
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 16, in the building known as 'MAJESTIC SHOP-
PING CENTRE', 144, Girgaum Road Bombay-400 004.

The Agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under Serial No. AR-I[1179]83-84 dated
1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 11-7-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th July 1984

Ref. No. AR-I/37EE/326/83-84.—Whereas I,
A. LAHIRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Office Premises No. 41, 42 & 42A on the 4th floor, Maker Chamber III, Plot No. 223 of Backbay Reclamation, Block III, situated at Nariman Point, Bombay-21

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Prerna Premises Private Limited. (Transferor)
(2) Maya Enterprises. (Transferee)
(3) Prerna Premises Pvt. Ltd.
(Person in occupation of the property)
(4) Prerna Premises Pvt. Ltd.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Premises No. 41, 42 & 42A on the 4th floor, Maker Chamber III, Plot No. 223 of Backbay Reclamation, Block III, situated at Nariman Point, Bombay-400 021.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-I/937/83-84 dated 9-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 10-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th July 1984

REF. No. AR-1[37EE]1404/83-84.—Whereas I,
A. LAHIRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Unit No. 34, 3rd floor, Topiwala Tenants Co-op., Premises Socy. Ltd., 93/87, Mohamedali Road, situated at Bombay-400 003

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Haji Khudabaz Shah Mohamed
(Transferor)

(2) M/s. Amin International.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 34, 3rd floor, Topiwala Tenants Co-op. Premises Society Ltd., 93/87, Mohamedali Road, Bombay-400 003.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-1/1313/83-84 dated 28-11-1983.

A. LAHIRI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 11-7-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th July 1984

Ref. No. AR-I/37EE/87/83-84. —Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Office Premises No. 41, 4th floor, Rajgir Chambers, 12/14 Shahid Bhagat Singh Road, Opp. Old Custom House, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Competent Authority at Bombay on 15-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- | | |
|---------------------------|--|
| (1) M/s. Rajgir Builders. | (Transferor) |
| (2) Mr. Girish M. Dave. | (Transferee) |
| (3) Mr. Girish M. Dave. | (Person in occupation of the property) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Premises No. 41, 4th floor, Rajgir Chambers, 12/14 Shahid Bhagat Singh Road, Opp. Old Custom House, Bombay.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-I/959/83-84 dated 15-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 11-7-1984
Seal :

FORM I.T.N.S.———

(1) Mrs. Shashikanta R. Agarwal,

(Transferor)

(2) Mrs. Lata M. Gadhia,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th July 1984

Ref. No. AR-I/37EE/1289/83-84.—Whereas I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 22, 3rd floor, Sukh Shanti Co-op. Society Ltd., Pedder Road, situated at Bombay-400 026 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 22, 3rd floor, Sukh Shanti Co-op. Society Ltd., Pedder Road, Bombay-400 026.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-I/976/83-84 dated 25-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 11-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Tejumal R. Pamnani.

(Transferor)

(2) Shri Ramanlal Ravishankar Shukla.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th July 1984

Ref. No. AR-I/37EE/1413/83-84.—Whereas I,

A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Room No. 5, Sai Chambers Co-op. Premises Society, 365/67, Narsi Nath Street, situated at Bombay-400 009

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Competent Authority at Bombay on 26-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

76—196 GI/84

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Room No. 5, 3rd floor, Sai Chambers Co-op. Society, 365/67, Narsi Natha Street, Bombay-400009.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-I/1354/83-84 dated 26-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 11-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th July 1984

Ref. No. AR-I/37EE/975/83-84.—Whereas, I,
A. LAHIRI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
Office Premises No. 5, 1st floor, Rex Chambers Premises Co-
op. Society Ltd., Opp. Red Gate, Indira Docks, 19, Walchand
Hirachand Marg, Fort situated at Bombay-38
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has
been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
in the Office of the Competent Authority at
Bombay on 25-11-1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Smt. Pami Mohanlal Vazirani.
(Transferor)
(2) Shri S. R. Deshpande,
in capacity of Karta,
for and on behalf of
Shri Shridhar Raghnath Deshpande.
(Transferee)
(3) Smt. Pami Mohanlal Vazirani.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Premises No. 5, 1st floor, Rex Chambers Premises
Co-op Society Ltd., Opp. Red Gate, Indira Docks, 19, Wal-
chand Hirachand Marg, Fort, Bombay-38.

The Agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under Serial No. AR-I/975/83-84 dated
25-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 10-7-1984
Seal :

FORM IINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th July 1984

Ref. No. AR-I/37EE/1420/83-84.—Whereas I,
A. LAHIRIbeing the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingUnit No. 437 on 4th floor in Kewal Industrial Estate, 'B'
Building, Senapati Bapat Marg, situated at Bombay-400013.(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
in the Office of the Competent Authority at
Bombay on 26-11-1983for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or others assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Smt. Laxmidevi Gyanchand Jain.

(Transferor)

(2) Shri Natwarlal Kakubhai Shah,
Prop. Shah Exports.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 437 on 4th floor in Kewal Industrial Estate, 'B'
Building, Senapati Bapat Marg, Bombay-400013.

The Agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under Serial No. AR-I/1319/83-84 dated
26-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 10-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. S. Raj & Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th July 1984

Ref. No. AR.-II/37EE/3796/83-84.—Whereas I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 13, in Sompuri Market, Station Road, Santacruz, situated at Bombay-54 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (2) 1. Shri Bansilal B. Kukreja,
2. Shri Tikamdas B. Kukreja,
3. Shri Manoharlal B. Kukreja,
4. Smt. Rani T. Kukreja,
5. Smt. Champa N. Kukreja,
6. Smt. Poonam B. Kukreja,
7. Smt. Neeta M. Kukreja,
8. Shri Dilip N. Kukreja.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 13, in Sompuri Market, Station Road, Santacruz, Bombay-400 054.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.-II/37EE/3790/83-84 dated 25-11-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 11-7-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Mr. M. J. Rao.

(Transferor)

(2) Mrs. S. Vijayalakshmi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th July 1984

Ref. No. AR-II/37EE/4180/83-84.--Whereas I, LAXMANDAS, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 104, Krishna Apartments, Four Bungalows Road, Andheri (West), Bombay-400 058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 104, 1st floor, Plot No. 15, Four Bungalows Off. J. P. Road, Andheri (West), Bombay-400 058.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.-II/37EE/8780/83-84 dated 27-11-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 11-7-1984

Seal :

FORM IINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th July 1984

Ref. No. AR-II/37EE/8598/83-84.—Whereas I, LAXMANDAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 406 'Urmila' at Sahar Road, Andheri (East), Bombay-400 068

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- | | |
|------------------------------------|--|
| (1) M/s. Kamla Constructions | (Transferor) |
| (2) Shri Parshuram Hari Abhyankar. | (Transferee) |
| (3) Transferor. | (Person in occupation of the property) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 406, Urmila, at Sahar Road, Andheri (East) Bombay-400 069.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8598/83-84 dated 17-11-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 7-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Nirman Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Mrs. Rehana Iqbal Tirmizi,
Dr. Mohamed Iqbal G. A. Tirmizi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th July 1984

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the
respective persons, whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-II/37EE/8511/83-84.—Whereas I,
LAXMANDAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Flat No. 507, 5th floor, Nirmal Cottage, Yari Road, Versova,
Andheri (West), Bombay-400 061
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961
in the Office of the Competent Authority at
Bombay on 3-11-1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen percent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 507, 5th floor, Nirmal Cottage, Yari Road, Ver-
sova, Andheri (West), Bombay-400 061.

The Agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8517/83-84
dated 3-11-1983.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 10-7-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Baverilal Jiva Bhai Patel.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th July 1984

Ref. No. AR-II/37EE/3763/83-84.—Whereas I, LAXMANDAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 1, Rizvi House, Hill Road, Bandra, Bombay-50 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 22-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (2) 1. Mr. Ebrahim Gulamali Abdul Rasool,
2. Mr. Naushadali Ebrahim Abdul Rasool,
3. Mr. Imran Ebrahim Abdul Rasool,
4. Master Alireza Hyderali Jiwan.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 1, Ground floor, 'B' Wing, 'Rizvi House', of M/s. Rizvi Builders, Hill Road, Bandra, Bombay-50.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/3763/83-84 dated 22-11-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 9-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Sippy & Sons.

(Transferor)

(2) Mrs. Jyoti Purshottamdas
Dhansinghani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II

BOMBAY

Bombay, the 7th July 1984

Ref. No. AR-II/37EE/3784/83-84.—Whereas, I,
LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 51, 5th floor, Namrata Apartments, Plot No. 470 16th road, Khar, Bombay-400 052, situated at Khar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 25-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

77--196 G1/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 51, 5th floor, Namrata Apartments, Plot No. 470, 16th Road, Khar, Bombay-400 052.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II/37EE/3784/83-84 dated, 25-11-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date : 7-7-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR IV/37EE/2670/84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 402, 4th floor, in Chikkal Apartments 'A' 99, L.T. Road, Borivli (West), Bombay-92 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 7-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mr. Hareesh Harsshi Chheda. (Transferor)
(2) Shri Dwarkadas Narottam Chikkal. (Transferee)
(3) Transferor. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 402, 4th floor, in Chikkal Apartments 'A', 99, L.T. Road, Borivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR IV/37EE/2670/83-84 dt. 7-11-83.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) M. N. Construction Co.

(Transferor)

(2) Shri Anil Kumar L. Solanki.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 11th July 1984

Ref. No. AR.IV/37EE/2758/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 401, 4th floor, Gyan Amrit S.M. Road, Kandivli (W), Bombay-64 situated at Kandivli (W) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 8-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to be the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 401, 4th floor, Gyan Amrit Bldg. S.M. Road, Kandivli (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.IV/37EE/2758/83-84 dt. 8-11-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date : 11-7-1984
Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 5th July 1984

Ref. No. AR.IV/37EE/2679/84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD,being the competent authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearingNo. B-33, Rajesh Mandir Co-op Hsg. Socy. Plot No. A/72,
Shankar Lane, Kandivli (W) Bombay-67 situated at Kandivli
(West)(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the
office of the Competent Authority,
at Bombay on 11-11-1983for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferor for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
persons, namely :—(1) Mrs. Shobha Premchand Kokal,
(Transferor)(2) Mr. P. K. Thakrar and
Mrs. V. P. Thakrar.
(Transferor)Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

B-33, Rajesh Mandir Co-op. Hsg. Society, Plot No. A/72,
Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67.The agreement has been registered with the Competent
Authority, Bombay vide serial No. AR.IV/37EE/2679/83-84
dt. 11-11-1983.A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
BombayDate : 5-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 11th July 1984

Ref. No. AR-IV/37EE/2726/83-84.—Whereas, I,
A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 7, Guru Nanak Apartments Co-op. Hsg. Society Ltd. 51, Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67, has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ashok C. Chauhan.

(Transferor)

(2) Smt. Vijayaben A. Singala &
Shri A. K. Singala.

(Transferee)

(3) Shri A. K. Singala &
Smt. V. A. Singala.(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 7, Guru Nanak Apartments Co-op. Hsg. Society Ltd. 51, Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-IV/37EE/2728/83-84 dt. 1-11-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date : 11-7-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Goyal Builders P. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Ramesh Chandra K. Acharya,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 11th July 1984

Ref. No. AR.IV/37EE/2824/83-84.—Whereas
A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 7, 1st floor, B-Wing, Aditya Park, Chhatrapati Shivaji Road, Dahisar (E), Bombay-68 has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 3-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); *

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7, 1st floor, B-Wing, Aditya Park, Chhatrapati Shivaji Road, Dahisar (E), Bombay-68.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.IV/37EE/83-84 dt. 3-11-1983

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Goyal Builders P. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Padayattil J. Baby.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV.
BOMBAY

Bombay, the 11th July 1984

Ref. No. AR.IV/37EE/2791/83-84.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 503, 5th floor, A-Wing, Aditya Park, Chhatrapati Shivaji Road, Dahisar (E), Bombay-68 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 26-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 503, 5th floor, A-Wing, Aditya Park, Chhatrapati Shivaji Road, Dahisar (E), Bombay-68.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.IV/37EE/2791/83-84 dt. 26-11-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date: 11-7-1984
Seal:

FORM ITNS—

(1) M/s. Goval Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Sakarla H. Chalishajawala.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 11th July 1984

Ref. No. AR-IV/37EE/2882/84-85.—Whereas, I,

A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 7 1st floor, 'B' Wing, Aditya Park, Chhatrapati Shivaji Road, Dahisar (E), Bombay-68, situated at Dahisar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Competent Authority at Bombay on 26-11-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7 1st floor, 'B' Wing, Aditya Park, Chhatrapati Shivaji Road, Dahisar (E), Bombay-68.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-IV/37EE/2822/83-84 dated 28-11-83.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-7-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 12th July 1984

Ref. No. AR-IV/37EE/2716/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 15-A Wing, 4th floor, Gulistan Apartment, S. V. Road, Dahisar (E), Bombay-68, situated at Dahisar (E) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of Competent Authority at Bombay on 3-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
78—196 GJ/84

(1) Smt. Meherbani G. Doshi,

(Transferor)

(2) Smt. Sultana Amir Surani,

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter 'XXA' of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 15-A Wing, 4th floor, Gulistan Apartments, S. V. Road, Dahisar (E), Bombay-68.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-IV/37EE/2822/83-84 dated 3-11-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Date: 12-7-1984

Seal:

FORM ITNS

(1) Mrs. Pramila Chunilal Gala.

(Transferor)

(2) Smt. Pushpadevi Rooplal Jain.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 12th July 1984

Ref. No. AR-IV/37EE/2763/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 8, Prashant, Eskar Road, Borivali, Bombay, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 23-11-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice, under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 8, Prashant, Eskar Road, Borivali, Bombay.
The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-IV/37EE/2763/83-84 dated 23-11-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Date: 12-7-1984
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 11th July 1984

Ref. No. AR-IV/37EE/2761/84-85.—Whereas, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 301, 3rd floor, Gyan Amrit Shantilal Mody Road, Kandivli (W), Bombay-67.

situated at Kandivli (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-11-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s.M N. Construction Co.

(Transferor)

(2) Smt. Nirmalaben B. Shah.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd floor, Gyan Amrit Shantilal Mody Road, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV/37EE/2761/83-84 dated 5-11-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
Bombay

Date: 11-7-1984

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. M. N. Construction Co.

(Transferor)

(2) Smt. Sarojben Prashant Vaid.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 11th July 1984

Ref. No. AR-IV/37EE/2759/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 402, 4th floor, Gyan Amrit Building, S. M. Road, Kandivli (W), Bombay-68, situated at Kandivli (W) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 8-11-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 402, 4th floor Building, Gyan Amrit S. M. Road, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV/37EE/2759/83-84 dated 8-11-83.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-7-1984

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Sheth Enterprises.

(Transferor)

(2) Shri Thakur Prasad Tiwari.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III|37EE|4324|84-85.—Whereas, J. A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

situated at

Flat No. 5, Bhagirathi Villa, Ground Floor, Amrut Nagar, I B.S. Marg, Ghatkopar (W), situated at Bombay-86.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, Bhagirathi Villa, Ground Floor, Amrut Nagar, I.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III|37EE|1605|83-84 dated 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III/37EE/4180/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing P. N. Kothari Estate, Survey No. 200 (pt.) CTS No. 288 Agra Road, Bhandup, Situated at Bombay-78 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri P. N. Kothari.

(Transferor)

(2) M/s. Patel Ambalal Dhajibhai & Bros.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

P. N. Kothari Estate, Survey No. 200 (pt.) CTS No. 288, Agra Road, Bhandup, Bombay-78.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay, vide serial No. AR.III/37EE/1589/83-84 dated 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Ashit Builders.

(Transferor)

(2) Mr. L. Sukumar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III/37EE/4140/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 3, Bldg. B, Gautam Cottage, Mithagar Road, Mulund (E), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-11-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, Bldg. B, Gautam Cottage, Mithagar Road, Mulund (E), Bombay-81.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/37EE/1561/83-84 dated 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 13-7-1984
Seal

FORM ITNS

(1) Mr. Asha Rajaram Sinkar

(Transferor)

(2) Sudhakar Sarvottam Kini.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III/37EE/4300/84-85.—Whereas, I,

A. LAHIRI,
being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 2, Ground Floor Damodar Smruti, Plot No. 24-F, T.P.S. I, Shivaji Nagar, Malad (East), Bombay-400 064, and morefully described in the schedule annexed hereto has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, Ground Floor Damodar Smruti, Plot No. 24-F, Shivaji Nagar, Malad (East), Bombay-400 064.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/37EE/1606/83-84 dated 1-11-1983.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

Date : 13-7-1984
Seal :

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Miss Nita Vasantlal Jhaveri.

(Transferor)

(2) M/s. Copwud Arts.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR.III/37EE/4271/84-85.—Whereas, I,
A. LAHIRI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. Unit No. 118 1st floor New Satguru Nanik Indl. Estate,
Western Express Highway, Goregaon (E), Bombay 400 063,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
and the agreement is registered under section 269AB of the
Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the
Competent Authority at
Bombay on 1-11-1983,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Unit No. 118, 1st floor New Satguru Nanik Indl. Estate,
Western Express Highway, Goregaon (E), Bombay-400 063.
The agreement has been registered with the Competent
Authority Bombay vide serial No. AR.III/37EE/1567/83-84
dated 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the requisition of the
aforesaid property by the issue for this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

79—196 GI/84

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mrs. Badrunnisa Ushman Khan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III/37EE/4250/84-85.—Whereas, I,
A. LAHIRI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
Shop No. 1, Malad Nishith C.H.S.L. Ushma Nagar, Off.
Marve Road, Mith Chowkie Malad (W), Bombay-400 064
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in
the office of the Competent Authority
at Bombay on 1-11-1983,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen percent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
Parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :

(2) Mr. Dhru Vithaldas Chatpar & Ors.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 1, Malad Nishith C.H.S.L. Ushma Nagar, Off.
Marve Road, Mith Chowkie, Malad (W), Bombay-400 064.
The agreement has been registered with the Competent
Authority Bombay vide serial No. AR.III/37EE/1574/83-84
dated 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III/37EE/3999/84-85.—Whereas, I.

A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 2, plot No. 4, Kanta Apartments, Wadhavli Village Chembur, Bombay-74,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-11-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Supreme Builders. (Transferor)
(2) Shri Ramchand Parmanand Kanal. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, plot No. 4, CST No. 278 Kanta Apartments, Wadhavli Village, Chembur, Bombay-74.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, vide serial No. AR.III/37EE/1549/83-84 dated 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Murari Prasad Sharma.

(Transferor)

(2) Shri V. K. Khandelwal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III|37EE|4212|84-85.—Whereas, I,
A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 3, Ground floor Bldg. No. A-IV, Manav Kalyan C.S.L. Bangur Nagar, Goregaon, situated at Bombay-90 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given, in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, Ground floor Bldg. No. A-4, Manav Kalyan Co-op. Hsg. Society Ltd., Bangur Nagar, Goregaon West, Bombay-90.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III|37EE|1570|83-84 dated 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Kavita Ramchand Jawhrani.

(Transferor)

(2) Shri Kapoor Family Trust.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III|37EE|4227|84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 606, 6th floor A Wing Veena Nagar, Chincholi, Malad (W), Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 1-11-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 606, 6th floor A, Wing Veena Nagar, Chincholi, Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III|37EE|1572|83-84 dated 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Parul Enterprise.

(Transferor)

(2) M/s. Met Lab. Services
Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. ARIII/37EE/4087/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4, 12th fl. Wing E. Bldg. No. 3, Damodar Park, L.B.S. Marg, Ghatkopar West, Bombay-86, situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 1-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, 12th fl. Wing E. Bldg. No. 3, Damodar Park, L.B.S. Marg, Ghatkopar West, Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIII/37EE/1550/83-84 dated 1-11-1983.

A. LAHIRI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 13-7-84
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri S. V. Venkatakrishnan.

(Transferor)

(2) Sh. Narendra Govindlal Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III/37EE/3996/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing bearing No. Flat No. 4, 2nd fl. "Wing Building No. 2, Damodar Park L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the registering officer at Bombay on 1-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 4, 2nd fl. E Wing Bldg. No. 2, Damodar Park, L.B.S. Marg, Ghatkopar (West) Bombay-86.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, vide serial No. AR.III/37EE/1547/83-84 dated 1-11-1983.

A. LAHIRI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-7-84
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sh. Narendra Shantraram Sawant.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Kimi P.A.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III/37EE/3989/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing bearing No. Flat No. 33, 3rd fl. Deo Apartment C.T.S. No. 3957 Kole Kalyan Village, Vakola Pipe Line, Santacruz (E), Bombay situated at (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 1-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 33, 3rd fl. Deo Apartments D Plot Kole Kalyan Village Pipe Line, Santacruz (East), Bombay-55.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, vide serial No. AR.III/37EE/1542/83-84 dated 1-11-1983.

A. LAHIRI,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Date : 13-7-84
Seal :

FORM JINS

(1) Sh. Chandrabali N. Mishra.

(Transferee)

(2) Sh. T. M. Hariharan.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR/IV/37EE/4199/84-85.—Whereas, I,
A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing Shop No. 21, Ground Fl. Bldg. .
No. M-5/6, Bhanumati Premises Co-op. Socy. Ltd.
Banugur Nagar, Goregaon West, Bombay-90

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at, Bombay on 1-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
80--196 GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 21, Ground fl. Bldg. No. M-5/6, Bhanumati Premises co-op. Socy. Ltd. Banugur Nagar Goregaon West Bombay-90.

A. LAHIRI,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

Date : 13-7-84

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt Mary Fernandes.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. N. C. Parameshwaran.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III|37EE|3938|84-85.—Whereas, I,
A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 6, 1st fl. Borla Co-op.

Hsg. Sct. Chembur Bombay-74
situated at

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1983

for apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than

fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 6, 1st fl. Borla Co-op. Housing Sct., Chembur, Bombay-400 074.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, vide serial No. AR.III|37EE|1610|83-84 dated 1-11-1983.

A. LAHIRI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-7-84
Seal :

FORM ITNS

(1) Agarwal Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sh. Mohammed Hiza H. M. Razai & Ors.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III|37EE|4288|84-85.—Whereas, I,
A. LAHIRI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
Shop No. 5, ground floor Bldg. No. A-3,
Highway View, Scheme Malad East, Bombay-400 064,
has been transferred
and the agreement is registered under section 269AB of the
Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the
Competent Authority at
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 5, ground fl. Bldg. No. A-3, Highway View
Scheme Malad (E), Bombay-400 064.

The agreement has been registered with the Competent
Authority Bombay, vide serial No. AR.II|37EE|1566|83-84
dated 1-11-1983.

A. LAHIRI,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 13-7-84

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Gold Coin Builders,

(Transferor)

(2) M/s. Sale Mohmed M. Qureshi,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III/37EE/4072/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 11, C.T.S. No. 734 to 737, Village—Kole Kalyan Vakola, Santacruz (E), Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 1-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 11, C.T.S. No. 734 to 737, Village—Kole Kalyan Vakola, Santacruz (E), Bombay-55.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, Vide serial No. AR.III/37EE/1552/83-84 dated 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13.7.84.
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Golen Const. Co.

(Transferor)

(2) Mrs. Mary Anthony.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR,III|37EE|4061|84-85.—Whereas, I,

A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 5, C.T.S. No. 3653 (p)—Village, Kole Kalyan Kalina, Bombay-98

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 5, C.T.S. No. 3653(p), Village—Kole Kalyan Kalina, Bombay-98.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, Vide serial No. AR,III|37EE|1560|83-84 dated 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely, :-

Date : 13-7-84
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III/37EE/4152/84-85.—Whereas, I,

A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 5, ground fl. Crise Adel Premises Co-op. Hsg. Sct. Ltd. 60, Nehru Road, Bulsroy Colony, Vakola, Santacruz (E), Bombay (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :-

(1) Sh. Keshavji Lakamshi Malde.

(Transferor)

(2) Sh. Ranniklal Raichand Shah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 5, Crise Adel Premises Co op. Society 60, Nehru Road, Bulsroy Colony, Vakola, Santacruz (E), Bombay-55.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/37EE/1618/83-84 dated 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay.

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Menon Radhakrishna C.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Majiri Madan Bhaude.

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III/37EE/4479/84-85.—Whereas, I,
A. LAHIRI,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingFlat No. 6, first fl. "Air Niketan"
Vidyanagari, (CST Rd) Bombay-400098(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer and the agree-
ment is registered under Section 269AB of the Income-tax
Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent
Authority at
Bombay on 1-11-1983for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);Flat No. 6, first fl. "Air Niketan", Vidyanagari (CTS Rd),
Bombay-400 098, Kote Kalyan..The agreement has been registered with the Competent
Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/1616/83-84
dated 1-11-1983.A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely:—Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Dhanji Kanji Shah.

(Transferee)

(2) Nandan Honavar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III/37EE/4092/84-85.—Whereas, I,

A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 24, 'A' Wing 5th fl. Nav Swagharkul Shakari Charbandani Sanstha (Mavyadit), Sidharth Nagar, Behind Vakola, Church, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 24, A Wing, Nav Swagharkul Shakari Charbandani Sanstha (Mavyadit), Sidharth Nagar, Behind Vakola Church, Bombay-400055.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/37EE/1556/83-84 dated 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-7-1984

Seal :

FORM ITNS ———

(1) M/s. Gold Coin Builders.

(Transferor)

(2) Mr. Ahmadhussain Mahaboob Qureshi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III|37EE|4071|84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 12, C.T.S. No. 734 to 737, Village Kole Kalyan Vakola, Santacruz (East), situated at Bombay-55

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—
81--196 GI|84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12, C.T.S. No. 734 to 737, Village Kole Kalyan Vakola, Santacruz (E), Bombay-55.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay, vide serial No. AR.III|37EE|1551|83-84 dated 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS— —

(1) M/s. Sheth Enterprises.

(Transferor)

(2) Mr. Victor Mathias & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III/37ET/13981/84-85 —Whereas, I,
A. LAHIRI,being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

Bhagirathi villa flat No. 40, 3rd fl.

Amrut Nagar LBS. Marg, Ghatkopar, Bombay
situated at(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of
the Competent Authority at Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid pro-
perty and I have reason to believe that the fair market value
of the property as aforesaid exceeds the apparent consid-
eration therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in the
said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Bhagirathi villa, flat No. 40, 3rd fl. Amrut Nagar, L.B.S.
Marg, Ghatkopar, Bombay.

The agreement has been registered with the Competent
Authority Bombay, Vide serial No. AR.III/37ET/1538/83-84
dated 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Vinod N. Kadia,

(Transferor)

(2) Pratap R. Daga,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR.III/37EE/39271/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 19, 4th fl. Mulund Gokul Sham Co-op. Hsg. Sect. Ltd. plot No. 1103, Devidayal Rd. Mulund situated at Bombay-70 and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been fully stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 19, 4th fl. Mulund Gokul Shyam Co-op. Housing Sect. Ltd., Plot No. 1103, Devidayal Rd. Mulund, Bombay-80. The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/37EE/1529/83-84 dated 1-11-1983.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. LAHIRI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 13-7-1984

Sent :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III|37EE|4282|84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- bearing No. Plot No. 14A, Bangur Nagar, Goregaon (W), Survey No. 161(pt), R-4/9, Goverdhan Giri C.H.S. Ltd., situated at Bombay-90 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mr. P. Ravindran.

(Transferor)

(2) Mr. Devendrakumar Gupta.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

R-4/9, Goverdhan Giri Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Plot No. 14-A of Survey No. 161 (pt), Bangur Nagar, Goregaon (West), Bombay-90.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, vide serial No. AR.III|37EE|1642|83-84, dated 1-11-1983.

A. LAHIRI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Vanitaben M. Ganathra

(Transferor)

(2) Shri Harilal G. Shah

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR-II/37EE/4233/84-85.—Whereas, I,
A. LAHRI,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 1, Ground floor, Malad Chandra Kiran Coop. Hsg. Soc. Ltd. S. V. Road, Malad (W), situated at Bombay-64

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Shop No. 1, Ground floor, Malad Chandra Kiran Coop. Hsg. Soc. Ltd. S. V. Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, Vide serial No. AR.III/37EE/1651/83-84, dated 1-11-1983.

A. LAHRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13.7.84.
Seal :

FORM ITNS

(1) Ajay Builders.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Mahavir P. Bhanwar. & Ors.

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR/IV/37EE/4342/84-85.—Whereas, ,
A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Flat No. 6, Laxmi Nivas, Zaver Road, Mulund West, situated at Bombay-80 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
Seal :

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

No. Flat No. 6, Laxmi Nivas, Zaver Road, Mulund West, Bombay-80.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR/IV/37EE/1654/83-84 dt. 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Motham Tolaram.

(Transferor)

(2) Mr. Vaghai M. Dedhiya.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. ARIII/37EE/3950/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Gala No. 15, Ground Floor, Gautam Udyog Bhavan Bhandup, Bombay-78, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

Gala No. 15, Bldg. under construction Ground floor, Gautam Udyog Bhavan Bhandup, Bombay-78.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIII/37EE/1653/83-84 dated 1-11-1983.

(b) facilitating the payment of tax income or any income or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Karmali Enterprise.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Dattatray Shivram Balam.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

No. AR/IV/37EE/4277/84-85.—Whereas, I,
A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 102, A1-Sabah, Somwar Bazar, Behind Bombay Talkies Compound, Malad (West), Bombay, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 102, A1-Sabah, Somwar Bazar, Behind Bombay Talkies Compound, Malad (West), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR/IV/37EE/1652/83-84 dated 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Sheth Enterprises,

(Transferor)

(2) Mr. M. K. Bhaskaran

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref No. AR.III[37]E[4148]84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 35, Bhagirathi Villa, 3rd fl. Amrutnagar, situated at Ghatkopar, situated at Bombay-86

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Competent Authority at Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

82—196GJ[84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 35, Bhagirathi Villa, 3rd fl. Amrutnagar, Ghatkopar, Bombay-86.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay, vide serial No. AR.III.37EE[1586]83-84, dated 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Dayaram G Dewal

(Transferor)

(2) Shri Tarloksingh M. Shera

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III/37EE/4297/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat on 2d floor, Govind Sadan, Goras Wadi, Malad (W), situated at Bombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act 1961, in the Competent Authority at Bombay on 1-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat on 2nd floor, Govind Sadan, Goras Wadi, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/1638/83-84, dt. 1-11-1983.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-7-1984
Seal:

FORM ITNS—

(1) M/s. Majitha Enterprise.

(Transferor)

(2) Smt. Neeta Mohanlal Bhatia

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref No. AR:II/37EE/4292/84-85.—Whereas,
A. LAHRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

43A, 1st floor, Laxminarayan Shopping Centre, Podar Road, Malad (W), Bombay-64.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Registering Officer of the Competent Authority, at Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 43A, 1st floor, Laxminarayan Shopping Centre, Podar Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR:II/37EE/1639 83-84 dt. 1-11-1983

A. LAHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-7-1984
Sent :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III/37EE/4156/84-85.—Whereas, I
A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 6, 1st fl. Vakola Sphoorti Co-op. Hsg. Socy. Ltd. Datta Mandir Rd. Vakola, Santacruz (East), Bombay-55.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer and the agreement is registered under section 269AB of the income-tax Act, 1961 in the office of the

Competent Authority Bombay on 1-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely :—

(1) Mrs P.K. Gopinath

(Transferor)

(2) Mrs. Jaya K. Nair

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6, 1st fl. Vakola Sphoorti Co-op. Hsg. Socy. Ltd., Datta Mandir Rd. Vakola, Santacruz (East), Bombay-55.

The agreement has been registered with the Competent

Authority, Bombay vide serial AR.III/37EE/1617/83-84, dt: 1-11-1983.

A. LAHIRI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 13-7-1984

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
COCHIN-662 016

Cochin-662 016, the 16th July 1984

Ref. No. L.C. 695/84-85.—Whereas I. B. RAVIBALAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule, situated at Alwaye (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Alwaye on 22-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Reji V Jose
s/o Joseph, Valiyavetttil House,
Alwaye.

(Transferor)

- (2) Shri P. V. Mohana Rao
s/o Venkitarama Rao,
Palimar House, Thottakkattukara,
Alwaye.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

9.25 cents of land in Sy. No. 295/7 of Alwaye Village, registered in SRO, Alwaye, as per Document No. 5029/83 Dt. 22-11-1983.

B. RAVIBALAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 16-7-1984
Seal:

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION NOTICE

STENOGRAPHERS' EXAMINATION, 1985

New Delhi, the 18th August 1984

No. F11/3/84-EI(B).—A competitive examination for recruitment to temporary vacancies in the Services and posts mentioned in para 2 below will be held by Union Public Service Commission, at AGARTALA, AHMEDABAD, AIZAWL, ALLAHABAD, BANGALORE, BHOPAL, BOMBAY, CALCUTTA, CHANDIGARH, COCHIN, CUTTACK, DELHI, DISPUR (GAUHATI), HYDERABAD, IMPHAL, ITANAGAR, JAIPUR, JAMMU, JORHAT, KOHIMA, LUCKNOW, MADRAS, NAGPUR, PANAJI (GOA), PATNA, PORTBLAIR, RAIPUR, SHILLONG, SRINAGAR, TIRUPATI, TRIVANDRUM, UDAIPUR, VISHAKHAPATNAM, and at selected Indian Missions abroad commencing on 3rd February, 1985 in accordance with the Rules published by the Ministry of Home Affairs (Deptt. of Personnel and Administrative Reforms), in the Gazette of India, dated the 18th August, 1984.

THE CENTRES AND THE DATES OF HOLDING THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. WHILE EVERY EFFORT WILL BE MADE TO ALLOT THE CANDIDATES TO THE CENTRE OF THEIR CHOICE FOR EXAMINATION, THE COMMISSION MAY, AT THEIR DISCRETION ALLOT A DIFFERENT CENTRE TO A CANDIDATE, WHEN CIRCUMSTANCES SO WARRANT. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure I Para 11).

2. The Services and posts to which recruitment is to be made on the results of this examination and the approximate number of vacancies in the various Services and posts are given below :

- (i) Indian Foreign Service (B) -
(Grade II of the Stenographers
Sub-cadre)
- (ii) Railway Board Secretariat
Stenographers' Service—
Grade C (for inclusion in
the Select List of the Grade)
- (iii) Central Secretariat Steno-
graphers' Service Grade C
(for inclusion in the Select
List of the Grade)
- (iv) Armed Forces Headquarters
Stenographers' Service—
Grade C
- (v) Posts of Stenographers in other
departments/organisations and
Attached Officers of the Govern-
ment of India not participating
in the I.F.S. (B)/Railway Board
Secretariat Stenographers'
Service/Contral Secretariat
Stenographers' Service/Armed
Forces Headquarters Steno-
graphers' Service

*Vacancies not intimated by Government.

*Reservations will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government of India.

The number of vacancies mentioned above is liable to alteration.

3. A candidate may apply for admission to the Examination in respect of any one or more of the Services/posts mentioned in para 2 above.

If a candidate wishes to be admitted for more than one Service/post he needs send in only one application. He will be required to pay the fee mentioned in para 7 below once only and will not be required to pay separate fee for each of the Services/posts for which he applies.

NOTE—Some departments/offices of the Government of India making recruitment through this examination will require only English Stenographers and appointments to posts of Stenographers in these departments/offices on the results of this examination will be made only from amongst those who are recommended by the Commission on the basis of the Written Test and Shorthand Test in English (Cf. para 4 of Appendix I to the Rules).

4. A candidate is required to specify clearly in the application form the Services/posts for which he wishes to be considered. He is advised to indicate as many preferences as he wishes to so that having regard to his rank in the order of merit, due consideration can be given to his preferences, when making appointments.

No request for alteration in the order of preferences for the Services/Posts for which he is competing would be considered from a candidate unless the request for such alteration is received in the office of the Union Public Service Commission within 30 days of the date of publication of the result of the written examination, in the Employment News.

5. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on the prescribed form of application. The Prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2.00 which should be remitted to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, by Money Order, or by Indian Postal Order payable to the Secretary, Union Public Service Commission, at New Delhi General Post Office. Cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders/Postal Orders. The form can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's Office. *This amount of Rs. 2.00 will in no case be refunded.*

NOTE—CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON THE PRINTED FORM PRESCRIBED FOR THE STENOGRAPHERS' EXAMINATION, 1985. APPLICATIONS ON FORMS OTHER THAN THE ONE PRESCRIBED FOR THE STENOGRAPHERS' EXAMINATION, 1985 WILL NOT BE ENTERTAINED.

6. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 by post or by personal delivery at the counter on or before the 15th October, 1984 (29th October, 1984 in the case of candidates residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahaul and Spiti District and Pangri Sub-division of Chamba district of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or

Lakshadweep and for candidates residing abroad from a date prior to 15th October, 1984 and whose applications are received by post from one of the areas mentioned above) accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

A candidate residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahaul and Spiti District and Pangri Sub-division of Chamba district of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and a candidate residing abroad, may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J & K State, Lahaul and Spiti District and Pangri sub-division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep or abroad from a date prior to 15th October, 1984.

NOTE (i) Candidates who are from areas entitled to additional time for submission of applications should also clearly indicate in their addresses in the relevant Column of the application the name of the particular area or region entitled to additional time (e.g. Assam, Meghalaya, Ladakh Division of J&K State etc.) otherwise they may not get the benefit of additional time.

NOTE (ii) Candidates are advised to deliver their applications by hand at the UPSC counter or send it by Registered Post. The Commission will not be responsible for the applications delivered to any other functionary of the Commission.

7. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form, a fee of Rs. 12.00 (Rupees Twelve) [Rs. 3.00 (Rupees Three) in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes] through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad, as the case may be, for credit to account head "051—Public Service Commission—Examination Fees" and attach the receipt with the application.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THE ABOVE REQUIREMENTS WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPH 8 BELOW.

8. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January 1964 and 25th March 1971, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon Agreement of October 1964 or is a bona fide displaced person from erstwhile West Pakistan who had migrated to India during the period between 1st January 1971 and 31st March, 1973, and is not in a position to pay the prescribed fee or is an ex-serviceman as defined below.

"Ex-Serviceman" means a person, who has served in any rank (whether as a combatant or as non-combatant) in the Armed Forces of the Union (viz. Naval, Military or Air Force of the Union) including the Armed Forces of former-Indian States but excluding the Assam Rifles, Defence Security Corps, General Reserve Engineer Force Jammu & Kashmir Militia, Lok Sahayak Sena and Territorial Army, for a continuous period of not less than six months after attestation as on 15th October, 1984 and

(i) has been released, otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency or has been transferred to the reserve pending such release, or

(ii) has to serve for not more than six months as on 15th October, 1984, for completing the period of service requisite for being entitled to be released or transferred to the reserve as aforesaid, or

(iii) has been released at his own request after completing five years service in the Armed Forces of the Union.

9. A refund of Rs. 3.00 (Rupees Three) [Re. 1.00 (Rupee one) in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes] will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained, except as provided above and in para 10 below, nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

10. If any candidate who took the Stenographers' Examination held in 1984 wishes to apply for admission to this examination he must submit his application so as to reach the Commission's Office by the prescribed date without waiting for the results or an offer of appointment. If he is recommended for appointment on the results of the 1984 Examination, his candidature for the 1985 examination will be cancelled on request and the fee refunded to him, provided that the request for cancellation of candidature and refund of fee is received in the Commission's Office within 30 days from the date of publication of the final results of the 1984 Examination in the Employment News.

11. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

12. The question papers in General English and General Knowledge, as indicated in the scheme of examination at Appendix I to the Rules, will consist of objective type questions. For details pertaining to objective Type Tests including sample questions, reference may be made to "Candidates Information Manual" at Annexure II.

M. BALAKRISHNAN,
Deputy Secretary,
Union Public Service Commission

ANNEXURE I

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

1. Before filling in the application form the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATES MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE, THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION.

A candidate wishing to take the examination at an Indian Mission abroad may be required to appear at his own expense, for the Stenography Tests at any Indian Mission abroad where necessary arrangements for holding such tests are available.

Candidates should note that no request for change of centre will normally be granted. When a candidate, however, desires a change in centre, from the one he had indicated in his application form for the examination, he must send a letter addressed to the Secretary, Union Public Service Commission by registered post, giving full justification as to why he desires a change in centre. Such requests will be considered on merits but requests received after 3rd January, 1985 will not be entertained under any circumstances.

2. The application form and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting in ink or with ball-point pen. All entries/answers should be in words not by dashes or dots. An application which is incomplete or wrongly filled in will be rejected.

NOTE—CANDIDATES SHOULD CLEARLY SPECIFY IN COLUMN 8 OF THE APPLICATION FORM THE LANGUAGE IN WHICH THEY WISH TO ANSWER THE QUESTION PAPER ON ESSAY AND TAKE THE STENOGRAPHY TESTS *VIDE* PARAGRAPH 4 OF APPENDIX I TO THE RULES OF THE EXAMINATION. THE OPTION ONCE EXERCISED SHALL BE TREATED AS FINAL AND NO REQUEST FOR ALTERATION IN THE SAID COLUMN SHALL BE ENTERTAINED. IF NO ENTRY IS MADE IN THE SAID COLUMN IT WILL BE ASSUMED THAT THE PAPER WILL BE ANSWERED AND THE SHORTHAND TESTS TAKEN IN ENGLISH.

Candidates should note that only International form of Indian numerals are to be used while filling up the application form. Even if the date of birth in the SSLC or its equivalent certificate has been recorded in Hindi numerals, the candidate should ensure that while entering it in the Application Form he uses International form of Indian numerals only. They should take special care that the entries made in the application form should be clear and legible. In case there are any illegible or misleading entries the candidates will be responsible for the confusion and the ambiguity caused in interpreting such entries.

Candidates should further note that no correspondence will be entertained by the Commission from them to change any of the entries made in the application form. They should therefore, take special care to fill up the application form correctly.

All candidates, whether already in Government Service or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment, should submit

their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application, even, if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

Persons already in Government Service whether in a permanent or temporary capacity or as workcharged employees other than casual or daily-rated employees or those serving under the Public Enterprises, are, however, required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employer by the Commission withholding permission to the candidates applying for/appearing at the examination, their application shall be rejected/candidature shall be cancelled.

3. A candidate must send the following documents with his application :—

- (i) CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft for the prescribed fee or attested/certified copy of certificates in support of claim for fee remission. (See paras 7 and 8 of Notice and para 6 below).
- (ii) Attested/Certified copy of Certificate of Age.
- (iii) Attested/Certified copy of certificate of Educational qualification.
- (iv) Two identical copies of recent passport size (5 cm × 7 cm, approx.) photograph of the candidate, one pasted on the application form and the other on the Attendance Sheet in the space provided for it.
- (v) Attested/Certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Schedule Tribe where applicable (See para 4 below).
- (vi) Attested/Certified copy of certificate in support of claim for age concession where applicable (See para 5(b) below).
- (vii) Attendance sheet (attached with the application form duly filled in.).
- (viii) Two self-addressed unstamped envelopes of size approximately 11.5 cms. × 27.5 cms.

NOTE (i) CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED IN ITEMS (ii), (iii), (v) and (vi) ABOVE, ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. CANDIDATES WHO QUALIFY FOR SHORTHAND TESTS ON THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES MENTIONED ABOVE SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULT OF THE WRITTEN EXAMINATION. THE RESULT IS LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF MAY, 1985 CANDIDATES SHOULD KEEP THESE CERTIFICATES IN READINESS AND SUBMIT THEM

TO THE COMMISSION SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULT OF THE WRITTEN EXAMINATION. THE CANDIDATURE OF CANDIDATES WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THAT TIME WILL BE CANCELLED AND THE CANDIDATES WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.

NOTE (ii) CANDIDATES ARE FURTHER REQUIRED TO SIGN THE ATTESTED/CERTIFIED COPIES OF ALL THE CERTIFICATES SENT ALONG WITH APPLICATION FORM AND ALSO TO PUT THE DATE.

Details of the documents mentioned in items (i) to (iv) are given below and of those in items (v) and (vi) are given in paras 4, 5 and 6 :

(i) (a) *CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee—*

Each Postal Order should invariably be crossed and completed as follows :

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office."

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

(b) *CROSSED Bank Draft for the prescribed fee—*

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of Secretary, Union Public Service Commission payable at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi and should be duly crossed.

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank Draft will also not be accepted.

NOTE—Candidates should write their name and address on the reverse of the Bank Draft at the top at the time of submission of their applications. In the case of Postal Orders the name and address should be written by the candidate on the reverse of the Postal Orders at the space provided for the purpose.

(ii) *Certificate of Age*

The date of birth accepted by the Commission is that entered in the Matriculation or Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit an attested/certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent certificate.

No other document relating to age like horoscopes, affidavits, birth extracts from Municipal Corporation, service records and the like will be accepted.

The expression Matriculation|Higher Secondary Examination certificate in this part of the instruction includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation|Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases, a candidate must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation|Higher Secondary Examination Certificate, an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster|Principal of the Institution from where he passed the Matriculation|Higher Secondary Examination, showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the Institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application will be rejected.

NOTE 1—A CANDIDATE WHO HOLDS A COMPLETED SECONDARY SCHOOL CERTIFICATE NEED SUBMIT ONLY AN ATTESTED/CERTIFIED COPY OF THE PAGE CONTAINING ENTRIES RELATING TO AGE.

NOTE 2—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONLY THE DATE OF BIRTH AS RECORDED IN THE MATRICULATION|HIGHER SECONDARY EXAMINATION CERTIFICATE OR AN EQUIVALENT CERTIFICATE ON THE DATE OF SUBMISSION OF APPLICATION WILL BE ACCEPTED BY THE COMMISSION, AND NO SUBSEQUENT REQUEST FOR ITS CHANGE WILL BE CONSIDERED OR GRANTED.

NOTE 3—CANDIDATES SHOULD ALSO NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ENTERED IN THE RECORDS OF THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL BE ALLOWED SUBSEQUENTLY OR AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

NOTE 4—A Candidate who has passed the 10th Class of (i) a recognised Higher Secondary School, (ii) a recognised school preparing students for the Indian School Certificate examination, (iii) the Higher Secondary Course of Sri Aurobindo International Centre of Education, Pondicherry or (iv) Technical Higher Secondary School of the Delhi Polytechnic, must submit a certificate of age in the form prescribed under Note 3 below para 3 (iii) from the Principal|Headmaster of the school concerned and no other certificate as evidence of age will be required.

NOTE 5—In the case of candidates who are already in permanent Government Service the entries in their Service Book may be accepted as proof of the date of birth and educational qualifications.

(ii) *Certificate of Educational Qualifications*—A Candidate must submit an attested/certified copy of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in Rule 7. The certificate submitted must be one issued by the authority (i.e. University or other examining body) awarding the particular qualification. If an attested/certified copy of such a certificate is not submitted, the candidate must explain

its absence and submit such other evidence, as he can to support his claim to the requisite qualification. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

NOTE 1—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him educationally qualified for the Commission's examination but has not been informed of the result as also the candidate who intends to appear as such a qualifying examination will NOT be eligible for admission to the Commission's examination.

NOTE 2—A Candidate who holds a completed Secondary School Leaving Certificate need submit an attested/certified copy of only the page containing entries regarding the result of the S.S.L.C. examination.

NOTE 3—A candidate who has passed the 10th Class of (i) a recognised Higher Secondary School, (ii) a recognised School preparing students for the Indian School Certificate Examination, (iii) the Higher Secondary Course of Sri Aurobindo International Centre of Education, Pondicherry or (iv) Technical Higher Secondary School of the Delhi Polytechnic, must submit a certificate of educational qualification in the form prescribed below from the Principal/Headmaster of the school concerned :—

The form of certificate to be produced by the candidate [cf. : Note 4 under para 3 (ii) and Note 3 above].

This is to certify that :—

(1) Shri/Shrimati/Kumari*—son/daughter* of Shri—has passed—class of this School which is the penultimate class of the course for Higher Secondary School/Indian School Certificate Examination/Higher Secondary Course of Sri Aurobindo International Centre of Education, Pondicherry/Technical Higher Secondary School of the Delhi Polytechnic*.

(2) His/Her* date of birth as recorded in the Admission Register of this School is—
This has been verified from the Transfer Certificate/Statement made on behalf of the student at the time of his/her* admission to the school.

(Signature of Headmaster/Principal*)

(Name of the School)

Date—

Place—

*Strike out whichever is not applicable.

(iv) Two copies of photograph.—A candidate must submit two identical copies of his recent passport size (3 cm X 7 cm, approximately) photograph one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate

N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraphs 3(ii), 3(iii) and 3(iv) above without a reasonable explanation for its absence having been given, the application is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained.

4. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested/certified copy of a certificate in the form given below from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other Officer, as indicated below of the District in which his parents (or surviving parent) ordinarily reside who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certificate. If both his parents are dead, the officer signing the certificate should be of the District, in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes Candidates applying for appointment to posts under the Government of India.

This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari*—son-daughter* of — of village/town*— in District/Division*— of the State/Union Territory*— belongs to the —Caste/Tribe* which is recognised as a Scheduled Caste/Scheduled Tribe* under :—

the Constitution (Scheduled Castes) Order 1950*

the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950*

the Constitution (Scheduled Castes) Union Territories) Order, 1951*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951*

[as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes lists (Modification) Order, 1976, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970, the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976].

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962*

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970*
 the Constitution (Sikkim) Scheduled Castes Order, 1978*
 the Constitution (Sikkim) Scheduled Tribes Order, 1978*

2. Shri|Shrimati|Kumari* and/or*
 his/her* family ordinarily reside(s) in village|town*
 of District|Division* of the
 State|Union Territory* of

Signature

Designation

(with seal of office)

State|Union Territory*

Place

Date

*Please delete the words which are not applicable.

Note.—The term "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

Office competent to issue Caste|Tribe Certificates.

(i) District Magistrate|Additional District Magistrate|Collector|Deputy Commissioner|Additional Deputy Commissioner|Deputy Collector|1st Class stipendiary Magistrate|City Magistrate|**Sub-Divisional Magistrate|Taluka Magistrate|Executive Magistrate|Extra Assistant Commissioner.

*(Not below the rank of 1st Class stipendiary Magistrate).

(ii) Chief Presidency Magistrate|Additional Chief Presidency Magistrate|Presidency Magistrate.

(iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.

(iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.

(v) Administrator|Secretary to Administrator|Development Officer, Lakshdweep.

5(a) Stenographers (including language Stenographers) Clerks|Stenotypists claiming age concession under Rule 6(B) should submit a certificate in original from the Head of their Department|Office in the following form:—

(i) Certified that Shri|Shrimati|Kumari is a regularly appointed Stenographer employed in the Office of which is a Department|Office of the Government of India|Union Territory* of and has rendered|would render not less than 3 years continuous Service as Stenographer|Clerk|Steno-Typist|R.M.S. Sorter* on 1st January, 1985 and continues|would continue to be employed as a Stenographer.

Certified further that he|she* has not been appointed on the results of an earlier examination held by the Union Public Service Commission in CSSS|RBSSS|IFSB Stenographers Sub-Cadre|Armed Forces Headquarters Stenographer's Service.*

(ii) Certified that Shri|Shrimati|Kumari is a regularly appointed Clerk|Steno-Typist|R.M.S. Sorter* employed in the Office of the which is a Department|Office of the Government of India|Union Territory* of and has rendered|would render not less than 3 years continuous service as a Clerk|Steno-Typist|R.M.S. Sorter|Stenographer* on 1st January 1985 and continues|would continue to be employed as a Clerk|Steno-Typist|R.M.S. Sorter*.

Place

Signature

Designation

Date

No.

Ministry|Office

Office Stamp

*Strike out whichever is not applicable.

(b) (i) A displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) claiming age concession under Rule 6 (C) (ii) or 6 (C) (iii) and/or remission of fee under paragraph 8 of the Notice should produce an attested|Certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971 : —

(1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States;

(2) District Magistrate of the Area in which he may, for the time being, be resident;

(3) Additional District Magistrates in Charge of Refugee Rehabilitation in their respective Districts;

(4) Sub-Divisional Officer, within the Sub-Division in his charge;

(5) Deputy Refugee Rehabilitation Commission, West Bengal|Director (Rehabilitation), in Calcutta.

(ii) A repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka claiming age concession under Rule 6 (C) (iv) or 6 (C) (v) and/or remission of fee under paragraph 8 of the Notice should produce an attested|certified copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964

(iii) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) or who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia claiming age concession under Rule 6(C) (vi) or Rule 6(C) (vii) should produce an attested|certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may, for the time being, be resident to show that he is a *bona fide* migrant from the countries mentioned above.

(iv) A repatriate of Indian origin from Burma claiming age concession under Rule 6(C) (viii) or 6(C) (ix) and/or remission of fee under paragraph 8 of the Notice should produce an attested|certified copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon, to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963, or an attested|certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a *bona fide* repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.

(v) A candidate disabled while in the Defence Services, claiming age concession under Rule 6(C) (x), 6(C) (xi) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below, from the Director-General, Resettlement, Ministry of Defence, to show that he was disabled while in the Defence Services in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate.

Certified that Rank No. _____ Shri _____ of Unit _____ was disabled while in the Defence Services in operations during hostilities with a foreign country/in a disturbed area* and was released as a result of such disability.

Signature

Designation

Date

*Strike out whichever is not applicable.

(vi) A repatriate of Indian origin who has migrated from Vietnam claiming age concession under Rule 6(C) (xii) or Rule 6 (C) (xiii) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may, for the time being, be resident to show that he is a *bona fide* repatriate from Vietnam and has migrated to India from Vietnam not earlier than July 1975.

(vii) Ex-servicemen and Commissioned Officers including ECOs/SSCOs claiming age concession in terms of Rule 6(C) (xiv) or 6(C) (xv) should produce an attested/certified copy of the certificate, as applicable to them, in the form prescribed below from the authorities concerned :—

(A) Applicable for Released/Retired Personnel.

It is certified that No. _____ Rank _____ Name _____ whose date of birth is _____ has rendered service from _____ to _____ in Army/Navy/Air Force and he fulfils ONE of the following conditions :—

(a) Has rendered five or more years military service and has been released on completion of assignment otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency.

(b) Has been released on account of physical disability attributable to military service or on invalidment on _____

Name and Designation
of the Competent Authority

Station

Seal

Date

(B) Applicable for serving personnel.

It is certified that No. _____ Rank _____ Name _____ whose date of birth is _____ is serving in the Army/Navy/Air Force from _____

2. He is due for release/retirement w.e.f. _____ and is likely to complete his assignment of five years by _____

Name and Designation
of the Competent Authority

Station

Seal

Date

Authorities who are competent to issue certificate are as follows :—

(a) *In case of Commissioned Officers including ECOs/SSCOs.*

Army—Military Secretary's Branch, Army Hqrs., New Delhi.

Navy—Directorate of Personnel Naval Hqrs., New Delhi.

Air Force—Directorate of Personnel Officers, Air Hqrs., New Delhi.

(b) *In case of JCOs/ORs and equivalent of the Navy and Air Force.*

Army—By various Regimental Record Offices.

Navy—BABS, Bombay.

Air Force—Air Force Records, (NERW), New Delhi.

(viii) A displaced person from erstwhile West Pakistan claiming age concession under Rule 6(C) (xvi) or 6(C) (xvii) and/or remission of fee under paragraph 8 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a *bona fide* displaced person from West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973:—

(1) Camp Commandant of the Transit Centres or of Relief Camps in various States;

(2) District Magistrate of the Area in which he may, for the time being, be resident;

(3) Additional District Magistrates in Charge of Refugee Rehabilitation in their respective Districts;

(4) Sub-Divisional Officer, within, the Sub-Division in his charge;

(5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner.

6. A candidate belonging to any of the categories referred to in para 5(b) (i), (ii), (iv) and (vii) above and seeking remission of the fee under paragraph 8 of the Notice should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

An ex-serviceman claiming remission of fee under para 8 of the Notice should produce an attested/certified copy of the Discharge Certificate issued to him by the Army/Air Force/Naval authorities, as proof of his being an ex-serviceman. The certificate must indicate the exact date of his joining the Armed Forces and the date of his release from or transfer to reserve of the Armed Forces, or the anticipated date of his released from or transfer to reserve of the Armed Forces.

7. A person in whose case a certificate of eligibility is required may be admitted to the Examination but the offer of appointment should be given only after the necessary eligibility certificate is issued to him by the Government of India.

8. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tempered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies, an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

9. The fact that an application form has been supplied on a certain date will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso facto* make the receiver eligible for admission to the examination.

10. Every application including late one received in the Commission's Office is acknowledged and Application Registration No. is issued to the candidate in token of receipt of his application. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date prescribed for receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

The fact that the Application Registration No. has been issued to the candidate does not, *ipso-facto*, mean that the application is complete in all respects and has been accepted by the Commission.

11. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

12. The Union Public Service Commission have brought out a priced publication entitled "Candidates Manual for U.P.S.C. Objective Types Examinations". This publication is designed to be of assistance to prospective candidates of U.P.S.C. Examinations or Selections.

This publication as also the copies of pamphlets containing rules and conventional type question papers of the five preceding examinations are on sale with Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110054 and may be obtained from him direct by Mail Orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, Opposite Rivoli Cinema, Emporia Building, 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001 and (ii) Sale counter of the Publications Branch at Udyog Bhavan, New Delhi-110011 and (iii) The Government of India Book Depot, 8, K. S. Roy Road, Calcutta-700001. The Manual/pamphlets are also obtainable from the agents for the Government of India Publications at various mofussil towns.

13. Candidates are not entitled to receive any Travelling Allowance from the Union Public Service Commission for attending the examination.

14. *Communications regarding Application.*—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, SHAHJAHAN ROAD, NEW DELHI-110011, AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS :—

- (1) NAME OF EXAMINATION.
- (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
- (3) APPLICATION REGISTRATION NO./ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE APPLICATION REGISTRATION NO./ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
- (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
- (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B. (i)—Communications not containing the above particulars may not be attended to.

N.B. (ii)—If a letter/communication is received from a candidate after an examination has been held and it does not give his full name and roll number, it will be ignored and no action will be taken thereon.

15. *Change in Address.*—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED, IF NECESSARY CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 14 ABOVE ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES THEY CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

ANNEXURE II

CANDIDATES INFORMATION MANUAL

A. Objective Test

Your examination in General English and General Knowledge will be what is called an 'OBJECTIVE TEST'. In this kind of examination (test) you do not write answers. For each question (hereinafter referred to as item) several suggested answers (hereinafter referred to as responses) are given. You have to choose one answer to each item.

This Manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

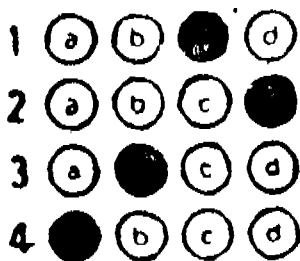
B. Nature of the Test

The question paper will be in the form of a TEST BOOKLET. The booklet will contain items bearing numbers 1, 2, 3...etc. Under each item will be given suggested answers marked a, b, c, d. Your task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct, then the best answer. (See "sample items" at the end). In any case, in each item you have to select only one answer, if you select more than one, your response will be considered wrong.

C. Method of Answering

A separate ANSWER SHEET (a specimen copy of which will be supplied to you along with the Admission Certificate) will be provided to you in the examination hall. You have to mark your response on the answer sheet Response marked on the Test Booklet or in any paper other than the Answer Sheet will *not* be examined.

In the Answer Sheet, number of items from 1 to 160 have been printed in four 'Parts'. Against each item, circular spaces marked, a, b, c, d, are printed. After you have read each item in the Test Booklet and decided which of the given answer is correct or the best; you have to mark the circle containing the letter of the selected answer by blackening it completely with pencil as shown below (to indicate your response). Ifk should not be used in blackening the circles on the Answer Sheet.

**IT IS IMPORTANT THAT—**

1. You should bring and use only good quality HB pencil(s) for answering the items.
2. To change a wrong marking, erase it *completely* and re-mark the new choice. For this purpose, you must bring along with you an eraser also.
3. Do not handle your Answer Sheet in such a manner as to mutilate or fold or wrinkle or spoil it.

D. Some Important Regulations

1. You are required to enter the examination hall twenty minutes before the prescribed time for commencement of the examination and get seated immediately.
2. Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.
3. No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have elapsed after the commencement of the examination.
4. After finishing the examination, submit the Test Booklet and the Answer Sheet to the Invigilator/Supervisor. **YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL. YOU WILL BE SEVERELY PENALISED IF YOU VIOLATE THIS RULE.**
5. You will be required to fill in some particulars on the Answer Sheet in the examination hall. You will also be required to encode some particulars on the Answer Sheet. Instructions about this will be sent to you along with your Admission Certificate.
6. You are required to read carefully all instructions given in the Test-Booklet. You may lose marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the Answer Sheet is ambiguous you will get no credit for that item response. Follow the instructions given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or part of a test, you must follow his instructions immediately.
7. Bring your Admission Certificate with you. You should also bring a HB pencil, an eraser, a pencil sharpener, and a pen containing blue or black ink. You are advised also to bring with you a clip-board or a hard-board or a card-board on which nothing should

be written. You are not allowed to bring any scrap (rough) paper, or scales or drawing instrument into the examination hall as they are not needed. Separate sheets for rough work will be provided to you on demand. You should write the name of the examination, your Roll No. and the date of the test on it before doing your rough work and return it to the supervisor along with your Answer Sheet at the end of the test.

E. Special Instructions

After you have taken your seat in the hall, the invigilator will give you the Answer Sheet. Fill up the required information on the Answer Sheet. After you have done this, the invigilator will give you the Test Booklet, on receipt of which you must ensure that it contains the booklet number, otherwise get it changed. Write your Roll Number on the first page of the Test Booklet before opening the Test Booklet. You are not allowed to open the Test Booklet until you are asked by the Supervisor, to do so.

F. Some Useful Hints

Although the test stresses accuracy more than speed, it is important for you to use your time as efficiently as possible. Work steadily and as rapidly as you can, without becoming careless. Do not worry if you cannot answer all the questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and come back to the difficult ones later.

All items carry equal marks. Attempt all of them. Your score will depend only on the number of correct responses indicated by you. There will be no negative marking.

G. Conclusion of Test

Stop writing as soon as the Supervisor asks you to stop. Remain in your seat and wait till the invigilator collects all the necessary material from you and permits you to leave the Hall. You are NOT allowed to take the Test Booklet, the answer sheet and the sheet for rough work out of the Examination Hall.

SAMPLES ITEMS (QUESTIONS)

(Note :—*Denotes the correct/best answer—option)

1. (General Studies)

Bleeding of the nose and the ears is experienced at high altitudes by mountain climbers because.

- (a) the pressure of the blood is less than the atmospheric pressure.
- (b) the pressure of blood is more than the atmospheric pressure.
- (c) the blood vessels are subjected to equal pressures on the inner and outer walls.
- (d) the pressure of the blood fluctuates relative to the atmospheric pressure.

2. (English)

(Vocabulary—Synonyms).

There was a *record* turnout of voters at the municipal elections.

- (a) exactly known.
- (b) only those registered.
- (c) very large.
- (d) largest so far.

3. (Agriculture)

In Arhar, flower drops can be reduced by one of the measures indicated below.

- * (a) Spraying with growth regulators
- (b) planting wider apart
- (c) planting in the correct season
- (d) planting with close spacing.

4. (Chemistry)

The anhydride of H_3VO_4 is

- (a) VO_3
- (b) VO_4
- (c) V_2O_3
- * (d) V_2O_5

5. (Economics)

Monopolistic exploitation of labour occurs when

- (a) wage is less than marginal revenue product
- (b) both wage and marginal revenue product are equal
- (c) wage is more than the marginal revenue product
- (d) wage is equal to marginal physical product.

6. (Electrical Engineering)

A coaxial line is filled with a dielectric of relative permittivity 9. If C denotes the velocity of propagation in free space, the velocity of propagation in the line will be

- (a) $3C$
- (b) C
- * (c) $C/3$
- (d) $C/9$

7. (Geology)

Plagioclase in a basalt is

- (a) Oligoclase
- * (b) Labradorite
- (c) Albite
- (d) Anorthite

8. (Mathematics)

The family of curves passing through the origin and satisfying the equation

$$\frac{d^2y}{dx^2} - \frac{dy}{dx} = 0 \text{ is given by}$$

- (a) $y = ax + b$
- (b) $y = ax$
- (c) $y = aex - be -$
- * (d) $y = ae^x - 1$

9. (Physics)

An ideal heat engine works between temperatures $400^\circ K$ and $300^\circ K$. Its efficiency is

- (a) $3/4$
- * (b) $(4 - 3)/4$
- (c) $4/(3 + 4)$
- (d) $3/(3 + 4)$

10. (Statistics)

The mean of a binomial variate is 5. The variance can be

- (a) 42
- * (b) 3
- (c) ∞
- (d) -5

11. (Geography)

The Southern part of Burma is most prosperous because

- (a) it has vast deposits of mineral resources
- * (b) it is the deltaic part of most of the rivers of Burma
- (c) it has excellent forest resources.
- (d) most of the oil resources are found in this part of the country.

12. (Indian History)

Which of the following is NOT true of Brahmanism?

- (a) Brahmanism always claimed a very large following even in the heyday of Buddhism.
- (b) Brahmanism was a highly formalised and pretentious religion.
- * (c) With the rise of Brahmanism, the Vedic sacrificial fire was relegated to the background.
- (d) Sacraments were prescribed to mark the various stages in the growth of an individual.

13. (Philosophy).

Identify the atheistic group of philosophical systems in the following.

- (a) Buddhism, Nyāyā, Cārvāka, Mimāṃsā
- (b) Nyāyā, Vaiśeṣikā, Jainism and Buddhism, Cārvāka
- (c) Advaita, Vedāntā, Sāṃkhya, Cārvāka Yogā
- * (d) Buddhism, Sāṃkhya, Mimāṃsā, Cārvāka

14. (Political Science)

'Functional representation' means

- * (a) election of representatives to the legislative on the basis of vocation.
- (b) pleading the cause of a group or a professional association
- (c) election of representatives in vocational organization.
- (d) indirect representation through Trade Unions.

15. (Psychology)

Obtaining a goal leads to

- (a) increase in the need related to the goal
- * (b) reduction of the drive state
- (c) instrumental learning
- (d) discrimination learning.

16. (Sociology)

Panchayati Raj Institutions in India have brought about one of the following :

- * (a) formal representation of women and weaker sections in village government
- (b) untouchability has decreased
- (c) land-ownership has spread to deprived classes
- (d) education has spread to the masses.

Note :—Candidates should note that the above sample items (questions) have been given merely to serve as examples and are not necessarily in keeping with the syllabus for this examination.



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 34] नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त 25, 1984 (भाद्रपद 3, 1906)
No. 34] NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 25, 1984 (BHADRA 3, 1906)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 25 जुलाई 1984

सं० ए० 32014/1/82-प्रशा०-II—इस कार्यालय के समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 11-3-1983 के अतिरिक्त में सचिव, संघ लोक सेवा आयोग एतद् द्वारा निम्नलिखित अधिकारियों को संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में 5-4-82 से आगामी आदेशों तक अध्याक्षक (न० सं०) के उन्नत किए गए पद (ह० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200) पर नियमित आधार पर नियुक्त करते हैं:—

1. श्री एम० एम० शर्मा
2. श्री जगदीश लाल
3. श्रीमती डॉ० जे० लाल बानी
4. श्रीमती राज सेठी
5. कु. सुदर्शन हांडा
6. श्री आर० आर० भारद्वाज

यह संघ लोक सेवा आयोग के अनुमोदन से देखिए उनका पत्र एफ० 4/28(1)/82-नि० ए०-IV, दिनांक 5-7-1984 जारी किया गया है।

विजय भल्ला,
अनुभाग अधिकारी
संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय

कार्मिक और प्रशासनिक मुद्यार विभाग
लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी,
संसूरी, दिनांक 30 जुलाई 1984

सं० 2/7/81-स्थापना—इस कार्यालय सम संख्यक अधि-
भूचना दिनांक मार्च 19, 1984 को जारी रखने हुए श्रीमती
मंजुलिका सिंह की हिन्दी के सहायक आचार्य के पद पर तदर्थ
नियुक्ति दिनांक अगस्त, 1984 से आगामी छः मास के लिए
नियमित रूप से नियुक्ति होने तक, जो भी पहले हो, बढ़ाई
जाती है।

ए० के० दास
उप निदेशक

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 3 अगस्त 1984

सं० ए/19036/15/79-प्रशासन-5—निवर्तन होने पर श्री एम० एन० माथुर, पुलिस उपाधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष एकक, नई दिल्ली ने दिनांक 31 जुलाई, 1984 के अपराह्न से पुलिस उपाधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के कार्यालय का कार्यभार त्याग दिया।

सं० ए-19017/2/84-प्रशासन-5—श्री काली चरण, अपराध सहायक केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो को दिनांक 28 जुलाई, 1984 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, में स्थानापन्न कार्यालय अधीक्षक के रूप में नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 6 अगस्त 1984

सं० ए-19035/4/79-प्रशासन-5—निवर्तन हो जाने पर, श्री तिलक राज ने दिनांक 31 जुलाई, 1984 के अपराह्न से कार्यालय अधीक्षक/केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, नई दिल्ली का कार्यभार त्याग दिया।

आर० एस० नागपाल
प्रशासनिक अधिकारी (स्था०)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिदेशालय के० रि० पु० बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 30 जुलाई 1984

सं० डी० एक-30/83(स्था०-1)—के० रि० पु० बल के निम्नलिखित उपअधीक्षकों की सेवायें, उन के नाम आगे दर्शाई गई तारीख से आसाम सरकार को डेपुटेशन आधार पर सौंपी जाती हैं:-

- | | |
|------------------------|-----------------|
| 1. श्री टी० एम० बक्सला | 19-7-84 अपराह्न |
| 2. श्री वरयाल डी० सेना | 19-7-84 अपराह्न |
| 3. श्री जे० एस० सन्धू, | 14-7-84 अपराह्न |
| 4. श्री जी० सी० मिस्री | 9-7-84 अपराह्न |
| 5. श्री कासम खान | 16-7-84 अपराह्न |

दिनांक 31 जुलाई 1984

सं० डी० एक० 34/83-स्थापना—श्री शमशेर सिंह सिन्धु के आसाम पुलिस से प्रत्यावाप्त होने पर, 44 बाहिनी, के० रि० पु० बल में दिनांक 17-7-1984 (पूर्वाह्न) को पुलिस उप-अधीक्षक का कार्यभार संभाल लिया है।

एम० पी० जयमोला
सहायक निदेशक (स्थापना)

भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 2 अगस्त 1984

सं० 10/13/84-प्रशा०-1—राष्ट्रपति, केन्द्रीय सचिवालय राजभाषा सेवा के ग्रेड-4 के अधिकारी श्री जीत सिंह को

भारत के महारजिस्ट्रार के कार्यालय में दिनांक 30 जून, 1984 के पूर्वाह्न से, जब तक उक्त पद नियमित आधार पर भरा जाए, पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर हिन्दी अधिकारी के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

बी० एस० वर्मा
भारत के महारजिस्ट्रार

महानिदेशालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 4 अगस्त 1984

सं० ई-29020/6/83-सा० प्रशा०-1—राष्ट्रपति, श्री पी० एन० पंचाल, को 20-8-1981 से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल में मूल रूप से सहायक महानिरीक्षक (फायर) नियुक्त करते हैं।

एस० आनन्द राम
महा निदेशक

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

चलार्थ पत्र मुद्रणालय

नासिक रोड, दिनांक 28 जून 1984

सं० एन-77-एन/38/एस०—महा प्रबन्धक चलार्थ पत्र मुद्रणालय, श्री एम० एल० सोनवणे, अनुभाग अधिकारी, चलार्थ पत्र मुद्रणालय, को नियमित प्रतिनियुक्ति के आधार पर तीन वर्ष की अवधि के लिये दिनांक 2 जून, 1981 से 1 जून, 1984 तक त्रय अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

सु० द० इडगुजी,
महा प्रबन्धक

वित्त वर्ष में परिवर्तन समिति

नई दिल्ली, दिनांक 3 अगस्त 1984

सं० सी० सी० एफ० वाई०-2(2)/ए/84—भारत के नियंत्रक महालेखा परीक्षक, नई दिल्ली के कार्यालय से स्थानान्तरण होने पर ग्रेड "बी" आशुलिपिक श्री एच० आर० शर्मा को वित्त वर्ष में, परिवर्तन समिति में पहली अगस्त, 1984 के अपराह्न से अगला आदेश होने तक 775-1200 रु० के वेतनमान में निजी सचिव नियुक्त किया गया है।

सं० सी० सी० एफ० वाई०-2(2)-ए/84—आठवें वित्त आयोग के समापन एकक, नई दिल्ली से स्थानान्तरण होने पर अधीक्षक, श्री जे० पी० मिश्र को पहली जुलाई, 1984 के पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक वित्त वर्ष में परिवर्तन समिति में 700-1300 रु० के वेतनमान में प्रशासनिक एवं लेखा अधिकारी नियुक्त किया गया है।

ए० आर० शिराजी,
सदस्य सचिव

भारतीय लेखापरीक्षा तथा लेखा विभाग

कार्यालय महा लेखाकार (लेखा परीक्षा) गुजरात

अहमदाबाद-380001, दिनांक 20 जुलाई 1984

सं० स्था० (प०)/जी०ओ०/3/(39)/960—महा-लेखाकार (लेखापरीक्षा) गुजरात, अहमदाबाद के निर्णय के अनुसार निम्नलिखित अनुभाग अधिकारी (लेखापरीक्षा) को कार्यालय, महालेखाकार, गुजरात, अहमदाबाद/राजकोट में स्थानापन्न सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी के रूप में उनके नाम के सामने बताई गई तारीख से अगले आदेश मिलने तक नियुक्त किया जाता है।

1. श्री बी० विजयकुमारन 25-6-84 अहमदाबाद (पूर्वाह्न)
2. श्री पी० एन० पुरोहित 25-6-84 अहमदाबाद (पूर्वाह्न)
3. श्री पी० एन० पण्ड्या 25-6-84 राजकोट (अपराह्न)
4. श्री के० के० शेट्टीगर 25-6-84 अहमदाबाद (पूर्वाह्न)
5. श्री एम० एम० वैष्णव 25-6-84 राजकोट (अपराह्न)
6. श्री एम० के० मेहता 25-6-84 अहमदाबाद (पूर्वाह्न)
7. श्री बी० एम० जाडेजा 25-6-84 राजकोट (अपराह्न)

2. उपरोक्त नियुक्ति अस्थायी है और 1984 का विशेष सिविल आवेदनपत्र सं० 388 से माननीय गुजरात उच्च न्यायालय के निष्कर्ष की शर्त पर की जाती है।

(ह) अपठनीय
वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशासन)

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियन्त्रक

नई दिल्ली-110066, दिनांक 28 जुलाई 1984

सं० प्रशा०/1/1419/4/जिल्ह-I—श्री बी० पी० जैन को भारतीय रक्षा लेखा सेवा के ग्रुप 'ए' के कनिष्ठ समयमान में दिनांक 1 अक्टूबर, 1981 से पुष्टि की गयी है।

इस विभाग की पहले की अधिसूचना सं० प्रशा०/1/1419/4/जिल्ह-I, दिनांक 29-9-1982 एतद् द्वारा रद्द की जाती है।

दिनांक 31 जुलाई, 1984

सं० बी० ओ० प्रशा०/11/2603/84—रक्षा लेखा महानियन्त्रक, नई दिल्ली कार्यालय में सेवारत श्री टी० जी० वेंकटसुब्रह्मण्यम, स्थायी अनुभाग अधिकारी (लेखा) तथा स्थानापन्न लेखा अधिकारी को दिनांक 1 अप्रैल, 1982 से मूल पदधारी के रूप में एतद् द्वारा नियुक्त करते हैं।

बी० एस० जफा
रक्षा लेखा अपर महा नियन्त्रक

रक्षा मंत्रालय

भारतीय आर्डनेन्स फैक्टरियां, सेवा

आर्डनेन्स फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता-16, दिनांक 27 जुलाई 1984

सं० 37/जो/84—श्री के० एम० सम्पत, स्थानापन्न वर्क्स मैनेजर (मोलिक एवं स्थायी फोरमैन), दिनांक 14 अप्रैल, 1984 (अपराह्न) से स्वेच्छा पूर्वक सेवा निवृत्त हुए।

बी० के० मेहता,
निदेशक

श्रम एवं पुनर्वास मंत्रालय

खान सुरक्षा महानिदेशालय

धनबाद-826001, दिनांक 28 जुलाई 1984

सं० 7(2)84-प्रशासन-I/11/338—श्री एस० भट्टाचार्य स्थायी अधीक्षक, को श्री ए० एम० घोष के दिनांक 31-5-84 (अपराह्न से सेवा निवृत्त होने के कारण रिक्त पद पर दिनांक 1-6-84 (पूर्वाह्न) से इस महा निदेशालय में सहायक प्रशासनिक पदाधिकारी के पद पर स्थानापन्न पदोन्नत किया जाता है।

ह० सं० आहुजा
महा निदेशक, खान सुरक्षा

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 31 जुलाई 1984

आयात और निर्यात व्यापार नियन्त्रण

(स्थापना)

सं० 9/6/82-प्रशासन(राज०)/6098—राष्ट्रपति, आयात और निर्यात व्यापार नियन्त्रण संगठन में आयात-निर्यात के निम्नलिखित नियन्त्रकों (वर्ग "ख") और केन्द्रीय सिविल सेवा को केन्द्रीय व्यापार सेवा की श्रेणी 3 (सहायक मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात) में 700-40-900-द०रो०-40-1100-50-1300 रु० के वेतनमान में 18-6-1984 (पूर्वाह्न) से नियुक्त करते हैं --

1. श्री ए० के० नूरमोहम्मद
2. श्री एस० के० प्रसाद
3. श्रीमती शशी बालासुब्रह्मण्यम,
4. श्री पी० बालाकृष्णन,
5. श्री एम० बालागंगाधरन,
6. श्री एस० राजन
7. श्री ए० के० तनेजा,
8. श्री ए० कोमू
9. श्री बी० के० गुप्ता,
10. श्री एस० के० भट्टाचार्य
11. श्री टी० आर० शशीधरन,

12. श्री फसिण एंटोनी,
13. श्री आर० एस० सिंघल
14. श्री पी० गणेशन (अनुसूचित जाति)
15. श्री डी० के० भट्टाचार्य
16. श्री मुकेश भटनागर
17. श्री ओ० पी० गहलोत
18. श्री एस० के० मजूमदार (अनुसूचित जाति)
19. श्री जी० एस० जाखरे (अनुसूचित जाति)
20. श्री एस० एस० रापा (अनुसूचित जाति)
21. श्री महेश चंदर, (अनुसूचित जाति)
22. श्री सैमुवेल हनेडा (अनुसूचित जाति)

एम० एल० जयन्त,
उप मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात
कृते, मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 31 जुलाई 1984

सं० 5329 बी/ए-19012(1-एस० जी०)/83-19ए—
भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महा निदेशक, श्री शुभाशिश
घोष को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक
सर्वेक्षण में 650 रु० प्रति माह के प्रारम्भिक वेतन पर 650-
30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-
40-1200 रु० के वेतनमान पर, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी
आदेश होने तक 30-6-84 के पूर्वाह्ल से नियुक्त कर रहे
हैं।

अमित कुशारी
निदेशक (कार्मिक)
कृते महा निदेशक

कलकत्ता-70016, दिनांक 28 जुलाई 1984

सं० 5244 पी/ए-19012 (4-आर०एम०ए०) 84-19बी—
भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महा निदेशक, भारतीय भू-
वैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (ड्रिलिंग)
श्री आर० एन० अग्रवाल, को ड्रिलर के पद पर नियमानुसार
650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द०
रो०-40-1200 रु० के वेतनमान के वेतन पर, स्थानापन्न
क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 30 मई, 1984 के पूर्वाह्ल से
पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

अमित कुशारी
निदेशक (कार्मिक)
भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 3 अगस्त 1984

सं० ए-19012(198)/84-स्था० ए०—विभागीय
पदोन्नति समिति की सिफारिश पर श्री आर० एस० जेस्वाल,
स्थानापन्न अधीक्षक को भारतीय खान ब्यूरो में स्थानापन्न
रूप में सहायक प्रशासन अधिकारी के पद पर दिनांक 27
जुलाई, 1984 के अपराह्न से पदोन्नति प्रदान की गई है।

सं० ए-19012(196)/84-स्था० ए०—विभागीय पदोन्नति
समिति की सिफारिश पर श्री के० एम० पतकी, स्थानापन्न
वरिष्ठ तकनीकी सहायक (रसायन) को भारतीय खान ब्यूरो
में स्थानापन्न रूप में सहायक रसायनविद के पद पर दिनांक
25 जुलाई, 1984 के पूर्वाह्ल से पदोन्नति प्रदान की गई है।

सं० ए-19012(197)/84-स्था० ए०—विभागीय
पदोन्नति समिति की सिफारिश पर श्रीमती एच० सी० देशपांडे,
स्थानापन्न वरिष्ठ तकनीकी सहायक (रसायन) को भारतीय
खान ब्यूरो में स्थानापन्न रूप में सहायक रसायनविद के पद पर
दिनांक 25 जुलाई, 1984 के पूर्वाह्ल से पदोन्नति प्रदान की
गई है।

दिनांक 4 अगस्त, 1984

सं० ए-19012(202)/84-स्था० ए०—विभागीय
पदोन्नति समिति की सिफारिश पर श्री डी० बी० तांबेकर,
स्थानापन्न अधीक्षक, को भारतीय खान ब्यूरो में स्थानापन्न
रूप में सहायक प्रशासन अधिकारी के पद पर दिनांक 30 जुलाई,
1984 के पूर्वाह्ल से पदोन्नति प्रदान की गई है।

पी० पी० बादी
प्रशासन अधिकारी
कृते महा नियन्त्रक
भारतीय खान ब्यूरो

भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण

भारतीय संग्रहालय

कलकत्ता, दिनांक 16 जुलाई 1984

सं० 4-201/84-स्थापना—भारतीय मानव विज्ञान
सर्वेक्षण के श्री एस० के० भट्टाचार्य, अनुसंधान सहायक
(शारीरिक) 31 मई, 1984 पूर्वाह्ल से, अगला आदेश तक
इस सर्वेक्षण के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र शिलांग में सह मानव विज्ञानी
(शारीरिक) ग्रुप-बी (राजपत्रित) के पद पर पदोन्नति
हुई है।

ए० के० दास गुप्ता
प्रशासनिक अधिकारी

राष्ट्रीय अभिलेखागार

नई दिल्ली, दिनांक 4 अगस्त, 1984

सं० फा० 20(सी)-14-94/70ए-1(स्थापना)—संघ
लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर अभिलेख निदेशक, भारत

सरकार, श्री नवरत्न सिंह, अस्थायी सहायक अभिलेख अधिकारी ग्रेड-1(सामान्य), को 31 जुलाई, 1984 से अगले आदेश होने तक, राष्ट्रीय अभिलेखागार, नई दिल्ली में नियमित अस्थायी आधार पर, अभिलेखाधिकारी (सामान्य) (ग्रुप "बी" राजपत्रित) के पद पर एतद् द्वारा नियुक्त करते हैं।

राजेश परती
अभिलेख निदेशक

भारतीय प्राणी सर्वेक्षण

कलकत्ता-12, दिनांक 1 अगस्त 1984

सं० एफ-9-1/82-स्था०/4454—वरिष्ठ प्राणी विज्ञान सहायक, श्री ए० के० पोद्दार को मुख्यालय, भारतीय प्राणी सर्वेक्षण, कलकत्ता में रु० 650-1200 के वेतनमान में, सहायक, प्राणिविज्ञानी, (समूह 'ख') के पद पर, 9 जुलाई, 1984 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक, अस्थायी रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया गया।

ए० के० मंडल
वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी
भारतीय प्राणी सर्वेक्षण

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 2 अगस्त 1984

सं० ए-12025/31/78-(ए०आई०आई०एच० एंड पी० एच०)/प्रशा०-1/पी०एच० (सी०डी० एंड एल०)—राष्ट्रपति ने डा० एस० आर० दत्ता को 13 मार्च, 1982 से अखिल भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान और जन स्वास्थ्य संस्थान, कलकत्ता में, व्यावसायिक स्वास्थ्य के सहायक प्रोफेसर के पद पर स्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

नारायण सिंह
उप निदेशक प्रशासन (एन०)

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्रालय

(खाद्य विभाग)

शर्करा निदेशालय

नई दिल्ली-110001, दिनांक 10 जुलाई 1984

सं० ए-19012/82/84-स्था०—उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा संवर्ग के आशुलिपिक ग्रेड "सी" श्री भ्याम लाल झांव की इस निदेशालय में अस्थायी स्थानान्तरण पर ग्रुप "बी" राजपत्रित लागत लेखाकार के पद पर 650-30-740-35-810-६० रो०-35-880-40-1000-६० रो०-40-1200 के वेतनमान में 30-6-1984 (अपराह्न) से प्रतिनियुक्ति की जाती है।

वी० लक्ष्मी रत्न
मुख्य निदेशक

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

(कार्मिक प्रभाग)

बम्बई-400 085, दिनांक 24 जुलाई 1984

सं० पी०ए०/80(10)/82-आर-II-1392—नियन्त्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के श्री एन० के० प्रभाकरन, स्थायी सहायक सुरक्षा अधिकारी तथा स्थानापन्न सहायक सुरक्षा अधिकारी (सलै० ग्रेड) को दिनांक 1 जुलाई, 1984 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेश होने तक इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न सुरक्षा अधिकारी नियुक्त करते हैं

बी० सी० पाल
उप स्थापना अधिकारी

बम्बई-400 085, दिनांक 2 अगस्त 1984

सं० एस०/1937/स्था०-II/3777—श्री पूनावनथ सुकुमारन ने सहायक कार्मिक अधिकारी के पद का पदभार दिनांक 19-4-1984 पूर्वाह्न को स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति पर छोड़ दिया।

आर० सी० कोटियंकर
उप स्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग

निर्माण एवं सेवा वर्ग

बम्बई-400 094, दिनांक 17 जुलाई 1984

सं० सी० ई० डी०/ए/2(7)/4960—निदेशक, निर्माण एवं सेवा वर्ग, परमाणु ऊर्जा विभाग श्री एम० आर० रेडोज, प्रवरण लिपिक, निर्माण एवं सेवा वर्ग, को श्री एम० वेणु-गोपालन, जोकि प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए गये हुए हैं, के स्थान पर निर्माण एवं सेवा वर्ग में दिनांक 7-7-84 से 18-8-84 (अपराह्न) तक तदर्थ आधार पर सहायक कार्मिक अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

बी० वी० थत्ते
प्रशासन अधिकारी

न्यूक्लीअर विद्युत बोर्ड

बम्बई-5, दिनांक 20 जुलाई 1984

सं० एन० पी० बी०/3(283)/83-स्थापना-6812—निदेशक, (अभियांत्रिकी) न्यूक्लीअर विद्युत बोर्ड बम्बई एतद् द्वारा इस बोर्ड के एक सहायक लेखा अधिकारी श्री बी० बी० व्यापारी को 23 मई, 1984 के पूर्वाह्न से 22 जून, 1984 के अपराह्न तक के लिये उसी बोर्ड में लेखा अधिकारी II के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति लेखा अधिकारी श्री आर० जी० समूरकर के स्थान पर की जा रही है, जो छुट्टी पर गए थे।

आर० व्ही० बाजपेयी
सामान्य प्रशासन अधिकारी

परमाणु खनिज प्रभाग

हैदराबाद-16, दिनांक 30 जुलाई 1984

सं० प० ख० प्र०-51/28/83-पेंशन—परमाणु ऊर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग, स्थायी सर्वेक्षक और स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी “एस० बी०” श्री जी० पी० शर्मा ने सरकारी सेवा से स्वैच्छिक, सेवा-निवृत्ति के फलस्वरूप अपने पद का कार्यभार 1 मई, 1984 के पूर्वाह्न को छोड़ दिया है।

टी० डी० घाडेगे,
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

भारी पानी परियोजनाएं

बम्बई-400 008, दिनांक 31 जुलाई, 1984

सं० 05012/फर० 84/3041—भारी पानी परियोजनाओं के प्रधान कार्यकारी, भारी पानी संयंत्र, (बड़ौदा) के श्री कनिंथी सूर्यनारायण, वैज्ञानिक सहायक ‘बी’ को इसी संयंत्र में फरवरी 1, 1984 पूर्वाह्न में आगे आदेश होने तक के लिए स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता (ग्रेड एस० बी०) नियुक्त करते हैं।

सं० 05012/फर० 84/3042—भारी पानी परियोजनाओं के प्रधान कार्यकारी, भारी पानी संयंत्र, (बड़ौदा) के श्री राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता, वैज्ञानिक सहायक, “सी” को इसी संयंत्र में पूर्वाह्न 1 फरवरी, 1984 से आगे आदेश होने तक के लिए स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता (ग्रेड एस० बी०) नियुक्त करते हैं।

सं० 05012/आर-7/स्था० पदो०/3043—भारी पानी परियोजनाओं के, प्रधान कार्यकारी, श्री रेवाना डोरास्वामी, सहायक सुरक्षा अधिकारी, भारी पानी परियोजना (मनुगुरु) को इसी परियोजना में श्री बी० के० हीरेमथ, सुरक्षा अधिकारी जो छुट्टी पर हैं, के स्थान पर मई 19, 1984 (पूर्वा०) से 19 जून, 1984 (अप०) तक के लिये स्थानापन्न सुरक्षा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

श्रीमती के० पी० कल्याणी कुट्टी
प्रशासन अधिकारी

अन्तरिक्ष विभाग

इसरो उपग्रह केन्द्र

बेंगलूर, दिनांक 23 जुलाई, 1984

सं० 020/3(061)/84—इसरो उपग्रह केन्द्र के निदेशक निम्नलिखित व्यक्तियों को उनके नाम के सामने दिए गए पदों पर एवं दर्शाई तिथियों पूर्वाह्न से अगले आदेश

प्राप्त होने तक बिल्कुल अनन्तिम एवं अस्थायी आधार पर सहर्ष पदोन्नत करते हैं।

क्रम सं०	नाम	पदनाम	दिनांक
श्रीमती/श्री/कु०			
1.	के० ऊषा	वैज्ञानिक/अभियन्ता-एस० बी०	21-1-84
2.	जे० सुब्बलक्ष्मी	वैज्ञानिक/अभियन्ता-एस० बी०	23-1-84
3.	पी० बी० कृष्ण कुमार	वैज्ञानिक/अभियन्ता-एस० बी०	27-1-84
4.	आर० बी० भारती	वैज्ञानिक/अभियन्ता-एस० बी०	13-2-84
5.	एस० मोहन	वैज्ञानिक/अभियन्ता-एस० बी०	15-2-84

दिनांक 30 जुलाई, 1984

सं० 20/3(61)/84—इसरो उपग्रह केन्द्र के निदेशक, अन्तरिक्ष विभाग के इसरो उपग्रह केन्द्र, बेंगलूर के निम्नलिखित व्यक्तियों से प्राप्त त्यागपत्र उनके नाम के सामने दिशाई तिथि से सहर्ष स्वीकार करते हैं:

क्रम संख्या	नाम	पदनाम	दिनांक
सर्वश्री			
1.	एन० एस० कुमार	वैज्ञानिक/अभियन्ता-एस० बी०	20-7-84
2.	टी० वामुदेवन	वैज्ञानिक/अभियन्ता-एस० बी०	20-7-84
3.	एन० तंगम	वैज्ञानिक/अभियन्ता-एस० बी०	20-7-84
4.	एल० जी० हरिषा	वैज्ञानिक/अभियन्ता-एस० बी०	16-7-84

एच० एस० रामदास
प्रशासन अधिकारी-1

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

दिनांक 21 जुलाई, 1984

सं० ए०-35018/6/79-ई-1—इस विभाग के दिनांक 1-9-1983 की अधिसूचना संख्या ए-35018/6/79-ई-1 के क्रम में, राष्ट्रपति ने, आसूचना विभाग के एक अधिकारी श्री के० के० नागर की नागर विमानन विभाग के नागर विमानन सुरक्षा संगठन में सहायक निदेशक, नागर विमान सुरक्षा (वेतनमास रु० 1200-1800+रु० 300/- विशेष वेतन प्रतिमान) के पद पर की गई प्रतिनियुक्ति की अवधि को दिनांक 20-7-1984 से 31-10-84 तक की अवधि के लिए जारी रखने की मंजूरी दी है।

दिनांक 23 जुलाई, 1984

पदों के नियमित आधार पर भरे जाने तक इनमें से जो भी पहले हो, जारी रखने की स्वीकृति दी है :—

सं० ए०-32013/13/82-ई-1—इस कार्यालय की दिनांक 18-7-83, 9-8-1983 तथा 22-6-1984 की अधिसूचना सं० ए०-32013/13/82-ई-1 के क्रम में, राष्ट्रपति, ने निम्नलिखित अधिकारियों की निदेशक विमान मार्ग एवं विमान क्षेत्र/निदेशक, विमान क्षेत्र के ग्रेड में की गई तदर्थ नियुक्ति उनके नाम के सामने दी गई अवधि के लिये अथवा

नाम	अवधि
1. श्री प्रेम नाथ	1-6-84 से 30-11-84
2. श्री एस० एच० सोनटेक	1-6-84 से 30-11-84
3. श्री जार्ज लाकड़ा	1-6-84 से 30-11-84

दिनांक 31 जुलाई 1984

सं० ए-32013/1/84-ई० सी०—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित सहायक संचार अधिकारियों को उनके उच्चतर पद का कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से छः मास की अवधि के लिए संचार अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है तथा उन्हें प्रत्येक के सामने दिए गए स्टेशन पर तैनात किया है :—

क्र० सं०	नाम	वर्तमान तैनाती स्टेशन	नया तैनाती स्टेशन	कार्यभार ग्रहण करने की तारीख
सर्वश्री				
1.	एस० मजूमदार	वैमानिक संचार स्टेशन,	दिल्ली	वैमानिक संचार स्टेशन दिल्ली 29-6-84
2.	ए० के० गोस्वामी	—वही—	कलकत्ता	—वही— कलकत्ता 2-6-84
3.	एल० डी० खेड़ा	—वही—	दिल्ली	—वही— दिल्ली 1-6-84
4.	एम० एस० नायर	—वही—	त्रिवेन्द्रम	—वही— त्रिची 30-6-84
5.	जे० एस० संधु	ना० वि० प्र० के०	इलाहाबाद	—वही— दिल्ली 7-6-84
6.	जी० मधुलिंगम	वै० सं० स्टेशन,	बम्बई	—वही— बम्बई 2-6-84
7.	एम० सी० अंतानी	—वही—	बम्बई	—वही— बम्बई 2-6-84
8.	एम० एल० चोपड़ा	ना० वि० मुख्यालय,	नई दिल्ली	—वही— दिल्ली (अप०) 4-6-84
9.	एस० बी० चक्रवर्ती	वै० सं० स्टेशन	लखनऊ	—वही— जयपुर 30-6-84
10.	बी० एस० गुर्गई	ना० वि० प्र० के०	इलाहाबाद	ना० वि० प्र० के० इलाहाबाद (अप०) 8-6-84
11.	एस० एन० भागवत	वै० सं० स्टेशन	बम्बई	वै० सं० स्टेशन बम्बई 2-6-84
12.	जे० एस० आगस्टस	—वही—	मद्रास	—वही— मद्रास 5-6-84
13.	वी० बी० पांढकर	—वही—	बम्बई	—वही— बम्बई 2-6-84
14.	के० पी० स्वामी	—वही—	बम्बई	—वही— बम्बई 2-6-84
15.	ए० के० बनर्जी	—वही—	कलकत्ता	—वही— कलकत्ता 2-6-84
16.	एस० के० दास	—वही—	भुवनेश्वर	—वही— भुवनेश्वर 2-6-84
17.	एल० एस० गोविला	—वही—	दिल्ली	—वही— दिल्ली 1-6-84
18.	डी० के० चौधरी	—वही—	कलकत्ता	—वही— कलकत्ता 2-6-84
19.	बी० आई० रामामूर्ति	—वही—	त्रिवेन्द्रम	—वही— मद्रास 30-6-84
20.	बी० एन० सरकार	—वही—	सिलचर	—वही— कलकत्ता 28-6-84
21.	ए० एन० विश्वास	—वही—	कलकत्ता	—वही— कलकत्ता 1-7-84
(अप०)				

दिनांक 1 अगस्त, 1984

आधार पर निदेशक, प्रशिक्षण और अनुज्ञापन के पद पर नियुक्त किया है ।

सं० ए०-32013/1/83-ई-1—राष्ट्रपति ने श्री आर० पी० सिंह, उप निदेशक, विमान सुरक्षा (परिचालन) को 30-7-84 (पूर्वाह्न) से तथा अन्य आदेश होने तक मुख्यालय में नियमित

श्री० पी० अग्रवाल
सहायक निदेशक
(प्रशासन)

नई दिल्ली, दिनांक 20 जुलाई, 1984

विदेश संचार सेवा

सं० ए०-38013/1/84-ई०ए०—क्षेत्रीय निदेशक, दिल्ली के कार्यालय के श्री जे० एन० कपूर, विमान क्षेत्र अधिकारी निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने पर दिनांक 30-6-84 से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

सं० ए०-38013/1/84-ई०ए०—नियन्त्रक, विमान क्षेत्र, लखनऊ के कार्यालय के श्री डी० एन० गुप्ता, नियन्त्रक विमान क्षेत्र निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने पर दिनांक 30-6-84 से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

सं० ए०-38013/1/84-ई०ए०—क्षेत्रीय निदेशक दिल्ली के कार्यालय के श्री गुरमुख सिंह, विमान क्षेत्र अधिकारी निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने पर दिनांक 30-6-84 से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

जी० बी० लाल
सहायक निदेशक (प्रशासन)

बम्बई, दिनांक 30 जुलाई, 1984

सं० 1/20/84-स्था०—विदेश संचार सेवा के महा निदेशक एतद्वारा नई दिल्ली शाखा के पर्यवेक्षक, श्री बी० एच० खेमचन्दानी को तदर्थ आधार पर और स्थानीय व्यवस्थाओं के रूप में अल्पकालीन रिक्तियों पर नीचे लिखी अवधियों के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से उप परियात प्रबन्धक नियुक्त करते हैं :—

1. 11-7-1983 से 25-7-83
2. 7-11-83 से 26-11-83
3. 12-12-83 से 28-1-84

र० का० ठक्कर
उप निदेशक (प्रशा०)
कृते महानिदेशक

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्ता का कार्यालय

बम्बई, दिनांक 4 जुलाई, 1984

सं० 11/3ई (ए) 2/77-पार्ट-II—श्री बी० जी० घड़ियार, वरित श्रेणी, निरीक्षक ने प्रोन्नति पर दिनांक 6-7-1984

पूर्वा० से केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय बम्बई-1 में अधीक्षक समूह "ख" के रूप में कार्यभार संभाल लिया है।

सं० 11/3ई (ए) 2/77 पार्ट-II—श्री डी० बी० जोशी, प्रशासनिक अधिकारी, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समूह "ख", केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय, बम्बई-1 दिनांक 1-7-84 को स्वेच्छया सेवा निवृत्त हो गए हैं।

दिनांक 28 जुलाई, 1984

सं० एस० टी० 1/84-85—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमावली, 1944 के नियम 232ए के उप नियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क बलवण अधिनियम, 1944 की धारा 9 के अधीन न्यायालय द्वारा दोषी पाये गये व्यक्तियों और अधिनियम की धारा 33 में संदर्भित अधिकारी द्वारा रु० 10,000/- या उससे अधिक की राशि के लिए दण्डित व्यक्तियों के नाम व पते उप नियम-2 में उल्लिखित अन्य विवरणों सहित निम्न प्रकार से प्रकाशित किये जाते हैं।

I. न्यायालय के मामले

31 मार्च, 1984 को समाप्त तिमाही का विवरण

क्रम सं०	व्यक्ति का नाम	पता	वे प्रावधान जिनका उल्लंघन किया गया	अधिरोपित, वण्ड राशि
1.	श्री डी० एच० वीरा	26 जनसुख निवास कस्तूरबा मार्ग कांदीवली (पश्चिम) बम्बई-400 069	(क) धारा 9(1) (बी.) के अधीन (ख) धारा 9(1) (बी.बी.) के अधीन (ग) धारा 9(1) (बी.बी.बी.) के अधीन	कुल रु० 7,500 राशि का अर्थ- दंड/या इसे न भरने पर 3 मास का साधारण कारावास।
2.	श्री आर० पी० शयवाला	204 जय जलाराम बिल्डिंग, वडाला रोड, बम्बई-400 031	—यथोपरि—	—यथोपरि—
3.	श्री टी० जी० एन० मेनन	टमिनल अधीक्षक, काल्टेक्स इंडिया लिमिटेड, बम्बई	(क). धारा 9(1) (1) के अधीन	कुल रु० 27,000/- राशि का अर्थदंड/या इसे न भरने पर 6 मास का कठोर कारावास।
	अब वह कालगैस बार्टलिंग, कम्पनी लिमिटेड, हुबई, में कार्यरत बताया जाते हैं।			

II. विभागीय न्याय निर्णयन

क्रम सं०	व्यक्ति का नाम	पता	अधिनियम के प्रावधान या इसके अंतर्गत बने नियम जिनका उल्लंघन किया गया	अधिरूपित दण्ड राशि	धारा 33 के अंतर्गत जब्त किये जाने वाले शुल्क माल का अधि-कारी द्वारा न्याय निमित्त मूल्य ।	अधिनियम की धारा 34 के अधीन जब्ती के स्थान पर अर्थ दंड की राशि ।
1	2	3	4	5	6	7

—शून्य—

एच० एम० सिंह,
समाहर्ता
केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, बम्बई-1

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 28 जुलाई 1984

सं० ए-19012/1011/82-स्था० पांच—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री पी० के० सेन, पर्यवेक्षक को अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरी) के ग्रेड में स्थानापन्न रूप में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-1200 रुपए के वेतनमान में पूर्णतः अस्थायी तथा तदर्थ आधार पर एक वर्ष की अवधि के लिए अथवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, 25-1-1983 की पूर्वान्त से नियुक्त करते हैं ।

मीनाक्षी अरोड़ा

अवर सचिव

केन्द्रीय जल आयोग

(3) उनका प्रारम्भिक वेतन नियमानुसार निर्धारित किया जायेगा ।

पृथ्वी पाल सिंह
प्रशासन उप निदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 31 जुलाई 1984

सं० 30/29/83-ई० सी०-राष्ट्रपति निम्नलिखित सहायक इंजीनियरों (सिविल) को केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में तदर्थ आधार पर उनके नामों के आगे दिखाई गई तारीखों से अगले आदेशों तक कार्यपालक इंजीनियर (सिविल) के नाते नियुक्त करते हैं :-

सर्वश्री

1. वी० एल० शर्मा	14-6-84
2. पी० एस० राव	5-7-84
3. एच० डी० बर्दन	23-6-84
4. सी० वी० गोयल	20-6-84
5. जगदीश खल	4-6-84
6. ओ० पी० त्यागी-2	13-6-84
7. पी० पलानी (अ० जा०)	30-6-84

नानक सिंह
प्रशासन उपनिदेशक

निर्माण महानिदेशालय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 31 जुलाई 1984

सं० 1/278/69-ई० सी०-9—इस विभाग के वास्तुक श्री बाई० पी० पोपली वार्धक्य की आयु प्राप्त करने पर 31-7-84 (अपराह्न) को सरकारी सेवा से निवृत्त होते हैं ।

सं० 33/7/82-ई० सी०-9—निर्माण महानिदेशक, के० लो० नि० वि०, सहर्ष संघ लोक सेवा आयोग के एक नामित श्री मुखवीर सिंह को सहायक उद्यान निदेशक के अस्थायी पद पर सामान्य केन्द्रीय सेवा (ग्रुप "ख") में रुपए 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/- के वेतनमान में उद्यान निदेशालय में 21-6-84 (अपराह्न) से नए आदेशों तक नियुक्त करते हैं ।

(2) श्री सिंह को सहायक उद्यान निदेशक के नाते उनकी नियुक्ति की तिथि से 2 वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा पर रखा जाता है ।

2-206GI/84

केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण

नई दिल्ली-110066, दिनांक 2 अगस्त 1984

सं०-22/4/83-प्रशासन-I(ब)—अध्यक्ष, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण एतद्वारा निम्नलिखित तकनीकी सहायको/पर्यवेक्षकों को केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण में केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी (समूह "ख") सेवा के अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियन्ता

के ग्रेड में स्थानापन्न क्षमता में प्रत्येक के नाम के आगे दी गई तारीख से नियुक्त करते हैं :—

क्र० सं०	नाम व पदनाम	अतिरिक्त सहायक निदेशक के रूप में नियुक्ति की तारीख
सर्वश्री		
1.	वी० के० आनन्द, तकनीकी सहायक	10-7-84
2.	श्री बी० पी० शर्मा, पर्यवेक्षक	10-7-84
3.	बलवीर सिंह, पर्यवेक्षक	10-7-84
4.	श्री जे० के० भास्कर, पर्यवेक्षक	11-7-84 (अपराह)
5.	श्री आर० सी० टंडन, पर्यवेक्षक	11-7-84 (अपराह)
बी० एम० लाल, अवर सचिव		

चिसरंजन रेल इंजन कारखाना

चिसरंजन, दिनांक 31 जुलाई 1984

सं० जी० एम० ए०/जी० एस०/8 (प्रशासन)—निम्नलिखित स्थानापन्न द्वितीय श्रेणी अधिकारियों को जिनका इस प्रशासन में तृतीय श्रेणी के पद पर लियन है, उन्हें चिसरंजन रेल इंजन कारखाना के कामिक विभाग के संवर्ग में द्वितीय श्रेणी वेतनमान में उनके नाम के सामने अंकित स्थायीपद पर तथा अंकित तिथि से स्थायी किया जाता है :—

क्र० सं०	अधिकारियों का नाम तथा वर्तमान पदनाम	स्थायी पद जिस पर स्थायी किया गया	स्थायी करने की तारीख	रिक्त पद जिस पर स्थायी किया गया
सर्वश्री				
1.	डी० एन० चटर्जी, स्थानापन्न प्रवर कामिक अधिकारी (प्रशासन)	सहायक कामिक अधिकारी (2) (पूर्वाह्न) (श्रेणी-2)	01-01-83	एस० लक्ष्मनन के रेलवे सेवा से निवृत्ति होने के फलस्वरूप रिक्त पद हुए।
2.	के० के० मंडल, स्थानापन्न सहायक कामिक अधिकारी (2)	सहायक कल्याण अधिकारी (पूर्वाह्न) (श्रेणी-2)	04-03-83	श्री पी० सी० घोष के अवर वेतनमान (प्रथम श्रेणी) पद पर स्थायी होने के फलस्वरूप रिक्त पद हुए।
ए० ए० हट्टंगडी, महाप्रबन्धक				

विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनी के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स लखनऊ पावर रिकशा कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

ग्वालियर-471009, दिनांक 30 जुलाई 1984

सं० 1381/पी० एस०/सी० पी०/3749—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि मै० लखनऊ पावर रिकशा कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं मै० गीतान्जली इन्वेस्टमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड, ग्वालियर के विषय में।

ग्वालियर-474009, दिनांक 30 जुलाई 1984

सं० 1564/पी० एस०/सी० पी०/3750—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अन्तर्गत एतद्वारा सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन के दिनांक से तीन मास की समाप्ति पर, मै० गीतान्जली इन्वेस्टमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड, ग्वालियर का नाम, यदि इसके विरुद्ध कोई कारण न दर्शाया गया तो, रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा एवं कथित कम्पनी समाप्त हो जायेगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं मै० दिव्या इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड, ग्वालियर के विषय में।

ग्वालियर-474009, दिनांक 30 जुलाई 1984

सं० 1563/पी० एस०/सी० पी०/3751—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अन्तर्गत एतद्वारा सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन के दिनांक से तीन मास की समाप्ति पर, मै० दिव्या इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड, ग्वालियर का नाम, यदि इसके विरुद्ध कोई कारण न दर्शाया गया तो, रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा एवं कथित कम्पनी समाप्त हो जायेगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं मै० दी देवास सीनियर ट्रांसपोर्ट सर्विसेज प्रा० लि० के विषय में।

ग्वालियर-474009, दिनांक 30 जुलाई 1984

सं० 753/पी० एस०/सी० पी०/3752—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अन्तर्गत एतद्वारा सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन के दिनांक से तीन मास की समाप्ति पर, मै० दी० देवास सीनियर ट्रांसपोर्ट सर्विसेज प्रा० लि० का नाम, यदि इसके विरुद्ध कोई

कारण न दर्शाया गया तो, रजिस्टर से काट दिया जाएगा एवं कथित कम्पनी समाप्त हो जायेगी।

एस० करमाकर,
कम्पनी रजिस्ट्रार, मध्य प्रदेश

कम्पनी अधिनियम 1956 और विवेक सर्विसेस एण्ड फाइनेंस
कम्पनी प्रा० लि० के विषय में।

पटना-800001, दिनांक 31 जुलाई 1984

सं० (1174)560/2636—कम्पनी अधिनियम 1956
की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसार एतद्वारा सूचना दी जाती है कि विवेक सर्विसेस एण्ड फाइनेंस क० प्रा०

लि० का नाम आज कम्पनियों के रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

ए० बहाल अम्सारी
कम्पनी रजिस्ट्रार, बिहार

कम्पनी अधिनियम, 1956 और सीतक्काति मरैन इण्डस्ट्रीज
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 1 अगस्त 1984

सं० 5905/560/84—कम्पनी अधिनियम, 1956 की
धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर सीतक्काति मरैन इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

बि० ए० विजयन मेनन
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार
तमिलनाडु

संक्षेप भाग, टी. एम. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आई०-3/37 ईई०/4286/84-85—अतः

मुझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 601, बिल्डिंग नं० 2, यूनिट 'एस' सुन्दर नगर, एस० बी० रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचन में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाँहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती. शोभा राम हेमलानी ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सावित्री मूलचन्द जैसवाणी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभ्योहताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 601, बिल्डिंग नं० 2, यूनिट 'एस' सुन्दर नगर एस० बी० रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-3/37 ईई०/1637/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 नवम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 14-7-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री प्रवीण चन्द्र बी० भोजानो ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती तारुलता एम० पारेख ।

(अन्तरितो)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आई०-3/37 ईई०/4252/84-85--अतः

मुझे. ए० लहिरो

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० फ्लैट नं० 32, प्लॉट नं० 66, न्यू वसन्त
अपार्टमेंट गरोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961
की धारा 269 क, ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी, बम्बई
के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरितों
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 32, प्लॉट नं० 66, न्यू वसन्त अपार्टमेंट
गरोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व) बम्बई-77 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-3/37 ईई०/1643/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1
नवम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 13-7-1984
मोहर :

प्रकरण बाई. टी. एन. एड.-----

(1) मी० शैठ हन्टरप्राइजेस।

(अन्तरक)

(2) श्री रमणी रमेश सावंत।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निवेश सं. अई०-3/37 ईई०/4144/84-85—अनः
मुझे, ए० लहिरी
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी स० प्लैट न० 431, शालिनी, चौथी मंजिल,
एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर बम्बई में स्थित है (और
इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और
जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269
क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री
है तारीख 1 नवम्बर 1983
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कए बने के अन्तरण के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथाः—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लैट न० 431, शालिनी, चौथी मंजिल, एल० बी० एस०
मार्ग, घाटकोपर, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई-3/37 ईई०/1587/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक
1 नवम्बर, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 13-7-1984

मोहर :

प्राकृत आर्.टी.एन.एस.-----

(1) श्री विद्यानन्दन साधवन ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(2) श्री पारसमल जे० परमार ।

(अन्तरिती)

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० अई-3/37 ईई०/4162/84-85--अतः

मुझे, ए० लहिरो

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिमकी सं० प्लैट नं० 33, बिल्डिंग नं० सी० मनीष विजय को० आपरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड, वसाय नाका, चेंबूर बम्बई-74 में स्थित है (श्रीर इससे उपावृद्ध अनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय रजिस्ट्री है तारीख 1 नवम्बर 1983 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुमूची

प्लैट नं० 33, बिल्डिंग नं० सी० मनीष विजय को० आपरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी वसाय नाका चेंबूर बम्बई में स्थित है ।

अनुमूची जैसा कि क्रम सं० अई०-3/37 ईई०/1650/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरो

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 13-7-1984

मोहर :

प्रत्यक्ष बाह्य. टी. एन. एम.-----

(1) श्री अजय कुमार पंचेरी बाला।

(अन्तरक)

(2) मै० कपूर कैमिली ट्रस्ट।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आई०-3/37 ईई०/4230/84-85--अतः

मुझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 106, पहली मंजिल, 'सी' विंग 'वीना नगर' मालाड (पश्चिम), बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, सूक्ष्म प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन धर देने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी तबकी बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही पर्य्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 106, पहली मंजिल, सी विंग, 'वीना नगर'; मालाड (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-3/37 ईई०/1607/84-85 और जो सूक्ष्म प्राधिकारी, बम्बई द्वारा तारीख 1 नवम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सूक्ष्म प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 13-7-1984

मोहर :

प्ररूप आर्ह. टी. एन. एस. -----

(1) मै० एम्मेन प्रोमेस प्राइवेट लिमिटेड।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

(2) मै० काप वूड आर्ट्स।

(अन्तरक)

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० अई०-3/37 ईई०/4272/84-85—अतः

मुझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 119 और 120, पहली मंजिल न्यू सतगुरु नानकीय इण्डस्ट्रियल इस्टेट, 498, वेस्टर्न एक्सप्रेस, हाईवे गोरेगांव, बम्बई-63 में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसको दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के नियम; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
मैं, मै०, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

3-269 G1/84

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

साफ़ीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, का उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 119 और 120, पहली मंजिल, न्यू सतगुरु नानकी इण्डस्ट्रियल इस्टेट, 498, वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे, गोरेगांव, बम्बई-63 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई०-3/37 ईई०/1584/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 नवम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 13-7-1984

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमती सुनन्दी बाई खटावकर।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

(2) श्री टी० के० सी० वैद्यन
मूल रेफिजरेशन।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० अई०-3/37 ईई०/4256/84-85-अतः

मुझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० ग्राप नं० 9, वाकोला पंकज को० आपरेटिव
हाउसिंग सोसाइटी, नेहरू रोड, वाकोला ब्रिज, सांताक्रूस
(पूर्व), बम्बई-55 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिका करारनामा आयकर
अधिनियम, 1961 की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधि-
कारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 नवम्बर, 1983
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन करने के अंतरक के शायित्य में
कमी करने या उगम करने में सविधा के लिए;
कोर/भा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
का, चिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

ग्राप नं० 9, वाकोला पंकज को० आपरेटिव हाउसिंग
सोसाइटी, नेहरू रोड, वाकोला ब्रिज, सांताक्रूस (पूर्व), बम्बई-
55 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई-3/37 ईई०/1644/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा 1-11-83
रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मै. मै., उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 13-7-1984

मोहर :

प्रूप. आई. टी. एन. एस. -----

1. श्री रविण कुमार कांतगलाल बोशी।

(अन्तरक)

2. श्रीनिपून जसवंतलाल शहा।

(अन्तरितो)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई-3/37ईई/4201/84-85—अतः मुझे,
ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० शाप नं० 15, मालाड जागृति प्रिमायसेस
को-आप० हाउसिंग लिमिटेड, 1 लो मंजिल, मालाड (प०),
बम्बई, में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी,
बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निर्दिष्ट में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

शाप नं० 15, वि मालाड जागृति प्रिमायसेस को-आप०
हाउसिंग लिमिटेड, 1 लो मंजिल, मालाड (प०), बम्बई में
स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० आई-3/37 ईई/1583/84-85 और
जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83 को रजिस्टर्ड
किया गया है।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 3, बम्बई

दिनांक : 13-7-1984

मोहर

प्रकरण नम्बर टी. एन. एस. -----

1. श्रीमती राधाबेन माधवजी ठक्कर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती नैनाबेन देवजी काटिरा।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० अई-3/37 ईई/3961/84-85—अतः मुझे,
ए० लहिरोआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० लोखित को-आप० हार्जिसग सोसायटी लिमिटेड,
2री मंजिल, फ्लेट नं० 85 घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) और जिसका कार्यालय आयकर अधिनियम 1961
की धारा 269 ग, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के
कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 11 नवम्बर 1983को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एस दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कोथन नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 85, 2री मंजिल, लोखित को-आप० हार्जिसग
सोसायटी लिमिटेड, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है।अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-3/37 ईई/1611/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरो

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 13-7-1984

महोदय :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - - -

1. श्री थामस जिलिमा,
और श्री अलान जिलिमा

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

2. मेसर्स अलपिन बिल्डर्स

(अन्तरितो)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई दिनांक, 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई-3/37ईई/4262/84-85 अतः, मुझे
ए० लहिरी,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० सी० टी० एम० न० 537, हिस्सा न०
186, 186-1, 1-ए और 1-बी, विलेज वालनाय, माला,
बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है और जिसका कारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी,
बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-11-83को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरोक्तों) और अन्तरितो
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सं० टी० न० 537, हिस्सा न० 186, 186-1, 1-ए और
1-बी, विलेज वालनाय, मालाज, बम्बई में स्थित है।अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37ईई/1636/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 13-7-1984

सहोदर :

प्रश्न नम्बर. टी. एन. ए. ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई-3/37ईई/1168/84-85—अतः मुझे,
ए० लाहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० ए-28, 5वीं मंजिल, न भारत
अपार्टमेंट्स को-ऑप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, आर० सी०
मार्ग, चेंबर, बम्बई-74 में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क. ख के अधीन
सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्रार तारीख
1-11-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके खयमान प्रतिफल से, ऐसे खयमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्रीमती सोताबाई एन० भोजवानीकुज

(अन्तरक)

2. श्रीमती पोपरी एन० मोटवानी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० ए-28, 5वीं मंजिल, नवभारत अपार्टमेंट्स को
आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, आर० सी० मार्ग, चेंबर
बम्बई-74 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37ईई/1156/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लाहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 13-7-1984

मोहर :

ब्रह्म बार्ट टी. एन. एस. - - -

1. श्री कनयालाल के० भगतानी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

2. मेमर्स कपूर फेमिली ट्रस्ट

(अन्तर्गति)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० अई-3/37ईई/4231/84-85—अन: मुझे,

ए० लहिरो,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 301, 3री मंजिल, ई-विंग, 'विना नगर' मालाड (पश्चिम), बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करार नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269ग, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-11-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित अनुबंध से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सजिजा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सजिजा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 301, 3री मंजिल, ई-विंग, "विना नगर", मालाड (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-3/37ईई/1632/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरो

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 13-7-1984

मोहर

प्रारूप भाई. टी. एन. एस.-----

1. श्री राहुल बिल्डर्स

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री वसंत वेनोराम विवेदी

(अन्तरिनी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई-4/37ईई/2722/84-85—अतः मुझे,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० गाप नं० 3, कृष्ण कुटीर, फैक्टरी लेन एल० टी० रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 23-11-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिनी (अन्तरिनीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण ने हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में परिणाम के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आयों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिसमें से कटौती के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितयुक्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गाप नं० 3, कृष्ण कुटीर, फैक्टरी लेन, एल० टी० रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-4/37ईई/ /84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 23-11-83 को रजिस्ट्री किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4 बम्बई

दिनांक : 13-7-1984

माहुर :

प्रकरण आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, बम्बई

बम्बई दिनांक 17 जुलाई 1984

निर्देश सं० अई-2/37ईई/9108/83-84—प्रतः मुझे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी नं० यूनिट नं० 217/बी, 2री मंजिल, हिंद
सौराष्ट्र इण्डस्ट्रियल इस्टेट, अंधेरी कुर्ली रोड, अंधेरी (पूर्व),
बम्बई-59 में स्थित है तथा जो बम्बई में स्थित है (और
इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा
269-क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 12-11-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की यावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिनः :-

4-206 GI/84

1. श्रीमती पृष्णा डी० गाथाऊ

(अन्तरक)

2. श्री कवर भान मलिक,
श्री श्रीम प्रकाश मलिक,
और श्रीमती निलम कपिल

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 217/बी, 2री मंजिल हिंद सौराष्ट्र इण्डस्ट्रि-
यल इस्टेट, अंधेरी कुर्ली रोड, अंधेरी (पूर्व), बम्बई में
स्थित है।

अनुसूची जैसा कि नं० सं० अई-2/37ईई/9108/83-
84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
12-11-1983 को रजिस्ट्री किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 17-7-1984

मोहर :

प्रत्यक्ष भाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जुलाई 1984

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/8692/83-84—अतः, मुझे,
लक्ष्मण दाम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 46 है तथा जो सर्वोदया इंडस्ट्रियल
इस्टेट, महाकाली केहस रोड, चक्काला, बम्बई-400 093 अंधेरी
(पूर्व) में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अथवा अधिकारी के कार्यालय,
बम्बई में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की
1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई
के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 25-11-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की वास्तविक, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तविक में कमी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था विधान में
सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कैलाश नाथ एच० जैन ।

(अन्तरक)

2. मेसर्स विजयकुमार जैन

(एच० यू० एफ०)

और अशोक कुमार जैन

(एच० यू० एफ०)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-
बल किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 46, सर्वोदया इंडस्ट्रियल इस्टेट, महाकाली ।
केहस रोड, चक्काला, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-400093 ।
अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-2/37-ईई/8692/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-11-1983
को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दाम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 10-7-1984

मोहर :

प्रारूप भाई, टी. एन. एस. -----

1. श्री श्रीमल विन्डर्स।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

2. श्री नरेन्द्र माधुराजजी जमावत,
श्री सुरेश माधुराजजी जमावत
मोहनकुमारी म० जमावत।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई-2/37-ईई/86 37/83-84—अतः; मुझे,
लक्ष्मणदास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी म० कमल कुंज धोबीघाट लेन, जयप्रकाश रोड़, अंधेरी
बम्बई 400058 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
की 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी,
बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 19-11-1983
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बहुत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

पता—कमल कुंज, धोबीघाट लेन, जयप्रकाश रोड़, अंधेरी
(प०), बम्बई 400 058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37-ईई/8637/
1983-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
19-11-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बम्बई,

तारीख : 10-7-1984
मोहर :

प्रकृष बाई. टी. एच. एच. -----

1. मेसर्स नीबल कन्स्ट्रक्शन कं०

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

2. श्री मुबेर अब्दुल हमीद घोषावकर

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश अई-22/37-ईई/8503/83-84—अतः

मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 304, हबीब पार्क को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी, ओगेश्वरी (प०) स्टेशन के सामने, बम्बई-400 102 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 3-11-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य वास्तविकों को 'जम्हा' भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार ग, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यावाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 304, हबीब पार्क, को-ऑप० हाउसिंग सोसायटी, ओगेश्वरी (प०) स्टेशन के सामने, बम्बई-400 102

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-2/37-ईई/8503 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-11-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 13-7-1984

मोहर :

प्रश्न क्र. टी. एन. एस.

1. श्री विजय कुमार मेहरा

(अन्तरक)

भाषाकरण अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती तेरेसा गार्डिज

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश नं० आई-22/37-ईई/9135/83-84—यतः मुसे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 502, कविता अपार्टमेंट्स, सि०
टी० एस० नं० 1030, यारी रोड, वासोवा, अंधेरी (प०)
बम्बई-400 061 में स्थित है और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है,
तारीख 15-11-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बन्धु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी भाव की बाध, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्यय से कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 502, कविता अपार्टमेंट्स सि० टी० एस० नं०
1030, यारी रोड, वासोवा, अंधेरी (प०) बम्बई-400 061
अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37-ईई/9135/
83-84/और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
15-11-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 13-7-1984
मोहर :

प्रथम भाग. टी. एन. ए.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भाउल चरकाउ

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई-

बम्बई, दिनांक 5 जुलाई 1984

निर्देश सं० अई-2/37ईई/8586/83-84--अतः

मुझे, लक्ष्मण दाम,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
₹5,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 505, विद्यादनी को-ऑपरेटिव
हाउसिंग सोसायटी, सहार विलेज, अंधेरी (पूर्व),
बम्बई-69 में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम 1961 की धारा 269 ग के अधीन बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक
14-11-83 को

और पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के नियम;
बाद/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधि-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रबोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बचत :-

(1) मेसर्स इंडिको कन्स्ट्रक्शन कंपनी ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कारमिन कंस्टेलिनो ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्जनों के लिए
कार्यवाहियां करवाता हूँ।

उक्त संपत्ति के बर्जनों के सम्बन्ध में कोई भी भाग :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बोध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 505, विद्यादनी को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी,
सहार विलेज, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-69 में स्थित है :

अनुसूची जिसकी क्र० सं० अई-2/37ईई/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-11-83
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक :- 5-7-1984
मोहर :-

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई-2/37 ईई/8788/83-84—अतः मुझे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० इंडस्ट्रियल मैड नं० जी, ग्रा० फ्लोर, बि०
नं० 23, श्री लक्ष्मी इंडस्ट्रियल इस्टेट, विरा देसाई रोड के सामने,
प्रोशिवरा रोड, अंधेरी (प०) बम्बई-58 में स्थित है
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा
269-घ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है, दिनांक 28-11-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री लक्ष्मी इण्डस्ट्रियल इस्टेट।

(अन्तरक)

(2) मेमर्स ग्राफिक पेपर कन्वर्टर्स।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
लिए कार्यवाहियां कस्ता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

इण्डस्ट्रियल शीड नं० जी ग्राऊण्ड फ्लोर, बि० नं०
23 श्री लक्ष्मी इंड० इस्टेट, विरा देसाई रोड के सामने,
प्रोशिवरा रोड, अंधेरी (प०) बम्बई-58।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37 ईई/8788/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
28-11-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
प्रथम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दि २५
मोहर ३

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - -

(1) तारीख प्रकाशन करने।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जुलाई 1984

निर्देश सं० अई-2/37 ईई/3792/83-84—अतः

मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह निश्चय करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 2, तलमाला, बान्द्रा, को-ऑपरेटिव हाऊसिंग सोसायटी, 382, समर ब्रीड, रोड नं० 15, टी० पी० एस०-3 बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 27-11-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण-के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गान्धिका रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (2) 1. नरगीश एच० मिस्त्री,
2. श्रीमती रोशन एफ० दाहवाला और
3. एस० के० घाड़ीयाली

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० 2, जो तलमाला, बान्द्रा, को-ऑपरेटिव हाऊसिंग सोसायटी, 382, समर ब्रीड, रोड नं० 15, टी० पी० एस०-3 बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-2/37 ईई/3792/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27-11-83 को रजिस्ट्री किया गया है ।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 11-7-1984

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई-2/37 ईई/9103/83-84—अतः

मुझे, लक्ष्मण दास,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० फ्लैट नं० 2, चेतना,
142/143 जय प्रकाश रोड अंधेरी (प०), बम्बई-4 58
में स्थित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम,
1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 15-11-1983
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी या किसी भू-या अन्य वास्तवों
को जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भू-
कर अधिनियम, 19(7) (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्खास्त :—

5-206GI 84

(1) मेसर्स अशीश डेवलपमेंट कारपोरेशन।

(अन्तरक)

(2) श्री चन्दन उर्फ चन्द्रभान पी० स्वरूप।

(अन्तरिती)

(3) वसोंदा चेतना प्रिमीसेस को-आपरेटिव हाऊसिंग
सोसायटी लि०,

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन की निम्न
कार्रवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 2 'चेतना' 142/143 जय प्रकाश रोड,
अंधेरी (प०), बम्बई-400058

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37ईई/9103/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
15-11-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 13-7-1984

सोहर।

अरूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई-2-37 ईई/3794/83-84—प्रतः मुझे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 9, दूसरी मंजील, कमल कुंज
विल्डिंग, सब पोस्ट, नं० -6, नार्थ आफ इरला
ताला, नेव्हीपीडी स्कीम, बम्बई-400048 में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा
269 क.ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय
में रजिस्ट्री है, तारीख 28-11-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आम की वारस, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाधित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों
को चिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रवर्धनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) श्रीमती ईश्वरी देवी ठाकूरदार डूबेजा
(अन्तरक)
- (2) श्री किरण प्रभुदास मानवीय
(अन्तरिती)
- (3) अन्तरक
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशुध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

पता फ्लैट नं० 9, कमल कुंज विल्डिंग, नार्थ आफ
इरला ताला, नेव्हीपीडी-स्कीम, बम्बई-400049।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3794/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 28-11-83
को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 7-7-984
मोहर []

प्रारूप आई.टी.एन.एस. :-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रजन रेंज-2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 जुलाई 1984

निवेश सं० आई-2/37 ईई/8604/83-84—अतः

मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० शाप नं० 1 बीच अपार्टमेंट प्लॉट नं० 25,
बर्सावा रोड, अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई 400061 में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा
269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय
में रजिस्ट्री है, दिनांक 17-11-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
से, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

- (1) डा० हमी फारुख बेरामजी
श्रीमती दिलनवाज खोश्रू केलाई वाला
श्रीमती बेहनाज अस्पी बिलिमोरिया
कु० फरनाज कैखोश्रूफ जेहान
(अन्तरक)
- (2) श्री अशोक
श्रीनिवास नायडू व श्रीमती वंजा अशोक नायडू।
(अन्तरिती)
- (3) अन्तरिती
(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

शाप नं० 1, बीच अपार्टमेंट, प्लॉट नं० 25, बर्सावा रोड,
अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-400061।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37 ईई/8604/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-12-1983
को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 7-7-1984

माहुर :

प्रकथन माह: टी, एन, एच:-----

भाषाकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निराकरण)
प्रज्ञप्त रेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 जुलाई, 1984

निर्देश सं० अई-2/37 ईई/3774/83-84—अतः मुझे,
रण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें दसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 3, 12 माला, बी विंग, कान्ती अपार्ट-
मेंट, माउन्ट मेरी रोड, बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका
अन्तर्नामा प्रायकर प्राधिनियम 1961 की धारा 269 क
न के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री
३, तारीख 25 नवम्बर 1983

यहाँ पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के अथवा अनि-
तिशक्त के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
अत्यल्प प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी नाब की वास्त, जस्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कभी करने या उससे बचने में सुविधा में सिद्ध; और/या

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों का बिना भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्राष्ट्रीय द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसार
 १. अ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
 २. अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्नातः :—

1. श्रीमती पुष्पा बालिया ।

(अन्तरक)

2. श्री काले—किलर ।

(अन्तरिती)

3. अन्तरिणी

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन को सिद्ध कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप —

(क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के हासल में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बोध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा स्थापित/स्थापनी के पास निहित में किए जा सकेंगे।

समाजीकरण:-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सख्त भाषाविदसम के अनुसार 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो सब व्यापार में दिया गया है।

बहुमुखी

प्लेट नं० ३, १२ माला, 'बी' विंग, कांती अपार्ट-
मेंट, माउन्ट मेरी रोड, बांद्रा, बम्बई-४०००५०।

अनुसूची जंसा की क्र० सं० आई-2/37 ईई/3774/83-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)
प्रार्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 7-7-1984
मोहर :

प्रथम भाग टी. एन. ए. ए. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

माध्यम सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 जुलाई 1984

निर्देश सं० अई-2/37 ईई/3706/83-84—अतः मुझे
लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य,
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 7, 2रा माला-स्मृति—भट्टे सरद
को० ऑ० होसिंग सोसायटी लि० प्लॉट नं० 421-15 रोड़,
खार-बम्बई-400052 में स्थित है (और इससे उपायद अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम 1961 की धारा 269क ख के अधीन सक्षम
प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 10
नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि अभावपूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण से किए गए तथा
नया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्चित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अनुसरण से हुई किसी बात का वास्तविक, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अनुसरण के
अविवेक में कमी करने या उचित करने से इतिहास
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तविक
को चिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनु-
कृत अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रवचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या वा किया जाना चाहिए था, जिसने से इतिहास
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
नहीं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिनियम :—

1. श्रीमती अने विसलवा।

(अन्तरक)

2. ध्यानेश शंकरराव हेमाडी और श्रीमती लीला ज्ञानेश
हेमाडी।

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपभोक्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 7, 2रा माला-स्मृति बिल्डिंग—भट्टे सरद को-
ऑप हाउसिंग सोसायटी लि० प्लॉट नं० 421, 15 रोड़
खार वेस्ट—बम्बई-400052।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० अई-2/37 ईई/3706/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-11-
1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 6-7-1984

सीहर:

प्रकृष भाई, टी. एन. एस. ---

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जुलाई 1984

निर्देश सं० 2 अई-2/37 ईई/8611/83-84—प्रतः मुझे
लक्ष्मण दास

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० इन्डस्ट्रियल शेड नं० 56, 3, शिवशक्ति
इन्डस्ट्रियल इस्टेट, मरोल विलेज, आफ अंधेरी कुर्ला रोड—
अंधेरी (ईस्ट), बम्बई-400059 में स्थित है (और इससे
उपायध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और
जिसका करारनामा भाषाकर अधिनियम 1961 की धारा
269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम अधिकारी के
कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 14 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) बम्बई से हुई किसी भाषा की भाषा, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अनुसूचक के दायित्व
में कमी करने या उद्योग करने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी भाषा या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय भाषा-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 14) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसूचक
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेसर्स शिवशक्ति बिल्डर्स।

(अन्तरक)

2. मेसर्स शक्ति इजि० एण्ड डाईंग कास्टिंग।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थों के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्थों के सम्बन्ध में कोई भी अपेक्षा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्मीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

बम्बई

इन्डस्ट्रियल शेड नं० 56, फासे नं० 3, शिवशक्ति
इन्डस्ट्रियल इस्टेट, मरोल विलेज, अंधेरी कुर्ला रोड—अंधेरी
(ईस्ट), बम्बई-400059

अनुसूची जैसा की क्र० सं० अई-2/33 ईई/8611/1983-
84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-11-
1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 5-7-1984

मोहर :

प्रत्यक्ष बाजार की सूचनाएं

बाजार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकृत (निरीक्षण)
अर्जेंट रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जुलाई 1984

निर्देश सं० अई-2/37 ईई/8668/83-84—अतः मुझे
लक्ष्मण दास

बाजार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 401, 4थी मंजोली, निर्माण
काटेज, यारी रोड़ वर्सीवा, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है
(और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा
269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है, तारीख 21 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की इस्मामान
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
नया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप में नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण के द्वारा किसी काम की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक की शक्ति में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी काम या किसी धन अन्य वास्तविकता
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तरक
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स निर्माण बिल्डर्स।

(अन्तरक)

2. श्री बंधिस पास ठेकेंकरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

बसोवा, अंधेरी (प), बम्बई-400061 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० अई-2/37 ईई/8668
83-84—और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
21-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेंट रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 11-7-84
मोहर :

प्रमाण जारी टी. एन. एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 जुलाई 84

निदेश सं० अई-2/37 ईई/3723/-83-84—प्रतः

मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 9, वृंदावन, टागोर रोड, सान्ताक्रूझ (पश्चिम), बम्बई-400054 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 14-11-83 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय राशि नया प्रतिफल निर्दिष्टित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कभी नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तियों के बिना भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार न, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, कर्ता :-

(1) श्रीमती नंदिनी सुरेशचन्द्र केकरे

(अन्तरक)

(2) श्री सुरेशचन्द्र वसन्तराय मेहता
श्रीमती सुधा सुरेशचन्द्र मेहता

(अन्तरितों)

(3) अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है),

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आपे :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 9, वृंदावन, टागोर रोड, सान्ताक्रूझ (पश्चिम)
बम्बई-400054

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-2/37 ईई/3723/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2 बम्बई

दिनांक : 6-7-84

मोहर

प्रमाण आर्.टी.एन.ए.ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 जुलाई 84

निदेश सं० आई-2/37 ईई/8490-83-84—अतः

मुझे; लक्ष्मण, वास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 10,4 माला, 'बी' विंग, अदित्य अपार्टमेंट, ओल्ड नागरदाम रोड अन्धेरी (पूर्व), बम्बई-400069 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, 'बम्बई' के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 3-11-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

6-206G1/84

(1) मैसर्स गोयल बिल्डर्स प्रा० लि०

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रावारानी आर० टंडन और श्री सुनिल आर० टंडन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 10, 4 माला—बी० विंग अदित्य अपार्टमेंट, ओल्ड नागरदाम रोड, अन्धेरी (दृष्ट बम्बई 400069 अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37 ईई/8490/1983-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 31-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण वास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज-2, बम्बई,

दिनांक : 7-7-84

मोहर

प्रकाश जाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1983

निदेश सं० आई-22/37 ईई/9101/83-84—अतः

मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 6 बि० नं० 4 तिसरी मंजिल
मनीष दर्शन, राजेन्द्र कृपा को अपार्टमेंट हाऊसिंग सोसायटी लि०
सहार रोड, अंधेरी (पूर्व) बम्बई-400059 में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-ख के अधीन
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 11-11-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ह्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके ह्यमान प्रतिफल से, ऐसे ह्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लेखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(अ) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्ययत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनों के अन्तर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यवस्थायों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती कुसूम वी० गांधी

(अन्तरक)

(2) श्री भावेश विनोदराय दोशी

(अन्तरिती)

(3) ट्रान्सफरर

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है),

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 6, तिसरी मंजिल, बिल्डिंग नं० 4 मनीष
दर्शन, राजेन्द्र कृपा को अपार्टमेंट हाऊसिंग सोसायटी लि०,
सहार रोड, अंधेरी (पूर्व) बम्बई-59 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37 ईई/9101
/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11
11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 13-7-84

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 जुलाई 1984

निदेश सं० आई-2/37 ईई/3703/83-84—अतः मुझे
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लैट नं० 15, मुरलीगोविन्द को-ऑपरेटिव
हाउसिंग सोसायटी प्लॉट नं० 427-15 रोड, खार बम्बई-
400052 में स्थित है (और इससे उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), और जिसका करारनाम आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269 क,ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी,
बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 10-11-83
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग को अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री विहारीलाल टी० एल० दास और जगदाश
टी० बजाज

(अन्तरक)

(2) श्री० विजय एन० रहेजा
श्रीमती दूर एन० रहेजा

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 15, मुरली गोविन्द को-ऑपरेटिव हाउसिंग
सोसायटी लि० प्लॉट नं० 427, 15 रोड, खार बम्बई-
400052

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० ई-2/37 ईई/3703
1984 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-
11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 6-7-84

मोहर :

प्रत्येक बार 12 टी. एन. एच. एच. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 जुलाई 84

निदेश सं० अई-2/37 ईई/3756/83-84--अतः

मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 4, पहली, मंजील, माहिम मेरी निकेतन को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि०, बंजा-वाडी, एफ० पी० नं० 689, माहिम बम्बई 400016 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 21-11-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि म्हापूवोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरणों के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तविक, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके वर्चस्व में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तविकता को चिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री गिरधारीलाल टी० हरिसिगानी

(अन्तरक)

(2) श्री के० मोहम्मद अली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 4, पहली मंजील माहिम मेरी निकेतन को-ऑप० हाउसिंग सोसायटी लि०, बंजा वाडी, एफ० पी०, नं० 689 माहिम, बम्बई-400016

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-2/37-ईई/3756/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 6-7-84

मोह०

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 जुलाई 1984

निर्देश सं० अई-11/37 ईई/8620/83-84—अतः

मुझे, लक्ष्मणदास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसको उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 103, कांचन इंडस्ट्रियल इस्टेट, अंधेरी कुर्ली रोड मोहिल विलेज बम्बई-400072 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 19-11-83

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण के द्वारा किसी भाग की वास्तव उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स पैरामाऊन्ट पैकेजिंग इन्डस्ट्रीज

(अन्तरिक)

(2) मेसर्स बेन्टली टेक्सटाईल इन्डस्ट्रीज प्रा० लि०

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है,

अनुसूची

पता: यूनिट नं० 103, कांचन इंडस्ट्रियल इस्टेट अंधेरी कुर्ली रोड मोहिली विलेज, बम्बई-400072 ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-11/37 ईई/8620/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मणदास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, बम्बई

दिनांक : 6-7-84

मोहर

प्रत्यक्ष आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई-II/37 ईई/33/8805-83/84--

अतः मुझे, लक्ष्मणदास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को; यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० शाप नं० 8 तल मंजिल एवरेस्ट बिल्डिंग,
जय प्रकाश नारायण रोड़, बसोवा-ग्रंधेरी, (वेस्ट) बम्बई-
400061 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर
पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधि-
नियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई
स्थित प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक
29-11-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य भास्त्रियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्तानु है—

(1) नाहारशेठ एण्ड जोगान असोसिएट्स

(अन्तरक)

(2) श्री सुरदर्शन आनंदजी रासपुत्रा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

शाप नं० 8, तल मंजिल एवरेस्ट बिल्डिंग, जय प्रकाश
नारायण रोड़, बसोवा, ग्रंधेरी (पश्चिम), बम्बई-400061।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-II/37 ईई/8805/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
29-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मणदास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II बम्बई

दिनांक : 13-7-84

मोहर :

प्रकृष बाई. टी. एन. एस. -----

(1) श्रीमती शांतिबाई एस० जैन ।

(अन्तरक)

(2) श्री चमनलाल कौल ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जुलाई 1984

निर्देश सं० अई-II/37 ईई/8800/83-84--अतः,
मुझे, लक्ष्मणदास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 1102, 11वीं मंजिल,
एवरेस्ट, जय प्रकाश रोड, वसोवा, बम्बई 400061 में
स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961
की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 28-11-83

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्णित :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 1102 जो 11वीं मंजिल एवरेस्ट, जय प्रकाश
रोड, वसोवा, बम्बई-400061 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-II/37 ईई/8800/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
28-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मणदास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, बम्बई

दिनांक : 11-7-84
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

भाष्य अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन इलाका-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० 22/37 ईई/8792/83-84--यतः मुझे
लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिरफ़ी सं० प्लेट नं० 307, "बी" विंग, तीसरी मंजिल,
पंचशील, अथुरादास वामनजी रोड, अन्धेरी (पूर्व), बम्बई-
400 069 में स्थित है और जिसका करारनामा आयकर अधि-
नियम 1961 की धारा 269-घ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 29-11-1983
को पूर्वोक्त सम्पत्ति से उचित बाजार मूल्य से कम को दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री खेमचन्द बी० कोठारी
कर्ता खेमचन्द बी० कोठारी (एच० यू० एफ०)
(अन्तरक)
- (2) डा० बंडू एन० पामडी
श्रीमती विजया बी० पामडी
(अन्तरिती)
- (3) मेसर्स विजय कन्स्ट्रक्शन कम्पनी
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति में अर्जन को लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों को
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 307, "बी" विंग, तीसरी मंजिल, "पंचशील",
मथुरादास वामनजी रोड, अन्धेरी (पूर्व); बम्बई-400 069।
अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37ईई/8792/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 29-11-1983
को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन इलाका-2, बम्बई।

दिनांक : 13-7-1984

मोहर :

सकल आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन इलाका-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई-22/37ईई/9144/83-84---यतः, मुझे,

लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 502, 5-माला, तलाठी अपार्टमेंट, बम्बई-58 नियर इरला ब्रिज, एम० बी० रोड अंधेरी (पश्चिम), बम्बई-58 में स्थित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-घ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

7-206 GI/84

(1) श्री आर० एम० जाम एण्ड

श्रीमती पी० एम० नास्ता

(अन्तरक)

(2) श्री स्वाती भरत दलाल

(अन्तरिती)

(3) मेसर्स सिक्को डेवलपमेंटर्स

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 502, 5 माला, तलाठी अपार्टमेंट नियर इरला ब्रिज, एम० बी० रोड, अंधेरी (वेस्ट)—बम्बई-400 058।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-2/37ईई/9144/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-11-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन इलाका-2, बम्बई

दिनांक : 13-7-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) मेसर्स के० जे० ब्रिजर्स

(अन्तरक)

(2) श्री नन्दलाल गोपालदास तोलानी ।

(अन्तरिणी)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11, बम्बई

बम्बई, दिनांक 17 जुलाई 1984

निदेश सं० आई-2/37ईई/3773/83-84-अतः मुझे,

लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० शाप नं० 1, ग्राउंड फ्लोअर, प्लॉट नं० 376,
एट दि जंक्शन आफ 16 और 33 रोड, टी० पी० एस० 111,
बोव्रा, बम्बई-50 में स्थित है । (और इसमें उपाखण्ड अनुसूची में
और पूर्णरूप से वर्णित है), और जिसका 21 कराचनामा आयकर
अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड है, दिनांक 24-11-
1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी
(अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आम्निशों
को, निम्न भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किसे या सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

शाप नं० 1, ग्राउंड फ्लोअर, प्लॉट नं० 376 एट दि०
जंक्शन आफ 16 और 33 रोड, टी० पी० एस०-111, बोव्रा, बम्बई-
50 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-2/37ईई/3773/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24-11-83
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11, बम्बई

दिनांक : 17-7-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन इलाका—2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आई-22, 37ईई/8678/83-84--अतःमुझे.

लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं०प्लैट नं० 303 अनुपम, तीसरी मंजिल, दादाभाई
क्रास लेन नं० 2, बसोंवा रोड, अंधेरी (प०) बम्बई-58 में स्थित
है। और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 के
धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 25-11-1983,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और यह कि अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों-
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती सुजीवा निरंजन टापीवाला

एवं श्री निरंजन रतीलाल टापीवाला ।

(अन्तरक)

(2) श्री महादेव रामचन्द्र कदम एवं

श्रीमती भालती महादेव कदम

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

प्लैट नं० 303, अनुपम, तीसरी मंजिल, दादाभाई क्रास लेन
नं० 2, बसोंवा रोड, अंधेरी (प०) बम्बई-400 058 ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37ईई/8678/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-11-1983
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन इलाका—2, बम्बई

दिनांक : 13-7-1984

मोहर :

प्रकृ. जाई. डी. एन. एन. -----

(1) श्री चतुर्मुख प्रतीक

(प्रतीक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्री पुरुषोत्तम सी० मनवाणी,
श्री मनोहर सी० मनवाणी ।

(अन्तरिक्ष)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई-II/37ईई/38उप/83-84—यतः सुखे,

लक्ष्मणदास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 4, 1ला माला, सुधा बिल्डिंग, प्लॉट
नं० 605, खार, बम्बई-400052 में स्थित है (और इससे
उपान्वृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कब कि
अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में, रजिस्ट्री
है, दिनांक 28-11-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरिक्ष (अन्तरिक्षों) और अन्तरिक्षी
(अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरिक्ष के लिए तम पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरिक्ष लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरिक्ष से हुए किसी काम की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरिक्ष के
बायित्व में किसी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी काम या किसी धन या अन्य आस्तियों
के, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 4, 1ला माला, सुधा बिल्डिंग, प्लॉट नं० 605,
15वां रोड, खार, बम्बई-5400 052 ।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-II/37ईई/3834/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-11-1983
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मणदास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, बम्बई

दिनांक : 13-7-1984

मोहर :

प्रकृष आइ.टी.एन.एस.-----

(1) श्री निर्मल जैन

(अन्तरक)

(2) श्री इस्माइल अब्दुल हुसैन कायाबाला

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

जैन रेंज-II, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० अई-37ईई/8667/83-84—यत्, मुझे,
सक्षमणदास,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 611, 6वीं मंजिल, एवरेस्ट बिल्डिंग,
जयप्रकाश नारायण रोड, बसोवा, अंधेरी (प०), बम्बई 400 061
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961
की धारा 289 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 22-11-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
प्राया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
विहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से है कि किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाबत में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 611, एवरेस्ट बिल्डिंग, जयप्रकाश नारायण रोड,
बसोवा, अंधेरी (प०), बम्बई 400 061 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-II/37ईई/8667/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22-11-1983
को रजिस्टर्ड किया गया है।

सक्षमणदास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, बम्बई।

दिनांक : 13-7-1984

मोहर :

प्रकाशक: श्री. ए. ए. ए.-----

भाषक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भाषक दफ्तर

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 जुलाई 1984

निर्देश सं० अई-II/37ईई/8651/83-84—यतः, मुझे,
लक्ष्मणदास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० बी-49 ए बी-48, सुनील निवास
को०-आप० हाउसिंग सोसा० लि० चार बंगला, जे० पी० रोड,
वर्सावा, अन्धेरी, बम्बई-400 058 में स्थित है (और इससे
उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है,
दिनांक 21-11-1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी भूत या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भूतकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बम्बई—

- (1) श्री किशन पेसुमल जाधानी
(अन्तरक)
- (2) श्री नरसिंह गगनदास सचानन्दाजी
(अन्तरिती)
- (3) अन्तरक
(वह व्यक्ति, जिसके अधिकारों में सम्पत्ति है)
- (4) श्रीमती सी० एन० करमचन्दानी
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तव्य :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० बी-48, सुनील निवास को०-आप० हाउसिंग सोसायटी
लि०, चार बंगला, जे० पी० रोड०, अन्धेरी, बम्बई-4000581
अनुसूची जैसा कि सं० अई-II/37 ईई/8651/83-
84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21-11-83
को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मणदास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, बम्बई

दिनांक : 7-7-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एच. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई-II/37ईई/9099/83-84—यतः, मुझे,
लक्ष्मणदास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 17, ए-विंग सुनील निवास
को-आप० हाउ० सोसा० लि०, चार बंगला, जे० पी०
रोड, अन्धेरी (प०), बम्बई-400 058 । में स्थित है
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा
269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है, दिनांक 3-11-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंत-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सी० पी० घनानी

(अन्तरक)

(2) श्रीमती दुर्गा एल० दीपचंदानी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 17, ए-विंग, सुनील निवास को-आप० हाउसिंग
सोसायटी लि०, चार बंगला, जे० पी० रोड अन्धेरी
(प०), बम्बई-58 ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-II/37ईई/9099/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-11-1983
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मणदास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, बम्बई

दिनांक : 13-7-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

(1) रोकाडीया एण्टरप्राइजेस ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री विपुल म० संजनवाला और श्रीमती सरयू विपुल संजनवाला ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, बम्बई

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

बम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1984

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० आई-II/37ईई/8608/83-84—यतः, मुझे,

लक्ष्मणदास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 12, रोकाडीया निकेतन, पारसी पंचायत रोड, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-69 में स्थित है (और इससे उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-11-83 ,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वारत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

फ्लैट नं० 12, जो पहली मंजिल, "रोकाडीया निकेतन", सी० टी० एस० नं० 141-बी, एस० नं० 50, हिस्सा नं० 3-एफ-मोजे मोफ्रा, पारसी पंचायत रोड, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-400069 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-II/37ईई/8608/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मणदास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बधत्त :—

दिनांक : 12-7-1984

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 जुलाई 1984

निदेश सं० आई-2/37ईई/3708/83-84--अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लैट नं० 202, विशाल अपार्टमेंट, जानकी-कुटीर, बम्बई-400 054, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 12-11-1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायिले में कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

8-20601184

- (1) डा० मनोज बेलूभाई पटेल, (अन्तरक)
- (2) मेसर्स गोल्डन टोबेको कम्पनी लिमिटेड (अन्तरिती)
- (3) अन्तरिती
(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 202, विशाल अपार्टमेंट, जानकी कुटीर, बम्बई-400 054।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37ईई/37082/1983-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-11-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई।

दिनांक : 6-7-1984
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एम.एस. -----

(1) श्री शम्बीश शेख फखरुद्दीन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) मेसर्स सायकून ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन इलाका-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० अई-22/37ईई/8793/83-84—अतः मुझे,
लक्ष्मण दास,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है;और जिसकी सं० इण्डस्ट्रियल यूनिट नं० एल-फेज नं० 8/
इण्डस्ट्रियल एरिया लक्ष्मी इण्डस्ट्रियल इस्टेट-ब्लाक इ, सर्वे
नं० 41, विलेज ओशिवरा ग्रेटर बम्बई में स्थित है और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख
के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री
है, दिनांक 26-11-1983को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
इन्हें प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित से नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे अचानक में क्षति
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए।अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वय
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

इण्डस्ट्रियल यूनिट सं० एल-फेज नं० 8, आप दि इण्डस्ट्रियल
एरिया और लक्ष्मी इण्डस्ट्रियल इस्टेट-ब्लाक इ- सर्वे नं० 41,
विलेज ओशिवरा -ग्रेटर बम्बई ।अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-2/37ईई/8705/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-11-1983
को रजिस्टर्ड किया गया है ।लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेन इलाका-2, बम्बई

दिनांक : 13-7-1984

मोहर 3

प्रश्न भाई. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 जुलाई 1984

निदेश सं० आई-2/37ईई/3666/83-84—अतः मुझे,

लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसका पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 101, पहिली मंजिल, अमीत अपार्टमेंट विंग 'ए' दादाभाई क्रास रोड नं० 3, विलेपार्ले (पश्चिम), बम्बई-400 056 में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-1-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने का उद्देश्य बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) मेसर्स कांस्लि विल्बर्स

(अन्तरक)

(2) श्री रमणीक लाल डी० मेहता
तरला आर० मेहता

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन की सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 101, पहिली मंजिल, अमीत अपार्टमेंट विंग 'ए' दादाभाई क्रास रोड नं० 3, विलेपार्ले (पश्चिम), बम्बई-400056
अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37ईई/3666/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-द्वितीय, बम्बई

दिनांक : 7-7-84

मोहर :

प्रमाण आई.टी.एन.एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज -2, नई दिल्ली

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आई-22/37ईई/8530/83-84—अतः मुझे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० इण्डस्ट्रियल यूनिट सं० 114, शिवाई इण्डस्ट्रीज
इस्टेट सांकीनाका अंधेरी कुर्ली रोड, बम्बई-400059 में स्थित
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है)
है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की
धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 8-11-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
अतिरिक्त निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अंतरण से हुई किसी आम की भावना, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
व्ययित्व में कभी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—

(1) श्री अवतार सिंह ए० अरोरा एण्ड रामचन्द्र जी०
छाबरिया

(अन्तरक)

(2) माजदा एक्सपोर्ट एण्ड मशनरिज प्रा० लि०

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में स्थाप्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

इण्डस्ट्रियल यूनिट सं० 114, शिवाई इण्डस्ट्रीज, इस्टेट,
सांकीनाका अंधेरी कुर्ली रोड, बम्बई-400 059 ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37ईई/8530/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-11-83 को
रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन इलाका-2, बम्बई

दिनांक : 13-8-1984

मोहर :

प्रश्न आई.टी.एन.एस.-----

(1) मेसर्स नोबल कन्स्ट्रक्शन कं०

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) नबी रहम इब्राहिम

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आई-22/37ईई/8534/83-84—अतः मुझे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को; यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० फ्लैट नं० 501, 5वीं मंजिल, बांदिवली, हबीब पार्क, को० आप० हाउसिंग सोसा० लि० जोगेश्वरी (प०) बम्बई 400102, में स्थित है (और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड है दिनांक 11-11-1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पर्याप्त पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बारूकिक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वजह से, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तररिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् की अवधियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि के भी अवधि बाव में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 501, 5वीं मंजिल, बांदिवली, हबीब पार्क को० आप० हाउसिंग सोसायटी लि० बांदिवली, जोगेश्वरी (प०), बम्बई-400102।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37ईई/8534/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11-11-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 13-7-1984

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) मास्टर निमण के० पाटेल

मिस निना के पाटेल 4

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री रमेश एम० कापडीय

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 जुलाई 1984

निदेश सं० अई-2/37ईई/8454/83-84--अतः मुझे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 4, 6 माला, थकरस अपार्टमेंट, 203,
सी० डी० बर्फावाला मार्ग अंधेरी (पश्चिम) बम्बई (और इससे
उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है,
दिनांक 1-11-1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अत-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अनुसरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के
वाशित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिति :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० 4, 6 माला टाकरस अपार्टमेंट, 203 सी० डी०
बर्फावाला मार्ग, अंधेरी (प०)—4 बम्बई ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-2/37ईई/8454/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83 को
रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 7-7-1984

साहूर :

प्रकृष बाई. टी. एन्. एस.-----

(1) झकैरिया आघाडी बिलडर्स

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री राम श्रीचरण यादव

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 जुलाई 1984

निदेश सं० अई-2/37ईई/8808/83-84--अतः मुझे,--

लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० शाप नं० 1, बिडिल्य "जे", ग्रा० फ्लोअर, झकैरिया आघाडी-नगर, गुलमोहोर आर्टन, यारी रोड, बर्सोवा, बम्बई 400 060 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), और जिसका केरारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 19-11-1983, को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण अंकित न वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविल में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बहि/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा-269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्थात् अक्षरों के पाठ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शाप नं० 1, बि० "जे", ग्रा० फ्लोअर, झकैरिया आघाडी नगर, गुलमोहोर आर्टन, यारी रोड, बर्सोवा, बम्बई-400060

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-2/37ईई/8808, 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-11-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 8-7-1984

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन इलाका-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० अई-2/37ईई/8558/83-84-अतः मुझे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लैट नं० 604, तिवोली टावर्स, (निर्माणाधीन)
आफ जे० पी० रोड, अंधेरी (प०), बम्बई में स्थित है और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख
के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री
है, दिनांक जुलाई, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) तुलसीयनी बिल्डर्स एण्ड टैकटाइल्स,
प्राइवेट लिमिटेड ।

(अन्तरक)

(2) श्री रमेश सी० दोदानी और संगिता आर० दोदानी
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 604 जो, 'तिवोली टावर्स' (निर्माणाधीन), प्लॉट
नं० 22, अपना घर को० आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी के पास,
आफ जे० पी० रोड, अंधेरी (प०), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-2/37ईई/8558/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-11-83
को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन इलाका-2, बम्बई

दिनांक : 13-7-1984

मोह०

प्रकृष माई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

अभ्यास, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन इलाका-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० अई-22/37ईई/8463-83-84---अतः मुझे,

लक्ष्मण बास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० फ्लैट नं० 12-बी, 5वीं मंजिल, सब-प्लॉट नं०
1 (प्लॉट नं० 5 में से) सं० नं० 287, अंधेरी (पश्चिम), बम्बई
400049 में स्थित है और जिसका करारनामा आयकर अधि-
नियम 1961 की धारा 269-ग के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 2-11-1983,
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में मृत्तिभा के लिए
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृत्तिभा
के लिए;अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—
9—206GI/84

(1) श्री नवीद जोहर बुरहानुद्दीन साहेब

(अन्तरक)

(2) श्री विजय कुमार एस० जैन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० 12-बी, 5वीं मंजिल, सब-प्लॉट नं० 1, (प्लॉट
नं० 5 का) सं० नं० 287, अंधेरी (पश्चिम), बम्बई-400049अनुसूची जैसा कि सं० अई-2/37ईई/8463/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-11-1983
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण बास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन इलाका-2, बम्बई

दिनांक : 13-7-1984

मोहर :

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई-2/37ईई/3702/83-84—अतः मुझे,

लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 32, तीसरी मंजिल, बिल्डिंग नं०
“ए” कोझीहोम को० आप० हाउसिंग सोसायटी लि० 251,
पाली हिल, बान्द्रा, बम्बई-400 050 में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), और जिसका
क्रारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 ब, ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक
10/11/1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती फिरदौस जेहन चुनू खान
(अन्तरक)
- (2) श्रीमती नीतू प्रताप तेजसिंधानी
(अन्तरिती)
- (3) श्रीमती नीतू प्रताप तेजसिंधानी
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन से निम्न
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 32, तीसरी मंजिल, बिल्डिंग नं० “ए”, कोझीहोम
को० आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 251 पाली हिल, बान्द्रा,
बम्बई 400050

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37ईई/3702/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-11-1983
को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, बम्बई

दिनांक : 7-7-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1984

निवेदन सं० आई-2/37ईई/9151/83-84—अतः मुझे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 101, पहली मंजिल, बी-2, बिल्डिंग
विद्यादिनी को० आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी, सहार, विहलेज,
अंधेरी (पूर्व) बम्बई 69 में स्थित है और जिसका करार नामा
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 15-
11-1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 260-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथा—

(1) मेसर्स इंडिको० कंस्ट्रक्शन कम्पनी ।

(अन्तरक)

(2) श्री फ्रान्सिस शेवीयर एग्रीयो ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 101, जो पहली मंजिल, बिल्डिंग—बी, विद्यादिनी
को० आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी, सहार विहलेज, अंधेरी (पूर्व),
बम्बई 400069 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई-2/37ईई/9151/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-11-1983
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 12-7-1984

गोहर

प्रकृष माहः टी. एन्. एल्. २३३ - ३३

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जुलाई 84

निर्देश सं० अई-2/37ईई/8695/83-84—अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 213, बिल्डिंग नं० एफ-2 इ० एफ०एफ० जम्बो दर्शन को-ऑपरेटिव हाऊसिंग सोसायटी लिमिटेड, अंधेरी (पू०), बम्बई 400069 में स्थित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 24-11-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग का उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जसवंतराव दामोदरराव संधवी

(अन्तरक)

(2) 1. रणजीत जमनादास कनकीया
2. जमनादास आत्माराम कनकीया
3. हिता रणजीत कनकीया

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० 213, बिल्डिंग नं० एफ०-2, इ०एफ०एफ० जम्बो दर्शन को-ऑपरेटिव हाऊसिंग सोसायटी लिमिटेड, वेस्टमें एक्सप्रेस हाय वे, गोल्ड स्पार्ट फैक्टरी के सामने, अंधेरी (पू०), बम्बई 400069,

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० अई-2/37ईई/8695/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24/11/83 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 11-7-84.
मोहर :

इसके प्राई टो एन. एन. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सड़कार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन इलाका-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० अई-22/37-ईई/5705/83-84-- तः मुझे,
लक्ष्मणदास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 203 "सी०" ब्लॉक, समीर को
आप० हौ० सोसा० लि० सात बंगला जे० पी० रोड अन्धेरी
प० बम्बई-409 058 में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका
फाररनामा आदकर अधिनियम 1961 की धारा 269
क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है दिनांक 14 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बहु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
मासिक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

- (1) श्री अब्दुल रसक मोहम्मद अली मीरान
(अन्तरक)
- (2) श्रीमती सीनाक्षी एन० शेट्टी
(अन्तरिती)
- (3) अन्तरक
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 203, "सी" ब्लॉक, समीर को-आपरेटिव
हौसिंग सोसायटी, सात बंगला, जे० पी० रोड, अन्धेरी (प०).
बम्बई-400 058।

अनुसूची जैसा की क्र०सं० अई-2/37ईई/5705/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11/11
1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन इलाका-2, बम्बई

तारीख : 13-7-1984
मोहर :

प्रकट भाग टी.एन.एच.-----

(1) श्रीमती पुष्पा हाशानंद राजानी और
श्री हाशानंद एल० राजानी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती भारती कैपचंद बाघबाणी

(अन्तराती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० अई-22/37ईई/9106/83-84--अतः सुणे,
लक्ष्मणदास.आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० प्लेट नं० 301 ए-मनिष नगर, बम्बई-
400058 प्लॉट नं० 25-26, 4 बंगलो, ऑफ जे०पी० रोड,
अन्धेरी (वेस्ट) में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची
में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका दस्तावेजनामा
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-घ के अधीन
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री
है तारीख 11 अक्टूबर 1983को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एक दृश्यमान प्रतिफल का
पर्याप्त प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण के द्वारा किसी बात की वारंश, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बादिल में कमी करने या उक्त बचने में सुविधा
के लिए; और/वा(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर या अन्य किसी अन्य
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्थात् अन्तराक्षरी के पाम
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 301-ए, मनिष नगर, प्लॉट नं० 25-26,
ऑफ जे०पी० रोड : 4 बंगलो, अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-
400 058।अनुसूची जैसा की क्र०सं० अई-2/37ईई/9106/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11 नवम्बर
83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मणदास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 13-7-1984

मोहर :

प्ररूप आदेश टी एन. एस. - - - - -

(1) श्री नरेन्द्र भाटिया

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती वर्षा धवल जोशी

(अन्तरिणी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 जुलाई 1984

निदेश सं० अई-2/37-ईई/3707/83-84-अतः मुझे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 5, तुला अपार्टमेंट, स्टेट
ट्रान्स्पोर्ट रोड, शान्तकुज (पश्चिम), बम्बई-400 054 (अन्तर्गत)
(पश्चिम) में स्थित है (और जहाँ उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका स्थावर सम्पत्ति आयकर
अधिनियम 1961 की धारा 269-घ के अधीन सक्षम
प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में स्थित है, दिनांक
10 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, जैसे दृश्यमान प्रतिफल के
पेड़ प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिणी
(अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या करदाता करने में सुविधा
के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा स्मृत नहीं किया गया
या का किया जाता स्मृत है, विधान के अधीन
के लिए।

अतः यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की अन्तर्गत (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

पता—फ्लेट नं० 5, तुला मंजला—तुला अपार्टमेंट, स्टेट
ट्रान्स्पोर्ट रोड, शान्तकुज (पश्चिम)—बम्बई-400054

तुलसुखी जैना की क्र० सं० अई-2/37 ईई/3707/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10
नवम्बर 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 7-7-1984

माहुर :

प्रस्प. बाई. टी. एन. एस. -----

(1) मेसर्स शिवशक्ति बिल्डर्स।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) मेसर्स ट्रायस्टार इंजीनियरिंग।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1984

निर्देश सं० अई-2/37ईई/8618/83-84--अतः मुझे,
लक्ष्मणवास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

गौरी विस्तकी सं० इन्डस्ट्रियल जेड नं० 3, शिवशक्ति इण्डस्ट्री-
यन इस्टेट, मरोल विल्हेज, अंधेरी (पू.), बम्बई-69 में स्थित
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961
की धारा 269-ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-
कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 18 नवम्बर
1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

इण्डस्ट्रियल जेड नं० 3, शिवशक्ति इण्डस्ट्रियल इस्टेट,
एस नं० 79, एच० नं० 15, एस० नं० 80, एच० नं० 1, मरोल
विल्हेज, आफ अंधेरी कूलो रोड, अंधेरी (पू.), बम्बई-69।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० अई-2/37ईई/8618/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-11-83
को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मणवास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 12-7-1984

मोहर :

प्रारूप: आई. टी. एन. एस. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जुलाई 1984

निदेश सं०आई-2/37ईई/8613/83-84---अतः मुझे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 4, 502, 5वीं मंजिल, निर्माण
काटेज, यारो रोड, बसोंवा, अन्धेरी बम्बई-400061
में स्थित है (और इसमें उपानव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269 क,ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी,
बम्बई के कार्यालय में रजिस्टर्ड है, दिनांक 17 नवम्बर 1983
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम का दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एम्मे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एंसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

10-206GI/84

(1) मेक्स निर्माण विल्डर्स

(अन्तरक)

(2) श्री रत्नाकर एल० गेट्टी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 502, 5वीं मंजिल, निर्माण काटेज,
यारो रोड, बसोंवा, अन्धेरी (प०); बम्बई-400 061।

अनुसूची जैसा कि क्र०सं० आई-2/37-ईई/8613/83-
84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17
नवम्बर 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बम्बई

तारीख : 10-7-84

साहेब

प्रकट नम्बर टी. एन. एस्. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० अई-2/37ईई/8484/83-84—अतः मुझे,
लक्ष्मण दाम,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है
और जिसकी सं० प्लेट नं० 502, कोहिनूर बी० बिल्डिंग
जोगेश्वरी (पश्चिम) हंजर सिनेमा के पास, बम्बई में स्थित,
है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की
धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 3 नवम्बर 1983
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी अ.र की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
का, जिसका भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मेसर्स होरिझोन कन्स्ट्रक्शन कं० प्रा० लि०
(अन्तरक)
- (2) श्री एवं श्रीमती बुरजोर होमोसजी बाजीना
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

प्लेट नं० 502, कोहिनूर बी बिल्डिंग, जोगेश्वरी (पश्चिम)
हंजर सिनेमा के पास, बम्बई ।

अनुसूची जैसा की क्र०सं० अई-2/37ईई/8484/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-11-
1983 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दाम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 13-7-1984 ।

मोहर

प्रकृष आर्.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० अई-2/जी-37/3582/83-84—अंतः मुझे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सीटी सर्वे नं० 769, बान्द्रा टी पी एस 3
है तथा जो बान्द्रा में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
19 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. विशानभय खेमचंद ल० दास मेहरोत्रा
(अन्तरक)
2. श्री सुन्दर दयाराम सज्जानी और
श्रीमती ईश्वरीबाई दयाराम सज्जानी।
(अन्तरिती)

3. अन्तरित
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा की विलेख सं० वॉम एस-2855/80 और
जो उपर रजिस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनांक 19 नवम्बर 1983
को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकाणी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 13 जुलाई 1984
मोहर :

प्रमुख बाई-टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 जुलाई 1984

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/3718/83-84—अतः मुझे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० बुडलैंड अपार्टमेंट फाइनल प्लॉट नं० 577,
टिपीएस-3, तथा जो महिम, बम्बई-400016 में स्थित है
(और इससे उपाय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की
धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के
कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 14 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री प्रेम एच० ललवाणी,

(अन्तरक)

2. श्री मुरारी किशनलाल धिनगाजेरीया

(अन्तरिती)

3. अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

बुडलैंड अपार्टमेंट, फाइनल प्लॉट नं० 577,
टिपीएस-3, माहिम, बम्बई-400 016।

अनुसूची जैसा की अ० सं० अई-2/37ईई/3718/1983-
84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा 14-11-1983
को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 7 जुलाई 1984
मोहर :

परूप आर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जुलाई 1984

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/8578/83-84—अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 10, 11-ए दाऊदबाग रोड, सी०टी०एस० नं० 94, अन्धेरी प० बम्बई, में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), अधीन और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 13-11-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ता) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृजिषा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या इनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सृजिषा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती सोहीनी महेन्द्र शाह

(अन्तरक)

2. श्री दिपक कुमार शान्तीलाल बढियानी

(अन्तरिती)

3. अन्तरक

(यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यावाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपोहस्ताक्षरी के पाठ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 10, 11-ए, दाऊद बाग रोड, सी०टी०एस० नं०, 94, अन्धेरी (प०) बम्बई।

अनुसूची जैसा की फ०सं०, अई-2/37-ईई 8578/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 13 नवम्बर 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 7-7-84

मोहर

प्ररूप भाई. टी. एन. एस. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 जुलाई, 1984

निदेश संआई-2/37-ईई/3731/83-84—अतः मुझे,

लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसको सं० फ्लैट नं० 1, एफ०पी० नं० 688, टोपी-
एस-3, बाल्लवाडी, आफ एल० जे०, रोड, नाहिन बम्बई-400-
016, माहिम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम
प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्रार है, दिनांक
17 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
हासिल में कमी करने या उससे बचने में द्विधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
द्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री मलीसाहेब आबुल रहीम गावे
इम्राहाम आबुल रहीम गावे
नाजमुनिसा आबुल रहीम गावे
सैराभई आबुल रहीम गावे (अन्तरक)
- (2) मोहम्मद अनोस सन्त आफ हबीब कुरेसी
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपवादस्थायी के
पक्ष लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

पता—फ्लैट नं० 1, एफ० नं०, 688 टोपीएस-3,
बाल्लवाडी, आफ एल० जे० रोड, माहिम, बम्बई-400 016।

अनुसूची जैसा कि क्र०स० आई-2/37/ईई/3731/83-84
और जो संख्या प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17 नवम्बर
1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बम्बई

तारीख : 7-7-1984

माहुर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

1 मेसर्स शिवशक्ती बिल्डर्स,

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2 श्री अमेदुनीसा मोहम्मद अहमद लात

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जुलाई 1984

निवेश सं० 2आई-2/37ईई/8467/83-84--अतः मुझे,
लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० इन्डस्ट्रियल शेड नं० 61, तल मजला,
फैज 3, शिवशक्ती इन्डस्ट्रियल इस्टेट-एस० नं० 79, एच०
एच० नं० 15, एस० नं० 80, एच० नं० 1 मरोल
व्हिलेज, अन्धेरी, कुर्ला रोड, अन्धेरी (पूर्व०) बम्बई, 400
059 ल० में स्थित है और इससे उपावृद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है, और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड है दिनांक
3 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त
अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरक की
वास्तविक में कमी करने या उक्त वर्णन में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ई
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

इन्डस्ट्रियल शेड नं० 61, फैज 3, शिवशक्ती इन्डस्ट्रियल इस्टेट
मरोल व्हिलेज आंफ अन्धेरी कुर्ला रोड—अन्धेरी इस्ट
बम्बई-400 059 ।

अनुसूची: जैसा की क्र०सं० आई-2/37-ईई/8467/83-
84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3 नवम्बर
1983 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 5 जुलाई 1984
मोहर ॥

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं०आई-22/37-ईई/3800-83-84-अतः

मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 13, 3री माला, 74 सरस्वती
रोड, सांताक्रूज (वेस्ट), बम्बई-400 054 में स्थित है और
जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1965 की धारा 269
क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में
रजिस्ट्री है दिनांक 29 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिकी
(अन्तरिकीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
अतः, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1),
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों के अर्थात् :-

(1) श्री कानजोमई रामजोगई पांचाल,

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रेखा सतीशगई शाह

श्री सतीशभाई अरविन्दगई शाह

(अन्तरिकी)

(3) अन्तरक

वह व्यक्ति जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति
है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 13, 3 रा माला, 74 सरस्वती रोड,
सांताक्रूज (वेस्ट), बम्बई-400 054।

अनुसूची जैसा कि क्र०स० आई-2/37ईई/3800/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 29 नवम्बर
1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 13-7-1984

मोहर :

प्रश्न बाई-टी.एन.एस.

(1) श्रीमती सावित्री हिरालाल लालबानी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्री जयन्त एन० दिक्षित

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आई-22/37-ईई/8489/83-84—अतः मुझे,
मुझे, लक्ष्मणदास,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु से अधिक है
और जिसकी सं० प्लेट नं० 5, वि० नं० 5, मनीषदर्शन,
सहार पार्क लाईन रोड, ग्रंथेरी कुर्ली रोड के सामने, बम्बई
400 059 में स्थित है, और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित
और जो सक्षम प्राधिकारी, का कार्यालय बम्बई द्वारा दिनांक
3 नवम्बर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयंमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके स्वयंमान प्रतिफल से ऐसे स्वयंमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कभी नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तुओं
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

11-206GI/84

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त सबों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 5, पहिली मंजिल, वि० नं० 5, मनीष दर्शन, सहार
पार्क लाईन रोड, ग्रंथेरी कुर्ली रोड के सामने, बम्बई-
400 059 ।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 13-7-1984

मोहर

प्रकट नाम: डॉ. एम्. एम्. —

(1) श्रीमती कोकिला बी० कंधारी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 जुलाई 1984

निदेश सं० आई-2/37-ईई/8477/83-84—अतः मुझे

लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० फ्लेट नं० बी-601, तुलसीयानो कॉम्प्लेक्स, चार बंगला, वसोवा अन्धेरो (पश्चिम) बम्बई तथा जो 400058 में स्थित है और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 12 नवम्बर 1983 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रातफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, निम्न भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(2) श्री बेहराम एम० देवू

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्रवाहियां करवा रहा हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० बी-601, तुलसीयानो कॉम्प्लेक्स, चार बंगला, वसोवा, अन्धेरो पश्चिम०, (बम्बई)।

अनुसूची जैसा कि क्र०सं० आई-2/37-ईई/83-84 और सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12 नवम्बर 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 6 जुलाई 1984

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जुलाई 1984

निदेश सं० आई-2/37-ईई/3691/83-84--अतः मुझे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसे सं० फ्लेट नं० 17, शृङ्गीराज को-ऑप० हीसिंग
सोसाइटी लिमिटेड पोद्दार, स्ट्रीट, सान्ताक्रूस (पश्चिम) है तथा जो
बम्बई 400054 में स्थित है) और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा अधिनियम
अधिनियम 1961 की धारा 269-ब के अधीन बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक
3 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
बे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री तेमचंद भरनाल गुटका

(अन्तरक)

(2) श्री निरञ्जन अबलराम डबकर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश्व
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 17, शृङ्गीराज को-ऑप० हीसिंग सोसाइटी
लिमिटेड, (राजर्षी), पोद्दार स्ट्रीट, सान्ताक्रूस (पश्चिम)
बम्बई-400 054।

अनुसूची जैता की क्र० सं० आई-2/37 ईई/3691/83-
84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-11-
83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 5 जुलाई 1984

मोहर।

प्रत्येक भाग में टी. ए. एस. ए. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जुलाई 1984

निदेश सं० अई-2/37ईई/3673/83-84—अतः मुझे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० जी/3, तल मंजला, ए विंग
सर्वे नं०-218, हिस्सा नं० 4, किले पाले (प०); है तथा जो
बम्बई 400 056, किले पाले (पश्चिम) में स्थित है (और इसमें
उपरोक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269
क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री
है, तारीख 1 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) आयकर के दृष्टि से किसी आय की राशि, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
राशियत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; बहिर्वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भूतकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेर्सर्स मंचवी कन्स्ट्रक्शन,

(अन्तरक)

(2) श्री छोटे लाल चतुर्भुज ग्राह
और पुष्पा छोटे लाल ग्राह

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

पता—प्लेट नं० जी-3, तल मंजला, जे विंग, सर्वे
नं० 218, हिस्सा नं० 4, किले पाले (पश्चिम), बम्बई—
400 056।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-2/37 ईई/3673/83-
84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1
नवम्बर 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकार,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 10-7-1984

मोहर

प्रथम भाग, टी. नं. एम. एम.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० अई०/2/37जी/3597/83-84—अतः मुझे,

अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 21 जी० एस० रोड, अन्धेरी, (ईस्ट), क्र० सं० 50
ए, (पार्ट) 50 बी० (पार्ट), सी० एस० न० 121, व्हीले पार्क,
विल्लेज, तालुका अन्धेरी है तथा जो अन्धेरी, बम्बई में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 28-11-83

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्त) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तक्ष पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग का वानत, उक्त
अधिनियम के अधीन कट्टे करने के अन्तरक के
वाचित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी भाग या किसी भू-भाग या अन्य वास्तव्यो
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भायकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रतिलाल मंगलाल पारिख

(अन्तरक)

2. श्रीराम मुल्ला, ताहेरअल्ली, पाठणवाला,

(अन्तरिती)

3. किरायेदार

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों का
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० बाम/एस०-1968/79,
और जो उप रजिस्ट्रार बम्बई द्वारा रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, बम्बई

दिनांक : 13-7-1984

मोहर

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई-2/37(जी)/83-84--अतः मुझे,
लक्ष्मण दास,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० सी० टी० एस० नं० ई/361, प्लॉट नं० 356,
लिकिंग रोड, खार है तथा जो बम्बई-52 में स्थित है (और
इससे उपान्वित अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 9-11-83
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय-पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्वा में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

1. श्री आर० आर० कर्णिक, एम० आर० कर्णिक,
सी० आर० कर्णिक, व्ही० आर० कर्णिक, पी० आर०
कर्णिक और आर० आर० कर्णिक।

(अन्तरक)

2. राम-जानकी को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि०
(अन्तरिती)

3. (1) श्री एस० आर० दवे,
श्रीमती सुशीला आर. दवे

(2) श्री ए० एस० वैद्य।

(3) श्री आर० एस० राव।

(4) डॉ० पी० डी० मधोक।

(5) मिस लीना नाईक।

(6) श्री पी० आर० कर्णिक।

(7) श्री एम० आर० कर्णिक।

(8) श्री आर० आर० कर्णिक।

श्री ए० आर० कर्णिक।

(9) श्री पी० एन० मजूमदार।

श्रीमती एल० मजूमदार।

(10) एन० सी० कर्णिक।

श्री यू० सी० कर्णिक।

(11) श्री आर० आर० कर्णिक।

(12) श्रीमती सी० आर० मेहता।

(13) श्री टी० एम० नाईक।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बन्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अभावेस्तुधारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख संख्या 990/78 उप रजिस्ट्रार,
बम्बई द्वारा दिनांक 9-11-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 13-7-1984

मोहर :

प्रकृष आर्.टी.एम्.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई-2/37(जी)/3584/83-84—अतः

मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 129, एच० नं० 3, 5, 11 और 12
सर्वे नं० 143, हिस्सा नं० 2-4-5-6 और 3, सर्वे नं० 314,
हिस्सा नं० 6-10 और 13 सर्वे नं० 315, हिस्सा नं० 3,
सी० टी० एस० नं० 72, 80, 81, 82, 84, 86 और 93
खार (इस्ट), गांव बन्दरा, तालुक अन्धेरी, बम्बई में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 2-11-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

1. मैसर्स इस्टर्न बैंक ट्रस्टी, एण्ड एक्जिक्यूटिव कंपनी
(इन्डिया), प्रा० लि०

(अन्तरक)

2. जवाहर नगर, मोशल बैलकेयर सोसायटी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशंका —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पक्ष
निर्दिष्ट में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० बाम/एस-395/83 और जो
उप रजिस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनांक 2-11-83 को रजिस्टर्ड
किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

दिनांक : 10-7-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन्. एस. ----

1. श्रीमती सुनीता आर० जोतवानी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जुलाई, 1984

निर्देश सं० आई-2/37ईई/8593/84-84—प्रतः मुझे
लक्ष्मण दास
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० बी-14/507, अपना घर,
नं० 9, को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि० ओशिवरा, जे० पी०
रोड, के सामने, अन्धेरी, (प०), बम्बई-400 058 में स्थित है
(और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा
269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है दिनांक 17-11-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. श्रीमती आरती जे० वासवानी,
कुमारी ललिका आर० जोतवानी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० बी-14/507, अपना घर यूनिट नं० 9, को-
आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, ओशिवरा, जे० पी० रोड,
के सामने, अन्धेरी, (प०), बम्बई-400 058

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/237ईई/8593/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-11-83
को रजिस्टर्ड किया गया ।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2 बम्बई

दिनांक 5-7-1984

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई, 1984

निर्देश सं० आई०-2/37ईई/8794/83-84—अतः मुझे
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लैट नं० 48, चौथी मंजिल, बिल्डिंग "बी" अन्धेरी
गुरु छाया को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड
मनीष नगर, चार बंगला, अन्धेरी (प०) बम्बई में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा
269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है दिनांक 29-11-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिओं, अर्थात्

12-206GI/84

1. कैप्टन करण बिट्टल बोलार,

(अन्तरक)

2. श्रीमती सईद झरीना पुत्री सईद मीर हुसनुल नईब
(अन्तरिती)

3. अन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 48, चौथी मंजिल, बिल्डिंग, "बी" अन्धेरी
गुरु छाया, को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि० मनीषनगर,
चार बंगला, अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37ईई/8794/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 29-11-1983
को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 13-7-1984

मोहर

प्रमाण आई. टी. एन. एस.-----

(1) मैसर्स चौहान ग्रुप ब्रदर्स।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) मोहम्मद युसुफ अ० करीम खोकर,
श्रीमती खैरुन्निसा बेगम एम० आई० खोकर।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन इलाका-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई-22/37ईई/8675/83-84:—अतः

मुझे, लक्ष्मणदास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 1, दूसरी मंजिल, साजिद टावर, 58/
59, मोगरे विलेज, एस० बी० रोड, ग्रन्धेरी, बम्बई-400058
में स्थित है (और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961
की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 23-11-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायित्व
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है कि मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दायित्व प्रतिफल से, ऐसे दायित्व प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 1, दूसरी मंजिल, साजिद टावर, 58/59, मोगरे
विलेज, एस० बी० रोड, ग्रन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-400058।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37ईई/8675/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 23/11/1983
को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन इलाका-2, बम्बई

तारीख : 13-7-1984

मोहर :

प्रमुख आई.टी.एन.एस.-----

(1) मैसर्स राठोड़ ग्रन्थ परमार ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(2) श्री कश्यप चन्दूलाल शाह और,
श्रीमति धूर्ती के० शाह ।

(अन्तरिती)

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 जुलाई, 1984

निर्देश सं० आई-2/37ईई/3736/83-84:—अतः मुझे,
लक्ष्मण दास,आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० श्री अमिता को०-प्रा० हौसिंग सोसायटी लि०
प्लॉट नं० 141-ई-प्ले ग्राऊंड रोड, विले पार्ले (पूर्व), बम्बई-
400057 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई
के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 14-11-1983को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी भाग को बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उमने बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति, अर्थात्:—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

पता—श्री अमिता को०-प्रा० हौसिंग सोसायटी लि०,
प्लॉट नं० 141-ई प्ले ग्राऊंड रोड, विले पार्ले (पूर्व), बम्बई-
400057 ।अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37ईई/3736 और
जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-11-1983 को
रजिस्टर्ड किया गया है।लक्ष्मण दास,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-2, बम्बई ।

तारीख : 7-7-1984.

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

(1) मैसर्स जयश्री बिल्डर्स (इन्डिया) ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री गुणविली लाल जे० दमली,
श्रीमती अरविदाबेन जी० दमली ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई-2/37ईई/3771/83-84:—अतः सुसे,
लक्ष्मणदास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एफ० पी० नं० 149, टी० पी० एस० नं० 5, विले पार्ले (ईस्ट), मालविय रोड, विले पार्ले (ईस्ट) बम्बई-400057 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 24-11-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार अतः, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पता—एफ० पी० नं० 147, टी० पी० एस० नं० 5, विले पार्ले (पूर्व), मालविय रोड, बम्बई-400057 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2237/ईई/3771/1983-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24-11-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, बम्बई ।

तारीख : 10-7-1984.

मोहर :

प्रकृत बाई.टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जुलाई 1984

निर्देश सं० अई-2/37 ईई/8498/83-84:—अतः मुझे,

लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है:

और जिसकी सं० फ्लैट नं० सी०-42, तीसरी मंजिल, प्लॉट नं०
26, अवर होम सोसायटी, सहकार नगर, जे० पी० रोड, अन्धेरी
(प०) बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269-घ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 4-11-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वास्तविक, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
हाथिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिस्तः

(1) श्री सन्तोषकुमार तिवारी।

(अन्तरक)

(2) श्री गुलराज खपरज मेहता,
श्रीमती सुमित्रा गुलराज मेहता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधोप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास
निहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० सी०-42, तीसरी मंजिल, प्लॉट नं० 26, अवर होम
सोसायटी, सहकार नगर, जे० पी० रोड, अन्धेरी (वेस्ट), बम्बई।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-2/37ईई/8498/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-11-1983
को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 5-7-1984

मोहर :

प्रकट बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जुलाई, 1984

निर्देश सं० आई०-2/37 ईई/3802/83-84:—अतः;

मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० शापनं० 4, धरम प्रेम अपार्टमेंट्स, सि० टी० एस० नं० 1354-ए, तथा 1354ए-2 से 12, 75-नेहरू रोड, विले-पार्ले (पूर्व) बम्बई-400057 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 29 नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) मैसर्स ठक्कर विल्डर्स।

(अन्तरक)

(2) श्री खिमजी भोजाभाई शाह।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशयः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की मामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निम्नलिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शाप नं० 4, "धरम प्रेम अपार्टमेंट्स", सि० टी० एस० नं० 1354-ए तथा 1354ए-2 से 12, 75-नेहरू रोड, विले पार्ले (पूर्व) बम्बई-400057।

अनुसूची जैसा कि सं० आई०-2/37ईई/3802/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 29-11-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 5-7-1984

मोहर :

प्रत्यक्ष आर्द्र टी. एम. एम. एम.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना:

आयकर सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जुलाई, 1984

निर्देश सं० अई०-2/37ईई/3683/83-84:—अतः, मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एफ० पी० नं० 147, टी० पी० एस० नं० 5, विले पार्ले (पूर्व), मालवीय रोड, विलेपार्ले (ईस्ट), बम्बई-400057 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन/और जिसका कारारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 4-11-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का प्रत्यक्ष प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उमरो बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स जयश्री विल्डर्स (इंडिया) ।

(अन्तरक)

(2) श्री चन्द्रकान्त त्रयांबक मोहिंदेकर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के निम्न कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्पत्ति में कोई भी बाधकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पता—एफ० पी० नं० 147, टी० पी० एस० नं० 5, विलेपार्ले (ईस्ट), मालवीय रोड, विलेपार्ले (ईस्ट)-4, बम्बई-400057।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं०—2 अई-2/37ईई/3683/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-11-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 10-7-1984।

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भाइल सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जुलाई, 1984

निर्देश सं० आई-2/37 ईई/3769/83-84—अतः, मुझे,

लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पदवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० शाप नं० 7, लार्ड्स हेवन, को-आपरेटिव्ह हाउसिंग
सोसायटी लिमिटेड, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है और

जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क,
ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री
है, तारीख 22-11-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में भास्त्विक रूप से अधिक नहीं किया गया है :---

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाबित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री प्रभाकर एस० राव और
श्री शामलाल जी० मखीजा।

(अन्तरक)

(2) श्री उस्मान अहमद चष्मावाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

शाप नं० 7, बान्द्रा लार्ड्स हेवन को-आप० सोसाइटी लिमिटेड,
प्लॉट नं० 647-648 जं० आफ अम्बेडकर रोड, 30वीं रोड,
बान्द्रा, बम्बई-400050।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37ईई-3769/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22-11-1983 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 12-7-1984.

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री कबैर जोहर सुरहानुद्दीन साहेब ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती सत्यवन्ती शादीलाल ।

(अन्तरिती)

भाउत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष :-

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई, 1984

निर्देश सं० आई-2/37 ईई/9040/83-84:—अतः, मुझे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लैट नं० 11-ए, पांचवीं मंजिल, प्लॉट नं०- 5,
सं० नं० 283, ग्रन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-400 049 में स्थित
है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा
269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है, तारीख 11-11-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
हाथिल्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

प्लैट नं० 11-ए, पांचवीं मंजिल, प्लॉट नं०-5, सं० नं० 283,
ग्रन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-400 049 ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37ईई/9040/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11-11-1983
को रजिस्ट्री किया गया है ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

13-206GI/84

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 13-7-1984.

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई-2/37 ईई/3712/83-84:--अतः मुझे,

लक्ष्मणदास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लैट नं० बी०/4, नीरा को० आप सो० लि० प्लॉट
नं० 397, 15 रोड, बान्द्रा-बम्बई-400050 में स्थित है (और
इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961
की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी,
बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 10-11-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री भालचंद्र हरकिशनदास चेलानी ।

(अन्तरक)

2. श्री नरेश डूलहानूमन रानाणो ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० बी०/4, नीरा को० आप० हाऊसिंग सोसायटी प्लॉट
नं० 397, 15वीं रोड बान्द्रा-बम्बई-400050 ।

अनुसूचा जैसा कि क्र० सं० आई-2/37 ईई/3712/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-11-1983
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-2, बम्बई ।

तारीख : 9-7-1984,

मोहर :

प्रकृष बाई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री भास्कर लक्ष्मणराने ।

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

(2) श्रीमती जयश्री हितेश परीख,
श्रीमती हाना जयंत कनानी ।

(अन्तरितो)

(3) ट्रान्सफेरी ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है) ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० अई-2/37 ईई/8457/83-84:--यतः मुझे,
लक्ष्मणदास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० शांति सदन, 4था माला, प्लॉट नं० 1, टेली गली
ग्रंथेरी (पूर्व), बम्बई-400069 में स्थित है (और जिसका,
करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख
के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री
है, तारीख 1-11-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी वाय की वापस, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वापस में कमी करने या उसके बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
जाया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बालोपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

सूचीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 1, शांति सदन, टेली गली सी० एस० नं० 45
एच० नं० 2, म्युनिसिपल "के" वार्ड नं० 2776/(20)/ग्रंथेरी
(पूर्व), बम्बई-400069 ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-2/37 ईई/8457/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1983
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);
अर्जन रेंज-2, बम्बई ।

तारीख : 13-7-1984.

मोहर ।

प्रश्न नम्बर टी. एन. एच. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जुलाई 1984

निर्देश सं० अई-2/37 ईई/3158/83-84—यतः मुझे, लक्ष्मणदास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 10, गालीमार बिल्डींग, टैंगोर रोड, सान्ता क्रूज (पश्चिम), बम्बई-400054 में स्थित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 5-12-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित हैं वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायद में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स निपको ।

(अन्तरक)

(2) ई० एम० राजेश एंड कम्पनी,
प्रो० एम० जी० भाटिया ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 10, गालीमार बिल्डींग, टैंगोर रोड, सान्ता क्रूज (पश्चिम) बम्बई, 400054 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-2/37ईई/3158/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, बम्बई

तारीख : 11-7-1984

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - -

(1) मैसर्स होरिजन कन्स्ट्रक्शन कंपनी प्रा० लि०।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री टी० जी० ठक्कर।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

अर्जन रेंज-2, बम्बई

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

बम्बई, दिनांक 6 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई-2/37 ईई/8496/83-84:--यतः मुझे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवांछितस्वामी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

और जिसकी सं० शाप नं० 4, कोहिनूर बी० बिल्डिंग, सी० टी०
एस० नं० 184, बांदिवली विलेज, जोगेश्वरी (पश्चिम), बम्बई-
400060 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई
के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 3-11-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे, यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

शाप नं० 4, कोहिनूर बी० बिल्डिंग, सी० टी० एस० नं०
184, बांदिवली विलेज, जोगेश्वरी (पश्चिम), बम्बई-400060।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37 ईई/8496/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-11-1983
को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

तारीख : 6-7-1984.
मोहर

प्रथम भाग. टी. एन. एस. -----

(1) सैसर् निर्माण बिल्डर्स।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269(ब) (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती मेहरुनीसा अंसारी,
श्रीमती समाना आर० अडी एच्चा और
श्री अन्सारी अयाझ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जुलाई, 1984

निर्देश सं० अई-2/37 ईई/8518/83-84—अतः मुझे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 307, निर्माण काटेज, दारी रोड़ बर्सोवा,
अंधेरी (प०), बम्बई-61 में स्थित है और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 6-11-83
1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 307, जो 3री मंजिल "निर्माण काटेज, दारी
रोड़, बर्सोवा अंधेरी (प०), बम्बई-400061 में स्थित है।

अनुचची जैसा कि क्र० सं० अई-2/37 ईई/8518/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6-11-1983
को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 11-7-1984.

मोहूट

प्रश्न बाई. टी. एच. एच. ---

(1) मैसर्स शिवशक्ती विल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स तानत्रीम प्रिन्टर्स ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जुलाई, 1984

निर्देश सं० आई-2/37 ईई/8453/83-84:—अतः मुझे,
एस० एच० अन्वास, अविदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० इन्डस्ट्रियल इस्टेट शेड नं० 138, फासे-3,
शिवशक्ती इन्डस्ट्रियल इस्टेट, एस० नं० 79, मरोल विलेज,
अन्धेरी कुर्ला रोड-अन्धेरी (ईस्ट), बम्बई-400059 में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा
269 क, ख के अधीन बम्बई में स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है, तारीख 30-11-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की व्यवधान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के सावित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

इन्डस्ट्रियल शेड नं० 138, फासे-3, शिवशक्ति इन्डस्ट्रियल
इस्टेट एस० नं० 79, मरोल विलेज अन्धेरी कुर्ला रोड, अन्धेरी
(पूर्व), बम्बई-400059 ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/ 3ईई/8453/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 30-11-1983
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 5-7-1984

माहुर :

प्रमुख बाह्य.टी.एन्.एस.,-----

(1) मैसर्स गोयल विल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) श्री अभय हरीशचन्द्र गिरे।

(अन्तरिणी)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई-4/47 ईई/2847/84-85:—अतः मुझे,
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात्, 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 3-ए, ग्राउंड फ्लोर, ए-विंग,
आदित्य पार्क, छत्रपति शिवाजी रोड, वहिसर (पूर्व) बम्बई-68
में स्थित है (और इसे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा
269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में
रजिस्ट्री है, तारीख 1-11-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिणी
(अन्तरिणी) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
है कि, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आम की बावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभ्युत्पादकरी के
नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 3-ए, ग्राउंड फ्लोर, ए-विंग, आदित्य पार्क,
छत्रपति शिवाजी रोड, वहिसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-4/37 ईई/2847/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1983 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 13-7-1984

मोहर :

इसके बाद टी.एन.ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई, 1984

निर्देशन सं० अई-4/37 ईई/2846/84-85---अतः मुझे,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 2, ग्राउंड फ्लोर, "बी" विंग, आदित्य पार्क, छत्रपति शिवाजी रोड, दहिसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 15-11-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

14-206G1184

(1) मैसर्स गोयल बिल्डर्स प्राईवेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) श्री शिवा विश्वनाथ प्रभू।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त दस्तावेजों के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोपद्रवः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्राहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 2, ग्राउंड फ्लोर, "बी" विंग, आदित्य पार्क, छत्रपति शिवाजी रोड, दहिसर (पूर्व) बम्बई-68 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-4/37 ईई/2846/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-11-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-4, बम्बई।

दिनांक : 13-7-1984.

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

(1) श्री युसुफ दाउद बापाई ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री उमर सद्वीन कामी, और
श्रीमती नजमुनिमा उमर कामी ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 जुलाई, 1984

निर्देश सं० अई-1/37 ईई/2405/83-84—अतः मुने,

ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 104, इण्टरनल दोस्ती अपार्टमेंट, नाडकर्णी मार्ग, अन्टाप हिल, वाडाला (पूर्व), बम्बई-37 में स्थित है (और इससे उपायध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जो आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 28-11-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्यमान प्रतिफल से ऐसे द्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 104, इण्टरनल दोस्ती अपार्टमेंट, नाडकर्णी मार्ग, अन्टाप हिल, वाडाला (पूर्व), बम्बई-37 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37 ईई/1314/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-11-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, बम्बई ।

तारीख : 9-7-1984
मोहर :

प्रकृष भाई. टी. एन. एल. एल.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 जुलाई 1984

निर्देश नं० ए० पी० 5479-यतः, मुझे, जे० एल०
गिरधर,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है, तथा जो किंगरा
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी भाग का वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
रायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहायता
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
जो, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

- (1) श्रीमती करमजीत कौर पत्नी सोहन सिंह,
वासी 370/7 सेन्ट्रल टाउन जालन्धर,
मुक्तयार खास,
जगजीत सिंह पुत्र केसर सिंह,
307 लाजपत नगर, जालन्धर।

(अन्तरक)

- (2) श्री मलकायत सिंह पुत्र खुशाल सिंह,
वासी सोहल जगीर तहसील नकोदर,
जिला जालन्धर।
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना प्राप्ति करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्बन्धित :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5201 दिनांक
नवम्बर 1983 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा
है।

जे० एल० गिरधर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 11-7-1984

गोहर 2

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - -

भाषाकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की
धारा २६९-ब (१) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक ११ जुलाई १९८४

निर्देश सं० ए० पी० ५४८०—यतः, मुझे, जे० एल०
गिरधर,

भाषाकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
२६९-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
२५,०००/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो किंगरा
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, १९०८ (१९०८ का १६) के अधीन,
दिनांक नवम्बर १९८३

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय भाषाकर अधिनियम, १९२२
(१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ग के अन्वय
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ब की उपधारा (१)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधार्ति :—

- (१) श्री पथ्वीपाल सिंह पुत्र इन्द्र सिंह,
वासी किंगरा तहसील जालन्धर। (अन्तरक)
- (२) श्रीमती जसविन्द कौर पत्नी जोगिन्द्र सिंह,
वासी ४५५—सामने ए० आई० आर०,
जालन्धर। (अन्तरिती)
- (३) जैसा कि ऊपर नं० २ में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (४) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूची रखता है।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय २०-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० ४७८७ दिनांक
नवम्बर १९८३ में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा
है।

जे० एल० गिरधर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : ११-७-१९८४
मोहर

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 जुलाई 1984

निर्देश सं० ए० पी० 5481—यतः, मु०, जे० एल०
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है, तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसार अब, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

- (1) श्री कैलाश चन्द्र पुत्र लाल चंद,
मुख्त्यार खास राज बहादुर पुत्र हंस राज,
वासी डब्ल्यू टी-314 मोहल्ला कोट बस्ती,
शेख, जालन्धर।
(अन्तरक)
- (2) श्री विनोद कुमार पुत्र राज बहादुर,
वासी डब्ल्यू टी-314, बस्ती शेख,
जालन्धर।
(अन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूची रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 4756 दिनांक नवम्बर 1983 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

जे० एल० गिरधर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 11-7-1984
सांहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 जुलाई 1984

निर्देश सं० ए० पी० 5482—यतः, मुझे, जे० एल०
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो किंगरा
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयं
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके स्वयं प्रतीफल से ऐसे स्वयं प्रतीफल का
पन्ना प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
हासिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री राम अवतार पुत्र भगवान दास,
वासी जालन्धर छावनी,
मुख्त्यार ग्राम सोहन सिंह पुत्र भुल्ला सिंह,
गांव किंगरा तहसील जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्री अण्वनी कुमार, विकास कुमार,
पुत्र सरदारी लाल, 300, वासी न्यू जवाहर नगर,
जालन्धर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूची रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख सं० 4834 दिनांक
नवम्बर 1983 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा
है।

जे० एल० गिरधर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 11-7-1984

मोहर :

प्रत्यक्ष बाह्य टी. एच. एच.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 जुलाई 1984

निर्देश सं० ए० पी० 5483—यतः, मुझे, जे० एल०
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है, तथा जो मकसूद
पुर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक नवम्बर 1983

की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) गंकर दास पुत्र नथा सिंह,
द्वारा अनिल चोपड़ा शिशु माडल स्कूल
नया बाजार जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती दविन्द्र कौर पत्नी तारा सिंह और
प्रकाश कौर पत्नी हरदयाल सिंह,
बासी 267-मगत सिंह नगर, जालन्धर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 29-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5053 दिनांक
नवम्बर 1983 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा
है।

जे० एल० गिरधर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 11-7-1984
मोहर :

रूप में आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 जुलाई 1984

निर्देश सं० ए० पी० 5484—यतः, मुझे, जे० एल०

गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो फगवाड़ा में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का वृद्ध प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अजीत सिंह सपुत्र रतन सिंह,
फगवाड़ा पोस्ट आफिस पेप्यर्स इंडस्ट्रीज, फगवाड़ा।
(अन्तरक)

(2) अजन्ता इंटर्प्राइजेज, जी० टी० रोड,
फगवाड़ा।

(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1758 दिनांक नवम्बर 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, फगवाड़ा ने लिखा है।

जे० एल० गिरधर,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 11-7-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

(1) श्री विक्रम लाल सुपुत्र कोणीराम धीर,
कपूरथला ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

(2) श्री कीमती लाल सुपुत्र दुती चन्द,
बी-XII-60 सराय दिवान,
कपूरथला ।

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 जुलाई 1984

निर्देश सं० ए० पी० 5486—यतः, मुझे, जे० एल०

गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), जो कि धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो कपूरथला में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कपूरथला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित का गृह्य है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उससे दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या पनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

15—206GI/84

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पार लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2261 दिनांक नवम्बर 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कपूरथला ने लिखा है ।

जे० एल० गिरधर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 12-7-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 जुलाई 1984

निर्देश सं० ए० पी० 5487—यतः, मुझे, जे० एल०
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो गढ़ा में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री राजवंत सिंह पुत्र दातार सिंह,
वासी गढ़ा बाहीनदा तहसील जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्री शाम मसीह पुत्र खैमा मल,
वासी गढ़ा बदीनदा तहसील जालन्धर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 4938 दिनांक
नवम्बर 1983 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा
है।

जे० एल० गिरधर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 11-7-1984

मोहर :

प्रकाश बाई, टी. एम्. एम्.

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 जुलाई 1984

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5488—यतः सुझे, जे० एल०
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो गढ़ा
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक नवम्बर 1983

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण उक्त किसी आय का वास्तविक, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
क्षेत्र में कभी करने या उससे पहले में स्विधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य वस्तुओं
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था विधानों में
सूचना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री चंचल सिंह पुत्र भान सिंह,
वासी पीली कोठा,
गढ़ा रोड, जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्री बखशीश सिंह भोगल पुत्र वजीर सिंह और
परमिन्द्र सिंह पुत्र सतनाम सिंह,
वासी 174 डिफेंस कॉलोनी,
जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वादोपवाद :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के एक
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5042 दिनांक
नवम्बर 1983 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा
है।

जे० एल० गिरधर,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 11-7-1984

मोहर :

प्रारूप बाह्य टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 जुलाई 1984

निर्देश सं० ए० पा० नं० 5489—यतः मुझे, जे० एल०
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहायता
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती तारा देवी बेटी टेक चन्द,
पत्नी हरोबंश लाल,
वासी 8 बी शानगन नगर लखनऊ,
द्वारा दुनी चंद ।

(अन्तरक)

2. श्री हरपाल सिंह पुत्र हरभजन सिंह और
राजिन्द्र पाल सिंह, रणजीत सिंह, जगजीत सिंह,
पुत्र महिन्द्र सिंह, वासी काजमपुर,
तहसील बटाला ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उपर नं० 2 में है ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता है ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ :

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में बाह्य भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
सम्बन्धी किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि बिलेख नं० 5162 दिनांक
नवम्बर 1983 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा
है ।

जे० एल० गिरधर
सक्षम प्राधिकारी;
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);
अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 11-7-1984
मोहर :

प्रारूप आर्. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 जुलाई 1984

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5490 से 5493 तक—यतः मुझे,
जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक नवम्बर और दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बख्तावर सिंह पुत्र भाग सिंह,
वासी 180 सिविल लाईन्ज, जालन्धर।
(अन्तरक)
2. श्रीमती सतवंत कौर बसी पत्नी रदीप सिंह,
और कंवलजोत कौर पत्नी जसु सिंह,
वासी 2503 सैक्टर 35—सी चंडीगढ़।
(अन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुखी रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5111 दिनांक
नवम्बर 1983 और 5581, 5591 और 5691 दिनांक दिसम्बर
1983 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर ने लिखा है।

जे० एल० गिरधर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 11-7-1984

मोहर :

प्ररूप आर्द. टी, एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 जुलाई 1984

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5494--यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार अधिनियम, 1922, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बखतावर सिंह पुत्र भाग सिंह,
वासी 180 सिविल लाइन्स जालन्धर,
मुख्तियार आम श्रामतः जगदाश कौर,
पत्नी बखतावर सिंह ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सतवंत कौर बती पत्नी गुरदाप सिंह,
और कमलजात कौर पत्नी जसु सिंह,
वासी 2503, सैक्टर 35 सी चंडीगढ़ ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर न० 2 में है ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5144 दिनांक नवम्बर 1983 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी ने लिखा है ।

जे० एल० गिरधर,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 11-7-1984

मोहर :

पञ्चम भाग, टी. एन. एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 जुलाई 1984

निर्देश सं० ए० पी० न० 5495, 5496 और 5497—यतः
मुझे, जे० एन० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैमा अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मनिंदर पाल सिंह पुत्र बखतावर सिंह,
वामा 180 निधिल लाइन्स,
जालन्धर ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती मन्वंत कौर बसो पत्नी गुरदास सिंह,
और कमलजीत कौर पत्नी जसु सिंह,
2503 सैक्टर 35—सी चडोगढ़ ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है ।

वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5582, 5592
और 5618 दिनांक दिसम्बर 1983 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
जालन्धर ने लिखा है ।

जे० एन० गिरधर,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 11-7-1984

मोहर

प्ररूप आइ.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 जुलाई 1984

निर्देश सं० ए० पी० न० 5498—यतः मुझे, जे० एल०
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उनसे बचने में सुविधा
के लिए, और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य वास्तविकताओं
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति जसवीर कौर पत्नि श्री हरभजन सिंह
वासी टैगोर नगर जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्री चमन लाल सपुत ससार चन्द,
वासी ह० एच० 149, शांतिपुरा,
लाडोवाली रोड, जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर न० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख न० 4935 दिनांक
नवम्बर 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा
है।

जे० एल० गिरधर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 17-7-1984

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 जुलाई 1984

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5499—यतः मुझे, जे० एल०
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(भा) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने की अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम,
1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

16-206 GI/84

1. श्रीमती असबीर कौर पत्नी हरभजन सिंह,
वासी टैगोर नगर, जालन्धर।
(अन्तरक)

2. श्रीमती राम प्यारी पत्नी जमन लाल,
वासी ई० एच० 149, शांतिपुरा,
लाडोवाली रोड, जालन्धर।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 4751 दिनांक
नवम्बर 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा
है।

जे० एल० गिरधर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 17-7-1984
सोहर :

प्राकृतिक बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 जुलाई 1984

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5500—यतः मुझे, जे० एल०
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रारकी अधिकारी के कार्यालय जालन्धर
में रजिस्ट्रारकी अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक नवम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कोषित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी भाव की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या किया जाना चाहिए या छिपाने में सक्षम
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जोगिन्द्र सिंह पुत्र डा० कै० फकीर सिंह,
वासी 582, सै० 10—डा० चंडोगढ़,
अब वासी एस-248 इंडस्ट्रियल एरिया जालन्धर खुब
और मुष्टयार आम गुरुवन्धन कौर पुत्री फकीर सिंह
पत्नी भूपिन्द्र सिंह और सतिन्द्र कौर पुत्री फकीर सिंह
पत्नी गुरदर्शन सिंह,
वासी बी एक्स एक्स 537, गुरद्वारा भाई नन्दकौर रोड,
लुधियाना ।

(अन्तरक)

2. श्री लखविन्द्र पाल सिंह पुत्र दिदार सिंह,
वासी 2247 मोहल्ला भखदूमपुरा जालन्धर ।

(अन्तरित)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है ।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है ।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

यों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन से सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5000 दिनांक
नवम्बर 83 को रजिस्ट्रारकी अधिकारी जालन्धर जो लिखा है ।

जे० एल० गिरधर,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 17-7-1984

और :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 जुलाई 1984

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5485—यतः मुझे, जे० एल०
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो फगवाडा
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय फगवाडा
में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक जनवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पट्टे प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. पेप्सु इंडस्ट्रीज, फगवाडा,
द्वारा श्रीमती निरजन कीर विधवा रतन सिंह,
हिस्सेदार।

(अन्तरक)

2. एसोसिएटेड इंडस्ट्रीज (इंडिया),
52, इंडस्ट्रीज एरिया,
फगवाडा।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(यह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि बिलेख नं० 2360 दिनांक
जनवरी 1984 को रजिस्ट्रार अधिकाारी फगवाडा ने लिखा
है।

जे० एल० गिरधर,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 11-7-1984

मोहर

प्रकृष्ट बाई.टी.एन.एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 जुलाई 1984

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5501—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो कोटकपुरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रारकर्ता अधिकारी के कार्यालय फरीदकोट में रजिस्ट्रारकण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की रायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कार्यालय में कमी करने या उससे बढ़ाने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री दिनेश कुमार सपुत्र श्री मुनि लाल,
वासी फौजी रोड, कोटकपुरा,
जिला फरीदकोट।

(अन्तरक)

2. श्री आत्मा सिंह, अजीब सिंह और साधु सिंह,
सपुत्र बजोर सिंह, वासी फौजी रोड,
सतलुज आटोमोबाईज, कोटकपुरा,
जिला फरीदकोट।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूढ़ी रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षर जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को कह सूचना जारी करके पूर्वोक्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाई में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 3419 दिनांक नवम्बर 1983 को रजिस्ट्रारकर्ता अधिकारी फरीदकोट ने लिखा है।

जे०एल० गिरधर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, जालन्धर

दिनांक : 24-7-1984

मोहर :

प्रारूप आर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 जुलाई 1984

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5502—यतः मुझे, जे० एल०

गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची में लिखा है तथा जो कोटकपुरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय फरीदकोट में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी नाम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती हनसा पुत्री मुनी लाल,
वासी फौजी रोड, कोटकपुरा,
जिला फरीदकोट।

(अन्तरक)

2. श्री अजैब सिंह सपुत्र बजीर सिंह,
वासी फौजी रोड, सतलुज आटोमोबाइलज,
कोटकपुरा, जिला फरीदकोट।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है०।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसाकि विलेख नं० 3421 दिनांक नवम्बर 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फरीदकोट ने लिखा है।

जे० एल० गिरधर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, जालन्धर

दिनांक : 24-7-1984

मोहूटः

प्ररूप आर्क्ष.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 जुलाई 1984

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5503—यतः मुझे, जे० एल०
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो कोटकपुरा
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
ले वर्णित है), रजिस्ट्रारकर्ता अधिकारी के कार्यालय फरीदकोट
में रजिस्ट्रारकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिन,
दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हुई किसी आय को बाधित, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
कार्यत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती रेखा पुत्री मुनीलाल,
बासी फौजी रोड, कोटकपुरा,
जिला फरीदकोट ।

(अन्तरक)

2. श्री साधु सिंह सपुत्र वजीर सिंह
बासी फौजी रोड, सतलुज आटोमोबाइलज,
कोटकपुरा, जिला फरीदकोट ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है) ।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 3424
दिनांक नवम्बर 1983 को रजिस्ट्रारकर्ता अधिकारी फरीदकोट
ने लिखा है ।

जे० एल० गिरधर,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 24-7-1984

मोहर

प्रकरण आई.टी.एन.एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 जुलाई 1984

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5504—यतः मुझे, जे० एल०
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो कोटकपुरा
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फरीदकोट
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिन,
दिनांक नवम्बर 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरण के
बाधित न होने करने का उक्त दृश्यमान में सूचना
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सूचना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के अन्तर्गत :—

1. श्री मुनालाल बासा फौजो रोड,
कोटकपुरा जिला फरीदकोट।
(अन्तरक)
2. श्री आत्मा सिंह सपुत्र बज्जोर सिंह,
बासी फौजो रोड, सतलुज आटोमोबाईलज,
कोटकपुरा जिला फरीदकोट।
(अन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरों जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

जो यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन की सम्पत्ति में कोई भी बाधा :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 3426 दिनांक
नवम्बर 1983 को राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी फरीदकोट ने
लिखा है।

जे० एल० गिरधर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 24-7-1984
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - -

1. सुविमल कृष्ण दत्त

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री राकेश कपूर

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 जुलाई 1984

निर्देश सं० सी. ए. 66/84-85/एसएल 888 आई० ए०सी०/एसीक्यू/रेंज-1/कल०-यतः मुझे, एस० के० बैनर्जी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब या अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

अथ जिसकी सं० 12 सि० है तथा जो कयमाक स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सि० ए० कल० अर्जन रेंज-1 में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-11-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण में निश्चित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

[(क) मन्दाइन से हुई किसी भाव की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने की अन्तरक को क्षयित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वस्तुओं को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकी द्वारा उक्त दत्त विमर्श मय या या किया जाना चाहिए, या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभ्योहस्ताक्षरी के पास सिद्धि में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

12 सि० कयमाक, स्ट्रीट सी० अवस्थित, सम्पत्ति जो 5-11-83 तारीख में सि० ए० अर्जन रेंज-1 दफतर में सि० न० सि० ए०-66 अनुसार रजिस्ट्री हुआ।

एस० के० बैनर्जी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

तारीख: 11-7-1984
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

1. मिमेट जिअरजिना लेशन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. मिमेट उषा एन्ड जन राबर्ट पितारसन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 जुलाई 1984

निर्देश सी० ए० 71/84-85/888/आई०ए०सी०/ए०सी०

क्यू० आर०-1/कलकत्ता यतः मुझे, एस० के० बैनर्जी,
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 17 है, तथा जो कयामाक स्ट्रीट में स्थित
है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, सि० ए० अर्जन
रेंज-1 कलकत्ता में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 8-11-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उसमें बचन में सूविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सूविधा के लिए;

नतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

17-206 GI/84

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

17 नं० कयामाक स्ट्रीट कलकत्ता में अवस्थित 8वां
फ्लोर० प्लॉट नं० 8 सि० जी० 8-11-83 तारीख में
अर्जन रेंज-1 दफ्तर में सि० नं० 71 अनुसार रजिस्ट्रेशन
हुआ ।

एस० के० बैनर्जी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, कलकत्ता-16

तारीख : 11-7-1984
मोहर :

प्रमुख बाहु: टी. एन. एस. -----

1. मै० रुबी पार्क प्रपर्टिस (प्रायवेट) लि० ।

(अन्तरक)

2. मै० रणजीत एक्सपोर्ट्स प्रा० लि०

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 जुलाई 1984

निर्देश सं० सी०-73/84-85/890/आई० ए० सी०/एम्पू०

रेंज-I कलकत्ता यतः मुझे, एस० के० बैनार्जी,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कागज़ है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाज़ार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 75 सी० है तथा जो पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता
में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकारी के कार्यालय सी०
ए० अर्जन रेंज-1 में, रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 11-11-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाज़ार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाज़ार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और या/

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

75 सी० पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में अवस्थित, प्लॉट न०
2/2 (2 फ्लोर० जो) 11-11-83 तारीख में सी० ए०
अर्जन रेंज-1 कलकत्ता दफ्तर में सी० न० सी० ए० 72
अनुसार रजिस्ट्री हुआ।

एस० के० बैनार्जी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

तारीख : 11-7-1984
मोहर :

प्रमुख आई.टी.एन.एस.-----

1. मै० रूबो पार्क प्रपाटिस प्रा० लि० ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

2. मै० शिव प्रसाद,
सुरेन्द्र कुमार प्रा० लि० ।

(अन्तरितो)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 जुलाई 1984

निर्देश सं० सो० ए०/74/84-85/891/आई० ए० सी०/

एक्यू०/रेंज-1/कलकत्ता यतः मुझे, एस० के० बैनार्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 75 सी० है तथा जो पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता प्लॉट न० 2/पी० में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है, रजिस्ट्रार अधिकारी के कार्यालय सी० ए० अर्जन रेंज-1, कलकत्ता में, रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-11-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

75 सी० पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में अवस्थित 2 फ्लोर में प्लॉट न० 2/1 जो 11-11-83 तारीख में सी० ए० अर्जन रेंज-1 दफ्तर में सी० न० 74 अनुसार रजिस्ट्री हुआ।

एस० के० बैनार्जी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

तारीख : 11-7-1984

मोहर :

वृत्त: आई. टी. एन. एस. -----

1. श्रीमती अनिता सरकार ।

(अन्तरक)

2. मै० के० सी० ईयाप् एन्ड

(अन्तरिती)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 जुलाई 1984

निर्देश सं० सी० ए०/75/84-85/892/आई० ए० सी०/
एक्यू०/रेंज-1/कलकत्ता—यतः मुझे, एस० के० बैनार्जी,
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 4 है तथा जो सेक्सपियर सरणी, कलकत्ता
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप
से वर्णित है); रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय, सी०
ए० (अर्जन रेंज-1) में, रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-11-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भूमि-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

ततः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्भू
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अभ्युक्ती

4 सेक्सपियर सरणी, फल-1 है अवस्थित, मकान का
8 फ्लोर० प्लॉट न० 8बी जो सी० न० 75 अनुसार
सी० ए० अर्जन रेंज-1) कलकत्ता दफ्तर में 11-11-83
तारीख में रजिस्ट्री हुआ है।

एस० के० बैनार्जी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

तारीख : 11-7-1984

मोहर :

प्ररूप आइ. टी. एन. एच.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 जुलाई 1984

निर्देश सं० सी० ए०/84-85/893/आई० ए० सी०/
एक्यू० आर०-1/कलकत्ता—यतः, मुझे, एस० के० बैनार्जी,
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है
और जिसकी सं० 26 है, तथा जो शेक्सपियर सरणी,
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सी०
ए० कलकत्ता (अर्जन रेंज-1) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-11-83
को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम की दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक और (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्ययत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री विजय कुमार सुराना ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती कान्ता अग्रवाला
एन्व अशोक ट्यूबय ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबधु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

26 शेक्सपियर सरणी, कलकत्ता में अवस्थित, मकान का
छठा फ्लोर में प्लॉट नं० "बी" सी० नं० 76 अनुसार
11-11-83 तारीख में सी० ए० (अर्जन रेंज-1) कलकत्ता
वपत्तर में रजिस्ट्री हुआ ।

एस० के० बैनार्जी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, कलकत्ता-16

तारीख 11-7-1984
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

1. श्रीमती सत्यवाला दासी ।

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री दुर्गा प्रसाद नेवार ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

कलकत्ता, दिनांक 11 जुलाई 1984

निर्देश सं० टी०आर०-7/84-85/894/आई० ए० सी०/
एक्यू०/रेंज-1/कलकत्ता—यतः, मुझे, एस० के० बैनार्जी,
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 7 है तथा जो रामकुमार रक्षित लेन,
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
आर० ए०, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-11-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के
वायित्व में किसी कटौत या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

7 रामकुमार रक्षित लेन, कलकत्ता में अवस्थित 1 कट्टा
7 छटांक 15 वर्ग फिट पर मकान जो 8-11-83 तारीख
में डीड नं० 1-11/40 अनुसार आर० ए०, कलकत्ता दफ्तर
में रजिस्ट्री हुआ।

एस० के० बैनार्जी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

तारीख : 11-7-1984

मोहर :

प्रकृष जाई. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 जुलाई 1984

निर्देश सं० टी० आर०-21/84-85/895/आई० ए० सी०/
एक्य० रेंज-1/कलकत्ता—यतः, मुझे एम० के० बैनार्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 20ए और 20बी है तथा जो कनमेंट रोड,
कलकत्ता-14 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, एम० आर० ए०, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
25-11-1983

जो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
एक प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे उच्च में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० पुर्बे भारती समग्राम आवासन लि०।

(अन्तरक)

2. श्रीमती आरति बोग।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्रुत-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

20ए एन्ड 20बी कनमेंट रोड, कलकत्ता-14 में अवस्थित
सम्पत्ति जो डीड नं० 1-11881 अनुसार 25-11-83
तारीख में सब रजिस्ट्रार आफ एग्रेन्स का दफ्तर में रजिस्ट्री
हुआ।

एम० के० बैनार्जी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

तारीख : 12-7-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 जुलाई 1984

निर्देश सं० सी० ए० 82/84-85/896/आई० ए० सी०/
एक्यू रेंज-1/कलकत्ता—यतः, मुझे, एस० के० बैनार्जी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ की अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० 81 है तथा जो पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता-16
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सी०
ए० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 19-11-1983
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सत्योप कुमार दाम् एल्ड अर्दर्स ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती विजय लक्ष्मी सिहानिया ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अपेक्षा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

61 पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में अवस्थित, सूट नं० 23
जो 19-11-83 तारीख में सी० ए० (अर्जन रेंज-1),
कलकत्ता दफ्तर में सी० नं० 82 अनुसार रजिस्ट्री हुआ।

एस० के० बैनार्जी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

तारीख : 11-7-1984

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

1. भेसर्म परी इन्टरप्राइज।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती देवी दागा
एन्ड मनोज दागा।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 जुलाई 1984

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
आवेदनों को प्रस्तुत करने के लिए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० सी० ए० 78/84-85/897/आई० ए०
सी०/एक्यू रेंज कलकत्ता, 1-यन: मुझे, एम० के० बैनार्जी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 7/1ए है तथा जो ई० एन० ब्रह्मचारी
स्ट्रीट, कलकत्ता-17 में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, सी० ए० (अर्जन रेंज-1), कलकत्ता में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 15-11-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एम० दृश्यमान प्रतिफल या
एन्ड प्रतिफल में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एम० अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तर्गत देयक, प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से
या किसी अन्य विधि द्वारा, अन्तरण के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

18-206GI/84

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

7/1ए डी० एन० ब्रह्मचारी स्ट्रीट, कलकत्ता में
अवस्थित सम्पत्ति जो 15-11-1983 तारीख में सी० नं०
78 अनुसार सी० ए० (अर्जन रेंज-1), कलकत्ता दफ्तर में
रजिस्ट्री हुआ।

एम० के० बैनार्जी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता-16

तारीख : 11-7-1984

मोहर

प्रमाण आर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 जुलाई 1984

निर्देश सं० सी०ए० 68/84-85/एम०एल० 898—

यतः मुझे, एम० के० बैनार्जी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

और जिसको सं० 7/1ए डे० ईड० एन० ब्रह्मचारी स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रेशन अधिकारी के कार्यालय, सि० ए०, कलकत्ता में, रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-11-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्धु प्रतिपात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कम निम्नलिखित उद्देश्य से सक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को हाथिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. मै० परी एन्टरप्राइजेज

(अन्तरक)

2. श्री प्रदीप जैन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

7/1ए डे० ईड० एन० ब्रह्मचारी स्ट्रीट, कलकत्ता में
(4 फ्लोर० फ्लेट न० 4ए जो सि० न० 68 अनुसार
7-11-83 तारीख में सि० ए० अर्जन रेंज-I, कलकत्ता
दफ्तर में रजिस्ट्री हुआ।

एम० के० बैनार्जी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता-16

तारीख: 11-7-1984

मोहर :-

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

1. मै० परी इन्टरप्राइजस

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री सुनल कुमार सेथिया

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

अर्जन रेंज, कलकत्ता

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

कलकत्ता, दिनांक 11 जुलाई 1984

निर्देश सं० मा० ए०-69/84-85/एम० एल० 899--

यतः मुझे, एम० के० बैनार्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 7/1ए ड० ईड एन० ब्रह्मचारी
स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार अधीकारों के
कार्यालय, सि० ए० (अर्जन रेंज-1) कलकत्ता में, रजिस्ट्रार-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
तारीख 8-11-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

अनुसूची

7/1ए ड० ईड एन० ब्रह्मचारी स्ट्रीट, कलकत्ता में अव-
स्थित (5 प्लोर० फ्लैट नं० 5 सि० जो 8-11-83 तारीख
में सि० ए० (अर्जन रेंज-1) कलकत्ता दफ्तर में सि० नं०
69 अनुसार रजिस्ट्रार हुआ।

एम० के० बैनार्जी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);
अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

तारीख : 11-7-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 जुलाई 1984

निर्देश सं० सी० ए०-70/84-85/900/आई०—यतः
मुझे, एस० के० बैनार्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 7/1ए है तथा जो ड० ईउ एन० ब्रह्मचारी
स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है मैं और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय सि० ए० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-11-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के अधीन :—

1. मेसर्स परी एन्टरप्राइज

(अन्तरक)

2. श्री खेमचंद सेथिया

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थानीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

7/1ए ड० ईउ एन० ब्रह्मचारी स्ट्रीट, कलकत्ता में
अवस्थित (5 फ्लोर फ्लैट नं० 5ए जो 8-11-83 तारीख
से सि० ए० (अर्जुन रेंज-1) कलकत्ता सि० नं० 70 अनुसार
रजिस्ट्री हुआ।

एस० के० बैनार्जी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-1, कलकत्ता-16

तारीख : 11-7-1984

मोहर :

प्ररूप काई. टी. एन. एस.-----

1. मेसर्स परी एन्टरप्राइजेज

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती ऊषा जईन

(अन्तरिता)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 जुलाई 1984

निर्देश सं० सी० ए० 67/84-85/डी० 90/आई ए० सी०/
रेंज-1/कल०/19—यतः मुद्रा, एस० के० बैनार्जी

आयकर अधिनियम, 1961, (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है

और जिसका सं० 7/1ए है तथा जो ड० ईड एन० ब्रह्मचारी स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है में और इससे उपावद्ध अनुसूचा में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रार अधिकांश के कार्यालय, सि० ए० अर्जन रेंज-1 में, रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिन, तारीख 7-11-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कांथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण के द्वारा किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित होना प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्यष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

7/1ए ड० ईड एन० ब्रह्मचारी स्ट्रीट, कलकत्ता -17 में अवस्थित संपत्ति मैफ्लैट न० 4बी, 4 फ्लोर) जो 7-11-83 तारीख में सि० ए० (अर्जन रेंज-1) कलकत्ता दफ्तर में रजिस्ट्री हुआ सि० न० 67 अनुसार।

एस० के० बैनार्जी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 कलकत्ता-16

तारीख : 11-7-1984

मोहर

प्ररूप. आई. टी. एन. एस्. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जुलाई 1984

आदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जुन/2433—अतः मुझे,
मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० 1 मकान न० 739 है तथा जो जयपुर
में स्थित है, और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय
जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 1908 का
16) के अधीन, तारीख 7 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रव्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे, यह विस्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्रव्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रव्यमान प्रतिफल का
पट्टा प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति, अर्थात् :—

1. श्रीमती मुमिता कंवर पत्नी श्री
श्री नरेन्द्र नाथ कंवर
निवासी प्लॉट नं० 739,
आदर्श नगर,
जयपुर।

(अन्तरक)

2. श्री अम्मूमल कृपलानी
पुत्र श्री बुद्धमल कृपलानी
म० न० 739,
आचार्य कृपलानी मार्ग,
आदर्शनगर,
जयपुर।

(अन्तरिती)

और यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

महसूस

मकान न० 739, कृपलानी मार्ग, आदर्श नगर, जयपुर
का भाग जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा क्रम सं० 2547
दिनांक 7-11-83 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत
रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, जयपुर

तारीख : 18 जुलाई 1984
मोहर :

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जुलाई 1984

आदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2431-अन मुझे
मोहन सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है
और जिसकी सं० सजान नं० 739 है तथा जो जयपुर
में स्थित है, (और इसके उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिगारी के कार्यालय, जयपुर
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 7-11-1983
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतर्गती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निर्दिष्ट में कार्यालय
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाधित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित होना प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, निम्नलिखित में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमता सुमित्रा कंवर पत्नी
श्री सुरेश नाथ कंवर
निवासी 739, आदर्श नगर, जयपुर।
(अन्तरण)

2. श्रीमता यशदा पत्नी
श्री जम्मूल कपलानी,
सजान नं० 739, कपलानी मार्ग,
आदर्श नगर, जयपुर।
(अन्तरण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्णन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आरोप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निर्दिष्ट में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सजान नं० 739, कपलानी मार्ग, आदर्श नगर, जयपुर
का धान जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 2548
दिनांक 7-11-83 पर पंजीयक विषय पत्र में और विस्तृत
रूप में विवरणित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेज, जयपुर

तारीख : 18-7-1984
मोहर :

प्ररूप. आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जुलाई 1984

निदेश संख्या: राज०/सहा० आ० अर्जन/2135-० धन: मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसको सं० गजान नं० 739 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अथवा अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-11-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. आपकी सुविधा के लिए

श्री श्री जयदेवनाथ कंवर

जयपुर, गजान नं० 739,

आदर्श नगर, जयपुर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती पार्वती देवी चिधवा

श्री बुद्धन उपनगी

निवास, गजान नं० 739

अपनगी मार्ग,

आदर्श नगर, जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गजान नं० 739, अपनगी मार्ग, आदर्शनगर, जयपुर का भाग जो उप पंजीयन, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 2561 दिनांक 8-11-83 पर पंजीयन क्रम से और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह

अधिम प्राधिकारी

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जयपुर

दिनांक : 18-7-1984

माहूर

प्ररूप आह. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

राज्यीय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जुलाई 1984

निदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2436—अतः मुझे,
मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 739 है तथा जो जयपुर में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 8-11-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
बायित्व में कमी करने या उद्धृत करने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

19-20 6 GI/84

1. श्रीमती सुमित्रा कंवर पत्नी

श्री नरेन्द्र नाथ कंवर

निवासी मकान नं० 739,

आदर्श नगर, जयपुर ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती मोनिका पुर्वी

श्री सम्भूमल कृपलानी द्वारा

पिता श्री सम्भूमल निवासी 739,

कृपलानी मार्ग, आदर्शनगर, जयपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोपे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बोध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 739 का भाग, कृपलानी मार्ग, आदर्शनगर,
जयपुर जो उप पञ्जीयक, जयपुर द्वारा क्रम सं० 2560
दिनांक 8-11-83 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत
रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह
सूक्ष्म प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

तारीख : 18 जुलाई 1984
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

व्यापक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जुलाई 1984

आदेश नं० : राज०/महा० आ० अर्जन/2437—अतः
मुझे, मोहन सिंह,

व्यापक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी प्लॉट नं० ए-2/3 है तथा जो जयपुर में स्थित
है, (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 7-11-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ना प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
अ, न, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री प्रभुदयाल पुत्र
श्री नारायण जी वैष्ण खण्डेलवाल
निवासी प्लॉट नं० सी-7,
अर्जुनलाल सेठी कालोनी,
जयपुर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती भगवती देवी
पत्नी श्री रामनारायण,
देहली गेट, अजमेर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० ए-2/3 स्थित सुधिविठर मार्ग, सी-स्कीम
जयपुर जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 2535
दिनांक 7-11-83 पर पंजीयक विक्रय पत्र में और विस्तृत
रूप में विवरित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, जयपुर

तारीख : 18 जुलाई 1984

माहूर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जुलाई 1984

आदेश सं० : राज०/सहा० आ० अर्जन/2438—यतः

सुधे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० ए-2/3 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-11-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक में वास्तव में कमी करने या उसके बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार मों, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री प्रभु दयाल पुत्र
श्री नारायण जी वैष्ण खंडेलवाल,
निवासी प्लॉट नं० सी-7,
अर्जुनलाल सेठी कालोनी,
जयपुर।

(अन्तरक)

2. श्री मदनलाल खण्डेलवाल,
पुत्र श्री रामस्वरूप खण्डेलवाल,
निवासी रामगंज,
अजमेर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्थात् अर्जादारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० ए-2/3, स्थित युधिष्ठिर मार्ग, सीस्वकीम, जयपुर जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 2533 दिनांक 7-11-83 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 18 जुलाई 1984

मोहर :

प्रथम भाग की एच. एच.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

प्राप्त करकर्ता

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जुलाई 1984

आदेश सं० : राज०/सहा० आ० अर्जन/2439—यतः

मुझे मोहन सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 2 ए है तथा जो जयपुर में
स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 25-11-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन यह होने से अंतरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए की/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

1. श्री रामस्वरूप पुत्र
श्री रेवड़मल अग्रवाल
निवासी प्रतापगढ़ जिला
जिला अलवर।

(अन्तरक)

2. श्री विजय सिंह मथुरिया
निवासी श्री जगदीश प्रसाद मथुरियों
निवासी 2 ए, जे० पी० कालोनी,
टोंक फाटक,
जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाध में समान्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपोहस्ताक्षरी के पाव
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 2 ए स्थित जे० पी० कालोनी, टोंक फाटक,
जयपुर जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा क्रम सं० 2668
दिनांक 25-11-83 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत
रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 18 जुलाई 1984
मोहर

प्रत्यक्ष आर्थिक दृष्टि से एम. ए. ए. ए. ए.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जुलाई 1984

आदेश सं० : राज०/सहा० आ० अर्जुन/2440—अतः

मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० बी-8 है तथा जो जयपुर
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 19-11-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने की अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग की अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

1. श्री ठाकुर भगत सिंह पुत्र

स्व० श्री देवी सिंह

निवासी चोमू हाउस,

जयपुर।

(अन्तरक)

2. श्री उमेश चन्द्र माथुर पुत्र

श्री एम० एल० माथुर

निवासी बी-8, परिवहन मार्ग,

चोमू हाउस,

जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० बी-8, परिवहन मार्ग, चोमू हाउस, जयपुर
और उप पंजीयक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 2649 दिनांक
29-11-1983 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत
रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जयपुर

तारीख: 18 जुलाई 1984

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3; नई दिल्ली

जयपुर, दिनांक 18 जुलाई 1984

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2441—अतः मुझे,
मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० बी-145 है तथा जो जयपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 25 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की भावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के उपधाय (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रामनारायण माथुर,
पुत्र श्री श्याम नारायण माथुर,
निवासी मकान नं० 145, मंगल मार्ग,
बापूनगर, जयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री कृष्णदास मालपाणी,
पुत्र श्री द्वारकादास मालपाणी,
निवासी फिल्म कालोनी,
चौड़ारास्ता, जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभ्योक्तकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी-145 ए, मंगलमार्ग, बापूनगर, जयपुर जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 2673 दिनांक 25-11-1983 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवर्णित है।

मोहन सिंह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 18-7-1983

मोहर :

प्रकृष माह. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जुलाई 1984

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2442---अतः मुझे

मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो उदयपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 14 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तव उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा पकड़ नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री विष्णुलाल पुत्र श्री नवनीतलाल जी पानेरी,
निवासी दुर्गा नर्सरी रोड़, उदयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री बंशीलाल पुत्र श्री हरनारायण जी पालीवाल,
श्री मोहिन्द्र सिंह पुत्र जगतार सिंह बेदी,
श्रीमती कौशल्या दुष्टतर पत्नि श्री रूपचन्द पाहूजा,
श्रीमती विजयलक्ष्मी पत्नि श्री रमेशचन्द्र जी,
श्रीमती सुरेन्द्र कुमारी पत्नि श्री गोविन्द स्वरूप,
श्रीमती संतोष कुमारी पत्नि श्री रामेश्वर कुमार,
नि० उदयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आराजी नम्बर 980, क्षेत्रफल ग्यारह बिस्वा जो तहसील गिर्वाजिला उदयपुर में स्थित है और उप पंजीयक, उदयपुर द्वारा विक्रय क्रम संख्या 2560 दिनांक 14-11-83 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवर्णित है।

मोहन सिंह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 18-7-1984

मोहर :

प्रकृष जाई, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जुलाई 1984

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जुन/2443—अतः मुझे,
मोहन सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 16 का भाग है तथा जो श्रीगंगानगर
में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रीगंगानगर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 18 नवम्बर 1983

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए जाई/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री निरंजन दास पुत्र श्री परमानन्द अरोड़ा,
निवासी 16, थर्ड ब्लॉक, ओल्ड आबादी,
श्रीगंगानगर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शांति देवी पति श्री सोहन लाल,
16 थर्ड ब्लॉक, ओल्ड आबादी,
श्रीगंगानगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 16, तृतीय ब्लॉक, पुरानी आबादी, गंगानगर
जो उप पंजीयक, श्रीगंगानगर द्वारा क्रम संख्या 2385 दिनांक
15-11-83 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से
विवर्णित है।

मोहन सिंह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, जयपुर

दिनांक : 18-7-1984

मोहर

प्रकृष आर्. टी. एन. एस.-----

भाषा अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जुलाई 1984

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2444—अतः मुझे,
मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 16 है तथा जो श्रीगंगानगर में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रारकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रीगंगानगर
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 18 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक
रूप से कौचित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किमी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
धन का प्रकट जाना चाहिए था, छिपाने में मद्दत
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
20—206GU/84

(1) श्री निरंजन दास पुत्र श्री परमानन्द अरोड़ा,
16 थर्ड ब्लॉक, ओल्ड आबादी,
श्रीगंगानगर।

(अन्तरक)

(2) श्री सोहनलाल पुत्र श्री रत्ना राम राजपूत,
16 थर्ड ब्लॉक, ओल्ड आबादी,
श्रीगंगानगर।

(अन्तरिती)

यदि यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप-
—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में देकर जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 16 का भाग, थर्ड ब्लॉक, पुरानी आबादी,
श्री गंगानगर जो उप पंजीयक, श्रीगंगानगर द्वारा क्रम संख्या 2586
दिनांक 18-11-1983 पर पंजीवद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत
रूप से विवर्णित है।

मोहन सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 18-7-1984
मोहन :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री मनसुखलाल पुत्र श्री बरदा/चन्द जी धानमंडी,
उदयपुर।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जुलाई 1984

निर्देश सं० राज०/सहा० अ० अर्जुन/2445--अतः मुझे,
मोहन सिंह,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० प्लॉट नं० 1175 है तथा जो उदयपुर में
स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रारकी अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में
रजिस्ट्रारकी अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अर्वात्,
दिनांक 14 मार्च 1983।को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से धन के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और नूतन यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
सम्यक् प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/वा(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया-
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 1175, सेक्टर नं० 11, हिरणमारी, उदयपुर
जो उन पंजीयन, उदयपुर द्वारा कम संख्या 2589 दिनांक
14-11-1983 पर पंजीयन विक्रय पत्र में और विस्तृत
रूप से विवर्णित है।मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, जयपुर

दिनांक : 18-7-1984

मोहर :

प्रकृष आर्. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जुलाई 1984

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2446--अतः मुझे,
मोहन सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसको सं० महान सम्पत्ति है तथा जो जोधपुर में स्थित
है, (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय जोधपुर में रजिस्ट्रार-
कारण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
18 नवम्बर 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बन्धु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पादा गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बोधन से उक्त अन्तरण लिखित में
आस्त्यिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाधित, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शास्त्र में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
नहीं मिलेगी; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
को मिलेगी।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री धर्मवीर सिंह पुत्र श्री विरेन्द्र सिंह राजपूत,
निवासी रोहिट, जिला, पाली।

(अन्तरक)

(2) श्री विजय मेनन पुत्र श्री राजन मेनन,
धर्मनारायणका हाता, जोधपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अपील :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

समान सम्पत्ति, पी० डब्ल्यू० डी० कालोनी, रातानाडा,
जोधपुर जो उप पंजीयक, जोधपुर द्वारा क्रम संख्या 3364
दिनांक 18 नवम्बर, 1983 पर पंजीयक विक्रय पत्र में और
विस्तृत रूप से विवर्णित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 18-7-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जुलाई 1984

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2447-अतः मुझे,
मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान सम्पत्ति है तथा जो जोधपुर में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जोधपुर
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 18 नवम्बर 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री धर्मवीर सिंह पुत्र श्री विरेन्द्र सिंह राजपूत,
निवासी रोहिट जिला पाली।

(अन्तरक)

(2) कुमारी विजयलक्ष्मी पुत्री श्री यू० पी० आर० मेनन,
धर्मनारायण का हाता, जोधपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

मकान सम्पत्ति का भाग, पी० डब्ल्यू० डी० कालोनी, राता-
नाड़ा, जोधपुर जो उपपंजीयक, जोधपुर द्वारा क्रम संख्या 3365
दिनांक 18-11-83 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत
रूप से वर्णित है।

मोहन सिंह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 18-7-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जुलाई 1984

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2448—अतः मुझे,
मोहन सिंह,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० मकान सम्पत्ति है तथा जो जोधपुर में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रार/कर्ता अधिकारी के कार्यालय जोधपुर
में रजिस्ट्रार/करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 18 नवम्बर 1983।को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रारंभ
मार्फ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था स्थानों में सुविधा के लिए;अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—(1) श्री धर्मवीर सिंह पुत्र श्री धिरेन्द्र सिंह राजपूत,
निवासी रोहिट जिला पाली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती नलिनी आर० मेनन,
पति श्री पी० आर० एस० मेनन,
निवासी धर्मनारायण जी का हाता,
जोधपुर।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाब में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान सम्पत्ति स्थित पी० डब्ल्यू० डी० कालोनी, राता-
नाड़ा, जोधपुर जो उपपंजियक, जोधपुर द्वारा क्रम संख्या 3366
दिनांक 18-11-83 पर पंजिबद्ध विक्रयपत्र में और विस्तृत रूप
से वर्णित है।मोहन सिंह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 18-7-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जुलाई 1984

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2449—अतः मुझे,

मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो उदयपुर में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकापी के कार्यालय उदयपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 29 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धारतविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आम की वजह, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए किया गया;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सहायता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री मीठा लाल, जगदीश चन्द्र व, बमनलाल पुत्र श्री भंवरलाल जी माली व श्रीमती गंगाबाई देवा श्री भंवरलाल, नि० एम० बी० कालेज के पास, उदयपुर।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री रमेश कुमार पुत्र श्री चतरलाल जी जोशी नि० आयड, उदयपुर।

2. श्री महेन्द्र कुमार पुत्र श्री चतरलाल जी दोशी निवासी आयड, उदयपुर
3. श्री जगदीश लाल पुत्र श्री गोपीलाल जी भट निवासी हजारेश्वर कालोनी, उदयपुर।
4. श्री नन्द लाल पुत्र श्री लालचन्द जी पामेचा नि० आयड जिला जयपुर।
5. श्री भंवरलाल पुत्र श्री हीरालाल जी कुम्हार नि० उदयपुर।
6. श्रीमती रतन देवी पत्नि श्री मोहनलाल जैन नि० उदयपुर।
7. श्री महेन्द्र कुमार पुत्र श्री मांगीलाल जितोड़ा, निवासी अशोक नगर, उदयपुर।
8. श्री गणपतलाल पुत्र नन्दलाल जी तलेसरा निवासी आड़न तह० नाथद्वारा।
9. श्रीमती कुसुम लता पत्नि श्री सुरेश कुमार जैन निवासी अशोकनगर, उदयपुर।
10. श्री बालजी भाई निकरू पुत्र नारायण जी पटेल निवासी उदीयापोल, उदयपुर।
11. श्री भैरूलाल पुत्र मोडीलाल जी नरसिंहपुरा निवासी मंडी, उदयपुर।
12. श्री राजकुमार पुत्र श्री लक्ष्मीलालजी जितोड़ा निवासी मंडी, उदयपुर।
13. श्री सोहन लाल पुत्र श्री खेमराज शर्मा निवासी उदयपुर।
14. श्रीमती दुर्गादेवी पत्नि श्री गिरिराज शर्मा निवासी उदयपुर।
15. श्री सज्जन भल पुत्र श्री माणकचन्द जी मेगावत निवासी नयापुरा, उदयपुर।
16. श्री लक्ष्मीदेवी पत्नि कालूलालजी मोशी, निवासी आयड जिला उदयपुर।
17. श्री मोहन कुमार पुत्र श्री श्यामसुन्दर शर्मा निवासी फतेहपुरा, उदयपुर।
18. श्री भंवरलाल पुत्र श्री छोगालाल जी सिंगवी निवासी आयड, उदयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापन संपत्ति में हितवन्ध

किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि आराजी नम्बर 1057 व 1058 क्षेत्रफल 1 बीघा 3 बिस्वा स्थित उदयपुर जो उप पंजियक, उदयपुर द्वारा क्रम संख्या 2714 दिनांक 29-11-83 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवर्णित है।

मोहन सिंह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 18-7-1984

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जुलाई 1984

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2550—अतः मुझे,

मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 112 है तथा जो जयपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)

रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 10 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के पत्रों के दायित्व में कमी करने या उसमें अचानक में परिवर्तन के लिए; और/या

(ख) किसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती अचल बाई विधवा स्व० श्री होतचन्द,
श्री किशनचन्द व श्री तेजुमल उपनाम कारुमल,
पुत्रान श्री होतचन्द,
निवासी 332 सैक्टर 2 जवाहरनगर,
जयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री नरेन्द्र कुमार पुत्र श्री किशनचन्द,
निवासी प्लॉट नं० 172 सिधी कालोनी,
बनीपार्क, जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 112, बापूबाजार, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 2583 दिनांक 10-11-1983 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवर्णित है।

मोहन सिंह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 18-7-1984

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक-आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जुलाई 1984

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2451—अतः मुझे,
मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सशम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 3768 से 3779 है तथा जो जयपुर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 25 नवम्बर 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बावत, उक्त
निबन्ध के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उक्त बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
अनुसूची अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मोहनलाल पुत्र श्री हजारी लाल जी गोयल,
गोयल भवन लंगर के बानाजी का रास्ता,
जयपुर।
(अन्तरक)

(2) श्री माणक चन्द पुत्र श्री हजारी लाल जी,
निवासी गोयलभवन लंगर के बानाजी का रास्ता,
जयपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 3768 से 3779, सिवाड़ हाउस, गणगौरी
बाजार, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या
2664 दिनांक 25-11-83 पर पंजिवद्ध विक्रय पत्र में और
विस्तृत रूप से विवर्णित है।

मोहन सिंह,
सशम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 18-7-1984
मोहर :

प्ररूप आर्द्र: टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जुलाई 1984

निर्देश सं० राज०/सत्रा० आ० अर्जन/2452—अतः मुझे,
मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 20/1 है तथा जो जयपुर में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 14 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
क्षमिर्त्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

21-206GI|84

(1) श्री राम सिंह पुत्र श्री लक्ष्मीनारायण सिंह,
श्रीमती शांति देवी पत्नि श्री राम सिंह,
निवासी भगवान भवन,
जाट के कुबे का रास्ता, जयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री हरीनारायण खण्डेवाल पुत्र श्री छोटूलाल,
निवासी 7, सीकर हाउस,
जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 20/1 का आध्या भाग, चान्दपोल बाजार, जयपुर
छोटी कौपड़ के पास जो ऊण पंजियक, जयनूर द्वारा क्रम
संख्या 2596 दिनांक 14-11-83 पर पंजिवद्ध विक्रय पत्र
में और विस्तृत रूप में विवर्णित है।

मोहन सिंह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक: 18-7-1984

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जुलाई 1984

निर्देश सं० राज०/महा० आ० अर्जन/2453—अतः मुझे,
मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 20/1 है तथा जो जयपुर में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 14
नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मूर्खता
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 19(7) (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूर्खता
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री राम सिंह पुत्र श्री लक्ष्मीनारायण सिंह,
एवं श्रीमति शान्ति देवी पति श्री राम सिंह, वगैरा,
भगवान भवन, चान्दपोल बाजार,
जयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती आनन्दी देवी पति श्री विजय नारायण खंडेवाल,
निवासी तालुका भवन,
मिश्र राजा जी का रास्ता, चान्दपोल बाजार,
जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

संश्लोकण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 20/1 का आधा भाग, चान्दपोल बाजार,
छोटी चौपड़ के पास, जयपुर जो उक्त पंजीयक, जयपुर द्वारा क्रम
संख्या 2595 दिनांक 14-11-83 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र
और विस्तृत रूप से विवर्णित है।

मोहन सिंह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 18-7-1984

मोहर :

प्रश्न नं० टी. एन. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4871—अतः

मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1172 है तथा जो गंजीपुरा, जबलपुर में
स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, भिन्नभिन्न उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाव की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कट जाने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाव या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भूकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा :—

(1) श्री जानचंद संतोष कुमार एवम् सुभाषचन्द्र गुप्ता,
सभी पुत्र रामगोपाल गुप्ता,
1173, गंजीपुरा, जबलपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री फूलचंद सेठ पिता श्री कन्हैयालाल सेठ,
एवम् श्रीमती शशिप्रभा सेठ, साउथ मिलनगंज,
जबलपुर।

(अन्तरिती)

यदि यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताधारी के पात्र
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

मकान नंबर 1172, गंजीपुरा जबलपुर में स्थित है यह
वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित
फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 6-7-1984

मोहर &

प्रकट बाई. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4872—अतः

मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुमंजिला मकान है तथा जो समाधान बिल्डिंग, शंकर नगर, रायपुर में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिम की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कम, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से है कि किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तिवों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या जिन्हें में सुविधा के लिए;

(1) श्रीमती मनोरमा दावेकर,
पत्नी श्री गोविन्द गणेश दावेकर,
निवासी—शांतिनगर, रायपुर।

(अन्तरक)

(2) मास्टर मनोज कुमार मित्तल (अग्रवाल),
पिता महादेव लाल मित्तल (अग्रवाल)
निवासी जवाहर नगर, रायपुर।

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभ्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुष्यी

दुमंजिला मकान (समाधान) जिसका नाम है, शांतिनगर
रायपुर में स्थित है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल

वतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) में अधीन, नियतिनिर्णय व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 6-7-1984

मोहर :

प्रकृष आर्. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सं०/अर्जन/भोपाल/4873—यतः

मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा
269-ब के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० दुमजिला मकान (समाधान) है तथा जो
शांतिनगर, रायपुर में स्थित है मैं और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रार/कर्ता अधिकारी के
कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रार/करण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भूकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों:—

1० श्रीमता मनोरमा वादेकर,
पत्नी श्री गोविन्द गणेश वादेकर,
निवासी—शांतिनगर, रायपुर।

(अन्तरक)

2० श्री विजय कुमार अग्रवाल,
पिता श्री आर० जी० अग्रवाल,
निवासी—समाधान० बिल्डिंग, रायपुर।

(अन्तरिता)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितग्रह
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

दुमजिला मकान (समाधान) बिल्डिंग का भाग, शांतिनगर,
रायपुर में स्थित है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,
सूक्ष्म प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 6-7-1984
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सं०/अर्जन/भोपाल/4874--यतः
मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसका सं० भूमि है तथा जो मौजा सेड़ीखेड़ी, रायपुर
में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रारकृती अधिकारों के कार्यालय, रायपुर
में रजिस्ट्रारकृती अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि अभावपूर्वकता से प्रतिफल का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
अ, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री वीरेन्द्र कुमार
पिता श्री कबूलचन्द गर्ग, एव अन्य०,
निवासी मौदाहापारा, रायपुर ।

(अन्तरक)

2 श्री ओपेश कुमार,
पिता श्री कवरलाल गुप्ता,
निवासी 75/11, पटेलनगर,
लुधियाना (पंजाब) ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

भूमि मौजा सेड़ीखेड़ी, रायपुर में स्थित है । यह वह स्थावर
सम्पत्ति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म
नम्बर 37-जी में निहित है ।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 6-7-1984
मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4875--यतः

श्री. वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो मौजा सेड़ीखेड़ी, रायपुर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय रायपुर में
रजिस्ट्रिकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उसके बढ़ने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भूकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किमा जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1 श्री. धीरेन्द्र कुमार बरनवाल कबूलबद्ध गर्म अगैरह,
निवासी-मीरहापारा, रायपुर।

(अन्तरक)

2 श्रीमती. मुशाला पति स्व० धर्मप्रकाश गुप्ता,
निवासी-लुधियाना (पंजाब)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षं :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निश्चय में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

भूमि, मौजा सेड़ीखेड़ी, रायपुर में स्थित है जिसका विवरण
अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 6-7-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4876--अतः,

शुद्ध, वीरेन्द्र कुमार बनरवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि ख० न० 386 का भाग है तथा जो मौजा सेरोखेडी, रायपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है० रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किमी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायद त्रुटि कम कर देने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तिवों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री धीरेन्द्र कुमार बल्ल कबूलदह गंग वगैरह,
निवासी-मोदहापारा, रायपुर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती अनाता पति राकेश कुमार गुप्ता,
निवासी-लुधियाना पंजाब।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ख० न० 386 का भाग, मौजा मोदहापारा, रायपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

वीरेन्द्र कुमार बनरवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 6-7-1984

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4877—अतः

मुझे वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० भूमि ख० नं० 621 है तथा जो मौजा तिकरा
जिला बिलासपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय बिलासपुर में रजिस्ट्रेशन अधिनियम 19 08 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के वापिस न
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

22-206 GI/84

(1) श्री ललित कुमार पिता शिराती मास्टर,
निवासो—मंगेली जिला बिलासपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री सी० टी० लाल पिता श्री डी० जी० लाल,
निवासो—मगरपारा, बिलासपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां कइता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।
गया है।

अनुसूची

भूमि, ख० नं० 621, मौजा तिकरा जिला बिलासपुर में
स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण अन्तरिती
द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 6-7-1984

मोहर :

प्रारूप आर्डी.टी.एच.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जुलाई 1984

निर्देश सं० आर्डी० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/4879—अतः

मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट, ख० नं० 499/18 है तथा जो विन्द्रावन
वार्ड, सागर में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सागर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और
अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किसी अन्य कारणों से छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
अं०, मं०, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री पीतम्बर प्रसाद वल्द श्री शिवप्रसाद पाठक,
निवासी—गोपालगंज, सागर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गायत्री यादव पत्नी श्री लक्ष्मीनारायण यादव,
निवासी—परकोटा वार्ड सागर।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

जगपूषी

प्लॉट, ख० नं० 499/18, विन्द्रावन वार्ड सागर में स्थित
है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, भोपाल

दिनांक : 6-7-1984
मोहुर :

प्रमाण वाई.टी.एन.एल.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4879—अतः

मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

जिसकी सं० प्लॉट, ख० नं० 499/8 है, तथा जो विन्द्रावन वार्ड, सागर में स्थित है (और इससे उपावर्त अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सागर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखितों में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वारत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री पीताम्बर प्रसाद वत्स श्री शिवप्रसाद पाठक,
निवासी—गोपालगंज वार्ड, सागर
(अन्तरक)
- (2) श्री संतोष कुमार वत्स श्री छोटेलाल जैन,
निवासी—वरियाघाट, सागर ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमोदित

प्लॉट, ख० नं० 499/18, विन्द्रावन वार्ड सागर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका छः विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जो में निहित है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, भोपाल

दिनांक : 6-7-1984

मोहर :

प्रमुख भाई, टी. ए. ए. ए.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4880—अतः
मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि ख० नं० 37/1, 37/2 है तथा जो गुरु
गोविन्दसिंह वाई सागर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय सागर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी काम की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
सापेक्ष में किसी करने या उससे बचने में सुविधा
को लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी काय या किसी भन या बन्ध आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती भागवती बाई पत्नी परमानंद चौबे,
निवासी—परकोटा वाई, सागर।

(अन्तरक)

(2) श्री हीरालाल वलद श्यामजी भाई पटेल गुजराती,
निवासी—भगवानगंज वाई, सागर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि ख० नं० 37/1, 37/2, गुरु गोविन्द सिंह वाई सागर
में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण अन्तरिती
द्वारा स्थापित फार्म नंबर 37 में निहित है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 6-7-1984

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4881--अतः

मुझे, बीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि ख० नं० 37/1, 37/2 तथा जो गुरु गोविन्द सिंह वार्ड, सागर में स्थित है (और इसमें, उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रार प्राधिकारी के कार्यालय सागर में रजिस्ट्रार अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती भागवतीबाई पत्नी परमानंद चौबे,
निवासी—परकोटा वार्ड, सागर।
(अन्तरक)
- (2) न्यू गनेश सा मिल सागर,
प्रो० हीरालाल बल्द श्यामजी भाई पटेल,
निवासी—भगवानगंज वार्ड, सागर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ख० नं० 37/1, 37/2, गुरु गोविन्द सिंह वार्ड, सागर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जो में निहित है।

बीरेन्द्र कुमार बरनवाल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 6-7-1984

साहर ५

प्रत्येक भाग में टी. एन. ए. ए. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/4882—प्रतः

मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान एवम् गोदाम है तथा जो मौजा डुमर-
तालाब, रायपुर में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
रायपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
कर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के
लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री हरीप्रोमप्रकाश बल्लभ हुकुमचंद वगैरह,
निवासी—सीताबाड़ी, नागपुर हाल,
मुकाम रायपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री संतोष कुमार बल्लभ सम्पतलाल कोठारी,
निवासी—शंकर नगर, रायपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भवन एवम् गोदाम, प्लॉट परिवर्तित भूमि ख० नं० 3 पर,
मौजा डुमरतालाब, रायपुर में स्थित है। जिसका विवरण
अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, भोपाल

दिनांक : 6-7-1984
मोहर :

माहुर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

(1) श्री जेज हनुमान जी सार्वजनिक न्यास वृन्दावन बाग, सागर द्वारा महंत हरभजनदास चेली प्रेमदास वृन्दावन सागर ।

(अन्तरक)

(2) श्री सागर कृषि गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित मोहन बाई सागर द्वारा अध्यक्ष रविशंकर बल्द नाथू राम मिश्रा मोहन नगर बाई, सागर ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4884--अतः मुझे, बीरेन्द्र कुमार बरनवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि ख० नं० 230 है, तथा जो मौजा तिलीमाफी तह० सागर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, सागर, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निहित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :-

(घ) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि ख० नं० 230, ग्राम तिली माँकी जला सागर में स्थित है । यह वह स्थावर सम्पत्ति है, जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित है ।

बीरेन्द्र कुमार बरनवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

गंगोत्री बिल्डिंग, बीबी मंजिल

टी० टी० नगर, भोपाल

दिनांक : 6-7-1984

मोह०

प्रकाशक: टी. एम्. एम्. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जुलाई 1984

निर्देश सं० आर्.ई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4885—अतः

मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके अन्तर्गत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि ख० नं० 189 है, तथा जो ग्राम तिलीमाफी
तह० सागर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय, सागर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक नवम्बर 1983,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दाखिल
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य जास्तिवों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

23—206G1/84

(1) श्री महन्त हरी भजन दास चेना महन्त प्रेमदास
मुहाचेतकार श्री देवहनुमान जी मार्वेजिनिक न्यास
वृन्दावन बाग, सागर ट्रस्ट नं० स/252 ।

(अन्तरक)

(2) संगम गृह निर्माण सहकारी समिति मर्यादित सागर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिद-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि ख० नं० 189, ग्राम तिलीमाफी, सागर में स्थित है।
यह वह स्थावर संपत्ति में जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्या-
पित फार्म नं० 37 जी में भी निहित है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल
सक्षम प्राधिकारी
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त
अर्जन रेंज, भोपाल
गंगोत्री बिल्डिंग, चौधी मंजिल
टी० टी० नगर, भोपाल

दिनांक : 6-7-84

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4886—अतः

मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि ख० नं० 8/2 व 9/3 है, तथा जो ग्राम
तेजपुर गड़बड़ी तह० व जिला इंदौर में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहायता
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री लक्ष्मीनारायण पिता गोविन्द खावी
निवासी—विजलपुर, इंदौर ।

(अन्तरक)

(2) म० ग्रहिल्या माता सेवक संघ गृह निर्माण सहकारों
संस्था, मर्यादित, इंदौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

भूमि ख० नं० 8/2 व 9/3, ग्राम तेजपुर गड़बड़ी तह० व०
जिला इंदौर में स्थित है ।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, भोपाल
गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल
टी० टी० नगर, भोपाल

दिनांक : 6-7-1984

मोहर :

प्रकृषु आई.टी.एन.एस. - - -

(1) श्रीमती शान्ती शर्मा पद्मा

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री रघु हरी डालमिया (एच० यू० एफ०)
4, मिथी हाउस, नयी दिल्ली ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4887—अतः

मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट्स है, तथा जो ग्राम रायपुरा तह० शाह नगर,
जिला पन्ना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नयी
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण-के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वार्षिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी जाब की वावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
साधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तिगों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि, प्लॉट नम्बरसं 512/2, 513/ 517, 518, 526/1,
527/3 527/4, 528/8 ख० नं० 596 ग्राम रायपुरा तह०
शाह नगर जिला पन्ना में स्थित हैं। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका
विवरण अन्तरिती द्वारा स्थापित फार्म नम्बर 37 जो में निहित
है ।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल

टी० टी० नगर, भोपाल

दिनांक : 12-7-1984

माहुर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्रीमती शान्ती शर्मा
पन्ना ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सो०/अर्जन/भोपाल/4888--अतः मुझे,
वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० प्लॉट नम्बर 509, 510, 511, 512/3,
518/3, 519/520, 526/1 है, तथा जो ग्राम रायपुरा में स्थित है
(और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नयी दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर
1983,को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—(2) श्री अजय हरी डालमिया,
4, सिधी हाउस, नयी दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि, प्लॉट नम्बर 509, 510, 511, 512/3, 518/3,
519/520, 526/1 ग्राम रायपुरा तह० शाहनगर जिला पन्ना
में स्थित है। यह वह स्थावर संपत्ति है जिसका विवरण अन्तरिती
द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37जी में निहित है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल,

टी० टी० नगर, भोपाल

दिनांक : 12-7-1984

मोहर :

प्रकृष आर्ई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 जुलाई 1984

निवेश सं० आर्ई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4889—अतः

मुझे, बीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसको सं० भूमि, प्लॉट नम्बर्स 514/532/3, 533/3, खाता नम्बर 596 ग्राम रायपुरा तह० शाहनगर जिला पन्ना है, तथा जो पन्ना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नयी दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती शान्ती गर्मा
पन्ना ।

(अन्तरक)

(2) श्री यदु हरी डालमिया, (एच० यू० एफ०)
4, सिधी हाउस, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि, प्लॉट नम्बर्स, 514, 532/3, 533/3, खाता नम्बर 596 ग्राम रायपुरा तह० शाहनगर जिला पन्ना में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जो में निहित है।

बीरेन्द्र कुमार बरनवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक, आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल),
गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल,
टी० टी० नगर, भोपाल

दिनांक : 12-7-1984

मोहर

प्रकाशक बाई. टी. एन्. एच.-----

(1) श्रीमती शान्ती शर्मा
जिला—पन्ना

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4890—अतः

मुझे, बीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि, प्लॉट नम्बरें 512/1, 518/1, 527/1, 527/2, 532/2, 533/1 है, तथा जो ग्राम शाहनगर जिला पन्ना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नयी दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(2) श्री एच० एम० डालमिया (एच० यू० एफ०), ए० एच० डालमिया (एच० यू० एफ०), श्री बाबू एच० डालमिया, 4 सिधो हाउस नयी दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों द्वारा सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे;

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि, प्लॉट नम्बरें, 512/1, 518/1, 527/1, 527/2, 532/2, 533/1 ग्राम रायपुरा तह० शाहनगर जिला पन्ना में स्थित है । यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित है ।

बीरेन्द्र कुमार बरनवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल

टी० टी० नगर, भोपाल

दिनांक : 12-7-1984

मोहर

प्रकट आई. टी. एन. एस. -----

बाबुकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4891--अतः मुझे,
वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो अश्वरत्नाल, जबलपुर में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर,
1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने में अन्तरक की
हायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स हिन्द कापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमि०
अध्यक्ष श्री राजेश अग्रवाल, 173 सराफा बाई,
जबलपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री योगेन्द्र भार्गव पिता श्रीचन्द्र भार्गव
11, एम० आई० जी० आनन्द नगर, जबलपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान, कारपोरेशन नम्बर 182/1 एबम् भूमि, अश्वरत्नाल
जबलपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण
अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

सक्षम प्राधिकारी

(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त

अर्जन रेंज, भोपाल)

गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मजिल

टी० टी० नगर, भोपाल ।

दिनांक : 12-7-1984

मोहर :

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4892--अतः
मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डायवरसन प्लॉट नम्बर 49 का हिस्सा, मकान
नम्बर 1160 बी है, तथा जो गुप्तेश्वर वार्ड, जबलपुर में स्थित
है (और इससे उगाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर,
1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
थाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
हासिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती माया मुखर्जी जोजे श्री आर० मुखर्जी द्वारा
मु० खास बी० आर० मुखर्जी बल्द स्व० श्री हरिसाधन
मुखर्जी निवासी—टाईप-5 बंगला टेलीकाम फेक्टरी
टाउन, शिव देवनार, बम्बई ।

(अन्तरक)

(2) श्री पुरुषोत्तमलाल भल्ला आत्मज श्री लाला देशमित्र
भल्ला, निवासी—नागपुर रोड, प्रेमनगर,
जबलपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और शर्तों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

डायवरसन प्लॉट नम्बर 49 का हिस्सा मकान नम्बर 1160/
बी/बी/ए, गुप्तेश्वर वार्ड जबलपुर में स्थित है । यह वह स्थावर
सम्पत्ति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्तापित फार्म नम्बर
37 जी में निहित है ।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल
सक्षम प्राधिकारी
(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त
अर्जन क्षेत्र, भोपाल)
गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल
टी० टी० नगर, भोपाल

दिनांक : 12-7-1984

मोहर:

प्रमुख आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4893--अतः

मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० प्लॉट नम्बर 62 पर बना हुआ मकान है, तथा जो
इंदौर विकास प्राधिकरण स्कीम नम्बर 31, सर्वोदय नगर, इंदौर
में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
नवम्बर 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के साधित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती पूनमदेवी पति विशनदास
इंद्रपुरी कानोनी, म० न० 323, इंदौर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती साधु वासवाणी को० आपरेटिव हाउसिंग
सोसायटी मर्यादित इंदौर तरफ अध्यक्ष ऊदुवदाम
पिता तुलसीदास मुंजवानी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नम्बर 62 पर बना हुआ मकान, इंदौर विकास प्राधि-
करण स्कीम क्रमांक 31, सर्वोदय नगर इंदौर में स्थित है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

सक्षम प्राधिकारी

(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त

अर्जन रेंज, भोपाल)

गंगोत्री विल्डिंग, चौथी मंजिल

टी० टी० नगर, भोपाल

दिनांक : 12-7-1984

मोहर :

प्राप्त करने के लिए।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/4894—अन०,

मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य,
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नम्बर एस-72 पर बना हुआ मकान है,
तथा जो सर्वोदय नगर, इंदौर में स्थित है (और इससे उपावृद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकाारी
के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिये नग पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वस्तुस्थिति से संबंधित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की भावना. उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
कार्यक्रम में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
को दिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भू-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रवर्धनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाता चाहिए या, क्रियान्वित में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) श्री परमानन्द पिता श्री लखमीचन्द जी, तरफे ग्राम
मु० शंकरलाल पिता, नेवन्दरामजी
निवासी--बी-58, बी० के० सिधोकापोली, गली
नम्बर 2, इंदौर ।

(अन्तरक)

(2) साधू वासवाणी को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी
संयोजित 367/368, साधू वासवाणी, इंदौर तरफे)
अध्यक्ष श्री उदयदास मंजवाणी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नम्बर एस-72 पर बना हुआ मकान, सर्वोदय नगर
इंदौर में स्थित है ।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

सक्षम प्राधिकारी

निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त

अर्जुन रेंज, भोपाल

गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मजिल

टी० टी० नगर भोपाल

दिनांक : 12-7-1984

मोहर :

प्रारूप आर्.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4895--अतः

मुझे, वीरेन्द्र कुमार वरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० म्यु० पा० नं० 40 है, तथा जो साउथ हाथीपाला
रोड इंदौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इंदौर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सुलेमान पिता रसूल बख व अब्दुल रहमान पिता
सुलेमान जी ।

निवासी—40, हाथीपाला रोड, इंदौर ।

(अन्तरक)

(2) फारुख एण्ड कम्पनी 40 साउथ हाथीपाला रोड,
इंदौर तर्फे पार्टनर मोहम्मद हारून पिता मोहं
फारुख ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिलेखाधिकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

म्यु० पा० नं० 40, मकान साउथ हाथीपाला रोड, इंदौर में
स्थित है ।

वीरेन्द्र कुमार वरनवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल

डो० टी० नगर, भोपाल

दिनांक : 12-7-1984

मोहर :

प्ररूप माहः टी. एन. एस. : २०१७-१८

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, भोपाल
भोपाल, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4896--अतः

मझे, वीरेन्द्र कुमार बरतवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसकी पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नम्बर 174 बी है, तथा जो संगम नगर, इंदौर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्जह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरक स हई किती बाब की बातत, ऊपर अधिनियम की अधीन कर बाने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए बाँट/या

(ब) ऐसी किसी जाय या किसी धन वा अन्य वास्तुवा को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ वन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वयण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रामबाबू नन्नुलाल शर्मा
7, भोंसले की गोठ
नया बाजार, ग्वालियर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती हेमलता परती श्री मदनलाल जी शर्मा
निवासी--44, मेन स्ट्रीट, इंदौर ।

(अन्तरिती)

को यह सपना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अनक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसूची

मकान नम्बर 174, बी संगम नगर इंदौर में स्थित है ।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज,
गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल
टी० टी० नगर, भोपाल

दिनांक : 12-7-1984

भोकर ३५

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सं०/अर्जन/भोपाल/4897--अतः

मुझे, वीरेन्द्र कुमार बनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० मकान नम्बर 174 बी का भाग है, तथा जो
संगम नगर कालोनी, इंदौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) किसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रामबाबू नन्तूलाल शर्मा
7, भांसले की गोठ, नया बाजार,
ग्वालियर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमदनलालजी कस्तूरचन्दजी शर्मा
44, मेन स्ट्रीट, इंदौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्ति तयों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के
पास लिखित में अन्य किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नम्बर 174 बी का भाग, संगम नगर कालोनी,
इंदौर में स्थित है ।

वीरेन्द्र कुमार बनवाल
सक्षम प्राधिकारी
निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

दिनांक : 12-7-1984

मोहर :

मुख्य भाई, टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 जुलाई 1984

निवेदन सं० आई ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4898--अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 174 पर बना हुआ मकान का भाग है, तथा जो जवाहर नगर, इंदौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

- (1) 1. श्री मनमोहन पिता माधव राव मुंशी
2. श्री अरविंद कुमार
3. श्री श्याम कुमार पिता माधवराव मुंशी
4. मनोरमा बाई पति माधव राव मुंशी निवासी-294/2 जवाहर मार्ग इंदौर।

(अन्तरक)

- (2) श्री के० जाप हुसैन पिता सैफुद्दीनजी, निवासी 3/1, दोलतगंज, इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नम्बर 724 पर बना हुआ मकान, का भाग जवाहर मार्ग, इंदौर में स्थित है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, भोपाल

गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिर टी०टी० नगर, भोपाल

दिनांक : 12-7-84

मोहर :

प्रूप. आई. टी. एन. एस्. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4899 अतः

मुझे, वीरेन्द्र कुमार वरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूखण्ड क्रमांक 210 बं० नं० 55 है तथा जो
में स्थित है (और इसे उदाहरण अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नीमच में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 11) के अधीन, दिनांक
नवम्बर 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था स्थानों में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) 1. श्री कमल कुमार

2. श्री नरेन्द्र कुमार पिता श्री भोजराजजी जैन, अग्रवाल,
नीमच-2 जर्मिये म० आ० श्री अशोक कुमार पिता
श्री भोजराजजी जैन अग्रवाल, नीमच-2 (म० प्र०)
(अन्तरक)

(2) श्री कृष्ण अवतार पिता श्री रामकिशन जी गोयल,
निवासी —नीमच केण्ड ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किया जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुष्ठी

भूखण्ड क्रमांक 210, बं० नं० 55, नीमच-2 में स्थित है ।
यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्या-
पित फार्म नम्बर 37-जी में स्थित है ।

वीरेन्द्र कुमार वरनवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल
गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल
टी० टी० नगर, भोपाल

दिनांक : 12-7-1984

मोहुर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन श्रेष्ठ, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4900—अन्तः,
मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नम्बर 45 का दक्षिणी भाग बं० नं० 55
है, तथा जो नीमच-2 में स्थित है (और इससे उपाब्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नीमच में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में
वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिसमें आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) का
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाव से
सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) 1 श्री कमल कुमार,
2. श्री नरेन्द्र कुमार पिता श्रीभोजराज जी जैन अग्रवाल
नीमच कैण्ट; जगिये मु० ग्राम अशोक कुमार पिता
श्री भोजराज जैन, नीमच कैण्ट ।

(अन्तरक)

(2) श्री मत्तनारायण पिता शिवकरण अग्रवाल
नीमच कैण्ट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

मकान प्लॉट नम्बर 45 का दक्षिणी भाग, बं० नं० 55,
नीमच-2 में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण
अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37-जी में निहित है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, भोपाल
गंगोली बिल्डिंग, चौथी मंजिल
टी० टी० नगर, भोपाल

दिनांक : 12-7-1984

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4901—अतः,
मुझे, बीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 45 का उत्तरी भाग, बंगला नं० 55 है,
तथा जो नीमचकैण्ट नं० मध में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नीमच में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

25—206 GI/84

(1) 1. श्री कमल कुमार

2. श्री नरेन्द्र कुमार पिता भोजराजजी जैन अग्रवाल,
नीमच कैण्ट, अरिये सु० आ० अशोक कुमार पिता
श्री भोजराजजी जैन अग्रवाल, नीमच कैण्ट ।
(अन्तरक)

(2) श्री ओम प्रकाश पिता श्री शिवकरण जी अग्रवाल,
नीमच कैण्ट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नम्बर 45 का उत्तरी भाग, बंगला नं० 55, नीमच
कैण्ट में स्थित है । यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण
अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37-जी में निहित है ।

बीरेन्द्र कुमार बरनवाल

सक्षम प्राधिकारी

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल

टी० टी० नगर, भोपाल

दिनांक : 12-7-1984

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निराकरण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4902—अतः,
मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है

ग्रौज गिमकी सं० भूमि ख० नं० 97/1/1, 94, 96 है, तथा जो
ग्राम छोटी खरगोन, तह० महेश्वर में स्थित है (ग्रौज इससे उपावृद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, महेश्वर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) की भी ए० एस० अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण तं हुई किसी जान की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दण्यत्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
आर/बा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्तात :—

(1) श्री नत्थू सिंह पिता भुवानी सिंह,
ग्राम धरगांव, तह० महेश्वर।

(अन्तरक)

(2) श्री सनाउद्दीन पिता शंभूसीर खां,
ग्राम करोदिया, तह० महेश्वर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि ख० नं० 97/1/1, 94, 96, ग्राम छोटी खरगोन, तह०
महेश्वर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण
अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37-जी में निहित है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल
सक्षम

सहायक आयकर आयुक्त (निराकरण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल

टी० टी० गनर, भोपाल

दिनांक : 12-7-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - - -

(1) श्री जयपालदास पिता श्री समंतरामजी बजाज
निवासी—24, छोटी म्वाल टोली, इंदौर।
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) 1. श्रीमती गिताबाई पति श्री राजारामजी बजाज
2. श्री धनराज पिता श्री राजाराम जी बजाज
निवासी—8/2, उषागंज, छावना, इंदौर।
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4903—अतः,

मुझे, बीरेन्द्र कुमार बरनवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नम्बर 47 पर बना हुआ मकान, है, तथा
जो इंदौर विकास प्राधिकरण योजना क्रमांक 47 इंदौर में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुचो में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983,
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतराक्तों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में प्रत्येक
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा महाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की मात्रा, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वयण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

अनुसूची

प्लॉट नम्बर 128 व उस पर बना हुआ मकान, इंदौर विकास
प्राधिकरण योजना क्रमांक 47, इंदौर में स्थित है।

बीरेन्द्र कुमार बरनवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, भोपाल
गंगोत्री बिल्डिंग चौथा मंजिल,
टी० टी० नगर भोपाल

दिनांक : 12-7-1984
सोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 जुलाई 1984

निवेदन सं० आई० ए० सो०/अर्जन/भोपाल/4904—अतः,

मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान म्यु० गृ० क्र० 4/1233/3 नया नं० 8 है, तथा जो शंकराचार्य मार्ग गली क्रमांक 6, कलालसेरी, उज्जैन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, उज्जैन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रामचन्द्र कुमावत आत्मज श्री धूलजी निवासी—म० नं० 8, कलालसेरी, उज्जैन ।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री जुगोल किशोर मेड़तवाल आत्मज श्री कन्हैयालालजी
2. श्रीमती कंचनबाई मेड़तवाल पत्नी श्री जुगलकिशोर जी निवासी—फव्वारा चौक, उज्जैन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अंधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान म्यु० गृ० क्र० 4/1233/3, नया नम्बर 8, शंकराचार्य मार्ग, गली क्रमांक 6, कलालसेरी उज्जैन में स्थित है ।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

सक्षम प्रा

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

गंगोत्री विलिडिंग, चौथी मंजिल

टी० टी० नगर, भोपाल

दिनांक : 12-7-1984

माहिर

शारूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4905—अतः,

मुझे, श्रीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिनको सं० खण्डहर है, तथा जो मंदसौर में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूचों में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908

(1908 का 16) के अधिन, दिनांक नवम्बर 1983 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ए०से दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ए०से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रत्येकान्वय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) दि मंदसौर इलेक्ट्रिक सप्लाय कम्पनी लिमि०, मंदसौर; द्वारा सज्जनलाल पिता श्री रत्नचन्दजी भिण्डा डायरेक्टर, मंदसौर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमता खताजाबाई पिता हाजा फिदाहुसैन पति मुज्जफर हुसैन,

निवासी—मंदसौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जहाँ भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खण्डहर मंदसौर में स्थित है यह वह स्थावर संपत्ति है, जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37-जी में लिखित है।

श्रीरेन्द्र कुमार बरनवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

गंगोत्री बिल्डिंग चौथी मंजिल

टी० टी० नगर, भोपाल

दिनांक : 12-7-1984

संहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4906--अतः,
मुझे, बीरेन्द्र कुमार बरनवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसको सं० खुला भूमि, खण्डहर है, तथा जो बार्ड नम्बर 17,
म्यु० कमेट्री नं० 1 का भाग, मंदसौर में स्थित है (और इससे
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रिकर्ता अधि-
कार का कार्यालय, मंदसौर में रजिस्ट्रिकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983,
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
भास्वरिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) किसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री मंदसौर इले० सप्लाई कम्पनी लिमि०, मंदसौर
सज्जनलाल पिता श्री रत्नचन्द्रजी भिण्डा, डायरेक्टर
मंदसौर ।

(अन्तरक)

(2) श्री कुतुबुद्दीन पिता श्री मुज्जफर हुसैन,
निवासी--मंदसौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

खुला भूमि खण्डहर, बार्ड नं० 17, म्यु० कमेट्री नं० 1 का भाग,
मंदसौर में स्थित है ।

बीरेन्द्र कुमार बरनवाल
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल,
गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल
टो० टी० नगर, भोपाल

दिनांक : 12-7-1984
मोहर :

प्रकृष आर्. टी. एम. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4907--अतः

मुझे, श्रीरंज कुमार बरनवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० म० नं० जी० जी०-1 है, तथा जो 54, आई०
डी० ए०, इंदौर में स्थित है (और इसमें उपावृत्त अनुसूची में और
पूर्ण के रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन दिनांक नवम्बर 1983।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) किसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री राधवेन्द्र कुण्ठाचार्य सरफे आम मु०

श्री प्रकाश कन्हैयालाल गुप्ता

निवासो—6/3, रेस कोर्स रोड, इंदौर।

(अन्तरक)

(2) श्री मन्यनारायण आत्मज गोमसिंह राजावत

निवासो—330, मंदानगर, इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

संकेत नं० जी० जी०-1, आई० डी० ए०, इंदौर में स्थित
है।

श्रीरंज कुमार बरनवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल),

गंगोत्री विलिडिंग, चौथी मंजिल

टी० टी० नगर, भोपाल

दिनांक : 12-7-1984

मोहर

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सो०/अर्जन/भोपाल/4908--अतः

मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० मकान, प्लॉट नम्बर 138/2 पर बना हुआ है,
तथा जो दाउदपुरा, बुरहानपुर में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, बुरहमापुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से अभित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री आवतराम केवलराम सिंधी
2. श्रीमती ईश्वरबा पुईती आवतराम सिंधी
निवासी--दादपुरा, बुरहानपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री गोपीनाथ पिता टोकमदास शाह
निवासी--गुजराती माड, राजपुरा,
बुरहानपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निम्न
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्त
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

मकान प्लॉट नं० 38/2 पर बना हुआ, प्लॉट नं० 13,
दाउदपुरा बुरहानपुर में स्थित है यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका
विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित
है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल
प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन क्षेत्र, भोपाल
गंगोत्री विलिङ्ग, चौथी मं जिल
टी० टी० नगर, भोपाल

दिनांक : 12-7-1984

मोहर :

प्रकृत आई. टी. एन. एम.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल 4909—अतः

मूझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि ख० नं० 200/1 है, तथा जो ग्राम लालबाग
तह० बुरहानपुर में स्थित है (और इससे उपाय अतुल्य मे और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
बुरहानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

26-206 GI/84

(1) श्री डुकुमसिंह वल्लु वीरसिंह डाकुर,
निवासी—आस बाजार, तह० बुरहानपुर ।
(अन्तरक)

(2) गांधीनगर को०-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमि०,
बहादुरपुर रोड-बुरहानपुर की ओर में अध्यक्ष मधुभाई
वल्लु कदुभाई पटेल ।
निवासी—चौक बाजार, बुरहानपुर ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि ख० नं० 200/1, ग्राम लालबाग तह० बुरहानपुर में
स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण अन्तरिती
द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37 जी में निहित है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, भोपाल

दिनांक : 12-7-1984

मोहर :

मुख्य बाह्य टी. एन. ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4910---अतः

मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ख० नं० 283 है, तथा जो कस्बा रतलाम में
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रतलाम में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर
1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित उद्देश्यों के अर्थ :—

(1) श्री अब्दुल मजीद पिता गुलशराजी, सरांती
सरोबीपुरा, रतलाम ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमन्त प्रभा नूरी पत्नी श्री फकरादीनजी आत्मज
अहं अलोजा बोहरा
निवासी---टी० आई० टी० रोड, रतलाम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि ख० नं० 283, रतलाम में स्थित है। यह वह स्थावर
संपत्ति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा मर्यापित फार्म नं०
37 जी में लिखित है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

दिनांक : 12-7-1984
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल--4911--अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि ख० नं० 257/3 है, तथा जो काश्तकब्जा, रतलाम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रारकी अधिकारी के कार्यालय रतलाम में रजिस्ट्रारकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उचित अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या क्रियान्वित जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री लक्ष्मीनारायण पिता श्री भागजो मोहल्ला खातापुरा, आनन्द कालोनी, रतलाम । (अन्तरक)

(2) मैसर्स पोखरना ब्रदर्स, खांदनो कीक, रतलाम, द्वारा श्री शान्तिलाल पिता श्री रतनलाल पोखरना रतलाम । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपे :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वि-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी व पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि: मकान नं० 257/3, खाती कब्जा, रतलाम में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37-जी में निहित है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज भोपाल)
गंगोत्री बिल्डिंग चौथी मंजिल
टी० टी० नगर, भोपाल

दिनांक : 12-7-84
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एस.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4912--अतः

मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसका सं० प्लॉट नं० 267 है, तथा जो अनुपनगर, इंदौर
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रेशन
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर,
1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का
पञ्चगुण प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिणी
(अंतरिणियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किता जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसूच
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

(1) श्रीमती उषा पति जयराम खटवानी
निवासो--142, पलसोकर कालोनी,
इंदौर।

(अन्तरक)

(2) श्री संकर्षण प्रसाद पिता श्री कुलपति रामजी
निवासो--नवरतनबाग, इंदौर।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नम्बर 267, अनुप नगर, इंदौर में स्थित है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

दिनांक : 12-7-1984

मोहर :

प्रूप. आई. टी. एन. एत., -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सं०/अर्जन/भोपाल/4913--अतः

मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० प्लॉट है, तथा जो (कटनी स्थित है) और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण में रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार
अधिकारी के कार्यालय, कटनी में रजिस्ट्रार अधिनियम 1908

(1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्त-
रिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रत्येक अन्तर्गति द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाता चाहे था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मेसर्स एस० एन० सुदर्शन एण्ड कम्पनी
वेशबन्धु गुप्ता रोड, नया दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री सुधीर कुमार जैन पिता श्री सुन्दरलाल जैन,
कटनी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट, राना प्रताप बाई, कटनी में स्थित है ।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल

टी० टी० नगर, भोपाल

दिनांक : 12-7-1984

मोहर :

प्रमुख आर्. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4914--अतः

मुझे, बीरेन्द्र कुमार बरनवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० प्लॉट है, तथा जो राना प्रताप बाई, कटनी में
स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण से रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रार की अधिकारी के कार्यालय, कटनी में रजिस्ट्रार के अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर,
1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
वर्ष प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण भिन्नित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (1) मेसर्स सुदर्शन एण्ड कम्पनी
देशबन्धु गुप्ता रोड,
नयी दिल्ली ।

(अन्तरक)

- (2) श्रीमती चन्द्रप्रभा पत्नी श्री सुभाष चन्द
मण्डा बाजार, कटनी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और बर्णों का, जो उक्त
अधिनियम, की अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथा—

प्लॉट, 3000 स्क्० फीट, राना प्रताप बाई, कटनी में स्थित
है ।

बीरेन्द्र कुमार बरनवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज भोपाल
गंगोली बिल्डिंग, चौथी मंजिल
टी० टी० नगर, भोपाल

दिनांक : 12-7-1984
सोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/4915 अतः

मूझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० प्लॉट है, तथा जो कटनी में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, कटनी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है ---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्ययत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा इकट्ठा नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छुपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेरवी एस० एन० सुदर्शन एण्ड सम्पत्ति
देवबन्धु गुप्ता रोड,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री अरुण वैद्य पिता भगवानदास वैद्य
गतगा।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दृष्टबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुमोदी

प्लॉट, राना प्रताप बाई, कटनी में स्थित है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेज, भोपाल
गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल
डो० टी० नगर, भोपाल

दिनांक : 12-7-1984

मोहर :

प्रमुख आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4916—अतः

मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है, तथा जो कटनी में स्थित है (और इससे
उपरोक्त अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रार
अधीनारी के कार्यालय, कटनी में रजिस्ट्रार अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
हाथिए में कमी करने या उससे बचने में सहायता
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, बिना भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सहिष्णुता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
सुविधा के लिए;

(1) मैत्री एन० एन० सुदर्शन
एण्ड सम्पत्ती, देशबन्धु गुप्ता
रोड, नयी दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री लक्ष्मीप्रसाद शुक्ला पिता गया प्रसाद शुक्ला
कटनी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अनधिकृतरी के पात्र
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और नदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट, राणाप्रताप बाई कटनी में स्थित है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल
गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल
टी० टी० नगर, भोपाल

दिनांक : 12-7-1984

मोहर

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. -----

(1) मेसर्स सुदर्शन एण्ड कम्पनी
देशबन्धू गुप्ता रोड,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, भोपाल

भोपाल; दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4917---अनः
मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी प० प्लॉट है, तथा जो राणा प्रताप वार्ड, कटनी में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कटन में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर,
1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कार्यलय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

नतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यर्थात् :--
27-206GI/84

(2) श्री सुधीर कुमार जैन पिता सुन्दरलाल जैन
मण्डाबाजार, कडा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट, राणा प्रताप वार्ड कटनी में स्थित है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल
गेगाव्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल
टी० टी० नगर, भोपाल

दिनांक : 12-7-1984

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4918--अतः

मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० मकान नम्बर 61/3 है, तथा जो वीर सावरकर मार्केट, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का नाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मनोहर यशवन्त चुनेकर
37, देवी अहिल्या मार्ग, इंदौर।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद
2. श्री गुलाम,
3. श्री हनीफ पिता श्री युसुफ।
निवासी—10, सियामंज, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कच्चा माल नम्बर 61/3, वीर सावरकर मार्केट, इन्दौर में स्थित है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल
सक्षम प्राधिकारी
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त
अर्जन क्षेत्र, भोपाल
गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल
टी० टी० नगर, भोपाल

दिनांक : 12-7-1984

मोहर :

प्रकृप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की;

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० मो०/अर्जन/भोपाल/4919--अतः

मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 1/1555 का भाग है, तथा जो उज्जैन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उज्जैन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी लाभ की वारदात, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वास्तव्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जवाब :—

(1) पिकीबाई पुत्री रामदेवजी अग्रवाल
निवासी—दादाभाई नारोजी मार्ग,
उज्जैन ।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री कैलाश नारायण,
2. श्री रमेशचन्द्र,
3. श्री राजेन्द्र कुमार,
4. श्री संजय कुमार एवं मनोज कुमार पिता श्री
बद्रीप्रसादजी जीशी
निवासी—सेठी नगर, उज्जैन ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिभूताधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान नम्बर 1/1555 का भाग, कञ्चाल उज्जैन में स्थित है ।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल
सक्षम प्राधिकारी
(निरीक्षी) सहायक आयकर आयुक्त
अर्जन क्षेत्र, भोपाल
गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल
टी० टी० नगर, भोपाल

दिनांक : 12-7-1984

मोहर :

प्रकृष आर्. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जुलाई 1984

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 107/84-85—अतः मुझे,
एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट है, जो बैसाग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, बैसाग में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर 1983

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की इष्टमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इष्टमान प्रतिफल से, ऐसे इष्टमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स पैरामाऊंट कन्स्ट्रक्शन्स, ह्या है
मैनेजिंग पार्टनर, सेंट वि० लक्ष्मी,
दासपल्ली, हील्स, बैसाग ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती डॉ० के० मंजूला बानी, पति के० ठही० सी०
के० तिलक डॉ० नं० 15-12-7, कृष्णनगर,
बैसाग ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
आवश्यकता शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितवा
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के धारा 20-क में परिभाषित हैं
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लैट, विशाखापटनम, म्युनिपल मंजीसीपाल परिसर,
महाराणीपेट बोर्ड, विस्तीर्ण 1100 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत
विलेख नं० 12939/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बैसाग ।

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 10-7-1984
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एन.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जुलाई 1984

निदेश सं० 108/84/85—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फर्नट है, जो महारानीपेट बाढ़ बेंजाग में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बेंजाग में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल, से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी भाय की वास्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य वास्तियों को बिना भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिसूचित :—

(1) मेसर्स पैरामाऊंट कन्स्ट्रक्शंस, वाई श्री वी० प्रभातकुमार (जो० पी० ए०) दासपल्ली हिल माईड बेंजाग ।

(अन्तरक)

(2) श्री डॉ० बेंकट शास्त्री, प्लॉट नं० 42, टी० पी० टी० कालोनी, विशाखापटनम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि भाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट महारानीपेट, बेंजाग, स्तिर्ण 1300 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत
विलेख नं० 13127/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बेंजाग ।

एम० जेगनमोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 10-7-1984

मोहर :

प्रारूप : आई. टी. एन. एस. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, रावाव

हैदराबाद, दिनांक 10 जुलाई 1984

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 109/84-85—यतः,

मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट है, जो माहाराणीपेट वाडं वैभाग में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वैभाग में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बृद्ध प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स पैरामाउंट कंस्ट्रक्शन्स, आई श्री बी० प्रभात कुमार (जी० पी० ए०) दासपल्ली हीलस भवैलाक ।
(अन्तरक)

(2) श्री वेपा कृष्णामूतन माहाराणीपेट, वाडं, ब्लॉक नं० 7 टी० यस० 155, नीयर कोस्टल बैटरी, जंक्शन, विणाखापटनम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट माहाराणीपेट वैभाग, विस्तीर्ण 1100 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विनेख नं० 13128/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी वैभाग ।

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 10-7-1984
मोहर #

प्रमुख बाई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री बाई.टी.राधा राव और अन्य डी० नं० 32-1-207/1
श्री श्रीपुरम, बैसाग ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना(2) श्री वी० आर० मोहन पिता वी० राम मोहन,
डी० नं० 31-31-17, साईबाबा स्ट्रीट,
बैसाग-20 ।

(अन्तरिनी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जुलाई 1984

आर० ये० सी० नं० 110/84-85—यन : मुझे एम०
जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सख्त प्राधिकारी को; यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी स० माहट, है, जो बैसाग स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बैसाग में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाह्यविक्रय से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसूचन में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्समवैधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

रजिस्ट्रीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो वे प्राप्ति में दिए गए हैं।

अनुसूची

खुली जमीन, विस्तीर्ण 690 चौ० गज, विनाबापटनम, मारकेट बाई, ब्लॉक नं० 1, डी० एम० नं० 2ए-1, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 13378/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, बैसाग ।

एम० जेगन मोहन
सख्त प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, हैदराबाद

दिनांक : 10-7-1984

मोहुर

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जुलाई 1984

आर० ये० सो० नं० 111/84-85—यन: मुझे, एम०

जंगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है:

श्रीर जमकी सं० प्लेट है, जो महारानीपेट बाई वैशाग स्थित है
(श्रीर इससे उपानवत अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वैशाग में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
नवम्बर 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
समूह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित
से वास्तविक रूप से कीमत से नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मेमर्स गैरामाऊन्ड कम्प्यूकशन्स वाई श्री बी० प्रभातकुमार
(जी० पी० ए) दामयल्ली हिल्स, वैशाग।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती यस० कोकीलवानी पति डा० एस० श्रीनिवास
गुरुप्रसाद गोवपलू ईस्ट गोदावरी जिला।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

प्लेट महारानीपेट, वाई व्हाक नं० 7, विस्तीर्ण 1100 बी०
फुट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 12939/83 अधिकारी, वैशाग

एम० जंगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, हैदराबाद

दिनांक : 10-7-1984
मोहर :

प्रमाण आई. टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन क्षेत्र, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जुलाई 1984

आर० ये० सी० नं० 112/84-85—यन० मु०, एम०

जेगन मोहन.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी में फ्लैट है, जो बेसाध विस्तृत है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्णतः वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विज्ञान में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा-269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

28—206 GI/84

(1) मेमर्स पैगामांकृत कन्स्ट्रक्शंस बार्ड और वी० प्रभाकरकुमार (जी० वी० ए०) दायवल्ली हिल्स, बेंगलूर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती वही० राजलक्ष्मी पति रामभुवि, फ़्लैट अपार्टमेंट-4, कोम्प्लेक्स बटरी जवहन, महाराणीपेट, विगाखापटनम-530002।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट महाराणीपेट, बार्ड बेसाध विस्तृत 1100 बी० फुट, रजिस्ट्रीकर्ता विवेक नं० 13129/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी विगाखापटनम।

एम० जेगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन क्षेत्र, हैदराबाद

दिनांक . 10-7-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जुलाई 1984

आर० ये० सी० नं० 113/84-85-अन. मुद्रा, एम० जेसन
मोहन,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिनकी मं० घर है जो भीमावरम स्थित है (और इसमें
उणावड़ अनुसूची में और पूर्णत्वा में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, भीमावरम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर,
1983.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अन्तर्गत कर देने के अन्तरक के
शायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधि- :—

- (1) श्री के० अचन्ना रिया गुरुवा,
148 बार्ड, भीमावरम, वेस्ट गोदावरी जिला ।
(अन्तरक)
- (2) श्री के० चन्द्र सा पनि गुरुना,
148 बार्ड, भीमावरम, वेस्ट गोदावरी जिला ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिनों की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि
भाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितग्रह
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाग
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

घर सम्पत्ति, भीमावरम, विस्तीर्ण 386 चौ० गज, भूमि
और 1316 चौ० फुट, ब्लॉक, रजिस्ट्रीकृत विवेक नं० 3707/
83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भीमावरम ।

एम० जेसन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, हैदराबाद

दिनांक : 10-7-1984

मोहर :

प्ररूप भाई. टी. एन. एस. - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जुलाई 1984

आर० ए० पी० नं० 114/84-85--गन. मुञ्ज. एम०
जेसन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० घर है, जो 54 लाइन चन्द्रमौलीनगर, गुंटूर
स्थित है (और उसमें उपायुक्त यन्त्रों में और पूर्णता से वर्णित
है), रजिस्ट्रारकी अधिकारों के कार्यालय गुंटूर में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्जन, दिनांक
नवम्बर 1983,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री एम० मनावालुया पिता वरदाराप्पा नाड्डू
चन्द्रमौलीनगर, गुंटूर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पी० वेंकटरत्नम्मा पति डा० पी० भगवन्ता-
रायन्ना,
डी० नं० 4-1-43, रामन्नापेट, गुंटूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जांच:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

घर सम्पत्ति, 54 लाइन, चन्द्रमौलीनगर, गुंटूर, विस्तार
792 चौ० गज, जमीन, और 1890 चौ० फुट, प्लॉट एरिया,
रजिस्ट्रीकृत विवेक नं० 9451/83 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गुंटूर ।

एम० जेसन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, हैदराबाद

दिनांक: 10-7-1984

सोहर:

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

(1) श्रीमती एम० पूट्टम्मा और अन्य तुरतापल्लवारि विडी, काकीनाडा ।

(अन्तरक)

भाष्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख (1) के अधीन सूचना

(2) श्री आर० श्रीरामचन्द्र विम्बेश्वर राव, घर न० 49-33-ए, मोनाम्माधरा, बेलगा ।
(अन्तरिनी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जुलाई 1984

आर० ये० न० 115/84-35-यत मुझे, एम०

जेमन मोहन,

भाष्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसके म० धर है, जो काकीनाडा में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, काकीनाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति से उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निर्मालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाधित उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भाष्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन, निर्मालिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर सम्पत्ति काकीनाडा डी० न० 2-59-1/2, विस्तार 347 चौ० गज, भूमी और 893 चौ० फुट पूर्ण रजिस्ट्रीकृत विनियम न० 10045/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी काकीनाडा ।

एम० जेमन मोहन
सूक्ष्म प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेज, हैदराबाद

दिनांक : 10-7-1984

मोहर

प्रकट नाम: डॉ. एन. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जुलाई 1984

निर्देश सं० आर० ये० सी० न० 116/84-85-यत० मुझे,

एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० घर है, जो विजयवाड़ा स्थित है (और इसमें
उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधि-
अधिकारी के कार्यालय में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अर्जन, दिनांक नवम्बर 1983
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कार्यत्व में कमी करने या उमरे बढ़ने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

नतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री राम मूर्ती पिता बल्लभ्या,
विजयवाड़ा—1 ।

(अन्तरक)

(2) श्री के० वेंकटराधाकृष्णामूर्ति और अन्य
डी० न० 11-25-274, 11थ वार्ड,
विजयवाड़ा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

घर सम्पत्ति, विजयवाड़ा, रजिस्ट्रीकृत विनेख नं० 6789/
83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजयवाड़ा ।

एम० जेगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 12-7-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जुलाई 1984

निर्देश सं० आर० ये० सं० न० 117/84-85--यतः

मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० घर है, जो कुण्णालंका विजयवाड़ा में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
नवम्बर, 1983,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री के० मुन्नाराय और अन्य,
द्रायवर पेट कुण्णा लंका विजयवाड़ा।
(अन्तरक)
- (2) श्रीमती एम० यूडावनी पति रामा राव
कुण्णा ग्रहारम कुण्णा लंका विजयवाड़ा
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

पर सम्पत्ति जो डी० न० 47-27-35 ए, कुण्णा, लंका,
विजयवाड़ा, विस्तीर्ण 112 चौ० गज, भूमि और 892 चौ०
फुट, दूसरा मजला 4 रजिस्ट्री कुन विनोद न० 6883/83, रजि-
स्ट्रीकर्ता अधिकारी विजयवाड़ा।

एम० जेगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 12-7-1984

मोहर।

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भाग 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जुलाई 1984

निर्देश सं० आ.र. नं० सं० नं० 118/84-85-यन:

मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, जो पाटामाटा विजयवाड़ा में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसकी दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती एल० निरमला पति वेंकटेश्वर राव,
विजयवाड़ा ।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० ऊदयकुमार पिता मुव्वय्या पी० वही० राजु
विधि, रामनगरम, विजयवाड़ा—3 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन की सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति, भूमि, विस्तीर्ण 40 सेंट्स, पाटामाटा, विजयवाड़ा,
रजिस्ट्रीकृत विवेक नं० 7054/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
विजयवाड़ा ।

एम० जेगन मोहन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 12-7-1984

मोहुर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जुलाई 1984

सं० आर० ये० सो० नं० 119/84-85—यतः मुझे,
एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है
और जिसको सं० भूमि है, जो पाटामाटा, विजयवाड़ा में स्थित है और
इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
नवम्बर, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीधत् नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वर्षाव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जे० लक्ष्मी लक्ष्मीलक्ष्मी पति नरसिम्हा राव,
पाटामाटा लंका, विजयवाड़ा ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमता सं० एच० विजया कुमारी पति सत्यनारायण
विजयवाड़ा ।

(अन्तरिती)

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि विस्तीर्ण 40 सेंट्स पाटामाटा, विजयवाड़ा रजिस्ट्रीकृत
विलेख नं० 7060/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजयवाड़ा ।

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, हैदराबाद

दिनांक : 12-7-1984

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जुलाई 1984

आर० ये० सी० नं० 120/84-85—अतः मूजे. एम० जेगन
मोहन.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयम करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, जो खम्भम में स्थित है (और इसमें उपा-
बद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, खम्भम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर, 1983,
को पर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूजे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण है हुई किसी जाब की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व को
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
बाद/बा

(ख) ऐसी किसी जाब या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बधाई है:—

29-20 31/84

(1) श्री वही श्रीनिवासा राव और अन्य,
खम्भम

(अन्तरक)

(2) किराना एण्ड जेनरल मरचेंडिस एसोशिएशन आई
श्री त्वी० नरगभूपनम, प्रेसाडेंट, खम्भम ए० पी०
(अन्तरिती)

(3) (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

(4) (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पर्योक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्योक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुली जमीन विस्तीर्ण 69, चौ० गज, वाटर टैंक रोड,
खम्भम, रजिस्ट्रीकृत बिलेख नं० 2316, 4035, और 3723/
83 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी खम्भम।

एम० जेगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 12-7-1984

मोहर :

प्ररूप भाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जुलाई 1984

सं० आर० ये० सी० नं० 121/84-85—यतः सुझे, एम०
जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसे को स० भूमि है, जो पत. ट. माटा, विजयवाड़ा में स्थित है
(और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक नवम्बर, 1983,

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि गद्यपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरक) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
व्यक्तिक रूप से उचित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुआ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एंगी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
अनुसूची अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती ह्री० निरमाला देवी पति सुप्रभन्वस्वामी,
वरप्रसाद,
विजयवाड़ा ।
(अन्तरक)

(2) श्री सी० एच० कामेश्वर राव विजयवाड़ा ।
(अन्तरिती)

(3) (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) (वह व्यक्ति, जिस बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि विस्तीर्ण 50 सेंट्स पाटामाटा, विजयवाड़ा, रजिस्ट्रीकृत
विलेख नं० 7125/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजयवाड़ा ।

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 12-7-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० आर० ये० सी० नं० 355/84-85—यतः
मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० भूमि है, जो बलागोंडा, करीमनगर में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करीमनगर, में भारतीय,
रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक नवम्बर 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ह्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके ह्यमान प्रतिफल से, ऐसे ह्यमान प्रतिफल का
बढ़ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एम० दशरथ रेड्डी और अन्य, पातालापल्ली,
करीमनगर जिला।

(अन्तरक)

(2) मेक्स श्रीनिवासा पार बोडल्ल राइस एण्ड आइल
इंजस्ट्रीज नलागोंडा, करीमनगर, जिला।

(अन्तरिती)

(3) (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) (वह व्यक्ति, जिस बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्रदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि विस्तीर्ण 5 एकड़ 4 नलागोंडा, रजिस्ट्रीकृत बिलेख
नं० 4026/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी करीमनगर।

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 12-7-1984
मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० आर० ये० मी० सं० नं० 356/84-85---यतः
मुझे, एम० जेगन मोहन.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० गैरीयज, है, जो सदफाबाद, हैदराबाद में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्री
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
नवम्बर 1983.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निमित्त में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स धनजय होटल्स प्रा० लि०
हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री ए० वेंकटराव, प्लॉट नं० 115,
श्रीनगर कालोनी, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

(3) (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

गैरीयज नं० 12, ग्राउंड फ्लोअर, सदफाबाद, हैदराबाद,
विस्तीर्ण 263 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत बिलेख नं० 5608/83,
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद ।

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 12-7-1984

माहूर :

प्रकृ. भा. टी. एन. एस. ---

(1) श्री पी० आनन्द,
गवलीगुंडा, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एल० रामभद्रय्या, घटकेष्वर,
नलगोंडा, जिला ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जुलाई 1984

आर० ये० सी० नं० 357/84-85—यतः मुझे, एम०
जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, जो येमनापेट स्थित है (और इसमें
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, उपल, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और यहाँ यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लेखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवर्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

बन्सूची

भूमि, विस्तीर्ण 12 एकड़, येमनापेट, रंगारेड्डी जिला रजिस्ट्रीकृत
विलेख नं० 4290/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी उपल ।

एम० जेगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 12-7-1984

मोहर

प्रकृष बाई. टी. एन. एस. -----

(1) श्री पी० बलराम,
ग्रोवलीगुंडा, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना(2) श्रीमती एल० सोजा पति एल० रामभय्याड
घटकेधवर ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जुलाई 1984

आर० ये० सी० नं० 358/84-85—यतः मुझे, एम०

जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, जो घटकेधवर स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ऊपल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि विस्तीर्ण 10 एकड़, नियर घटकेधवर, रजिस्ट्रीकृत
विलेख नं० 4291/83, रजिस्ट्रीकर्ता ऊपल ।

एम० जेगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 12-7-1984

मोहर 3

प्रथम भाई टी. एन. एस. - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जुलाई 1984

सं० आर० ये० सी० नं० 359/84-85—यतः मुझे, एम०
जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० घर है, जो कोथापेट, रंगारेड्डी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी) कार्यालय, ऊपल, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर, 1983, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् : --

- (1) श्री ह्री० श्रीरामलू, पिता ह्री० रंगय्या,
वीरंमकम ।
(अन्तरक)
(2) श्री डी० रामलू पिता लक्ष्मीय्या,
घर नं० 19-3-423, जेहानूमा, हैदराबाद ।
(अन्तरिती)

कि यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वादोपः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसाब कि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के बाह्य लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर कोथापेट, रंगारेड्डी जिला, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4137/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी ऊपल ।

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 12-7-1984
मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जुलाई 1984

आर० सं० सी० नं० 360/84-85—यतः मुझे, एम०

जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, जो मारेडपल्ली स्थित है (और इसमें उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मारेडपल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एम० श्रीनिवामा हाउसिंग सोसायटी लि०
हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स शोभना को०-प्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि०, 9-2-605, रेजीमेंटल आभार,
सिकन्दराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि, विस्तीर्ण 20 गूठे, मारेडपल्ली, सिकन्दराबाद रजिस्ट्रीकृत
विलेख नं० 2020/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मारेडपल्ली ।

एम० जेगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 10-7-1984

माहूर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जुलाई 1984

आर० ये० सी० नं० /84-85--यन: मुझे, एम०
जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, जो पाटामाटा, विजयवाड़ा स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक नवम्बर 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

30-206—GI/84

(1) श्रीमती जी० लक्ष्मी निरुपतम्मा पनि श्री जी०
नरसिम्हाराव,
पाटामाटालंका, विजयवाड़ा, कृष्णा जिला ।
(अन्तरक)

(2) श्री जी० रामबाबू और अन्य
विजयवाड़ा, कृष्णा जिला ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि विस्तीर्ण 40 सेंट्स, पाटामाटा, विजयवाड़ा, रजिस्ट्रीकृत
विलेख नं० 7055/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजयवाड़ा ।

एम० जेगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 12-7-1984

मोहर :

प्रथम भाग. टी. एन. ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भाउत सरकाउ

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जुलाई 1984

सं० आर० ये० सी० नं० 123/84-85—यल० मुझे, एम०
जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
₹5,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, जो पाटामाटा विजयवाड़ा स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजि-
स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
नवम्बर 1983,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के नियम;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती लक्ष्मी निरमला पति एल० वेकटेश्वरराव,
विजयवाड़ा ।

(अन्तरक)

(2) श्री डी० साम्बाशिव राव और अन्य,
विजयवाड़ा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में प्रेषित जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि, विस्तीर्ण 1 एकड़ 4 सेंटर पाटामाटा, विजयवाड़ा,
रजिस्ट्रीकरण विलेख नं० 7053/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी,
विजयवाड़ा ।

एम० जेगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

(सहायक आयकर आयुक्त) निरीक्षण

अर्जुन रंज, हैदराबाद

दिनांक : 12-7-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 1984

आर० ये० सो० नं० 124/84-85—यतः मुझे, एम०

जैगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० घर है, जो चीराला स्थित है (और इसमें उदावद्ध
अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, चीराला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री ह्री० वेंकट सुब्बा राव और अन्य,
चीराला ।

(अन्तरक)

(2) श्री चं० रामचन्द्राराव पिता रामाकोटी,
चीराला, प्रकाशम जिला ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

परिष्कारण :—इसमें प्रकृत शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही पाठ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

धर सम्पतजी, चीराला विस्तीर्ण 284 चौ० गज, भूमि और
1105 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4215/83, रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी चीराला ।

एम० जैगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

(सहायक आयकर आयुक्त) निरीक्षण

अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 13-7-1984

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक: 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० आ० ये० म० सं० 125/84-85—अतः
मुझे एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० घर है, जो गूडर में स्थित है (और इसमें
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, नेलौर में भारतीय रजिस्ट्रेशन
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अन्तर्गत 19 नवम्बर
1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित घोषणा, अर्थात् :—

(1) श्रीमती सीएच० सूत्रम्मा पतिराधा रेड्डी,
आध्यात्मिक पालम, नेलोट्टिक

(अन्तरक)

(2) श्रीमती व्ही० पद्मावतम्मा
पति वरधराम रेड्डी,
राजा विधी,
गूडर
नेलौर जिला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनसुची

घर संकतो, इल्लावारी विधी, नेलौर, जिला, विस्तीर्ण
168 चौ० गज० भूमां, 864 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विनेख
नं० 1614/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नेलौर,

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक :— 13-7-184

माहुर :

प्रश्न नम्बर. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 84

निर्देश सं० आर० ये० सी० नं० 126/84-85—यतः
मुझे एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विचार करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि है, जो बिट दो विलेज, नेलौर
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है,) रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय, नेलौर में
भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधिन 19 नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चग प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधिन कर देने के अन्तरक के
हाथिल में कमी करने या उक्त वचन में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती मूब्बाय्या सेट्टी,
पिना वेकट मुबेय्या,
नेलौर ।

(अन्तरक)

(2) श्री यन० रामक्रीष्णया और
अन्य बालाजीनगर;
नेलौर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आर्क्षप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि विस्तीर्ण 2 एकड़, 15 सेंट्स, बिट -11 गांव
नेलौर रजिस्ट्रार विलेख नं० 6054/83 रजिस्ट्रार अधिकाारी
अधिकाारी नेलौर ।

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

दिनांक :— 13-7-84

मोहर :—

प्रकृष जाई. डी. एन. एच.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 84

निर्देश सं० आर० ये० सी० नं० 127/84-85—यतः

मुझे एम० जेगन मोहन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसका सं० भूमि हेतुता जो नेलौर, में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नेलौर में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन दिनांक 11 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरित्य (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
नामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(1) श्रीमती बेंकट सूब्वरया
पिता सूब्वरया सेट्टी,
कूकूडूराम, नवाबपेट
नेलौर,

(अन्तरक)

(2) श्री पी० चंचू रेड्डा और अन्य,
16-1829, श्रीनिवासाआश्रम हारम,
नेलौर-525001,

(अन्तरित्य)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में संपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर पूर्वोक्त उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तर्गामी द्वारा प्रकाश नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

श्रसुमार, विस्तीर्ण 2एकड़ 8 सेंट, विट -11, गांव, नेलौर
रजिस्ट्रीकृत विनेख नं० 6053/83, रजिस्ट्रीकृत अधिकारी
नेलौर ।

एम० जेगन मोहन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक :- 13-7-84

मोहर :-

प्रमुख आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आर० ये० सा० नं० 128/84-85—अतः मुझे,
एम जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, जो काकोनाडा तालूक रामनेन्यापेटा विलेज
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से
घणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, काकोनाडा में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन 8 11-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से करिमत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
बायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री एस० कुण्णा पिता एस० सत्यन, काकोनाडा।
(अन्तरक)
2. मैसर्स धनलक्ष्मी मोडर्न राइस मीलर्स, आई
श्री पी० सत्तप्पानाड्डू, मैनेजींग पार्टनर, प्लॉट नं०
22, इन्डस्ट्रीयल इस्टेट, काकोनाडा।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि विस्तीर्ण 1504, चौ० गज रामनेन्यापेटा विलेज,
काकोनाडा, तालूक जिला इस्टगोदावरी, रजिस्ट्रीकृत विलेख
नं० 9499/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी काकोनाडा।

एम० जेगन मोहन
सक्षम अधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त) निरीक्षण
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13-7-1984
मोहर:

प्रत्यक्ष आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई, 1984

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 129/84-85—अतः
मुझे एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है जो बेलमपल्ली विलेज में स्थित है
(और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नूझविड में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वाधिरूप में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बोम्बा नागप्पर राव और अन्य विलमपल्ली,
नूझविड तालूक, कृष्णा जिला।

(अन्तरक)

2. मैसर्स कृष्णा जिला सेडलम् कस्टस को-ऑपरेटिव
सोसायटी, बाई श्री डी० एस० एन० वी० प्रसाद,
एक्जिक्यूटिव आफिसर, मछलापटनम, कृष्णा जिला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि विस्तीर्ण 66-50 एकड़, विलमपल्ली, नूझविड तालूक,
कृष्णा जिला, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3967, 3968, और
3001/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नूझविड।

एम० जेगन मोहन

सक्षम अधिकारी

(सहायक आयकर आयुक्त) निरीक्षण

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13-7-1984

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन. एस. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 130/84-85-यन भूमे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है और जिसको सं० भूमि है जो भीमूनी टनम विजाग में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजाग में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-शत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व से कमी करने या उचित रूप से सूविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

1 श्री बी० लूचो बेंकटा शेवगीरी राव और अन्य एम० फोटा, विजोयानगरम जिला।

(अन्तरक)

2 श्री सातारामा आसोसीयट्स आई मैनेजिंग पार्टनर श्री आई० विवेकानंदा पिता आई० सातारामा मुर्ती, सी० बी० एम० कम्पाउंड, विनायापटनम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में वृत्त-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि विस्तीर्ण 17-49 एकड़ गांधीनगरम विलेज, पटनम तालुक, विजाग जिला, रजिस्ट्रीकृत विलेज नं० 12562/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी विनायापटनम।

एम० जेगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

नोट: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 13-7-1984

मोहर :

प्रकृष जाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० आर० ए० सी० न० 131/84-85—अन. मुझे,
एम० जेम्स मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० भूमि बर है, जो नरसापुर में स्थित है (और
इससे उपावट अनुमती में और पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय गेलूर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
न०, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को उपधारा (f)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बी० हेममूखरा मांछो, नरसापुरम, वेस्ट गोदावरी
जिला।

(अन्तरक)

2. श्री पी० बी० वेकन्ना एण्ड को०, 11थ वार्ड, पालेकाकलू
वेस्ट गोदावरी जिला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

नमूना

घर सम्पत्ति जो डी० न० 10-7-10, विस्तीर्ण 1130
बी० फुट, प्लॉट एरीया 303 बी० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख न०
6100, 6318, 6320 और 6206/83, रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी गेलूर।

एम० जेम्स मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, हैदराबाद

तारीख: 13-7-1984

मोहर:

प्रत्यक्ष भाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० आर० ए० सी० 132/84-85—अतः सूक्ष्म,
एम० जेगन मोहन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० भूमि है, जो मारतूर विलेज में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मारतूर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से— उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
नं०, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1),
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती जी० परम्मा और अन्य, जोनाथलीपेट,
चौलकालूरीपेट तालूक।

(अन्तरक)

(2) श्री० के० श्रीनिवासा राव, डाक्टर, राव,
आमरवती टेक्स्टाइल प्रा० लि०,
चौलकालूरीपेट, गुंटूर जिला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाह्मनाक्षरों के नाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि विस्तीर्ण 8 एकड़ 91-1/2 सेंटर, मारतूर
गांव [आडंकी तालूक प्रकाश जिला रजिस्ट्रीकृत विनंति नं०
2349, 2343, 2364, 2356 और 2355/83 रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी मारतूर।

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
भर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 13-7-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एम. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० आर० नं० सी० नं० 133/84-85—यतः

मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
भरके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु, से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, जो रामान यापेटा बिलेज,
काकीनाडालुक में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, काकीनाडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का भारत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहायता
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती के० वेंकटरत्नमा
पिता के० के० रामानुजसम्मा,
गांधीनगर में,
सूर्यारावपेटा,
काकीनाडा ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती आई जयालक्ष्मी मोर अन्य
डी० नं० 13-1-23,
सूर्यारावपेटा,
काकीनाडा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि विस्तीर्ण 1332 चौ० गज, रामानयापेटा, बिलेज
काकीनाडा, तालुक, ईस्ट गोदावरी जिला रजिस्ट्रीकृत बिलेज
नं० 10102/83 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी काकीनाडा ।

(एम० जेगन मोहन)

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनांक 13-7-1984

मोहर—

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 84

निवेश सं० आर० ये० सी० नं० 134/84-85—यतः

मुझे, एम० जेगन मोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवरण करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० घर है, जो गूटूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, गूटूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
बन्धु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित
में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के सापेक्ष में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या निम्नीय भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री० एन० केणवा राव पिता अचूतरामय्या, वीलसूख
नगर, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. डॉ० अशम पेदापूल्ला राव पिता अंजय्या, 7थ लाइन
आरुण दलपेटा, गूटूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
आविहिता करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

घर संपत्ति डी० नं० 6-8-32, आरुणदलपेट, 8थ लाइन
सेकंड क्रॉस रोड, गूटूर, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9908/83,
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गूटूर।

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13-7-1984
मोहर :

प्रकृप जाई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० आर० ये० सी० न० 135/84-85—अतः मुझे,
एम० जेगन मोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, जो सरपावरम काकीनाडा में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय काकीनाडा में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
व्हास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्ययिष्ठ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एम० सूर्याराव और अन्य सरपावरम ईस्ट गोदावरी
जिला।

(अन्तरक)

2. श्री एम० चक्रा राव, सरपावरम, काकीनाडा तालूक,
ईस्ट गोदावरी जिला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि विस्तीर्ण 50 सेंट्स, सरपावरम, काकीनाडा, ईस्ट
गोदावरी जिला रजिस्ट्रीकृत विनोद न० 10518/83, और
10500/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी काकीनाडा।

एम जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 13-7-1984
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० आर० ये० सी० नं० 136/84-85—अन: मुझे,
एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० शेर इन सीनेमा थियेटर है, जो काकीनाडा
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, काकीनाडा
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन नवम्बर 1983

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उद्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके उद्यमान प्रतिफल से, ऐसे उद्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव से कमी करने या उससे बढ़ने में सूचना
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचना
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री. बि० वेंकट रायडू और अन्य
गौर्धा नगर,
काकीनाडा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ड० पार्वती और अन्य
तीन. केरआफ लक्ष्मी टाकीज,
काकीनाडा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

विस्तीर्ण 0. 4. 3, शेर इन सीनेमा थियेटर मैसर्स, लक्ष्मी
टाकीज, काकीनाडा, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10401, 10402
10403, और 10404/83 रजिस्ट्रीकर्ता विलेख अधिकारी
काकीनाडा।

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, हैदराबाद

दिनांक :- 13-7-84

मोहर :

प्रकृष जाई. टी. एम. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आर० ये० सी० नं० 137/84-85—अतः

मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है जो कूकोडीमोली विलेज इस्ट गोदावरी जिला में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पीठापुरम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायद में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री के० सूर्यनाथायणा मेन्दी,
पिता बाबा श्रीणा,
10थ, वाई, पीठापुरम।

(अन्तरक)

(2) श्री सीयच नूचोराजू और अन्य,
स्टूकम्पेटा, पीठापुरम,
डम्ट गोदावरी जिला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि विस्तीर्ण 17-49 एकड़, पीठापुरम तालुका
कूकोडीमोली विलेज, रजिस्ट्रिकृत विलेख नं० 2606/83,
रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी काकोनाडा।

एम० जेगन मोहन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 13-7-84

माहुर :

प्ररूप आई. टी. एन्. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 84

निर्देश सं० आर० ये० सी० नं० 138/84-85--यतः

मुझे एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके दृष्टात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है जो कारीटीपाडू गूटर में स्थित
है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्णरूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गूटर
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की
बाबत में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

32-206 QI:84

(1) यवज्ञेयपूटीन्ही आफिसर,
श्री० सी० एच०, देवादानम
श्री० वेंकटेश्वरा स्वामी टेम्पल,
गूटर ।

(अन्तरक)

(2) श्री जे० राधा कृष्णा मूर्ती सेक्रेटरी,
आबोल्लाश्री श्री पोटीश्रीरामूलू सेवक समाजम्,
पोटी श्री रामूलूनगर,
गूटर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि, विस्तीर्ण 1 एकड़, 48 सेंटीमीटर, कारीटीपाडू
विनेज, गूटर, रजिस्ट्रीकृत विनेज नं०, 8851/83, रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी गूटर ।

एम० जेगन मोहन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक :- 13-7-84
मांहर :

प्ररूप आहे. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आर० ये० सी० नं० 139/84-85—यतः
मंज्रे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन मध्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, जो नूतनविड स्थित है (और इसमें
उपरोक्त अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार/कार्ता
अधिकारी के कार्यालय, नूतनविड में भारतीय रजिस्ट्रार/कार्ता
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर
1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतर्गत की गई है और मंज्रे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के वास्तविक
में कमी करने या उसमें बचने में मृबिधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
मृबिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एम० सूर्यनारायणाराव,
गमन्नागुंडम,

(अंतरक)

(2) श्री अन्निवासा कन्मार्ग,
वाई श्री इन्गुंटावेटा राजा मूथाकर,
नूतनविड पोस्ट,
कुण्णा जिला ।

(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि विस्तीर्ण 2 एकड़ , 76 मीटरीमीटर, और 3696
चौ० फूट, शेड , रजिस्ट्रीकृत विनेख नं० 3057/83, रजिस्-
ट्रार/कार्ता अधिकारी नूतनविड, ।

एम० जेगन मोहन
मध्यम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 13-7-84

मोहर :

प्रश्न नम्बर. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० आर० ये० सं० नं० 140/84-85---प्रतः

मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 296-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, जो नूतनविड में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नूतनविड में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 19 नवम्बर 1983 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरिप्रियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री० के० रत्नाकुमार पति नागभूषणम्,
नूतनविड ।

(अन्तरक)

(2) श्री आर० बूजो वेंकटा सूर्यम्मा,
पति वेंकटरत्नमा राव,
नूतनविड ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में दिये जा सकेंगे।

संक्षेपः :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि विस्तार 2 एकड़ , 08 पेंड, नूतनविड, कुण्णा जिला, रजिस्ट्रीकृत बिल्लेख नं० 3083 /83. रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नूतनविड ।

एम० जेगन मोहन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, हैदराबाद

दिनांक : 13 -7-84

साहू ६

इच्छा बाई.टी.एच.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० आर० ये० नं० 361/84-85—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० घर है, जो चोक्कडपल्ली हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की भावना, इस अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे धन के क्षीयता के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने से सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्थात् :—

(1) श्री साम्बू सांग
पिता आडे सांग,
निम्बोली आड्डा,
हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री पी० कुण्णा राव पिता
लक्ष्मीनरसीम्हाराव,
डी० नं० 1-1-261/15,
चोक्कडपल्ली,
हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अमृतचौ

घर संपत्ति चोक्कडपल्ली, हैदराबाद घर नं० 1-1-261/15, विस्तार 253 चौ० गज बिल्टप एरीया 100 चौ० फूट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5906/83 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद ।

एम० जेगन मोहन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 13-7-84

माहूर ।

प्रमुख आई.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आर० ये० सी० न० 362/84-85—यतः

मुझे एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसका पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० घर है, जो चाक्कडपल्ली हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अतिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परम प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नया पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त पन्तरज लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए।
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार म०, म०, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री साम्बू सींग पिता भाडे सींग,
निम्बोलय आड्डा,
हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री के० राजमनो पनि विस्वनाथ गौड,
डो० न० 1-1-26/15,
चाक्कडपल्ली,
हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर सम्पत्ति न० 1-1-261/15, विस्तार 220 चौ० गज, और 10 चौ० फूट, रजिस्ट्रीकृत बिलेख, 5797/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद ।

(एम० जेगन मोहन)

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 13-7-84

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आर० ये० सी० नं० 363/83-85—यतः

• मुझे एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० घर है, जो चौक्कडपल्ली हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अणुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायद में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री साम्बू सींग पिता
पिता आडे सींग,
निम्बोली आड्डा,
हैदराबाद

(अन्तरक)

(2) श्री जो, नरसीम्हा रेड्डी
पिता येलरेड्डी,
घर नं० 1-2-261/15,
चौक्कडपल्ली,
हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के सिद्ध कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्थात् अर्थात् अधिकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुमोदी

घर संपत्ति 1-1-261/15 चौक्कडपल्ली, हैदराबाद,
विस्तीर्ण 200 चौ० गज प्लॉथ मेरीया 100 चौ० फूट
रजिस्ट्रीकर्ता अविलेख नं० 5907/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी हैदराबाद ।

एम० जेगन मोहन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक :- 13-7-84

मोहर :

प्रकाश जाई. टी. एन. एत. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० आर० ये० सी० नं० 364/84-85—यतः

मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है जो मासाबटनक हैदराबाद
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) किसी निम्नलिखित बात या क्रिया के अथवा अन्य क्रियाओं
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा एकत्र नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, किन्तु
हविषा के लिए;

यतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिनियम:—

(1) श्री मयद हासीमा
पिता मयद यागान
ग्रौर अन्य,
बेगम बाजार
हैदराबाद,

(अन्तरक)

(2) श्री मयदहाशन
पिता मयद मोहम्मद इब्राल शकील,
घर नं० 4-59/5,
विक्रामनगर, दीनसूखनगर,
हैदराबाद ।

(अन्तरितो)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उत्तमवन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हस्तबन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रतिष्ठाकारी के पाठ
लिखित में किए जा सकेंगे।

संकीर्णतः—इसमें प्रमुख बातों और वही का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खोलो जमीन, विस्तार 1000 चौ० गज और 180
चौ० फुट, प्लाट परीया मिसाबटनक, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत
विलेख, नं० 5776/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद ।

एम० जेगन मोहन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 13-7-84

सोहर :

प्रारूप आइ.टी.एन.एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद,

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आर० ये० सी नं० 365/84-85--यनः

मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० घर है, जो नेहरूनगर, मा साबुटेक हैदराबाद
में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रार-कृती अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद
में भारतीय रजिस्ट्रार-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहायता
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सहायता के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वय
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री मयद अहमद खादर,

19-15-74/1/3,

बहादुरपुरा,

हैदराबाद,

(अन्तरक)

(2) श्री मयद रसीद मोहीउद्दीन,

10-5-32/2,

अहमद नगर 1 स्टलाइन,

हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

धर सम्पत्ति विस्तार 380 चौ० गज, भूमि और 150
चौ० फूट प्लाथ परोया, नेहरूनगर, मा साबुटेक, हैदराबाद
रजिस्ट्रार-कृती बिलेख नं० 5603/83, रजिस्ट्रार-कृती अधिकारी
हैदराबाद ।

एम० जेगन मोहन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

दिनांक :- 13-7-84

माहुर :

प्रकृष्ट आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० आर० ये० सी नं० 366/84-85—यतः

मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी म० भूमि है, जो गुरबावाडी, निजामाबाद में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी का कार्यालय में निजामाबाद में रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1983

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अन्य अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

33—206 GI/84

(1) श्री गनेशदास पिता नारायण दास, और अन्य

7-2-185,

मारवाडी गल्ली, निजामाबाद,

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शांताबाई पति लक्ष्मीचंद और अन्य

6-20-52,

गुरबावाडी, निजामाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त सब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन, 4, 5, 6, 7, गुरबावाडी, निजामाबाद,
विस्तीर्ण 866.66 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं०
4677/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी निजामाबाद ।

एम० जेगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 13-7-1984

मोहर :

प्रमुख आदेश, टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश, आर० ये० सी नं० 367/84-85—यतः मुझे,
एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० प्लॉट है, जो खैरताबाद, हैदराबाद में स्थित
है (और इसमें उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खैरताबाद, में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन दिनांक 19 नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एम० रामावेबो पति एम० ए० राजू,
2-2-647/273/ए
बाग्याम्बरपेट,
हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती व्ही, सत्यावती पति व्ही० यम० राजू,
23, जी० आई० ई०
1स्ट फेज, बानानगर,
हैदराबाद-37 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संक्षेपितकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 44, यम नं० 116/3, 4, 120, 121
और 122, खैरताबाद, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं०
2994/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी खैरताबाद ।

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज हैदराबाद ।

दिनांक : 13-7-1984
मोहर :

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. - - - -

(1) श्रीमती रानी एल० मरला देवो,
हैदराबाद, ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आर० ये० सी० नं० 368/84-85—यनः

मुझे एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्राम जमकी सं० घर है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त धर्मिता का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय को बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बाँड/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः :—

(2) श्रीमती कुमार सुलताना,
12-1-934,
हैदराबाद,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पार लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

नमूना

घर नं० 12-1-934, खैरताबाद, हैदराबाद विस्तीर्ण,
153 चौ० गज भूमि गज और 700 चौ० फुट प्लिथ एरिया
रजिस्ट्रीकृत विनियम नं० 3129/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
हैदराबाद ।

एम० जेगन मोहन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक :—13-7-84

माहुर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 84

निदेश सं० आर० ये० सो० न० 369/84-85—यतः

मुझे, एम० जेगन माहन,

भाषाकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० घर है, जो अफजलगंज, हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उभावउ अनुमूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाध की वजह, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित से कमी करने या उचित दृष्टि से सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री कृष्ण लाल
पिता लोकमान्य सिंग
और अन्य 13-1-522,
दिलसुखनगर, हैदराबाद

(अन्तरिती)

(2) श्री गोविंदलाल आंझा
पिता बशीनारायण आंझा,
4-4-51,
सिकन्दराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधों :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर सम्पत्ति माली नं० 15-9-409, अफजलगंज हैदराबाद, विस्तीर्ण 33.33 चौ० गज० रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5999/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद

एम० जेगन मोहन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

दिनांक :- 13-7-84
मोहर :-

भूप जार्. टी. एन. एव. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 84

निदेश सं० आर० ये० सीमें न० 370/84-85—यतः
मुझे एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी म० घर है, जो मुरादनगर, हैदराबाद में स्थित
है (और उसमें उपायुक्त अनुसूची में आर० पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खैरताबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 19 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे छूटने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री कलीलूलाह,
10-5-29, मासाबन्क,
हैदराबाद,

(अन्तरक)

(2) श्री मीर फरूक आली,
12-2-54, मुरादनगर,
हैदराबाद,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं।
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

घर न० 12-2-54, मुरादनगर, हैदराबाद, रजिस्ट्री-
कृत विलेख न० 2990/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी खैरताबाद,

एम० जेगन मोहन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक :- 13-7-83

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

आउट ब्रूकाउ

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जून 1984

निदेश सं० आर० ए० सी० न० आई० य० सी०/अक्रि०
37-ईई/184-85—यन: मुझे एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसको सं० आफिस न० 161 न० से 163 फुट
फ्लोअर बाबूखान इस्टेट, बसीरबाग, हैदराबाद में स्थित
है (और इसमें उल्लेख अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आई ए० सी०
अक्रि० रेंज, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के प्रश्न दिनांक अगस्त
1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण है कि किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मंसम बाबूखान कन्स्ट्रक्शन
5-9-58/1/15,
बसीरबाग,
हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पी० भीतामनो 203,
मातुश्री आवागमेट्स
हैदरगुडा हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

कार्यालय न० 161, 162 और 163 प्रथम तल, बाबूखान
इस्टेट, बसीरबाग, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1142 चौ० फुट,
आडवय य० सी० आक्रि० रेंज का रजिस्ट्रेशन न० 254,

एम० जेगन मोहन.

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद,

दिनांक :— 13-7-84

गोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जून 1984

- (1) मैक्स ग्रवि कन्स्ट्रक्शनस 102,
अकबर्स टावर्स, न्यू मलकपेट
हैदराबाद ।

(अन्तरक)

- (2) डा० मोहामद शफीक,
15-8-921/6,
मलकपेट,
हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

निर्देश सं० आर० य० सी० न० आई० य० सी०/
अवि०/37-ईई/2/84-85—यन० मुने, एम० जेगन मोहन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट न० 602, पद 6थ फ्लोर ग्राफ
अकबर टावर्स हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, आई० य० सी० अवि० रेंज हैदराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक अगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
वास्तविकता के अनुरूप किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के
बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
न मिले और/या

- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, निम्न भारतीय आय-व्याज अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के अधिनियम अन्तर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है,

अनुसूची

फ्लैट न० 602, 6थ फ्लोर न्यू मलकपेट, हैदराबाद
अकबर टावर्स, विस्तीर्ण 1166 चौ० फुट, आई० य० सी०
अवि० में रजिस्ट्रेशन न० 260

एम० जेगन मोहन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक :— 15-6-84
मोहर :

प्रमुख भाग, टी. एम. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जून 1984

निदेश सं० आर० प० सी० न० आई० प० सी०/अकवी/ 37-ईई/3/84-85—यतः मुझे, एम. जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट न० 102 इनफेंट प्लोर आफ अकबर टावरम मलकपेट, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ई० प० सी० अकवी० रंज, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स बी० कन्स्ट्रक्शन्स 102, अकबर टावरम, न्यू मालकपेट, हैदराबाद

(अन्तरक)

(2) श्री मोह० बाजीद हुशन, प्रोब्ड मालकपेट, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट न० 102, प्रथमतः प्लॉक, 'ए' अकबर टावरम मलकपेट, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1250 चौ० फुट, प्रोपर्टी डिजाईन दी एप्रोमेंट सेल रजिस्ट्रार इन आई० प० सी० अकवी० रंज हैदराबाद रजिस्ट्री न० 261 ।

एम० जेगन मोहन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, हैदराबाद

दिनांक :— 15-6-84

मोहर ॥

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सम्पत्ति

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जून 1984

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० आई० ए० सी०/अक्वि०/

37/ईई/4—यतः सुधे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० आफिस नं० 302, तीसरा मंजला बाबू-खान इस्टेट, बसौरबाग, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाब्ध अनुसूचा में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारों के कार्यालय, आई० ए० सी० अक्वि० रेंज, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 19 अगस्त 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वारंश, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रयत्न नहीं किया गया था से किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिति :—

34—206 GI/84

(1) मैसर्स बाबूखान कन्स्ट्रक्शनस्
5-9-58/1-15, बसौरबाग,
हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहामद आ मानहाज आ हासन,
16-10-185/21,
ओल्ड मलकपेट,
हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कार्यालय नं० 302, तीसरा मंजला, बाबूखान इस्टेट, बसौरबाग, हैदराबाद, विस्तारण 3229, चौ० फुट, आई० ए० सी० आफिस अक्वि रेंज में रजिस्ट्रेशन नं० 272 ।

एम० जेगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 15-6-84

मोहर :

प्रकृष जाई. टी. एन. एल.-----

(1) मैसर्स इनाम्पेशन बिल्डर्स
142/सी० पेंडरपोस्ट, रोड,
सिकंदराबाद ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती के० कोमल, 638 /मी,
बियरई० एल० टाऊनशीप,
हैदराबाद-32 ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जून 1984

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधकः—

निवेश सं० आर० ऐ० सी० नं० आर० आई ए० सी०/
अवि० /37 ईई/5—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एफ० नं० 001 बि० है, जो ग्राऊंड फ्लोर
मडफोर्ट अपार्टमेंट्स हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावृत्त
अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रारकी अधि-
कारी के कार्यालय, आई० ए० सी० अवि० रेंज, हैदराबाद
में भारतीय रजिस्ट्रारकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक 19 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में सामाजिक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 001, बि० ग्राऊंड फ्लोर मडफोर्ट अपार्टमेंट्स,
211 मड पाट, सिकंदराबाद, विस्तीर्ण 1050 चौ० फुट,
आई० ए० सी० अवि० रेंज, हैदराबाद का रजिस्ट्रेशन नं०
272 ।

एम० जेगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक :- 15-6-84

मोहर :

प्रकृष माह: टी. एन. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

माह: सडकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जून 1984

निदेश सं० आर० ए० सी नं० आई० ए० सी० /अक्वि०
37-ईई/6—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
श्रीर जिमकी सं० एफ० नं० 201-बी० दूसरा मंजला
मड फोर्ट अपार्टमेंट्स, सिकंदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे
उपबद्ध अनुसूचों में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, आई० ए० सी० /अक्वि० रेंज,
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त 83
को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व
में कमी करने या उसने बचने में सौविधा के लिए;
श्रीर/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सौविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स इनावेशन विल्डर्स
142/सी,
पेंडरघास्ट रोड़,
सिकंदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री० के० रामनाथन,
1-1-10-105,
अशोक नगर,
हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाधों :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 201, बी० दूसरा मंजला, मडफोर्ट अपार्टमेंट्स,
सिकंदराबाद, विस्तीर्ण 1080 चौ० फुट, आई० ए० सी०
अक्वि रेंज, हैदराबाद में रजिस्ट्रेशन नं० 274 ।

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 15-6-84
माह: 3

प्रत्यक्ष बाई, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत बटकाऊ

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जून 1984

निर्देश सं० आर० य० सी० नं० आई० ए० सी०/अक्वि०/

37-ईई/7—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961. (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एफ० नं० 104 बी०, प्रथम तल मडफोर्ट
अपाटमेंट्स, सिकंदराबाद में स्थित है (और इससे उपावृद्ध
अनुसूचा में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रारकी अधि-
कार के कार्यालय, आई० ए० सी० अक्वि, रेंज हैदराबाद
में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन दिनांक अगस्त 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय को बायत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायत
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
अ, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जो शंकरन,
26/सी० शांती हास्पिटल कम्पाऊंड,
वेस्ट मारेडपतला,
सिकंदराबाद।

(अन्तरक)

(2) सैमर्स इन्वेस्टेशन बिल्डर्स
142-सी०, पेडरघास्ट रोड,
सिकंदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितग्रह
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 104बी०, प्रथम तल, मडफोर्ट अपार्टमेंट्स,
सिकंदराबाद, विस्तीर्ण 980 चौ० फुट, आई० ए० सी०
अक्वि रेंज, हैदराबाद का रजिस्ट्रेशन नं० 274।

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक :- 15-6-84

मोहर :

प्रमुख आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जून 84

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० आई० ए० सी०/अक्वि०/
37 ईई/8-यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

जिसकी सं० एफ० नं० 102 बी० प्रथम तल और जो
मडफोर्ट अपार्टमेंट्स, सिकंदराबाद में स्थित है (और इससे
उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय आई० ए० सी० अक्वि, रेंज,
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) मैसर्स इनोवेशन बिल्डर्स
142- सी०, पेंडरघास्ट रोड,
सिकंदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री व्ही० एम० एम० सूर्यनारायणा पी०
नं०, श्रीनिवासा कालोनी,
हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 102बी, प्रथम मडफोर्ट अपार्टमेंट्स,
सिकंदराबाद, विस्तीर्ण 980 चौ० फुट, आई० ए० सी०
अक्वि रेंज, हैदराबाद का रजिस्ट्रेशन नं० 275 ।

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 15-6-84

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ
(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जून 84

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० आई० ए० सी०/अक्वि/
37-ईई/9 - - - - - यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिनका सं० एफ० नं० 239 डी० ब्लाक है, जो कांती-
शिकारा अपार्टमेंट्स, पंजागुट्टा, हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार
कर्ता अधिकारी के कार्यालय आई० ए० सी० अक्वि रेंज,
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त 84

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या किसी आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या कथित जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स विरगो कन्स्ट्रक्शनस्,
6-1-1063 वी०/3, राजभवन रोड,
हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री आर० नारायणा
डी० ब्लाक फ्लैट नं० 239,
कांतीशिकारा अपार्टमेंट्स,
पंजागुट्टा,
हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० 239 डी० ब्लाक, कांतीशिकारा अपार्ट-
मेंट्स, पंजागुट्टा, हैदराबाद विस्तीर्ण 864 चौ० फुट आई०
ए० सी० अक्वि रेंज, हैदराबाद का रजिस्ट्रेशन नं० 293 ।

एम० जेगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 15-6-84

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जून 83

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० आई० ए० सी०/अकिव/

37 ईई/10 —यनः, मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और निम्नी सं० एफ० नं० ए-2 दूसरा मंजिला है, सोनी
बिल्डर्स हीमायतनगर, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, आई० ए० सी० अकिव रेंज, हैदराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन दिनांक अगस्त 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) गैसर्स सोनी बिल्डर्स नं० 3-6-389,
हीमायतनगर,
हैदराबाद ।

(यन्त्ररक्त)

(2) श्री जेनेमान वाला मोहम्मद एफ०
नं० ए-2, दूसरा मंजिला,
3-6-389, सोनी बिल्डर्स
हीमायतनगर,
हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशंका:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितग्रह
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवांछितक्षरी के पाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० ए-2, दूसरा मंजिला, सोनी बिल्डर्स 3-6-
389, हीमायतनगर, हैदराबाद, विस्तार 1555 चौ० फुट
4, आई० ए० सी०/अकिव रेंज का रजिस्ट्रेशन नं० 284

एम० जेगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 15-6-84

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एच.-----

(1) मैसर्स सागर कन्स्ट्रक्शनस्

1-2-524,

दोमलगूडा, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री सी० एन० नारायण

ऊडपेट, अनकापल्ली,

जिला विशाखापटनम

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जून 84

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० /अकिव/37 ईई/11--
यतः, मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एफ० नं० 1 है, जो 1-2-524, है तथा जो,
दोमलगूडा, हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपावृत्त
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारों के कार्यालय अकिव रेंज, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
शत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
था या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के दस्त-
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में तथा परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं०—1, विस्तीर्ण 1200बी० फुट ग्राउंड फ्लोर
1-2-524, दोमलगूडा, हैदराबाद, आई० ए० सी० अकिव
रेंज, रजिस्ट्रेशन नं० 288. ।

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

दिनांक :- 15-6-84

मोहर

प्रत्यक्ष जाई, टी. एन. एस.-----

भा.कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जून 1984

निदेश सं० आर० ए० सी०/अक्वि/37 ईई/12—यतः,

मुझे, एम० जेगन मोहन

भा.कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आफिस नं० 17, और 18 है, जो रंगाराजा-
टावर्स हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, आई० ए० सी० अक्वि, हैदराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि तथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उगस बचने में सविधा के लिए,

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य भास्त्रियों
को, जिन्हें भारतीय भा.कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

35—206G1184

(1) मैसर्स लक्ष्मी विल्डर्स,
5-9-12, सइफाबाद,
हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री पी० रामूलू, इस्माइलखानपेट,
मेदक जिला ।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

ब्लाक नं० 17, और 18, रंगाराजा टावर्स सइफाबाद,
हैदराबाद विस्तीर्ण 621 चौ० फुट और 431 चौ० फुट
रजिस्ट्री नं० 290 ।

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक :— 15.6.84

मोहर :—

प्रमुख आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 84

निदेश सं० आई० ए० सी० /अक्रि/37ईई/13—यतः,

मुझे, एम० जेगन मोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी संयूनिट नं० 5 और 4, है बसीरबाग, जो
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
आई० ए० सी० अक्रि, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रेशन
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में सामाजिक
न्याय से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सम्पत्तियों
को, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपावे में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) मैसर्स रोयल बिल्डर्स जगदीश मार्केट
चीराग आली, सेन,
हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रफीया जफर आर०
श्री सयद अबू जफर,
घर नं० 3-6-229,
हीमायतनगर,
हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कायवाहूया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होगी हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 5, और 4, दूसरा मजला, 5-9-30/21,
से 25, बसीरबाग, हैदराबाद, विस्तीर्ण 255 चौ० फुट और
255 चौ० फुट रजिस्ट्रेशन नं० 292 और 293 ।

एम० जेगन मोहन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 13-7-84
मोहन :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० य० सी०/ अक्रि/ 37 ईई/14—यतः
मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एफ नं० 1 है, जो 5-9-216 चौराग
अली लेन, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाय
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार
अधिकारी के कार्यालय आई ए सी० अक्रि हैदराबाद में
भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
साथ-साथ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स टाबकल बिल्डर्स चौरागअली लेन,
हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद पाशा कादरी,
बाकम नं० 381,
सोदी आरबिया।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
45 दिन की अवधि या तरसबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

फ़ैल्ट नं० 1, 5-9-216, चौराग अली लेन, हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 13-7-84

मोहर :

वक्तव्य आई. टी. एन. एल.-----

ब्यापक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 1984

निवेश सं० आई० य० सी०/अक्वि/ 37 ईई/15—यतः मुझे,
एम० जेगन मोहन

ब्यापक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आफिस नं० 547 है, जो रानीगंज, सिकंदराबा
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आई०
य० सी० अक्वि, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर
1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
गन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरक से हुई किसी बाव की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाविल में कमी करने या उससे बढ़ने में सविधा
के बिना; और/वा

(ख) ऐसी किसी बाव या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को, जिन्हें भारतीय ब्यापक अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किसी
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

नतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरक
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) मैसर्स बाबूखान बिल्डर्स
5-4-86 से 92
एम० जी० रोड
सिकंदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स रंगाफाइनान्स और
इन्व्हेस्टमेंट प्रा० लि०
6-3-890, सोमाजीगूडा,
हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के बिना
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

वक्तव्य

आफिस नं० 547, 5-4-86 से 92 रानीगंज,
सिकंदराबाद, विस्तीर्ण 266 चौ० फुट, रजिस्ट्रेशन नं० 295

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 13-7-1984
मोहर :

प्रश्न नम्बर टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई० य० सी०/अक्वी०/37 ईई/16—अतः

मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० आफिस नं० 642 है, जो रानीगंज सिकंदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय अक्वी हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स बाबूखान बिल्डर्स, 5-4-86 से 92 रानीगंज, सिकंदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्री एम० सूब्बा राव प्रेमीसेस नं० 642, 5-4-86 से 92, रानीगंज, सिकंदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्धन के निम्न कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्धन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आफिस नं० 642 छटवा मजला, 5-4-86 से 92, रानीगंज, सिकंदराबाद, विस्तीर्ण 266 चौ० फुट, रजिस्ट्रेशन नं० 2961

एम० जेगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13-7-1984

मोहर :

प्रकाश माई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अक्षी०/37-ईई/17—प्रतः

मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ऑफिस नं० 643 है, जो रानीगंज सिकंदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आई० ए० सी० अक्षी०, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण से अधिक में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(अ) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. मैसर्स बाबूखान बिल्डर्स, 5-4-86 से 92, एम०जी० रोड, सिकंदराबाद।

(अन्तरक)

2. मैसर्स मेडूरी कपसीफार्मेस प्र० लि०, 16-9-831/3, मलकपेट, हैदराबाद।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाकी :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबोध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कार्यालय नं० 643, छटवा मजला, 5-4-86 से 92, रानीगंज सिकंदराबाद, विस्तीर्ण 266 चौ० फुट, रजिस्ट्रेशन नं० 297।

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13-7-1984
मोहर :-

प्ररूप आई.टी.ए.एस.-----
 प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी/37-ईई/18—यतः

मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कार्यालय नं० 630, 631 है, जो रानीगंज सिकंदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आई० ए० सी०, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आम या किसी धन या अन्य वास्तिकों के, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यर्थात् :—

1. मैसर्स बाबूखान विल्डिंग्स,
 5-4-86 से 92, रानी गंज,
 सिकंदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्रीमती कोथा विद्यावती और के० सधसारानी, 162,
 वासविनगर, सिकंदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाक्ष्यकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कार्यालय नं० 631 और 630, 5-4-86 से 92, रानीगंज,
 सिकंदराबाद, विस्तीर्ण 349 चौ० फुट, रजिस्ट्रेशन नं० 299
 और 300।

एम० जेगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13-7-1984

मोहर :

प्रकृष बाई. टी. एम्. एड.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई, 1984

निर्देश सं० आई०ए० सी०/एक्वी०/37-ईई/19—यतः सुमे,
एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 203 है, जो सिकंदराबाद में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आई० ए० सी० एक्वी०
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स इन्वेंशन बिजनेस 142/सी०, पेडरवास्ट,
रोड, सिकंदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्रीमती के० टी० अब्राहम, 166 सीख रोड, सिकंदरा-
बाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 203, ए०, दूसरा मंजला, मडफोर्ट अपार्टमेंट्स,
सिकंदराबाद, विस्तीर्ण 1080 चौ० फुट, रजिस्ट्रेशन नं० 303।

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 13-7-84

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जून 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी/ एक्सी/ 37-ईई/20—यतः

मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सूत्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एफ० नं० बी०-56 है, जो सीदम्बर बाजार,
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
आई० ए० सी० एक्सी, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 19 सितम्बर 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एग्रे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप में कर्तव्य नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य वास्तविकियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

36—206G1/84

(1) मैसर्स भारत कन्स्ट्रक्शनस क०
15-1-503,
सिकंदराबाद बाजार,
हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री आशोक कुमार जैन,
फ्लैट नं० बी-56,
15-1-503, सिकंदराबाद बाजार,
हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० बी०-56, सीदम्बर बाजार, हैदराबाद विस्तीर्ण
900 चौ० फुट रजिस्ट्रेशन नं० 309 ।

एम० जेगन मोहन
सूत्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 13-7-84

मोहर :

प्रत्यक्ष आई. टी. एन. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 84

निर्देश सं० आई० ए० सी/एचवी०/37 ईई/21—यतः

शुभे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
धारा 269-घ के अधीन राक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
₹ 1000/- से अधिक है

और जिसका सं० एफ० नं० 201 है, जो मालकपेट,
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकारी के कार्यालय
आई० ए० सी० एचवी०, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रार करण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
सितम्बर 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टान्त
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृष्टान्त प्रतिफल में, अपने दृष्टान्त प्रतिफल से
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित अनुदेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में दर्शाया नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण के द्वारा किसी भी काम को करने के लिए
आयकर अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को दाखिल
में करनी करने या उसमें बदले में सूचना के लिए
आई/या

(ख) ऐसी किसी काम या किसी धन या अन्य वस्तुओं के
को किन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या उक्त अधिनियम, या उक्त
आय अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरितियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए, या, छिपाने में सूचना
के लिए;

अतः अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स आरि कन्स्ट्रक्शनस अकशर टावर्स,
न्यू मलकपेट,
हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री अब्दुल जब्बार,
16-11-597, गड्डो अन्तारम,
हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है वही पर्ये होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अन्तरक

फैट नं० 201, दूसरी मंजिल, अकशर टावर्स, मलकपेट,
हैदराबाद, त्रितीया 1280 चौ० फुट, रजिस्ट्रेशन नं० 314

एम० जेगन मोहन
राक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13-7-1984

मोहर :

रक्षक बार्ह, टी. एन. एल.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 84

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्वी/37 ईई/22—यतः

मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी एफ० नं० 204 है, जो मालकपेट, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय आई० ए० सी० एक्वी, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्थात् :—

(1) मैसर्स आबि कन्स्ट्रक्शंस अकबर टावर्स
न्यू मालकपेट,
हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री रोयाज अहमद,
16-3-921, चेंचलगूडा,
हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

यदि यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सा बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-ब में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 204, दूसरा मजला ब्लॉक नं० ए० अकबर टावर्स, मलकपेट, हैदराबाद, विस्तार 1180 चौ० फुट, रजिस्ट्रेशन नं० 315 है ।

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 13-7-84

मोहर

प्रमुख बाई.डी.एच.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एचवी/37 ईई/23—यतः

मुझे एम जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1002 और 1001, है जो बसोरबाग, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकाधिक के कार्यालय आई ए० सी० एचवी हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किंसा आय या किसी धन या अन्य वास्तव्य को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वाारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

(1) मैसर्स बाबूखान कन्स्ट्रक्शन,
5-9-58, बसोरबाग,
हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री जो० श्रीनिवासा राव और
श्रीमती जी० विजयालक्ष्मी राव,
3-5-1091/15/1,
नीयार वार्ड एम० सी० ए०,
नारायणगुडा,
हैदराबाद ।

(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कार्यालय नं० 1002 और 1001, दसवाँ मंजला, बाबू-
खान इस्टेट, बसोरबाग, हैदराबाद विस्तोर्ण 1103 चौ०
फुट, रजिस्ट्रेशन नं० 316 ।

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 13-7-84

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एकवी/37 ईई/24--यतः

मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसको सं० आफिस नं० 1003 और 1004 है तथा जो बसोरबाग, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आई० ए० सी०, एकवी० में हैदराबाद रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निहित में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से पूर्व किसी भाग की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरण के बाविल में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति, वर्णित हैं--

(1) मैसर्स बाबूखान कन्स्ट्रक्शन,
5-9-58, बसोरबाग,
हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) कुमारी स्मिता पाहाड़े और अविनास पाहाड़े,
3-5-141, यडन बाग,
हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधेपुः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कार्यालय नं० 1003 और 1004, बाबूखान इस्टेट,
बसोरबाग, हैदराबाद विस्तीर्ण 1058 और 1022 चौ० फूट
रजिस्ट्रेशन नं० 318 और 319 ,

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 13-7-1984

माहुर :

प्रमुख आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० मो०/एकवी०/37 ईई/25—यतः

मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आफिस नं० 148 है, तथा जो बसोरबाग,
हैदराबाद में स्थित है और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकारी के कार्यालय,
आई० ए० सा० एकवी० हैदराबाद में रजिस्ट्रार
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों
के बिन्दु भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रभावकार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, जिनमें से सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-गकी उपधाग (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मैसर्स बाबूखान कन्स्ट्रक्शन
5-9-58, बसोरबाग,
हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ललीता मेहता
821 ब्लॉक पो० न्यू आलोपूर
कलकत्ता -53

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपभोक्ताशरी के
पास निश्चित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-त में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कार्यालय नं० 148 बाबूखान इस्टेट बसोरबाग,
हैदराबाद विस्तीर्ण 291 चौ० फुट, रजिस्ट्रेशन नं० 320 ।

एम० जेगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, हैदराबाद

तारीख : 13-7-1984

माहुर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/37 ईडी/26—यतः

मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसको सं० फाटेज नं० 9, है तथा जो पदमारावनगर, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रारकी अधिकार के कार्यालय, आई० ए० सी० एक्वी० हैदराबाद में रजिस्ट्रारकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और भूँके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में अधिभार के भिन्न और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिम्मे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनों के अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता बतौर धन, रिजर्व में स्थित करने के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अन्तरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) मैसर्स कुमार कन्स्ट्रक्शन को०

6-1-131/132,

पदमारावनगर, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री विसाखुभाई जगजीवन दास पटेल,

पोसनेटभान, सेंकड फ्लोर,

तिलक रोड, हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फाटेज नं० 9 पदमारावनगर हैदराबाद विस्तारण 2033
जी० फुट रजिस्ट्रेशन नं० 321 ।

एम जेगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, हैदराबाद

दिनांक :- 13-7-84

संहर :

प्रकरण बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निवेश सं० आई०-3/37 ईई०/4324/84-85--अतः

मुझे, ए० लहिरो,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको स० प्लेट न० 2, पहली मंजिल, सी० टी० एस०
न० 6379 और 6380 विलेज कोले कल्याण, कालोना,
बम्बई-29 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधि-
नियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधि-
कारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्टर्ड है तारीख 1 नवम्बर, 1983
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए,

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मैसर्स ब्लू डायमण्ड कन्स्ट्रक्शन्स कम्पनी ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती आयशा सुमा और अन्य ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

प्लेट न० 2, पहली मंजिल, सी० टी० एस० न०
6379 और 6380 विलेज कोले कल्याण, कालोना, बम्बई-29
में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-3/37 ईई०/1598/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1
नवम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरो

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 13-7-1984

मोहर

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 25th July 1984

No. A-32014/1/82-Admn.II.—In supersession of this office notification of even number dated 11-3-1983, the Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints the following officers to the upgraded posts of Superintendent (DP) (Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200) on a regular basis in the office of Union Public Service Commission with effect from 5-4-1982 until further orders :—

1. Shri M. M. Sharma
2. Shri Jagdish Lal
3. Smt. D. J. Lalwani
4. Smt. Raj Sethi
5. Miss Sudarshan Handa
6. Shri R. R. Bhardwaj.

This issues with the approval of Union Public Service Commission vide their letter No. F. 4/28 (1)/82-AUIV dated 5-7-1984.

VIJAY BHALLA
Section Officer

Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DEPARTMENT OF PERSONNEL AND ADMINISTRATIVE REFORMS

LAL BAHADUR SHASTRI NATIONAL ACADEMY OF ADMINISTRATION

Mussoorie, the 30th July 1984

No. 2/7/81-EST.—In continuation of this office Notification of even number dated the 9th March, 1984, the adhoc appointment of Smt. Manjulika Singh to the post of Assistant Professor of Hindi in the LBS National Academy of Administration Mussoorie, is hereby extended for a further period of six months with effect from 4-8-1984 (forenoon) or till regularisation, whichever is earlier.

A. K. DAS, Dy. Director

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 3rd August 1984

No. A/19036/15/79/AD.V.—On superannuation, Shri M. N. Mathur, Dy. Superintendent of Police, Central Bureau of Investigation, Special Unit, New Delhi relinquished charge of the Office of Dy. Supdt. of Police, CBI with effect from the afternoon of 31st July, 1984.

No. A-19017/2/84-AD.V.—Shri Kali Charan, Crime Assistant, Central Bureau of Investigation is appointed to officiate as Office Superintendent in CBI with effect from the forenoon of 28th July, 1984 until further orders.

The 6th August 1984

No. A-19035/4/79-AD.V.—Shri Tilak Raj, relinquished the charge of Office Superintendent/Central Bureau of Investigation, New Delhi with effect from the afternoon of 31st July, 1984, on superannuation.

R. S. NAGPAL
Administrative Officer (E) CBI

DIRECTORATE GENERAL, CRPF

New Delhi-110003, the 30th July 1984

No. D.I.30/83-Estt.I.—The services of the following CRPF Deputy Superintendents of Police are placed at the disposal of Govt. of Assam, on deputation basis from the dates as indicated against each :—

1. Shri T. M. Baxla—19-7-84 (AN).
2. Shri Daryal D'Sena—19-7-84 (AN).

37—206G/84

3. Shri J. S. Sandhu—14-7-84 (AN).
4. Shri G. C. Mili—9-7-84 (AN).
5. Shri Kasam Khan—16-7-84 (AN).

The 31st July 1984

No. D.I.34/83-ESTT.—On his repatriation from Assam Police, Shri Shamsher Singh Sandhu, Dy. S. P. has reported in 44 Bn., CRPF on 17-7-1984 (FN).

M. P. JAKHMOLA
Assistant Director (Estt)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 2nd August 1984

No. 10/13/84-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri Jit Singh, an officer of Grade IV of the Central Secretariat Official Language Service, to the post of Hindi Officer in the office of the Registrar General, India, New Delhi on a purely temporary and *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of the 30th June, 1984 till the post is filled up on regular basis.

V. S. VERMA
Registrar General, India

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-3, the 4th August 1984

No. E-29020/6/83-GA.I.—The President is pleased to appoint Shri P. N. Panchal substantively as Asstt. Inspector General (Fire) in the Central Industrial Security Force w.e.f. 20-8-1981.

S. ANANDARAM
Director General

MINISTRY OF FINANCE

DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS

CURRENCY NOTE PRESS

Nasik Road, the 28th June 1984

No. N-77-N/38/S.—The General Manager, Currency Note Press, is pleased to appoint Shri M. L. Sonawane, Sectional Officer, Currency Note Press as Purchase Officer for a period of 3 years from 2nd June 1981 to 1st June 1984 on regular deputation basis.

S. D. IDGUNJI
General Manager

COMMITTEE ON CHANGE IN FINANCIAL YEAR

New Delhi, the 3rd August 1984

No. CCFY-2(2)-A/84.—Consequent on his transfer from the Office of the Comptroller & Auditor General of India, New Delhi, Shri H. R. Sharma, Stenographer Grade 'B' has been appointed as Private Secretary in the scale of Rs. 775-1200 in the Committee On Change In Financial Year with effect from the afternoon of 1st August, 1984 and until further orders.

No. CCFY-2(4)-A/84.—Consequent on transfer from the Winding Up Cell of the Eighth Finance Commission, Shri J. P. Misra, Superintendent has been appointed as Administrative-Cum-Accounts Officer in the Committee On Change In Financial Year in the scale of Rs. 700-1300 with effect from the forenoon of 1st July, 1984 and until further orders.

A. R. SHIRALI
Member Secretary

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT)
GUJARAT

Ahmedabad-380001, the 20th July 1984

No. Est.(A)/GD/3(39)/960—The Accountant General (Audit), Gujarat, Ahmedabad is pleased to appoint the following Section Officers (Audit) to officiate as Asstt. Audit Officers in the Office of the Accountant General (Audit), Gujarat, at Ahmedabad/Rajkot with effect from the dates shown against each, until further orders:—

S/Shri

1. B. Vijaykumaran	25-6-84 FN	Ahmedabad
2. P. N. Purohit	25-6-84 FN	Ahmedabad
3. P. N. Pandya	25-6-84 AN	Rajkot
4. K. K. Shettigar	25-6-84 FN	Ahmedabad
5. M. M. Vaishnav	25-6-84 AN	Rajkot
6. M. K. Mehta	25-6-84 FN	Ahmedabad
7. V. M. Jadeja	25-6-84 AN	Rajkot

The above is provisional and subject to the outcome in the Special Civil Application No. 388 of 1984 in Honourable High Court of Gujarat.

(Sd.) ILLIGIBLE

Sr. Dy. Accountant General (Admn).

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF
DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110066, the 28th July 1984

No. AN-I/1419/4/Vol.I.—Shri V. P. Jain, has been confirmed in the Junior Time Scale of Group 'A' of the Indian Defence Accounts Service with effect from 1st October, 1981.

This Department's earlier notification bearing No. AN-I/1419/4/Vol.I. dt. 29-9-82 (1982) is hereby cancelled.

The 31st July 1984

No. AN/II/2603/84.—The Controller General of Defence Accounts hereby appoints Shri T. G. Venkatasubramanian, Permanent Section officer (Accounts) and Officiating Accounts officer serving in the office of the C.G.D.A. New Delhi as Accounts officer in a substantive capacity with effect from 1st April, 1982.

V. S. JAJA
Addl. C.G.D.A.

MINISTRY OF DEFENCE

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta, the 27th July 1984

No. 37/G/84.—Shri K. M. Sampath, offg. Works Manager (Subst. & Permt. Foreman) voluntarily retired from service with effect from 14th April, 1984 (AN).

V. K. MEHTA
Director/Estt.

MINISTRY OF LABOUR & REHABILITATION

DEPARTMENT OF LABOUR

DIRECTORATE GENERAL OF MINES SAFETY

Dhanbad-826001, the 28th July 1984

No. 7(2)84-Adm.I/11338.—Shri S. Bhattacharjee, a permanent Superintendent, is promoted to officiate in the post of Assistant Administrative Officer in the Directorate-General of Mines Safety with effect from 1-6-84 (F.N.) vice Shri

A. M. Ghosh who retired from service on superannuation with effect from 31-5-84 (A.N.).

(Sd.) ILLIGIBLE

Director General of Mines Safety

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
AND EXPORTS

New Delhi, the 31st July 1984

(IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL
(ESTABLISHMENT))

No. 9/6/82-Admn(G)/6098.—The President is pleased to appoint the following Controllers of Imports and Exports (Group 'B'—Non-CSS) in the Import and Export Trade Control Organisation to Grade-III of the Central Trade Service (Assistant Chief Controller of Imports and Exports) in the scale of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300 with effect from 18-6-1984 (FN) :—

1. Shri A. K. Noormohamed
2. Shri S. K. Prasad
3. Smt. Sashi Balasubramanian
4. Shri P. Bala krishnan
5. Shri M. Balagangadharan
6. Shri S. Rajan
7. Shri A. K. Taneja
8. Shri A. Komu
9. Shri V. K. Gupta
10. Shri S. K. Bhattacharya
11. Shri T. R. Sasidharan
12. Shri Francis Antony
13. Shri R. S. Singhal
14. Shri P. Ganesan (SC)
15. Shri D. K. Bhattacharya
16. Shri Mukesh Bhatnagar
17. Shri O. P. Gehlaut
18. Shri S. K. Mazumdar (SC)
19. Shri G. S. Jakhere (ST)
20. Shri S. S. Rana (ST)
21. Shri Mahesh Chander (SC)
22. Shri Samuel Hanoda (ST).

M. L. JAYANT
Dy. Chief Controller of Imports & Exports
for Chief Controller of Import & Exports

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA

(KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-16, the 31st July 1984

No. 5529B/A-19012(1-SG)/83/19A.—Shri Subhasish Ghosh is appointed by the Director General, Geological Survey of India as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India in an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon on the 30-6-84 until further orders.

A. KUSHARI
Director (Personnel)
for Director General

Calcutta-16, the 28th July 1984

No. 5244B/A-19012(4-RNA)/84-19B.—Shri R. N. Arora, Sr. Tech. Asstt. (Drilling) in the Geological Survey of India is appointed on promotion to the post of Driller in the GSI by the Director General, GSI on pay according to rules in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 30th May, 1984, until further orders.

A. KUSHARI
Director (Personnel),
Geological Survey of India

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 3rd August 1984

No. A. 19012(198)|84-Estt. A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri R. M. Jaiswal, Officiating Superintendent, Indian Bureau of Mines has been promoted to officiate in the post of Assistant Administrative Officer in the Indian Bureau of Mines with effect from the afternoon of 27th July, 1984.

No. A. 19012(196)|84-Estt. A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri K. M. Patki, Officiating Senior Technical Assistant (Chemistry), Indian Bureau of Mines has been promoted to officiate in the post of Assistant Chemist in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 25th July, 1984.

No. A-19012(197)|84-Estt. A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shrimati H. C. Deshpande, officiating Senior Technical Assistant (Chemistry), Indian Bureau of Mines has been promoted to officiate in the post of Assistant Chemist in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 25th July, 1984.

The 4th August 1984

No. A-19012(202)|84-Estt. A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri D. V. Tambhekar, officiating Superintendent, Indian Bureau of Mines has been promoted to officiate in the post of Assistant Administrative Officer in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 30th July, 1984.

P. P. WADHI
Administrative Officer
for Controller General
Indian Bureau of Mines.

ANTHROPOLOGICAL SURVEY OF INDIA
INDIAN MUSEUM

Calcutta, the 16th July 1984

No. 4-201|84|Estt.—Shri S. K. Bhattacharyya, Research Associate (Physical) in the Anthropological Survey of India, is promoted to the post of Assistant Anthropologist (Physical) Group-B (Gazetted) at the North East Regional Office, Shillong in an officiating capacity with effect from the forenoon of 31st May, 1984 until further orders.

A. K. DAS GUPTA
Administrative Officer.

NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi-1, the 4th August 1984

No. F. 20(C-14)-94|76-A.1 (Estt).—On the recommendation of Union Public Service Commission, the Director of Archives, Government of India, hereby appoints Shri Nav Ratan Singh Tempy. Asstt. Archivist Gr. I (Genl.) as Archivist (General) (Group B' Gazetted) in the National Archives of India, New Delhi on regular temporary basis with effect from 31st July 1984, until further orders.

(Sd.) ILLIGIBLE
Director of Archives
Government of India.

ZOOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta, the 10th August 1984

No. F. 9-1|82-Estt|14454.—Shri A. K. Poddar, Senior Zoological Assistant is hereby appointed to the post of Assistant Zoologist (Group B) in the scale of Rs. 650—1200 in the Headquarters Office of the Zoological Survey of India, Calcutta, in a temporary capacity on ad-hoc basis with effect from the 9th July, 1984 (FN) until further orders.

A. K. MANDAL
Senior Administrative Officer
Zoological Survey of India.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi-110011, the 2nd August 1984

F. No. A. 12025|31|78-AllH & PH|Admn.f|PH(CD).—The President is pleased to appoint Dr. S. R. Dutta, to the post of Assistant Professor of Occupational Health in All India Institute of Hygiene and Public Health, Calcutta in the substantive capacity with effect from the 13.3.1982.

NARAIN SINGH
Dy. Director Admn. (N)

MINISTRY OF FOOD & CIVIL SUPPLIES

DEPARTMENT OF FOOD

DIRECTORATE OF SUGAR

New Delhi-110001, the 10th July 1984

No. A.19012|82|84-Estt.—Shri Sham Lal Jhanb, Stenographer Grade 'C' of the CSSS cadre of the Ministry of Industry (Deptt. of Industrial Development), has been appointed, on his temporary transfer on deputation, to the post of Cost Accountant, a Group 'B' (Gazetted) post in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in this Directorate, with effect from the 30th June, 1984 (After-noon).

V. LAKSHMI RATAN
Chief Director

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE
PERSONNEL DIVISION

Bombay-400 085, the 24th July 1984

No. Ref. PA|80(10)|82-R-III|1392.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri N. K. Prabhakaran, permanent Asstt. Security Officer and officiating Asstt. Security Officer (SG) in the Bhabha Atomic Research Centre to officiate as Security Officer in this Research Centre with effect from the forenoon of July 1, 1984 until further orders.

B. C. PAL
Dy. Estt. Officer

Bombay-400 085, the 2nd August 1984

No. S|1937|Estt.II|3777.—Shri Poongavanath Sukumaran relinquished charge of the post of Asstt. Personal Officer on 19.4.1984 FN consequent on voluntary retirement.

R. C. KOTIANKAR
Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
CONSTRUCTION & SERVICES GROUP

Bombay-400 094, the 18th July 1984

No. CED|A|2(7)|4960.—The Director, Construction & Services Group, Department of Atomic Energy, hereby appoints Shri S. R. Rediz, Selection Grade Clerk, Construction & Services Group as Assistant Personal Officer on adhoc basis in Construction & Services Group, DAE, Bombay with effect from the forenoon of 7.7.84 to 18.8.84 (AN), vice Shri M. Venugopalan proceeded to attend a training course.

B. V. THATTE
Administrative Officer

NUCLEAR POWER BOARD

Bombay-5, the 20th July 1984

No. NPB|3(283)|83-Estt.I|6812.—Director (Engineering), Nuclear Power Board, Bombay hereby appoints Shri V. B.

Vyapari, Assistant Accounts Officer of this Board as Accounts Officer-II in this Board in a temporary capacity on an ad-hoc basis with effect from the forenoon of May 23, 1984 to the afternoon of June 22, 1984 vice Shri R. G. Masurkar, A.O. II proceeded on leave.

R. V. BAJPAI
General Administrative Officer

ATOMIC MINERALS DIVISION

Hyderabad-500 016, the 30th July 1984

No. AMD-51/28/83-Pen.—Consequent upon his voluntary retirement from Government Service Shri G. P. Sharma, a permanent Surveyor and officiating Scientific Officer SB in the Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy relinquished charge of his post on the Forenoon of May 1, 1984.

Sd. Eligible
Sr. Administrative & Accounts Officer

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 31st July 1984

No. Ref. 05012/Feb. 84/3041.—Chief Executive, Heavy Water Projects, appoints Shri Rajendra Prasad Gupta, Scientific Assistant 'B' of Heavy Water Plant (Baroda) to officiate as Scientific Officer/Engineer (Gr. SB) in the same plant w.e.f. the forenoon of February 1, 1984 until further orders.

No. Ref. 05012/Feb.84/3042.—Chief Executive, Heavy Water Projects appoints Shri Rajendra Prasad Gupta, Scientific Assistant 'C' of Heavy Water Plant (Baroda) to officiate as Scientific Officer/Engineer (Gr. SB) in the same plant w.e.f. the forenoon of February 1, 1984 until further orders.

No. Ref. 05012/R7/OP/3043.—Chief Executive, Heavy Water Projects, appoints Shri Revana Doraiswamy, Assistant Security Officer, Heavy Water Project (Manuguru) to officiate as Security Officer in the same project w.e.f. May 19, 1984 (FN) to June 19, 1984 (AN) vice Shri V. K. Hiremath, Security Officer granted leave.

SMT. K. P. KALLYANIKUTTY
Administrative Officer

DEPARTMENT OF SPACE

ISRO SATELLITE CENTRE

Bangalore, the July 23 1984

No. 020/3(061)/84 Director ISRO SATELLITE CENTRE is pleased to appoint the undermentioned persons to posts and

The 31st July, 1984

No. A. 32013/1/84-EC—The President is pleased to appoint the following Assistant Communication Officers to the grade of Communication Officer on ad-hoc basis for a period of six months w.e.f. taking over charge of the higher post and to post them to the stations indicated against each :—

Sl. No.	Name	Present Station of posting	Station to which posted	Date of taking over charge.
1	2	3	4	5
1.	S. Majumdar	ACS, Delhi	ACS, Delhi	29-6-84
2.	A.K. Goswami	ACS, Calcutta	ACS, Calcutta	2-6-84
3.	L.D. Khara	ACS, Delhi	ACS Delhi	1-6-84
4.	M.S. Nair	ACS, Trivandrum	ACS, Trichy	30-6-84
5.	J.S. Sandhu	CATC, Allahabad	ACS, Delhi	7-6-84
6.	G. Muthulingam	ACS, Bombay	ACS, Bombay	2-6-84
7.	M.C. Antani	ACS, Bombay	ACS, Bombay	2-6-84
8.	M.L. Chopra	DGCA, New Delhi	ACS, Delhi	4-6-84 (AN)
9.	S.B. Chakraborty	ACS, Lucknow	ACS, Jaipur	30-6-84
10.	B.S. Gusain	CATC, Allahabad	CATC, Allahabad	8-6-84 (AN)

with effect from the forenoon of the dates indicated against each, in the ISRO SATELLITE CENTRE, Bangalore of the Department of Space, on a temporary basis and until further orders :

Sl. No.	Name S/Shri/Kum/Designation	Date
1.	K. Usha Sci/Engr'SB'	21-1-1984
2.	J. Subbalakshmy Sci/Engr'SB'	23-1-1984
3.	P. V. Krishna Kumar Sci/Engr-'SB'	27-1-1984
4.	R. V. Bharati Sci/Engr-'SB'	13-2-1984
5.	S. Mohan Sci/Engr-'SB'	15-2-1984

The 30th July 1984

No. 020/3 (061)/84: Director ISRO SATELLITE CENTRE is pleased to accept the resignations from the services of following persons, in the ISRO Satellite Centre, Bangalore, of the Department of Space with effect from the dates indicated against each.

Sl.No.	Name	Designation	Date
1.	Shri. N.S. Kumar	Sci/Engr-'SB'	20-7-1984
2.	Shri. T. Vasudevan	Sci/Engr-'SB'	20-7-1984
3.	Shri. N.Thangam	Sci/Engr-'SB'	20-7-1984
4.	Shri. L.G. Harisha	Sci/Engr-'SB'	16-7-1984

H.S. RAMADAS
Administrative Officer-II

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 21st July 1984

No. A.35018/6/79-EI.—In continuation of this Office Notification No. A.35018/6/79-EI, dated the 1.9.83 the President is pleased to sanction continuation of deputation of Shri K. K. Nagar, an Officer of the Intelligence Bureau, to the post of Assistant Director of Civil Aviation Security (Pay scale Rs. 1200—1800 plus Rs. 300/- Special Pay per month) in the Civil Aviation Security Organisation of the Civil Aviation Department for the period from 20.7.1984 to 31.10.1984.

The 23rd July 1984

No. A.32013/13/82-EI—In continuation of this Office Notification No. A.32013/13/82-EI dated the 18 July, 1983 9-8-83 & 22-6-84 the President is pleased to continue the adhoc appointment of the following officers in the grade of Director of Air Routes & Aerodromes/Director of Aerodromes for the period indicated against their names or till the posts are filled on regular basis, whichever, is earlier.

Names	Period
1. Shri. Prem Nath	1-6-84 to 30-11-84
2. Shri.S.H.Sontakke	1-6-84to30-11-84
3. Shri. George Lakra	1-6-84 to 30-11-84

1	2	3	4	5
	S/Shii			
11.	S.N. Bhagwat	ACS, Bombay	ACS, Bombay	2-6-84
12.	J.S. Augustus	ACS, Madras	ACS, Madras	5-6-84
13.	V.V. Patankar	ACS, Bombay	ACS, Bombay	2-6-84
14.	K.P. Swamy	ACS, Bombay	ACS, Bombay	2-6-84
15.	A.K. Banerjee	ACS, Calcutta	ACS, Calcutta	2-6-84
16.	S.K. Das	ACS, Bhubaneswar	ACS, Bhubaneswar	2-6-84
17.	L.S. Govila	ACS, Delhi	ACS, Delhi	1-6-84
18.	D.K. Chowdhury	ACS, Calcutta	ACS, Calcutta	2-6-84
19.	V.I. Ramamurthy	ACS, Trivandrum	ACS, Madras	30-6-84
20.	B.N. Sarkar	ACS, Silchar	ACS, Calcutta	28-6-84
21.	A.N. Biswas	ACS, Calcutta	ACS, Calcutta	1-7-84 (AN)

The 1st August 1984

No. A.32013|1|83-E.I.—The President is pleased to appoint Shri R. P. Singh, Deputy Director of Air Safety (Operations) to the post of Director of Training & Licensing at Headquarters on a regular basis with effect from 30-7-1984 (FN) and until further orders.

O. P. AGGARWAL
Assistant Director of Administration

New Delhi-110066, the 20th July 1984

No. A-38013|1|84-EA.—Shri J. L. Kapur, Aerodrome Officer, Office of the Regional Director, Civil Aviation Department, Delhi retired from Government services on the 30th June, 1984 on attaining the age of superannuation.

No. A-38013|1|84-EA.—Shri D. N. Gupta, Controller of Aerodromes, Office of the Controller of Aerodromes, Lucknow retired from Government services on the 30th June, 1984 on attaining the age of superannuation.

No. A238013|1|83-E.A.—Shri Gurumukh Singh, Aerodrome Officer, Office of the Regional Director, Civil Aviation Department,

Delhi retired from Government services on the 30th June, 1984 on attaining the age of superannuation.

G. B. LAL
Assistant Director of Administration
for Director General of Civil Aviation.

OVERSEAS COMMUNICATION SERVICE

Bombay, the 30th July 1984

No. 1|20|84-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri B. H. Khemchandani, Supervisor, New Delhi Branch as Deputy Traffic Manager in an officiating capacity, in the same Branch the periods mentioned below, against short-term vacancies on ad-hoc basis, and as local arrangements :—

- (1) From 11-7-83 to 25-7-83.
- (2) From 7-11-83 to 26-11-83.
- (3) From 12-12-83 to 28-1-84.

R. K. THAKKER
Dy. Director (Admn.)
for Director General

OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL EXCISE

Bombay 40002, the 28th July 1984

No. St.1/84-85.—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of Rule 232-A of Central Excise Rules, 1944 the name and addresses, and other particulars specified in sub-rule (2) of the persons who have been convicted by the court under Section 9 of the Central Excises and Salt Act, 1944 and persons on whom a penalty of Rs. 10,000/- or more has been imposed by an officer referred to in Section 33 of the Act are published as follows :—

I—COURT CASES

Statement for the quarter ending 31st March, 1984

Sl. No.	Name of the persons	Address	The provisions of the contravened	The amount of penalty imposed
1	2	3	4	5
1.	Shri D.H. Vora	26 Jansukh Niwas, Kasturba Road, Kandivali (West), Bombay-69.	(a) Under Section 9(1)(b) (b) Under Section 9(1) (bb) (c) Under Section 9(1) (bbb)	Total amount of fine of Rs. 7500/- or i/d to suffer 3 months S.I.
2.	Shri R.P. Shethwala	204 Jai Jalaram Building, Wadala Road, Bombay-31.	-do—	-do—
3.	Shri T.G.N. Menon	Terminal Supdt. Caltex India Ltd, Bombay reported to be now working in Calgas Bottling Co. Ltd. at Dubai.	(a) Under Section 9(1)(i)	Total amount of fine of Rs. 27000/- or i/d six months R.I.

II-DEPARTMENTAL ADJUDICATIONS

Sl. No.	Name of the persons	Address	Provisions of the Act or Rules made thereunder contravened	Amount of penalty imposed	Value of excisable goods adjudged by an officer under Section 33 to be confiscated	Amount of the fine in lieu of confiscation under Section 34 of the Act
1	2	3	4	5	6	7

—NIL—

The 4th August 1984

F. No. II/3E(a)2/77-Pt.II.—Shri B. G. Ghadiyar, Selection Grade Inspector has on promotion assumed charge as Superintendent, Group 'B' in Bombay Central Excise Collectorate-I with effect from 6-7-84 Forenoon.

F. No. II/3E(a)2/77-Pt.II.—Shri D. B. Joshi, Administrative Officer, Central Excise, Group 'B' in Bombay-I Central Excise Collectorate, has voluntarily retired 1-7-84.

H. M. SINGH
Collector of Central Excise
Bombay-I

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 2nd August 1984

No. A-19012/1011/82-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri P. K. Sen, Supervisor to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engineering) on a purely temporary and ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 for a period of one year or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier with effect from the forenoon of 25-1-1983.

MEENAKSHI ARORA
Under Secretary,
Central Water Commission

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF WORKS

CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 31st July 1984

No. 1(278/69-ECTX.—Shri Y. P. Popli, Architect of this Department retired from Government Service on attaining the age of superannuation with effect from 31-7-1984 (AN).

No. 33/7/82-EC.IX.—The Director General of Works, CPWD, is pleased to appoint Shri Sukhbir Singh, a nominee of the U.P.S.C., against temporary post of Assistant Director of Horticulture, in General Central Service (Group 'B') in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1200 in the Directorate of Horticulture, CPWD, New Delhi, with effect from 21-6-84 (AN) until further orders.

2. Shri Singh is placed on probation for a period of two years from the date of his appointment as Assistant Director of Horticulture.

3. His initial pay will be fixed according to Rules.

PRITHVI PAL SINGH
Deputy Director of Administration

New Delhi, the 31st July 1984

No. 30/29/83-ECL.—The President is pleased to appoint the following Assistant Engineers (Civil) in the Central Public Works Department to officiate on ad-hoc basis, until further orders, as Executive Engineers (Civil) in the Department with effect from the dates shown against their names :—

- S/Shri
1. B. L. Sharma—14-6-84.
 2. P. S. Rao—5-7-84.
 3. H. D. Bardhan—23-6-84.
 4. C. B. Goel—20-6-84.
 5. Jagdish Lal—4-6-84.
 6. O. P. Tyagi-II—13-6-84.
 7. P. Pallani (SC)—30-6-84.

NANAK SINGH
Dy. Director of Administration,

CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY

New Delhi-110066, the 2nd August 1984

No. 22/4/83-Adm.I(B)—The Chairman, Central Electricity Authority hereby appoints the following TA/Supervisor, to the grade of EAD/AE of the Central Power Engineering (Group B) Service in the Central Electricity Authority in an officiating capacity w.e.f. the date noted against each :—

Sl. No.	Name & Designation	Date of appointment as EAD
S/Shri		
1.	V.K. Anand, TA	10-7-1984
2.	B.P. Sharma, Supervisor	10-7-1984
3.	Balbair Singh, Supervisor	10-7-1984
4.	J.K. Bhaskar, Supervisor	11-7-1984(AN)
5.	R.C. Tandon, Supervisor	11-7-1984 (AN)

B.M. LALL
Under Secy

INDIAN RAILWAYS

CHITTARANJAN LOCOMOTIVE WORKS

Chittaranjan, the 31st July 1984

No. GMA/GS/8(Admn.).—The following officiating Class-II officers who are holding lien in Class-III on this Administration are confirmed in Class-II Scale in the Cadre of Personnel Department of C.L.W. Administration against the permanent post noted against each, with effect from the date shown against each :—

Sl. No.	Name and Present Designation of the officers	Permt. post against which confirmed	Date from which confirmed	Vacancy against which confirmed
1	2	3	4	5
1.	Shri D.N. Chatterjee Offg. SPO(A).	Asstt. Personnel Officer-II (Class-II)	1-1-83 (FN)	Against the vacancy of Sri S. Lakshmanan retired from Railway service.
2.	Shri K.K. Mondal offg. APO(II).	Asstt. Welfare Officer (Class-II)	4-3-83 (FN)	Against the vacancy of Shri P.C. Gnosh absorbed permanently in J.S. (Class-I).

A. A. HATTANGADI
General Manager,

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the Matter of Companies Act, 1956 and of M/s.
Lucknow Power Rick-show Company Private Limited.*

Gwalior-474009, the 30th July 1984

No. 1381|PS|CP|3749.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Lucknow Power Rick-Shaw Company Private Limited has this day been struck-off the Register and the said Company is dissolved.

*In the Matter of Companies Act, 1956 and of M/s.
Geetanjali Investments Private Limited.*

Gwalior-474009, the 30th July 1984

No. 1564 PS|CP|3750.—Notice is, hereby, given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. GEETANJALI INVESTMENTS PRIVATE LIMITED, GWALIOR unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

*In the Matter of Companies Act, 1956 and of M/s.
Divya Industries Private Limited, Gwalior*

Gwalior-474009, the 30th July 1984

No. 1563|PS|CP|3751.—Notice is, hereby, given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Divya Industries Private Limited, Gwalior unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the Matter of Companies Act, 1956 and of M/s.
The Dewas Senior Transport Services Private Limited.*

Gwalior-474009, the 30th July 1984

No. 753|PC|CP|3752.—Notice is, hereby, given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. The Dewas Senior Transport Services Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

S. KARMAKAR
Registrar of Companies
Madhya Pradesh, Gwalior.

*In the Matter of Companies Act, 1956 and of M/s.
Vivek Savings & Finance Company Private Limited.*

Patna, the 31st July 1984

No. (1174)-560|2636.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Vivek Savings & Finance Company Private Limited, has this day been struck off and the said company is dissolved.

A. W. ANSARI
Registrar of Companies, Bihar
Patna-1.

*In the Matter of Companies Act, 1956 and of M/s.
Seethakkathi Marine Industries Pvt. Ltd.*

Madras-600 006, the 1st August 1984

No. DN|5905|560(3)|84.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Sec. 560(3) of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Seethakkatti Marine Industries Pvt. Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

(Sd.) ILLIGIBLE
Asstt. Registrar of Companies,
Tamil Nadu, Madras.

FORM ITNS ———

(1) Mrs. Shobha Ram Hemlani,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Savitri Mulchand Jaswani,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III/37EE/4286/84-85.—Whereas, I,
A. LAHIRI,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.Flat No. 601, Building No. 2, Unit 'S', Sundernagar, S.V.
Road, Malad (W), Bombay-64.(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred in the office of the Registering Officer
Bombay on 1-11-1983for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given
in that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transferor,
and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 601, Building No. 2, Unit 'S', Sundernagar, S. V.
Road, Malad (W), Bombay-64.The Agreement has been registered with the Competent
Authority, Bombay, vide serial No. AR.III/37EE/1637/83-84
dated 1-11-1983.(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to following
persons, namely :—A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, BombayDate : 13-7-1984
Seal :

FORM IT.N.S.—

(1) Mr. Pravinchandra B. Bhojani,

(Transferor)

(2) Smt. Tarulata M. Parekh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.II/37EE/4252/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 32, Plot No. 66, Carodia Nagar, New Vasant Apartment, Ghatkopar (W) Bombay-77 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of Bombay on 1-11-1983) for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
38—206GI/84

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 32, Plot No. 66, Carodia Nagar, New Vasant Apartment, Ghatkopar (W), Bombay-77.

The Agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay, vide serial No. AR.III/37EE/1634/83-84 dated 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bombay

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III/37EE/4144/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 431, Shalini, 4th floor, L.B.S. Marg, Ghatkopar Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the registering Officer Bombay on 1-11-1983

For an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mrs. Sheth Enterprises.

(Transferor)

(2) Rashmi Ramesh Sawant.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 431, Shalini, 4th floor, L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay.

The Agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay, vide serial No. AR.III/37EE/1597/83-84 dated 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bombay

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Vidyandandan Madhawan.

(Transferor)

(2) Shri Parasmal J. Barmar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III|37EE|4162|84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 33, Building No. C, Munish Vijay Cooperative Hsg. Soc. Ltd., Vasai Chembur, Bombay-74, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), and the agreement is registered under sec. 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the competent Authority Bombay on 1-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income on any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-sections, namely :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 33, Building No. C, Munish Vijay Cooperative Hsg. Soc. Ltd., Vasai Chembur, Bombay-74.

The Agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay, vide serial No. AR.III|37EE|1650|83-84 dated 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ajaykumar Pachariwala.

(Transferor)

(2) M/s. Kapoor Family Trust.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III/37EE/4230/84-85.—Whereas, I,

A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing Flat No. 106, 1st floor, 'C' Wing Veena Nagar, Malad (W), Bombay,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 106, 1st floor, 'C' Wing, Veena Nagar, Malad (W), Bombay.

The Agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay, vide serial No. AR.III/37EE/1607/83-84 dated 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III Bombay

Date : 13-7-1984

Seal :

FORM ITNS—
NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Expel Process Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) M/s. Conwud Arts.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III/37EE/4272/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Unit No. 119 and 120, 1st floor, New Satguru Nanik Industrial Estate, 498, Western Express Highway, Goregaon, Bombay-400063, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 119 and 120, 1st floor, New Satguru Nanik Industrial Estate, 498, Western Express Highway, Goregaon, Bombay-400063.

The Agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay, vide serial No. AR.III/37EF/1584/83-84 dated 1-11-1983.

A. LAHIRI
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Competent Authority
Acquisition Range-III Bombay

Date : 13-7-1984

Seal

FORM I.T.N.S.—

(1) Smt. Sunanda Y. Khatavkar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri T. K. Cherian Vaidyan.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III/37EE/4256/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 9, Vakola Pankaj Cooperative Housing Society, Nehru Road, Vakola Bridge, Santacruz (E), Bombay-55. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 9, Vakola Pankaj Cooperative Housing Society, Nehru Road, Vakola Bridge, Santacruz (E), Bombay-55.

The Agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay, vide serial No. AR-III/37EE/1644/83-84 dated 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ravin Kumar Kantilal Doshi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Nipun Jashwantlal Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III/37EE/4201/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 15, Malad Jagruti Premises Cooperative Housing Society Ltd., first floor, Malad (W), Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 15, Malad Jagruti Premises Cooperative Housing Society Ltd., first floor, Malad (W), Bombay.

The Agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay, vide serial No. AR.III/37EE/1583-83-84 dated 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III Bombay

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. ARIV/37EE/84-85.—Whereas, I,
A. LAHRI,
being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Lokhit Co-op. Hsg. Soci. Ltd. 2nd fl. Flat No. 85, Ghatkoper (East), Bombay 400 077, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer and the agreement is registered under sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at situated at Bombay on 1-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Radhabea Madhavji Thakkar.

(Transferor)

(2) Nainaben Devji Katira.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lokhit Co-op. Hsg. Soci. Ltd. 2nd fl. Flat No. 85, Ghatkoper (East), Bombay 400 077.
The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay, vide serial No. ARIV/37EE/1611/83-84 dt. 1-11-1983.

A. LAHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-7-1984

Seal :

FORM ITNS—

(1) Mr. Thomas D'Lima.

(Transferor)

(2) M/s. Allvin Builders.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III/37EE/4262/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

CTS No. 537, Hissa No. 186, 186-1, 1A & 1B, Village Valnai, situated at Malad, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Malad, Bombay.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
39—206GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

CTS No. 537, Hissa No. 186, 186-1, 1A & 1B Village-Valnai, Malad, Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay, vide serial No. AR.III/37EE/1636/83-84 dated 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Sigabai N. Bhojwani,

(Transferor)

(2) Smt. Popri. N. Motwani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. ARIV/37EE/1168/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. A-28, 5th fl. Navabharat Apartments Co-op. Hsg. Soc. Ltd. R. C. Marg, Chembur, Bombay-74, situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. A-28, 5th fl. Navabharat Apartments Co-op. Hsg. Soc. Ltd. R. C. Marg, Chembur, Bombay-74.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37EE/1656/83-84 dt. 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Kanyalal K. Bhagtani

(Transferor)

(2) M/s. Kapoor Family Trust

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III/37EE/4231/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 301, 3rd floor, E-Wing, 'Veena Nagar', Malad (W), Bombay, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority Bombay on 1-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 301, 3rd floor, E-Wing, Bldg. 'Veena Nagar', Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, Vide serial No. AR.III/37EE/1632/83-84 dated 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. ARIV/37EE/2722/84-85.—Whereas I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop. No. 3, Krishna Kuteer, Factory Lane, L.T. Road, Borivli (West), Bombay-400 092, situated at Bombay has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 23-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s Rahul Builders.

(Transferor)

(2) Shri Vasant Veniram Trivedi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 3, Krishna Kuteer, Factory Lane, L.T. Road, Borivli (West), Bombay-400 092.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37EE/2722/83-84 dt. 23-11-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mts. Pushpa
D. Matharu.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Kanwar Bhan Malik,
Mrs. Neelam Kapil & Shri Om Prakash Malik
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 17th July 1984

Ref. No. AR.II/37-F/9108/83-84.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/* and bearing Unit No. 217/B, 2nd floor, Hind Saurashtra Industrial Estate, Andheri Kurla Road, Andheri (E), Bombay-59, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 12-11-1983

for an apparent consideration of Rs. 150,000, which is more than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;**
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 217/B, 2nd floor, Hind Saurashtra Industrial Estate, Andheri Kurla Road, Andheri (E), Bombay-400 059.
The Agreement has been registered by the Competent Authority under Serial No. AR.II/37-EE/9108/83-84 on 12th 1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date : 17-7-1984.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Kailashnath.
H. Jain

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Messers Vijay Kumar Jain HUF.
and Ashok Kumar Jain HUF.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 10th July 1984

No. Ref. No. AR-II/37EE/8692/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Unit No. 46, Sarvodaya Industrial Estate, Mahakali Caves Rd., Chakala, Andheri Bombay-93, situated at Andheri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 25th November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Unit No. 46, Sarvodaya Industrial Estate, Mahakali Caves Road, Chakala, Andheri (E) Bombay-93.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-II/37EE/8692/83-84 Date 25-11-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date : 10-7-1984.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shree Shreemal Builders

(Transferor)

(2) Narendra Madaurajji Gemawat
Suresh Madaurajji Gemawat
Mohankumari
M. Gemawat

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 10th July 1984

Ref. No. AR-II/37EE/8637/83-84 Whereas, I,
LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. Kamal Kunj, Dhobighat Lane, Jayprakash Rd. Andheri
(West) Bombay 58, situated at Andheri (West)
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of
the Registering Officer
at Andheri
(West) Bombay-58,
on 19-11-1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Kamal Kunj, Dhobighat Lane, Jayprakash Rd., Andheri
(West), Bombay-58.

The Agreement has been registered by the Competent
Authority under serial No. AR-II/37EE/8637/83-84 dated
19-11-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 10-7-1984.

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Noble Construction Co.

(Transferor)

(2) Mr. Jubair Abdul Hamid Dhopawker.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.II/37EE/8503/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 304, Habib Park, Opp. Jogeshwari Station (West) Bombay-400 102, situated at Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay, on 3-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 304, Habib Park Co-op. Housing Society, Opp. Jogeshwari Station (West), Bombay-400 102.
The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/8503/83-84, dated 3-11-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-7-1984.
Seal :

FORM ITNS-----

(1) Mr. Vicky Kumar Mehra.

(Transferor)

(2) Mrs. Theresa Gotting

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.II/37EE/9135/83-84-Whereas I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000] and bearing Flat No. 502, Kavita Apartments, CTS 1030 Yari Road, Versova, Andheri (West) Bombay-400 061, situated at (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 15-11-1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
40—206GT/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 502, Kavita Apartments, CTS No. 1030, Yari Road, Versova, Andheri (West) Bombay-400 061.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/9135/83-84, dated 15-11-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date : 13-7-1984

Sent .

FORM ITNS—

(1) M/s. Indico Construction Co.

(Transferor)

(2) Mrs. Carmine Castolino

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 5th July 1984

Ref. No. AR.II/37EE/8586/83-84.—Whereas, I, LAXMANDAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 505, Vidyadani Co-op. Housing Society, Sahar Village, Andheri, (East), Bombay-400069 situated at Andheri (East) (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay, on 14-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 505, Vidyadani Co-op. Housing Society, Sahar Village, Andheri (East), Bombay-400 069.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR.II/37EF/8586/83-84 dated 14-11-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 5-7-1984.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Laxmi Industrial Estate.

(Transferor)

(2) Graphic Paper Converters.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.II|37EE|8788|83-84.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Industrial Shed No. G on the Ground floor of Bldg. No. 23, Shri Laxmi Industrial Estate, Off Vira Desai Road, Oshiwara Rd., Andheri (West), Bombay-400 058.

situated at Andheri (West) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 28-11-1983, for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Shed No. G on the Ground floor of Bldg. No. 23 known as Shri Laxmi Industrial Estate, Off. Vira Desai Road, Oshiwara Road, Andheri (West), Bombay 400 058.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|8788|83-84, dated 28-11-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date : 13-7-1984.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th July 1984

Ref. No. AR.II/37EE/3792/83-84.—Whereas, I,
LAXMANDAS,being the Competent Authority under
Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the said Act)have reason to believe that the immovable property, having
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and
bearing No. Flat No. 2 Bandra Co-operative
Housing Society, Summer Breeze, Road No. 15
TPS III, Bandra, Bombay-400 050,(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act 1961in the office of the
Competent Authority
at Bombay on 27-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Nadir Frachshaw Turel.

(Transferee)

(2) Mrs. Nargish Hormusji Mistry,
Mrs. Roshan Farrokh Daruwalla,
Mrs. Siloo Khushru Ghadiali.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, The Bandra Co-operative Housing Society, Summer Breeze, Road No. 15, T.P.S. III, Bandra, Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/3792/83-84, dated 27-11-1983.

LAXMANDAS,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.Date : 11-7-1984
Sd/- :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.II/37EE/9103/83-84.—Whereas, I, LAXMANDAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

bearing No. Flat No. 2 'Chetna' 142/143 Jai Prakash Road, Andheri (West) Bombay-400 058 situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 15-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Asha Development Corporation, (Transferor)
(2) Mr. Chandan alias Chandrabhan P. Swaroop, (Transferee)
(4) Versova Chetna Premises Co-operative Housing Soc. Ltd.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2 'Chetna' 142/143 Jai Prakash Road, Andheri (West) Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/9103/83-84 dated 15-11-1983.

LAXMANDAS,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Smt. Ishwaridevi Thakurdas Dudeja
(Transferor)
- (2) Shri Kiran Prabhudas Mandavia
(Transferee)
- (3) Transferor
(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAXACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 7th July 1984

Ref. No. AR-II/37EE/3794/83-84. —Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 9, Kamal Kunj Building, North of Irla Nala, JVPD Scheme, Bombay-49, situated at JVPD Scheme, Bombay-49, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 28-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 9, Kamal Kunj Building, North of Irla Nala, JVPD Scheme, Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II/37EE/3794/83-84 dated 28-11-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay.

Dated : 7-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 7th July 1984

Ref. No. AR.II/37FF/8604/83-84.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 1, Beach Apartment, Versova Road, Andheri (West) Bombay -400 061 situated at Andheri (West) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961

in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Dr. Rumi Fardun Beramje
Mrs. Di Inavaz Khoshroo Kelawala
Mrs. Behnas Aspi Bilimorai and
Miss Farnaz Kaikhosrow Jehan (Transferor)
- (2) Shri Ashok Shrinivash Naidu and
Smt. Vanja Ashok Naidu (Transferor)
- (3) Transferee.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 1, Beach Apartment, Plot No. 25, Versova Road Andheri (West), Bombay-400 061.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR.II/37FF/8604/83-84, dated 17-11-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Bombay.

Dated : 7-7-1984
Seal :

FORM TRANS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 7th July 1984

Ref. No. AR-II/37EE/3774/83-84.—Whereas, I, LAXMANDAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 3, 'Kanti Apartments' Bandra, Bombay-50 situated at Bandra (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 25-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. Puthpa Wadia (Transferor)
(2) Mr. Carl Keelor (Transferee)
(3) Transferee (Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever ever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, 12th floor in 'B' Wing of 'Kanti Apartments' Mount Mary Road, Bandra, Bombay 400050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II/37EE/3774/83-84 dated 25-11-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II
Bombay.

Dated : 7-7-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Annie D'Silva

(Transferor)

(2) Shri Dnyanesh Shankarrao Hemmady
Smt. Leena Dnyanesh Hemmady,

(Transferee)

(3) Transferees

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 7th July 1984

Ref. No. AR-II/37EE/3706/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 7, 2nd floor in Smruti, Bhatte Sadan Co. operative Housing Society Ltd. at Plot No. 421, 15th Road, Khar, Bombay-400 052 situated at Khar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at BOMBAY on 10-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 7, 2nd floor in Smruti, Bhatte Sadan Co. operative Housing Society Ltd., at Plot No. 421, 15th Road, Khar, Bombay-400 052.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II/37EE.3706/83-84 dated 10-11-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

41—206G/84

Dated : 7-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

- (1) M/s. Shivshakti Builders. (Transferor)
 (2) M/s. Shakti Engg. & Dye-Casting. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
 TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
 SIONER OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE-II
 BOMBAY

Bombay, the 5th July 1984

Ref. No. AR-II/37EE/8611/83-84.—Whereas, I,
 LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of
 the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
 to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
 movable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

Industrial Shed No. 56, Phase No. III, Shivshakti Industrial
 Estate, Marol Village, Off Andheri-Kurla Road, Andheri
 (East), Bombay 400 059.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

in the Office of the
 Competent Authority
 at Bombay on 14-11-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more than
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the
 consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said Instrument of
 transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
 assets or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
 ing persons, namely:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days
 from the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
 able property, within 45 days from the date of the
 publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said Act,
 shall have the same meaning as given in
 that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Shed No. 56, Phase No. III, Shivshakti Industrial
 Estate, Marol Village, Off Andheri-Kurla Road, Andheri (East)
 Bombay-400 059, and the agreement is registered by the
 Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II/37EE.
 8611/83-84 dated, 14-11-1983.

LAXMANDAS
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-II
 Bombay.

Date : 5-7-1984
 Sent :

FORM ITNS—

(1) M/s Nirman Builders.

(Transferor)

(2) Mr. Barghese Paul Thekkekkara.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 11th July 1984

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AR.II/37EE/8668/83-84—Whereas, I, LAXMAN DAS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 401, 4th floor, Nirman Cottage, Yari Road, Versova, Andheri (West) situated at Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 21-11-1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 401, 4th floor, Nirman Cottage, Yari Road, Versova, Andheri (West), Bombay-400061.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE.8668/83-84, dated 21-11-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 6th July 1984

Ref. No. AR-II/37EE/3723/83-84.—Whereas, I, LAXMANDAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing Flat No. 9, Vrindavan, Tagore Road, Santacruz (West), Bombay-54, situated at Santacruz (West) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 14-11-1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mrs. Nandini Sureshchandra Kekre (Transferor)
(2) Mr. Suresh Chandra Vasantrao Mehta
Mrs. Sudha Suresh Chandra Mehta, (Transferee)
(3) Transferor. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 9, Vrindavan, Tagore Rd., Santacruz (West), Bombay-400 054.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II/37EE/3723/83-84 dated 14-11-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay.

Date : 6-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Gopal Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Smt. Radharani R. Tandon and
Sunil R. Tandon.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 7th July 1984

Ref. No. AR.II/37EE/8490A/83-84.—Whereas, I,
LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the
said Act, have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
Flat No. 10, 'Aditya Apartments', Old Nagardas R. Andheri
(East), Bombay, situated at Andheri (East)
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of
the Competent Authority
at Bombay on 3-11-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10, 4th floor, 'B' Wing of 'Aditya Apartments'
Old Nagardas Rd, Andheri (East), Bombay-69.

The agreement has been registered by the Competent Autho-
rity, Bombay under serial No. AR.II/37EE/8490A/83-84 dt.
3-11-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date : 7-7-1984

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Smt. Kusum B. Gandhi. (Transferor)
 (2) Bhavesh Vinodrai Doshi. (Transferee)
 (3) Transferor. (Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.II/37EE/9101/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 6, 3rd floor Manish Darshan, Rajendra Kripa Co-op. Housing Society Ltd., Shar Road, Andheri (East), Bombay-59 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6, 3rd floor, Building No. 4 Manish Darshan, Rajendra Kripa Co-op. Housing Society Ltd., Shar Road, Andheri (East). Bombay 400 059.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/9101/8384, dated 11-11-1983.

LAXMAN DAS
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-II, Bombay

Date : 13-7-1984
 Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th July 1984

Ref. No. AR-II/37EE/3703/83/84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 15, Murli Govind Co-operative Housing Society Ltd., Plot No. 427, 15th Road, Khar, Bombay-400052 situated at Khar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 10-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mr. Biharilal T. Bajaj
Mr. Jagidhs T. Bajaj (Transferor)
(2) Shri Vijai N. Razeja
Mrs. Duru No. Raheja. (Transferee)
(3) Transferee. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 15, Murli Govind Co-operative Housing Society Ltd. Plot No. 427, 15th Road, Khar Bombay-400052.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II/37EE/3703/83-84 dated 10-11-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 6-7-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th July 1984

Ref. No. AR-II/37EE/3756/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 4, Mahim Merry Niketan Co-operative Housing Society Ltd., Mahim Bombay-16 situated at Mahim (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 21-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Giriharilal T. Harisinghani.

(Transferor)

(2) Shri K. Mohammed Ali.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4 1st floor Mahim Merry Co-operative Housing Society Ltd., at Wania Wadi F.P. No. 689, Mahim Bombay-400 016.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II/37EE/3756/83-84 dt. 21-11-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 6-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Nahar Singh & Jogani Associates.

(Transferor)

(2) Mr. Sudarshan Anandji Rasputra.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR-II/37EE/8805/83-84.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 8 on ground floor, 'Everest' Building, Jay Prakash Narayan Road, Versova, Andheri (West), Bombay-400 061. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at BOMBAY on 19-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
42—206GI/84

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 8 on ground floor, 'Everest' Building, Jay Prakash Narayan Road, Versova, Andheri (West), Bombay 400 061.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/8805/83-84, dated 19-11-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) M/s Paramount Packaging Industris. (Transferor)
 (2) M/s Bentley Textiles Inds. Pvt. Ltd. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th July 1984

Ref. No. AR.II[37EE]8620[83-84].—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Unit No. 103, Kanchan Industrial Estate, Andheri Kurla Road, Mohili Village Bombay 400 072 situated at Andheri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 29-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 103, Kanchan Industrial Estate Andheri Kurla Road, Mohili Village, Bombay-400072.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under serial No. AR.II[37EE]8620[83-84] dt. 29-11-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 6-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th July 1984

Ref. No. AR.II|37EE|8800|83-84.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
Flat No. 1102 on 11th floor in 'Everest' at Jay Prakash Road
Versova, Bombay-400061
situated at Versova
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
and the agreement is registered under section 269AB of the
Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority
at
Bombay on 28-11-1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Smt. Shantibal S. Jain

(Transferor)

(2) Chamanlal Kaul

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the re-
spective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1102, on 11th floor in 'Everest', at Jay Prakash
Road, Versova, Bombay-400 061.

The agreement has been registered by the Competent
Authority under No. AR.II|37EE|8800|83-84, dated 28-11-83.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 11-7-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.II/37EE/8792/83-84.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
Flat No. 307, 'B' Wing, Panchsheel, Mathurdas Vasanji Rd.
Andheri (East), Bombay-400 069, situated at Andheri (East)
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office
of the Competent Authority at
Bombay on 29-11-1983,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

- (1) Khemchand B. Kothari Karta of
Khemchand B. Kothari HUF
(Transferor)
- (2) Dr. Bandu N. Pamadi &
Smt. Vijaya B. Pamadi
(Transferee)
- (3) M/s Vijay Construction Co.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 307, 'B' Wing, 3rd floor 'Panchsheel' Mathurdas
Vasanji Road, Andheri (East), Bombay-400 069.
The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/8792/83-84 dated
29-11-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.II/37EE/9144/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 502 5th floor, Talati Apartment, Near Irla Bridge, SV Road, Andheri (West), Bombay-400 058, situated at Andheri (West) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings on the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri R. M. Jham & Smt. P. M. Nasta (Transferor)
- (2) Shri Swati Bharat Dalal (Transferee)
- (3) M/s. Seiko Developments (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 502 5th floor, Talati Apartment, Near Irla Bridge, SV Road, Andheri (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/9144/83-84 dated 17-11-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 13-7-1984
Sent :

FORM ITNS

(1) M/s. K. J. Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Nandlal Gopaldas Tolani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 17th July 1984

Ref. No. AR.II/37EE/3773/8384.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 1, Ground floor, Plot No. 376 at the junction of 16th and 33rd Road, TPS III, Bandra, Bombay-50

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 1, Gr. floor, Plot No. 376 at the Junction of 16th and 33rd Road, T.P.S. III, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR.II/37EE/3773/83-84 dated 24-11-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 17-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.II/37EE/8678/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 303, Anupam, 3rd floor Dadabhai Cross Lane No.2 Versova Road, Andheri (West) Bombay 400 058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 25-11-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Sushila Niranjani Tapiawala
Shri Niranjani Ratilal Tapiawala (Transferor)
- (2) Shri Mahadeo Ramchandra Kadam
Mrs. Malati Mahadeo Kadam. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 303, Anupam, 3rd floor, Dadabhai Cross Lane No. 2 Versova Road, Andheri (West) Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR. II/37EE/8678/8384 dated 25-11-1983

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Chatrumal Aritmal.

(Transferor)

(2) Shri Purshotam C. Manwani

(2) Manohar C. Manwani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 296D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984.

Ref. No. AR.II/37EE/3834/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 4, 1st floor, Sudha Bldg., Plot No. 605, 15th Road, Khar, Bombay-400 052 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 28-11-1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 4, 1st floor, Sudha Bldg. Plot No. 605, 15th Road, Khar, Bombay-400 052.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/3834/8384, dated 28-11-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Mr. Nirmal Jain.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Mr. Esmail Abdulhusein Kathawala
Mr. Abbas H. Patel &
Mr. Anthony X.P.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.II/37FF/8667/83-84.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
Flat No. 611, Everest Building, Jayprakash Narayan Road,
Versova, Andheri (West), Bombay-400 061
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office
of the Competent Authority
at Bombay on 22-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent considera-
tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in the
said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect to any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

43—206G1/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of pub-
lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 611 Everest building, Jayprakash Narayan Road,
Versova, Andheri (West), Bombay-400 061.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/8667/83-84, dated
22-11-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 13-7-1984

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR-II/37EE/8651/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. B-48, Sunil Niwas Co-operative Housing Society Ltd., Four Bunglow, S. V. Road, Versova, Andheri, Bombay-58 situated at Andheri, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 21-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Kishin Pessumal Janani.
(Transferor)
- (2) Shri Narsing Gagandas Sachanandani.
(Transferee)
- (3) Transferor.
(Person in occupation of the property)
- (4) Mrs. C. N. Karamchandani.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-48, Sunil Niwas Co-operative Housing Society Ltd. Four Bunglow, J. P. Road, Versova, Andheri, Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II/37EE/8651/83-84, dt. 21-11-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mr. C. P. Dhanani.

(Transferor)

(2) Mrs. Durga L. Deepchandani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR-II/37EE/9099/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 17, A-Wing Sunil Niwas Co-op. Hsg. Soc. Ltd. 4 Bunglows J. P. Road, Andheri (West), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-11-1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 43 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used therein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 17, A-Wing Sunil Niwas Co-op. Hsg. Soc. Ltd. 4 Bunglows J. P. Road, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/9099/83-84, dated 3-11-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Rokadia Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Vipul Manharlal Sajanwala &
Smt. Saryu Vipul Sanjanwala.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR-II/37EE/8608/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 12 1st floor, Rokadia Niketan, Mouje Mogra Parsi Panchayat Rd. Andheri (East), Bombay-400 069 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12, 1st floor of Rokadia Niketan, CTS No. 141B, S. No. 50, Hissa No. 3F of Mouja Mogra, Parsi Panchayat Road, Andheri (E), Bombay-400 069.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/8608/83-84, dated 1-11-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Dr. Manoj Ghelubhai Patel.

(Transferor)

(2) M/s Golden Tobacco Company Ltd.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th July 1984

Ref. No. AR-II/37EE/3708/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 202 Vishal Apartments, Janki Kutir, Bombay-54 situated at Juhu,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 12-11-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 202, Vishal Apartments, Janki Kutir, Bombay-400 054.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II/37EE/3708/83-84 dated 12-11-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 6-7-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Shabbir Fakhruddin.

(Transferor)

(2) M/s. Sycon.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.II/37EE/8705/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Industrial Unit No. L Phase No. 8, Laxmi Industrial Estate on Block 'E' Village Oshivara, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 26-11-1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Unit No. L, Phase No. 8 of the Industrial area of Laxmi Industrial Estate on Block 'E' Survey No. 41, Village Oshivara, Greater Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/8705/83-84, dated 26-11-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 13-7-1984
Seal:

FORM ITNS

(1) M/s. Kanti Builders.

(Transferor)

(2) Ramniklal D. Mehta.
Tarala R. Mehta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th July 1984

Ref. No. AR-II/37EE/3666/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 101, 1st floor, Amit Apartment Wing A Dadabhai Cross Road No. 3 Vile Parle (West), Bombay-56 situated at Vile Parle (West) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101, 1st floor, Amit Apartment, Wing A Dadabhai Cross Road No. 3, Vile Parle (West) Bombay-400 056.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II/37EE/3666/83-84, dt. 1-11-1984.

LAXMAN DAS

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 7-7-1984

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.II/37EE/8530/83-84.—Whereas, J. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Indl. Unit No. 114, Shivai Industrial Estate Sakinaka, Andheri Kurla Road, Bombay-400 059 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 8-11-1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mr. Avtarsingh A. Arora and Ramchand G. Chabria. (Transferor)
- (2) Mazda Exports & Machinerics Pvt. Ltd. (Transferee)
- (3) Transferee. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Unit No. 114, Shivai Industrial Estate, Sakinaka, Andheri Kurla Road, Bombay-400 059.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/8530/83-84, dated 8-11-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS.—

(1) M/s. Noble Construction Co.

(Transferor)

(2) Nahi Raham Ibrahim,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.II/37EE/8534/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 501, 5th floor, Bandivli Habib Park Co-op. Housing Society Ltd. Bandivli, Jogeshwari (West) and situated at Bombay-400 012 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

44—206GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 501, 5th floor, Bandivli, Habib Park Co-op. Housing Society Ltd., Bandivli, Jogeshwari (West) Bombay-400 102.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/8534/83-84, dated 11-11-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 13-7-1984

Seal :

FORM ITNS—

(1) Master Nimi sh. K. Patel and
Miss Neena K. Patel.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Ramesh M. Kapadia.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 5th July 1984

Ref. No. AR-II/37EE/8454/83-84.—Whereas I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 4, 6th floor in Thackers Apartments, 203, C.D. Barfiwala Marg, Andheri (West), Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, 6th floor in Thackers Apartments, 203, C.D. Barfiwala Marg, Andheri (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II/37EE.8454/83-84 dated 1-11-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 5-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Zakaria Aghadi Builders.

(Transferor)

(2) Mr. Shriram Shricharan Yadav.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 9th July 1984

Ref. No. AR-II|37EE|8808|83-84.—Whereas I,
LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
Shop No. 1, Bldg. 'J' Zakaria Aghadi Nagar, Gulmohar
Garden, Yari Road, Versova,
situated at Bombay-60
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office
of the Competent Authority at
Bombay on 19-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter

THE SCHEDULE

Shop No. 1, Bldg. 'J' Ground floor Zakaria Aghadi Nagar
Gulmohar Garden, Yari Road, Versova, Bombay-400 060.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under serial No. AR-II|37EE.8808|83-84
dt. 19-11-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 9-7-1984
Seal :

FORM IT.N.S. — — —

(1) Tulsani Builders & Textiles Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Ramesh C. Dodani &
Sangita R. Dodani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR. II/37EE/8558/83-84.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, (43 of 1961) have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
Flat No. 604 in Trivoli Towers, Plot No. 22 Near Apna
Ghar Co. op. Hsg. Society Off J.P. Road, Andheri (West)
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office
of the Competent Authority at
Bombay on 10-11-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 604 in Trivoli Towers, Plot No. 22 Near Apna
Ghar Co. op. Housing Society Off J.P. Road, Andheri (West)
Bombay.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/8558/83-84,
dated 10-11-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.II/37EE/8463/83-84.—Whereas, 1,
LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
Flat No. 12B, 5th floor, Plot No. 5, S. No. 287, Andheri
(West), Bombay-49
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office
of the Competent Authority at
Bombay on 2-11-1983,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment or any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Shri Quid Johar Burhanuddin Saheb,
(Transferor)
(2) Shri Vijay Kumar S. Jain P.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12B, 5th floor, Sub Plot No. 1 of Plot No. 5,
S. No. 287, Andheri (West) Bombay 400 049.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/8463/83-84 dated
2-11-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 7th July 1984

Ref. No. AR. II/37EE/3702/83-84.—Whereas I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 32, Bldg. No. 'A' Cozihom Co. operative Housing Society Ltd. 251 Pali Hill Bandra, Bombay-50 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 10-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mrs. Firdaus Jehan Das Chunu Khan.
(Transferor)
- (2) Mrs. Neetu Pratap Tejsinghani.
(Transferee)
- (3) Transferee.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 32, 3rd floor Building No. 'A' Cozihom Co. op. Housing Society Ltd., 251, Pali Hill, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II/37EE/3702/83-84, dated 10-11-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 7-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Indico Construction Co.

(Transferor)

(2) Mr. Francis Xavier Atrio.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 12th July 1984

Ref. No. AR-II/37EE/9151/83-84.—Whereas I,
LAXMAN DAS,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingFlat No. 101, 1st floor in Bldg., B-2 at Sahar
Village, Vidyadini Co-operative Housing Society, Andheri
(East), situated at Bombay-400 069(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office
of the Competent Authority at
Bombay on 15-11-1983for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 101, 1st floor, in Bldg. B-2 at Sahar Village,
Vidyadini Co-operative Housing Society Andheri (East)
Bombay-400 069.The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/9151/83-84, dated
15-11-1983.LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, BombayNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 12-7-1984

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 11th July 1984

Ref. No. AR, II/37EE/8695/83-84—Whereas J. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and Flat No. 213, Jumbo Darshan Co-operative Hsg. Soc. Ltd. Western Express Highway, Opp. Gold Spot Factory Andheri (East), Bombay-69 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 24-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

- (1) Jaswantrai Damodardas Sanghavi.
(Transferor)
- (2) Ranjit Jamnadas Kanakia.
Jamnadas Atmaram Kanakia.
Mrs. Hina Ranjit Kanakia.
(Transferee)
- (3) Transferor.
(Person in occupation of the property)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 213, Building No. F2, Eft Jumbo Darshan Co-operative Housing Society Ltd. Western Express Highway, Opp. Gold Spot Factory, Andheri (East), Bombay-405 069.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR II/37EE/8695/83-84, dated 24-11-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date. 11-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR. II/37EE/5705/83-84.—Whereas I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 203 'C' Block, Sameer Co-operative Housing Soc. Ltd. Seven Bunglows, J.P. Road, Andheri (West), situated at Bombay-400 058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 14-11-1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
45—206GI/84

- (1) Mr. Abdul Razaque Mohamedali Meeran.
(Transferor)
(2) Mrs. Meenakshi N. Shetty.
(Transferee)
(3) Transferee.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 203, 'C' Block, Sameer Co-operative Housing Society, Seven Bunglows, J. P. Road, Andheri (West) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/5705/83-84, dated 14-11-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 13-7-1984
Place :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR. II/37EE/9106/83-84.—Whereas I,
LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 301-A, Manish Nagar, Plot 25 & 26, Off J.P. Road, Four Bungalows, Andheri (West), Bombay-400 058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Smt. Pushpa Hassanand Jajani &
Shri Hassanand L. Rajani

(Transferor)

- (2) Smt. Bharati Rupchand Wadhvani,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301-A, Manish Nagar, Plot No. 25 & 26 Off. J.P. Road, Four Bungalows, Andheri (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II/37EE/9106/83-84 dated 11-11-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Narendra Bhatia.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Varsha Dhaval Joshi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 7th July 1984

Ref. No. AR. II/37EE/3707/83-84.—Whereas I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 5, Bussa Apartments, Santacruz (W), Bombay-400 054 situated at Santacruz (West), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under of the Competent Authority at Bombay on 10-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, Ground floor, Bussa Apartments, State Transport Road, Santacruz (West), Bombay-400 054.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II/37EE/3707/83-84, dated 10-11-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 7-7-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Shivshakti Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Tristar Engineers.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 12th July 1984

Ref. No. AR-II/37EE/8618/83-84.—Whereas I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Industrial Shed No. III, Shivshakti Industrial Estate, Marol Village Off Andheri-Kurla Road, Andheri (E) Bombay-400 059 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 18-11-1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Industrial Shed No. III Shivshakti Industrial Estate S. No. 79 H. No. 15, S. No. 80 H. No. 1, of Marol Village, Off. Andheri-Kurla Road, Andheri (East), Bombay-400 069.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR. II/37EE/8618/83-84, dated 18-11-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Nirman Builders.

(Transferor)

() Mr. Ratnakar L.S. Shetty.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 10th July 1984

Ref. No. AR. II/37EE/8613/83-84.—Whereas I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000 and bearing Flat No. 50, Nirman Cottage, Yari Road, Versova, Andheri (West), Bombay-61 situated at Andheri (West)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 17-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 502, 5th floor, Nirman Cottage, Yari Road, Versova, Andheri (West), Bombay 400 061.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II/37EE/8613/83-84 dated 17-11-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-7-1984

Seal :

FORM No. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR II/37EE/8484/83-84.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961 (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.Flat No. 502 in Kohinoor B. Jogeshwari (W) Near Hanjer
Cinema, Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of
the Competent Authority
at Bombay on 3-11-1983,for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transferor,
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Horizon Construction Co. Pvt. Ltd.
(Transferor)
(2) Mr. & Mrs. Burjor Hormusji Bajina.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 502 in Kohinoor B. Jogeshwari (West) Near
Hanjer Cinema, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/8484/83-84,
dated 3-11-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR-II/3582/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing City Survey No. E 769, Bandra, T.P.S. III, situated at Bandra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 19-11-1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Vishanbav Khemchand Mehrotra. (Transferor)
(2) Shri Sunder Dayaram Sajani, and Smt. Ishwaribai Dayaram Sajani. (Transferee)
(3) Transferee. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-2855/80 and registered with the Sub-Registrar, Bombay on 19-11-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 13-7-1984
Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 7th July 1984

Ref. No. AR. II/37EE/3718/83-84.—Whereas I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Woodland Apartment, Final Plot No. 577, TPS III, Mahim, Bombay-400 016 situated at Mahim (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay 14-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Prem H. Lalwani, (Transferor)
- (2) Murari Kishindas Dhingereja, (Transferee)
- (3) Transferor, (Person in occupation of the property)
- (4) Transferee, (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are denoted in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Woodland Apartment, Final Plot No. 577, TPS III, Mahim, Bombay 400 016.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II/37EE/3718/83-84 dated 14-11-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 7-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 5th July 1984

Ref. No. AR-II/37EE/8578/83-84.—Whereas, I, LAXMANDAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 10, 11-A, Dawood Baug Road, CTS No. 94, Andheri (West), Bombay, situated at Andheri (West), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269B of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 13-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Sohini Mahendra Shah, (Transferor)
- (2) Deepak Kumar Shantilal Badiani (Transferee)
- (3) Transferor. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10, 11-A Dawood Baug Road, CTS No. 94 Andheri (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II/37EE/8578/83-84 dated, 13-11-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Date : 5-7-1984

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 7th July 1984

Ref. No. AR-II/37EE/3731/83-84.--Whereas, I, LAXMANDAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 1, F. P. No. 688 TPS III, Wanjawadi, Off L. J. Road, situated at Mahim, Bombay-16 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269B of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 17-11-1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Alisaheb Abdulrahim Gave &
Ibrahim Abdul Rahim Gave,
Najmunisa Abdul Rahim Gave &
Sabirabi Abdul Rahim Gave

(Transferor)

(2) Mohamed Anis Son of
Habib Qureshi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 50 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPRESSIONS :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, FP No. 688 TPS III, Wanjawadi, Off L. J. Road, Mahim, Bombay 400 016.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II/37EE/3731/83-84 dated 17-11-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Date : 7-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Shivshakti Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ahmedunissa Mohmaed Ahmed Kallan

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 5th July 1984

Ref. No. AR-II/37EE/8467/83-84.—Whereas, I, LAXMANDAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Industrial Shed No. 61 Phase III, Shivshakti Indl. Estate, Marol Village Off Andheri-Kurla Road, Andheri (S) and situated at Bombay-59, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269B of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Shed No. 61, Phase III, Shivshakti Indl. Estate, Marol Village Off Andheri-Kurla Road, Andheri (East), Bombay-59, and

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II/37EE. 8467/83-84 dt. 3-11-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Date : 5-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.II|37EE|3800|83-84.—Whereas, I, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 13, 3rd floor, 74 Saraswati Road, Santacruz (West), Bombay-54

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269B of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 29-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Kanjibhai Ramjibhai Panchal.

(Transferor)

(2) Smt. Rekha Satishbhai Shah
Shri Satishbhai Arvindbhai Shah

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 13, 3rd floor, 74, Saraswati Road, Santacruz (West), Bombay 400 054.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|3800|8384, dated 29/11/1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.II/37EE/8489/83-84.—Whereas, I,
LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 5, 1st floor, Bdlg No. 5, Manish Darshan, Shar Pipe Lane Road, Off. Andheri Kurla Road, Bombay-400059 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mrs. Savitri Hiralal Lalwani.

(Transferor)

(2) Mr. Jayant N. Dixit.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, 1st floor Building No. 5, Manish Darshan Sahar Pipe Line Road Off Andheri Kurla Rd, Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/8489/8384, dated 3-11-1983.

LAXMANDAS

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Date : 13-7-1984

Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs. Kokila B. Kandhari

(Transferor)

(2) Mr. Behram M. Deboo

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 6th July 1984

Ref. No. AR-II/37EE/8477/83-84.—Whereas, I,
LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. B-601, Tulsiani Complex, 4 Bunglows, Versova, Andheri (West), Bombay, situated at Andheri, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269B of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 12-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-601, Tulsiani Complex, 4 Bunglows, Versova, Andheri (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II/37EE.8477/83-84 dated, 12-11-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Date : 6-7-1984
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Nemchand Bharnal Gutka

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Niranjan Avalram Thakkar

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 5th July 1984

Ref. No. AR-II/37EE/3691/83-84.—Whereas, I, LAXMANDAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property of Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 17, Rishiraj Co-operative Housing Society Ltd., 'Rajarshi', Podar St., Santacruz (West), Bombay 400 054, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269B of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 17, Rishi raj Co-operative Housing Society Ltd., 'Rajarshi', Podar Street, Santacruz (West), Bombay 4000 54.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II/37EE.3691/83-84 dt. 3-11-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Date : 5-7-1984
Seal :

FORM ITNS-----

(1) M/s Sanghavi Constructions

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Chhotalal Chaturbuj Shah
& Pushpa Chhotalal Shah

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 10th July 1984

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made writing to the undersigned:---

Ref. No. AR-II/37EE/3673/83-84.—Whereas, I, LAXMANDAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. G/3 A-Wing, S. No. 218 H. No. 4, Vile Parle (West) situated at Vile Parle (West) Bombay-56, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 1-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. G/3 Ground floor, A-Wing, Survey No. 218, Hissa No. 4, Vile Parle (West) Bombay-400 056.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II/37EE. 3673/83-84 dt. 1-11-1983.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Date : 10-7-1984
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY**

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR-II/3597/83-84.—Whereas, I,
LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 21, G S Road, Andheri (East) S. No. 50 A (Part), 50 B (Part) CS No. 121 of Vile Parle Village, Taluka Andheri situated at Andheri

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 28-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

47—206GJ/84

- (1) Shri Ratilal Maganlal Parikh
(Transferor)
- (2) Shri Shirin Mulla Taherali Patanwala
(Transferee)
- (3) Tenants
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered No. S-1968/79 and registered with the Sub-Registrar, Bombay.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay.

Date : 13-7-1984

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.II/3583(G)/83-84.—Whereas, I, LAXMANDAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. CTS No. E/361, Plot No. 356, Linking Road, Khar situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Bombay on 9-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri R. R. Karnik,
M. R. Karnik,
C. R. Karnik,
V. R. Karnik,
P. R. Karnik and
R. R. Karnik.

(Transferor)

- (2) Ram-Janaki Co-op. Housing Society Ltd.

(Transferee)

- (3) 1. Shri S. R. Dave, Smt. Sushila R. Dave.
2. Shri A. S. Valdia.
3. Shri R. S. Rao.
4. Dr. P. D. Madhok.
5. Miss Lina Naik.
6. Shri P. R. Karnik.
7. Shri M. R. Karnik.
8. Shri R. R. Karnik.
Shri A. R. Karnik.
9. Shri P. N. Majumdar.
Mrs. L. Majumdar.
10. Shri N. C. Karnik.
Shri U. C. Karnik.
11. Shri R. R. Karnik.
12. Mrs. C. R. Mehta.
13. Shri T. M. Naik.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 990/78 and registered on 9-11-1983 with the Sub-Registrar, Bombay.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date : 13-7-1984
Seal ;

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 10th July 1984

Ref. No. AR-II/37G/3584/83-84.—Whereas, I, LAXMANDAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 129 Hissa No. 3, 5, 11 & 12, S. No. 143, Hissa No. 2, 4, 5, 6 & 3 S. No. 314 Hissa No. 6, 10 & 13 S. No. 315 H. No. 3, CTS No. 72, 80, 81, 82, 84, 86 & 93 at Khar(E) Village Bandra, Taluka Andheri, Bombay situated at Andheri (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 2-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Eastern Bank Trustee & Executor Co. (India) Pvt. Ltd. (Transferor)
(2) Jawahar Nagar Social Welfare Society. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-395/83 and registered with the Sub-Registrar, Bombay on 2-11-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date : 10-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 5th July 1984

Ref. No. AR.II[37EE]8593[83-84.—Whereas, I,
LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. B14/507, Apna Ghar, Unit No. 9 Co-operative housing Society Ltd. Oshiwara, Off. J. P. Road, Andheri (West), Bombay-58 situated at Andheri (West)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 17-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Sunita R. Jotwani
(Transferor)
- (2) Smt. Aarti J. Vaswani
Kum. Latika R. Jotwani
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows or be interested in the property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-14/507, Apna Ghar, Unit No. 9, Co-operative Housing Society Ltd., Oshiwara, Off J. P. Road, Andheri (West), Bombay-400 058.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date : 5-7-1984
Seal :

FORM IT.N.S.-----

(1) Capt. Kiran Vital Bolai

(Transferor)

(2) Syed Zarina

D/o Syed Mir Husnuli Naeb

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR-II/37EE/8794/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 48 'B' Bldg. Andheri Guru Chhaya Co-op. Housing Soc. Ltd. Manish Nagar, Four Bungalows, Andheri (W), Bombay situated at Andheri (W), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 29-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 48, 4th floor Building 'B' Andheri Guru Chhaya Co-operative Housing Society Ltd., Manish Nagar, Four Bungalows, Andheri (West) Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/8794/83-84, dated 29-11-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 5th July 1984

Ref. No. AR.II|37EE|83-84.—Whereas, I,
LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 1 2nd floor, Sajid Tower, 58-59 Mogra Village S. V. Road, Andheri (West), Bombay-400058.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at

Bombay on 23-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Chouhan and Brothers. (Transferor)
(2) Mr. Mohd. Yusuf A. Karim Khoakr and Mrs. Khurunissa. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 2nd floor, Sajid Tower, 58-59 Mogra Village, S. V. Road, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|8675|83-84 dated 23-11-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date : 5-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Rathod & Parmar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Kashyap Chandulal Shah and
Smt. Dhruti K. Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 5th July 1984

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);Shri Amita Co-operative Housing Society Ltd., Plot No.
141-E, Play Ground Road, Vile Parle (East) Bombay 400057.The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under serial No. AR.II/37EE/83-84 dt.
14-11-1983.LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
BombayNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—Date : 5-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Jayshree Builders (India).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Gunvantlal J. Dagli,
Mrs. Arvindaben G. Dagli.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 10th July 1984

Ref. No. AR-II/37EE/3771/83-84.—Whereas, I, LAXMANDAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

F.P. No. 147, TPS No. V, Vile Parle (East), Malaviya Road, Vile Parle (East), Bombay-400057, situated at Vile Parle (East)

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 24-11-1983

(for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

F.P. No. 147, TPS No. V, Vile Parle (East), Malaviya Road, Vile Parle (East), Bombay-400057.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II/37EE/3771/83-84 dated 24-11-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date : 10-7-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Mr. Santosh Kumar Tiwari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Gulraj Roopraj Mehta and
Mrs Sumitra Gulraj Mehta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 5th July 1984

Ref. No. AR-II/37EE/8498/83-84.---Whereas, I,
LAXMANDAS,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs 25,000/- and bearing No.Flat No. C-42, 3rd floor at Plot No. 26, Our Home Society
Sahkar Nagar, J. P. Road, Andheri (West) Bombay,
situated at Andheri (West)
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office
of the Competent Authority at
Bombay on 4-11-1983for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. C-42, 3rd floor at Plot No. 26, Our Home Society
Sahkar Nagar, J. P. Road, Andheri (West), Bombay.The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under serial No. AR-II/37EE/8498/83-84
dated 4-11-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—
48—206G1/84

Date : 5-7-1984

Seal :

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person, interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter

FORM ITNS—

(1) Thakkar Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Khimji Bhojabhai Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferor.

*Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAYObjections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Bombay, the 5th July 1984

Ref. No. AR.II/37EE/3802/83-84.—Whereas, I,
LAXMANDAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

Shop No. 4, Dharam Prem Apartments, 75 Nehru Road
Vile Parle (East), Bombay-400057.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office
of the Competent Authority at
Bombay on 29-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer, with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 4, Dharam Prem Apartments, CTS No. 1354-A
and 1354-AII to 12 at 75-Nehru Road, Vile Parle (East)
Bombay-400 057, and the agreement is registered by the
Competent Authority, Bombay under serial No. AR.II/37EE/
38002/83-84 dt. 29-11-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 5-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Jayshree Builders (India).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Chandrakant Trimbak Mohidekar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 5th July 1984

Ref. No. AR-II/37EE/3683/83-84.—Whereas, I, LAXMANDAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. F.P. No. 147, TPS No. V, Vile Parle (E) Malaviya Road, Vile Parle (East), Bombay-57, situated at Vile Parle (East) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 4-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

F.P. No. 147, TPS No. V, Vile Parle (E) Malaviya Road, Vile Parle (East), Bombay-57.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II/37EE/3683/83-84 dated 4-11-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date : 5-7-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Prabhakar S. Roa.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Usman Ahmad Chashmawala.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 12th July 1984

Ref. No. AR.II/37EE/3769/83-84.—Whereas, I, LAXMANDAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 7 at Bandra Lourdes Haven Cooperative Society Ltd., Plot 647-648 Jn. of Ambedkar Road, 30th Road, Bandra, Bombay-400050. (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 22-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. 7 at Bandra Lourdes Haven Cooperative Society Ltd., Plot 647-648 Jn. of Ambedkar Road, 30th Road. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/3769/83-84 dated 22-11-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Date : 12-8-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Quid Johar Burhanuddin Sahab.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Satya Wanti Shadilal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.II/37EF/9040/83-84.—Whereas, I,
LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 11A, 5th floor, Plot No. 5, Survey No. 283
Andheri (W) Bombay-49

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent and that the consideration stated in the said instrument of transfer has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the evasion of income tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11A, 5th floor, Plot No. 5, Survey No. 283
Andheri (W), Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EF/9040/83-84 dated 11-11-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
BombayDate: 13-7-1984
Seal:

FORM ITNS—

(1) Shri Balchand Harkishandas Chellani.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Naresh Dulhanomal Rawtani
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 9th July 1984

Ref. No. AR-II/37EE/3712/83-84.—Whereas, I, LAXMANDAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. B/4, Neera Co-operative Housing Society, Plot No. 397, 15th Road, Bandra, Bombay-50, situated at Bandra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 10-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B/4, Neera Co-operative Housing Society, Plot No. 397, 15th Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II/37EE/3712/83-84, 10-11-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date : 9-7-1984
Seal :

FORM I.T.N.S.-----

(1) Shri Bhaskar Laxman Rane.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Jayshree Hitesh Parikh and
Mrs. Hina Jayant Kanani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR-II/37EE/8457/83-84.—Whereas, I, LAXMANDAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shanti Sadan, 4th floor, flat No. 1 Teli Gali, Andheri (East) Bombay-400069, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given as that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Shanti Sadan, 4th floor, Teli Gali CS No. 45, H. No. 2, Municipal 'K' Ward No. 2776 (20) Andheri (East) Bombay-400069.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/8457/83-84 dated 1-11-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date : 13-7-1984

Seal :

FORM ITNS—

(1) Mr. Nils.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) E. M. Prasad & Co.
Proprietor

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 5th July 1984

Ref. No. AR.II/37EE/3158/83-84.—Whereas, I, LAXMANDAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- bearing Shop No. 10, Shalimar Building, Tagore Road, Santacruz (West), Bombay-400051, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-12-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent considerations and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used, herein, are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

Shop No. 10, Shalimar Building, Tagore Road, Santacruz (West), Bombay-400054.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/3158/83-84 dated 5-12-1983.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-7-1984

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) M/s. Horizon Construction Co. Pvt. Ltd.
(Transferor)(2) Shri T. G. Thakar,
(Transferee)NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 5th July 1984

Ref. No. AR-II/37EE/8496/83-84.—Whereas, I, LAXMANDAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 4, Kohinoor Building, C.T.S. No. 184, Bandivli Village, Jogeshwari (West), Bombay-400060, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 4, Kohinoor Building, C.T.S. No. 184, Bandivli Village, Jogeshwari (West), Bombay-400060.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II/37EE.8496/83-84, dated 3-11-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

49—206GI/84

Date : 5-7-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Nirman Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Mehrunissa Ansari,
Mrs. Samana R. Adichea and
Mr. Ansari Ayaz.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 11th July 1984

Ref. No. AR.II/37EE/8518/83-84.—Whereas, I, LAXMANDAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 307, Nirmal Cottage, Yari Road, Versova, Andheri (West) Bombay-400061

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 6-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 307 on 3rd floor in Building Nirmal Cottage, Yari Road, Versova, Andheri (West), Bombay-400061.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/8518/83-84 dated 6-11-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date : 11-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Shivshakti Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Tanzcem Printers.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 5th July 1984

Ref. No. AR-II/37EE/8453/83-84.—Whereas, I, LAXMANDAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. industrial shed No. 138, Phase III Shiv-Shakti Industrial Estate, S. No. 79, Marol Village Off Andheri Kurla Road, Andheri (East), Bombay-59 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 30-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial shed No. 138, Phase III Shiv-Shakti Industrial Estate, S. No. 79, Marol Village Off Andheri Kurla Road, Andheri (East), Bombay-59. The agreement is registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II/37EE/8453/83-84, dated 30-11-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date : 5-7-1984

Seal .

FORM ITNS—

(1) Goyal Builders P. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Abhay Harisachandra Shinde

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.IV/37EE/2847/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269L of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 3-A, ground floor, A-Wing, Aditya Park, Chhatrapati Shivaji Road, Dahisar (E), Bombay-68 situated at Dahisar (E) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1983 IAC (Acq.) R-II in November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3-A, ground floor, A-Wing, Aditya Park, Chhatrapati Shivaji Road, Dahisar (E), Bombay-68.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.IV/37EE/2847/83-84 dt. 1-11-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Goyal Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Shiva Vishwanath Prabhu,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR.IV/37EE/2846/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 2 ground floor, B-Wing, Aditya Park, Chhatrapati Shivaji Road, Dahisar (E), Bombay-68 situated at Dahisar (E)

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 15-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 2, ground floor, 'B' Wing Aditya Park Chhatrapati Shivaji Road, Dahisar (E), Bombay-68.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.IV/37EE/2846/83-84 dt. 15-11-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 9th July 1984

Ref. No. AR-I/37EE/1405/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 104, Eternal Dosti Apartment, Nadkarni Marg, Antop Hill, Wadala East, Bombay-400 037 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 28-11-1983 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Yusuf Dawood Kapade.

(Transferor)

(2) 1. Shri Umar Sadruddin Kazi
2. Mrs. Najmunissa Umer Kazi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 104, Eternal Dosti Apartment, Nadkarni Marg, Antop Hill, Wadala East, Bombay-400 037.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-I/1314/83-84, dated 28-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Date: 9-7-1984
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
JALANDHAR

Jalandhar, the 11th July 1984

Ref. No. A.P. No. 5479.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situate at Kingra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on November, 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Karmjit Kaur W/o Sohan Singh
r/o 370/7, Central Town, Jalandhar
Mukhtiar-Khas of Jagjit Singh
S/o Kesar Singh, 307, Lajpat Nagar, Jalandhar.
(Transferor)
- (2) Shri Malkiat Singh S/o Khushal Singh
R/o V. Sohal Jagir, Teh. Nakodar, Distt.
Jalandhar.
(Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property house No. 11 (27 M-173 S. ft) situated in abadi Kingra and persons as mentioned in the registered sale deed No. 5201 of Nov. 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 11-7-1984.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE,
JALANDHAR

Jalandhar, the 11th July 1984

Ref. No. A.P. No. 5480.—Whereas, I,
J. L. GIRDHAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the (Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
As per schedule situate at Kingra
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar in November, 1983
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Pirthi Pal Singh S/o Inder Singh
V. Kingra, Teh. Jalandhar,
through S. Att. Avtar Singh, 2
(Transferor)
- (2) Shrimati Jaswinder Kaur W/o Joginder Singh
455-Opposite AIR, Jalandhar.
(Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property area 17 Mls 100 S. ft. situated in V. Kingra and persons as mentioned in the registered sale deed No. 4787 of Nov. 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 11-7-1984.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
JALANDHAR

Jalandhar, the 11th July 1984

Ref.No.A.P.No. 5481.—Whereas, I,
J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Basti Sheikh, Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar in November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
Date : 10-7-1984
persons, namely:—
50—206GI/84

(1) Shri Kanesh Chander S/o Lal Chand
Mukhtiar Khas of Raj Bahadur S/o Hans Raj
R/o WT-314, Mohalla Kot, Basti Sheikh,
Jalandhar.

(Transferor)

(2) Vinod Kumar S/o Raj Bahadur
R/o WT-314 Basti Sheikh, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property house area 2 Kls. situated in Basti Sheikh, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No 4756 of Nov 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 11-7-1984.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JALANDHAR

Jalandhar, the 11th July 1984

Ref. No. A.P. No. 5482.—Whereas, I,
J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Kingra has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ram Avtar S/o Bhagwan Dass
S/o Jalandhar Cantt. Mukhtiar-ai-am of Sohan Singh
S/o Bhulla Singh R/o V. Kingra Teh.
Jalandhar. (Transferor)
- (2) Shri Ashwanil Kumar, Vikas Kumar
S/o Sardari Lal S/o 300, New Jawahar Nagar,
Jalandhar. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 40 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property area 10 Mls. situated in V. Kingra and persons as mentioned in the registered sale deed No. 4834 of Nov. 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 11-7-1984.
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JALANDHAR

Jalandhar, the 11th July 1984

Ref. No. A.P. No. 5483.—Whereas, I,
J. L. GIRDHAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No as per schedule situated at Maqsdpur
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Jalandhar in November, 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property aforesaid
exceeds the apparent consideration thereof by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Shanker Dass S/o Natha Singh through
Sh. Anil Chopra care of Shishu Model School,
Naya Bazar, Jalandhar. (Transferor)
- (2) Shrimati Devinder Kaur W/o Tara Singh
& Parkash Kaur D/o Hardiyal Singh
110 267, Bhagat Singh Nagar, Jalandhar. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter

THE SCHEDULE

Property land 17 M-80 Sq. ft. situated in Village Maqsd-
pur and persons as mentioned in the registered sale deed No.
5053 Nov. 83 of the Registering Authority, Jalandhar,

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

Date : 11-7-1984.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JALANDHAR

Jalandhar, the 11th July 1984

Ref. No. A.P. No. 5484.—Whereas, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Phagwara (and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Phagwara in November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ajit Singh S/o Rattan Singh,
Phagwara Partner of Pepsu Industries, Phagwara.
(Transferor)
- (2) M/s. Ajanta Interprises,
G. T. Road, Phagwara.
(Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objection if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1758 of Nov., 1983 of the Registering Authority, Phagwara.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 11-7-1984.
Seal :

FORM ITNS ———

(1) Shri Bikram Lal S/o Kanshi Ram Dhir
Kapurthala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Kirti Lal S/o Duni Chand
B-XII-60 Sarai Diwan, Japurthala.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
JALANDHAR

Jalandhar, the 11th July 1984

(3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—Ref. No. A.P. No. 5486.—Whereas, I,
J. L. GIRDHAR,being the Competent Authority under Section 269B of the
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearingNo. as per schedule situated at Kapurthala
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Kapurthala in November, 1983for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,
namely :—

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration
sale deed No. 2261 of Nov. 1983 of the Registering Authority,
Kapurthala.J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, JalandharDate : 11-7-1984.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
JALANDHAR

Jalandhar, the 11th July 1984

Ref. No. A.P. No. 5487.—Whereas, I,
J. L. GIRDHAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Garha (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar in November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Rajwant Singh S/o Dattar Singh
r/o V. Garha Wahinda Teh. Jalandhar.
(Transferor)
- (2) Shri Sham Masih S/o Khema Mal,
r/o V. Garha Wahinda Teh. Jalandhar.
(Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property area 13 Mls. situated in Garha and persons as mentioned in the registered sale deed No. 4938 of Nov. 83 of the Registering authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 11-7-1984.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th July 1984

Ref. No. A.P. No. 5488.—Whereas, J. J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at Garha (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Chanchal Singh
S/o Shri Bhan Singh
R/o Pili Kothi,
Garha Road, Jalandhar.

(Transferor)

- (2) Shri Bakhsish Singh Bhogal
S/o Shri Wazir Singh and
Shri Parminder Singh
S/o Shri Sannam Singh
R/o 174 Defence Colony, Jalandhar.

(Transferee)

- (3) As S. No. 2 above,
(Person in occupation of the property)

- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property area 16 Mls. 76 sft. situated in Garha and persons as mentioned in the registered sale deed No. 5042 of November, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 11-7-1984
Seal :

FORM ITNS.— — —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th July 1984

Ref. No. A.P. No. 5489.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908 in the Office of the Registering Officer at Jalandhar in November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt Tara Devi
D/o Shri Tek Chand
W/o Shri Hariwansh Lal
R/o 8-B, Shangan Nagar, Lucknow,
through G.A. Duni Chand. (Transferor)
- (2) Shri Harpal Singh
S/o Shri Harbhajan Singh and
S/Shri Rajinder Pal Singh, Ramjit Singh,
Jagjit Singh S/o Shri Mohinder Singh
R/o V. Kazam Pur teh. Batala,
Distt. Gurdas Pur. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property area 36½ Mls situated at Sodai Road, near Bagicha Thapra, Jalandhar and persons as mentioned in the Registered sale deed No. 5162 dated November, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 11-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Bakhtawar Singh
S/o Shri Bhag Singh
R/o 180-Civil Lines,
Jalandhar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th July 1984

Ref. No. A.P. No. 5490 to 5493.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908 in the Office of the Registering Officer at Jalandhar in November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

51—206G1|84

(2) Shrimati Satwant Kaur Bassi
W/o Shri Gurdip Singh and
Smt. Kamaljit Kaur
W/o Shri Jassu Singh
R/o 2503 Sector 35-C,
Chandigarh.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at G.T. Road near Khalsa College for Women, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed Nos. 5111 of dated November, 1983 and 5581, 5591 and 5619 of December, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 11-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th July 1984

Ref. No. A.P. No. 5494.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at Jalandhar and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Bakhtawar Singh
S/o Shri Bhag Singh
R/o 180, Civil Lines, Jalandhar
Mukhtiar-ai-am of Smt. Jagdish Kaur
W/o Shri Kakhtawar Singh. (Transferor)
- (2) Shrimati Satwant Kaur Bassi
W/o Shri Gurdip Singh and
Smt. Kamaljit Kaur
W/o Shri Jassu Singh
R/o 2503 Sector 35-C,
Chandigarh. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at G.T. Road, near Khalsa College for women, Jalandhar & persons as mentioned in the registered sale deed No. 5144 of dated November, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

I. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 11-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th July 1984

Ref. No. A.P. Nos. 5495, 5496 & 5497.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908 in the Office of the Registering Officer at Jalandhar in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 259C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Maninder Pal Singh
S/o Shri Bakhtawar Singh
R/o 180 Civil Lines,
Jalandhar.

(Transferor)

- (2) Shrimati Satwant Kaur Bassi
W/o Shri Gurdip Singh and
Smt. Kamaljit Kaur
W/o Shri Jasjit Singh
R/o 2503 Sector 35-C,
Chandigarh.

(Transferee)

- (3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at G.T. Road, near Khalsa College for Women, Jalandhar & persons as mentioned in the registered sale deed Nos. 5582, 5592 and 5618 of December, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 11-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 17th July 1984

Ref. No. A.P. No. 5498.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. as per Schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908 in the Office of the Registering Officer at Jalandhar in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Jasbir Kaur
W/o Shri Harbhajan Singh
R/o Tagore Nagar,
Jalandhar. (Transferor)
- (2) Shri Chaman Lal
S/o Shri Sansar Chand
R/o EH-149, Shantipura,
Ladowali Road, Jalandhar. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above,
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at near Tagore Nagar, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 4935 of November, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 17-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 17th July 1984

Ref. No. A.P. No. 5499.—Whereas, I, J.L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Jasbir Kaur
W/o Shri Harbhajan Singh
R/o Tagore Nagar,
Jalandhar. (Transferor)
- (2) Smt. Ram Piari
W/o Shri Chaman Lal
R/o EH-149, Shantipura,
Ladowali Road, Jalandhar. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at near Tagore Nagar, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 4751 of November, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 17-7-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
JALANDHAR

Jalandhar, the 17th July 1984

Ref. No. A.P. No. 5500.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar in November, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Joginder Singh S/o Dr. Captain Faqir Singh R/o 582, Sector 10-D, Chandigarh now R/o S-248, Indl. area Jalandhar self & Mukhtiar-um of Smt. Gurbachan Kaur D/o Shri Faqir Singh (W/o Shri Bhupinder Singh R/o 538, Model Town, Jalandhar and Smt. Satinder Kaur D/o Faqir Singh (W/o Shri Gurdarshan Singh) R/o BXX-537 Gurdwara Mai Nand Kaur Road, Civil Lines, Ludhiana. (Transferor)
- (2) Shri Lakhvinder Pal Singh S/o Sh. Didar Singh R/o 2247, Mohalla Makdoom Pura, Jalandhar. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning, is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Kothi (portion) S-248 situated in Indl. Town, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 5000 of November, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 17-7-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
JALANDHAR

Jalandhar, the 11th July 1984

Ref. No. A.P. No. 5485.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer at Phagwara in January 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (%) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- 1) Pepsu Industries, Phagwara through Smt. Naranjan Kaur Wd/o Shri Rattan Singh Partner of Industries. (Transferor)
- (2) Associated Industries (India) 52 Industries Area, Phagwara. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2360 of January, 1984 of the Registering Authority, Phagwara.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 11-7-1984

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
JALANDHAR

Jalandhar, the 24th July 1984

Ref. No. A.P. No. 5501.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. as per schedule situated at Kot Kapura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer Faridkot on November, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Dinesh Kumar
S/o Shri Mani Lal
R/o Fauji Road, Kot Kapura
Distt. Faridkot. (Transferor)
- (2) S/Shri Atma Singh, Ajaib Singh & Sadhu Singh Ss/o Shri Wazir Singh
R/o Fauji Road, Satluj Automobiles,
Kot Kapura Distt. Faridkot. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated on Fauji Road, Kot Kapura and persons as mentioned in the registered sale deed No. 3419 dated November, 1983 of the Registering Authority, Faridkot.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 24-7-1984

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
JALANDHAR

Jalandhar, the 24th July 1984

Ref. No. A.P. No. 5502.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Kot Kapura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Faridkot in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
52—206GI/84

- (1) Smt. Hansa
D/o Shri Munni Lal
R/o Fauji Road, Kot Kapura
Distt. Faridkot. (Transferor)
- (2) Shri Ajaib Singh
S/o Shri Wazir Singh
R/o Fauji Road, Sulej Automobiles,
Kot Kapura Distt. Faridkot. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at Fauji Road, Kot Kapura and persons as mentioned in the registered sale deed No. 3421 of Nov. 1983 of the Registering Authority, Faridkot.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 24-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
JALANDHAR

Jalandhar, the 24th July 1984

Ref. No. A.P. No. 5503.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Kot Kapura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Faridkot in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Rekha
D/o Shri Munni Lal
R/o Fauji Road, Kot Kapura
Distt. Faridkot. (Transferor)
- (2) Shri Sadhu Singh
S/o Shri Wazir Singh
Fauji Road, Sulej Automobiles,
Kotkapura Distt. Faridkot. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at Fauji Road, Kot Kapura and persons as mentioned in the registered sale deed No. 3424 of Nov. 1983 of the Registering Authority, Faridkot.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 24-7-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
JALANDHAR

Jalandhar, the 24th July 1984

Ref. No. A.P. No. 5504.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Kot Kapura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Faridkot in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Munni Lal
R/o Fauji Road, Kot Kapura
Distt. Faridkot. (Transferor)
- (2) Shri Atma Singh
S/o Shri Wazir Singh
R/o Fauji Road, Suttlej Automobiles,
Kot Kapura Distt. Faridkot. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.
(Person whom he undersigned knows)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at Fauji Road, Kot Kapura and persons as mentioned in the registered sale deed No. 3426 of Nov. 1983 of the Registering Authority, Faridkot.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 24-7-1984

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Subimal Krishna Datta.

(Transferor)

(2) Rakesh Kapoor.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA

Calcutta, the 11th July 1984

Ref. No. C.A. 66/84-85/Sl. 888/I.A.C./Acq.R-I/Cal.—
Whereas, I,

S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

12 C, situated at Camac Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at C.A., Cal. on 5-11-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

All that flat No. 2 B, Urbashi Apartments at 12C, Camac Street, Calcutta. Registered before the Competent Authority I.A.C. Acq. Range-I, Vide serial No. C.A. 66 Dt. 5-11-83.

S. K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-7-1984
Seal :

FORM No. IT.N.S.-----

(1) Mrs. Georgina Lakshman

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Usha Bahl &
John Robert Peterson

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA

Calcutta, the 11th July 1984

Ref. No. C.A. 71/84-85/SI. 889/IAC./Acq.R-I/Cal.—Whereas, I, S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

17, situated at Camac Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the Registering Officer at C.A., Cal. on 8-11-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Flat No. 8 C, on 8th floor, 'MONALISA' at premises No. 17, Camac Street Calcutta. Registered before the office of the Competent Authority, I.A.C., Acq. Range -I, Calcutta vide SI. No. 71 dt. 8-11-83.

S. K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta

Date : 11-7-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Ruby (Park) Properties (P) Ltd.

(Transferor)

(2) Ranjit Exports Private Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA

Calcutta, the 11th July 1984

Ref. No. C.A. 73/84-85/SI. 890/I.A.C. Acq. R-I/Cal.—

Whereas, I,

S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

75-C, situated at Park Street, Calcutta.

(Flat No. 2/2, 2nd Floor)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at C.A., Cal. on 11-11-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that Flat No. 2/2 on Second Floor of Premises No. 75-C, Park Street, Calcutta. Registered before the Competent Authority I.A.C. Acq. Range-I, Calcutta vide SI. No. 73 Dt. 11-11-83.

S. K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Ruby (Park) Properties (P) Ltd.

(Transferor)

(2) Sheoprasad Surendrakumar Private Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA

Calcutta, the 11th July 1984

Ref. No. C.A. 74/84-85/SI. 891/I.A.C./Acq.R-I/Cal.—

Whereas, I,
S. K. BANERJEE,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
Rajendra Vardhman Plot No. 4 situated at Roop Ngr., Delhi
and bearing

No. 75 C, situated at Park Street, Calcutta.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred in the Office of the Registering Officer
at C. A., Cal. on 11-11-83for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);All that Flat No. 2/1 on second Floor at Premises No.
75 C, Park Street, Cal. Registered before the Competent Au-
thority I.A.C. Acq. Range-I, Calcutta vide SI. No. 74 Dt.
11-11-83.S. K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, CalcuttaNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—Date : 11-7-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA

Calcutta, the 11th July 1984

Ref. No. C.A. 75/84-85/SI. 892 I.A.C./Acq.R-I/Cal.—Whereas, I, S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4, situated at Shakespeare Sarani, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Competent Authority, Calcutta on 11-11-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- | | |
|------------------------------------|--------------|
| (1) Anima Sarkar | (Transferor) |
| (2) Mr. K. C. Yap & Mr. Allen Yap. | (Transferee) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Flat No. 8 B, on the 8th floor of Embassy Apartment Building at 4 Shakespears Sarani, Calcutta-700071. Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide SI. No. 75 dt. 11-11-83.

S. K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta

Date : 11-7-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Bijay Kumar Surana

(Transferor)

(2) Smt. Kanta Agarwal &
M/s. Ashok Tubes

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA

Calcutta, the 11th July 1984

Ref. No. C.A. 76/84-85/Sl. 893 I.A.C/ Acq.R-I/Cal.—Whereas, I,

S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 26, situated at Shakespeare Sarani, Calcutta-17.

has been transferred under the Registrations Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at C.A., Cal. on 11-11-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the, aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that Flat No 'B' on the 6th Floor and a covered car parking space at premises No. 26 Shakespeare Sarani, Calcutta-17. Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acq-AR-I, Calcutta vide Sl. No. 76 dt. 11-11-83.

S. K. BANERJEE
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

53—206 GI/84

Date : 11-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA

Calcutta, the 11th July 1984

Ref. No. TR-7/84-85/SI. 894 I.A.C./Acq.R-I/Cal.—Whereas,
I, S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing
No. 7, situated at Ram Kumar Rakshit Lane, Calcutta-700007.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at R.A., Calcutta on 8-11-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Satyabala Dassi

(Transferor)

(2) Sri Durga Prasad Newar

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that old three storeyed building on a land of 1 Cottah 7 Chittacks 15 sft at premises No. 7, Ram Kumar Rakshit Lane, Calcutta-700007. Registered before the R.A. Calcutta vide Deed No. I-11140 dt 8-11-83.

S. K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta

Date : 11-7-1984
Seal :

FORM ITNS-----

- (1) Purba Bharati Sambaya Abasan Ltd. (Transferor)
 (2) Smt. Arati Bose. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
 INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA

Calcutta, the 11th July 1984

Ref. No. TR-21/84-85/Sl. 895 I.A.C/Acq.R-I/Cal.—Whereas, I. S. K. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 20 A & 20 B, situated at Convent Road, Calcutta-14, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at S.R.A., Cal. on 25-11-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that three storied building on an area of 3K--12 Ch. at 20 A & 20 B, Convent Road, Calcutta-14. Registered before the Sub-Registrar of Assurances, Calcutta vide deed No. I-11881 dt. 25-11-83.

S. K. BANERJEE
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-I, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-7-1984
 Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Santosh Kumar Dam
and others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Bijoy Laxmi Singhanla.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA

Calcutta, the 11th July 1984

Ref. No. C.A. 82/84-85[Sl. 896 I.A.C./Acq.R-I/Cal.—

Whereas, I,
S. K. BANERJEE,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. 61, situated at Park Street, Cal-61.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer
at C.A. Cal, on 19-11-83for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
-
- of the transferor to pay tax under the said Act, in
-
- respect of any income arising from the transfer,
-
- and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
-
- moneys or other assets which have not been or
-
- which ought to be disclosed by the transferee for
-
- the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
-
- (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
-
- Act, 1957 (27 of 1957),

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
-
- 45 days from the date of publication of this notice
-
- in the Official Gazette or a period of 30 days from
-
- the service of notice on the respective persons,
-
- whichever period expires later;

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of
-
- able property within 45 days from the date of the
-
- publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION S—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

All that Suit No. 23, Ambassador Apartment, 61, Park
Street, Calcutta-16. Registered before Competent Authority,
I.A.C. Acq. R-I, Calcutta vide Sl. No. 82 Dt. 19-11-83.S. K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, CalcuttaNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—Date : 11-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

- (1) M/s. Pari Enterprises. (Transferor)
 (2) Smt. Ratan Devi Daga and Shri Manoj Daga. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA

Calcutta, the 11th July 1984

Ref. No. C.A. 78/84-85/SI. 897 I.A.C./Acq. R-I/Cal.—

Whereas, I,

S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 7/1 A, situated at Dr. U. N. Brahmachari Street, Cal-17, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at C.A., Cal on 15-11-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Flat No. 1 A at 1st Floor at Premises No. 7/1A, Dr. U. N. Brahmachari Street, Calcutta. Registered before the Competent Authority, I.A.C. Acq. R-I, Calcutta, vide SI. No. 78 Dt. 15-11-83.

S. K. BANERJEE
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-I, Calcutta

Date : 11-7-1984
 Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Pari Enterprises.

(Transferor)

(2) Shri Pradip Jain

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA

Calcutta, the 11th July 1984

Ref. No. C.A. 68/84-85/SI. 898 I.A.C./Acq.R-I/Cal.—

Whereas, I,

S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 7/1 A, situated at Dr. U. N. Brahmachari Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at C.A. Calcutta on 7-11-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Flat No. 4A, at 4th Floor at premises No. 7/1 A, Dr. U. N. Brahmachari Street, Cal-17. Registered before the Competent Authority, I.A.C. Acq. Range-I, Calcutta vide SI. No. 68 Dt. 7-11-83.

S. K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta

Date : 11-7-1984

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) M/s. Pari Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sunil Kumar Sethia

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA

Calcutta, the 11th July 1984

Ref. No. C.A. 69/84-85/Sl. 899 I.A.C./Acq.R-I/Cal.—

Whereas, I,

S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. 7/1 A, situated at Dr. U. N. Brahmachari Street, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of Registering officer
at C.A. Cal. on 8-11-83

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires late;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Flat No. 5C at 5th Floor at premises No. 7/1A,
Dr. U. N. Brahmachari Street, Calcutta-17. Registered be-
fore the Competent Authority, I.A.C., Acq. Range-I, Calcutta
vide Sl. No. C.A. 69, Dt. 8-11-83.

S. K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta

Date : 11-7 1984
Sd :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA

Calcutta, the 11th July 1984

Ref. No. C.A. 70/84-85/SI. 900 I.A.C./Acq.R-I/Cal.—

Whereas, I,
S. K. BANERJEE,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7/1 A, situated at Dr. U. N. Brahmachari Street, Calcutta-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at C.A., Cal. on 8-11-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) M/s. Pari Enterprises.

(Transferor)

(2) Shri Khemchand Sethia

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that flat No. 5 A at 5th Floor at premises No. 7/1 A, Dr. U. N. Brahmachari Street, Calcutta-17. Registered before the office of the Competent Authority, I.A.C., Acq. Range-I, Calcutta vide Sl. No. 70 dt. 8-11-83.

S. K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta

Date : 11-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Messers Pari Enterprises.

(Transferor)

(2) Smt. Usha Jain.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
CALCUTTA

Calcutta, the 11th July 1984

Ref. No. C.A.67/84-85/SI.901/I.A.C./Acq.R-I/Cal.—Whereas, I, S. K. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 7/1A, situated at Dr. U. N. Brahmachari Street, Cal. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at C.A. Calcutta on 7-11-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

54—206 GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Flat No. 4B, at 4th Floor, at premises No. 7/1A, Dr. U. N. Brahmachari Street, Calcutta-17, Registered before the C.A., I.A.C. Acq. R-I, Cal. Vide Serial No. 67 Dt. 7.11.83.

S. K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II

Date : 11.7.84
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Sumitra Kanwar W/o Shri Narendra Nath
Kanwar R/o Plot No. 739, Adarsh Nagar, Jaipur
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jhammulal Kriplani S/o Shri Budhmal
Kriplani R/o No. 739, Kriplani Marg, Adarsh
Nagar, Jaipur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
JAIPUR

Jaipur, the 18th July 1984

Ref. No. Raj.IAC(Acq.)/2433 Whereas, I
MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

House No. 739 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)
in the office of the Registering Officer
at Jaipur on 7.11.83

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefore by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
**45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;**

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within **45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.**

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion in House No. 739 situated at Kriplani Marg,
Adarsh Nagar, Jaipur and more fully described in the sale
deed registered by the Sub-Registrar, Jaipur vide Registration
No. 2547 dated 7.11.83.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 18.7.1984
Sent :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
JAIPUR

Jaipur, the 18th July 1984

Ref. No. Raj.(IAC(Acq.))2434 Whereas, I,
MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 739 situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jaipur on 7-11-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Sumitra Kanwar W/o Shri Narendra Nath Kanwar R/o House No. 739, Adarsh Nagar, Jaipur (Transferor)
(2) Smt. Barkha W/o Jhammumal Kriplani R/o House No. 739, Kriplani Marg, Adarsh Nagar, Jaipur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion in House No. 739, situated at Kriplani Marg, Adarsh Nagar, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Jaipur vide Registration No. 2548 dated 7.11.83

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 18.7.1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE,
JAIPUR

Jaipur, the 18th July 1984

Ref. No. Raj.IAC (Acq.)/2435 Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 739, situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 8-11-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Sumitra Kanwar W/o Shri Narendra Nath Kanwar, R/o House No. 739, Adarsh Nagar Jaipur (Transferor)
- (2) Smt. Parwati Devi, Widow of Shri Budhmal Kriplani, House No. 739, Kriplani Marg, Adarsh Nagar, Jaipur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion in House No. 739 situated at Kriplani Marg, Adarsh Nagar, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Jaipur vide Registration No. 2561 dated 8.11.83.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 18.7.1984
Seal :

FORM UTS

(1) Smt. Sumitra Kanwar, W/o Shri Narendra Nath Kanwar R/o House No. 739, Adarsh Nagar, Jaipur
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kumari Monica D/o Shri Jhammunal Kriplani Through Father House No. 739, Kriplani Marg, Adarsh Nagar, Jaipur
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
JAIPUR

Jaipur, the 18th July 1984

Ref. No. Raj./IAC (Acq.)/2436 Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 739, situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Competent Authority at Jaipur on 8-11-83 for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion in House No. 739 situated at Kriplani Marg, Adarsh Nagar, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Jaipur vide Registration No. 2560 dated 8-11-83

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 18.7.1984

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
JAIPUR

Jaipur, the 18th July 1984

Ref. No. Raj./IAC (Acq.)/2437 Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. A-2/3 situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 7-11-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

- (1) Shri Prabhudayal S/o Shri Narayan Ji Vaish Khandelwal, R/o Plot No. C-7, Arjunlal Sethi Colony, Jaipur
(Transferor)
- (2) Smt. Bhagwati Devi, W/o Shri Ramnarayan R/o Delhi Gate, Aimer.
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. A-2/3 situated at Yudhisthra Marg, C-Scheme, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Jaipur vide Registration No. 2535 dated 7.11.83

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 18.7.1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Prabhu Dayal S/o Shri Narayan Ji Vaish
Khandelwal R/o Plot No. C-7, Arjunlal Sethi
Colony, Jaipur (Transferor)
- (2) Shri Madanlal Khandelwal S/o Shri Ramswaroop
Khandelwal R/o Ramgani, Ajmer (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
JAIPUR

Jaipur, the 18th July 1984

Ref. No. Raj./IAC (Acq.)/ 2438 Whereas, I,
MOHAN SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
Plot No. A-2/3 situated at Jaipur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)
in the office of the Registering Officer at
Jaipur on 7-11-83
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration of such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein and
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Plot No. A-2/3, situated at Yudhishtira Marg, C-Scheme,
Jaipur and more fully described in the sale deed registered
by the Sub-Registrar, Jaipur vide Registration No. 2533 dated
7.11.83

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 18.7.1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
CALCUTTA

Jaipur, the 18th July 1984

Ref. No. Raj./IAC (Acq.)/2439 Whereas, I,
MOHAN SINGH,**being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing**

Plot No. 2 A situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Jaipur on 25-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ramswroop S/o Shri Rewarmal Agarwal, R/o Pratapgadh District-Alwar

(Transferor)

(2) Shri Vijay Singh Mathuria S/o Shri Jagdish Prasad Mathuria R/o 2-A JP Colony near Tonk Phatak

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 2-A situated in J.P. Colony, Tonk Phatak, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Jaipur vide Registration No. 2668 dated 25.11.83

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 18.7.1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Thakur Shri Bharat Singh S/o Late Shri Devi Singh,
R/o Chomu House, Jaipur

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Umesh Chandra Mathur S/o Shri M. L. Mathur
R/o B-8, Parivahan Marg, Chomu House, Jaipur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
JAIPUR

Jaipur, the 18th July 1984

Ref. No. Raj./IAC(Acq.)/2440 Whereas, I,
MOHAN SINGH,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

Plot No. B-8 situated at Jaipur

(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer
at Jaipur on 19.11.83for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen percent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
-
- of the transferor to pay tax under the said Act, in
-
- respect of any income arising from the transfer;
-
- and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
-
- moneys or other assets which have not been or
-
- which ought to be disclosed by the transferee for
-
- the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
-
- (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
-
- Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
-
- of 45 days from the date of publication of this
-
- notice in the Official Gazette or a period of
-
- 30 days from the service of notice on the res-
-
- pective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
-
- property, within 45 days from the date of the publi-
-
- cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. B-8 situated at Parivahan Marg, Chomu house
Jaipur and more fully described in the sale deed registered
by the Sub-Registrar, Jaipur vide Registration No: 2649 dated
19.11.83MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, JaipurNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

55—206 G1/84

Date : 18.7.1984

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Rana Narain Mathur S/o Shri Shyam Narayan
R/o House No. 145, Mangal Marg, Babu Nagar
Jaipur

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Krishan Dass Malpani S/o Shri Dwarka
das Malpani R/o Film Colony, Chaura Rasta, Jaipur

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
JAIPUR

Jaipur, the 18th July 1984

Ref. No. Raj./IAC (Acq.)/2441 Whereas, I,
MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

House No. B-145A situated at Jaipur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred

in the Office of the Registering Officer

at Jaipur on 25.11.83

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I
have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen percent of such apparent con-
sideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under, the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. B-145A situated at Mangal Marg, Babu Nagar,
Jaipur and more fully described in the sale deed registered
by the Sub-Registrar, Jaipur vide Registration No. 2673
dated 25.11.83

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the
following persons, namely :—

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 18.7.1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
JAIPUR

Jaipur, the 18th July 1984

Ref. No. Raj./IAC(Acq.)/2442 Whereas, I,
MOHAN SINGH,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believethat the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land situated at Udaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferredin the Office of the Registering Officer
at Udaipur on 14.11.83for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Shri Vishnu Lal S/o Shri Navneet Lal ji Paneri,
R/o Durga Nursery Road, Udaipur.

(Transferor)

(2) 1. Shri Bansilal
S/o Shri Harnarayan Ji Paliwal.
2. Shri Mohinder Singh
S/o Shri Jagat Singh Bedi.
3. Smt Kaushalya Dushtar
W/o Shri Roopchand Pahuja.
4. Smt. Vijaylakshmi
W/o Shri Rameshchandra ji.
5. Smt. Surendra Kumari
W/o Shri Govind Swaroop
6. Smt. Santosh Kumari
W/o Shri Rameshwar Kumar
Resident of Udaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Araji No. 980 Area 11 Biswa situated in Girwa-Tehsil of
Udaipur and more fully described in the sale deed registered
by the Sub-Registrar, Udaipur vide Registration No. 2560
dated 14.11.83

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 18.7.1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
JAIPUR

Jaipur, the 18th July 1984

Ref. No. Raj./IAC(Acq.)/2443 Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 16 situated at Sriganganagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer at Sriganganagar on 18-11-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :—

- (1) Shri Niranjana Das S/o Shri Parmanand Arora,
16 Third Block, old Abadi, Sriganganagar
(Transferor)
- (2) Smt. Shanti Devi W/o Sohanlal, 16 Third Block,
Old Abadi, Sriganganagar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of House No. 16 Third Block situated in Purani Abadi, Sriganganagar and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Sriganganagar vide Registration No. 2585 dated 18-11-83

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 18.7.1984
Seal :

FORM ITNS—

1) Shri Niranjan Das S/o Shri Parmanand Arora, 16
Third Block, old Abadi, Sriganganagar.

(Transferor)

(2) Shri Sohanlal S/o Shri Rola Ram Rajput, 16
Third Block, old Abadi Sriganganagar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
JAIPUR

Jaipur, the 18th July 1984

Ref. No. Raj./IAC (Acq.)/2444 Whereas, I,
MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 16 situated at Sriganganagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer at Sriganganagar on 18-11-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of House No. 16 Third Block situated in Purani Abadi, Sriganganagar and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Sriganganagar vide Registration No. 2586 dated 18.11.83

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 18.7.1984
Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Mansukhlal S/o Shri Bardichandji Dhanmandi,
Udaipur.
(Transferor)
- (2) Shri Purshottam Lal S/o Shri Mohan Lal Ji, Plot
No. 1175 Hiranmagri, Udaipur
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
JAIPUR

Jaipur, the 18th July 1984

Ref. No. Raj./IAC(Acq.)/2445 Whereas, I,
MOHAN SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. Plot 1175 situated at Udaipur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Indian Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Udaipur on 14.11.83
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1175 situated in Sector No. 11, Hiranmagri,
Udaipur and more fully described in the sale deed registered
by the Sub-Registrar, Udaipur vide Registration No. 2589
dated 14.11.83

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 18-7-1984

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
JAIPUR

Jaipur, the 18th July 1984

Ref. No. Raj/IAC/(Acq.)/2446.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House property situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jodhpur on 18.11.83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Dhatmveer Singh S/o Shri Virendra Singh
Rajput R/o Rohit District-Pali
(Transferor)
- (2) Shri Vijay Menon S/o Shri Rajan Menon Dharam
Narayan Ka hatta, Jodhpur
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of House Property situated in P.W.D. Colony, Ratanada, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Jodhpur vide Registration No. 3364 dated 18-11-83.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 18.7.1984
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
JAIPUR

Jaipur, the 18th July 1984

Ref No. Raj.]IAC(Acq.)]2447.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House property situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Jaipur on 18-11-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Dharamveer Singh S/o Shri Virendra Singh Rajput, R/o Rohit, District-Pali
(Transferor)
- (2) Kumari Vijaylakshmi D/o U.P.R. Menon, Dharam-narayan ka hatta, Jodhpur
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of House property situated in P.W.D. Colony Ratanada, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Jodhpur Registration No. 3365 dated 18.11.83

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 18.7.1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
JAIPUR

Jaipur, the 18th July 1984

Ref. No. Rn.IAC(Acq.)/2448.—Whereas, I, MOHAN SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House property situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 18-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
56—206 GI/84

(1) Shri Dharamveer Singh S/o Shri Veerendra Singh Rajput R/o Rohit, District Pali.

(Transferor)

(2) Smt. Nalini R. Menon W/o P.R.S. Menon, Dharam Narayan Ka Hatti, Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of House property situated in P.W.D. Colony, Ratanada, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Jodhpur vide Registration No. 3366 dated 18-11-83.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of the Income-tax
Acquisition Range
Jaipur

Date : 18-7-84

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
JAIPUR

Jaipur, the 18th July 1984

Ref. No. Raj/IAC (Acq.)/2440.—Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agri Land situated at Udaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 29-11-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Meettalal, Shri Jagdish Chandra, Shri Chimanlal S/o Shri Bhanwarlal Ji Mali and Smt. Ganga Bai W/o late Shri Bhanwarlal, Udaipur. (Transferor)
- (2) 1. Shri Ramesh Kumar S/o Chatarsal.
2. Shri Mahendra Kumar S/o Shri Chatarsal.
3. Shri Jagdish Lal S/o Shri Gopilal
4. Shri Nandlal S/o Shri Lal Chand
5. Shri Bhanwarlal S/o Shri Heeralal
6. Smt. Ratan Devi W/o Shri Mohan Lal
7. Shri Narendra Kumar S/o Shri Mangilal
8. Shri Ganpatlal S/o Shri Nandlal
9. Smt. Kusumlata W/o Shri Suresh Kumar
10. Shri Balji Bhai S/o Shri Narainji.
11. Shri Merulal S/o Shri Modilal
12. Shri Rajkumar S/o Shri Laxmilal
13. Shri Sohan Lal S/o Shri Khemraj
14. Smt. Durgadevi W/o Shri Giriraj
15. Shri Sajjanmalji S/o Shri Manakchand
16. Smt. Laxmi Devi W/o Shri Kalilalji.
17. Shri Moti Kumar S/o Shri Shyamsunder, and
18. Shri Bhanwarlal S/o Shri Chogalal (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land No. 1057 and 1058 Area 1 bigha 3 biswas situated in Udaipur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Udaipur vide Registration No. 2714 dated 29-11-83.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Jaipur

Date : 18-7-84
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 18th July 1984

Ref. No. Raj. IAC (Acq), 2450.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Shop No. 112 situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 10-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shrimati Uchal Bai W/o late Shri Hot Chand, Shri Kishanchander, Teju Mal S/o Shri Hot Chand R/o Plot No. 332 Jawahar Nagar, Jaipur

(Transferor)

(2) Shri Narender Kumar S/o Shri Kishan Chand R/o Plot 172, Sindhi Colony, Bani Park, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 112, situated at Bapu Bazar, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jaipur vide registration No. 2583 dated 10-11-83.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-7-84.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 18th July 1984

Ref. No. Raj.IAC (Acq.)/2451. --Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing House Property situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jaipur on 25-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mohan Lal S/o Shri Hazarilal Ji Goyal
R/o Goyal Bhawan langer ka Balaji Ka Rasta,
Jaipur.

(Transferor)

- (2) Shri Manuk Chand S/o Hazari Lal ji
R/o Goyal Bhawan langer Ka Balaji Ka Rasta,
Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 3768, situated at cward House gangori Bazar Jaipur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 2664 dated 25-11-83.

MOHAN SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 18-7-84.
Sd/-

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 18th July 1984

Ref. No. Raj./IAC(Acq.)/2452.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Shop No. 20/1 situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 14-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ram Singh S/o Shri Laxmi Narain Singh,
Smt. Shanti Devi W/o Shri Ram Singh
R/o Bhagwan Bhawan Jatt ka Rasta,
Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Hari Narain Khandelwal S/o Shri Chhotulal
R/o No. 7 Sikar House,
Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons **whichever period expires later;**

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of Shop No. 20/1, situated at Chand Pole Bazar Near Chotichouper, Jaipur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur, vide registration No. 2596 dated 14-11-83.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 18-7-84.
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 18th July 1984

Ref. No. Raj.IAC(Acq.)/2453.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Plot No. 20/1 situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jaipur on 14-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ram Singh S/o Shri Laxmi Narain Singh and Smt. Shanti Devi W/o Shri Ram Singh & Others
Bhagwan Bhawan, C.B. Jaipur.

(Transferor)

(2) Shrimati Anandi Devi W/o Shri Vijay Narain Khandelwal R/o Talu Ka Bhawan Mishra Rajaji Ka Rasta C.B. Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1 Portion in Shop No. 20/1, situated at Chand pole Bazar, near Chotichupar, Jaipur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur, vide registration No. 2595 dated 14-11-83.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 18-7-84
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Gainchand Santoshkumar and Subashchandra Gupta Sons of Shri Ramgopal Gupta, 1173, Ganjipura, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Shri Phoolchand Seth S/o Shri Kanheyalal Seth and Smt. Sashiprabha Seth of South Milanganj, Jabalpur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL. M.P.

Bhopal, the 6th July 1984

Ref. No. IAC/Acq[n]Bpl/4871.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1172 situated at Ganjipura, Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on November 1983

for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing No. 1172, Ganjipura, Jabalpur. This is the immovable property, the description of which has been given in Form No. 37-G, duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date : 6th July 1984
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Manorama Dandekar W/o Shri Govind Ganesh Dhandekar, Shantinagar, Raipur. (Transferor)
- (2) Master Manojkumar Mittal (Minor) S/o of Shri Mhadevlal Mittal (Agarwal), resident of Jawahar Nagar, Raipur. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th July 1984

Ref. No. IAC/Acqn.Bpl/4872.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Two storeyed building situated at Samadhan Building, Shanker Nagar, Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer at Raipur on November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Two storeyed building namely Samadhan situated in Shantinagar, Raipur.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 6th July 1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th July 1984

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/4873.—Whereas, I. V. K. BARAN-
WAL,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.Two storeyed building situated at Shantinagar, Raipur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908)in the Office of the Registering Officer at
Raipur on November 1983for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Smt. Manorama Dandekar W/o Shri Govind
Ganesh Dandekar Resident of Shantinagar, Raipur.
(Transferor)
- (2) Shri Vijay Kumar Agarwal S/o R. G. Agarwal,
resident of Samadan Building, Raipur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Two storeyed building is situated in Shantinagar (Part) at
Raipur.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date : 6th July 1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th July 1984

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/4874.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land situated at Moja Sedikhedi, Raipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the Office of the Registering Officer at Raipur on November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Dhirendrakumar
S/o Shri Kabulchand Garg,
Resident of Modahapara.

(Transferor)

(2) Shri Opeshkumar
S/o Sri Kavarlal Gupta
R/o 75/11 Patelnagar, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person, interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Mojakhedi, situated at Raipur. This is the immovable property the descriptions of which have been given in Form No. 37-G, duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date : 6th July 1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Direndrakumar S/o Kaboolchand Garg, and
others, Resident of Modahapara, Raipur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sushilabai W/o Late Dharmprakash Gupta,
Resident of Ludhiana, Punjab.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th July 1984

Ref. No. IAC[Acqn]Bpl/4875.—Whereas, I, V. K. BARAN-
WAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

Land situated at Moja Sedikhedi, Raipur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office
of the Registering Officer at
Raipur in November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of
the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in Moja Sedikhedi, situated at Raipur. This is the
immovable property, the description of which has been given
in Form No. 37-G, duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date : 6-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th July 1984

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/4876.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Kh. No. 386 in part situated at Moja Serikhedhi, Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur in November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Dhirendra Kumar S/o Kabool Chand Garg & others,
Resident of Modahapara, Raipur. (Transferor)
- (2) Smt. Anita W/o Rakesh Kumar Gupta,
Resident of Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in K. No. 386, situated in Moja Modahapara (part), Raipur. This is the immovable property, the description of which has been given in Form No. 37-G, duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPALDate : 6-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th July 1984

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/4877.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 2500/- and bearing

Land in Tifra, Dist. Bilaspur K. No. 621 situated at Bilaspur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bilaspur in November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Lalitkumar S/o Shirati Master,
resident of Mangeli, Dist. Bilaspur.

(Transferor)

- (2) Shri C. T. Lal S/o D. J. Lal,
Resident of Magarpara, Bilaspur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 621, Tifra, situated at Bilaspur. This is the immovable property, the details of which have been given in Form No. 37-G, duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date : 6-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th July 1984

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/4878.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot in K. No. 499/18 situated at Vrindavan Ward, Sagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sagar in November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Pitambar Prasad S/o Shri Shivprasad Pathak
Resident of Gopal Ganj, Sagar. (Transferor)
- (2) Smt. Gayatri Yadav W/o Shri Laxminarain Yadav,
resident of Parkota Ward, Sagar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 499/18, situated in Vrindavan Ward, Sagar. This is the immovable property, the details of which have been given in Form No. 37-G, duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date : 13-7-1984.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Pitambar Prasad S/o Shri Shivprasad Pathak,
Resident of Gopalganj Ward, Sagar. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Santoshkumar S/o Shri Chhotelal Jain
Resident of Bariaghat, Sagar. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th July 1984

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/4879.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 499/8 situated at Vrindavan Ward, Sagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sagar in November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 499/8 is situated in Vrindavan Ward, Sagar. This is an immovable property, the description of which is given in Form No. 37-G, duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th July 1984

Ref. No. IAC|Acqu|Bpl|4880.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

Land in Kh. No. 37/1 & 37/2 situated at Guru Govindsingh Ward, Sagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sagar in November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Bhagwati Bai W/o Shri Parmanand Choubey
Village Parkota Ward, Sagar. (Transferor)
(2) Shri Hiralal S/o Shyamji Bhai Patel, Gujrati.
Resident of Bhagwanganj Ward, Sagar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kh. No. 37/1 & 37/2, situated in Guru Govindsingh Ward, Sagar. This is an immovable property, the description of which has been given in Form No. 37G, duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date : 6-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th July 1984

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/4881.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Kh. No. 37/1, 37/2 situated at Guru Govind Singh Ward, Sagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sagar in November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

58—206 GI/84

- (1) Shrimati Bhagwatibai W/o Parmanand Choubey
Resident of Parkota Ward, Sagar.

(Transferor)

- (2) New Ganesh Saw Mill, Sagar, Prop. Hiralal S/o
Shyamji Bhai Patel,
R/o Bhagwanganj Ward, Sagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in Kh. No. 37/1, 37/2, situated in Govindsingh Ward, Sagar. This is an immovable property, the descriptions of which has been given in Form No. 37-G, duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date : 6-7-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th July 1984

Ref. No. IAC[Acqn]Bpl/4882.—Whereas, I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing land at Moja Dumartalav, Raipur situated at Raipur and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Raipur in November 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Hariomprakash S/o Hukumchand vagairah Sitabadi, Nagpur now at Raipur. (Transferor)
- (2) Santoshkumar S/o Sampatlal Kotari Shankernagar, Raipur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building and godown situated at Moja Dumartalav, Raipur. This is an immovable property, the description of which has been given in Form No. 37-G, duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date : 6-7-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Dev Hanumanji Sarvajani Nyas Vrindavan, Sagar through Mahant Harbhajandas disciple Premdas Vrindavan Bhag, Sagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

(2) Vrindavan Dham Grih Nirman Sahkari Samstha Bada Bazar, Sagar, through Shri Prakash Vadia S/o Ramprasad Vadia, Sagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Bhopal, the 6th July 1984

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/4883.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land No. 221 situated at Tilimaphi, Dist. Sagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sagar in November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at No. 221 Village Tilimaphi, Tah. Sagar is situated. The description of the immovable property has been given in Form No. 37-G, duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range

4th Floor, Gangotri Building

T. T. Nagar, BHOPAL

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-7-1984

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th July 1984

Ref. No. 1AC\Acqn\Bpl\4884.—Whereas, 1, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land No. 230 situated at Tilimaphi Village, Sagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sagar in November 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Dev Hanumanji Sarvajank Nyas Vrindavan Bhag Sagar, through Mahant Harbajandas, disciple Premdas Vrindavan, Sagar. (Transferor)
- (2) Sagar Krishi Grah Nirman Sahkari Samstha Maryadit Mohan Ward, Sagar, through Shri Ravishanker Nathuram Mishra, Mohan Nagar Ward, Sagar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land No. 230 situated in village Tilimaphi, Dist. Sagar. This is an immovable property, the description of which has been given in Form No. 37G, duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T.T. Nagar, Bhopal

Date : 6-7-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th July 1984

Ref. No. IAC[Acqn|Bpl|4885.—Whereas, I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Khasra No. 189 situated at Village Tilimaphi, Tah. Sagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sagar in November 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mahant Hari Bhajam Das disciple Mahant Premdas Mahachetkar Shri Hanumanji Sarvajani Nyas, Vrindavan Bhag, Sagar Trust No. S/252.

(Transferor)

- (2) Sangam Grah Nirman Sahkari Samiti Maryadit Sagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Khasra No. 189, situated in Village Tilimaphi, Sagar. This is an immovable property, the description of which has been given in Form No. 37-G, duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gongotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date : 6-7-1984
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th July 1984

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/4886.—Whereas, I,
V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land in Kh. No. 8/2 and 9/3 situated at village Tejpur Gad-badi, Tah. and Dist. Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Laxminarain S/o Govind Khati,
Bijalpur, Indore.

(Transferor)

- (2) Ahilyamata Sewak Sangh Grih Nirman Sakhart
Samstha Maryadit, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Khasra No. 8/2 and 9/3, situated in village Tejpur Gad-badi, Tah. and District Indore. This is an immovable property, the description of which has been given in Form No. 37-G, duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date : 6-7-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (MP)

Bhopal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/4887.—Whereas, I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plots situated at Raipura xillage, Tah. Shahnagar, Panna Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in November 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

(1) Smt. Shanti Sharma,

(Transferor)

(2) Shri Raghu Hari Dalmia (HUF)
4 Sindhi House, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in Plot Nos. 512/2, 513, 517, 518, 526/1 527/3, 527/4 528/8 in K. No. 596 in village Raipura Tahsil Shahnagar, Dist. Panna. The property is immovable the description of which has been given in Form No. 37-G, duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gongotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date : 12-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Shanti Sharma, Panna

(Transferor)

(2) Shri Ajai Hari Dalmia, 4 Sindhi House, New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (MP)

Bhopal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC/Acq[Bpl]4888.—Whereas, I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot Nos. 509, 510, 511, 512/3, 518/3, 519, 520 526/1, situated at Raipura village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in November 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land in Plot Nos. 509, 510, & 511, 512/3, 518/3, 519, 520 526/1 in village Raipura, Tahsil Shahanganagar, District Panna. This is the immovable property, the descriptions of which have been given in the Form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of the Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gongotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Shanti Sharma,
Panna.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL (MP)(2) Shri Yadu Hari Dalmia, HUF,
4 Sindhi House,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned.—

Bhopal, the 12th July 1984

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/4889.—Whereas, I,
V. K. BARANWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
Land in Plot Nos. 514/- 532/3, 533/3 in Khata No. 596 in
village Raipura Tahsil, Shabanagar situated at Dist. Panna.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the
Registering Officer at
New Delhi in November 1983,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration herefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Land in Plot Nos. 514, 532/3, 533/3 in Khata No. 596 in
Village Raipura Tah. Shabanagar, Dist. Panna. This is the im-
movable property, the description of which has been given in
Form No. 37-G duly verified by the transferee.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Rang
4th Floor, Gongotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

59—206G/81

Date : 12-7-1984
Sent :

FORM ITNS—

(1) Shrimati Shanti Sharma,
Panna.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (MP)

Bhopal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4890.—Whereas, I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing land in Plot Nos. 512/1, 518/1, 527/1, 527/2, 532/2, 533/1 situated at Village Shahanagar, Dist. Panna, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in November 1983. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri M. H. Dalmia, HUF,
A. H. Dalmia, HUF,
R. H. Dalmia HUF,
Shri Y. H. Dalmia,
4 Sindhi House,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in Plot Nos. 512/1, 518/2, 527/1, 527/2, 532/2, 533/1 in village Raipura Tahsil Shahanagar, Dist. Panna. This is the immovable property, the descriptions of which have been given in Form No. 37-G, duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gongotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Date : 12-7-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (MP)

Bhopal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/4891.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House at Adhartal, Jabalpur situated at Jabalpur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on November, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Hind Cooperative Housing Society Ltd.,
President Shri Rajesh Agarwal,
173, Sarafa Ward,
Jabalpur.

(Transferor)

- (2) Shri Yogendra Bhargava,
S/o Shrichand Bhargava,
11 M.I.G., Anand Nagar,
Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing Corporation No. 182/1 of Adhartal Jabalpur with land appertinent thereto. This is the immovable property, the description of which has been given in Form No. 37-G, duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gongotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date : 12-7-1984
Seal :

FORM INS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (MP)

Bhopal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC/Acq/Bp/4892.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House in Plot No. 49 in part situated at Gupteshwar Ward, Jabalpur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on November, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Maya Mukerji
W/o Shri R. Mukerji, through
general attorney R. Mukerji
S/o Late Shri Hari Sadhan Mukerji,
Type 5 Bungalow,
Telecom Factory Town,
Shri Deonar, Bombay.

(Transferor)

- (2) Shri Purushottamlal Bhalla
S/o Shri Lala Deshmitra Bhalla,
Nagpur Road,
Premnagar, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Diversion Plot No. 49 in part H. No. 1160/B/B/A situated at Gupteshwar Road, Jabalpur. This is the immovable property the description of which has been given in Form No. 37-G, duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gongotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date : 12-7-1984

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (MP)

Bhopal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/4893.—Whereas, I,
V. K. BARANWAL,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.Plot No. 62 and building thereon situated at Indore Vikas
Pradikaran Scheme No. 31, Sarvodaya Nagar, Indore.(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferredunder the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the
Office of the Registering Officer
at Indore on November, 1983for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Smt. Poonamdevi
W/o Vishandas,
Indrapuri Colony,
H. No. 323,
Indore.

(Transferor)

- (2) Sadhu Vasvani Cooperative Housing Society Maryu-
dit, Indore through President Shri Udhavdas,
S/o Tulsidas Munjwani,
Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 62 and the building thereon in Indore Vikas Prodi-
karan Scheme No. 31, situated in Sarvodayanagar, Indore.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gongotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date : 12-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (MP)

Bhopal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/4894.—Whereas, I,
V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. S-72 and the building thereon situated at Sarvodaya Nagar, Indore.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Indore on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Parmanand
S/o Shri Lakmichandji, through general attorney
Shri Shankertal
S/o Nevarchandramji,
resident of B-58, B. K. Sindhi Colony,
Gali No. 2,
Indore.

(Transferor)

- (2) Sadhu Vasvani Cooperative Housing Society
Maryadit 367/368 Sadhu Vasvani Indore,
through President Shri Udhavdas Manjwani.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. S-72 and the building thereon situated in Sarvodaya Nagar, Indore.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gongotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date : 12-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (MP)

Bhopal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC[Acqn|Bpl|4895.—Whereas, I,
V. K. BARANWAL,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing

M. No. 40 situated at South Hatipala Road, Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the Office of the registering Officer at
Indore on November, 1983for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Shri Suleman
S/o Rasul Baksh and Abdul Rahman
S/o Sulemanji
Resident of 40, Hatipala Road,
Indore.

(Transferor)

- (2) Farookh and Co.,
40, South Hatipala Road,
Indore, through partner
Mohd. Haroon
S/o of Mohd. Farookh,
Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice of the respective persons, which-
ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Building bearing No. 40, is situated in South Hatipala Road,
Indore.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gongotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date : 12-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL (MP)

Bhopal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC[Acqn|Bpl|4896.—Whereas, I,
V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 174B situated at Sangam Nagar, Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Shri Rambabu Nannulal Sharma,
7, Bhonsle Ki Goth,
Naya Bazar, Gwalior.

(Transferor)

- (2) Smt. Hemlata
W/o Shri Madanlalji Sharma,
R/o H. No. 44, Main Street,
Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

House No. 174B, situated in Sangamnagar, Indore.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date : 12-7-1984
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE**

BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC/Acq/Bp/4897.—Whereas, I,
V K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

H. No. 174B part situated at Sangam Nagar, Colony, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said-instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

60—206GJ/84

- (1) Shri Rambabu Nannulal Sharma,
7, Bhonsle ki Goth, Naya Bazar,
Gwalior.

(Transferor)

- (2) Shri Madanlal Kasturechandji Sharma,
44 Main Street, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 174 B, situated in Sangam Nagar Colony, Indore.

B. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Date : 12-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/4898.—Whereas, I,
V. K. BARANWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

Plot No. 174 and building thereon situated at Jawahar
Nagar, Indore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
under the Registering Act, 1908 (16 of 1908) in the office of
the Registering Officer
at Indore on November 1983
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) 1. Shri Manmohan S/o Madhav Rao Munshi,
2. Arvind Kumar
23. Shyam Kumar S/o Madhav Rao Munshi
4. Manorama Bai W/o Madhav Rao Munshi,
resident of 294/2, Jawahar Marg, Indore.
(Transferor)
- (2) Shri Kejar Hussain S/o Saifudinji, Resident of
3/1, Doulatganj, Indore.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building on Plot No. 724, part situated in Jawahar Marg,
Indore.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Date : 12-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC[Acqn|Bpl]4899.—Whereas, I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 210 B, N. 55 situated at Neemuch (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Neemuch on November 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Kamal Kumar,
2. Narendrakumar S/o Bhojraji Jain, Agarwal,
Neemuch-2 through general attorney Ashokkumar S/o Bhojraji Jain Agarwal, Neemuch-2 (M.P.).
(Transferor)
- (2) Shri Krishna Avtar S/o Shri Ramkishanji Goyal,
Resident of Neemuch Contonment.
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 210-55 Neemuch-2 is located in Neemuch. This is the immovable property, the description of which has been given in Form No. 37-G, duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Date : 12-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/4900.—Whereas, I,
V. K. BARANWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
Plot No. 45, south portion B, No. 55 situated at Neemuch-2.
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred
under the Registering Act, 1908 (16 of 1908) in the office of
the Registering Officer
at Neemuch on November 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely:—

- (1) 1. Sh. Messers Kamalkumar
2. Narendrakumar S/o Bhojrai Jain
Agarwal Neemuch cantonment through general
attorney Shri Bhojrai Jain, Neemuch cantonment.
(Transferor)
(2) Shri Satyanarain S/o Shri Shivkaran Agarwal,
Neemuch cantonment.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons which-
ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

House in plot No. 45, south portion, B. No. 55 situated in
Neemuch-2. This is the immovable property the descrip-
tion of which has been given in Form No. 37-G, duly veri-
fied by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 12-7-1984
Seal:

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC[Acq]Bpl/4901.—Whereas, I,
V K. BARANWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
Plot No. 47, northern Part Bunglow No. 55 situated at
Neemuch Cant. Neemuch.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the
Office of the Registering Officer
at Neemuch on November 1983
for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property, and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) 1. Shri Kamal kumar,
2. Narendrakumar S/o Bhojrajji Jain
Agarwal, Neemuch Cant. through General
Attorney, Shri Ashok Kumar S/o Bhojrajji
Jain Agarwal, Neemuch Cant.
(Transferor)

- (2) Shri Omprakash S/o Shivkaranji Agarwal,
Neemuch Cant. Neemuch.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 45 in northern Part, Bunglow No. 55, Neemuch
Cant. located at Neemuch. This is the immovable property,
the description of which has been given in detail in Form
No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of the Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Seal :
Date : 12-7-1984

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC/Acqnl/Bpl/4902.—Whereas, I, V K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land K. No. 97/1/1/94, 96 situated at Village Choti Khargone Tah. Maheshwar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Maheshwar, in November 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Nathusingh S/o Bhuvanisingh
Village Ghargaon Teh. Maheshwar. (Transferor)
- (2) Shri Sanauddin S/o Vazir Khan,
Village Karodia, Teh. Maheshwar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 97/1/1/94, 96 village Choti Khargone situated at Maheshwar. This is the immovable property, the description of which has been given in detail in Form No. 37-G, duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Date : 12-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC/Acq[Bpl]4903.—Whereas, I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 47 and the building situated at Indore Vikas Pradhikaran Yojna No. 47, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in November 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jaipaladas S/o Santramji Bajaj,
24, Choti Gwal Toli, Indore.
(Transferor)
- (2) Smt. Gitabai W/o Rajaramji Bajaj,
Shri Dhanraj S/o Rajaramji Bajaj,
Resident of 8/2, Usha ganj, Chavni, Indore.
(Transferee)

Objections, if any, to be the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 128 and the building thereon situated at Indore Vikas Pradhikaran Yojna No. 47, Indore.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Date : 12-7-1984
Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Ramchandra Kumavat S/o Dhulji H. No. 8
Kalalseri, Ujjain.
(Transferor)
- (2) Shri Jugalkishore Medatwal S/o Kanhaiya'alji,
Smt. Kanchanbai Medatwal W/o Jugalkishoreji,
Pavvara Chowk, Ujjain.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/4904.—Whereas, I,
V. K. BARANWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
H. No. M. No. 4/1233/3 N. No. 8 situated at Shankaracharya
Marg Gali No. 6 Kalalseri, Ujjain.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred
under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of
the Registering Officer
at Ujjain in November 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

Objection, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 4/1233/3, New No. 8, Shankaracharya Marg,
Gali No. 6, Kalalseri situated at Ujjain.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

Date : 12-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/4905.—Whereas, I,
V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Open land with dilapidated building situated at Mandsur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mandsur in November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
61—206GI/84

(1) The Mandsur Electric Supply Co., Ltd. Mandsur through Shri Sajjanlal S/o Rakhabchandji Bhinda, Director, Mandsur.

(Transferor)

(2) Smt. Kathija Bai D/o Shri Haji Fida Hussain, Husband Mujjagar Hussain, Resident of Mandsur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land in Mandsur. This is the immovable property, the description of which has been given in detail in Form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Date : 12-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/4906.—Whereas, I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land in Khandhar situated at Ward No. 17, Municipal Committee No. 1 in part, Mand-sur, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mand-sur in November 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (A) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) The Mand-sor Electric Supply Co. Ltd., Mand-sur, through Sajjanlal S/o Rakhabechandji Bhinda, Director, Mand-sur.

(Transferor)

- (2) Sri Kudbudin S/o Mujafar Hussain, Resident of Mand-sur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (c) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land in Khandhar No. 17 (Ward), Municipal Committee No. 1 in part at Mand-sur.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Date : 12-7-1984
Seal :

FORM I.T.N.S.-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/4907.—Whereas, I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 54 I.D.A. H. No. G.G. 1, situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Raghavendra Krishnacharya, through general Attorney Shri Prakash Kanhaiyalal Gupta, 6/3, Race Course Road, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Satyanarain S/o Gao Singh Rajavat, R/o 330, Nandanagar, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. N. G.G. 1, I.D.A. 54, situated at Indore.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Date : 12-7-1984

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/4908.—Whereas, I, V. K. BARANWAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House and Plot No. 138/2 situated at Daudpura, Burhanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Registering Officer at Burhanpur in November 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Avtarm Kewalram Sindhi
Smt. Iswarbhai D/o Shri Awatram Sindhi,
Resident of Daudpura, Burhanpur.
(Transferor)
- (2) Shri Gopinath S/o Tikamdas Shah,
R/o Gujrati Mod. (Mod),
Rajpura, Burhanpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House in Plot No. 138/2 Block No. 13, Daudpura, Burhanpur. This is the immovable property, the description of which has been given in detail in Form No. 37-G, verified by the transferee.

V. K. BARANWAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Date : 12-7-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Hukumsingh S/o Daulatsingh Thakur,
R/o Shah Bazar, Tah. Burhanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC/Acq. Bpl./4909.—Whereas, I,
V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

Land No. 200/1 situated at Village Lalbagh, Burhanpur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer

at Burhanpur in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

(2) Gandhinagar Co-operative Housing Society Ltd.,
Bahadarpur Road, Burhanpur,
Through President Shri Madhubhai Alias Chandubhai
Patel, R/o Chouk Bazar,
Burhanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter X/A of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Khan No. 200/1, Village Lalbagh at Burhanpur. This is
the immovable property, the description of which has been
given in detail in Form No. 37-G, verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 12-7-1984.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Abdul Majid S/o Gulkhaji, Saroni, Saronipura, Ratlam.
(Transferor)

(2) Smt. Prabha Noori W/o Shri Fakhruddin S/o Abde Aliji, T.I.T. Road, Ratlam.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC/Acq. Bpl./4910.—Whereas, I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Kh. No. 283 situated at Kasba Ratlam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ratlam in November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Kh. No. 283 land situated at Ratlam. This is the immovable property, the description of which has been given in detail in Form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date : 12-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC/Acq. [Bpl.] 4911.—Whereas, I,
V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land in Kh. 257/3 situated at Kasht Kabja Ratlam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ratlam in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jaxminarain S/o Bhaguji, Mohalla Khatipura, Anand Colony, Ratlam.

(Transferor)

(2) M/s Pokherna Bros., Chandni Chowk, Ratlam, through Shri Shantilal S/o Ratanlal Pokharna, Ratlam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in H. No. 257/3 situated at Kasht Kabja Ratlam. This is the immovable property, the description of which has been given in Form No. 37-G, duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date : 12-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./4912.—Whereas, I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 267 situated at Anupnagar, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in November, 1983 for apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Usha W/o Jayram Katwani,
R/o 142, Palsikar Colony, Indore. (Transferor)
- (2) Sankarshan Prasad S/o Shri Kulpatiramji,
Resident of Navratanbhag, Indore. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 267, Anoop Nagar, Indore situated at Indore.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date : 12-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s S. N. Sunderson & Company, Deshbandhu
Gupta Road, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Sudhir Kumar Jain S/o Shri Sunderlal Jain,
Katni.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./4913.—Whereas, I,
V. K. BARANWAL,being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and

bearing No.

Plot situated at Katni

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering
Officer at Katni in November, 1983for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—
62—206GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
at that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot situated at Rana Pratap Ward, Katni.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date : 12-7-1984.
Seal :

FORM ITNS

- (1) M]. S. N. Sunderson and Company, Deshbandhu Gupta Road, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Smt. Chandraprabha W/o Shri Subashchand, Jhanda Bazar, Katni.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC[Acqn.]Bpl.[4914.—Whereas, I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot situated at Rana Pratap Ward, Katni (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Katni in November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 3000 sq. fth located in Rana Pratap Ward, Katni.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date : 12-7-1984.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./4915.—Whereas, I,
V. K. BARANWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
Plot situated at Katni
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Katni on November, 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

- (1) M/s S. N. Sunderson & Company.
Deshbandhu Gupta Road, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Kishab Baidh S/o Shri Bhagwandas Baidh,
Satna.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Plot at Rana Pratap Ward, situated Katni.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, 4th Floor, Gongotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date : 12-7-1984.
Seal :

FORM ITNS

- (1) Ms. S. N. Sunderson & Company,
Deshbandhu Gupta Road, New Delhi.
(Transferee)
- (2) Shri Laxmiprasad Shukla S o Gayaprasad Shukla,
Katni.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC/Acq. Bpl./4916.—Whereas, I,
V. K. BARANWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding Rs.
25,000/- and bearing
No plot situated at Katni
at Katni on November, 1983
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at Katni on
November, 1983 for an apparent consideration which is less
than the fair market value of the aforesaid property and I
have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent con-
sideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in the
said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later :
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot situated at Rana Pratap Ward, Katni.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gongotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date : 12-7-1984.
Seal :

FORM ITNS

- (1) M/s Sanderson & Company,
Deshbandhu Gupta Road, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Sudhir Kumar Jain S/o Sunderlal Jain, Jhanda
Bazar, Katni. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/4917.—Whereas, 1. V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot situated at Rana Pratap Ward, Katni (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Katni on November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot at Rana Ward situated at Katni.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, 4th Floor, Gongotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date : 12-7-1984.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC/Acq. [Bpl.] 491.—Whereas, I,
V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 1/1555 in part situated at Ujjain (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

- (1) Kum. Pnkibai D/o Ramdevji Agarwal,
Dada Bhai Nauroji Marg, Ujjain.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Kailashnarain, 2. Rameshchandra, 3. Rajendrakumar, 4. Sanjaikumar and Manojkumar Sons of Shri Badriprasadji Joshi, Sethinagar, Ujjain.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1/1555 in part situated at Kantal Ujjain.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, 4th Floor, Gongotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date : 12-7-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC/Acqnl/Bpl/4918.—Whereas, I,
V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 61/3 situated at Vir Savarkar Market, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Manohar Yashwant Chuneker, 37, Devi Ahilya Marg, Indore.

(Transferor)

(2) 1. Shri Mohd., 2. Gulam and 3. Hanif S/o Yusuf R/o 10 Siyaganj, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kacha house No. 61/3 situated in Vir Savarkar Market, Indore.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 12-7-1984.
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th July 1984

Ref. RAC No. 107/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat situated at Vizag

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizag on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

- (1) M/s. Paramount Construction, Rep. by its Managing partner S. B. Lakshmi, Dasapalli Hills, Vizag. (Transferor)
(2) Smt. Dr. K. Manjula Vani w/o K. V. G. K. Tilak, D. No. 15-12-7, Krishnanagar, Vijag. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat in Visakhapatnam Municipal Corporation area, Maharanipet Ward, admeasuring 1100 sq. ft. registered by the S.R.O. Vizag. vide document No. 12939/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 10-7-1984.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 10th July 1984

RAC. No. 108/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat situated at Vizag (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizag on Nov. 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
63—206 GI/84

- (1) M/s. Paramount Construction,
Rep. by its Managing Partner
Sri B. Prabhakat Kumar (GPA)
Dasapalli Hills, Vizag.

(Transferor)

- (2) Sri D. Venkata Sastry,
Plot No. 42,
T.P.T. Colony,
Visakhapatnam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat situated at Maharanipet, Vizag admeasuring 1300 sqft., registered by the S.R.O., Vizag vide document No. 13127/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date : 10-7-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 10th July 1984

RAC. No. 109/84-85.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. Flat situated at Vizag
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Vizag on Nov. 83
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons named :—

- (1) M/s. Paramount Construction,
Rep. by GPA Holder
Sri B. Prabhakat Kumar
Dasapalli Hills, Vizag. (Transferor)
- (2) Sri Vepa Krishna Murthy,
Maharanipet Ward,
Block No. 7,
T.S. No. 155, Near Coastal Battery Junction,
Visakhapatnam. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Flat situated at Maharanipet Vizag admeasuring 1100 sqft.
registered by the S.R.O., Vizag vide document No. 13128/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date : 10-7-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 10th July 1984

RAC. No. 110/84-85.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. Site situated at Vizag

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer (and the agree-
at Vizag on Nov. 83for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely:—(1) Sri Y. Rama Rao,
and Other,
D. No. 32-1-207/1, Allipuram,
Vizag.

(Transferor)

(2) Sri B. R. Mittal,
S/o B. Ram Mittal,
D. No. 31-31-17, Saibaba Street,
Vizag-20.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site admeasuring 690 sq. yds. situated at Visakha-
patnam Market Ward, Block No. 1, T.S. No. 2A-1, registered
by the S.R.O., Vizag vide document No. 13378/83.M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date : 10-7-1984

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 10th July 1984

RAC. No. 111/84-85.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. Flat situated at Maharanipet Ward, Vizag
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Vizag on Nov. 83
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

(1) M/s. Paramount Construction,
Rep. by Sri B. Prabhat Kumar,
(GPA) Dasapalli Hills,
Vizag.

(Transferor)

(2) Smt. Kokilavanj,
W/o. Dr. S. Srinivas Guru Prasad,
Gollaprolu, E. G. Dt.,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat situated at Maharanipeta Ward, Block No. 7, admea-
suring 1100 sq.ft., registered by the S.R.O., Vizag document
No. 12938/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date : 10-7-1984

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 10th July 1984

RAC. No. 112/84-85.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat situated at Vizag
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizag on Nov. 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax (Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Paramount Construction,
Rep. by Sri B. Prabhat Kumar,
(GPA) Dasapalli Hills,
Vizag.

(Transferor)

(2) Smt. Vepa Rajyalakshmi,
W/o. Rama Murthy,
Prince Apartments,
Coastal Battery Junction,
Maharanipeta, Visakhapatnam-530002

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat situated at Maharanipet Ward, Visakhapatnam ad-measuring 1100 sq.ft., registered by the S.R.O., Visakhapatnam vide document No. 13129/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date : 10-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th July 1984

RAC. No. 113/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Bhimavaram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhimavaram on Nov. 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri K. Atchanna,
S/o. Guranna,
14th Ward, Bhimavaram, W. G. Dt., (Transferor)
- (2) Sri K. Chandramma,
W/o. Guranna,
14th Ward, Bhimavaram, W. G. Dt., (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Bhimavaram admeasuring 385 sq. yds. of land and 1316 sq. ft., plinth registered by the S.R.O., Bhimavaram vide document No. 3707/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 10-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 10th July 1984

RAC. No. 114/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at 5th Line Chandramoulainagar, Guntur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on Nov. 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri M. Manavallayya,
S/o. Varadaraja Naidu,
Chandramoulainagar,
Guntur

(Transferor)

(2) Smt. P. Venkataratnamma,
W/o. Dr. P. Bhagavannarayana,
D. No 4-1-43, Ramannapet,
Guntur

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at 5th Line, Chandramoulainagar, Guntur admeasuring 792 sq. yds. of land and 1890 sft. of plinth area registered by the S.R.O., Guntur vide document No. 9451/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date : 10-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th July 1984

Ref. No. RAC No. 115/84-85.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
House situated at Kakinada
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)
in the office of the Registering Officer
at Kakinada on November, 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely:—

- (1) Smt. M. Puttamma and Other, Turlapallivari
Veedhi Kakinada.
(Transferor)
(2) Sri R. Sriramachandra Visweswara Rao,
H. No. 49-33 A, Seethammadhara, Vizag.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Kakinada bearing D. No. 2-59- $\frac{1}{2}$
admeasuring 347 sq yds. of land and 893 sq ft., plinth registered
by the S.R.O. Kakinada vide document No. 10045/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 10-7-1984.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th July 1984

Ref. No. RAC. No. 116/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on November 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri P. Srirama Murthy s/o Pullaiah,
Vijayawada-1.

(Transferor)

(2) Sri K. Venkata Radha Krishna Murthy and Other,
D.No. 11-25-274, 11th Ward, Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Vijayawada registered by the S.R.O., Vijayawada vide document No. 6789/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 12-7-1984.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th July 1984

Ref. No. RAC No. 117/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Krishnalanka, VJA (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on November 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ten per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri K. Subba Rao and Others, Driverpet, Krishnalanka, Vijayawada.
(Transferor)
- (2) Smt. M. Choodamani, w/o Rama Rao, Krishnaagruharani, Krishnalanka, Vijayawada.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing D. No. 47-27-35 A, Krishna Lanka, Vijayawada admeasuring 112 sq yds. of land area and 892 sqft. first floor area and 762 sqft., second floor registered by the S.R.O., Vijayawada vide document No. 6883/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 12-7-1984.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th July 1984

Ref. No. RAC. No. 118/84-85.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land at Patamata Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Authority at Vijayawada on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. L. Nirmala, w/o Venkateswara Rao,
Vijayawada.

(Transferor)

(2) Sri Mandadi Udaykumar,
s/o Subbaiah, P. V. Raju Veedhi,
Ramanagaram, Vijayawada-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land admeasuring 40 cents situated at Patamata, Vijayawada registered by the S.R.O., Vijayawada vide document No. 7054/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 12-7-1984.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th July 1984

Ref. No. RAC 119/84 85.--Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No. _____
land situated at Patamata Vijayawada
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer
at Vijayawada on November 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :

- (1) Smt. G. Lakshmi Thirupathamma,
w/o. Narasimharao, Patamatulanka, Vijayawada.
(Transferor)
(2) Smt. Ch. Vijaya Kumari w/o Satyanarayana,
Vijayawada.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter

THE SCHEDULE

Land admeasuring 40 cents at Patamata, Vijayawada regis-
tered by the S.R.O., Vijayawada vide document No. 7060/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 12-7-1984.
[Signature]

FORM ITNS—

(1) Sri V. Sreenivasa Rao and other, Khammam.
(Transferor)(2) Kirana & Jaggery Merchants Association,
Rep. by Sri V. Nagabhushanam,
President, Khammam, A.P.
(Transferee)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th July 1984

Ref. No. RAC. 120/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Khammam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khammam on November 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot admeasuring 699 sq. yds. situated at Water Tank Road, Khammam registered by the S.R.O., Khammam vide document No. 2316, 4035, 3723/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 12-7-1984,
Seal :

FORM I.T.N.S. _____

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th July 1984

Ref. No. RAC. 121/83-85.—Whereas I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
‘the said Act’), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
Land situated at Patamata Vijayawada
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer
at Vijayawada on November 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Smt. V. Nirmala Devi w/o Subrahmanyeswara,
Vatuprasad, Vijayawada.
(Transferor)
(2) Sri Ch. Kameswara Rao, Vijayawada.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 50 cents situated at Patamata, Vijaya-
wada registered by the S.R.O., Vijayawada vide document
No. 7125/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 12-7-1984,
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th July 1984

Ref. No. RAC. 355/84-85.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
Land situated at Nallagonda Karimnagar District
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer
at Karimnagar on November 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely:—

- (1) Sri M. Dasbratha Reddy & Others,
Pasalapalli, Karimnagar District. (Transferor)
- (2) M/s. Srinivasa Par Boiled Rice & Oil Industries,
Nallagonda, Karimnagar District. (Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days, from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 5 acres situated at Nallagonda registered
by the S.R.O., Karimnagar vide document No. 4026/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 12-7-1984.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th July 1984

RAC. No. 356/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Garrage situated at Saifabad, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 11/83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Dhananjaya Hotels (P) Ltd.,
Hyderabad.
(Transferor)
- (2) Mr. A. Venkata Rao,
Plot No. 115, Srinagar Colony,
Hyderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Garrage No. 12 on the ground floor situated at Saifabad Hyderabad admeasuring 263 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5608/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 12-7-1984.
Seal:

FORM ITNS—

(1) Sri P. Anand,

(Transferee)

Gowliguda, Hyderabad.

(2) Sri L. Ramabhadraiah,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th July 1984

RAC. No. 357/84-85.—Where I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Yamunapet (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Uppal on 11/83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 12 acres at Yamunapet, R.R. Dt., registered by the S.R.O., Uppal vide document No. 4290/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
65—206 GI/84

Date : 12-7-1984,
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th July 1984

RAC. No. 358/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'); have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

Land situated at Ghatkesar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Uppal on 11/83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely :—

- (1) Sri P. Balaram,
Gowliguda, Hyderabad. (Transferor)
- (2) Smt. L. Saroja w/o L. Ramabhadraiah,
Ghatkesar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 10 acres situated at Ghatkesar, registered by the S.R.O., Uppal vide document No. 4291/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 12-7-1984.

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Sri V. Sreeramulu s/o V. Rangaiah,
Tripurantakam. (Transferor)
- (2) Sri D. Ramulu s/o Lakshmiah,
H. No. 19-3-423, Jehanuma, Hyderabad. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th July 1984

RAC. No. 359/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Kothapet R.R. Dt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Uppal on 11/83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions and herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House situated at Kothapet, R.R. Dt., registered by the S.R.O., Uppal vide document No. 4137/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 12-7-1984.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th July 1984

RAC. No. 360/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated at Marredpally (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Marredpally on 11/83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri M. Srinivas & Others,
Kavediguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s Shobana Cooperative Housing Society Ltd.,
9-2-605, Regental Bazar, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 20 guntas, situated at Marredpally, Secunderabad registered by the S.R.O., Marredpally vide document No. 2020/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 12-7-1984.

Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th July 1984

RAC. No. 122/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Patamata, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 11/83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been duly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. G. Laxmi Thirupathamma w/o
Sri G. Narasimharao,
Patamatalanka, Vijayawada, Krishna Dt. (Transferor)
- (2) Sri D. Rambabu and Other,
Vijayawada Krishna Dt.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 40 cents situated at Patamata, Vijayawada registered by the S.R.O., Vijayawada vide document No. 7055/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 12-7-1984.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1984

Ref. No. RAC. No. 123/84-85.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Patamata, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Lavu Nirmala w/o
Shri L. Venkateswara Rao,
Vijayawada.

(Transferor)

(2) Shri D. Sambasiva Rao and Other,
Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 1 acre 4 cents situated at Patamata, Vijayawada registered by the S.R.O., Vijayawada vide document No. 7053/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1984

Ref. No. RAC. No. 124/84-85.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Chirala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chirala on November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri V. Venkata Subba Rao and Others, Chirala. (Transferor)
- (2) Shri Chunduru Ramachandra Rao S/o Shri Ramakoti, Chirala, Prakasam Dt. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Chirala admeasuring 284 sq. yds. of land area and 1105 sq. ft., plinth area and 450 sq. ft. plinth area in 1st floor registered by the S.R.O., Chirala vide document No. 4215/83;

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM IT.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1984

Ref. No. RAC. No. 125/84-85.—Whereas I,
M. JEGAN MOHAN,
Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
House situated at Gudur
(and more fully described in the
schedule annexed hereto), has been transferred as per deed
registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in
the Office of the Registering Officer at
Nellore in November, 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate Proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of the notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

- (1) Smt. Ch. Subbamma W/o
Shri Radha Reddy,
Ayyavaripalem, Nellore Dt. (Transferor)
- (2) Smt. V. Padmavathamma W/o
Shri Dasaratharami Reddy,
Raja Veedhi, Gudur, Nellore Dt. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Illavari veedhi, Gudur, Nellore
Dt., admeasuring 168 sq. yds. of land area and 864 and 288
sft., plinth area registered by the S.R.O., Nellore vide docu-
ment No. 1614/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sripathi Subbalah Setty S/o
Shri Venkata Subbalah,
Nellore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri N. Ramakrishnaiah and Others,
Balajinagar, Nellore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1984

Ref. No. RAC. No. 126/84-85.—Whereas I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
Land situated at Bit-II (v), Nellore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred as per deed registered Act. 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Nellore on November, 1983
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated
in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
~~45 days from the date of publication of this notice~~
~~in the Official Gazette or a period of 30 days from~~
~~the service of notice on the respective persons,~~
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian Income-tax
Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land admeasuring 2 acres, 16 cents situated at Bit-II vil-
lage, Nellore registered by the S.R.O., Nellore vide document
No. 6054/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asslt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

66—206 GT/84

Date : 13-7-1984

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1984

Ref. No. RAC. No. 127/84-85.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Nellore (and more fully described in schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nellore on November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sripathi Venkata Subbalah S/o
Shri Subbalah Setty,
Kukundapuram, Navabpet, Nellore. (Transferor)
- (2) Shri P. Chenchu Reddy and Others,
16-1829, Srinivasaagraharam,
Nellore-524 001. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 2 acres, 8 cents situated at Bit-II vil-
lage, Nellore registered by the S.R.O., Nellore vide document
No. 6053/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1984

Ref. No. RAC. No. 128/84-85.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Kakinada Tq., Ramanayyapeta (V) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Registering Officer at Kakinada on November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri S. Krishna S/o
Shri S. Satyam,
Kakinada. (Transferor)
- (2) M/s. Dhanalaxmi Modern Rice Mill,
Rep. by Sri Satteppanaidu,
Managing partner,
Plot No. 22, Industrial Estate,
Kakinada. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 1504 sq. yds. situated at Ramanayyapeta Village, Kakinada Tq., E.G.Dt., registered by the S.R.O., Kakinada vide document No. 9499/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1984

Ref. No. RAC. No. 129/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Billampalli (v) (and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nuzvid on November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration on such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri Bobba Nageswara Rao and Others,
Billanapalli, Nuzvid Tq., Krishna Dt.,
(Transferor)
- (2) Krishna District Scheduled Castes Co-operative Society, Rep. by Sri D.S.N.V. Prasad, Executive Officer, Machilipatnam, Krishna Dt.,
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 66.50 acres situated at Billanapalli, Nuzvid Taluq, Krishna Dt., registered by the S.R.O., Nuzvid vide document No. 3067, 3068, 3001/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Sri V. Butchi Venkata Seshagiri Rao and
Other, S. Kota, Vizianagaram Dt.
(Transferor)
- (2) Sri Seetharama Associates, Rep. by its Managing
Partner Sri Y. Vivekananda, S/o Y. Seetharama
Murthy, C.B.M. Compound Visakhapatnam,
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1984

Ref. No. RAC. 130/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN
MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the
'Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. Land, situated at Beemunipatnam, Vizag
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at Vizag on November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 17.49 acres situated at Gandhinaga-
ram village, Bheemunipatnam, Taluk, Vizag District regis-
tered by the S.R.O., Visakhapatnam vide document No.
12562/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-7-1984
Seal:

FORM ITIN**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)**

Hyderabad, the 13th July 1984

Ref. No. RAC. 131/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Narsapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Eluru on 11/83 for an apparent consideration which is less than the fair-market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri Vundavalli Hemasundara Gandhi,
Narsapuram, W.G. Dt.,
(Transferor)
- (2) Sri Pethani Venkanna & Co., 11th Ward,
Palakollu, W.G. Dt.,
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice** in the Official Gazette or a period of 30 days **from the service of notice on the respective persons**, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at D. No. 10-7-10, admeasuring 1130 sft., plinth area and 303 sq. yds. of land area registered by the S.R.O., Eluru vide document Nos. 6100, 6318, 6320, 6206/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. G. Peranima & Others, Jonnathali Post,
Chilakaluripet Tq

(Transferor)

(2) Sri K. Srinivasa Rao, Director, Amaravathi
Textiles (P) Ltd., Chilakaluripet, Guntur Dt.
(Transferee)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1984

Ref. No. RAC. 132/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Martoor village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Martoor on 11/83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 8 acres 91½ cents situated at Martur village Addanki Taluk, Prakasam Dt., registered by the S.R.O., Martoor vide document No. 2349, 2343, 2364, 2355/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1984

Ref. No. RAC. 133/84-85.—Whereas, I. M. JEGAN
MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Ramanayyapet village, Kakinada Taluk (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on 12/83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. K. Venkataratnamma, d/o K. Ramatulasamma, Gandhinagar, Suryaraopeta, Kakinada.
(Transferor)

(2) Smt. Y. Jayalaxmi and Others, D. No. 13-1-23, Suryaraopeta Kakinada
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 1332 sq. yds. situated at Ramanayyapeta village, Kakinada Taluk, E.G.Dt., registered by the S.R.O., Kakinada vide document No. 10102/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri KESAVA RAO, s/o. Atchutharamaiah, Dil-
shukunagar, Bhavanagar, Hyderabad.

(Transferee)

(2) Dr. Annam Peddā Pulla Rao, s/o Anjaiah,
7th Line, Arundalpet, Guntur.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1984

Ref. No. RAC. 134/84-85—Whereas I. M. JEGAN
MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Guntur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the
Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of
the Registering Officer

at Guntur on 11/83

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
monies or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—
67—206GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing D. No. 6-8-32 situated at Arundal-
pet 8th Line, 2nd cross Road, Guntur registered by the
S.R.O., Guntur vide document No. 9906/83

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th July 1984

Ref. No. RAC. 135/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land situated at Sarpavaram Kakinada (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on 11/83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri M. S. Suryarao and others,
Sarpavaram, East Godavari Dt.,
(Transferor)
- (2) Sri Muddana Chakra Rao, Sarpavaram
Kakinada Tq., E.G. Dt.,
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 50 cents situated at Sarpavaram, Kakinada Tq., East Godavari Dt., registered by the S.R.O., Kakinada vide document No. 10518 and 10500/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 12-7-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th July 1984

Ref. No. RAC. No. 136/84-85. -Whereas, I. M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Share in Cinema Theatre Kakinada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on 12/83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act., I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

- (1) Sri B. Venkata Bayudu and Others,
Gandhinagaram, Kakinada.

(Transferor)

- (2) Smt. E. Parvathi, 2. Sri E. Subba Rao, 3. Sri P. Bhaskara Rao and Smt. P. Sujatha, s/o Laxmi Talkies, KAKINADA.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

0-4-3 share in Cinema Theatre named M/s. Lakshmi Talkies, Kakinada registered by the S.R.O., Kakinada vide document Nos. 10401, 10402, 10403 and 10404/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1984

Ref. No. RAC. No. 137/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land situated at Kuthukudumilli East G. Dt., (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pithapuram in 11/83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri K. Suryanarayana Sresthi s/o Balakrishna, 10th Ward, Pithapuram,

(Transferor)

(2) Sri Ch. Battacharaju and Others, Stuartpetta, Pithapuram, F.G. Dt.,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 17.49 acres situated at Pithapuram, Taluk Kuthukudumilli village registered by the S.R.O., Kakinada vide document No. 2602/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 13-7-1984

Seal :

FORM ITNS

(1) Executive Officer, Sri Ch. Devadanam,
Sri Venkateswara Swamy Temple, Guntur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri J. Radha Krishna Murthy, Secretary Akhiland-
vasri Potturamulu Sevak Samajam, Pottisriramulu-
nagar, Guntur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1984

Ref. No. RAC. No. 158/84-85.—Whereas I, M.2 JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land situated at Koritipadu Guntur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Land situated at Nuzvid Registering Officer at Guntur in 11/83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 1 acre 48 cents situated at Koritipadu village, Guntur registered by the S.R.O., Guntur vide document No. 8851/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-7-1984
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1984

Ref. No. RAC. No. 139/84-85.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Nuzvid (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nuzvid on 11/83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S. Suryanarayana Rao,
Ramannagudem.

(Transferor),

(2) Sri Srinivasa Concerns, Rep. by Sri Inuganti Venkata Raja Sudhakar, Nuzvid,
Post Krishna Distt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 2 acres 76 cents and shed admeasuring 3696 sft. k., registered by the S.R.O., Nuzvid vide document No. 3057/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad. the 13th July 1984

Ref. No. RAC. No. 140/84-85.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. Land situated at Nuzvid

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nuzvid on 11/83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri Kadiyala Ratna Kumari w/o Nagabhushanam, Nuzvid. (Transferor)
- (2) Sri R. Bujji Venkata Surayamma, w/o Venkatarama Rao, Nuzvid. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 2 acres 08 cents situated at Nuzvid, Krishna Dt., registered by the S.R.O., Nuzvid vide document No. 3083/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1984

Ref. No. RAC No. 361/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House, situated at Chikkadpally, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Hyderabad on 11/83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri Samba Singh, S/o Sri Oode Singh,
Nimmoaladda, Hyderabad.
(Transferor)
- (2) Sri P. Krishna Rao,
s/o Lakshminarasimha Rao, D. No. 1-1-261/15,
Chikkadpally, Hyderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Chikkadpally bearing H. No. 1-1-261/15 (Portion) admeasuring 253 sq. yds. and buildup area 100 sq. ft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5906/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Sri Samboo Singh, s/o Oode Singh,
NimboliaddSa, Hyderabad. (Transferor)
- (2) Sri K. Rajamani, w/o Viswanath Gowd,
D. No. 1-1-261/15, Chikkadpally, Hyderabad. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1984

Ref. No. RAC. No. 362/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Chikkadpally, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 11/83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property portion bearing No. 1-1-261/15 admeasuring 220 sq. yds. and 100 sft., plinth area registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5797/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 13-7-1984
Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1984

Ref. No. RAC. No. 363/84-85.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Chikkadpally, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on 11/83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri Samboo Singh, s/o Oode Singh,
Nimboliadda, Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Sri G. Narasimha Reddy, s/o Yellareddy,
H. No. 1-2-261/15, Chikkadpally, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House portion 1-1-261/15, situated at Chikkadpally, Hyderabad admeasuring 200 sq. yds. and plinth area 100 sq. ft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5907/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1984

Ref. No. RAC. No. 364/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land situated at Masabtank, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on 11/83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri Syed Hashim, s/o Syed Yaseen & Other,
Begum Bazar, Hyderabad.
(Transferor)
- (2) Sri Syed Hussain, s/o Syed Md. Iqbal Shakeel,
H. No. 4-59/5, Vikasnagar, Dilsuknagar,
Hyderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land admeasuring 1000 sq. yds. and 180 sq. ft., plinth area Masab Tank, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5776/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Sri Syed Abdul Khader, 19-1-574/1/3,
Bahadurpura, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Sri Syed Rasheed Mohiuddin,
10-5-32/2, Ahmednagar, 1st line, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1984

Ref. No. RAC No. 365/84-85.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

House, situated at Nehrunagar Masabtank, Hyderabad
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred
under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of
the Registering Officer at
Hyderabad on 11/83

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House property admeasuring 380 sq. yds. of land and 150
sq. ft. plinth area situated at Nehrunagar, Masabtank, Hyderabad
registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No.
5603/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Ganesh Das, s/o Narayan Das and Others,
7-2-185, Marvadigalli, Nizamabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Shanta Bai, w/o Luxmichand, and Others,
6-20-52, Gurbavadi, Nizamabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1984

Ref. No. RAC. No. 366/84-85.—Whereas, I
M. JEGAN MOHAN
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
Land situated at Gurbavadi Nizamabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the registering Officer at
Nizamabad on 11/83
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days, from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957) ;

THE SCHEDULE

Open plots No. 4, 5, 6, 7, situated at Gurbavadi, Nizamabad
admeasuring 866.66 sq. yds. registered by the S.R.O.,
Nizamabad vide document No. 4677/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS

- (1) Sri M. Rama Devi, w/o M. A. Raju,
2-2-647/273/A, Bagh Amberpet, Hyderabad.
(Transferor)
- (2) Smt. V. Satyavathi, w/o V. S. Raju,
23, G.I.E., 1st Phase, Balanagar,
Hyderabad-37.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1984

Ref. No. RAC. No. 367/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot, situated at Khairatabad, Hyderabad and morefully described in the schedule annexed hereto has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on 11/83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 44 in S. Nos. 116/3, 4, 120, 121 and 122 situated at Khairatabad, Hyderabad registered by the S.R.O., Khairatabad vide document No. 2994/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Rani L. Sarala Devi, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Qamar Sultana, 12-1-934,
Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1984

Ref. No. RAC. No. 368/84-85.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHANbeing the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred as per deed registered under the
Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the
office of the Registering Officer at
Khairatabad on 11/83for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 12-1-934 situated at Khairatabad, Hyderabad
admeasuring 153 sq. yds. of land and 700 sft., plinth register-
ed by the S.R.O., Khairatabad vide document No. 3129/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 13-7-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1984

Ref. No. 369/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Afzalgunj, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 11/83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

- (1) Sri Kishanlal, s/o Lokmanya Singh and Others, 13-1-522, Dilawargunj, Hyderabad. (Transferor)
- (2) Sri Govindlal Ozha, s/o Badrinarayan Ozha, 4-4-51, Secunderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property Mulgi No. 15-9-409 situated at Afzalgunj, Hyderabad admeasuring 33.33 sq. registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5999/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-7-1984
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1984

Ref. No. RAC. No. 370/84-85.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
House situated at Muradnagar, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the
Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the
office of the Registering Officer at
Khairatabad on 11/83
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

69—206GI/84

- (1) Sri Kameelullah, 10-5-29, Masabtank,
Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Sri Mir Farooq Ali, 12-2-54, Muradnagar,
Hyderabad.

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 12-2-54, situated at Muradnagar, Hyderabad re-
gistered by the S.R.O., Kairatabad vide document No. 2990/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 13-7-1984

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, 15th June 1984

Ref. No. RAC. No. IAC/ACQ/37-EE/1.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Office No. 161 to 163 in 1st floor of Babu Khan Estate, situated at Basheerbagh, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (15 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acq. Hyderabad on 8/83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Babu Khan Constructions, 5-9-58/1/15, Basheerbagh, Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Smt. P. Sitamani, R/o 203, Mattusli Apartments, Hyderguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 161, 162 and 163 in 1st floor of Babu Khan Estates, Basheerbagh, Hyderabad (Area 1142 sq.ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Hyderabad under Registration No. 254 in the month of August, 1983).

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date 15-6-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 15th June 1984

Ref. No. RAC. No. IAC/ACQ/37-EE/2.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. Flat No. 602 in 6th floor of Akbar Towers, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Competent Authority at I.A.C., Acquisition Range, Hyderabad in Aug/83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Ashl Constructions, 102, Akbar Towers, New Mahakpet, Hyderabad. (Transferor)
- (2) Dr. Mohd. Shateeq, 16-8-921/6, Malakpet, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 602 in 6th floor at New Malakpet, Hyderabad Akbar Towers admeasuring 1166 sq. ft.
(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Hyderabad under registration No. 260 in the month of August, 1983).

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date 15-6-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, 15th June 1984

PAC. No. IAC/ACQ/37-EE/3.—Whereas, I
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
Flat No. 102 in 1st floor of Akbar Tower
situated at Malakpet Hyd.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering
at IAC, Acq. Range, Hyderabad on 8/83
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely:—

(1) M/s. Aabi Constructions.
102, Akbar Towers,
New Malakpet,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri Mohd. Wajid Hussain,
Old Malakpet,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 102 in 1st floor of Block 'A' Akbar Towers,
Malakpet, Hyderabad (Area 1250 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered
in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Hyderabad
under registration No. 261 in the month of August, 1983.)

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 15-6-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, 15th June 1984

RAC. No. IAC/ACQ/37-EE/4.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority Under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Office No. 302 in 3rd floor of Babu Khan Estate, situated at Bashirbagh, Hyd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering at I.A.C., Acq. Hyd. on 8/83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s-Babul Khan Constructions,
5-9-58/1-15,
Bashirbagh,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Mohd. Minhaj Ali Hasan,
16-10-185/21,
Old Malakpet,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 302 in 3rd floor of Babukhan Estate, Bashirbagh, Hyderabad (area 3229 sq.ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Hyderabad under registration No. 262 in the month of August, 1983.)

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 15-6-1984

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, 15th June 1984

RAC, No. IAC/ACQ/37-EE/5.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing F. No. 001 B in Ground floor situated at Mud Fort Apartments, Hyd. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at I.A.C., Acq. Hyd. on 8/83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) M/s. Innovation Builders,
142/C Penderghast Rd.,
Secunderabad.

(Transferor)

(2) Smt. K. Komala,
638/C, BHEL Township,
Hyderabad-32.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 001 B in Ground floor, Mudfort, Apartments,
211 Mud Fort Secunderabad (Area 1050 sq.ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., acquisition Range, Hyderabad under registration No. 272 in the month of August, 1983)

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 15-6-1984
Seal :

FORM ITNS-----

(1) M/s Innovation Builders, 142/C, Prenderghast Rd., Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri K. Ramanathan, 1-10-105 Ashoknagar Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 15th June 1984

RAC. No. IAC/ACQ/37EE/6.--Whereas, I. M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. F. No. 201-B in 2nd floor of Mud Fort Apartments, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I.A.C., Acq., Hyderabad on August, 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201-B in 2nd floor of Mudfort Apartments, Secunderabad (Area 1080 sq.ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Hyderabad under registration No. 274 in the month of August, 1983)

M. JEGAN MOHAN
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A. P.)

Date : 15-6-1984.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 16th June 1984

RAC. No. IAC/ACQ/37-EE/7.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 104-B in floor of Mud Fort Apartments situated at Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acq., Hyderabad, August, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri G. Sankaran 26/C, Shanti Hospital Compound West Merredpally, secunderabad. (Transferor)
(2) M/s. Innovation Builders, 142-C Penderghast Road Secunderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 104-B in 1st floor of mudfort Apartments, Secunderabad (area 980 sq.ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Hyderabad under registration No. 274 in the month of August, 1983)

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A. P.)

Date : 15-6-1984.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 15th June 1984

RAC. No. IAC/ACQ/37-EE/8.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. F. 102-B, 1st floor of Mud Fort situated at Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acq. Range, Hyderabad, on August, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
70—206GI/84

(1) M/s. Innovation Builders, 142-C Ponderghast Rd., Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sri V.S.S. Suryanarayana, P. No. 38, Srinivasa Colony, Near Sanjeevareddynagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 102-B in 1st floor of Mud Fort, Apartments Secunderabad (Area 980 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Hyderabad under registration No. 275 in the month of August, 1983).

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A. P.)

Date : 15-6-1984.
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 15th June 1984

RAC. No. IAC/ACQ/37-EE/9.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing F. No. 239 D-Block, Kanthisikhara Punjagutta, Hyd. Apart., (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at I.A.C., Acq. Range, Hyd 8/83 for an apparent consideration for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Virgo Constructions,
6-1-1063/B/3, Raj Bhavan Road,
Hyderabad. (Transferor)
- (2) Shri R. Narayanan,
D-Block Flat No. 239,
Kanthisikhara Apartments, Punjagutta,
Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 43 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 239 in D-Block, Kanthisikhara Complex, Punjagutta, Hyderabad (Area 846 sft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Hyderabad under registration No. 283 in the month of August, 1983).

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A. P.)

Date : 15-6-1984.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 16th June 1984

RAC. No. IAC/ACQ/37EE/10.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. F. No. A-2 in 2nd floor of Sony Builders, Himayathnagar, Hyderabad,

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acq., Hyderabad, August, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely :—

- (1) M/s. Sony Builders, No. 3-6-389, Himayathnagar, Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Sri Suleman Vali Mohammed
F. No. A-2, 2nd floor 3-6-389, Sony Builders, Himayathnagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. A-2 in 2nd floor of Sony Builders, 3-6-389, Himayathnagar Hyderabad (Area 1555 sft.,)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Hyderabad under registration No. 284 in the month of August, 1983)

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A. P.)

Date : 15-6-1984.
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A. P.)**

Hyderabad, the 13th July 1984

. RAC. No. IAC/ACQ/37-EE/11.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. F. No. 1, situated at 1-2-524 Domalguda, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (1608 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acq. Range, Hyderabad September, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Sagar Constructions, 1-2-524,
Domalguda,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri C. L. Narayana, Woodpet,
Anakapalli,
Visakhapatnam Dist.,

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1 in Ground floor of 1-2-524, Domalguda, Hyderabad (Area 1200 sq.ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition, Hyderabad under Registration No. 288 in the month of September, 1983).

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad (A. P.)

Date : 13-7-1984.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 13th July 1984

RAC. No. IAC/ACQ/37-EE/12.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Office No. 17 and 18 situated at Rangaraja Towers, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acq. Hyderabad, on September, 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Lakshmi Builders,
5-9-12, Saifabad,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri P. Ramulu, Ismailkhanpet, Medak Distt.,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Office Block Nos. 17 and 18 at Rangaraja Towers, Saifabad Hyderabad (Area 621 sft., and 431 sft)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the IAC, Acquisition Range, Hyderabad under registration No. 289 and 290 in the month of September, 1984).

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A. P.)

Date : 13-7-1984.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 13th July 1984

RAC. No. IAC/ACQ/37EE-13.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 and bearing No.

Unit No. 5 & 4 at Bashirbagh Hyderabad, situated at Hyd.,
(and morefully described in the Schedule annexed hereto)has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering

Officer at IAC. Acq. Hyderabad, on September, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

- (1) M/s. Royal Builders,
R/3, Jagdish Market,
Chiragali Lane,
Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Mrs. Rafi Zaffar and Mr. Syed Abu Zaffar
R/o. H. No. 3-6-229, Himayathnagar,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 5 and 4 in 2nd floor of 5-9-30/21 to 25, Bashir-
bagh Hyderabad (Area 255 sq. ft., and 255 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered
in the office of the IAC, Acquisition Range, Hyderabad under
registration Nos. 292 and 293 of Sept. 1983).

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad (A. P.)

Date : 13-7-1984.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 13th July 1984

RAC. No. IAC/ACQ/37-EE/14.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. F. No. 1 situated at 5-9-216 Chiragali Lane, Hyd., (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I.A.C., Acq., Hyderabad on September, 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Tawakkal Builders,
Chiragali Lane,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mr. Mohd. Pasha Quadri,
Box. No. 381, Soudi Arabia.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1 in 5-9-216 Chirag-ali-lane, Hyderabad (Area 1400 sq.ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Hyderabad under registration No. 294 of Sept., 1983).

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of the Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A. P.)

Date : 13-7-1984.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1984

Ref. No. RAC No. IAC/ACQ/37-EE/15.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Office No. 547, situated at Ranigunj, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acq. Hyd. on 9/83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Babu Khan Builders,
5-4-86 to 92 M. G. Road,
Secunderabad.

(Transferor)

- (2) M/s. Ranga Finance & Investment (P) Ltd.,
6-3-890, Somajiguda,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office space No. 547 in 5-4-86 to 92, Ranigunj, Secunderabad (area 266 sft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Hyderabad under registration No. 295 in the month of Sept. 1983.)

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 13-7-1984.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1984

Ref. No. RAC No. IAC/ACQ/37EE/16.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Office No. 642, situated at Ranigunj, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acq. Hyd. on 9/83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) M/s. Babu Khan Builders,
5-4-86 to 92, Ranigunj,
Secunderabad

(Transferor)

(2) Sri M. Subba Rao,
Premises No. 642 in 5-4-86 to 92, Ranigunj,
Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Office No. 642 in 6th floor of 5-4-86 to 92, Ranigunj, Secbad (area 266 fts).

Property as described in the agreement to sale registered in the Office of the I.A.C., Acquisition Range, Hyderabad under registration No. 296 of Sept. 1983.).

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 13-7-1984;
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 13th July 1983

No. RAC No. IAC/ACQ/37EE/17.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Office No. 643, situated at Ranigunj, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acq. Hyd. on 9-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Babu Khan Builders,
5-4-86 to 92, M. G. Road,
Secunderabad.

(Transferor)

(2) M/s. Meduri Capaciforms Pvt., Ltd.
16-9-831/3, Malakpet,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office space No. 643 in 6th floor of 5-4-86 to 92, Ranigunj Secunderabad (area 266 sq.ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Hyderabad under registration No. 297 of Sept. 1983).

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 13-7-1984.
Sent :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 13th July 1983

Ref. No. IAC/ASQ/37EE/18.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Office No. 631, 630, situated at Ranigunj, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue for this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Babu Khan Builders,
5-4-86 to 92, Ranigunj,
Secunderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Kotha Vidyanti and K. Sandhya Rani,
162, Vasavinagar, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 631 630 in 5-4-85 to 92 Ranigunj, Secunderabad (area 349 sft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Hyderabad under registration No. 299 of Sept, 1983).

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 13-7-1984.
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Innovation Builders
142/C, Penderaghat Rd.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. K. T. Abraham,
166 Sikh Road, Secunderabad.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 13th July 1983

RAC No. IAC/ACQ/37BE/19.—Whereas, I
M. JEGAN MOHAN,being the Competent Authority under Section 269B of the
income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingF. No. 203 situated at Secbad
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office
of the Competent Authority
at IAC, Acq. Hyd. on 9/83for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to bet-
ween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
**45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette** or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which
ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, and shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 203 A in 2nd floor of Mudfort Apartments,
Secunderabad (area 1080 sq.ft.).

Property as described in the agreement to sale registered
in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Hyderabad
under Registration No. 303 of Sept., 1983).

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 13-7-1984.
Seal :

FORM ITNS

SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 13th July 1983

RAC No. IAC/ACQ/37EE/20.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. F. No. B-56 situated at Siddiambar Bazar Hyd (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acq. Hyd. on 9/83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

and/or, in pursuance of Section 269C of the said Act, by initiating proceedings for the acquisition of the property by the issue of this notice under sub-section 269D of the said Act, to the following

- (1) M/s Bharat Construction Co.,
15-1-503, Siddiambar Bazar, Hyderabad.
(Transferee)
- (2) Sri Ashok Kumar Jain,
Flat No. B-56, in 15-1-503, Siddiambar Bazar,
Hyderabad.
(Transferor)

Conditions, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B 56 in Siddiambar Bazar, Hyderabad (area 900 sq.ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Hyderabad under registration No. 309 of Sept. 1983)

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 13-7-1984.
Sd/-

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV,
HYDERABAD

Bombay, the 13th July 1984

No. RAC No. IAC/ACQ/37EE/21. --Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing bearing No. Flat No. 33, 3rd fl., Deo Apartment No. F, No. 201 situated at Malakpet Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acq. Hyd. on 9.83.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) M/s. Aabi Constructions, Ak
New Malakpet, Hyderabad.

(2) Mr. Abdul Jabbar, 16-11-597,
Hyderabad.

Objections, if any, to the acquisition of the ~~said property~~ may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201 in 2nd floor of Akbar Towers, Malakpet, Hyderabad (area 1280 sq.ft.)

Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Hyderabad under registration No. 314 of Sept, 1983)

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 13-7-1984.
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Anbi Constructions, Akbar Towers,
New Malakpet Hyderabad.

(Transferor)

SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Mr. Riaz Ahmed, 16-3-921,
Chenchalguda Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 13th July 1983

No. RAC IAC/ACQ/37EE/22.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

F. No. 204, situated at Akbar Towers Malakpet, Hyd.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred

under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the
Office of the Registering Officer at
IAC, Acq. Hyd. on 9/83

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and the consideration for such transfer as agreed to
by the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45
days from the date of publication of this notice in the
Official Gazette or a period of 30 days from the
service of notice on the respective persons, which
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

facilitating the concealment of any income or any
or other assets which have not been or
ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(22 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1927 (27 of 1927);

THE SCHEDULE

Flat No. 204 in 2nd floor of Block 'A', Akbar Towers,
Malakpet, Hyderabad (area 1180 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered
in the office of the I.A.C. Acquisition Range Hyderabad
under registration No. 315 in the month of Sept., 1983)

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 13-7-1984.
Seal:

in pursuance of Section 269C of the said
Act, for the acquisition of the
said property, the issue of this notice under
Section 269D of the said Act, to the follow-

and that
between
instrument

AUGUST 2

RA 3, 1903

INS

THE INCOME-

NOTICE UND

INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), 13th July 1983

No. RAC No. IAC/ACQ/37EE/23.—Whereas, I, **M. JEGAN MOHAN**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Office No. 1002 & 1001, situated at Bashirbagh, Hyd (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the registering Officer at IAC, Acq. Hyd. on 9.93 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. B...
5-9-58
Hyd...

(2) ...
Narayana ...
Hyderabad...

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 1002 and 1001 in 10th floor of Babu Estate, Bashirbagh Estate, Hyderabad (Area 1103 sq. ft. 1304 sq. ft.)
(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Hyderabad under registration Nos. 316 and 317 of Sept. 1983)

M.
Co
Inspecting Assistant Commissioner
Acquisition Range,

Date : 13-7-1984
12: